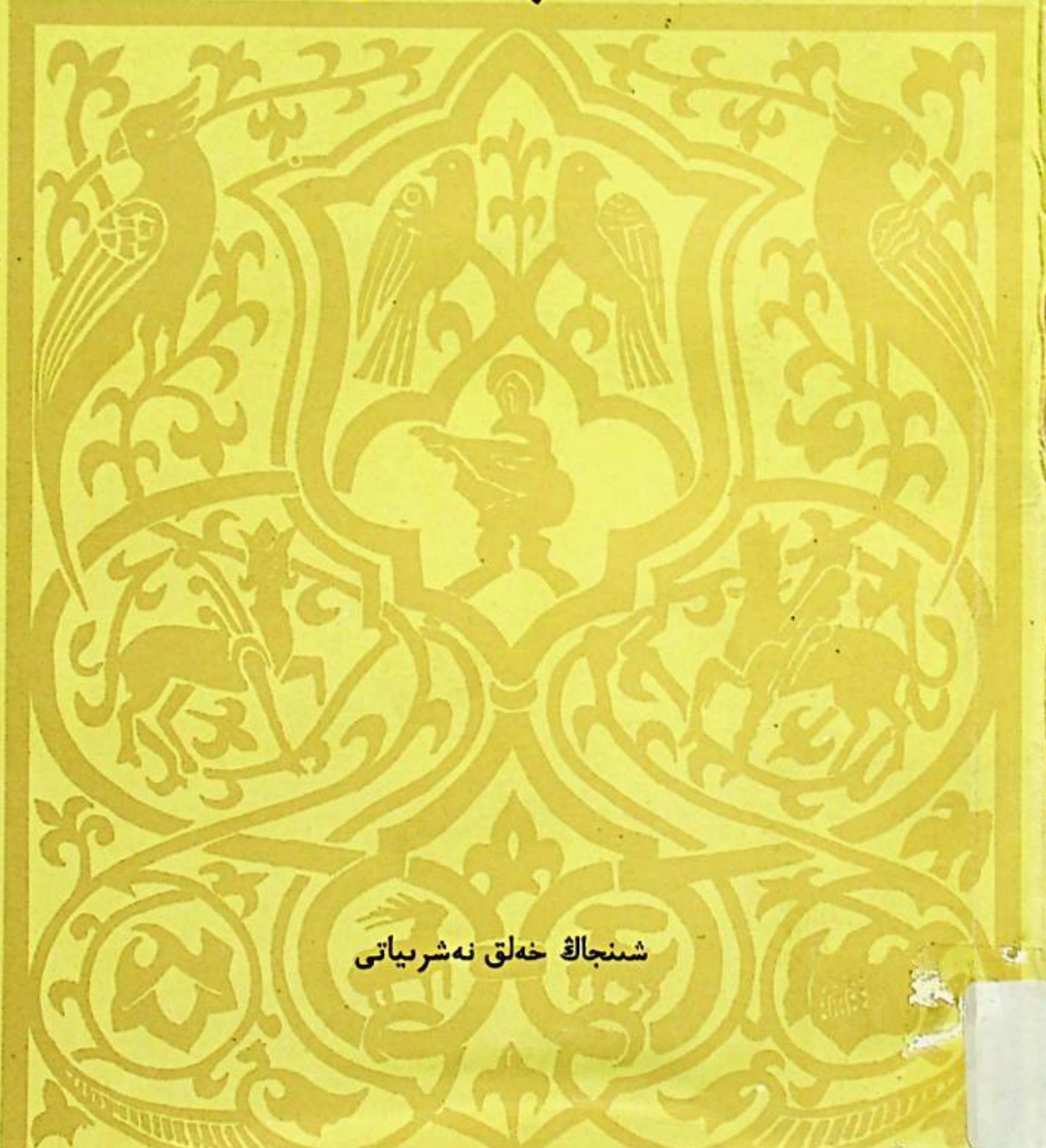


ئەرەب ئەدەپسیات

(قىسىقچە تارىخى)



شىنجاڭ خەلق نەشرىياتى



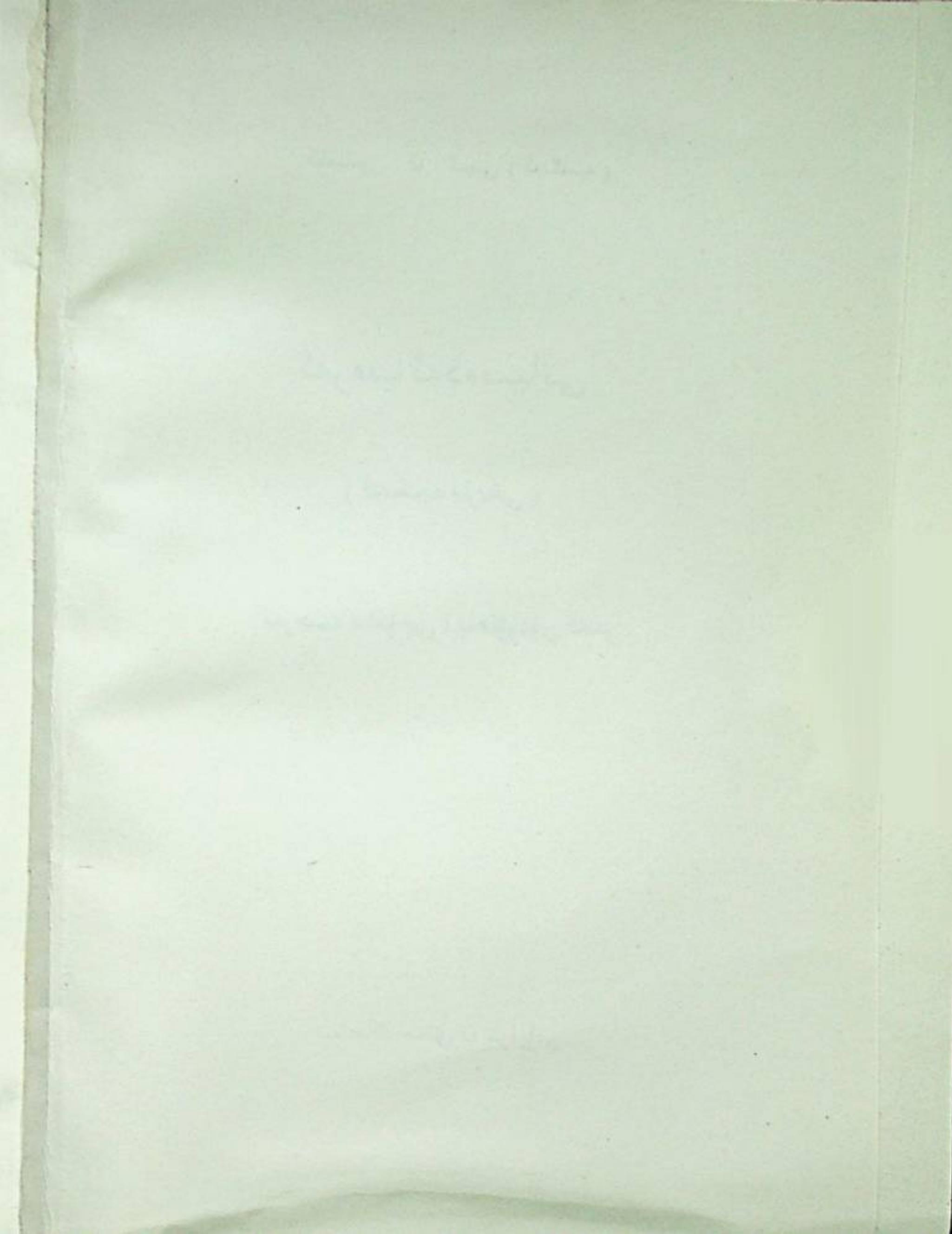
خاميلتون . ئا . گېبى (ئەنگلەيە)

ئەرەب ئەدەبیاتى

(قىسىقچە تارىخى)

تەرجىمە قىلغۇچى : باھاۋۇدۇن قادر

شىنجاڭ خەلق نەشرىياتى



مۇنۇھەرىجە

| | |
|-----|---|
| 1 | خەلزۇچىغا تەرجىمە قىلغۇچىدىن |
| 1 | تۈنۈجى نەشرىگە كىرىش سۆز |
| 1 | قايتا نەشرىگە كىرىش سۆز |
| 1 | 1 - باب قىسىقچە تونۇشتۇرۇش |
| 7 | 2 - باب ئىرەب تىلى |
| 17 | 3 - باب قەھرىمانلىق دەۋرى (مىلادى 500 - 622 - يىللار) ... |
| 45 | 4 - باب تەرەققىيات دەۋرى (مىلادى 22 - 750 - يىللار) ... |
| 66 | 5 - باب ئالتۇن دەۋرى (مىلادى 50 - 1055 - يىللار) ... |
| 73 | 1 - باسقۇچ (مىلادى 750 - 813 - يىللار) ... |
| 92 | 2 - باسقۇچ (مىلادى 813 - 945 - يىللار) ... |
| 126 | 3 - باسقۇچ (مىلادى 945 - 1055 - يىللار) ... |
| 132 | (A) سەيىق دەۋلەتە شىكلاٰتى |
| 137 | (B) بۇۋەھىيە خانلىقى ھۆكۈمەنلىقىدىكى ئىراق |
| 145 | (C) شەرقىي پېرسىيە |
| 155 | (D) مىسر ۋە غەربىي شىمالىي ئافريقا |
| 157 | (E) ئىسپانىيە (مىلادى 750 - 1091 - يىللار) ... |
| 178 | 6 - باب كۈمۈش دەۋرى (مىلادى 1055 - 1258 - يىللار) ... |
| 183 | 1 - ئىراق ۋە پېرسىيە |
| 193 | 2 - مىسر ۋە سۈرىيە |
| 202 | 3 - سىتىلىيە |
| 204 | 4 - ئىسپانىيە |
| 214 | 7 - باب مەملۇك دەۋرى (مىلادى 1258 - 1800 - يىللار) ... |
| 216 | 1 - 1517 - 1258 - يىللاردىكى مىسر ۋە سۈرىيە |

- 226 2 - تیپانیه و غربی شمالی آفریقا
 233 3 - ملاصداری 1517 - 1800 . بیلار
 241 خاتمه

| | | |
|-------|---------|--|
| 1 - | | |
| 2 - | | |
| 3 - | | |
| 4 - | | |
| 5 - | | |
| 6 - | | |
| 7 - | | |
| 8 - | | |
| 9 - | | |
| 10 - | | |
| 11 - | | |
| 12 - | | |
| 13 - | | |
| 14 - | | |
| 15 - | | |
| 16 - | | |
| 17 - | | |
| 18 - | | |
| 19 - | | |
| 20 - | | |
| 21 - | | |
| 22 - | | |
| 23 - | | |
| 24 - | | |
| 25 - | | |
| 26 - | | |
| 27 - | | |
| 28 - | | |
| 29 - | | |
| 30 - | | |
| 31 - | | |
| 32 - | | |
| 33 - | | |
| 34 - | | |
| 35 - | | |
| 36 - | | |
| 37 - | | |
| 38 - | | |
| 39 - | | |
| 40 - | | |
| 41 - | | |
| 42 - | | |
| 43 - | | |
| 44 - | | |
| 45 - | | |
| 46 - | | |
| 47 - | | |
| 48 - | | |
| 49 - | | |
| 50 - | | |
| 51 - | | |
| 52 - | | |
| 53 - | | |
| 54 - | | |
| 55 - | | |
| 56 - | | |
| 57 - | | |
| 58 - | | |
| 59 - | | |
| 60 - | | |
| 61 - | | |
| 62 - | | |
| 63 - | | |
| 64 - | | |
| 65 - | | |
| 66 - | | |
| 67 - | | |
| 68 - | | |
| 69 - | | |
| 70 - | | |
| 71 - | | |
| 72 - | | |
| 73 - | | |
| 74 - | | |
| 75 - | | |
| 76 - | | |
| 77 - | | |
| 78 - | | |
| 79 - | | |
| 80 - | | |
| 81 - | | |
| 82 - | | |
| 83 - | | |
| 84 - | | |
| 85 - | | |
| 86 - | | |
| 87 - | | |
| 88 - | | |
| 89 - | | |
| 90 - | | |
| 91 - | | |
| 92 - | | |
| 93 - | | |
| 94 - | | |
| 95 - | | |
| 96 - | | |
| 97 - | | |
| 98 - | | |
| 99 - | | |
| 100 - | | |
| 101 - | | |
| 102 - | | |
| 103 - | | |
| 104 - | | |
| 105 - | | |
| 106 - | | |
| 107 - | | |
| 108 - | | |
| 109 - | | |
| 110 - | | |
| 111 - | | |
| 112 - | | |
| 113 - | | |
| 114 - | | |
| 115 - | | |
| 116 - | | |
| 117 - | | |
| 118 - | | |
| 119 - | | |
| 120 - | | |
| 121 - | | |
| 122 - | | |
| 123 - | | |
| 124 - | | |
| 125 - | | |
| 126 - | | |
| 127 - | | |
| 128 - | | |
| 129 - | | |
| 130 - | | |
| 131 - | | |
| 132 - | | |
| 133 - | | |
| 134 - | | |
| 135 - | | |
| 136 - | | |
| 137 - | | |
| 138 - | | |
| 139 - | | |
| 140 - | | |
| 141 - | | |
| 142 - | | |
| 143 - | | |
| 144 - | | |
| 145 - | | |
| 146 - | | |
| 147 - | | |
| 148 - | | |
| 149 - | | |
| 150 - | | |
| 151 - | | |
| 152 - | | |
| 153 - | | |
| 154 - | | |
| 155 - | | |
| 156 - | | |
| 157 - | | |
| 158 - | | |
| 159 - | | |
| 160 - | | |
| 161 - | | |
| 162 - | | |
| 163 - | | |
| 164 - | | |
| 165 - | | |
| 166 - | | |
| 167 - | | |
| 168 - | | |
| 169 - | | |
| 170 - | | |
| 171 - | | |
| 172 - | | |
| 173 - | | |
| 174 - | | |
| 175 - | | |
| 176 - | | |
| 177 - | | |
| 178 - | | |
| 179 - | | |
| 180 - | | |
| 181 - | | |
| 182 - | | |
| 183 - | | |
| 184 - | | |
| 185 - | | |
| 186 - | | |
| 187 - | | |
| 188 - | | |
| 189 - | | |
| 190 - | | |
| 191 - | | |
| 192 - | | |
| 193 - | | |
| 194 - | | |
| 195 - | | |
| 196 - | | |
| 197 - | | |
| 198 - | | |
| 199 - | | |
| 200 - | | |
| 201 - | | |
| 202 - | | |
| 203 - | | |
| 204 - | | |
| 205 - | | |
| 206 - | | |
| 207 - | | |
| 208 - | | |
| 209 - | | |
| 210 - | | |
| 211 - | | |
| 212 - | | |
| 213 - | | |
| 214 - | | |
| 215 - | | |
| 216 - | | |
| 217 - | | |
| 218 - | | |
| 219 - | | |
| 220 - | | |
| 221 - | | |
| 222 - | | |
| 223 - | | |
| 224 - | | |
| 225 - | | |
| 226 - | | |
| 227 - | | |
| 228 - | | |
| 229 - | | |
| 230 - | | |
| 231 - | | |
| 232 - | | |
| 233 - | | |
| 234 - | | |
| 235 - | | |
| 236 - | | |
| 237 - | | |
| 238 - | | |
| 239 - | | |
| 240 - | | |
| 241 - | | |
| 242 - | | |
| 243 - | | |
| 244 - | | |
| 245 - | | |
| 246 - | | |
| 247 - | | |
| 248 - | | |
| 249 - | | |
| 250 - | | |
| 251 - | | |
| 252 - | | |
| 253 - | | |
| 254 - | | |
| 255 - | | |
| 256 - | | |
| 257 - | | |
| 258 - | | |
| 259 - | | |
| 260 - | | |
| 261 - | | |
| 262 - | | |
| 263 - | | |
| 264 - | | |
| 265 - | | |
| 266 - | | |
| 267 - | | |
| 268 - | | |
| 269 - | | |
| 270 - | | |
| 271 - | | |
| 272 - | | |
| 273 - | | |
| 274 - | | |
| 275 - | | |
| 276 - | | |
| 277 - | | |
| 278 - | | |
| 279 - | | |
| 280 - | | |
| 281 - | | |
| 282 - | | |
| 283 - | | |
| 284 - | | |
| 285 - | | |
| 286 - | | |
| 287 - | | |
| 288 - | | |
| 289 - | | |
| 290 - | | |
| 291 - | | |
| 292 - | | |
| 293 - | | |
| 294 - | | |
| 295 - | | |
| 296 - | | |
| 297 - | | |
| 298 - | | |
| 299 - | | |
| 300 - | | |
| 301 - | | |
| 302 - | | |
| 303 - | | |
| 304 - | | |
| 305 - | | |
| 306 - | | |
| 307 - | | |
| 308 - | | |
| 309 - | | |
| 310 - | | |
| 311 - | | |
| 312 - | | |
| 313 - | | |
| 314 - | | |
| 315 - | | |
| 316 - | | |
| 317 - | | |
| 318 - | | |
| 319 - | | |
| 320 - | | |
| 321 - | | |
| 322 - | | |
| 323 - | | |
| 324 - | | |
| 325 - | | |
| 326 - | | |
| 327 - | | |
| 328 - | | |
| 329 - | | |
| 330 - | | |
| 331 - | | |
| 332 - | | |
| 333 - | | |
| 334 - | | |
| 335 - | | |
| 336 - | | |
| 337 - | | |
| 338 - | | |
| 339 - | | |
| 340 - | | |
| 341 - | | |
| 342 - | | |
| 343 - | | |
| 344 - | | |
| 345 - | | |
| 346 - | | |
| 347 - | | |
| 348 - | | |
| 349 - | | |
| 350 - | | |
| 351 - | | |
| 352 - | | |
| 353 - | | |
| 354 - | | |
| 355 - | | |
| 356 - | | |
| 357 - | | |
| 358 - | | |
| 359 - | | |
| 360 - | | |
| 361 - | | |
| 362 - | | |
| 363 - | | |
| 364 - | | |
| 365 - | | |
| 366 - |</ | |

Ханға چига تаржиме قىلغۇچىدىن

ئەرەب ئەللىرى ئاسىيا، ئاھرىقا قىتىئەلەرىگە جايلاشقان بولۇپ، دۇنيا مەددەنىيەتى پەيدا بولغان رايونلارنىڭ بىرى. ئەرەب مىللەتتىدىن نۇر، غۇنلىغان ئۇلۇغ مەرىپەتپەر ئەر ئەللىلار چىققان، ئۇلار قەدىمكى شائىلىق پەن - مەددەنىيەتنى يارتىپ، ئىنسانىيەتكە غايەت زور تۆھىپە قوھقان. جۇڭگو بىلەن ئەرەب ئەللىرى ئوتتۇرسىدىكى ئالاقه ئارىلەنىڭ يىراقلىقى تۈپەيلدىن ئۆزۈلۈپ قالمىدى. خەن دەۋرىسىدەن، بولۇپمۇ گۈللەنگەن تاك دەۋرىسىدەن تاكى بۈگۈنكى كۈنگىچە ئىككى تەرەبىنىڭ ئەلچىلىرى ئۆزۈلمەي بېرىپ - كېلىپ تۇرماقتا، سودا كارۋانلىرى توختاپ قالغىنى يوق. ئىككى تەرەب سىياسەت، ئىقتىسات، مەددەنىيەت، دىن جەھەتلەرىدىن زىچ ئالاقدا بولۇپ كەلەكتە. مۇھەممەد پەيغەمبەرنىڭ «ئىلىمنى ئىزدەڭلار ئەگەر ئۇ جۇڭگودا بولسىۇ» دېگەن سەھەر سۆزى جۇڭگو وە ئەرەب ئەللىرى خەلقلىرى ئوتتۇرسىدا تا ھازىر غىچە تېغىزدىن - ئېغىزغا تارقىلىپ كەلەكتە. وەھالەنكى، مەملەكتىمىزدە ئىلگىرى ئەرەب ئەدەبىياتىنى تونۇشتۇرۇش تولىمۇ يېتەرسىز بولدى. بەزى ھېكايمى - رومانلار تەرجىمە قىلىنىپ نەشر قىلىنغاندىن باشقا، ھازىر غىچە تېخى ئەرەب ئەدەبىياتىنىڭ تەرقىقىيات تارىخىغا دائىر سىتېمىلىقراق بىرەر پارچىمۇ كىتاب يوق. شۇڭا، ھەرقايىسى دەۋرلەرگە مەنسۇپ ئەرەب ئەدەبىياتىنىڭ راۋاجىلىنىشىنى وە ئۆز گىرىشىنى تونۇشتۇرۇش ئارقىلىق ئېلىمىز كىتابخانلىرىنىڭ باي ئەرەب ئەدەبىياتىنىڭ ئۇمۇمىي ئەھۋالىنى بىرقۇر چۈشىنىۋېلىشىغا ياردەم بېرىپ، ئەنە شۇ

بۇشلۇقنى تولدۇرۇش ئۈچۈن ئەنگلىيە ئالىمى گىبىنىڭ بۇ
كتابىنى تەرجىمە قىلىپ چىقتۇق.

ئەنگلىيە ئالىمى خامىلتون . ئا. گىبى 1895 - يىلى
لۇندۇندا تۈغۈلغان . ئەنگلىيە خانلىق ئىلمى جەمئىيەتىنىڭ
ئەزاسى ، ئۇ لۇندۇن ئۇنىۋېرىستېتىدا ئەرەب تىلى پروفېسورى
بۇلغان . ئەدەبىيات ، قانۇن پەنلىرى بويىچە دوكتورلۇق ئىلمى
ئۇنىۋانىغا ئېرىشكەن . گىبى ئەرەبلەرنىڭ ئوتتۇرا ، قەدىمىي
دەۋرىگە مەنسۇپ نۇرغۇن ئەدەبىي ئەسەرلەرنى تەرجىمە قىلغاندىن
باشقا ، « ئەرەب ئەدەبىياتى » (قىسىچە تارىخى) (1926 - يىل) ،
« ھازىرقى زامان ئەرەب ئەدەبىياتى » (1928 - 1933 - يىللار) ،
« ئىسلام جەمئىيەتى ۋە غەرب » ، « مۇھەممەد پەيغەمبەرنىڭ دىننى
ئەقىدىلىرى » ، « ئىسلام مەدەنلىيەتى ئۇستىدە تەتقىقات » (1962)
قاتارلىق كىتابلارنىمۇ يېزىپ ، غەربىنىڭ مەشھۇر شەرقشۇناسى
بۇلۇپ قالغان . ئۇ 40 - يىللاردىلا ئۆز كىرىمى بىلەن گىبى فوند
جەمئىيەت قۇرۇپ ، ئەرەب تىلى تەتقىقاتىنى مەبلەغ ۋە مۇكابات
سوممىسى بىلەن تەمینلىگەن .

« ئەرەب ئەدەبىياتى » (قىسىچە تارىخى) 1963 - يىلى قايتا
نەشر قىلىنىغان . بۇ كتابتا ئەرەب يېرىم ئارىلىنىڭ جاھالىت
دەۋرىدىن تارتىپ 18 - ئەسىرde ناپولېئون مىسرغا تاجاۋۇز قىلىپ
كىرىگەنگە قەدر بۇلغان ئەرەب ئەدەبىياتى دەۋرى ، يەنى ئادەتتە
كلاسىك ئەدەبىيات دېيىلىدىغان قىمى سۆزلىنىدۇ . كتابتا
ئەرەب ئەدەبىياتنىڭ پەيدا بولۇشى ، ئوبىيكتى ، كاتېگورىيىسى ۋە
تۈرلۈك ئەدەبىي شەكىللەرنىڭ تەرقىياتى ھەم ئۇلارنىڭ ئۆزئارا
تەسىرى توغرىسىدا خېلى سىستېمىلىق ، ئىخچام چۈشەنچە
بېرىلگەن . ئەرەب خەلپىلىرىنىڭ ئىلاھىي ھاكىمىيەت سىياستى
تۈپەيلىدىن ، يۈقىرىدا ئېيتىلغان ئەدەبىيات تەرقىياتى

با سقۇچىدىكى نەزمە ۋە نەسرىي ئەسەرلەردىن ئىلاھىيەتكە دائىر مەزمۇنلارنىڭ سالىقى خېلى زور : ئىددەبىي ئەسەر بىلەن ئىلاھىشۇنالىق، پەلسەپە ۋە تارىخشۇنالىققا دائىر ئەسەرلەرنى پەرقىلەندۈرۈش تولىمۇ قىيىن، ئەرەب تىل - ئىددەبىياتىغا بىۋاستە ئەسەر كۆرسەتكەن « قۇرئان » ۋە ھەدىشۇنالىققا كەلسەك، ئۇ تېخىمۇ شۇنداق، بۇ كىتابتا يۇقىرىدىكى مەسىلەر ئۈستىدە ئىددەبىيات نۇقتىسىدىن خېلى مۇۋاپىق تەھلىل قىلىنغان. بۇ كىتاب ئەرەب ئىددەبىياتىنىڭ ھەرقايىسى دەۋوئەردىكى ئالاھىدىلىكى ۋە قىيىأپىتىنى، يازغۇچىلارنىڭ ئەسەرلەرنى ھەم ئۇلارنىڭ ئۆزىارا ۋارىلىقىنى، ئالاقىدار ماٗتېرىياللارنى توپلاش ۋە ئېنىقلاش ئەھۋاللىرىنى چۈشىنىۋېلىشتا مەلۇم پايدىلىنىش قىممىتىگە ئىگە.

لېكىن، يەنە بىر تەرەپتىن شۇنىمۇ كۆرۈشىمىز كېرەككى، ئاپتۇر ئەرەب ئىددەبىياتىنىڭ تەرەققىيات جەريانى ۋە ئۇنىڭ قانۇنىيىتى ئۈستىدە ئىزدىنىشىتە، ھەرقايىسى دەۋوگە مەنسۇپ يازغۇچىلارغا ياكى ئەسەرلەرگە باها بېرىشتە مەلۇم يېتىشىزلىكلىرىدىن خالىي بولالىمغان. مەسىلەن، ئاپتۇر ئىددەبىياتىنىڭ مەنبەسى خلق ئىكەنلىكىنى ئېتىراپ قىلىمۇ، لېكىن تارىختىكى خەلق قوزغۇللىرىنىڭ ھەرقايىسى دەۋوئەردىكى ئىددەبىياتقا كۆرسەتكەن تەسىرى ئۈستىدە توختالىمغان، قوزغۇللاڭ داھىلىرى ۋە ئامما ئارىسىدىن مەيدانغا كەلگەن يازغۇچىلار ۋە ئەسەرلەر ئۈستىدىمۇ توختالىمغان. ئەبۇ مۇسلمۇ قوزغۇلىڭى ئۇمەۋىيە خەلىپلىكىنى ئاغدۇرۇپ تاشلىغان. خۇراسانلىق مۇئاۋىيە (چۈمبەردىلىكلىرى) قوزغۇلىڭى، بابىك قوزغۇلىڭى، قەمەرتى قوزغۇلىڭى، قارا قۇللار چوڭ قوزغۇلىڭى قاتارلىق دېھقانلار ھەرىكەتلرى ئابباس جەمەتىنىڭ ھۆكۈمرانلىقىنى لەرزىگە كەلتۈرۈپ، ئابباسلار خەلىپلىكى ۋە ئۇ تەشەببۈس قىلغان

چاکىنا، چۈشکۈن ئەدەبىيات خاھىشىغا ئەجەللەك زەربە
 بەرگەنسى. ۋەھالەنكى، بىز « ئالتۇن دەۋرى » بابىدىن ئەدەبىيات
 ئىدىيىسىدىكى ئۆزگىرىشلەرنى ئىلگىرى سۈرۈشكە ئالاقىدار بولغان
 ئىجتىمائىي ئارقا كۆرۈنىشلەرنى چېلىقتۈرمايمىز. دېھقانلار
 قوزغىلىنىڭ داھسى ئەبۇتاھىرنىڭ داستانلىرىنى بولسا تېخىمۇ
 كۆرەلمەيمىز. بۇنىڭدىن باشقا، ئاپتۇر « سەبئىي مۇئىەللەقدت » ①
 يازغۇچىسى ئىمرە ئۇلقةيىسىنىڭ مۇنەۋۇھەر ئەسەرلىرىنى تەھلىل
 قىلغاندا، شۇ دەۋرە ئۆتكەن قوشاقچى ئائىشە قەيىسىنىڭ خەلقنىڭ
 مۇڭ - زارىنى ئەكس ئەتتۈرگەن ئېسىل ئەسەرلىرىگە
 سەل قارىغان : 13 - ئەسەردىن 15 - ئەسەرگىچە بولغان ئەدەبىي
 ئەسەرلەر جەھەتتىمۇ روهانىزمنىڭ تەسلىرى ۋە ھۆكۈمرانلارنىڭ
 رولىنىلا كۆرۈپ، ئەرمەب مىللەتتىنىڭ شۇ چاغدا تاجاۋۇز قىلىپ
 كىرگەن ياؤروپا رىتسارلىرىغا قارشى كۆرەشتە ياراتقان نۇرغۇن
 خەلق ئېغىز ئەدەبىياتى ئەسەرلىرىنى تىلغا ئالىمغان. ۋەھالەنكى،
 باشقا مىللەتلەر ئەدەبىياتىدىكىگە ئوخشاشلا، مەزمۇنى مول، تىلى
 جانلىق، لېكىن تېخى پىشۇرۇلمىغان ئاشۇ خەلق ئېغىز ئەدەبىياتى
 دەل تارىختا ئۆتكەن شائىرلارنىڭ ئۆز بەدىئىي مۇۋەپپە قىيىتىنى
 قولغا كەلتۈرۈشتە ئۆگىنىشى ۋە قوبۇل قىلىشى زۆرۈر بولغان مۇھىم
 ئوزۇق ئىدى.

بۇ كىتاب 1926 - يىلى تۈنجى قېتىم نەشر
 قىلىنىغان، 1963 - يىلى ئاپتۇرنىڭ تولۇقلىشى بىلەن قايتا
 نەشر قىلىنغان. ئىراق ماثارىپ منىسترلىكى، بۇ كىتاب ئەرمەب
 ئەدەبىياتىنىڭ ئومۇمىي ئەھۋالنى چۈشىنىشكە ياردىم بېرەلەيدۇ.

① ئەرمەب ئەدەبىياتىدىن بىزگە سىڭىپ كىرگەن سۆز بولۇپ،
 ئەرمەبلەرنىڭ تاللانغان، ئەڭ مەشھۇر يەتتە قەسىدىسىنىڭ ئومۇمىي نامى -
 ئۇيغۇرچىغا تەرجىمە قىلغۇچىدىن.

دەپ قاراپ، 1969 - يىلى ئەرەب تىلىغا تەرجمە قىلدۇرغان . خەنزوچىسى 1962 - يىلىدىكى ئىنگلىزچە نەشرىدىن تەرجمە قىلىنىدى . ئەسلى كىتابتىكى ئەرەب تىلى فۇنتىكىسىغا دائىر بىر باب ۋە ئىلاۋەدىكى غەربىتە نەشر قىلىنغان ئەرەب ئەدەبىياتىغا دائىر ئەسدرلەر تەرجمە نۇسخىسى مۇندەرىجىسىنىڭ كىتابقا ئالاقىسى زور بولمىغايچقا قىscarتىۋېتىلىدى . كىتابتىكى ئىزاھاتلارنىڭ ئەسکەرتىلگەنلىرىدىن باشقىسى تەرجماندىن بېرىلدى .

بۇ كىتابنى تەرجمە قىلىش داۋامدا ، لىيۇلىڭرۇي ئەپەندى بىزنى « قۇرئان » ۋە ئىسلامشۇنا سلىققا دائىر ماٗپرىياللار بىلەن تەمینلىدى . يولداش ياك خۇڭ ، لۇي يۇمن كىتابنى سېلىشتۈرۈپ چىقتى . ئۆستازلىرىمىز ۋە يولداشلىرىمىزنىڭ ياردىمىدىن چوڭقۇر مىننەتدارمىز ، تىل - يېزىق سەۋىيىمىز ۋە ئەرەب ئەدەبىياتىغا دائىر ساۋااتىمىزنىڭ چەكلىكلىكى تۈپەيلىدىن خاتالىقلاردىن خالىي بولۇشىمىز قىيىن ، كىتابخانلارنىڭ تەنقىد بېرىپ تۈزۈتىشنى ئۈمىد قىلىمиз .

1976 - يىل يانوار
لۇشياۋشىۋ ، ياؤ جۇندى

تۈنچى نەشريگە كىرىش سۆز

ئەرەبلىر دە « قۇرئان » وە « مىڭ بىر كېچە » دىن باشقۇ
يەنە بىر خىل ئەدەبىياتنىڭ بارلىقىنى بىلىدىغانلار ئانچە كۆپ
بولمىسا كېرىك . بۇ كىتابنىڭ مەقسىتى ، پۇتكۈل ئەرەب
ئەدەبىياتنىڭ دائىرسىنى ئەسلىتىش ، نو قول ئەدەبىياتقا مەنسۇپ
ئېقىملارنى تەپسىلىرىك تونوشتۇرۇپ چىقىش . ئەرەب ئەدەبىياتغا
دائىر كىتاب كۆپ ، ئۇلارنى تولۇق بىلىمەن دېيەلەيدىغانلار
ناھايىتى ئاز . شۇڭا ، بۇ جەھەتتە سۆزلىگەندە ، قارىسغا ھۆكۈم
قىلىپ قويۇشتىن ياكى ئاددىيلاشتۇرۇپ قويۇشتىن خالىي بولۇش
تەس ، هەتتا پىكىر ئىختىلاپى بولغان مەسىلىلەردىمۇ شۇنداق .
ئەرەب تىلى ئالىملىرى شۇنى كۆرىدۈكى ، مەن بۇ كىتابنى
يېزىشتا ، يېقىنلىقى يېرىم ئەسىردىن بۇيىانلىقى مەشھۇر
شەرقشۇناسلارنىڭ ئەسىرلىرىدىن پايدىلاندىم ، ئۇلارنىڭ ماڭا
ناھايىتى زور ياردىمى بولدى . بۇنى تېكىستە تەپسىلىي كۆرسىتىپ
ئۆتۈش قىيىن بولغانلىقى ئۈچۈن ، بۇ يەر دە ئۇلارغا چىن قەلبىمدىن
منىنە تدارلىق بىلدۈرىمەن ، كىتابنىڭ يېزىلىش ئۆسلىۋى توغرىسىدا
دەسلەپ جون . د . م . جونسۇن ئەپەندى مەسىلەت بەرگەندى .
تېكىستە پروفېسسور توماس ئارنولدنىڭ مۇشۇ كىتابنىڭ
دەسلەپكى ئورىگىنالى ئۈستىدە بەرگەن نۇرغۇنلىغان قىممەتلەك
پىكىرىنى قوبۇل قىلدىم ، لېكىن تېكىستە كۆرۈلگەن ھەرقانداق
سەۋەنلىك پروفېسسور ئارنولد بىلەن پۇتكۈلەي مۇناسىۋەتسىز .

گىبىي

1926 - يىل ، ماي

لهم إني نعوذ بك

قایتا نەشرىگە كېرىش سۆز

بۇ كىتابنىڭ تۈنچى نەشرى 1926 - يىلى « دۇنيا مەكتۇپلىرى » توپلىمدا بېسىلغانىدى . ئوتتۇز بەش يىلدىن بؤيان پېقىر بىلەم جەھەتتە بىرقەدەر پىشپ يېتىشكەنلىكىم ، مەسىلىلەرنى مۇهاكىمە قىلىش نۇقتىلىرىمدا پەرق بولغانلىقى ، بەزى قاراشلىرىم ئۆزگەرگەنلىكى . ئۇنىڭ ئۇستىگە ئەرەب تىلىدىكى نۇرغۇن ئەسلى ئەسەرلەر تېپىلغانلىقى ھەم شەرھەنگەنلىكى ياكى نەشر قىلىنغانلىقى ئۇچۇن بۇ كىتابنىڭ يېڭى نەشرىنىڭ ھەجمى بىر ھەسە كۆپه يېگەن بولسىمۇ ، ئۇ ئەرەب يازغۇچىلىرىنىڭ نەزمە ۋە نەسەرىي ئىجادىيەتلەرنىڭ ئاز بىر قىسىدىنلا ئىبارەت . بۇنىڭ ئازلىق دەرىجىسىنىڭ زادى قانچىلىك ئىكەنلىكى كارېل برو كىماننىڭ « ئەرەب ئەدەبىياتى تارىخى » دېگەن ئۆچ توملوق چوڭ كىتابنىڭ تولۇقلانغان تەز كىرىلەر توغرىسىدىكى پايدىلىنىش كىتابلىرىنىڭ ئىسمىلىكلىرىگە سېلىشتۈرۈپ بېقىلسا كۆپايە قىلىدۇ . ئۇ ئىسمىلىكلەر ئىنتايىن زىچ بولۇپ ، 2500 بەتتن ئانىدۇ . شۇڭا ، بۇ كىتابنى يەنلا يىغىنچاق بىر تاللانما دېيىشكە بولىدۇ . جۇملىدىن بۇ كىتابتا يەنلا تۈنچى نەشردە بەلگىلەنگەن مەقسەت ، يەنى پۇتکۈل ئەرەب ئەدەبىياتىنىڭ كاتېگورىيىنى ئەسلىتىش ، نوقۇل ئەدەبىياتقا مەنسۇپ ئېقىملارنى تەپسىلىرىمك تونۇشتۇرۇپ بېرىش دېگەن مەقسەت ساقلاپ قىلىنغان . ئىلاۋەدىكى ئەرەب ئەدەبىياتى ئەسەرلىرى تەرجىمە مۇندەرىجىسىنىڭ تېكىستە نائىلاج قىسقارتىۋەتىلىگەن پارچىلارنىڭ قىسىمەن بولسىمۇ ئورنىنى

تولدۇرالىشىنى ئۆمىد قىلماهن . شۇنداقلا ئىنسانىيەتنىڭ ئۇنىتۇزلىپ
كېتىشىگە تاسلا قالغان بۇ مراسىنىڭ كتابخانىلارنىڭ لەززەت
ئىلىشىغا ياكى ئەقل تېپىشىغا تۈرتكە بولۇپ قىلىشىنى ئۆمىد
قىلماهن .

گلیہ

پیل - 1962

1- باب

قىسىقىچە توپۇش شۇرۇش

كلاسىك ئەرەب ئەدەبىياتى بىر مىللەتكىلا منسۇپ ئەمەس . ئۇ بىر خىل مەددەنئىيەتنىڭ ئۆزاق تارىختىكى ئۆچەس نامايمەندىسى ، كلاسىك ئەرەب ئەدەبىياتىغا تۆھپە قوشقانلار قان سىستېمىسى ئىنتايىن مۇرەككەپ مىللەتلەر بولۇپ . ئۇلار ئەرەب ئىستىلا چىلىرىنىڭ تەسىرى ئاستىدا . ئۆز مىللەتكىلا ئىلى . ئەنئەنسى ۋە ئورپ - ئادەتلىرىدىن مەمرۇم بولۇپ ، بىرلىككە كەلگەن ئىدىيە ۋە ئېتسقادنى شەكىللەندۈرۈپ ، يېڭى ۋە بارغانىپىرى زور سىۋااتقان ئەرەب مىللەتكە قوشۇنۇپ كەتكەن . يالغۇز پارسالارلا ئەرەبلىرىنىڭ نۇرغۇن ئالاھىدىلىكى ۋە ئادەتلىرىنى قوبۇل قىلغاندىن كېيىن ، ئۆزلىرىنىڭ ئەقلەپ ۋە ئىرقىي جەھەتتىكى مۇستەقىللەتكىنى ساقلاپ قالالىغان . پارس ئەدەبىياتى گۈللىكەندىن كېيىن ، پارس تىلى شەرقىتىكى ئۆلکەردىن ئەرەب تىلىنىڭ ھۆكۈمرانلىق ئورنىنى ئىگىلىكەن بولسىمۇ ، لېكىن ئەرەب تىلى يەنلا ئىسلام دىنلىك تەلەماتلىرى ، پەلسەپ، ۋە ئىللمى - پەندە ئورتاق تىل بولۇپ كەلەكتە . باشقا كلاسىك ئەدەبىياتلارغا سېلىشتۈرگاندا ، ئوتتۇرا - قەدىمكىي دەۋردىكى ئەرەب ئەدەبىياتىنىڭ گۈللىنىشى ، كۆپ جەھەتتە مەلۇم مەربىپەتلىك جەئىشىيەتنىڭ مەۋجۇتلىقى بىلەنلا مۇناسىۋەتلىك بولۇپ قالماستىن ، بەلكى يۇقىرى تەبىقە كىشىلىرىنىڭ مەردىلىك بىلەن يول قويۇشى ۋە قوغىدىشى بىلەنمۇ مۇناسىۋەتلىك ، ئۇ ئىسلام

مەددەن سىيىتىنىڭ تارىخىدىكى گۈللەنسىش ۋە خاراب بولۇش دەۋرىسى
 ئۆز بېشىدىن كەچۈرگەن ۋە شۇ جايلارنىڭ سىياسىي ھەم
 مەددەنئىيەت ئەھۋاللىرىنى ئىخلامى بىلەن ئەكس ئەتتۈرۈپ بىرگەن .
 مۇسۇلمانلار جەمئىيەتلىك كۈندىن . كۈنگە خارابلىشىنى
 تۈپەيلىدىن ، ئەددەبىيات ئۆزىنىڭ بىۋاشقۇنلىقى ۋە كۈچ -
 قۇدرىتىنى يوقاتقان بولىسى . لېكىن ئۇ ياكى بۇ پايتەختىكى
 بىزى خان - ۋەزىرلەر سەنئەتنى ئۆزىگە پايدىلەق دەپ ھېسابلاپ ،
 قوغداشقا قىزىققانلا بولسا ، بۇ ئەددەبىيات مەشئىلى يەنملا يېنىپ
 تۈرىۋەرگەن . شۇڭا ، ئەرەب ئەددەبىياتلىك يېتىدە كچى مەركىزىي
 بۇگۈن بۇ جايدا بولغان بولسا ، ئەتسى يەنە بىر جايغا يۆتكىلىپ
 تۈرغان . ئۇسانلار ئاسىيا ، ئافرقىنى بويىسۇندۇرغان ۋە ياخروپادا
 ئەددەبىيات - سەنئەت گۈللەنگەن دەۋرە بۇ مەشئىل تاماامدىن
 ئۆچۈپ قالىغان بولىسى ، لېكىن ئۇنىڭدىن پەقەت خىرە نۇرلار
 قالغانىدى . ئۇنىڭدىن كېيىنكى بىرنەچە ئەسر ئىچىدە ، ئاز
 ساندىكىلىرىنى ھېسابقا ئالىغاندا ، يازغۇچىلارنىڭ ئۆزلىرىنىڭ
 ئەددەبىيات مىراسلىرى ئۇستىدە يېتىپ ئۇ خلىمىغىنى يوق ، يەنى
 ئۇلارنىڭ تۆھپىسى ئىنتايىن ئاز بولدى ياكى ھېچقانداق تۆھپىسى
 بولىدى . سۈرىيە ۋە مىسردىن باشلانغان ئەرەب ئەددەبىياتنى قايتا
 گۈللەندۈرۈش ھەرىكتىگە كەلسەك . ئۇ ھەرىكت باشقا بىر خىل
 روھنىڭ ئىلهاياندۇرۇشى بىلەن قوز غالغان ، ئۇنىڭ قەدىمى
 كلاسىك مەددەنئىيەت بىلەن ئالاقىسى يوق .

ئەرەب ئەددەبىياتى باشقا كلاسىك ئەددەبىياتلارغا ئوخشاش
 تەقدىرگە دۇچ كېلىپ ، نۇر غۇنلىغان قىممەتلىك ئەسەرلەر ئورنىنى
 تولىدۇرۇۋالغۇسىز دەرجىدە يوقلىپ كەتكەن . چۈنكى ، ئۇ
 ئەسەرلەر تار ئىسلامىيەت ۋە ئۇنىڭ تائۇنلىرى ھۆكۈم سۈرگەن .
 تاشقى دۇنيادىكى بارلىق ئىشلارغا پىسەنت قىلمايدىغان (گەرچە

دۇشمنلىك بىلەن قارىسىمۇ) جەمئىيەتتە ساقلىنىپ قالغانلىقى ئۈچۈن . بىزنىڭچە ، يوقلىپ كەتكەن شۇ تەسرىلەرنىڭ كۆپچىلىكى مۇسۇلمانلار مەددەتىتىگە غايىت زور شان - شەرەپ بەخىش ئىتلەكىن بولۇشى مۇمكىن ، ئەلۋەتتە . بەختكە يارىشا ساقلىنىپ قالغان پارچە - پۇرات قوليازىلار ئارىسا قىسىمن تەتقىق قىلىنغان نۇرغۇن ماتېرىياللارمۇ ساقلىنىپ قالغان . 19 - ئەسىردا ياۋوروپا ئالىملىرىنىڭ سەۋىرچانلىق بىلەن ئىشلىشى ۋە 20 - ئەسىردا ئەرەب ، پارس ، هىندى ئالىملىرىنىڭ قىزغىن ئەمگەك سىڭدۇرۇشى بىلەن ئاشۇ ماتېرىياللاردىن خۇشالىنارلىق نەتىجە بارلىققا كېلىپ ، ئۇزاققىچە سەل قارىلىپ كەلگەن ، ئەدەبىيات - سەئەت قىممىتىگە ئىگە نۇرغۇن ئەسىرلەر تېپىپ چىقلدى . بىراق ، ھازىر ساقلىنىمۇاتقان مۇھىم ئەسىرلەر تېزدىن ئەرەب ئالىملىرىنىڭ قولىغا ئۆتكەن بولىسىمۇ ، ئۇنىڭ ئاز بىر قىسىنىڭ ئىشەنچلىك تەرجىمىسىلا غەرب ئالىملىرى ئۈچۈن خىزمەت قىلماقتا . گەرچە بۇلارنىڭ سانى يىلدىن - يىلغا كۆپپىمۇاتقان بولىسىمۇ .

ئەرەب قانداسلىقى بىلەن ماختىنىدىغان كىشىلەر ئىسلام مەددەتىتىدىن ئورتاق بەھرىمەن بولۇۋاتقانلار ئىچىدە ناھايىتى ئاز سانى تەشكىل قىلىدىغانلىقى ئۈچۈن ، ئەرەبلىرىنىڭ ئەرەب ئەدەبىياتىغا قوشقان تۆھپىسى ئازراق . لېكىن ، ئەرەب ئەدەبىياتىغا سىڭدۇرگەن پىكىر قىلىش ئۇسۇلى ۋە ئىپادىلەش شەكلى يەنسلا شۇ دۆلەتلەردەن كەلگەن ھەم شۇ دۆلەت خەلقىنىڭ خاتىرسىگە چىڭ ئورنىشىپ كەتكەن . ئەرەب ئەدەبىياتى دەل ئاشۇ خەلقەر ئارقىلىق مىلادى ۷۷ ئەسىردا راۋاجلىنىپ بويىسۇندۇر غۇچى كۈچكە ئايلانىغان . شۇئا ، بىز ئاساسىي تېمىغا ئۆتۈشتىن بۇرۇن ، بۇ بابتا ۋە كېيىنكى بابتا ئەرەب ئەدەبىياتىنىڭ دەسلەپكى شەكتەلىنىشىگە

دائىر تەبىئى شارايت ۋە تىل تەسرىلىرى ئۆستىمدى قىسىچە
توختىلىپ ئۆتىمە كېمىز .

ئەرەب ئەدەبىياتى دۇنياغا كەلگەن جاي ئەرەب يېرىم
ئارىلىنىڭ ئوتتۇرا قىسى ۋە شەرقىي شىمال قىسى بولۇپ ، بۇ
جايلار چۈل - جەزىرە ھەم ئوتلاقلاردىن تەركىب تاپقان
تۈزىلە ئىلىكىتىن ئىبارەت . ئىنتايىن ئاز ساندىكى بۇستانلىقلارنى
ھېسابقا ئالىغاندا ، بۇ جايلىرىنىڭ يېرى قاقاس ، مەنزىرسى ناچار
ئىدى . ئىقلىمى دائىم ئۆزگىرىپ قاتىق ئىسىق ، قەھرتان
سوغۇق ، قۇرغاقچىلىق ھەم سۇ ئاپستى بولۇپ تۇرغاغقا ،
كىشىلەرنىڭ ئولتۇراللىشىغا ئەپسز ئىدى . يېرىم ئارالدىكى
ئاھالىم تۆگە ۋە قوي باقاتى ھەم ئۇلارنىڭ گۆشى ، سۇتى بىلەن
ئوزۇقلىنىاتى . شۇڭا ، ئۇلار سۇ ۋە ئوت - چۆپ بار يەرلەرگە
بېرىشقا مەجبۇر بولاتى . مول ھوسۇل يىللەرىدىكى خۇشاللىق ،
ھوسۇل كەم ئېلىنغان يىللاردىكى قايغۇ - ھەسرەت ، ئۆزئارا ياكى
قوشنا قەبىلەرگە ئۆشتۈرمەت ئىلىنغان ھۈجۈملاردىكى غەلبە
ياكى مەغلۇبىيەتلەر ئۇلارنىڭ تۇرمۇشىدىكى زېرىكەرلىك ھالەتنى
بۇزۇپ تاشلايتى . يىل بويى ئۆزگەرمەيدىغان مۇنداق تەبىئى
مۇھىت ئۇلارنىڭ ئادىتى ، ئىدىيىسى ۋە تىلىنى شەكىللەندۈرگەن .
ئەنە شۇنداق توختىماي تەكرارلىنىپ تۇرىدىغان ھادىسلەر ۋە
تاسادىپىي ئۆزگىرىشلەر ئۇلارنىڭ قەلبىدە چوڭقۇر تەسراتلارنى
قالدۇرغان ۋە ئۇ ئەرەبلەرنىڭ تۇرمۇشى ھەم ئەدەبىياتىنىڭ
ھەرقايىسى ساھەلىرىدە ئەكس ئەتكەن كۆچمەن چارۋىچىلارنىڭ
نەزەر دائىرسى چەكلىك بولغانلىقتىن ، ئۇلارنىڭ پىكىر قىلىش
دائىرسىمۇ مۇقەررەر ھالدا ئىنتايىن ئاز بولغان : جۈمىدىن
ئۇلارنىڭ تىرىكچىلىك قىلىش يولىدىكى كۈرۈشى تولىمۇ جاپالىق
بولغاچقا ، ئۇلار رېئال تۇرمۇشى ۋە كۈندىلىك ماددىي ئېھتىياجىدىن

باشقا، هېچقانداق نەرسىگە يېتىشەلەمەيتتى. ئابستراكت ئۇقۇم ۋە چەكىز دىنىي خىپالالارغا تېخىمۇ قىزىقمايتتى. كۆچمەن چارۋىچىلارنىڭ پەلسەپىسىنى بىرنه چىچە مېغىزلىق پەلسەپىسى ئىبارىلەرگە يېغىنچاڭلاشتقا بولاتتى: ئۇلارنىڭ دىنى بىر خىل تۇتۇق خۇرداپاتلىق ئىدى. ئۇلارنىڭ ئىدىيىسى پائالىيەتلەرنى كونكربىت سۆزلىرى بىلەنلا ئىپادىلەش مۇمكىن ئىدى. ئۇلارنىڭ تىلى ئاددىي ھەرىكەتلەرنى ۋە تەبىئەت خاراكتېرىنى ئىپادىلەشتىن باشقا، ھېچقانداق ئابستراكت نەرسىنى ئىپادىلىيەلەمەيتتى.

ئىدىيە جەھەتتىكى بۇنداق كەمچىلىكلىرنىڭ ئورنىنى تولدۇرۇشتا، تۈرمۇش ۋە مۇھىت جەھەتتىكى مەنسىزلىكلەر ماددىي تۈرمۇش كاتېگورىيىسىگە كىرىدىغان تىلىنىڭ تەرەققىياتى ئۇچۇن ئىنتايىمن قولاي شارائىت يارىتىپ بەردى. ئەرەب تىلىدا مەندىاش سۆزلىرى كۆپ بولۇپلا قالماستىن، بەلكى ھەرقانداق ئىنچىكە، نازۇك تەبىئىي ھادىسە، ھەرقانچە مۇرەككەپ بولغان ئايىرم ھەرىكەتلەرنىمۇ مۇۋاپىق سۆز بىلەن ئىپادىلىكلى بولىدۇ. تىل جەھەتتىكى بۇنداق ئالاھىدىلىكىنى باشقا مىللەتلەرنىڭ تىلىدىنمۇ مەلۇم دەرىجىدە تاپقىلى بولىسىمۇ، بۇ مىللەتلەرنىڭ كۆچمەن چارۋىچىلىق ئۇسۇلى ۋە مەدەننېيەت دەرىجىسى ئەرەب يېرىم ئارىلىدىكى بەدۇلەرنىڭكىگە ئوخشاش كەتسىمۇ، لېكىن پەقەت ئەرەب تىلى ۋە ئۇنىڭ گۈزەل، جاراڭلىق سۆز - ئىبارىلىرىلا يۈكىسەك دەرىجىدە راواج تاپقان مەدەننېيەتكە مەنسۇپ ئەدەبىياتتا ئۆزىنىڭ مۇھىم رولىنى جارى قىلايىدۇ.

ئەرەب تىلى ئەرەب يېرىم ئارىلىنىڭ ئۇتتۇرا قىسى ۋە شىمالىي قىسىمىدىكى كۆچمەن چارۋىچىلارنىڭ بىردىنبىر تىلى ئەمەس. يېرىم ئارالنىڭ شىمالىدىمۇ ئولتۇرالاشقان ئەرەبلەر بار. ئۇلار كونا مەدەننېيەتلەك مىللەتلەر بىلەن زىچ مۇناسىۋەت

ئورناتقان . يېرسىم ئارالنىڭ غەربىي جەنۇبىي بۇر جىكىدىكى مەدەنىيەتى قەدىمىدىن تارتىپ تەرىققىي تاپقان يەمن ، سۈرىيە ۋە ئىراقنىڭ چىڭرا رايونلىرى بىلەن بولغان سودا ئالاقىسىنى داۋاملىق ساقلاپ كەلگەن . شۇڭا ، ئۇلارنىڭ مەدەنىيەتنىڭ تەسىرى يېرسىم ئارالنىڭ ئوتتۇرا قىسىغا تەدرىجىي سىڭىپ كىرگەن . سودا يوللىرىنى بويلاپ ئارقىمۇ ئارقا باياشات يۇرتىلار بارلىققا كەلگەن . مەسىلەن ، مەككىنى ئالىدىغان بولساق ، ئۇ يەردىكى ئاھالىلەر قانداشلىق ۋە تىل جەھەتتە كۆچمەن چارۋىچىلارغا يېقىن بولسىمۇ ، لېكىن يۇرۇش - تۇرۇش ۋە نەزەر دائىرسى جەھەتتە بىرئاز پەرقلىنىدۇ . ئېفرات دەرياسى ۋادىسىدىكى هىرا شەھىرىدە (ئۇ يەرde پارسلارنىڭ ھامىيەلىقىدىكى ئەرەب خەلىپىلىكى بار ئىدى) ، سۈرىيە چىڭرىسىدىكى غەسانلار ۋە باشقا شۇنىڭغا ئوخشاش مىللەتلەر ئارسىدا ئەرەبلەر خەستىئان دىنىغا ئېتىقاد قىلىدىغان ئارامىي تىلى مەدەنىيەتى بىلەن ناھايىتى تەبئىي حالدا تېخىمۇ زىج مۇناسىۋەت ئورناتقان . ئەرەب تىلى بۇ ۋاستىلەر ئارقىلىق ئاز ساندا ئارامىي تىلى ئاتالغۇللىرىنى قوبۇل قىلغان ، لېكىن بۇ ئاتالغۇلارنىڭ ئەرەب تىلىنىڭ شەكىل ۋە مەزمۇنىغا بولغان تەسىرى ، خۇددى ئارامىي مەدەنىيەتنىڭ كۆچمەن مىللەتلەرگە بولغان تەسىرىگە ئوخشاش ، ئىنتايىن ئاز بولدى . بۇ كۆچمەن مىللەتلەرنىڭ پېشانىسگە پۇتۇلگىنى يا ئاددىي ياشاش ، يا بولمسا ھاياتلىق يولىدىكى كۈرەشتە شاللىنىپ قىلىش ئىدى .

2 – باب ئەردب تىلى

غەربىي جەنۇبىي ئاسىيائىڭ قەدىمكى تىللرى چېڭىسى ئېنىق، مۇستەقىل تىل بولۇپ، ئومۇمەن سامى^① تىللرى سىستېمىسى دەپ ئاتىلىدۇ. ئەرمب تىلى ئۇنىڭ ئەڭ ياش بىر تارمىقى، جۇملىدىن، مەلۇم ساقىندىلىرى قالغان ئۈشىشاق تىللار ۋە ھازىرقى زاماندا قايتا ئەسلىگە كەلگەن ھېبرۇ تىلىنى ھېسابقا ئالىمىغاندا، ئەرمب تىلىمۇ ئۇلارنىڭ ئىچىدىن ساقلىنىپ قالغان ۋە كىللەك خاراكتېرىگە ئىگە تىل. سامى تىللرى سىستېمىسىدىكى تىللارنىڭ ئۆزئارا مۇناسۇتى زىچ بولۇپ، سۆزلۈكلىرى ۋە قۇرۇلماقلىرى بىر - بىرىگە ئوخشىپ كېتىدۇ. ئۇلارنىڭ ئوخشاش تىل مەتبەسىدىن كېلىپ چىقانلىقى ئېنىق. سامى تىللرى سىستېمىسىنىڭ ئۆزىگە خاس ئالاھىدىلىكىگە ئىگە بىرنەچە خىل شۇسىمۇ بار. ئومۇم ئېتىراپ قىلغان تارماقلىرى (كىچىكەك شۇبلەر كىرگۈزۈلمىدى) تۆۋەندىكىچە:

- 1 - بابىل ۋە ئاسىرىيە مىخ يېزىقى، بۇ ئاخات تىلى ياكى شەرقىي سامى تىلى دەپ ئاتىلىدۇ.
 - 2 - سۈرىيە ۋە مېسوپوتامىيەنىڭ قەدىمكى تىلى. ئۇ شەمالىي سامى تىلى دەپ ئاتىلىدۇ.
- بۇ قەدىمكى تىللار يەنە ئىككى تارماققا بۆلۈنىدۇ. بۇنىڭ بىر تارمىقى بۇرۇنقىلىرى، يەنە بىر تارمىقى كېيىنكىلىرىدىن ئىبارەت.

A . كەنئان تىلى ، بۇ تىلدا فىنكىن تىلى بىلەن ھېبرۇ تىلى
ئاساس قىلىنىدۇ .

B . ئارامىي تىلى ، يەنى مىلادىدىن ئىلگىرى ۋە كېيىنلىكى
ئەسەرلەرde غەربىي ئاسىياغا تارالغان فەلىنكا تىلى . بۇ تىل سۈرىيە
تىلى بىلەن بىرلىكتە مېسىپو تامىيەنىڭ غەربىي شىمالىدىكى
خىرىستىئان ئەدەبىي تىلى بولۇپ قالغان .

3 - ئەرەب يېرىم ئارىلىدىكى تىل تۈرلىرى (جەنۇبىي سام
ياكى غەربىي جەنۇبىي سامىي تىلى) .

A . شىمالىي ئەرەبستان تىلى ، يەنى بىز تەتقىق قىلىدىغان
ئەرەب ئەدەبىي تىلى .

B . ئەرەب يېرىم ئارىلىنىڭ جەنۇبىدىكى قەدىمكى قەبرە يېزىقىغا
مەنسۇپ شۇئىلەر (سابا تىلى ، ماينا تىلى قاتارلىقلار) ۋە ئۇلارنىڭ
هاسلى بولغان گاۋىچ ياكى ئېفۇپىيە (ھەبەشستان) تىلى ،
يەنى ھەبەشلەرنىڭ ئوتتۇرا قەدىمكى دەۋرگە مەنسۇپ ئەدەبىي
تىلى .

يۇقىرىدا بايان قىلىنغان نۇرغۇن تىل تۈرلىرى بىرنەچچە
خىل ئوخشىمىغان ئەدەبىي شۇئىلەردىنلا ئىبارەت . ۋەھالەنلىكى ،
شىمالىي ئەرەبستان تىلىنىڭ ئالاھىدىلىكى چۆل - باياوان
تۈرمۇشىنىڭ مەنسىزلىكى بىلەن مۇناسىۋەتلىك ، شۇشا ئۇ بىر
تەرەپتىن سامىي تىلىنىڭ ئەڭ دەسلەپكى بىرمۇنچە تەركىبلىرىنى
ساقلاب قالغان . شۇنىڭ بىلەن بىللە يەنە يۇقىرىدا كۆرۈپ
ئۆتكىنىمىزدەك ، باشقىا جەھەتلەرde ئاجايىپ نازۇك بىرىكمىلەرگە
ئىگە . بۇ شۇئىلەرنىڭ كۆپچىلىكى ئازدۇر - كۆپتۈر سەرتىن
كەلگەن تەركىبلىرنى ئۆز ئىچىگە ئالغان بولسىمۇ ، لېكىن بۇ
تەركىبلىر سامىي تىلىنىڭ ئورتاق ئالاھىدىلىكىگە بېقىندۇ . بۇنىڭ
ئىچىدىكى بەزى ئالاھىدىلىكلىر . مەسىلەن ، مۇرەككەپ

فوئىتىكىلىق سىستېما، بىرىكمە سۆزلەرنىڭ تامامەن يوق دېيەرلىك ئىكەنلىكى ئۇستىدە كۆپ توختالمايمىز. لېكىن، سام تىلىنىڭ ئەڭ گۈددىلىك ئالاھىدىلىكى بولغان سۆز تومۇرى سىستېمىسى ئۇستىدە تەپسىلىسي تەتقىقات ئېلىپ پېرىشقا توغرا كېلىدۇ. بۇ نۇقتىنى چۈشەنمەي تۇرۇپ ئەرەب ئەدەبىياتىنىڭ باشقان ئالاھىدىلىكلىرىنى چۈشىنىش قىيىن. چۈنكى، باشقان ئەدەبىياتلارغا ئوخشاش، ئەرەب ئەدەبىياتىدىمۇ سۆز تاللاشتىكى ئۇستىلىق. ئۇسلۇبىتكى گۈزەللەك ۋە يېزىقچىلىق جەھەتنىڭ ماھىرىلىقنى تىلىنىڭ ئالاھىدىلىكى بەلگىلىمەن.

سامىي تىلىدا ئاساسىي ئۇقۇملار ئۆزۈك تاۋۇش بىلەن ئىپادىلىنىدۇ. مۇتلەق كۆپچىلىكى ئۈچ ئۆزۈك تاۋۇشتىن تۆزۈلىدۇ. بۇ ئۈچ ئۆزۈك تاۋۇش بىر سۆزنىڭ « تومۇرى »^② نى تەشكىل قىلىدۇ. ئۇقۇمدىكى ئاساسىي ئۆزگىرىش جۇملىدىكى سوزۇق تاۋۇشنىڭ ئۆزگىرىشى بىلەن ئىپادىلىنىدۇ. مۇھىم بولمىغان ئۆزگىرىشلەرنىڭ بەزىلىرى يۇقىرىقى شەكىلدە، بەزىلىرى بولسا ئالدى - كەينىگە سۆز ياسغۇچى قۇشۇمچىلار ياكى ئۆزۈك تاۋۇشلارنى قوشۇش ئارقىلىق ئىپادىلىنىدۇ. مەسىلەن، « ئۆلتۈرۈش » دېگەن مەنىنى بىلدۈردىغان سۆزنىڭ تومۇرى « قىتل » بولۇپ، ئۇ پېشىلدا « قەتەل »، ئىسىمدا « قاتىل »، ئاكتۇئال ئىسىمدا^③ « قاتىل » (كۆپلۈكتە « قاتى لو ») بولۇپ كېلىدۇ. بۇنىڭدىن باشقان يەنە بىرمۇنچە سۆزلەرنى ياسغىلى بولىدۇ. يەنى « قىتل » دېگەن سۆز تومۇرى « ئۆلتۈرۈش » دېگەن ئۇقۇم بىلەن مۇناسىۋەتلىك بولىدۇ. ئەلۋەتتە، بۇ ئومۇمیۈزلىك قانۇنىيەتمۇ ئەمەس، ئەرەب تىلىدا بىر سۆز تومۇرىدىن ئىككى ياكى ئۇنىڭدىن كۆپ سۆز ياسلىمىدىغان ئەھۋالىمۇ ناھايىتى جىق ئۇچرايدۇ.

مەسلىمن، « كەتىپ » دېگەن سۆز « كىتار، » و « يېخىلىش » دېگەن مەنىنى بىلدۈردى. بۇنداق بۇيرۇق مەنسىدىكى بىرىكىم بىلەن سۆزنىڭ مەنىنى چەكلەش ئوشۇلى ئىسىمىغىمۇ، پېشىلخەمۇ مۇۋاپىق كېلىدۇ. لېكىن، ئىسىنىڭ شەكلى كۆپ ئۆزگەرسىمۇ، پېشىل شەكلىنىڭ ئۆزگىرىشىدە ئىنتايىن قاتقىق قائىدە سىستېمىسى بولىندۇ. « ئۆلتۈردى » دېگەن ئاددىي پېشىلدىن مەجبۇرى دەرىجە « ئۆلتۈر »، مەجمۇل دەرىجە « ئۇ ئۆلتۈرۈلدى » ياكى « ئۆلتۈرۈلدى » دېگەن سۆزلەرنى ياساش مۇمكىن، جەنۇبىي سامىي تىلدا بولسا، ئۆملۈك دەرىجە « ئۆلتۈرمەكچى... » بىلەن « سوقۇشماقچى » دېگەن سۆزلەرنى ياساش مۇمكىن، مۇكەممەل ئەرەب تىلى گرامماتىكسىدا يۇقىرىدىكى پېشىللار قايتۇرما دەرىجە ياكى ئوتتۇرا حال ھالەت بولۇپ كېلىدۇ. شۇنداقلا، ھەربىر شەكىلde رەسمىي پاسىپ ھالەتنى باشقا، يەنە ئاددىي يېرىم پاسىپ ھالەت بولۇپ كېلىندۇ. پېشىللاردا ئومۇزمىۈزۈك ئۆزگىرىش ناھايىتى ئاز بولىسىمۇ، لېكىن سۆز « تومۇرى » نىڭ ھەممىسى دېگۈدەك مۇنداق ياكى ئۇنداق چەكلىمكە ئۈچرایدۇ. بەلكى، سۆزنىڭ مەنسىدىكى ئۆزگىرىش ناھايىتى زور بولىدۇ.

بىز شۇنى ئايىدىلاشتۇرۇۋالايمىزكى. پېشىلنىڭ ئۆزگىرىش قائىدىسى مۇقىم بولۇپ، ئۇنىڭ باشقىچە بولۇشغا يول قويۇلمايىدىغانلىقى، جۇملىدىن سۆزنىڭ « تومۇرى » ئۈچ ئۆزۈك تاۋۇشتىن قۇرۇلىدىغانلىقى ئۈچۈن، ئەرەب تىلدا ناھايىتى كۆپ سۆز پەيدا بولغان. ئەمما، ئۇنىڭ سوزۇق تاۋۇش شەكلى پۇتۇنلىي ئوخشاش. مەسلىمن، ئاددىي پېشىلدىن ئۆزگەرگەن ئاكىتۇئال ئىسىللارنىڭ قۇرۇلما شەكلى « قتل » شەكلى بىلەن تمامامەن ئوخشايدۇ: « ركىب » — « ئۆلتۈر »

(1912) ، « کاتپ » — « يازغۇچى » ، « هەممەمال » — (يۈك توشۇغۇچى) ۋە باشقىلار . شۇڭا ، ئاخىرقى قاپىيە بىلەن يېرىم تاۋۇش ، مۇقىررمەر حالدا ، ئەرمەب ئەدەبىياتىدىكى شېشىر ۋە نەسرىي ئەسەرلەرde باشتىلا ئىنتايىن مۇھىم ئورۇنى ئىگىلىكەن ؛ باش قاپىيە ۋە قوش مەنلىك سۆزلەرگە كەلسەك ، نوقۇل ئەدەبىياتتا ئۇنىڭدىن ساقلانغىلى بولمايدۇلا ئەمەس ، بەلكى ئۇ ئالاھىدە زىننەت ھېسابلىنىدۇ .

سۆز « تومۇرى » نىڭ بۇيرۇق مەنسىدە ئۆزگىرىشى سۆزى ئىخچام ئىشلىتىشكە ئالاھىدە ياردەم بېرىدۇ . ئىخچام ۋە يوشۇرۇن مەنلىك جۇملە كىشىلەر ئەڭ ياقتۇرىدىغان ئىپادىلەش ئەكلىدۇر . ئەرمەب ئىدىيۇملىرىنىڭ ئۈچ - تۆت سۆزىدىن ئېشپ كېتىدىغانلىرى ناھايىتى ئاز . شائىرنىڭ ماھىر ياكى ماھىر ئەمەسىلىكىگە قاراشتا ، ئۇنىڭ بىر پۇتۇن ئوبرازنى بىر مىرا شېئرغا يىغىنچاقلىيالىشى ياكى يىغىنچاقلىيالما سلىقىغا قارىلىدۇ . تەمىزلىكى ئېيتىلىغان « شەرقىنىڭ پارلاق بەدىئى شەكلى » ئەرمەب ئىپادىلەش ئۇسۇلىغا ماس كەلمەيدۇ . چۈنكى ، ئۇ كېيىنلىكى دەۋرلەردىكى ئەرمەب ئەدەبىياتىغا تاشقى ۋاسىلەر ئارقىلىق سىڭىپ كىرگەن . لېكىن ، ئەرمەب تىلى ئۇنى خۇشاللىق بىلەن قوبۇل قىلغان ، ئۇنىڭدا كېيىنلىكى دەۋرلەردە مەيدانغا كەلگەن گۈزمەلىك ۋە خىلە ئەنلىق ، ئۇنىڭ مەنداش سۆزلەرگە ئىنتايىن باي بولۇشى ، ياسالما سۆزلەرنىڭ منه جەھەتتىكى پەرقىنىڭ ئىنتايىن مۇرەككەپ بولۇشى بەدىئى ماھارەت ئۈچۈن ئىنتايىن ياخشى پۇرسەت يارىتىپ بەرگەن . ۋەھالەنلىكى ، تېخىمۇ قەدىمكى ۋە تېخىمۇ تەبىئى بولغان ئىخچام سىنتاكى سلىق قائىدە ئېغىز تىلى ۋە بەزى ئەدەبىي ژانرلاردا يەنلا ساقلانماقتا .

ئەنە شۇنداق تەبىئىي ئاساس بولسىمۇ ، ئەرمەب تىلىنىڭ

بەدېشى قۇرۇلمسىدا، يەنلا چۈشىنىش قىپىن بولغان، ھەتتا
 چۈشەندۈرگىلى بولمايدىغان جايilarمۇ بار. دېمەك، ئەرمەپ يېرىم
 ئارىلىدا قەبىلە تىللەرى كۆپ بولۇپ، ئۇلاردا ئەنئەذبۇي سامى
 تىلىنىڭ سىنتاكىسىلىق قائىدىسى ۋە چېچىلاڭغۇلۇقى ئېغىز تىلى
 شەكىلدە ساقلانغان. ھىندى - ياؤرۇپا تىللەرىدا، زامان جەھەتتە
 بىر يۈرۈش قاتىق ئۆزگىرىش شەكلى بار، لېكىن سامى تىلىدا
 بولسا، پېشلاردا نىسبەتەن ئېتىدائى بولغان ئىككى « تەرمەپ »
 ئىكى ھالەت ساقلانغان بولۇپ، ۋاقت ئۇقۇمى يوق دېيمەلىك،
 ئىش - ھەركەتنىڭ ئورۇنلانغان ياكى ئورۇنلانمىغانلىقى پەقەت
 ئادىي ھالدىلا ئېپادىلىنىدۇ. ھىندى - ياؤرۇپا تىللەرىدىكى ھال
 پېشلەنىڭ كۆپ قىسىمۇ سامى تىلدا يوق.
 مەسىلەن. « *yagtulu* » دېگەن سۆز « ئۇ ئۆلتۈرىدۇ » دېگەن
 مەنىنى بىلدۈرۈپلا قالماستىن، بەلكى (ماقالىلاردا)
 « ئۇ ئۆلتۈرگەن » (ئۆتكەن زامان) دېگەن مەنىنىمۇ
 بىلدۈرىدۇ. يەنە « ئۇ ئۆلتۈرگەن بولۇشى مۇمكىن (ئۆتكەن
 زامان)، ئۆلتۈرگەن، ئۆلتۈرىدۇ ياكى ئۆلتۈرەلەيدۇ » دېگەن
 مەنىنىمۇ بىلدۈرىدۇ. بۇ سۆزنىڭ توغرىلىقىغا ئالدى - كەينىدىكى
 سۆزگە قاراپ باها بەرگىلى بولىدۇ. بۇنىڭدىن باشقا، ئەرمەپ تىلىدا
 بايان قىلىش شەكلى دائىم ئۇشتۇمتۇت بولىدۇ ياكى « لىرىكىلىق
 شەكىل » دە بولىدۇ. جۇملەنىڭ قۇرۇلمسى ئەسلىدە
 سىتىخىلىك بولۇپ، ئۇنىڭدا ياؤرۇپا تىللەرىنىڭ سىنتاكىسىلىق
 قائىدىسىگە ئوخشاش سۆز تەركىبىگە ئاشكارا بويسۇنۇش
 ھالىتىنا ھايىتى كەم ئۇچرايدۇ.

دەسلىپكى دەۋرلەردىكى شائىرلارنىڭ تىلى تامامەن بۇنىڭ
 ئەكسىچە بولۇپ، ئاز ساندىكىلىرىنى ھېسابقا ئالمىغاندا،
 سۆزلۈكلىرى ئاساسەن ئوخشاپ كېتەتتى. بولۇپمۇ مەكتۇپ،

جۇملە تۈزۈش، سۆز ياساش جەھەتلەر دە شۇنداق ئىدى. باش جۇملە ئېنىق «الدەت قۇرۇلماسىغا ئىگە بولسا، خەۋەرلەرنىڭ ئۆزگىرىشى بىلەن بىر قاتار مۇرەككەپ حالەتنى ئىپادىلىگىلى بولاتتى. جۇملىلەردىكى مۇقىم سىخىيەلىك حالەتكە مەنتىقىگە ئويغۇن كېلىدىغان قاراتما بۆلەكلەر قوشۇسلا، ئۇنىڭ قوللىنىلىشى تامامەن ئوخشاپتتى. بۇنىڭ بىلەن جۇملىلەر ئوتتۇرسىدىكى خىلەمۇ خىل مۇناسىۋەتنى ئىپادىلەپ بەرگىلى بولاتتى. بۇ خىل تىل قورالى ئۆزىنىڭ بايلىقى ۋە جانلىقلقى بىلەن سامىي تىلىغا منسۇپ ھەرقانداق تىللاردىن زور دەرجىدە ئۇستۇن تۇراتتى. ئۇنىڭدا قانداق ئۆزگىرىشلەر بولغان؟ ئۇ يەنە ھەرقايىسى قەبىلىلەرنىڭ شۇسى بىلەن قانداق مۇناسىۋەت باغلىغان؟ بۇ مەسىلە ھازىرغىچە ئايدىڭلاشقىنى يوق. بىرنه چەچە ئەسردىن كېيىن شائىرلار مۇ مۇھەممەد پەيغەمبەرنىڭ قەبىلىسى — مەككىدىكى قۇرمىش قەبىلىسىنىڭ تىلىنى قوللانغان، دېكەن گەپلەر بولغانىدى ھەم بۇ تىل يېرىم ئارال بويىچە ئەڭ ساپ، ئەڭ تەرەققىي تاپقان تىل دەپ قارالغانىدى. بۇ نەزەرىيە روشنەنلىك دىنىي ئېتىمقادتىن كېلىپ چىققان بولۇپ، ئۇنى ئىسپانلاب ئۇلتۇرۇشنىڭ حاجىتى يوق، ھازىرغىچە تەتقىق قىلىنىپ چىقىرىلغان خۇلاسە شۇكى، شائىرلار ئۆلچەملىك بىر خىل شېئرىيەت تىلىنى قوللانغان بولۇپ، بۇ تىلدا ئېغىز تىلى ئاساس قىلىنغان بولسىمۇ. لېكىن سۆزلۈك ۋە خەۋەرنىڭ ئۆزگىرىشى، جۇملىنىڭ تەلەپپۇز قىلىنىش جەھەتتىكى ساپلىقى بىلەن ئېغىز تىلىدىن پەرقلىنىدۇ. براق، نۇرغۇن ئاسىسلار ئىسپاتلىدىكى، شېئرىيەت تىلى توغرىسىدىكى بۇ سۈنى نەزەرىيەمۇ بۇت تەرەپ تۇرالمايدۇ. مىنىڭچە، شائىرلار شۇپلەرنىڭ تۈرلۈك شەكىللەرنى قوبۇل قىلىپ، ئۆز تىلىنى زور دەرجىدە بېيتقان بولۇشى

مۇمكىن ؟ شۇنداقلا ئىشلىلىش ئۆسۈلىنى تۈزۈپ چىقىپ ، بۇنىڭ
 بىلەن ئورتاق ئەدەبىي تىلىنى ئىجاد قىلغان وە ئۇنى " ئەرەبىيە
 تىلى " ① دەپ ئاتىغان بولۇشى مۇمكىن ، بىز ھازىر ئۇنى « ئەرەب
 ئورتاق تىلى » (ئەرەب يېزىق تىلى) دەيمىز . بۇ تىل دۇنياغا
 كەلگەندىن كېيىن ، « ئالتۇن دەۋرى » وە ئۇنىڭدىن كېيىنكى
 بىرنى چەچە ئەسىرىدىكى ئاتالىمىش *koinc* جەريانىدا سۆزلۈكلىر
 بىرقەدەر ئاددىلاشقان بولسىمۇ ، ئۇ ئىز جىل تۈرددە ئەدەبىي
 ئىجادىيەتنىڭ قورالى بولۇپ قالدى . غەرب ئالىملىرى ئۇ چۈن
 ئېيتقاندا ، قەدىمكى ئەرەب تىلىنى ئۆگىنىش خۇددى سايادەتكە
 ئاتلانغاندەك بىر ئىش ، ئەرەب تىلى ئەزەلدىن سۆزگە ئىنتايىن
 باي ، سۆزلىرى ئەگىتمە هەم مۇرەككەپ ، مەيلى دەسلەپكى دەۋر
 ياكى كېيىنكى دەۋرىدىكىسىنى بولسۇن ، كىشىنىڭ چۈشىنىپ
 كېتشى قېيىن ، بولۇپمۇ ئۇقۇمنى بىر - بىرىگە باشلاشتىكى غەيرىي
 ئۆسۈلى تېخىمۇ شۇنداق ، ھەر خىل باغلەنلىارنى بەلگىلەيدىغان
 ئىچكى قۇرۇلمىلارنى ئۆزۈل - كېسىل ئىگىلىگەندىلا ، ئاندىن ئۇنى
 بىرئاز چۈشەنگىلى بولىدۇ . بۇنىڭدىن باشقا ، كتابخانىلار بۇلارنى
 ئەرەب تىلىنىڭ يازما شەكلى ئارقىلىق پەرق ئېتىشى لازىم . ئۇ
 بىر خىل چىرايىلىق يازما شەكل بولۇپ ، خىلمۇ خىل سەنئەت
 شەكىللەرىگە ئىگە ، لېكىن بىپەرۋا كتابخانىلار ئۈچۈن
 ئۇنىڭ ھەممە يېرى خەندەكتىن ئىبارەت (بىخەستەلىك ياكى
 بىلىملىرىلىكتىن كېلىپ چىقىدىغان مەتبەئە ياكى ئىملا خاتالىقى
 تېخىمۇ شۇنداق) سۆزنىڭ ئۆزۈك تاۋۇش قۇرۇلمىسى بىلەن
 ئادەتتىكى سىنتاكسىلىق تۈزۈلۈشى مەقسەتنى تولۇق ئىپادىلەپ

بېرەلمىگەنلىكى ئۈچۈن ، يازما شەكىلدە سوزۇق تاۋۇش قوشۇشنىڭ
 حاجىتى يوق . مۇشۇ نۇقتىدىن ئېيتقاندا ، كىشىلەر ئەرەب تىلىدىكى
 ماقالىلاردا مەقسەتنى 75 پىرسەنتلا چۈشەنگىلى بولىدۇ . قالغان 25
 پىرسەنتنى كىتابخانلار ئۆزى چۈشىنىۋېلىشى كېرىگەك دەيدۇ .
 بۇرۇنقى زامانىدا ئەرمىلىر « قۇرئان » نىڭ كېيىنلىلەرگە
 تارقىلالماي قېلىشى ياكى بۇرمىلىنىپ كېتىشىدىن ئەنسىرەپ ،
 ئۆزۈك تاۋۇشنىڭ ئاستى - ئۇستىگە قويىدىغان بىرمۇنچە سوزۇق
 تاۋۇش بەلگىلىرىنى ئىجاد قىلغان ^⑤ . گەرچە ئەمەلىيەتتە ، بۇنداق
 سوزۇق تاۋۇش بەلگىلىرى « قۇرئان » ۋە ئۇنىڭدىن ئېلىنىغان
 نەقللىر ياكى مەلۇم شېئىلاردىلا ئىشلىتىسىمۇ ، بۇ سوزۇق تاۋۇش
 بەلگىلىرىنىڭ قويۇلۇشى بىلەن ئەرمىب يېزىقى تامامەن ئوقوب
 تەلەپىۋۇز قىلغىلى بولىدىغان دەرىجىگە يەتكەن . ئادەتتىكى نەسەرىي
 شەكىللەردا ، كىتابخانلار يېزىق قۇرۇلما ئاساسنىڭ ئادىتىنى
 بىلىۋالىسلا ، قىيىنچىلىقنىڭ مۇتلەق كۆپچىلىكىنى ئوڭايلا ھەل
 قىلىپ كېتەلەيدۇ . بەزى كونا كىتابلاردا جۈملە تەركىبىدىكى
 سۆزلەر ئېنىقلۇپلىنىغان ھەم ئۇنىڭ سىنتاكىسىلىق قۇرۇلۇشى
 ئايدىڭلاشتۇرۇۋېلىنىغان تەقدىردىمۇ ، يەنلا ئۇنى تۈپتىن
 ئوخشىمىغان ئىككى خىل مەنىدە چۈشىنىش مۇمكىن ، ئەبۇ تەمام
 ياكى ئەبۇل ئەلا مۇئەردى ^⑥ ۋە ھازىرقى زامان يازغۇچىلىرى بۇ
 ئۇسۇلنى قوللىنىپ مۇشتەرىلەرنىڭ ئەقلەي قابىلىيىتى ۋە
 بىلىملىنى سناشنى ياخشى كۆرسىدۇ . ھازىرغىچە يېتىپ كەلگەن
 ئەرەب كلاسىك ئەدەبىياتىغا دائىر ئەسرلەرنىڭ كۆپچىلىكى

ئوتتۇرا قەدىمكى دەۋىرىدىكى ئالىملارىنىڭ تىلىشۇنالىق
جەھەتتىكى نۇرغۇن چۈشەندۈرۈشلىرىدىن ئۆتكەن . بۇ
ئەرلەرگە تەكشۈرۈپ ئىسپاتلانغان تۈرلۈك يېزىقلاردىكى
ماپىرىياللار قوشۇمچە قىلىنغان بولسىمۇ ، يەنە مەسىلىنىڭ ھەممى
ھەل بولۇپ كەتكەن ئەمەس ، ئەلۋەتتە . لېكىن بۇنىڭ بىلەن
ئىلمىي تەتقىقات ۋە ئەدەبىياتىن لەززەتلىنىش جەھەتتە ، ھەر ھالدا
پۇختا ئاساس يارىتىپ بېرىلگەن .

ئزاھاتلار :

① غەربىي جەنۇبىي ئاسىما ۋە شىمالىي ئافرقىدىكى ئەرمەبلەر .
سۈرىپىلىكلىر . يەھۇدىلەر . ئېغىتۇپىسىلىكلىر ۋە قەدىمكى باپلىلار . ئاسىرىپىلىكلىر .
فىنكىنلىر كۆزدە تۈتۈلىدۇ .

② بۇ يەردىكى « تومۇر » تۈچ تەرەپتنى تەشكىل تاپقان . ئۆتكەن زامان
پېلىگە قارتىلغان بولۇپ . ئەرمەب تىلى گراماتىكىسىدىكى « سۆز تومۇرى »
(مەسىم) گە ئوخشىمايدۇ .

③ ئەرمەب تىلىدا ھەرقانداق پېشىلدا ئاكىتۇنال ئىسم بولىدۇ . ئۇ ھەرىكەت
تەشەببۈچىمىنىڭ ئىسىنى بىلدۈرۈدۇ . جۈملەدە بۇنى سۈپەت ياكى ئادەتتىكى
ئىسم ئورنىدا قوللىنىش مۇمكىن . بەزىدە ئۇ پېشىلنىڭ رولىنىمۇ تويناب . ھالەت
بولۇپ كېلىدۇ .

④ ئەرمەب يېرىم ئارىلى قەدىمكى دەۋىرلەرده « ئەرمەبىي » دەپ ئاتىلاتى .
ئارالدا تولتۇرۇشلىق كىشىلەر ئەرمەبلەر دېپىلەتتى . بۇ — ئېتىدىائىي ئەرمەبلەر —
بەدۋىلەرنىمۇ ئۆز ئىچىگە ئالىدۇ . بۇ يەردىكى « ئەرمەبىي تىلى » دېگىنىمىز
بەدۋىلەر تىلىغا قارتىلغان .

⑤ زىزىر — زەۋەر كۆزدە تۈتۈلىدۇ (تەرجىمان) .

⑥ ئېبۇ تمام (788 — 846) .

ئېبۇ ئەلا مۇئەررى (973 — 1058) — ئاببا سلار دەۋىرىدە ئۆتكەن مەشۇر
ئەما شائىر . تۈچ يېشىدا ئىككى كۆزى ئەما بولۇپ قالغان . ئۇ دادىسغا ئەگىشىپ
بۇرۇپ ئەدەبىي ماھارەتنى ئىگىلىگەن . يەتمىستەك شېئىر ۋە ھېتايىسى بار .

3 - باب

قەھرىمانلىق دەۋرى

(مىلادى 500 - 622 - يىلالار)

ئۇشتۇم تۈتۈق - ئەرەب ئەدەبىياتنىڭ ئەڭ روشن ئالاھىدىلىكىدۇر . باشتا ، ئۇنىڭ يېپ - يېڭى ئەدەبىيات - سەنۇت سۈپىتىدە ، پىشقاڭ ھالدا مەيدانغا چىقىشىدىن ، مۇكەممەللەك دەرىجىسىنىڭ كېيىنكى ئوخشاش بەدىئىي تىپلاردىن قېلىشمايدىغانلىقىدىن قىلچىمۇ ئەسەر يوق ئىدى . كىشىنى ھەممىدىن بەك ئەجەبلەندۈردىغىنى شۇكى ، ئەرەب تىلى دەلىپىدىلا ئەدەبىي ۋاستە بولۇپ قالغان . ئەدەبىي جەھەتتىكى ئەھمىيىتىدىن ئېيتقاندا ، ھەر خىل شۇىلەرde ئۇيۇلغان تەزىيە - نامىلەر ياكى سودا خاتىرىلىرىنى ھېسابقا ئالىغاندا ، ئەرەب يېرىم ئارىلى بىر مەزگىل جىمجىت ، قۇپ - قۇرۇق دىيەرلىك ئىدى . لېكىن ، ھەش - پەش دېگۈچە ئارىلىقتا ئەرەب يېرىم ئارىلىدا شائىرلار خۇددى باھار يامغۇرىدىن كېيىن باش كۆتۈرگەن بامبۇكتەك تۈر كۈملەپ مەيدانغا كېلىپ ، مۇرەككەپ مەدھىيە نەزمە « قەسىدە » نى ياد ئوقۇيدىغان بولدى « قەسىدە » بىر قاتار مەزمۇنلار ئاسىدا يېزىلغان داستان بولۇپ ، جانلىق ، جۇشقۇن ، تەسەۋۋۇرى ئېنىق ، ئوخشتىشلىرى جايىدا ، تىلىغا ئىنتايىن باي ، جاراڭلىق ئىدى ، ئۇنىڭدا شۇه تەسىرى ئاز ئىدى . بۇنداق ئەسەرلەر مۇرەككەپ ۋە جانلىق قاپىيىلەردىن تۈزۈلگەندى . كېيىنكى دەۋرىدىكى ئەرەب تىلىشۇناسلار بۇنىڭغا خۇددى

بىزگە ئوخشاشلا ھەيران بولۇشقاڭ . ئەرەبلىرىنىڭ دەسلىپكى
 مۇنھۇم ئوبىزورچىسى ئىبىنى سالام : « مەلۇم كىشىلەرنىڭ مەلۇم
 سورۇنلاردىكى ئاغزاڭى نەزمىلىرىنى ھېسابقا ئالىغاندا ، دەسلىپكى
 دەۋرلەردىن ئەرەبلىرىنىڭ شېئىرىيەتىدىن ئېغىز ئېچىش مۇمكىن
 ئەمەس ئىدى . **(قەسىدە)** ۋە داستان ئوقۇش تۈنۈجى قېتىم
 مىلادى ٦ - ئەسىرىنىڭ ئالدىنلىقى يېرىمىدىكى ئابدۇل مۇتتەلىپ
 دەۋردىن باشلانغانىمىدى « دەپ يازىدۇ . شۇبەمىسىزكى ، شۇ
 چاغلاردا شېئىرىيەتىنىڭ تېمىسى كۆپىنچە » مەلۇم كىشىلەرنىڭ
 ئاغزاڭى نەزمىلىرى » دىن ئېلىناتتى . لېكىن ، مەرسىيە ، قايغۇ -
 ھەسرەت ناخشىلىرى ، مۇبالىغە ، مەسخمرە ياكى قارغا شقا دائىر
 شېئىرلار ، ئۆرۈش ھەقىدە ۋە ئات - تۆكىلەرنى ماختاپ يېزىلغان
 شېئىرىي ئەسەرلەر بۇرۇندىنلا مەلۇم دەرىجىدە بار ئىدى . دەسلىپكى
 چاغلاردىكى **(قەسىدە)** بىلەن زامانداش بولغان ئەنە شۇنداق
 نۇرغۇن قىسقا شېئىرلارنىڭ بۇگۈنكى كۈنگۈچە تارقىلىپ
 كېلىۋاتقانلىقى بۇ ئەسەرلەرنىڭ ئىلەام كەلگەندە دەرھال يېزىلغان
 شېئىرلارنىڭ ئوخشىمىغان سۈزىتى سۈپىتىدە ساقلىنىپ
 كېلىۋاتقانلىقىدەك تەسەۋۋۇرنى ئىسپاتلايدۇ . لېكىن ، بۇنداق
 شېئىرلاردا ۋەزىن مەسىلىسى مۇرەككەپەك ئىدى . قەدىمكى ئەرەب
 ۋەزىن قائىدىسى باشتا چىچىلاڭنۇ ، ئۇزۇن - قىسقا شەكىلدە
 بولۇپ ، رەجەز دەپ ئاتىلاتتى . بۇنداق شېئىرىيەت شەكلى
 قاپىيىلەشتۈرۈلگەن قىستا جۈملەردىن ئىبارەت بولۇپ ، ئۇ بەلكىم
 (كارمېنغا ^① ئوخشاش) « سەجىھە » (قاپىيىلىك نەسىرىي ئەسەر
 شەكلى) دىكى دوق قىلىش تەلەپپۇزىنى ئالىغان ئىخچام بىيىتلاردىن
 كەلگەن بولۇشى مۇمكىن . كىشىلەر بۇنداق نەسىرىي ئەسەرنى
 بىزگە تونۇش بولغان بىرام ^② رىۋاىيەتلەرىگە ئوخشاش مەلۇم
 سەھرىي كۈچىگە ئىگە ، دەپ قارايدۇ . سامىي ئەدەبىياتىدا ئورتاق

بولغان بۇنداق چىچىلاڭخۇ نەزە شەكلەنىڭ ۶ - ئەسىرىدىكى ئۇن
 بوغۇملىق ياكى ئۇن ئىككى بوغۇملىق شېئىر شەكىللەرى بىلەن
 ھېچقانداق ئالاقىسى يوق . تەقلىد قىلىنەتىنى ھېسابقا ئالىغاندا ،
 ئۇنىڭ بىلەن سامىي تىلىغا مەنسۇپ تىللارنىڭ قىلچە ئوخشاشلىقى
 يوق . « رەجەز » شەكلەنىڭ « قەسىدە » دە قوللىنىلىۋاتقان ۋەزىن
 قائىدىسىدىن چىقىرىپ تاشالىنىشى — ئۇنى يېڭى ۋەزىن
 قائىدىسىدىن مەقسەتلەك ھالدا ئايىر بۇتىش بولىدۇ . بۇنداق يېڭى
 ۋەزىن قائىدىسىنىڭ پەيدا بولۇشى توغرىسىدا ئىلگىرى نۇرغۇن
 تەسەۋۋۇرلار بولغانىدى . بىز يېڭى ۋەزىن قائىدىسىنىڭ
 « قەسىدە » دىن كېلىپ چىقىغانلىقىنى مۇئەبىەنلەشتۈرۈشكە
 ھەقلىق بولساقىمۇ ، لېكىن ئۇنىڭ پەيدا بولغان ۋاقتى « قەسىدە »
 دىن ئانچە ئىلگىرى ئەمەس .

دېمەك ، « قەسىدە » شېئىرىيەتنىڭ دەسلەپكى ئىجادىيەت
 دەۋرىنىڭ يۇقىرى پەللەسى بولۇپ ، بۇ دەۋوردە يېڭى ۋەزىن
 قائىدىسى دۇنياغا كەلگەن ۋە ئۆلچەملىشىپ قالغان . بەلكى ،
 « قەسىدە » شېئىرىيەت ئىجادىيەتىدە ئۆزىنىڭ يېڭىچە جەلب
 قىلىش كۈچىنى كۆرسىتەلگەن . گۈزەللەك تۈيغۈسىنىڭ يېڭى
 ساھەسىدە شاد - خۇراملىق ياكى تەنتەتلەك ھېسىياتىنى
 ئىپادىلەگەن ؛ مەيلى دەسلەپكى ياكى ئاخىرقى مەزگىلدىكى
 « رەجەز » نەزمىلىرىنى ئۇنداق ئالغا ئىنتىلىش تۈيغۈسى بىلەن
 ئوخشاش ئورۇنغا قويۇش مۇمكىن ئەمەس ، بەزىلەر « قەسىدە »
 نىڭ دۇنياغا كېلىشى « يېڭى ئاي شەكىللەك مۇنبەت زېمىن » ③
 مەدەنىيەتتىنىڭ تەسىرىدىن بولغان دېيىشىدۇ . بىراق ، بۇنداق
 قاراشتىكىلەرنىڭ پاكىتى تولۇق ئەمەس . مەيلى قانداق بولسۇن ،
 يېڭى ۋەزىن شەكلى ئەرەب تىلىنىڭ تەلەپپۈزىغا ئىنتايىن باب
 كېلىدۇ ۋە ماسلىشىدۇ . كېيىنكى بىرقانچە يېل ياكى بىرقانچە ئۇن

يىل ئىچىدە، شىمالدا مېسىپوتامىيە، هىجاز، نەجد⁽⁴⁾، ئاسىسر⁽⁵⁾ چۈللۈكىدىن تاكى يەمنىگىچە بولغان، ئەرمەب تىلىدا سۆزلىشىدىغان قەبىلىئەرنىڭ ھەمىسىدە كىشىنى ھاڭ - تالق قالدۇرىدىغان شېرىيەت ماھارىتى مەيدانغا كېلىپ ھازىر غىچە سەر بولۇپ كېلىۋاتقان ئىجادىي كۈچىنى ئەكس ئەتتۈرگەن. ئەرمەب تىلىدىكى سۆز ھالەتلەرنىڭ بىر خىللەقى ۋە جۈملە تۈزۈلۈشىنىڭ يېڭى ۋەزىنگە قاراپ تەبىئىي تەرەققىي قىلمۇراتقانلىقى نەتىجىسىدە، بىرنه چچە مىسرا نەزمە ئىجاد قىلىش ئانچە قىيىن بولمىسىمۇ، لېكىن نەزمىنى ئاتمىش ياكى سەكسەن مىراغا يەتكۈزۈش، جۈملەرنى بەدىئىلىك جەھەتتە ئوخشاش سەۋىپىنى ساقلاپ قىلىش يۈكسەك ماھارەتنى تەلەپ قىلاتتى.

« قەسىدە » نىڭ ئاخىرقى مەقسىتى ئۆزىنى كۆككە كۆتۈرۈش، ئۆز قەبىلىسىنى مەدھىيەلەش، ئۆز رەقىبىنى ياكى ئۆزىگە قارشى بولغان تەشكىلاتنى مەسخىرە قىلىش ياكى مەلۇم بىر شەپقەتچىنى مەدھىيەلەشتىن ئىبارەت ئىدى. شائىر ئاڭلىغۇچىنى ئۆزىگە جەلپ قىلىش ئۆچۈن، نەزمە ئەۋجىگە چىقىشىن ئىلگىرى، مۇقەددىمە شەكىلىدىكى سۆزلەر بىلەن ئەرمەب تۈرمۇشىنىڭ ھەرقايىسى كۆرۈنۈشلىرىنى تەسۈرلەيدۇ. ئەڭ قىزىقارلىقى ئادەتتە « ناسىپ » دەپ ئاتلىدىغان مۇقەددىمىدىن ئىبارەت⁽⁶⁾.

قىدە باشلىش بىلنا، شائىر ئۆزىنلە تۆگە منب، ئىككى بىتى بىلنى بىر ئۆتىدە كېتۈتەلتىقنى ئەلتىدۇ. يۈل ئۆزۈن، ئەگىرى - توقاي بولۇپ، شائىر نىڭ ياكى ئۆزىنلە بىتلىرىنىڭ قېلىس شىڭىرى چەدر تىكىن جايىغا تۈتىدۇ. ئۇ پىردىكى خىرابە شىزلىرى ناھىيەتىن كۆزىگە تاتلىنىدۇ. شائىر بۇ يېرده دوستلىرىنى بىر ئار دەم ئېلىتىدا دەۋامتى قىلدۇ. ئۇ بۇرۇغۇن يېللار بۇرۇن بۇ يېرده ئۆز مەشقى بىلنى ئۆتكۈزگەن ئەڭ كۆنخۇللۇڭ كۆنلەرنى، ئۆزۈن يىل دەۋام قىلغان سەرسالق قەلىتىنلە ئۆزلىرىنى بىر - بىرىدىن چەدا قىلىپ

تەزىزىتىكىنىلىكى ، شەملىكتە بۇ خارابلىكتە پەقت كېپكلەرنىڭلا ئۇياقتىن -
بۇياقتقا چىپىشىپ يۈرۈكىنىلىكىنى هەسرەت - نادامت بىلەن شەملىيدۇ^⑦ .

توختاگە كارۋان بۇ جايىدا ئاز غىينا يىغلاپ ئالايمى !
يار جامالى ، بارگاھلار كەلدى يادىمغا شۇئان .
كۆرۈنەر تاغىل - باياۋان ، توختىماي سوقار بوران ،
بولدى باقسام نامايان خارابىدىن ئەسلى ماكان .
ئاتنىڭ تىزگىنىنى سېرىپ ، بەردى تەسەلللى دوستلىرىم .
« سەۋىر - تاقەت ئەيلىڭىز ، ئارتۇقچە زارلاپ يىغلىماي » ،
پەقەت كۆز يېشىم بولدى ئۇشبو تەسەللەگە جاۋاب ،
سىڭدى قۇمغا قەترە - قەترە تامىچە ياش قانداق قىلاي .^⑧

بۇ خىل مەزمۇنىدىكى نەزمىلەر شەھۋانىي نەزمە دەپ
ئاتالماقتا ، ئەمەلىيەتتە هەرگىز ئۇنداق دېيىشكە بولمايدۇ . بۇ
بىر خىل ئېچىنىشلىق مۇھەببەت ئەسلىمىسى بولۇپ ، ئاساسى
مەزمۇنى جۇدالىق ھەسىرىتىدىن ئىبارەت . ئۇنىڭ ھەقىقىي مۇھەببەت
نەزمىسى - غەزەل بىلەن ئوخشاشلىقى ناھايىتى ئاز ، غەزەلنى
هازىرغىچە ساقلىنىپ كېلىۋاتقان ئىسلامىيەتتىن بۇرۇنقى نەزمىلەر دە
ئۇچرىتىش مۇمكىن ئەمەس . ناگان - ناگاندا ئۇنىڭدىن
شەھۋانىيلىققا ياتىدىغان مەلۇم تەسویرلەر چىقىپ قالغان
ھالەتتىمۇ ، ئۇنى « ناسىپ » - تىكى ئاساسىي مەزمۇن بىلەن
ئارىلاشتۇرۇۋەپتىشكە بولمايدۇ . « ناسىپ »نىڭ « قەسىدە » دىكى
رولى خۇددى تىلىشۇناس ئىبنى قۇتەيىبە^⑨ نىڭ ئېيتقىنىدەك ؛
« ئاڭلىغۇ چىلارنىڭ قەلبىنى جەلب قىلىپ ، ئۇلارنى بېرىلىپ نەزمە
ئائلايدىغان قىلىش » تىن ئىبارەت . بۇنىڭدىن كۆرۈۋەپلىشقا
بولىدۇكى . « ناسىپ » ئەنە شۇنداق يېڭى شەكىلدىكى مەدھىيە

نەزە سۈپىتىدىلا مەۋجۇت بولۇپ تۇرغان . ئىبىنى سالام ⑩ ئىمەرە
 ئۆلچەيس ⑪ نىڭ داڭ چىقارغانلىقى ئۈستىدە توختىلىپ : « قاقاس
 سەھرا » تېمىسىدىكى ئىجادىيەت ئىمەرە ئۆلچەيسكە مەنسۇپ » دەپ
 قارىغانىدى . بۇ گەپنىڭ توغرایاڭى توغرائەمە سلىكىدىن
 قەتىئىنەزەر ، بۇ تېمىنىڭ ئەرەب شائىرلىرى ۋە ئاڭلىغۇچىلارغا
 نىسبەتنەن ئېيتقاندا ، مۇنازىرە تەلەپ قىلمايدىغان دەرىجىدە ئۆزاق
 مۇددەتلىك جەلپ قىلىش كۈچىگە ئىكەنلىكىدە شەك يوق .
 گەرچە ئاخىرقى مازگىللەردە ۋە ئىسلامىيەتنى كېيىنكى
 دەۋرلەردە « ناسىپ » شەكلى بارا - بارا قاتماللىققا يۈزەنگەن
 بولىسمۇ ، لېكىن ، كېيىنكى ئەسەرلەردە ئۇنىڭ داۋاملىق تىلغى
 ئېلىنىشى ، ئۇنىڭ ئاڭلىغۇچىلار بىلەن ھىسىيات جەھەتتە زىج
 مۇناسىوتى بارلىقنى كۆرسىتىپ بېرىدۇ .

شائىر مەشۇقى بىلەن ئاخىرقى قىتسىم ۋىدىالىشىپ بولۇپلا
 (مەشۇقى ئۆز قەبلىسى بىلەن بىللە يېڭى ئوتلاق تېپىش ئۆچۈن
 كېتىدۇ) ساياھىتنى داۋاملاشتۇرغانلىقىنى بايان قىلىدۇ . شۇ
 مۇناسىۋەت بىلەن ئۇ ، تۆگىسى بىلەن ئارغىمىقىنى داڭلاب
 كېتىدۇ ، بەزىدە ئۇنىڭ نەزمىلىرى بىر نەچە ئېغىز سۆز گە
 ئوخشىسىمۇ ، لېكىن ئۇ ھامان ئاپتۇرنىڭ جىمىكى قىز غىنلىقىنى
 ئەكس ئەتتۈرۈپ بېرىدۇ . شائىر ئۆز ئۇلاقلىرىنىڭ ئۆزاق ۋە
 مۇشكۈل سەپەرلەردە نەقەدەر تېز ماڭغانلىقىنى ۋە نەقەدەر چىداملىق
 ئىكەنلىكىنى داڭلайдۇ . ئۇلارنى قۇلان ، تۆگە قۇشى ياكى بۇكەنگە
 ئوخشتىدۇ : بۇ چاغدا تېما ھايۋانلار تۇرمۇشى ياكى ئۇۋە
 مەنزىرىسىدىن ئىبارەت تەسىرلىك نەزمىگە كۆچىدۇ . (غەرب
 كىتابخانلىرى ئۆچۈن بۇ نەزمىلەر تولىمۇ قىزىقارلىق) ، شۇنىڭ
 بىلەن يۇقىرىقدەك سېلىشتۇرۇشلارمۇ قېپقالىدۇ .

تۇرار بوي - قەددىنى رۇسلاپ ئاق سىيىر بەرقى ئايدىڭدا ،
وھ يا يېپتىن چېچىلغان ئۈنچە - مەرۋايىت كەبى تەنها .

يۇرۇپ كەتنى چۆچۈپ بىردىن ، قەدەملىرىنى بېسىپ
ئىلدام ،

قارا تۈن پەردىسىنى يەرتىپ ، سۈبھى يورۇغان چاغدا .
قالدى ئۇ ھاياتلىقنىڭ نىداسىدىن بولۇپ ھەيران ،

رەقىبىنى بىلدى كىم كۆرمەي تۇرۇپ كۆرگەن كەبى
ئەمما ،

مۇكۇندى چۈشكىچە پىنهان ، رەقىبىدىن خاۋاتىرلەپ ،
يېڭىلدى ئۇۋچىلار ئاخىر ، تاپاتتى ئۇنى تايغانلار .

مانا سالپاڭ قۇلاق تايغانمۇ كەلدى پاپىسلاپ ئىزدەپ ،

ئۇسمە كە تەق قىلىپ مۇڭكۈز ، ئۇمۇ راسلاندى چاققانلا ،
بەئەينى بىر - بىرىگە قارشى كەلگەن ئىككى شەمشەر دەك ،
ئېلىشتى ، ھال خەته ، مۇندا يېڭىلمە كلىك ئۆلۈم گويا ،
نە چارە قىلغۇلۇق ! چۈشتى غۇلاب يەرگە خاساپ باشى ،
ۋادەرخا ، سوزۇلدى ھەم سۇخەمنىڭ جەستى قاندا ⑫

قائىدە بويىچە ئەنە شۇنداق مۇقەددىمىدىن كېيىنلا ،
نەزمىنىڭ ئەسلى تېمىسى باشلىنىدۇ . بۇ چاغدا شائىر ئۇستىلىق
بىلەن تاللىغان تەسوېرلەر ئارقىلىق كۆڭۈللۈك ، باياشات قەبىلە
تۇرمۇشنىڭ گۈزەل مەنزاپىسىنى ، لەززەتلىك نازۇ نېمەتلەر بىلەن
تولغان زىيابەتنى ، قۇملۇقتىكى يەر - جاھاننى زىلزىلىگە
كەلتۈرىدىغان گۈلدۈر مامىنى كىشىنىڭ كۆز ئالدىدا ناھايىتى
جانلىق گەۋىدىلەندۈرىدۇ . شائىر ياكى ئۆزىنىڭ قەھرىمانلىقىنى
ماختايىدۇ ، ياكى جەمەتنى ماختاپ رەقىبىگە ھۇجۇم قىلىدۇ : ياكى
قەبىلە ئاقساقلۇنىڭ دىيانەتلىك ئېسىل پەزىلىتىنى ، ئۇرۇشا

كۆرسەتكەن كۆرۈنەرلىك تۆھپىسىنى كۆكە كۆتۈرىدۇ ۋە ياكى
 ۋەز - نەسەھەت خاراكتېرىدە، ئۇمىدىسىزلىك بىلەن چۆل -
 جەزىرلەرنىڭ مەنزىرسىنى بايان قىلىدۇ . دېمەك . « قەسىدە » -
 چىلەر شۇ يول بىلەن دەسلەپكى دەۋر نەزمە بايلىقىغا مەنسۇپ
 تېمىلارنى (مەرسىيەلەر بۇنىڭ سىرتىدا) ئۆزىنىڭ بەدىئىي
 ماھارىتى بىلەن زىچ بىرلەشتۈرۈپ ، بۇ ئەنئەنئۇي شېئىرىيەت
 شەكلىنى ئۆزاققىچە ساقلاپ كەلگەن . دىققەت قىلىشقا ئەرزىيدىغىنى
 شۇكى ، « قەسىدە » چى بىر نەچە شائىر ئالاھىدە نام چىقارغان .
 بۇنىڭ ئىچىدە ئەڭ گەۋدىلىكى ، يېرىم ئارالنىڭ ئوتتۇرا قىسىمىنىڭ
 غەربىدىكى سۇلەيم مىللەتىدىن بولغان خەنسا ⁽³⁾ . خەنسانىڭ
 ئىنسى شائىر مىلادى 615 - يىلدىكى بىر قېتىملىق ئۇرۇشا قۇربان
 بولىدۇ . خەنسا قۇربان بولغان ئىنسىغا هازا تۇتۇپ مەرسىيە
 ئوقۇپ ، پۇتون يېرىم ئارالغا تونۇلىدۇ ، كىشىلەر رىۋايەتلەردىن ئۇنى
 ئوكاز ⁽⁴⁾ دا ئۆتكۈزۈلگەن نەزمە مۇساپىقىسىدە داڭلىق
 شائىرلاردىن قېلىشىغان ، دەپ تەرىپلىشىدۇ .

« قەسىدە » شېئىرىيەت سەنىتىنىڭ يۇقىرى پەللەسى
 بولۇپ تونۇلۇشى بىلەن تەڭ ، شېئىرىيەت ئىجادىيەتنى باھالاشنىڭ
 ئۆلچىمى بولۇپ قالدى . بۇ چاغدا ئىككىنچى جەريان باشلاندى . ئۇ
 ئوخشاشلا ئەرەب ئەدەبىياتنىڭ ئاخىرقى دەۋرلىرىدىكى
 تەرەققىياتنىڭ ئالاھىدىلىكىدىن دېرىك بېرىتتى . دېمەك ،
 شۇنىڭدىن ئېتىبارەن بىر خىل ئەدەبىيات شەكلى بارلىققا كېلىپ ،
 ئومۇمىلىشىپ ، ئاساسىي جەھەتتىن قېلىپلىشىپ قالدى . دەسلەپكى
 مەزگىللەردىكى نەزمىلەرنى شائىرلار ئۆز قەبىلىسىدىكى كىشىلەرگە
 ئاتاپ يازغان دېيشىكە بولىدۇ ، ئۇ نەزمىلەر تېما ۋە قۇرۇلما
 جەھەتلەردىن چۈۋالچاق بولۇپ ، شائىرنىڭ ئۆزىگە خاس
 ئالاھىدىلىكى ۋە ئەتراپىدىكى مۇھىتقا بولغان ئىنكاسىنى ئەكس

ئەتتۈرۈشتىن باشقا رولى يوق ئىدى . كېيىنچە ئەھۋالدا ناھايىتى تېز ئۆزگىرىش بولدى . شېئىرىيەت ئىجادىيەتى يېڭى شېئىرىيەت سەنىتى تەرقىقىياتى نەتىجىسىنىڭ بىرى سۈپىتىدە مەخسۇسلىشىشا باشلىدى . كىشىلەرde دەسلىپ « شائىر » (ئويغا تقوچى) غا قارىتا كونا ئۇقۇم ساقلانغان بولۇپ ، شائىرلار سېھرى كۈچكە ئىگە قاپىيىلەرنى ئىشلىتەلەيدىغانلار دەپ قارىلاتتى . شۇڭلاشقا ، شائىرلار پەريشى ياكى جىن ¹⁵ دىن ئىلھام ئالىدۇ . دەيدىغان رىۋايەتلەر پەيدا بولغانىدى . كېيىنچە چوڭ شائىرلار ئۇرۇش ياكى باشقا ئۇشىاق - چۈشىشكە ئىشلار توغرىسىدا زىيابەت ئۇستىدە ئولتۇرۇپلا قوشاق توقۇشنى باشلاپ ، پۇتۇن زېھنى بىلەن نەزمە مۇسابىقىسىگە ياكى هىراۋەغەساندا ¹⁶ پادىشاد ۋەزىرلەر ياكى باشقا خەلمىپىلەر ئالدىدا نەزمە ئوقۇشقا تەييارلىنىدىغان بولدى . نەزمە مۇسابىقىسى ھەر يىلى مەلۇم مەزگىلدە ئۆتكۈزۈلەتتى ، بۇ چاغدا ھەرقايىسى قەبلىلەر بىر يەرگە يىغىلىپ ئىبادەت قىلاتتى ياكى كەبە ¹⁷ نى تاۋاپ قىلاتتى . كەسپىنىڭ ھەرقاندىقى خېردارغا موھتاج ، خېردارلارنىڭ تاۋارنى ماختىشى شائىرغا مەنىۋى رىغبەتلەندۈرۈش بولۇپلا قالماي ، يەنە كالا پادىلىرى ۋە باشقا مال - مۇلۇكلەر ئۇلارغا ماددىي مۇكابات سۈپىتىدە بېرىلەتتى .

نەزمە مۇسابىقىسى « قەسىدە » قۇرۇلمىسىنىڭ ئومۇمىشىشىنى زور دەرىجىدە ئىلگىرى سۇردى . شائىرلار كىشىلەرنىڭ ماختىشغا ئېرىشىش ئۆچۈن ، ئۆز قەبلىسىنىڭ غۇرۇرى ۋە ئۆز ھامىلىرىنىڭ ئىززەت - ھۇرمىتىنى قانائەتلەندۈرۈشكە تىرىشقاندىن بۆلەك ، نەزمىنى ئامىباب تېمىلار دائىرىسىگە قويۇپ ، تۈرلۈك ئاماللار بىلەن ئاڭلىغۇچىلارنى تەسىرلەندۈرۈشى ، چوڭقۇر مەنىلىك ۋە ئوبرازلىق سۇزىتلار

ئارقىلىق ئۇلارنى جەلپ قىلىشى ، جۇمىدىن بۇنداق سۈزتىلار ئاڭلىغۇچىلارغا تونۇشلۇق بولۇشى كېرىك ئىدى . نەزمىنىڭ ياخشى ياكى ناچارلىقى ئەنە شۇنىڭغا قاراپ بەلگىلىنەتتى . شۇنداق بولغاچقا ، شائىرلار شېئىرنى ئەركىن شاخلىتالمايتتى . ئاڭلىغۇچىلارغا ئەسرا بولىغان ، دائىرسى تېخىمۇ كەڭ تېمىلار ئۇستىدە ئۆز ئىختىيارىچە توختىلالمايتتى . ئەگەر ئۇنداق قىلىدىغان بولسا ، بۇ نەزە ئاڭلىغۇچىلارنىڭ چۈشىنىش ئىقتىدارىدىن ئېشپ كېتەتتى - دە ، ئاممىدىن ئايىرىلىپ قالاتتى .

نەزە ئىجادىيىتى بويىچە مەخۇسلىشىنىڭ يەنە بىر نەتىجىسى « قەسىدە » نىڭ قىلىپلىشى بولدى . بۇ يېڭى كەسىپ « شاگىرتلىق » تۈزۈمىنىڭ كېلىپ چىقىشى بىلەن پەيدا بولدى . بىر داڭلىق شائىرنىڭ بىر - ئىككى ياردەمچى بولاتتى . ئۆ راۋى (تارقاتقۇچى) دەپ ئاتىلاتتى . ئۇلار ئۇستازلىرىنىڭ ئەسرلىرىنى ئوبدان يادلىۋېلىپ ، ئاندىن باشقىلارغا تارقىتاتتى . ئەسەر شۇ يول بىلەن ئېغىزدىن - ئېغىزغا كۆچۈپ ، ئۇنىڭدىن - بۇنىڭغا ئاڭلىنىپ ، ھەممە يەرگە تارقىلاتتى . مەلۇم بىر راۋى « قەسىدە » ئوقۇشنىڭ تېخنىكىلىق قائىدىلىرىنى ئىگىلىۋالا يىدىغان بولسا ، ئۇمۇ مۇستەقىل شائىر بولۇپ قالاتتى . لېكىن بۇنىڭدا ، شېئىرىيەت ئىجادىيىتىنىڭ ستىخىيلىكى مۇقەررەر تۈرددە ئاجىزلىشپ كېتىپ ، ئاڭلىق سەنئەت بولالماي قالاتتى : تۆۋەندە بىر راۋىنى مىسال كەلتۈرىمىز . ئۇ بولىمۇ ئەۋس ئىبىنى ھەجەرنىڭ راۋىسى زۇھەير ⑮ بولۇپ ، ئۇنىڭ شېئىرىيەت ساھەسىدىكى داڭقى ئۇستازىنى بېسىپ چۈشىدۇ . ئەرەب تىلىشۇناسلىرى زۇھەير ۋە ئۇنىڭ ئېقىمىدىكىلەرنى « نەزە قۇللەرى » دەپ ئاتايدۇ . چۈنكى ، ئۇلار « تۈغما شائىر » دېيىلگەنلەرگە سېلىشتۈرغاندا ماھىر ئىدى . ۋاقىتىنىڭ ئۆتۈشى بىلەن ، راۋىلار كەسپىي نەزە

تارقاتقۇچى تەبىقە بولۇپ شەكىللنىدۇ . ئۇلار ھەرقانداق ۋاقتىتا
 ئوقۇغۇدەك نۇرغۇن داستانلارغا ئىگە بولىدۇ . شېئرىيەت يېزىق
 شەكلى بىلەن مۇقىملاشتۇرۇلۇشتىن بۇرۇنقى 200 نەچچە يىلدا ،
 شېئىر ئەنە شۇنداق تارقىتىش شەكلى بىلەن داۋاملىشىپ كەلگەن .
 نۇرغۇن ھېكايىلەرde كىشىنى ھەيران قالدۇرارلىق تۇتۇۋېلىش
 قابىلىيىتىگە ئىگە راۋىلار بايان قىلىنىدۇ . ئېيتلىشىچە ، بىر راۋى
 بىر قېتىمىدىلا ئىككى مىڭ 900 كۈپلىت شېئىرنى ئوقۇغان . بىراق ،
 بۇ رىۋايه تلەرگە ئىشىنىش قىيىن . راۋىلار شۇنچە ئۇزاق ۋاقت
 ئىچىدە ئەسلى ئەسەرنى قىلچە ئۆزگەرتىمىي ، خاتاسىز ساقلاپ
 قالالامدۇ ؟ بولۇپمۇ ئەرەب نەزمىلىرىنىڭ تۇزۇلۇشى ئەركىن بولغان
 ئەھۋال ئاستىدا ، قىلچە چۈشۈرۈپ قويماسلىقى ، ئاستىن - ئۇستۇن
 قىلىۋەتمەسلىكى مۇمكىنмۇ ؟ قەدىمكى ئەرەب نەزمىلىرىنىڭ
 كۆپچىلىكىدە شۇ چاغدىكى قەبىلىەردىكى ئالاھىدە ۋەقەلەر ۋە
 كىشىلەر بايان قىلىناتتى ، ئاڭلىغۇچىلار بۇ ۋەقە ۋە كىشىلەر بىلەن
 تونۇش بولغاندىلا ، ئاندىن ئۇنى تولۇق چۈشىنەلەيتتى . كىشىلەر
 ئۇلارنى ئۇنىتۇپ قالغاندا ، مۇناسىۋەتلەك نەزمىلەر پەيدىنپەي
 يوقىلىپ كەتكەن ۋە ياكى باشقا ئەنئەنئۇي رىۋايه تلەر بىلەن
 ئارىلىشىپ كەتكەن ، ھەتتا ئۆزگەرتىلىپ ئاشۇ رىۋايه تلەرگە
 ماسلاشتۇرۇلغان . كىشىنى شۇبەملەندۈرۈدىغىنى شۇكى ، بەزى
 قارانىيەت ، ھەستخور راۋىلار ئۆزىنىڭ ياكى نامىز
 يازغۇچىلارنىڭ ئەسەرلىرىنى قەدىمكى داڭلىق شائىرلارنىڭ
 ئەسىرى قىلىپ كۆرسەتمەيدۇ ، دەپ كىممۇ كاپالەتلەك
 قىلالىسۇن ؟ 8 - ئەسىردىكى نەزمىلەرنى توپلىغان تىلىشۇناسلار
 بۇنداق مەسىلىلەرنى سەزگەن . ئۇلار بىر - بىرىگە قارشى بولغان
 توپلىغۇچىلار ۋە ئوخشىمىغان ئېقىملارنىڭ ئۆزئارا ھۇجۇمىغا
 قاراپ . تارقىلىپ يۈرگەن قەدىمكى نەزمىلەرنىڭ راست ياكى

يالغانلىقىنى ئايrip چىققان . ها زىرقى زامان ئوبزورچىلىرىدىن
 بىرنە چىسى تېخىمۇ ئىلگىرىلەپ ، ئاشۇنداق ئۆزئارا ھۈجۈم ۋە
 باشقا قىياسلارنى ئاساس قىلىپ ، ئىسلامىيەتتىن بۇرۇنقى ئەرەب
 شېئىرىيەتتىنىڭ ھەننۇۋاسىنى ياكى كۆپ قىسىمىنى ئىنكار قىلدى .
 لېكىن ، بۇنداق باها بېرىشتە ، تەلەپ تولىمۇ قاتتىق بولۇپ
 كەتكەن . تۆۋەندە مۇنۇ ئەھۋالنى كۆرىمىز . 8 - ئەسردىكى
 راۋىلارنىڭ قولىدا 7 - ئەسردىكى ئەسلى ئەسەر بولۇپ ، باشقا
 ما تېرىياللار بولىمسا ، ئۇلار ئىسلامىيەتتىن بۇرۇنقى دەۋىردىكى
 پۇتۇنلەي ئوخشمايدىغان داڭلىق نەزمىلەرنى قانداقمۇ تەسەۋۋۇر
 قىلالىسۇن ؟ بۇ نەزمىلەرنىڭ يەرلىك پۇرېقىنى ۋە ئاپتۇرنىڭ
 ئۇسلۇب جەھەتتىكى ئالاھىدىلىكىنى قانداقمۇ توقۇپ
 چىقرالسۇن ؟ مەلۇم بىر شېئىرىنىڭ ئىشەنچلىك دەرىجىسىگە توغرا
 ساها بېرىش ئۈچۈن ئوبىيكتىپ پاكتى تېپىش قىيىن بولىسمۇ ،
 بىراق بىز 6 - ئەسردىكى شائىرلارنىڭ ئىجادىيىتى ئىكەنلىكى
 ئېتىرالپ قىلىنغان نەزمىلەرنىڭ يادROLۇق تەركىبىدىن
 گۇمانلانمايمىز ، ئۇ يەنلا ئۇلارنىڭ نەزمە ئىجادىيىتى ۋە ماھارىتىگە
 دائىر تەقلىد بۇيۇملار بولۇپ ، بۇ نەزمىلەر ئومۇمەن ئىشەنچلىك .
 گەرچە ئۇنىڭدا نۇرغۇن خاتالىقلار ، تۈزىتىلگەن ۋە ئۆزگەرتىپ
 يېزىلغان جايilarنىڭ بولۇشى ئېھتىمالغا يېقىن بولىسمۇ ، ناھايىتى
 نۇرغۇن نەزمە ئەرلەرنىڭ مۇتلەق كۆپ قىسى هەققەتەن
 يوقىلىپ كەتكەن بولىسمۇ ، لېكىن ها زىرقىغىچە يېتىپ كەلگەنلىرى
 ئاز دېگەندىمۇ شۇ دۆلەتلەردىكى ئوبزورچىلار ئەسرلەردىن بۇيان
 قەدرلەپ كېلىۋاتقان ئەسرلەرنى ئۆز ئىچىگە ئالىدۇ .

ئىسلام دىنلىدىن بۇرۇنقى دەۋىردىكى نەزمىلەر مەزمۇن ۋە
 تۈزۈلۈش جەھەتتىن ئاساسەن بىر - بىرىگە ئوخشاش بولۇپ ،
 كىشىگە مەزىسىز ۋە قۇپ - قۇرۇق تۈيۈلسەدۇ . بولۇپمۇ

تەر جىمىسىنى ئوقۇغاندا، تېخىمۇ شۇنداق. ئۇنىڭدا قۇملۇق
 ھاياتىنىڭ مەزىسىلىكى قوپال ھالدا ئەكس ئەتتۈرۈلگەن، ئۇ
 شېئىرلار كونكرىت، چىن بولسىمۇ ئۆزگىرىش ۋە ئىچكى باغلېنىشى
 كەمچىل. ئۇ چاغدىكى شائىرلار تامامەن دېگۈدەك مەلۇم تېما بىلەن
 چەكلىنگەن بولغاچقا، ئۆزىنىڭ قولىدىن كېلىدىغان ماھارىتىنى
 ئىشقا سېلىپ، ئاشۇ قۇرلارنى بېزەيتتى، گۈزەللەكى، ئىپادىلەش
 ئىقتىدارى ۋە سۆزىنىڭ ئىخچاملىشى، تەسۋىرىنىڭ ئەينەنلىكى ۋە
 رېئاللىقى جەھەتتە ئۆز ئەجدادلىرى ياكى رەقىبلىرىدىن ئېشىپ
 كېتىشىكە تىرىشا تىتى. بۇنداق شېئىرنى باشقا ھەرقانداق تىلغا
 قانائەتلەنەرلىك قىلىپ تەرجىمە قىلىپ چىقىش مۇمكىن ئەمەس،
 چۈنكى ئۇنىڭدا بايان قىلىنىۋاتقان ۋە قەلىكتىكى ئۆزگىرىش
 ناھايىتى ئاز بولغاچقا، پۇتكۈل سەنئەت تەرجىمە قىلىشقا مۇمكىن
 بولمايدىغان ئىپادىلەش شەكلىكە كىرىپ قالغان.

مۇبادا، شائىرلارنىڭ ھەممىسى ئوخشاشلا شەكلىنى
 دورايتتى ياكى پۇتۇن زېھنى بىلەن قەسىدە ئىجاد قىلاتتى دېيىلە،
 خاتا بولىدۇ. نېرىسىنى قويۇپ تۇرۇپ، داڭلىق « سەبىي
 مۇئەللەقەت » ¹⁹ نى كۆرۈپ باقايىلى. يەتتە كۈپلىتلىق « ئالتۇن
 نەزمە » نى ئۆز ئىچىگە ئالغان بۇ داڭلىق سەبىي مۇئەللەقەتنى 8 -
 ئەسىرىدىكى بىر راۋى ²⁰ تارقاتقان بولۇپ، ئۇنىڭغا ئادەتتىكى
 سەبىي مۇئەللەقەتنى باشقا يەنە ئۈچ نەزمە قوشۇلغان. بۇ ئۇن
 نەزمىنىڭ ھەممىسى ئىسلامىيەتنى بۇرۇنقى دەۋردىكى پىشۇالارنىڭ
 قولىدىن چىققان بولۇپ، ھەر بىر نەزمە ئاپتۇرنىڭ مەشھۇر ئەسىرى
 دەپ قەدىرلەنگەن. ئۇنىڭ بىرەرىمۇ يەنە بىرىگە ئوخشىمايدۇ.
 ئۇنىڭ ئىچىدە پەقەت بىرى زۇھەيرنىڭ قەسىدىسى. زۇھەيرنىڭ
 نەزمىلىرىنىڭ مۇتلىق كۆپ قىسىمدا ئىككى قەبىلە
 باشلىقىنىڭ ئاكا - ئۇكىلار ئوتتۇرسىدىكى ئۆلۈم ماجراسىنى

كېلىشتۈرگەنلىكى مەدھىلىنىدۇ ؛ ئۇ دەۋر ئەقىل - ياراستىگە ئىگە بولۇپ، قۇمۇلۇقتىكى ئۇمىدىسىز ئەخلاق ئۆلچىمىنىڭ جارچىسى سۈپىتىدە نام چىقارغان .

زۇھەيرنىڭ قەبىلدىشى نابىغە^① نىڭ ئىفرات دەرياسى بويىدىكى ئەرەب هىرا پادشاھىغا تەقدىم قىلغان نەزمىسى يېرىم قۇترىتىش خاراكتېرىدىكى ئاقلاش بىلەن مەدھىلىنىڭ ئارىلاشىسى ، نابىغە ئاشۇ پادشاھىنىڭ ئوردا شائىرى بولۇپ قېلىپ، ئەب ئەدەبىياتى تارىخىدا ئوردا شاڭرلىرىنىڭ تۈنچى ئۆلگىسىنى ياراتقان .

ئۇنىڭدىن باشقا ئىككى نەزمە تېخىمۇ بۇرۇن ئۆتكەن هىرا پادشاھىغا تەقدىم قىلىنغان بولۇپ، بىر - بىرىگە دۈشمەن بولغان ئىككى قەبىلە شائىرلىرىنىڭ قولىدىن چىققان . ئەمەر ئىبىنى كۈلسۈم^② سۈرپىيە قۇمۇلۇقىنىڭ شەرقىي شىمالىدىكى تاگورىپ مىللەتتىنىڭ جارچىسى ئىدى . ئۇنىڭ بۇ شېئىرنى قەسىدە دېگەندىن كۆرە، قەبىلە ئىختىيارىغا ۋە قارشىلىق كۆرسىتىش روھىغا ئىگە داستانلارنىڭ بىرى دېيىش كېرەك .

ھىندى ئوغلى ئەي ئەمېر، نە خىيال، نە ئوي بىلەن ؟

شۇم رەقىبکە بولۇشۇپ، بىزنى قارغايىسەن ھەدەپ ؟

ھىندى ئوغلى ئەي ئەمەر، نە خىيال نە ئويدا سەن ؟

بىزدەك مۇمن بەندىنى ئوققا يەم قىلدىڭ ئەجەب ؟

بۇلدى بەس تەھدىتىنى قوي، زوراۋانلىق ھەددىڭ ئەمەس،

يا يېتىلدۈقمۇ ئاناڭغا قول بولغىلى ئوشتوپ قانات .

ئەي ئەمەر ! بەربات قىلارمىز بولسا دۈشمەن بىھساب،

نەيزىلەر شەمشەر كەبى مەيداندا ھەر بىر قەۋى زات .

نەزمە ئەسەبىلەرچە ماختانچاقلۇق بىلەن

ئاخىرلاشتۇرۇلۇدۇ :

باشلىدۇق جەڭگە يۈرۈش ، گۈم بولۇر ھەر بىر تو ساق ،
ئىلكىمىزدە بىزگە تەۋە كەڭ زېمن ، بارچە ھايات .
يەر كىچىكلىك ئەيلىدى بەك ، مىڭ قوشۇنغا تار كېلىپ ،
ئاڭلىغۇن پەرمان دېڭىز ، كۆكسۈگە يەلكەن قاتمۇ قات .

ئىفرات دەرياسىنىڭ تۆۋەن ئېقىمىدىكى بەكىر مىللەتدىن
بولغان ھارس ئىبىنى ھىلىزا ۋ كۈلسۈمىنىڭ رەقىبى ئىدى .
كۈلسۈمگە سېلىشتۇرغاندا ، ئۇ مەيلى مۇبالىغە ياكى كىنايە
جەھەتلەردە بولسۇن تۆۋەنرەك تۇرىدۇ . ئۇنىڭ شېئىردا پەقت
پادشاھ ئەمر ئىبىنى ھىندىلا سەممىي مەدھىيەلىنىدۇ . ئۇنىڭ باشقا
شېئىرلىرى ئاساسەن ئۆزىنى ماختايىدىغان شېئىرلاردىن ئىبارەت .
مەيلى ۋاقت جەھەتنىن ياكى شېئىرنىڭ گۈزەلىكى جەھەتنىن
بولسۇن ، ئوبىزور چىلارنىڭ كۆپچىلىكى بىردىك ئىمرە ئۇلقەيىسىنىڭ
مۇئەللەقەتلەرنى ماختايىدۇ . ئۇلقەيىس ئەرەب يېرىم ئارىلىنىڭ
شىمالىدىكى بىر خانلىق ھۆكۈمرانى ئىلکىدىكى ئالقانات ئىدى .
دەسلەپكى مەزگىللەردە مۇسۇلمان مۇرتىلىرى ئۇنى « بىرىنچى
بولۇپ دوزاخقا چۈشىدىغان شائىر » دەپ قارىغان ئۇنىڭ
نەزمىلىرى پۈتۈنلەي ئۆزىنى مەركەز قىلىش ، تەبىئەت تەسویرى
(جۈملەدىن چاقماق چىقىپ يامغۇر ياققان چاغدىكى گۈزەل
مەنzerە) ھەم مۇھەببەتكە بولغان سەممىيەلىكىنى
ئىپادىلەش بىلەن مەشمۇر ، بۇنداق ئۆزىنى مەركەز
قىلىش خاھىشىنى ئەنتەرە ۋ بىلەن بېكىرت تارافا ۋ نىڭ
نەزمىلىرىدىمۇ ئۈچۈرىش مۇمكىن . ئەنتەرە ئابۇس مىللەتدىن
بولۇپ ، قۇللىۇقتىن كېلىپ چىققان قەھرىمان ، ئۇنىڭ نەزمىلىرىدە

ئۆزىنىڭ جەڭ مەيدانىدىكى قەھرىماللىقى كۆككە كۆتۈرۈلۈدۇ، تارافانىڭ نەزمىلىرىدە بولسا، ئۇنىڭ نار توگسىنىڭ گۈزەللەكى هم سەپەر ئۇستىدىكى باتۇرلۇقى تەسۋىرلىنىدۇ.

مۇئەللەقەت ئاپتۇرلىرىنىڭ ئاخىرقى ئىككى لەبىد ۋە بىلەن ئەشىا ۋە بولۇپ، ئۇ ئىككىسى كەسپىي لىرىك شائىر. جۇملىدىن ئۇلار ئىسلامىيەتنىن بۇرۇنقى دەۋرنىڭ ئاخىردا ئۆتكەن شائىرلار، ئۇلارنىڭ ئەسەرلىرى ماھارەت، ۋە مەزمۇن جەھەتلەرde مۇقىملەققا ئىگە. لەبىد مەخسۇس ھابۇانلار تۇرمۇشىنى يازىدۇ. ئەشىا بولسا، ئۆزىنىڭ كونا مۇھەببىتى ۋە زىيابەتلەرنى ئەسلىھىدۇ. ھەر ئىككىسى نەزمىنىڭ ئاخىردا ئۆزىنىڭ تۆھپىسىنى ۋە ئۆز قەبىلىدىكىلەرنىڭ ئىش - ئىزلىرىنى مەدھىيىلەشتىن خالىي بولالمايدۇ.

هازىر غىچە تارقىلىپ يۈرگەن بىرنەچە يۈز « قەسىدە » ئازدۇر - كۆپتۈر تەكشۈرۈلۈپ ئىسپاتلاندى. ئۇن نەپەر مۇئەللەقەت ئاپتۇرى ۋە باشقۇا بىرنەچە شائىرنىڭ شېئىرلار توپلىمىدىن باشقۇا، مۇئەللەقەت بىلەن زامانداش بولغان، تۈزگۈچى (تىلىشۇناس ئەلمۇ فەززەل) نامىدا يېزىلغان « مۇفەززىلىيەت » (« تاللانىملاр ») دەپ ئاتالغان يەنە بىر توپلام بار. بۇ توپلام 120 داستان ۋە بىرنەچە پارچىدىن ئىبارەت بولۇپ، ئاپتۇرى ئىسلامىيەتنىن بۇرۇنقى ئانچە نامى چىقىغان شائىر، بۇنىڭدىن باشقۇا ئانچە داڭلىق بولمىغان يەنە بىرنەچە شېئىرلار توپلىمى بار. لېكىن، بىزنىڭ دىققەت نەزمەرىمىز « قەسىدە » بىلەنلا چەكلىنىپ قالماسلىقى كېرەك. بۇ تىپتىكى قەسىدىلەر ئەرەب شېئىرىيەتىدىكى گۈللەنگەن دەۋرنىڭ ۋە كىلى بولسىمۇ، لېكىن سان جەھەتتە ئۇستۇنلۇكىنى ئىگىلىيەلمەيدۇ. ئۇ چاغدا « قەسىدە » بىلەن بىلە ئۆتكەن نۇرغۇنلىغان قىسا نەزمە، مەرسىيە ۋە ئىلھام نەزمىلىرى بار ئىدى. بۇ نەزمىلەر ۋە زىن

جەھەتتە « قەسىمە » گە ئۇخشاش مۇكەممەل بولمىسىمۇ ، ئەمما
 ئەرەبلىرىنىڭ شىئىرىيەت قالانلىنىڭ سۈپىتىگە باها بېرىشتە سەل
 قارىغىلى بولمايدىغان ئامىل ، بۇ تىپتىكى ئەسەرلەرنىڭ كۆپچىلىكى
 تۈرلۈك پارچىلار توپلىمى ۋە بىرروشۇرا شەكلىدە تارقىلىپ
 كەلگەن . ئۇنىڭ ئىچىدە ئەلك ئاتاقلقى ۹ - ئەسەردىكى مەشھۇر
 شائىر ئېبۇ تەممام تۈزگەن « دىۋان ھەمائە » دىن ئىبارەت . بۇ
 شىئىرلار توپلىمى رۇكات تەرىپىدىن تەسىرلىك نېمىس نەزمە
 شەكلىگە تەرجىمە قىلىنغان . جەمئى ئۇن باب . بىرىنچى بابى
 ئۆزۈن ، ئەسەرمۇ شۇ بابنىڭ نامى بىلەن ئاتالغان . بىرنەچچە
 يىلدىن كېيىن ، شائىر بوهتەدى تەرىپىدىن شۇنام بىلەن
 يادە شىئىرلا توپلىمىسى ئىشلەنگەن . ئەبۇ
 لىپەرەج ئىسپاھانى (767 - يىل ۋاپات بولغان)
 نىڭ « شىئىرلار كىتابى » (« كىتابى ئەغانى »)
 غا يەنە قەدىمكى شىئىرلاردىن نۇرغۇن پارچىلار كىرگۈزۈلگەن .
 يىگىرمە تومىلۇق بۇ كاتتا ئەسەرگە يەنە بىرمۇنچە شائىرلار ۋە
 مۇزىكانتىلارنىڭ تەرجىمەمالى كىرگۈزۈلگەن . بۇگۈنكى كۈندە
 قەدىمكى ئەرەب جەمئىتتىنىڭ ئۆرپ - ئادەتلەرىگە دائىر
 بىلەرنىڭ كۆپچىلىكى بۇ كىتابتنى ئېلىنىماقتا . بۇنىڭدىن باشقا ،
 بۇ قەدىمكى نەزمىلەرنىڭ پارچىلىرى نۇرغۇن تىلىشۇناسلىق
 ئەسەرلىرى ۋە ساپ ئەددەبىي ئەسەرلەردىمۇ ئۈچرايدۇ .
 ئەبۇتەممامنىڭ « دىۋان ھەمائە » سىنى (ياكى
 سەرچارلىزلىپەرنىڭ قىscar تىلغان تەرجىمە نۇسخىسىنى) ئوقۇغان
 كىتابخانلار بۇ ئەسەرلەرنىڭ بەدىئىلىكىنى ئىنكار قىلالمايدۇ ، بۇ
 ئەسەرلەردىن تەبىئىلىك ، ئاممىۋى ئىدىيە ، جۇشقۇنلۇق ،
 ئىپتىدائىي گۈزەللەك ئەكس ئېتىپ تۇرىدۇ ، شۇنداقلا ئۇ
 ئىلها مابەخش كۈچكە ئىگە بولۇپ ، شائىرلارنىڭ خاس ئۇسلۇبى ،

دەۋر ئۇقۇمى ۋە غايىسىنى ئىپادىلەپ بېرىدۇ .

بۇ نەزمىلەرگە مۇشۇنداق كۈچ - قۇۋەت ۋە ئومۇمىيلىق بېغىشلىغان نەرسە نېمە ؟ بۇ مەسىلىگە ئىنلىق جاۋاب بېرىش ئانچە ئوڭاي ئەمەس . ھازىرقى زامان ئەرەب ئوبىزور چىلىرىدىن بىرى مۇنداق دېگەنسىدى : « بۇ نەزمىلەرنىڭ ئاڭلىغۇ چىلارنى رازى قىلالىغانلىقىدىكى سەۋەب شۇكى ، ئۇنىڭدا ئاڭلىغۇ چىلارنىڭ قايناق ھېسىياتى ۋە كەيپىياتى ئەكس ئەتتۈرۈلگەن . ئۇلارنىڭ شەخسى ۋە ئىجتىمائىي ھاياتى ھەقىقى ۋە جانلىق سۈرەتلەنگەن » . بۇ ، شۇ ۋاقت ، شۇ جايدىكى خەلقە قارتىا ئېيتىلغان بولۇپ ، ئەمەلىيەتتە ، بۇ نەزمىلەرنىڭ كۈچ - قۇدرىتى ئۇنىڭدىنمۇ چوڭقۇر . ئۇلاردا تۈرمۇش ئەكس ئەتتۈرۈلۈش بىلەن بىلە ، تۈرمۇشتىنمۇ كەڭ بولغان ئوبراز يارىتىلغان . بۇنداق قايناق ھېسىياب ۋە تەسۋىر مەزمۇن ھەم ئىپادىلەش ئۆسۈلى جەھەتتە تامامەن غايىلەشتۈرۈلگەن ، مەزمۇن جەھەتتىن ئالغاندا ، بۇ نەزمىلەر دە ئەرەبلەر خۇددى ئۆزلىرىنىڭ تەسەۋۋۇرىدىكىدەك ناھايىتىنمۇ دادىل ، قەھرىمان ، خۇش خۇي كۆرسىتىلگەن : ئىپادىلەش ئۆسۈلى جەھەتتىن ئىيتقاندا ، غايىلەشتۈرۈلگەن بۇ ئوبرازلار مول ، جاراڭلىق ۋە تەسىرلىك ئەدەبىيات شەكلى ئارقىلىق ئىپادىلەپ بېرىلگەن ، شۇنىڭدەك كۈچلۈك رىتىم ۋە تەكراار ۋەزىن ئارقىلىق نەزمىنىڭ ئىلها ملاندۇرۇش ئۇنۇمى كۈچەيتىپ بېرىلگەن .

بىراق ، شائىرنىڭ تىل ماھارىتى ۋە سۇزىتىنىڭ جانلىق ، تەبىئى بولۇشى تەكتىلەنگەندە ، بۇ سۇزىتىلارغا قانداق چىرايلىق تەمىزلىق ۋە سۆز - ئىبارىلەرنىڭ قوللىنىلغانلىقىدىن قەتىئىنەزەر ، بۇ كەسىپنىڭ ئاساسىي ئامىلىغا سەل قارىلىپ قېلىشىمۇ مۇمكىن ، بۇنىڭدا شائىرنىڭ ئاڭلىغۇ چىلارنىڭ تەسەۋۋۇرغاغا باي ئىنكا سىنى قوزغاب ، نەزمىنى ئۆزى بىلەن ئاڭلىغۇ چىلار ئوتتۇرىسىدىكى

دئالوگقا ئايلاندۇرۇش، ئۇلارنى مۇشۇ دىئالوگلار ئارقىلىق مىسرالاردىكى بېشارەت ۋە ئىستىئارىلەرنى هوشىارلىق بىلەن تۇتۇۋېلىپ، شائىر سۈرەتلەۋاتقان ئوبزور ۋە يۈرمەك ساداسىنى خۇددى ئۆز بېشىدىن كەچۈرۈۋاتقاندەك ھېسىياتقا ئىگە قىلىشتن ئىبارەت ئاساسىي مەقسىتى كۆزدە تۇتۇلغان. شۇڭا، ئىسلامىيەتنىن بۇرۇنقى دەۋرلەرىدىكى مەدھىيە نەزملىرىنىڭ ھەرقاندىقى نابىغەنىڭ تاشقى ئوردانىمىدىكى غەسپانىنىڭ شاھزادىسى مەدھىيلىنىڭن مۇنۇ بىر كۈپىلتى نەزمىگە يەتمەيدۇ.

بۇلدى شەمشەرلەر پۇچۇق، ساۋۇت تۆشۈك جەڭلەر ئارا،
بۇندىن ئۆزگە بىر قۇسۇر مۇمكىن ئەمەس تاپماق يانا.

يەنە بىر قىتىم ئۇ ئۆزىنىڭ ھامىسى بولغان هىرا پادشاھىنى باشقىچە بىر شەكىلدە مەدھىبىلىگەن:

ياق! ئەمەس ئىفرات سۈيىنىڭ تاشقىنى ئۆر كەشلىگەن،
قاشنى باسقان بۇزغۇنى دەريا سۈيىنىڭ سەكىرىگەن.
شاۋقۇنلاپ ئاقتى ئېقىنلار تۇشمۇ تۇشتىن جەم بولۇپ،
چىلىقار باقساڭ يانا شاخ - شۇمبا، چۆپلەر لەيلىگەن.
چىڭ تۇتۇپ تۇردى پالاقنى ساراسىمە كېمىچى،
كۆزلىگەن مەنزىلگە ئۇردى شۇنچە ھارغانى بىلەن:
ھېچ كىشى يەتمەس ئائىا چەكسىز پەزىلەت تۆھىپىدە،
بولىسمۇ مۇشكۇل - مالاقەت، ئەرتە ئول ماڭغا يىپەن.

بۇ بىر خىل ئۆزىگە خاس ئالاھىدە ئۇسلۇبىتىكى رېئاللىقنى يېزىش ئۇسۇلى، شائىر تىلىنىڭ نەسربى ئەسەر تىلىدىن

شېئر بىيەت تىلىغا ئايلىنىڭىشى ھەم ھازىر غىچە بىزدە گۈزەللەك
 تۈيغۇسىنى قوزغىتالىشىدىكى سەۋەب شۇكى ، ئۇلاردا رېئاللىق
 يېرىزىلغان ، ئادەتسىكى ۋەقەلىكلەر بىلەن تۇرمۇش ئارزو - ئىستىكى
 غايىلەشتۈرۈلگەن ، جۇملىدىن ئوبراز ۋە ئوخشتىشلار ئارقىلىق
 ئاڭلىغۇچىلارنىڭ چۈشىنىش ئىقتىدار بىلەم بېرىلگەن ، شۇنداق
 بولغاندا ، ئاندىن شائىرنىڭ تىل سەنىتى جەھەتسىكى ماھار تىنىڭ
 ئۇنىۇمىنى ھەققى كۈچەيتىكلى بولىدۇ . بىز ئەرمەب تىلىنى بىلەمەي
 تۈرۈپمۇ توۋەندىكى نەزمىدىكى بىر، قاتار ئوخشتىشلارنىڭ مەنسىز
 ھايىات كەچۈرۈۋاتقان چارۋىچىلارنى قانداق ھايا جانلاندۇرغانلىقىنى
 بىلەلەيمىز .

ھۆسن جامالى ئەسر قىلدى دىلىمنى تاڭ سەھەر ،
 يالت ئېتىپ سەدەپ چىشى ، كالپۇكلىرى تۆكتى لەھەل .
 ئېشىپ چۈشتى شېرىن ھەسەل لەززىتىدىن سۆيىگىنى ،
 مۇشكىگە ئەتتار ④ خېرىدار دەپ يەنە كەلدى خەۋەر .
 يارىدۇ خۇش بۇيى ھىدى ھەتتا دىماغانى يارنىڭ ،
 دىلرەبا كەلسە يېنىڭغا لەيلىزار يەڭلىخ ئەگەر .
 تامچىغان يامغۇر بىلەن بوستان كۆتۈردى يەر بېسىپ ،
 مىلى جام گۈلى بەرگى ئۇندا تامچە يامغۇر مىلى زەر .
 ئەۋرىشىم ئاقتى چىمەننىڭ قويىندا سۇ يالتراب ،
 گۈل ئارا شەربەت ئىچىپ بال ھەرسى يايراپ يۈرەر .
 شەرىتىن ئىچىمەك نېسىپ بولۇر قاي كۈن بىلمىدىم
 مەشۇقۇڭ مەيخور كەبى جامىڭنى بويلاپ تەلمۇرەر ⑤

شائىرنىڭ خاسلىقىنى پەرقەندۇرۇش ئۈچۈن ، ئىنچىكىلەپ
 تەھلىل قىلىش ۋە ناھايىتىمۇ چوڭقۇر تەتقىق قىلىش كېرەك .

ئوتتۇرا ئەسىرىدىكى ئەرەب ئوبزور چىلىرىنىڭ بۇ ئىشنى قىلالىشى
 قىيىن ئىدى . مەلۇم مەندىدىن ئېيتقاندا ، ئوتتۇرا ھالدىن يۇقىرىراق
 سەۋىيدىكى ئەرەب لىرىكىلىرىنىڭ كۆپىنچىسى سۇبىيكتىپ
 بولۇپ ، پەقدەت ئۇسۇل ۋە دەرىجە جەھەتتىلا ئانچە ئوخشىمايدۇ .
 بىزنىڭچە . ئۆزىنى مەركەز قىلىش خاھىشىغا ئىگە شائىرلارنىڭ
 ئەسەرلىرىدە بۇ نەرسە تېخىمۇ ئوچۇق : شۇنى تەسەۋۋۇر قىلىش
 مۇمكىنىكى ، بۇنداق ئۆزىنى مەركەز قىلىش خاھىشى قاراقچى
 شائىرلار ياكى قانۇنسىز شائىرلارنىڭ ئەسەرلىرىدە ئەڭ گەۋدىلىك
 ئەكس ئەتكەن . بۇ جەھەتتە داڭلىق شائىرلاردىن
 تەئەببەت شەررا ④ بىلەن ئەششانفارا ⑤ نى مىمال
 كەلتۈرۈش مۇمكىن . تەئەببەت شەررانىڭ جانغا تېگىدىغان
 پارچىسى — « قىساس ناخىشىسى » ئەرەبلىرىنىڭ داڭلىق
 نەزمىلىرىدىن بىرى ، شۇنىڭدەك ئەرەب نەزمىلىرى ئىچىدە دائم
 چەت ئەل تىلىخا تەرجىمە قىلىنىدىغان نەزمىلەرنىڭ بىرى ، ئۇ
 ئۆزىنىڭ يەنە بىر نەزمىدىمۇ ئۆز غايىسىنى كەسکىن ۋە ئىخچام
 سۈرەتلەيدۇ :

شاد - خۇرام ئەممەس كۆڭۈللەر ياكى ھەسەرتلىك
 ئەممەس ،

قۇت : بالا يەتكەندە باشقا يوشۇرۇپ سۆز ئۇندىمەس .
 قانچىلىك زوقى ئۇمىدلەر ، قانچىلىك كۈچ سەرب ئېتىپ ،
 ئۇشبو ئالىم سەيلىگە قىلدۇق مانا شۇنداق ھەۋەس .
 چاشكىدا چۆللۈكتە بولساق ، ئۆلکىدە گۈگۈم چېغى ،
 خۇددى قۇلاندەك مىڭ قىيا تاغلار ئارا ئالدۇق نەپەس .
 توختىمای باستۇق يەنە ئالغا قاراپ ، ئالماي ئارام
 قالدى ھەتتا چالى - قۇيۇنلار تەڭ يۈرەلمەي بىر قەپەس .

كۆزى هارغىلىق بېسىپ تۇر ئان بىلەن سەگەك كۆئۈل ،
تۇرغىلى ياۋ كۆكسىگە خەنچەر تۇرۇپتىمىز پەخەس .

ئەشەنفارانىڭ ئەرەب ئېلىپىيەسى بويىچە « ل » (لام)
قاپىيىسى بىلەن يېزىلغان « لامىيەت ئەرەب » ناملىق داستانى
تېخىمۇ تەسرىلىك ئەسەر ھېسابلىنىدۇ . بۇ ئەسەر شائىرنىڭ توغرا
كۆزىتىشى ۋە چۈشەنچىسىنى ئىنتايىن پۇختا سۆزلەر بىلەن
يىغىنچاق ئىپادىلەپ بېرىدۇ . ئەسەر مەغرۇر قەبىلە ۋە ئەركە
شائىرلارغا خاس ھەجۋىلىك ، قايغۇ - ئەلمەلىك ، چۈشكۈنلۈك ،
دەھشەتلەك غەزەپ - نەپەرت ۋە كىنايىلەر بىلەن تولغان .

لېكىن ، « قەسىدە » چى شائىرلارنىڭ كۆپچىلىكى
ئۆزلىرىنىڭ خاسلىقىنى مۇجمەل شەكىللەر بىلەن ئىپادىلىگەن .
ئۇلار بۇ كەسىپنىڭ قائىدىلىرىگە رىئايدى قىلىش بىلەنلار قالماستىن .
ئاشۇ چەكلەملىر ئىچىدە كوللىك تېپىنىڭ ئىدىيىسى ۋە ھېسىياتىنى
ئىپادىلەش شەكىلگە ماسلىشى لازىم ئىدى . ئۇنىڭدىن چەتلەپ
ئۆزلىرىنىڭ بىۋاستىتە كۆزىتىشى بويىچىلا ئىجاد قىلالمايتتى .
شۇنداقتىمۇ شائىرلار ئۆزلىرىنىڭ پۇتۇن تەسۋىرى ۋە قوشۇمچە
سۇزىتىلارنى خۇددى شۇ ئىشنى ئۆز بىسىدىن كەچۈرگەندەك قىلىپ
ئىپادىلەشكە تىرىشقان ؛ ئۇلارنىڭ بۇ قائىدىدىن قۇتۇلالشى مۇمكىن
بولمىسىمۇ ، لېكىن ۋەقەلىكىنى بىر تەرەپ قىلىشتىكى تەسەۋۋۇر
قىلىش ئىقتىدارى ، رېئاللىقىنى يېزىش دەرىجىسى ، غايىپلاشتۇرۇش
ئۆسۈللىرىدىن قارىغاندا ، ئۇلار ئۆزلىرىنىڭ كۆزىتىش ئىقتىدارغا
ئاساسەن بۇ قائىدىلەرنى يېڭى ئەھمىيەتكە ۋە قىممەتكە ئىگە
قىلغان . مەسىلەن ، ئىمرە ئۇلقەيىسىنىڭ تەسۋىرىدىكى بورانلىق
يامغۇرنى ئالىدىغان بولساق ، ئۇنىڭ تەپسلاتلارنى تەسۋىرلىشىنىڭ
قانچىلىك تەبىئىي ۋە ئەينەن بولۇشىدىن قەتئىنەزەر ، ئۇ پەقەت

ئاپتۇرنىڭ كۆزىتىشى بويىچىلا ئىپادىلەنگەن . تەسراتنىڭ يىغىنچاقلىنىشى خۇددى رەسامىنىڭ رەسم سىزىشىغا ئوخشاش ، تامامەن ئاپتۇرنىڭ ئۆزىدىن بولىدۇ . لېكىن ، ئاشۇنداق تۇتۇق سۈبىيكتىپ ئىدىيىمۇ بەزىدە نۇر غۇن « قەسىدە » لەردىن ئۇڭايىلىقچە تېپىلمايدۇ . خاسلىقنىڭ كەمچىل بولۇشى تۈپەيلىدىن ، بەزىدە بۇ ئەسەرلەرنىڭ بىر خىل ئۆلۈك مەشق ، كۆپ بولغاندىمۇ ، ئەپچىللەك بىلەن قۇراشتۇرۇلغان يالغان ئەدەبىي يادىكارلىق دەپ قارالغانلىقىدىن ئەجەبلەنگىلى بولمايدۇ .

بىراق ، بىز يەنە بىر خىل ئەھۋالنىڭ مەۋجۇتلۇقىنى ئەستە تۇتۇشىمىز لازىم . ئۇ بولسىمۇ ، ئاڭلىغۇچىلاردا تەبىئىي . ئۆزىگە خاس گۈزەللىك تۈيغۈسىنى پەيدا قىلالىمسا ، بۇ تىپتىكى بەدىئىي نەزمىلەرنىڭ ساقلىنىپ قىلىشى مۇمكىن ئەمەس ئىدى . ئاڭلىغۇچىلار بىلەن شائىرلار ئوتتۇرسىدا ، تەسەۋۋۇر كۈچىگە ئىگە خۇپىييانە كېلىشىش ماھارىتىنى پەيدا قىلالىمسا ، ئۇنىڭ تەرقىقى قىلالىشى مۇمكىن ئەمەس ئىدى . سۆز تاللاشتىكى ماھىرلىق تاكى بۈگۈنکى كۈنگىچە يەنلا ئەرمەلەرنىڭ يۈكىمك سەنىتى بولۇپ كەلمەكتە ، ئۇلار سۆزنىڭ توسوْالغۇسىز دەرىجىدىكى ئىلها مېھە خىش قۇدرىتىنى جارى قىلدۇرالايدۇ . ۋەھالەنگى ، چەكسىز باي ئەرمەپ تىلى — ئۇلارنىڭ غۇرۇر بۇلىقى ، ئىسلاممېھەتنىن بۇرۇنقى دەۋىردى ئەرمەلەر ئارىسىدا يېزىق ئۆزىنىڭ قەدىمكى دەۋىرىدىكىدەك مەلۇم سەرلىق ، ئەقىل يەتمەيدىغان قۇدرىتىنى يەنلا ساقلاپ قالغان دېيىشكە بولىدۇ ؛ ئەگەر بىر كىشى مۇكەممەل ، نەپىس جۈملەرنى ئىشلىتىشكە ماھىر بولسا ، تەسرلىك ، جانلىق ئوخشتىشلارنى قوللىنىپ ئاڭلىغۇچىلارنى ھاياجانلاندۇرالايدىغان بولسا ، ئۇ سەنئەتچى سۈپىتىدە ھۇرمەتلىنىپلا قالماستىن ، بەلكى قەبىلە شۆھرتىنىڭ قوغىدىغۇچىسى ، دۇشمەنگە زەربە بېرىشنىڭ كۈچلۈك

قورالى ، دەپ كۆكە كۆتۈرۈلەتتى . قەبىلىلەر ئارىسىدىكى كۈرەش جەڭ مەيدانىدىمۇ بولاتتى . لېكىن ، كۆپىنچە ئىككى تەرمەپ شائىرلىرىنىڭ تىلى ئارقىلىق بولاتتى . بۇنداق ئادەتنىڭ يېلىتىزى شۇنداق چوڭقۇر ئىدىكى ، ھەتتا مۇھەممەد پەيغەمبەرنىڭ ئۆزىمۇ ئادەتتە شائىرلارنىڭ تەسىرىگە قارشى تۇرسىمۇ ، لېكىن ئۆمرىنىڭ ئاخىردا ، مەدىنىدە يەنلا بۇ ئادەتكە بويىسۇنغانىدى .

شېئىرىيەت سەنىشتى ئەنە شۇنداق ئومۇمىزلىك ئېتىراپ قىلىنغانلىقى ئۈچۈن ، « قەسىدە » چىلەر ئەسىرىلىرىنىڭ ھازىرغىچە ئەۋلادتىن - ئەۋلادقىچە تارقىلىپ كېلىۋاڭانلىقىدىن ئەجەبلىنىشكە بولمايدۇ . ئۇنىڭدىن باشقا ، ئۇلار تىل ۋە گۈزەلىك جەھەتتە قەدىمىدىن ھازىرغىچە بولغان بارلىق ئەرمەپ شېئىرىيەتىنى قېلىپقا سالالىغۇدەك (يەنە نۇرغۇن نەسىرى ئەسىرلەرمۇ بار) ئۆلچەملەرنى بەلگىلەش بىلەنلا قالماستىن ، يەنە بىر تۈرلۈك مۇھىم ۋەزىپىنىمۇ ئورۇنىلىدى . بۇنى كېيىنكى تىلىشۇناسلار ، شېئىرىيەت ئەرمەبلەرنىڭ خاتىرىسى ، ئۆتۈشتىكى ئورتاق ئەسلاملىلەرنى ساقلاپ قىلىپ ، ھەش - پەش دېگۈچە ئۆتۈپ كېتىۋاتقان ھازىرقى رېئاللىقنى ئۆزۈلمەي داۋام قىلىش ئىمكانىيەتىگە ئىگە قىلدى ، دەپ قارىدى ، مەدھىيەلەش ۋە مەسخىرە قىلىشتىن ئىبارەت بۇ ئىككى چوك تېمىدا ، شائىرلار ئەخلاقى سېلىشتۈرما بىلەن مەنۋى چەكلەمىنى كەڭ تەشەببۈس قىلىپ ، كوللېكتىپنىڭ ھاياتىنى باشقۇرغان ۋە قوغدىغانىدى . ئاز ساندىكىلىرىنى ھېسابقا ئالمىغاندا ، ئىسلاميەتتىن بۇرۇنقى دەۋىرە ئۆتكەن شائىرلار قەبىلە ئەخلاقنىڭ ئالىي ئۆلچىمىنى ئىپادىلىگەن (ھەتتا بەلگىلەرنى) . جۇملىدىن ، بەدۇلەرنىڭ ئىپتىدائىي ، ياؤايراق تۇرمۇشى ۋە مۇھىتىغا چىقىلىپ قويۇشتىن ئالاھىدە ساقلانغان .

لېكىن ، بىز ئەرمەپ يېرىم ئارىلىدىكى ئاھالىلەر ئىچىدە

بەدۇلەردىن سىرت، يەنە باشقا مىللەتلەرنىڭمۇ بارلىقىنى ئۇنىتۇمىسىلىقىمىز لازىم. مەيىلى ھىجاز رايونىدىكى يېزا ئىگىلىكى، پىلەن شۇغۇللىنىدىغان. يەھۇدىلىشىپ كەتكەن قەبىلىلەر دە بولسۇن، ياكى باشقا كەنتلەر ۋە شەھەرلەر دە بولسۇن، ھەممىلا يەردى ئۇلارنىڭ ئۆز شائىرلىرى بار ئىدى. بىز ھىرائىڭ ئۆزىدىلا بەزى دىنىي مەزەنۇنىكى نەزمىلەر ۋە مەي نەزمىلىرىنى ئۆچرىتىمىز. كېيىنكىسىنىڭ 7 - ئەسىرىدىكى ئەرەب شېئىرىپىتىگە بولغان تەسىرى خېلى زور بولغان. لېكىن، ئومۇمەن ئېيتقاندا، ئولتۇرالاشقانلارنىڭ نەزمىلىرى ناچارراق، دەپ ھېسابلانغاچقا، تارقالغانلىرى ناھايىتى ئاز بولغان.

ئاخىرقى بىر نۇقنا، شائىرلارنىڭ مەددەنېيەتكە قوشقان ئەڭ زور تۆھپىسى شۇ بولدىكى، ئۇلار ئەرەب بەدىئىي تىلىنىڭ، ئورتاق ئۆلچىمىنى ياراتتى. بۇ ئۆلچەملىك ئەرەب تىلى، قورال سۈپىتىدە تار قەبىلە دائىرىسىدىن ھالقىپ ئۆتۈپ، ئەرەبلىرىنى غەيرى ئەرەبلىرىدىن ياكى سرتىن كەلگەن ئاھالىلەردىن روشهن دەرىجىدە پەرقىلەندۈرۈپ، ئەرەب مىللەتتىنىڭ يېڭى ئىدىئولوگىيىسى ئۆچۈن ئاساس ھازىرلاپ بەردى. گەرچە شائىرلارنىڭ بۇنداق يېڭى ئاڭنى ئاڭلىق يۈسۈندا تارقاتقانلىقىنى ئىسپاتلىغىلى بولمىسىمۇ، لېكىن بۇ خىل يېڭى مىللەي ئاڭنىڭ ئۆچقۇنىلا بولىدىغان بولسا، ئۇنى لاۋۇلدۇتىپ ياندۇرۇش مۇمكىن. بۇ ئۆچقۇن ئىسلام دىنى تەرىپىدىن ياندۇرۇلغاندىن كېيىن، ئۇ بىردىنلا جۇش ئۇرۇپ، ئۆزىنى نامايان قىلىپ، ھەرقايىسى شەھەرلەر دە قەبىلە چەمئىيەتىدە تولىمۇ ئاز ئۆچرايدىغان غايىت زور تەشكىلى كۈچ ئارقىلىق ئۇيۇشۇش ئىمکانىيەتنى ياراتتى.

ئىزاهاتلار:

① بىر خىل ئۆسۈللىق ناخشا مۇزىكى.

- ② بۇ رىۋاپەت « تەۋرات » تىكى مۇسانىڭ بەش نومىدا بايان قىلىنغان ؛ بىر كۈنى پادىشاح رەمال بىرامنى يەھۇدىلەرنى ھاقارەتلەشكە ئەۋەتىدۇ . ئۇ بولدا كېتىۋاتقاندا . ئېشىكى ئۆنسىغا بۇنداق قىلاماسلىق ھەققىدە نەسەت قىلىدۇ . بىرام ئېشىكىگە رەھىمەت ئېيتىپ يەھۇدىلەرنى ھاقارەتلەشكە بارمايدۇ .
- ③ بۇ سۆز يۇنان تىلىنىڭ ئامالا تەرجىمىسى . دەرىيا ئوتتۇرسى . « ئىككى دەرىيا ۋادىسى » دېگەن معنىدە . ئەرمەب تىلىدا بولسا « يېڭى ئاي شەكىللەك مۇبىت زېمن » دېسىلىدۇ . ئۇ تىڭىرسى دەرىياسى بىلەن ئىفرات دەرىياسىنىڭ ئوتتۇرا - تۆۋەن قىمىدىكى تۈزلەڭلىك بولۇپ . ئاسەن سۈرىيەنىڭ شەرقى ۋە ئىراق زېمىنى كۆزدە تۈتۈلىدۇ .
- ④ ئەرمەب يېرىم ئارىلىدىكى ئېڭىزلىكلەر شۇ نام بىلەن ئاتىلىدۇ .
- ⑤ ئاسىسر سەتىدى ئەرمەبستانىنىڭ غەربىي جەنۇب تەرىپىدە بولۇپ . غەربىي قىزىل دېڭىز . جەنۇبىي ئەرمەب يەممۇن جۇمھۇرىيىتى بىلەن تۈتىشىدۇ .
- ⑥ « ناسىپ » لەرىكىلىق . قابغۇلۇق شېشىر دېگەن معنىدە بولۇپ . ئادەتتە دەقسىدە » ئىلگى مۇقدىسى ئورنىدا قوللىنىلىدۇ .
- ⑦ كراکوۋىسىنىڭ « شەرق » ناملىق كىتابىنىڭ ۴ - توم 101 - بېتىدىن قىسقارتىپ تەرجىمە قىلىنىدى - ئاپتۇر .
- ⑧ بۇ . كىرىستون قىسقارتىپ تەرجىمە قىلغان ئىمرە ئۆلچەيىسىنىڭ مۇئەلەقاتىدىن تەرجىمە قىلىنىدى - خەنزوْچىغا تەرجىمە قىلغۇچىدىن .
- ⑨ ئىبىنى قۇتەيىه (826 - 889) - كۆفەدە تۈغۇلغان . پارس ئەۋلادى . ئەرمەلەرنىڭ مەشھۇر ماڭارىپچىسى . تارىخشۇناسى . ئەدەبىياتچىسى ۋە تىلىشۇناسى . ئۆنلىك « شېشىر ۋە شائىر » . دەرىبىنىڭ ئەدەبىياتى » قاتارلىق ئەسەرلىرى بار .
- ⑩ ئىبىنى سالام (774 - 838) - ئىسلامىيەتكە دائىر پەنلەرنىڭ ھەممىسى بىلەن تۈنۈش ئىدى . ئۇ چوڭ بىر لۇغەت تۈزۈپ چىققان .
- ⑪ ئىمرە ئۆلچەيىس (500 - 540) - ئوردىدا تۈغۇلغان . دەسبى ئۆئەلەقت » ئىلگى ئىجادچىسى .
- ⑫ بىرون تەرىپىدىن تەرجىمە قىلىنغان ئىنگىلىزچە نۇسخىسىدا ئەسلى شېشىرنىڭ بەزى مىرىالرى قىسقارتۇپلىكىن .
- ⑬ خەنئىسا (؟ 557 - ؟ 884) - ئەرمەلەرنىڭ جامائەت دەۋرىىدە ئۆتكەن مەشھۇر ئاپاڭ شائىر .
- ⑭ نوکاز - تائىقىنىڭ ئەتراپىدا بولۇپ . ئەرمەلەرنىڭ جاھالەت دەۋرىىدە جەنۇب ۋە شىمالدىكى بەش چوڭ بازار (نوکاز . ئومان . ئەدمەن . سانا . ھەزرە ھەۋۇت) ئىلگى ئەلە چوڭى ئىدى . ئۇ بارا - بارا راواجلىنىپ . سىياسى . ئىجتىمائىي . مەددەنیيەت مەركىزى بولۇپ قالغان . ھىجرىيەنىڭ ھەر يىلىقى 11 - ئېيىدا ھەرقايىسى قەبىلىلەر بۇ يەرگە يېغىلىپ يېگىرمە كۈن تاماشا قىلاتتى . شائىرلار بۇ

يىغىلىشلاردا ئۆز ئەسرلىرىنى دېكلا ماشىيە قىلاتتى . مەشھۇر شائىرلارغا باعا
بىرەتتى .

⑯ بەدۈلەر چۈل جىن - ئالۋاسىسى دەپ ناتىمىدىغان تۈرلۈك
شەكىلىدىكى ياؤۋۇز . جانلىق نەرسىلەر بىلەن تولغان دەپ قارىغان . ئۇلار جىن بىلەن
روعقا پەرقىلىق قاراپ . روھ كىشىگە دوست . جىن بولسا دۇشمن دەپ ھېسابلايتى .
⑰ صرا - قەدىمكى شەھەر ئىسمى . ئىراقتىكى ناجىق بىلەن كۇفەنىڭ
ئوتتۇرىسىغا جايلاشقان . هىرا پادىشاھلىقىنىڭ پاپىتهختى بولغان . هىرا پادىشاھلىقى
ئىفرات دەرىساى ۋادىدا بولۇپ . ئىرانغا قارايتتى . غەسان پادىشاھلىقى
ئەرمىستاندىكى قەدىمكى يەممەنلىكەرنىڭ ئۇلادى سۈرىيىدە قۇرغان پادىشاھلىق
بولۇپ . ۋىزاناتتىيە ئىمپېرىيىسىنىڭ قارمىقىدا ئىدى . ئۇ دائىم هىرا پادىشاھلىقى بىلەن
سروقۇشۇپ تۈراتتى .

⑱ مەككىدىكى « كەبە » - ئەرمەبلەر تىبادەت قىلىدىن قەدىمكى جاي .
ئەرمەبچە « كىجىپ » دەپ يېزىلىدۇ . كەبە « ئالىتە بۇر جەك » بىنا دېگەن سۆز
بولۇپ . قەدىمكى زاماندا ئەرمەبلەرنىڭ ئابدۇللا جانغا تاشقىن سېلىپ بەرگەن ئۆمى
ئىدى . ئىسلام دېنىدىكى جۇڭىلۇقلار ئۇنى « بەيتۇللا » (« خۇدانىڭ
ئۆمى ») دەپ ئاتايدۇ .

⑲ زۇھەير ئىتىنى ئەبۇ سۈلما (530 - 627) - « سەبىش
مۇئەللەقت » نىڭ ئاپتۇرلىرىدىن بىرى . ئەۋس ئىتىنى ھەجىر زۇھەيرنىڭ ئۆگەي
دادىسى .

⑳ « سەبىش مۇئەللەقت » نىڭ خەت مەنسى « ئېسپ قويۇش » دېگەن
سۆز . ئەمما . بۇ ھەقتە تېخى فانائەتلەرنىڭ ئىزاه يوق . كېيىن ئېيتىلىشچە . بۇ
نەزمىلەر ئۆكاز بازىرىدىكى نەزمە مۇسابىقىسىدە تاللانغان ئەسرلىر بولۇپ . ئۆز
زامانىسىدا ھەل بىلەن يېزىلىپ مەككىدىكى « كەبە » كە ئېسپ قويۇلغان -
ئاپتۇر .

㉑ بۇ راۋىنىڭ ئىسىمی ھامىد (772 - يىل ۋاپات بولغان) بولۇپ .
ئېيتىلىشچە ئۇ بەدۈلەرنىڭ ھەر خىل يەرلىك شۇسىگە ئۆستە ئىكمەن . ئۇ
ئەرمەبلەرنىڭ جاھالەت دەۋرى . ئىسلامىيەت دەۋرى ئۇ جاھالەت دەۋرنىڭ دەسلەپكى
مەزگىللەرىگە تەۋە ئۇرۇشقا دائىر نۇرۇغۇن شېئىرلارنى ياد بىلىدىكەن .

㉒ نابىغە (تەخىمنىن ؟ - 604) - ئەرمەبلەرنىڭ جاھالەت دەۋرىدىكى
داڭلىق شائىرى . ئۇنىڭ ئاسالىق ئەسرلىرىدىن « ئاقلاش » ناملىق
شېئىرلار توپلىمى بار .

㉓ ئەسر ئىتىنى كۈلسۈم (مىلادى 5 - 6 - ئەسرلىردىن
ياشىغان) - « سەبىش مۇئەللەقت » ئاپتۇرلىرىنىڭ بىرى .

㉔ ھارىس ئىتىنى ھىلىزا - 6 - ئەسردە . ئەرمەبلەرنىڭ جاھالەت دەۋرىدە

ئۆتكەن مەشھۇر شائىرى بولۇپ ، « سەبئى مۇئەللەقت » ئاپتۇرلىرىنىڭ بىرى .
 ④ تولۇق ئىسىمى ئەنتەرە ئىبىنى شەدداد ئابىاس (552 — 616) — « سەبئى مۇئەللەقت » ئاپتۇرلىرىنىڭ بىرى .
 ⑤ بېكىرت تاراقا (543 — 569) — مەجۇنى شېئر يازغۇچى شائىر . « سەبئى مۇئەللەقت » ئاپتۇرلىرىنىڭ بىرى .
 ⑥ تولۇق ئىسىلى لهېرىد لابىر (530 — 629) — « سەبئى مۇئەللەقت » ئاپتۇرلىرىنىڭ بىرى .
 ⑦ ئەشا (? — 629) — « سەبئى مۇئەللەقت » ئاپتۇرلىرىنىڭ بىرى .
 ⑧ مۇشك — ئىپار : ئەتتار — ئىپار ساتقۇچى .
 ⑨ « قومۇش غەزەللىرى » دىكى « ئەنتەرە قىسىسى » دىن ئېلسىدى — ئاپتۇر .
 ⑩ تەئىبىمەت شىررا (تەخىنەن ؟ — 550) — ئەرمەنلىق جاھالىت دەۋرىسىدە ئۆتكەن دائىلىق سەرگەردان شائىرى . ئەسلى ئىسىمى سايت ئىبىنى جابر سۇفىنېي پەخى . ئۇ دائم قىلىچ ئېسپ چىقىپ كېتىپ . ساياهەت قىلاتتى . بەزىلەر ئۆتكەن ئانسىدىن پەخىنلىكىنى سورىسا . ئانسى : « بىلەيمەن . ئۇ تەئىبىمەت شىررا (بالاينى — ئاپەت) نى ئېسپ چىقىپ كەتتى » دەيتتى . شۇڭا . كېيىنلىكلىرى ئۇنى تەئىبىمەت شىررا دەپ ئاتىۋالغان (تەمامىنىڭ « دىۋان ھەمانى » سەدىن) .
 ⑪ ئەشەنفارا — 6 — ئەسرىنىڭ بېشىدا ئۆتكەن سەرگەردان شائىر .

4 - باب

تەردىقىيات دەۋرى

(مىلادى 622 - 750 - يىلالار)

شائىرلارنىڭ چارۇپچىلارغا بېرگەن تەسىرى شەھەرلەردىمۇ ئىجابىي تەسىر كۆرسەتتى ، بىراق ئۇنىڭ شەكلى ئوخشاش ئەمەس ئىدى . شەھەر ئاھالىلىرى گەرچە ئىپتىدايىي قەبىلە تەشكىلىنى ساقلاپ كېلىۋاتقان بولسىمۇ ، لېكىن ئىقتىسادىي پائالىيەتلەر ئارقىلىق ، بولۇپيمۇ جەنۇب بىلەن شىمالىي ئوتتۇرىسىدىكى سودا ئالاقىسى ئارقىلىق ، ئۇلارنىڭ نەزەر دائىرىسى تېخىمۇ كېڭىھىگەندى . هىجاز بىلەن نەجىدىكى سودا مەركەزلىرى خىلمۇ خىل مەدەننېيەت ئامىللەرنىڭ يېرىم ئارالغا كىرىشىدىكى تەبىئى بازا بولۇپ قالدى . خرىستىئار دىنى ۋە يەھۇدى دىنىنىڭ تەشۈقاتلىرى ئۇلارنىڭ مەدەننىي دۇنيا بىلەن يېقىنلاشقاندىن كېپىنىڭ تەسىراتىنى تېخىمۇ چوڭقۇرلاشتۇردى . مەككىنىڭ ھەمشىرە شەھەرى بولغان تائىفتا دۇنياغا كەلگەن ئۇمەيىيە ئىبنى ئەبىسىسەلت^① نىڭ نەزمىلىرىدە (قىسمەنلىرى گۈمانلىق بولسىمۇ) ، ئوقۇمۇشلۇق كىشىلەرنىڭ ئۆز ئەجدادلىرىنىڭ بىمەنە ھاياتى ۋە خۇرآپاتلىقىغا بولغان نازازلىقى بايان قىلىنغان .

نەجىدىكى مەھەلللىلەر ئەرمەب ئەدەبىيياتىغا قىسىمن ۋاستىلىك تەسىر كۆرسەتتى . مەككىدە قۇرمىش قەبىلىسىدىن بولغان سودىگەر ، ئاقسوڭەك مۇھەممەد ئىبنى ئابدۇللانىڭ تەلىمى بىلەن ئىسلاھات ھەركىتى پارتلىدى . مۇھەممەت پەيغەمبەرنىڭ

تەر جىمەھالى ھەققىدە رىۋايەتلەر ناھايىتى كۆپ . لېكىن ، ئۇنىڭ دىن تارقىتىشتن بۇرۇنقى ئىش ئىزلىرىنى بىلىدىغانلار ناھايىتى ئاز . مۇھەممەد پەيغەمبەر بالىلىق دەۋرىنى كۆچمەن چارۋىچىلار ئارىسدا ئۆتكۈزگەن ؛ ياش ۋاقتىدا كارۋانلار بىلەن سۈرىيىگە بارغان . ئوتتۇرا ياش ۋاقتىدا ئوزاققىچە ئىخلاص بىلەن چوڭقۇر خىيال سۈرۈپ ئەتكاپتا ئولتۇرغان . ئاخىرىدا ، ئىستىقامەت قىلىش بىلەن تاپقان ئېتىقادى — ئاللاغا سېخىنىش ، سەلتەنەتلەك خۇدانىڭ بەرھەق ، بىر ئىكەنلىكىنى ۋە مەھشەرگاھى قىيامەتنىڭ جازاسو، توغرىسدا ئۆز قېرىنداشلىرىغا تەشۇقات ئېلىپ بېرىش زۆرۈر ، دەپ قارىغان ھەمەدە بۇ مۇقەددەس ئەقىدىلەرگە كىمىكى خىلاپلىق قىلىدىكەن . ۋە يىلۇن دوزاخقا تاشلىنىدۇ ، دەپ چۈشەندۈرگەن . ئۇ ئون يىل تەۋەنەنمەي كۈرەش قىلىپ ، ئاز ساندىكى مۇخلىسلىرنى قولغا كەلتۈرگەن ، بىر قىتسىم ئۇ يەسرىدىكى بىر ئاداۋەتنى ھەل قىلىپ بېرىشكە تەكلىپ قىلىنىدۇ . تاسادىپى ئۇنىدىن كەلگەن بۇ پۇرسەت ئۇنىڭغا ھەرىكەتلەنىشنىڭ يېڭى زېمىننى يارىتىپ بېرىدۇ . مىلادىنىڭ 622 - يىلى ^② مۇسۇلمانلارنىڭ يېڭى جەئىيەتى دەپ ئاتالغان بۇ يېڭى ئەسىردا ، مۇھەممەد پەيغەمبەر نۇرغۇن مۇخلىسلىرىنى باشلاپ يەسىر بقا كۆچۈپ بارىدۇ . شۇنىڭدىن كېيىن بۇ جاي مەدىنەئى نابى ^③ (پەيغەمبەر شەھرى) دەپ ئاتالىنان . ئۇ كۆچۈپ بارغاندىن كېيىنلىكى سەككىز يىل ئىچىدە مەككە ۋە يېرىم ئارالنىڭ غەربىي شىمالىدىكى بەدۋىلەر قەبىلىسى بىلەن داۋاملىق كۈرەش قىلدى . ئەتراپىدىكى رايونلارنى ئارقىمۇ ئارقا ئۆزىگە بويىسۇندۇردى . مىلادى 630 - يىلى ئاخىر مەككە تەسلىم بولدى . مۇھەممەت پەيغەمبەر ۋاپات بولۇشتىن ئىلگىرىكى ئىككى يىل ئىچىدە ، ئۇنىڭ ئەرەبستاننىڭ غەربىدىكى ھۆكۈمراللىقى مۇستەھكەملەندى . يېرىم

ئارالنىڭ هەرقايىسى جايلىرىدىن ئەۋەتىلگەن ئەلچىلەر مەدىنىگە يېغىلىپ، ياكى ئەل بولغانلىقىنى بىلدۈردى. ياكى قەبىلە كۈرۈشىدە ئۇنىڭدىن مەددەت تىلىدى.

مۇھەممەد پەيغەمبەر ۋاپات بولغاندىن كېيىن، ئۇنىڭ مۇخلىسىرى ئەسلامىلەر گە ئاساسەن، ئۇنىڭ سۆزلىرىنى رەتلەپ « قۇرئان » نى تۈزۈپ چىقتى. « قۇرئان » نىڭ راست ياكى يالغانلىقىغا قارتىتا ئەزەلدىن ھېچ كىشىدە چوڭراق گۇمان بولغىنى يوق. قۇرئاننىڭ مەزمۇنىنى قويۇپ تۈرۈپ، رەتلەنىشنىڭ قالىمىقانلىقىدىن ئىبارەت مۇشۇ نۇقتىدىلا ئۇنىڭ چىنلىقى يېتەرىلىك دەرىجىدە ئىسپاتلىنىدۇ. ئاساسەن باغلىشىپ كېتىدىغان ئايىرم سۈرلىرىنى ھېسابقا ئالىغاندا، ئۇنىڭ چىچىلاڭغۇ سۈرلىرىنى يىللار بويىچە ياكى مەزمۇن بويىچە رەتلەپ چىقىش ئۇستىدە ھېچ كىشى باش قاتۇرۇپ باققىنى يوق. شۇڭا بىر سۈرە ئىچىدىكى بالدۇرقى ياكى كېيىنكى ئايەتلەر دە خلاق جەھەتنىكى ئەقىدىلەر بىلەن قانۇن جەھەتنىكى ماددىلار ئارىلىشىپ كەتكەن.

مۇسۇلمانلار ۋە غەرب ئالىملەرى « قۇرئان » نىڭ هەرقايىسى سۈرلىرىنىڭ تۈزۈلگەن يىل تەرتىبىنى بېكىتىپ چىقىش ئۇستىدە ئوپلانماقتا، ھازىر ئۇنى قايتىدىن خىللا توغرا رەتلەپ چىقىش ئىمکانىيىتى بار. مۇسۇلمانلار ئۆچۈن ئېيتقاندا، « قۇرئان » جەبرائىل ئارقىلىق ئاللا تەرىپىدىن مۇھەممەد پەيغەمبەر گە جۈملە جۈملە ئەۋەتىلگەن ۋە هي ئۇلار : « قۇرئان » ئايەتلەرنىڭ ئىلگىرى - كېيىنلىك پەرقى يوق، شۇنداقلا سۆز تاللاش ۋە ئەقىدە جەھەتلەر دە مەسىلە مەۋجۇت ئەمەس، دەپ قارايدۇ. لېكىن، غەرب ئالىملەرى مۇھەممەد پەيغەمبەرنىڭ ئەسەرلىرىدىن ئۇنىڭ ئەخلاق - پەزىلىتىنى كۆرۈپ يەتتى ۋە قىزىقارلىق حالدا، قۇرئاننىڭ مۇھەممەت پەيغەمبەرنىڭ كىشىنى جەلپ قىلارلىق

خۇسۇسييەتلرىنى ئېچىپ بەرگەنلىكىنى، ئۇنىڭ دەسلەپكى
مەزگىللەردىكى دىنىي مەقسىتىنىڭ قانداق قىلىپ تەدرىجىي ھالدا
يېڭى بىر دىن بولۇپ شەكىللەنگەنلىكىنى بىلدى.

« قۇرئان » نىڭ باش قىسىملەرنى ئوقۇغاندا، كىتابخانلار
مۇھەممەد پەيغەمبەرنىڭ شۇ چاغلاردا بارلىق ئاماللار بىلەن ئۆز
ئىدىيىسىنى ئىپادىلىگەنلىكىنى چوڭقۇر ھىس قىلدى. ئۇ پىشقاڭ
ناتىق بولمىغاچقا، كىشىلەرگە يېڭى يول كۆرسىتىشته، ئۆزىنىڭ
بىر يۈرۈش ئىپادىلەش ئۇسۇلىنى يارىتىشقا مۇھتاج ئىدى. ئەدەبىي
ئىقتىدار ئەمەلىيەتتىن كېلىدۇ. لېكىن، « قۇرئان » دا
ئلاھىيە تىۋۇناسلىق ياكى پەلسەپىگە دائىر ئۇقۇملار سىمۇول
خاراكتېرىلىك ۋە قەلىك ۋە تەسۋىر ئارقىلىق
چۈشەندۈرۈلگەن. « قۇرئان » دا ئايەتلەرنىڭ تۈرپىمۇ ئوخشاشلا
مۇشكۇل مەسىلە، شائىرلار ياراتقان ئورتاق ئەرمەب تىلى ئۇنى
دەسلەپكى قەدەمدىكى ئىجادىي تىل قورالى بىلەن تەمنلىگەندى ۋە
ئۇ ئاللىقاچان ناتىقلار تەرىپىدىن ئەمەلىيەتتە قوللىنىلغانىدى.
ئىستىلىستىكا جەھەتكە كەلسەك، شائىرلار ئىزلىنگەن ئىخچام
ئەدەبىي شەكىلىنىڭ ئورنىنى نەسبەتن چىچىلاڭغۇ، ئەزمە بايانلار
ئىگىلىدى. بۇ خىل شەكىلده، سۆز - جۇملىلەر ئارسىدىكى
تەڭپۈزۈلۈق، قۇرۇلما جەھەتتىكى تاقابىللەق، سوزۇق تاۋۇش
بىلەن قاپىيە كەلتۈرۈش، بولۇپىمۇ « سەجئە » ئادەت بولۇپ
كەتكەندى. بۇنىڭدىن باشقا ئۇ چاغدا يەنە بىر خىل ئەنئەنۋى،
ھۆكۈمالارنىڭ تەسىرىگە ئۇچرىغان ۋە هي ئۇسلىوبىدىكى ئەدەبىيات
تارقالغانىدى. بۇنىڭدا، بىز تالايي مۇجمەل قەسم (ئۇ ئادەتتە
ئاسمان جىسىملەرى ھادىسىلىرى بىلەن مۇناسىۋەتلىك) دىن
كېيىن، ئىككى - ئۇچ جۇملە قاپىيلىك، ئوخشاشلا چۈشەنگىلى
بولمايدىغان قىقا جۇملىلەر ئۇچرايدۇ. ئەھۋالدىن قارىغاندا

گۈللىندۇرۇش ھەرىكتىنىڭ ئەقىدىلىك ۋائىزلىرى ئەرمەنلىك
 قەرەللەك بازارلىرىدا باشقىلارغا زەربە بېرىشتە قوللانغىنى مۇشۇ
 خىل ۋانىر بولسا كېرىك . بۇ خىل ۋەھىي ئۆسلىوبىدىكى ئەدەبىيات
 دىنىي مۇنبەردىكى ئەذئەنئۇي شەكىل بولۇپ قالغانلىقى ئۈچۈن ،
 مۇھەممەد پەيغەمبەر مۇ باشتا ئۇنى ئۆزگەرتىشكە ئامالسىز قىلىپ ،
 قوللىنىشتا مەجبۇر بولغان . شۇڭا ، قۇرئاننىڭ باشتىكى سۈرلىرى
 ئاددىي ، يېرىم لېرىكىلىق . كىشىلەرنى ئاقكۆ گۈللىكە دەۋەت
 قىلىدىغان ماقالە ۋە مەشەر گاھى قىيامەتنىڭ جازاسى ھەققىدىكى
 ئاگاھلاندۇرۇشتىن ئىبارەت بولۇپ ، ئۇنىڭ تىلى ئىنتايىن گۈزەل
 ۋە جانلىق .

يېرىلسا ئاسمان ئەگەر يۈلتۈز چۈشمە يەرگە تۈگەل ؛
 غەرقى ئەتكەي قەبرىلەر بەھرى - دېڭىز قوزغا ئەل ؛
 مەشغۇلى قىلمىشلىرىدىن ھەر كىشى ئالسۇن ئۈچۈر ،
 قىلغىنى قىلمىغىنى بولغان ئۇنىڭ قانداق ئەمەل ① .

مۇھەممەد پەيغەمبەر بەس - مۇنازىرە تۈپەيلىدىن ، ھەجۇيى
 نەزمىدە يۈشۈرۈن مەنىلىك تەمىزلىك ئەزىزلىك ئەستىسىنى
 ئىشقا سېلىشقا مەجبۇر بولغان بولسىمۇ ، لېكىن ئۇنىڭ نەزمىلىرى
 شۇ چاغدىكى مەككە شۇسىدە ئومۇمىلىشىپ كەتكەن ئۆتكۈرلۈكە
 ئىگە ئىدى ؛

بولدى بەس ، يالغانچىلىق پۈتسۈن جاھاندىن ئاقىۋەت ؛
 قالدى قاششاقلار يانا چۆككەچ جاھالەتكە ئەبەت .
 سورىدى ئۇلار :

« قايىسى كۈن بولمىش قىيامەت ئۇ - قەيىيۇم ؟ »
 بىلە شۇل كۈن باشىغا ئوتلىق جازا يەتكەي پەقەت ،

« نه ئىلاج رسقى بىلىپ ، تەلمۇرگىنى شۇ كۈن ئۇنىڭ .
ئازاب - ئوقۇبەت تەمىنى بىلەك كېرىك كەلگەندە دەرد ! » ⑤

مەككە شەھىرىدىكى دۈشەنئىر مۇھەممەد پەيغەمبەرنى تەبىئىي هالدا شائىر ، پالچىلار قاتارىغا كىرگۈزەتتى . شۇ چاغدا ئادەتتىكى كىشىلەر ئۇلارنى جىن - ئەرۋاھلارنىڭ تاپشۇرۇقى بويىچە ئىش فىلىدۇز ، دەپ قارايتتى . بۇنداق چۈشەنچىلەرنى يوقىتىشقا توغرا كەلگەنلىكى . شۇنىڭدەك تىلىنىڭ قۇدرىتىنى جارى قىلدۇرۇش كۈندىن - كۈنگە ئەۋوج ئېلىۋاتقانلىقى تۈپۈلىدىن ، مۇھەممەد پەيغەمبەر بارا - بارا لېرىكىلىق خۇسۇسىتى كەمرەك بولغان ئەددەبىي شەكىلىنى قوللاندى . ئوخشاشلا مەزمۇنى يوشۇرۇن ئىپادىلەشىمۇ، ئۆزگەرتتى . يوشۇرۇن ئىپادىلەشنى قەدىم زاماندا ئۆتكەن پەيغەمبەرلە، نىڭ ئىش ئىزلىرى ۋە ئۇلارنىڭ دۈشەنلىرىنىڭ تەقدىرىنى بايان قىلىشقا ، قىيامەتتىكى جازانى ، كائىناتنىڭ قايتا بەرپا بولىدىغانلىقىنى تەشۇق قىلىشقا ئۆزگەرتتى . ئاخىرىدا مەدىنە باسقۇچىغا يېتىپ كەلگەندە ، مەخسۇس تېمىلار بويىچە باها بېرىش ۋە قانۇن ئۇستىدە ۋەز ئېيتىشنى ئوتتۇرىغا چىقاردى . « قۇرئان » نىڭ مەزمۇنى ئۆزگىرىش بىلەن سۆز قۇرۇلمىلىرىمۇ ئۇنىڭغا ئەگىشپ ئۆزگىرىشكە باشلىدى ۋە شۇ چاغدىكى ئەنئەنئۇي لېرىكىلىق شەكىلىدىن تېخىمۇ يېراقلىشىپ ، يېپ - يېڭى ۋە ئالاهىدە بولغان ، يۈكىشكە شەخس ئۆسلۈبىغا ئىگە بەدىئىلىك دەرىجىسىگە يېتىپ باردى . ماقالىنىڭ شەكلى ۋەزىپىنىڭ ئېھتىياجىغا بويىسۇنۇشى لازىم . ئەرەب ئەددەبىي تىلىنىڭ يېڭى ئىدىيە ساھەسىنى ئىپادىلىشنى ئىلگىرى سۇرۇش ئۈچۈن ، « قۇرئان » نىڭ ئەددەبىي شەكلى دادىل - كۈچلۈك، ئىستىلىستىكىغا ماس كېلىدىغان نەسرىي ئەسەرگە ئايلاندۇرۇلدى . بۇ خىل

زانىرلاردا پەۋۇلىتىادىدە ئازادىلىك ۋە ئالاھىدە ئىجادىي كۈچ ئارقىلىق
جاراڭلىق جۇملىلەر تولۇق قوللىنىلىدى.

ئەددە بىياتىدىكى بىردىنپىر بايراقدار ئەسر بولۇش سۈپتى
بىلەن « قۇرئان » ئۆزىگە خاس ئىپادىلەش ماھارىتى جەھەتنە
مىسىزلىرىز دەرىجىگە يەتكەن . مەيىلى قەدىمكى ياكى هازىرقى
مۇسۇلمانلار بولسۇن . بىر ئېغىزدىن : « قۇرئان » نى مەزمۇن
جەھەتنىلا ئەمەس ، ئۆسلۇب جەھەتنىمۇ تەقلىد قىلىش مۇمكىن
ئەمەس ، دېيىشدۇ . قەدىمكى نەزەن نۇقتىسىدىن ئېيتقاندا ، ئەددە بىي
جەھەتنىكى بىرمۇنچە ئالاھىدىلىكلىر تۈپەيلىدىن ،
« قۇرئان » نى باشقا تىللارغا مۇۋەپپەقىيەتلىك تەرجىمە قىلىپ
چىقىش مۇمكىن ئەمەس ، دېسمۇ بولىدۇ . ⑧ ئىسلام دىنىنىڭ
ئەنئەنسۇرى مەزھىبىدىكىلىر بۇ جەھەتنىكى ھەرقانداق
ئۇرۇنۇشلارنى ئوچۇقتىن - ئوچۇق رەت قىلىدۇ . تەرجىمە قىلىنىش
نەتىجىسىدە ، ئۇنىڭ جىددىي - جانلىق سۆزلىرى ئۆلۈك نەرسىگە
ئايلىنىپ قىلىشى . گرامماتىكىلىق قۇرۇلما جەھەتنە ئۇنىڭ چوڭقۇر
مەزمۇنى يوقىلىپ كېتىشى . گۈزەل ئىستىلىستىكىسى پۇتۇنلىي
ئۆزگىرىپ كېتىشى ، ئۇنىڭدا پەقەت مالىماتاڭ ۋە تەكرار بولغان .
قايىتا تۈزۈپ چىقلغان ، قۇرۇلمىسى چىچىلاڭغا ، جانسز - قۇرۇق
نەرسىلا قىلىشى مۇمكىن . ئۇنىڭ بەدىشىلىكى ئۈستىدە ئېغىز
ئېچىش مۇمكىن ئەمەس . بۇ زىياننى پەقەت ناگان - ناگاندا
ئۆچراپ تۈرىدىغان سىرلىق گۈزەللىك ھېسیياتى ۋە ئۆتكۈر
كۆزىتىش ئىقتىدار بىلا تولدۇرالىشى مۇمكىن .

« قۇرئان » ئەرەب ئەددە بىياتىنىڭ تەرەققىياتىغا
كۆپ جەھەتنىن ۋە مۆلچەرلىك گۈزەللىك ھېسیياتى ، تىلى ، رىتىمى
كۆرسەتكەن . « قۇرئان » نىڭ ئىدىيىسى ، تىلى ، رىتىمى

بۇ جەھەنتىنە قىقىيات مۇستىنە تەرەققىيەتىنىڭ سەرىيەتلىكلىرى سۈرگەن تارىخىم شارادا
پەيغەمبەر قىستقىچە ئازاھات بېرىپ مۇكۇمرانلىقى ھۆرۈش زۆرۈر، مۇھەممەد
کۆرۈلەمىتىنە دەرىجىدە تۈنۈچى قىلىدىغان مەركىزىي ئورىانغا ئىكەن
و، مۆزىيە، ئىراقنى مۇكۇمرانلىقى ئاستىدا. تەرمىلەر مىلى
بۇلدى. شۇنىڭدىن كېيىن ئۇپۇرۇپ مائىدى ۋە ئىراقنىڭ ساداقەتىنە
پۇقرالىرى ياردىمىدە خاندانلىقىنىڭ شەرقىي ۋە شەرقىي ئورىانغا ئىكەن
ئىران ئىپپىرىيەتىنە پامىر ئېگىزلىكىكىچە بولغان ئارقىلىق مىسىز،
پەيغەمبەر قىلىدىنلا بىر قاتار تىز مەركىزلىكىكىچە بولغان ئارقىلىق مىسىز
تەشكىلىي ئاپپاراتى بۇ كىتاباتتا بايان قىلىنىدىغان داشتى
كەرسىم، لېكىن بۇنىڭدىن كېلىپ چىققان موقۇقنى قاپتا تە
قىلىش ئىش مۇسۇلمانلارنىڭ دىننىي تارىخى ۋە ئەدەبىيات تە
ئىتتايىن مۇھىم. قەدىمكى مەدىنە شەھەرىدىكى ئىلامى شۇ قى
سياسىغا مەنسۇپ تەشكىلىي ئېختىياجىنى قاندۇر ئە
ئىپپىرىيە ھۆكۈمىتىنىڭ ئېختىياجىنى ئەكىنچى، مۇھەممەد
ئىپاتلاندى. ئۇنىڭ يېرىلىشىك ئەكىنچى، مۇھەممەد
بىلەن بىر قەبىلىدىن بولغان مەتكە قەۋىم ئۆمىت ئەيتىپ،
ئەكۇمرانلىقى ئاستىدا ئىپپىرىيەتلىك مەددەنئىيەت يەيتىپ
بۇ ئۆچۈردى. ئۇلارمۇ ئىلامى ماكتىمىيە -

دنه یه زلا دنیو
ه قارشی بولخان
تنی دمه شتف
سپاسکنیک
په پنه مبه ر
خانلیقی
و که ک
سیدیت
حدا

مەركىز بولۇپ قالدى . ئۇ يەرده « مۇسۇلمانچىلىق ئىلەمىي »
 (قۇرئاننى تەتقىق قىلىشقا ئالاقدار پەن) نىڭ ئاساسىي قۇرۇلدى .
 يەنە بىر تەرىپتىن بويىسۇندۇر غۇچىلارنىڭ ھۆكۈمرانلىقى ۋە
 مۇقەددەس جايىنىڭ مۇھىملىقى تۈپەيلىدىن ، مەككە كۈندىن -
 كۈنگە بېيىپ ، كەيىپ - ساپا ۋە ئەيش - ئىشرەت تېزدىن ئەۋچ
 ئېلىپ كەتتى . بۇ ، تەقۋادارلار ئۈچۈن يەنلا يېرىگىنىشلىك خەۋەر
 ئىدى . بولۇپمۇ ئەرەب يېرىم ئارىلىنىڭ ئوتتۇرا قىسىدا ئۆزگىرىش
 گەۋدىلىك بولۇۋاتاتتى . قابىل ، جۇشقۇن پۇقرالارنىڭ ھەممىسى
 مۇسۇلمانلار قوشۇنىغا قاتنىشىپ ، يېراقلارغا يۈرۈش قىلىپ باشقان
 يۈرتىلارنى ئېلىپ ، ئۆز يۈرتىغا قايتماشتى . ئۇلارنىڭ كۆپچىلىكى
 مېسوپوتامىيىدە ئولتۇرالقلىشىپ قالدى ۋە ئۇ يەردىن يەنە شەرققە
 يۇتكەلدى ؛ ئازراق قىسىمى مىسردىن سىرتقا كېڭىيەدى . بەزىلىرى
 ھەتتا يېراقلىكى ئىسپانىيىگىمۇ باردى . بۇ كۆچمەنلەرنىڭ تولسى
 يەنلا ئۆزلىرىنىڭ ئاشۇ كۆچمەن چارۋىچىلىق ئادىتىنى ساقلاپ
 قالغان بولسىمۇ ، لېكىن كۆپچىلىكى ئاخىر چوڭ شەھەرلەردى
 تۇرالقلىشىپ تۇرمۇش كەچۈرۈشنى تاللىۋېلىپ ، سۇ ، ئوت چۆپ
 قوغلىشىپ يۈرمەيدىغان بولدى . شۇڭا ، قەدىمكى شائىرلارنىڭ
 ھەقىقى ۋارىلىرى تامامەن دېگۈدەك مېسوپوتامىيىدىن چىققانلىقى ،
 ئەرەب يېرىم ئارىلىدىن چىققانلىرىنىڭ ناھايىتى ئاز ئىكەنلىكى
 ھەيران قالارلىق ئىش ئەمەس .

ئەرەبلەرنىڭ يېراققا يۈرۈش قىلىشتىكى ئەڭ مۇھىم ئۇتۇقى
 بويىسۇندۇرۇلغان مىللەتلەرنى پەيدىنپەي ئىسلام جەمئىيەتىگە
 كىرگۈزۈش بولدى . ئۇلار ئوخشاش بولمىغان مەدەنلىكتى
 ئالاھىدىلىكىگە ئىگە تەرجىمە ۋە ئۆرپ - ئادەتلەرنى ئېلىپ
 كېلىپ ، ئەرەب ئەدبىياتىنى ۋە ئەرەبلەرنىڭ ئىدىپسىنى
 ئەرەبلەرنىڭ ئۆز تەرقىيەتىدىن زور دەرىجىدە ھالقىپ كەتكەن

يېڭى بىر باسقۇچقا كۆتۈردى. بۇ تەسىر مۇشۇ بابتا يېزىلغان مەزگىل ئاياغلاشقاندا، ئاندىن ھېس قىلىنىشقا باشلىدى. گەرچە «مۇسۇلمانشۇناسلىق» تەرىققىياتىنىڭ مەرىپەت باسقۇچى مۇسۇلمانلار جەمئىيەتىگە ئېقىپ كىرگەن بىر تۈركۈم غەيرى ئەرمەب تىلى مىللەتلەرى تەرىپىدىن ئىلگىرى سۈرۈلگەن بولسىمۇ. ئاز ساندىكىلىرىنى ھېسابقا ئالىغاندا، مۇسۇلمانلار يىلىنىڭ بىرىنچى ئەسىرىدىلا باشلانغان تەتقىقات خىزمىتى بىردىك ئەرمەبلەر تەرىپىدىن ئېلىپ بېرىلدى.

«مۇقەددەس كىتاب» تۈزۈلۈۋاتقان مەزگىللەرde ئەرمەب يېزىقىدا نۇرغۇن كەمچىلىكلىرى بار ئىدى. ئۇنى پىشىق بىلەمىيدىغانلار زادى ئوقۇيالمايتى. قوليازىلارنى ساقلاپ قېلىش، خاتا تارقىلىپ قېلىشنىڭ ئالدىنى ئېلىش ئۆچۈن، ئالدى بىلەن مۇۋاپىق يېزىق شەكلىنى بەلگىلەش، ئاندىن گرامماتىكلىق قائىدىلەرنى تۈزۈش زۆرۈر ئىدى. ئىرانغا قاراشلىق ھەرقايى ئۆلکىلىرىنىڭ بۇ خىل ئېھتىياجى تېخىمۇ جىددىي ئىدى. شۇڭا، ئېراقنىڭ بەزى مۇدابىئە شەھەرلىرى بۇ خىل سىناقنى باشلىۋەتتى. شۇنىڭ بىلەن بىلە، «قۇرئان» ئەقىدىلىرىنى چۈشەندۈرۈش خىزمىتىمۇ ئۇنىڭ ئەسلى تېكىستىنىڭ گرامماتىكلىق تۈزۈلۈشى ۋە لۇغەت تەركىبىنى تەپسىلىي تەتقىق قىلىشنى تەلەپ قىلاتتى. سۆزلۈكلىر ئوتتۇرسىدىكى ئىنچىكە پەرقەلەرنى پەقت ئىسلامىيەتتىن بۇرۇنقى مەزگىللەرde ئۆتكەن شائىرلارنى تەكشۈرۈپ ئېنىقلاش ئارقىلىقلا ئايىدىڭلاشتۇرۇش مۇمكىن ئىدى. بۇنىڭ ئۆچۈن ئۇلارنىڭ ئەسەرلىرىنى توپلاش ۋە پۇختا ئەستە قالدۇرۇش لازىم ئىدى. شۇڭا، تىلىشۇناسلىق ۋە لۇغەت شۇناسلىق ئىلىلىرى راواجلاندى. بۇ ئىككى خىل پەندە «قۇرئان» ئەمەس، بەلكى قەدىمكى شېئىرلار ئاساس قىلىنىدى. «قۇرئان» نىڭ

سۈرلىرىنى ئىشلىتىش ئۈچۈن مۇھەممەد پەيغەمبەرنىڭ سۆز -
 ھەركەتلەرىنى يادلاشقا توغرا كېلەتتى .
 كېيىنكىسىنىڭ « قۇرئان » نىڭ ئاساسىي تېمىسى ۋە مەزمۇنى
 بىلەن بولغان مۇناسىۋىتى غايەت زور ئىدى . كىشىلەر بىلەن
 بولغان ئالاقە ۋە ئىش بېجىرىشتىكى ئۆلچەملەرنىمۇ مۇھەممەد
 پەيغەمبەرنىڭ ئەمەلىيىتىدىن تېپىش لازىم ئىدى . بۇنىڭ بىلەن
 مۇسۇلمانلارنىڭ ئەدەبىيات پائالىيىتى - ھەدىسچىلىكىنىڭ ئەڭ زور
 ئالامدىلىكى شەكىللەندى . « قۇرئان » ۋە ھەدىس تەتقىقاتى
 ئىلاھىيەت ۋە قانۇن ئىلمىنى يارىتىش (دىننىي قانۇنىنىڭ ئىجابىي ۋە
 سەلبىي تەربىي) نىڭ ئاساسىي قىلىندى . مەدىنە گەرچە بۇنداق
 تەتقىقاتنىڭ مەركىزىي بولسىمۇ ، لېكىن مەيلى سۈرىپە ياكى ئىراقتا
 بولسۇن ، چەت ئەلننىڭ تەسىرىنى نىسبەتن ئوڭاي قوبۇل
 قىلىدىغان بۇنداق تەتقىقات ئورۇنلىرىنىڭ بارلىقىنى تولۇق پاكىتلار
 بىلەن ئىسپاتلىغىلى بولاتتى .

مۇسۇلمانچىلىق ئىلمىنىڭ ئىككى تارىقىنىڭ تېخىمۇ
 بىرلىشى يەنە بىر خىل پەن - تارىخ ئىلمىي تەتقىقاتى ئۈچۈن
 ئاساس يارىتىپ بەردى ، تارىخ ئىلمىي تەتقىقاتى ناھايىتى تېزلىك
 بىلەن ئالدىنقسىنىڭ دائىرسىدىن ئېشىپ كەتتى .

بۇنى ئىككى تەرەپتىن چۈشەندۈرۈمىز : بىر تەرەپتىن ،
 تىلشۇناسلىق تەتقىقاتى مەلۇم قەبىلەرنىڭ ئائىلە شەجەرسى ۋە
 ئىسلامىيەتتىن بۇرۇنقى دەۋردىكى ئەرەب يېرىم ئارىلىنىڭ تارىخى
 توغرىسادا تەتقىقات ئېلىپ بېرىش ۋە تەكشۈرۈشكە موھتاج
 ئىدى . بۇنىڭ بىلەن ، ئېھتىياجقا ئاساسەن تەمنىلەشىمۇ مەيدانغا
 كەلدى . كۆچۈرۈۋېلىش ، ئويىدۇرۇپ چىقىشمۇ پەيدا بولۇشقا
 باشلىدى . بەزىلەر رىۋايه تلەرگە ياكى مۇجمەل لەتىپىلەرگە
 ئاساسەن ، ئەرەب ئىرقىنىڭ پەيدا بولۇشى ۋە دەسلەپكى

ده ئورلەردىكى تارىخىغا دائىر ھېكاينى يېزىپ چىقىتى . لېكىن بۇ رىۋا依ەتلەر يەھۇدىلارنىڭ خرىستىئان دىننغا دائىر تارىخى ماتېرىياللىرىغا ئاساسەن يېزىلغان بولۇشى ياكى تامامەن ئويدۈرۈپ چىقىرىلغان بولۇشى مۇمكىن . يەمنلىك ئەرەبلىر تۈزۈپ چىققان شۇ تىپتىكى بىرنەچە ئەسەر دىندىن تاشقىرى دائىرىدە ، بولۇپمۇ ئوردا ساھەسىدە زور ئابرويغا ئىگە ئىدى . يەنە بىر تەرەپتىن ، ھەدىس مۇھىمى مۇھەممەد پەيغەمبەرنىڭ يىراققا ھەربىي يۈرۈش قىلىشى (مۇجاز) غا ئائىت نۇرغۇن تارىخى پاكتىلارنى ئۆز ئىچىگە ئېلىشى لازىم ئىدى . شۇڭا ، ھەدىشۇناسلار بەزى دىنىي تەشكىلاتلارنىڭ قارشىلىقىغا قارىماي ، بۇنداق تارىخى رىۋا依ەتلەر ئۇستىدە ئايىرم - ئايىرم هالدا تەتقىقات ئېلىپ بېرىشقا باشلىدى . بۇ ئەدەبىيات دەۋرى ئاياغلىشىشتن بۇرۇن ، بۇ تېمىغا دائىر بىرىنچى تۈركۈم ئەسەرلەر ئاللىقاچان تارقىلىپ بولغانىدى . قەدىمكى رىۋايدەتلەرگە سېلىشتۈرغاندا ، بۇ ئەسەرلەر ئەلۋەتتە تېخىمۇ ئاساسقا ئىگە ئىدى . كېيىنكى مەزگىللەردىكى تارىخ ئىلمىغا دائىر ماتېرىياللارمۇ ئاساسەن مۇشۇ ئەسەرلەردىن نەقىل ئېلىنىغان .

پۇتكۈل ئىلمىي پائالىيەتنىڭ ئەدەبىيات قىسىمىنى تىلغا ئىلىشىمۇ ئەرزىمەيدۇ . بۇنىڭ ئاساسىي سەۋەبى ، بۇ باسقۇچتا ئېغىزدىن - ئېغىزغا تارقىتىشتك ئەنئەنئۇ ئادەت يەنلا ئەۋج ئالغانىدى . بولۇپمۇ دىنىي ساھەدىكىلەرنىڭ « قۇرئان » دىن باشقا ھەرقانداق يېزىق خاتىرسىنىڭ بولۇشىغا يول قويىغانلىقى بۇ ئادەت كۈچىنى تېخىمۇ ئۆستۈرۈۋەتتى . بۇنداق بىر تەرەپلىملىكىنىڭ دىنىي تەتقىقات ساھەسىدىكى تەسىرى ناھايىتى زور ئىدى . ئەلۋەتتە بۇ ، ئاشۇنداق ئەڭ مۇھىم تەتقىقات ساھەلىرىگە قارتىلغانىدى . شۇنداقتىمۇ ، خەلق ئارىسىدا قىسقا رىۋايدەتلەر توپلاملىرى ۋە نزىمە توپلاملىرى پەيدا بولۇپ تۇردى .

ئاز دېگەندىمۇ بىر رىۋايمەتلەر توپلىسىمۇ ھازىرىغىچە ساقلىنىپ
 كەلمەكتە. توپلاپ چىقىرىلغان ياكى ئويىدۇرۇپ چىقىرىلغان
 تارىخىي ئەسەرلەرنىڭ مەزمۇنى كېيىنكى مەزگىللەردىكى
 ئەسەرلەرگە كىرگۈزۈلگەندىن كېيىن، تەبىئىي ھالدا پەيدىنپەي
 تارقىلىش ئىقتىدارىنى يوقاتتى. يۇقىرىدا بايان قىلىنغانلارنىڭ
 سىرتىدا، ئەدەبىياتنىڭ ۋاستىسى بولغان نەسرىي ئەسەرلەر يەنلا
 گۆددەكلىك دەۋرىدە ئىدى. ئەمەلىيەتنە، پەقەت سوت ئالاقىلىرىدە
 ۋە يارلىق، پەرمانلاردىلا ئىشلىتىلەتتى. بۇنىڭ سەۋەبى شۇكى، ئۇ
 چاغلاردا خەت يېزىش ئۈچۈن ئىشلىتىلىدىغان تېرە قەغەز، سامان
 قەغەز ۋە كون - تېرىلىمە ئىنتايىن قىممەت ئىدى. كېيىنكى
 ئەسەرلەردىن قەغەز ياساشنىڭ سىرى ئىچىلغاندىن كېيىن، ئەرەب
 تىلىنىڭ ئوخشىمىغان ساھەلەردىن قاتتىق سىناقلاردا بەرداشلىق
 بېرىپ، بىر خىل تەبىئىي، يوشۇرۇن مەنلىك ۋە جانلىق نەسرىي
 شەكىلگە ئايلانغانلىقىنى كۆرەلەيمىز.

ئەمدى يەنە مۇشۇ مەزمۇنىڭ قاراپ باقىدىغان
 بولساق، تولىمۇ ئوخشاش بولمىغان بىر خىل ۋەزىيەتنى كۆرسىمۇز.
 ئىسلامىيەتنىڭ گۈللىنىشى كونا نەزمىلەرگە پايدىسىز
 تەسەر كۆرسەتتى. مۇھەممەد پەيغەمبەرنىڭ ھەسان ئىبىنى
 سابىت^⑧ تەك ئوردا شائىرى بولسىمۇ (كېيىن ئۇنىڭ ئىقىمىدىكىلەر
 نۇرغۇنلىغان ئادەتتىكى نەزمىلەرنى ئۇنىڭ ئەسەرى دەۋالغان) .
 لېكىن، ئۇ خۇددى ئىسلام دىنى بىدئەتچىلەرنىڭ غايىسىدىكى
 مۇھىم ئەخلاقىي كۈچنى چوقۇم بىتچىت قىلىۋېتىدىغاندەك،
 قەدىمكى نەزمىلەرگە ئۆچمەنلىك بىلەن قارايتتى. دەسلەپكى
 دەۋرىدىكى مۇسۇلمانلار جەمئىيەتى ۋە ئىلاھىيەتچىلەر مۇھەممەد
 پەيغەمبەرنىڭ بۇ خىل مەيدانىنى ياقلايتتى. بۇنىڭ بىلەن مۇنداق
 بىر غەلتە ئەھۋال پەيدا بولدى: ئىسلام دىنىنىڭ دۇنياغا كېلىشى

ۋە تەرەققىياتى بۇ مىللەتنىڭ شائىرلىرىنى پەقدەت
 ئىلھاملانىدۇرالىمىدى . ئىسلامىيەت ھەرىكتىنى تەسۋىرلىگەن
 سەلتەنەتلەك قەدىمكى نەزەمە كەبىنىڭ بىر داستانى بىلەنلا
 چەكلەندى . ئۇنىڭ ئاپتۇرى بىز يۈقرىدا توختالغان داڭلىق شائىر
 زۇھەيرنىڭ ئوغلى ئىدى . ئەدىناسى ئۆزۈندىن بۇيان ئەرمەب يېرىم
 ئارىلىدا پائالىيەت ئېلىپ بېرىۋاتقان داڭلىق شائىرلارمۇ ئۇن -
 تېۋىشىز يوقىلىپ كەتتى . مۇئەللەقەتنىڭ ۋەكىللەرىدىن بىرى
 بولغان لەبد بولسا ، مۇھەممەد پەيغەمبەر مەدىنىگە كۆچكەندىن
 كېيىن يەنە ئوتتۇز يىل ياشىغان ، ئۇنىڭ ئەسەرلىرى توپلىسى ئۆز
 زامانىدا ئەرمەبلەرنىڭ تۇرمۇشىنى ئىپادىلەشتىكى ئەڭ ئېسىل
 ماھارىتى بىلەن داڭ چىقارغان . ئەمما ، ئىسلام دىنىغا ئېتىقاد
 قىلغاندىن كېيىن ئۇمۇ ئىجادىي پائالىيەتتىنى توختىپ قويغان .

ئۆزۈن ئۆتمەي نەزەمە ئىجادىيەتتىدىن ئىبارەت چوڭقۇر يىلتىز
 تارتىپ كەتكەن بۇ يوشۇرۇن كۈچ ئۆزىنىڭ ئۆتكۈرلۈكىنى يەنە
 بىر قېتىم كۆرسەتتى . ئىسلام دىنىنى كېڭىيەتىش ھەرىكتىنىڭ
 سىياسىي ۋە ئىجتىمائىي جەھەتتىكى تەسىرى تۈپەيلىدىن ، نەزمىگە
 بىر خىل يېڭى روھ ۋە ماسلىشىشچانلىق يۈكەندى . قەدىمكى
 رىۋايەتلەر يەنە تىرىلدى . لېكىن ، بۇ قېتىمكى تىرىلىش ئەرمەب
 يېرىم ئارىلىدا بولماستىن ، بەلكى مېسوبوتامىيە بولدى .
 قارىماققا ، ئۇلارنىڭ ئۆزگىرىشى زور ئەمەس ئىدى . ئۇمەۋىيە
 خەلىپلىكىنىڭ شائىرلىرى گەرچە تىل سەنىتى جەھەتتىكى كونا
 ئەنئەنە ۋە قانۇنىيەتنى ساقلاپ قالغان بولسىمۇ ، لېكىن ئۇلارنىڭ
 ئەسەرلىرىدە ، قانداقلا بولمىسىۇن ، ئەرمەبلەر تەرىپىدىن
 بويىسۇندۇرۇلغاندىن كېيىنكى ئۆزگىرىشلەر ئەكس
 ئەتتۈرۈلگەندى . مەسىلەن ، كەيپ - ساپا ، پۇل ئىگىلىرى ،
 كۈندىن - كۈنگە ئىلگىرلەۋاتقان ئىمپېرىيە سىياسىسى : نارازىلىق

بىلدۈرگەن ياكى قوزغلاڭ كۆتۈرگەن قەبىلەرنى باستۇرۇش ؛
 دىنىي تەشكىلاتلار ، سىياسى پارتىيەر ۋە تەشكىللەك قەبىلە
 مەزھەپچىلىكىنىڭ شەكىللەنىشى ۋە باشقىلار . روشنەنکى ، شائىرلار
 يەنلا قەبىلە ۋە گۈرۈھ ھېسىياتىنىڭ جارچىسى ئىدى . يېڭى
 ۋەزىيەت ئاستىدا ، شائىرلار نوقۇل شەكىل ئالاھىدىلىكىگە بېرىلىپ
 كەتمەي ، شەكىل بىلەن مەزمۇن بىر - بىرىنى تولۇقلادىغان ،
 ئۆزئارا ماس كېلىدىغان نەزمىلەرنى قوللاغاندila ، ئاندىن
 مۆلچەرلەنگەن بۇرج جەھەتسىكى ئۇنۇمگە ئىگە بولاتتى .
 ئىلھام كەلگەندە يېزىلغان شېئىرلاردا ئۆزگىرىش تېخىمۇ
 روشن ئىدى . قەدىمكى مەزمۇن بىلەن شەكىل شەخسلەر ۋە
 ئىلمىي ئېقىملار تەرىپىدىن ئۆزگەرتىلىپ ، يېڭى مەقسەتكە
 ماسلاشتۇرۇلدى . نەزمىلەردە يېڭىچە مەزمۇن ۋە يېڭىچە ئۇسۇل
 پەيدا بولۇشقا باشلىدى . بۇ يەردە دىققەت قىلىشقا بەكمۇ
 ئەرزىيدىخىنى ، ئۆزىگە خاس بىر خىل مەخسۇس لىرىك شېئىر
 بولۇپ ، تۆۋەندە بۇ ھەقتە قىسىچە توختىلىمىز . « قەسىدە » قەبىلە
 ئەھلىنىڭ ھەۋەس جەھەتتە ئۆزگىرىپ تۇرۇشى ، نەزمىگە يېڭى
 ئۆلچەم بويىچە باها بېرىشنىڭ ياخشى پاكىتى بولۇپ قالدى .
 « قەسىدە » ئاپتۇرلىرى بۇرۇنىقىدە كلا ، بەدۇلەر قان
 نىستېمىسىدىن بولۇپ ، بۇ نۇقتىدىن ئېيتقاندا ، ئۇلار ئۆز
 ئەجدادلىرى بىلەن سامامەن ئوخشاش ئىدى . 7 - ئەسلىنىڭ
 ئاخىرلىرىدا بەدىئى ماھارەت جەھەتتە داگلىق شائىرلار بىلەن بىر
 قاتاردا تۇرالايدىغان ئۈچ نەپەر شائىر مەيدانغا چىقىتى . ئەختەل^⑨
 نابىغە ۋە كۈلسۈم مەزھىبىنىڭ ھەقىقىي ۋارسى بولۇپ ، ئۇ
 مېسوبوتامىيەنىڭ شىمالىدىكى تاگورىپ مىللەتنىڭ خەستىئان
 دىنى قەبىلىسىدىن ئىدى . ئۇنىڭ ئۆز قەبىلىسىنى تەسۋىرلىگەن
 داستانى ۋە ئۇمەۋىيە خەلىپلىكىنىڭ خەلىپلىرىنى مەدھىيلىگەن

قەسىدىلىرى ئىسلامىيەتنىن بۇرۇنقى دەۋىلەردىكى نەزمىنىڭ
 روھىنى قايتا ئەكس ئەتتۈردى. قالغان ئىككىسى فەرمىزدەق بىلەن
 جەرىر^⑩ بولۇپ، ئۇلار كۇفه ۋە بەسىرە شەھىرىدىكى
 قەبىلىلەرنىڭ ئىززەت - ھۇرمىتىگە ئېرىشكەندى. ئۇ ئىككىسى
 ئوخشاش تېمىدا ئېيتىشىش خاراكتېرىلىك ھېجائىيات (ھەجوئى
 شېئىر مۇسابىقىسى) ئۆتكۈزۈپ زور شۆهرمت قازانغان.
 «ناجائىت» شەخسلەرنى مازاق قىلىدىغان ياكى بەتقىلىقلىق بىلەن
 بىر - بىرىنى كەمىتىدىغان لاۋزا نومۇرلارنى ھېسابقا ئالىغاندا،
 بىر خىل ئۆزگىچە، سەنۇت جەھەتتە پىشقان تىياتىر تېسىدىكى
 ئويۇن ئىدى. ئۇ چاغدا شائىرلارنىڭ كۆپچىلىكى ئۆچۈن
 شەھەرلىكلىشىپ كەتكەن قەبىلە چارۋىچىلىرىنىڭ ئارزو -
 ھەۋەسىرىگە ماسلىشىقا توغرا كېلەتتى، بۇ ئۇلارنىڭ قەدىمكى.
 نەزمىلەردىكىدەك ئۇنداق سەممىي (گەرچە تار مەنلىك بولسۇ)
 ئاددىي - ساددىلىقتىن زور دەرىجىدە ئايىرىلىپ قالغانلىقنى
 ئىسپاتلايتتى. ئۇمەۋىيە خەلىپلىكىنىڭ قىزىقىشى كۆپ تەرمەپلىمە
 ئىدى. جۇملىدىن، ئۆزئارا زىتلىشىپمۇ تۇراتتى. شائىرلار ئادەتتە،
 ھەرقايىسى گۇرۇھلار ۋە تەلىماتلار ئوتتۇرسىدىكى كۈرەشكە پېتىپ
 قالغاچقا، پىسخولوگىيە جەھەتتە ئەنسىز كەيپىياتتا ئىدى. شۇڭا،
 «قۇرئان» نىڭ ئۇسلۇبى، سۆزى ۋە تەقۋادارلىق ھېسپىياتىنى
 قوللانغان تەقدىردىمۇ، يەنلا ئۆز نەزمىلىرىدىكى قوپاللىقنى
 تولىدۇرالمايتتى. ئۇلار «قەسىدە» قورالى ئارقىلىق دۆلەتمەن
 ئەمەلدارلار قولىدىن بايلىققا ئېرىشكەندە، ئۇلارنىڭ گۇپپاڭچىلىقى
 (كۆپچىلىكى ئۆچۈق - ئاشكارا ساختىپەزلىك ئىدى) ئۆز
 قەبىلىسىنىڭ ئەخلاقى - پەزىلىتى ئۇستىدە بولماي، بەلكى سىياسى
 ۋە دىنىي جەھەتتىكى ما جىرالارغا كېتىپ قالاتتى.
 پاكىت ئۆچۈق ئىسپاتلىدىكى، «قەسىدە» يەنلا نەزە

سەنئىتىنىڭ سىناق تېشى بولسىمۇ ، لېكىن ئىسلامىيەتنىن بۇرۇنقى دەۋىرىدىكى شېئىرىيەتنىڭ مەزمۇنى ئەرەبلىرىنىڭ يېڭى شارائىتى ۋە يېڭى ھالىتى بىلەن بارغانسېرى ماسلىشالىمىدى . شېئىرىيەتنىڭ مەزمۇنى مەلۇم دەرىجىدە ، ھەتتا خېلى زور دەرىجىدە ، ئۆز يۈرتسىدىن ئايىرلىغانلارنىڭ ئۆتمۈشتىكى ئەركىن چۆل - جەزىرە ھاياتىنى ئەسلىشى بىلەن ئالماشتى . شۇڭلاشقا ، تاشلىنىپ قالغان چېدىر ۋە ئۆتۈپ كەتكەن سەپەر ھەم شىكار يىغىلىشلىرى ئۈستىدە ھېكايدە قىلىش يەنلا كىشىنى ھايا جانلاندۇرىدىغان سەھرى كۈچكە ئىگە ئىدى . لېكىن ، « قەسىدە » كېيىنكى ئەدەبىيات دەۋىرىگە كەلگەندە قاتماللىشىپ تەكەببۇر كونا قائىدە - يوسۇنغا ، قاملاشمغان مشچان قەدىمكى ئۆسلىۇبقا ، قەدىمكى قوشاقچىلارنىڭ ئىبارىلىرى ۋە ئوبرازى تەقلىد قىلىنغان قۇراق يېزىققا ئايلىنىپ قالدى ؛ شائىرلار بولسا كونا ئادەت كۈچى ۋە ئۆز قوغىدىغۇچىلىرى تەلىپىنىڭ چەكلىمسى تۈپەيلىدىن ، يەنلا « قەسىدە » شەكلىدە ئىجاد قىلىشنى داۋاملاشتۇرۇشقا مەجبۇر بولدى .

بۇنىڭ پۇتونلەي ئەكسىچە ، كۈندىن - كۈنگە ئاۋاتلىشىۋاتقان مەككە ۋە مەدىننە يېڭىچە مۇھەببەت نەزمە - غەزەل بېيدا بولدى . بۇ ئېھتىمال قۇرمىش ئاقسوڭە كلىرىگە ناخشا ئېيتىپ بېرىشكە كەلگەن پارس ۋە يۇنان ناخشىچىلىرىنىڭ تەسىرىدىن بولسا كېرەك . غەزەل « قەسىدە » شائىرلىرىنىڭ جاراڭلىق - جانلىق تىلى ۋە ماھارىتىدىن قۇتۇلۇپ ، ساپ - ئوچۇق دىئالوگ شەكلىگە كۆچتى . جۇملىدىن ناخشىغا ئوڭايلىق تۇغۇدۇرۇش يۈزىسىدىن ئەنەنئۇرى ۋە زىن قائىدىسىگىمۇ سەل - پەل ئۆزگەرتىش كىرگۈزۈلدى . ئۇمەۋىيە خەلپىلىكىنىڭ ئەڭ داڭلىق شائىرى ؛ قۇرمىش قەبلىسىدىن چىققان ئومەر ئىبنى ئەبى رەبىئە (تەخىمنىن 720 - يىلى ۋاپات بولغان) غەزەلنىڭ

ۋە كىلى ھېسابلىنىدۇ . ئۇنىڭ نەزمىلىرى يېقىمىلىق ۋە ساددا بولۇپ ،
 ئۇنىڭدا ئىمەرە ئۆلچەيىنىڭكىدەك ئىپتىدا ئىي قايناق ھېسىياتىمۇ
 ياكى كېيىنكى دەۋرلەرنىڭكىدەك مۆتىدىل ھەۋەسمۇ يوق ئىدى .
 نەزمىلىر خەلقنىڭكىگە تېخىمۇ يېقىن بولۇپ ، بايروننىڭكىگىمۇ
 ئوخشىمايتتى . قاتتىق قول كىشىلىر بۇنىڭدىن تولىمۇ
 نەپرەتلەنەتتى ، شائىر بولسا ، ئىجادىيەتتىكى يەڭىللىكى
 تۈپەيلىدىن ئارقىمۇ ئارقا ياقا يۈرەتلارغا سۈرگۈن قىلىنغانىدى :
 شۇنداقتىمۇ ، ئەينى زاماندىكى ۋە كېيىنكى كىتابخانىلاردىن
 ئۆمەرنىڭ نەزمىلىرىدىكى ئەبە شۇنداق ساپ ،
 خۇش خۇي ، مەردانە ياشلىق خىسلەتتىدىن
 تەسەرلەنمىگىنى يوق .

ئاه رىيازەت چەكتى دىل ئول دىلرەبانىڭ ئوتىدا ،
 نازلىنىپ بىر باقىمىقى دىلغا بىر ئوتلۇق دېرەك .
 جىلوه قىلا ئول پەرى ئالدىمغا تەشرىپ قىپ قەدەم ،
 تىرىدىم تالنىڭ شامالدا تىرىكەن ياپراقيدەك .
 قالىمغا ئەسو ھوشۇم شەھلا كۆزى ھەرباقساگەر ،
 پىقرار يەرۇ زېمن گويا بولۇپ چەرخى - پەلەك .
 ساپتۇ تەقدىر يۈرىكىمگە ئىشق ئوتىنىڭ نەيزىسىنى ،
 تۈنجى ئۈچراشقا ئۆچۈن مەڭگۈ - مەلەك .

ئۆمەر ۋە مەككە شائىرلىرى ئىجاد قىلغان غەزملەر راۋان ،
 نەپىس بولۇپ ، رېئال ھېسىياتقا باي ؛ بۇنىڭ ئەكسىچە ،
 مەدىنىنىڭ غەزملەرىدە بەدۇبلەر باش قەھرىمان قىلىنىپ ،
 ئېچىنىشلىق ئوي - خىياللار ۋە ئۆمىدىسىز مۇھەببەت بايان
 قىلىنغان . مەدىنىنىڭ مۇھەببەت نەزمىنىڭ ئىجادچىسى ئوزرا

مئللىتىدىن جەمىل (701 - يىلى ۋاپات بولغان) بولۇپ ، بۇ خىل ناخشىلار « ئۆزىرار » دەپ ئاتالغان . غەزمەل دۇنياغا كېلىپ ئۆزۈن ئۆتمەي ئىنتايىن زور شۆھرەت قازىنىدۇ . جەمىلىنىڭ ئەسەرلىرىدە بىر مۇنچە « مۇھەببەت قۇربانلىرى » ئوتتۇرىغا چىقىدۇ . بۇنىڭ بەزىلىرى راست بولسىمۇ ، بەزىلىرى توقۇپ چىقىرىلغان . ئۇلارنىڭ بەختىزلىكتىن ئاققۇزغان كۆز يېشى مىڭ يىلدىن بۇيان ئەرەب ، پارس ۋە تۈرك شائىرلىرى ياكى يازغۇچىلىرىغا ماتېرىيال بولۇپ كەلمەكتە . بۇ تىپتىكى ئەسەرلەرنى ساپ بەدۇيلەر سەنىشتى دېگلى بولمايدۇ . ئەكسىچە . « لەيلى مەجىنۇن » ⑪ غا ئوخشاش رىۋايەتلەرde ، ئەر ئۆزىنى ئۆلتۈرۈۋالىدىغان تەلۋە ، ئايال بولسا ئۇنىڭ مەڭگۈ يېقىنلىشالمايدىغان مەشۇقى بولۇپ قالغان . بۇ هەرقانداق قەبىلىگە مەنسۇپ بولمىغان شەھەر ئاھالىسىنىڭ مەجىنۇنلارچە يۇرتىنى سېغىنىش كېسىلىنىڭ گۈزەللەشتۈرۈلۈشىدۇر . بۇ بولۇپمۇ ئىراقتا كەڭ تارقالغان .

مۇشۇ ئەدەبىيات دەۋرىنىڭ ئاخىرىدا مەدىنە غەزمەللەرنىڭ ئىراق ناخشىلىرىغا بولغان تەسىرى زور بولغان . بۇ ، « ئاخىرقى زامان شائىرى » دەپ ئاتالغان زۇررۇمە ⑫ (735 - يىلى ۋاپات بولغان) نىڭ ئەسەرلىرىدە گەۋدىلىك ئىپادىلىنىدۇ . رۇمە ئاسلىقى چۆل - جەزىرە مەنزىرسى ۋە كۆچمەن چارۇچىلىق تۈرمۇشىنى يېزىش بىلەن « غەزمەل » شەكلىدىكى ۋەقەلىك ئارقىلىق ھېسىياتنى كۈچەيتى肯 . مەككە « غەزمەللەرى » ئاخىر سۈرىيىدە - ئۇ يەردە شاراب ناخشى ئەنئەنسى بار ئىدى - ئۆز سىرىدىشى ۋە تەقلىتچىلىرىنى تاپىدۇ . بىز بۇگۈنكى كۈندە ئۆمەۋىيە خەلپىلىكىگە مەنسۇپ ۋەلىد ॥ نىڭ نەزمىلىرى ۋە شاراب ناخشىلىرىدىنلا بۇ خىل مۇھەببەت نەزمىلىرىنىڭ ئاخىرقى دەۋرىيگە مەنسۇپ ئەسەرلەرنى تاپالايمىز . بۇ شاللاق خەلپە مىلادى 744 -

يىلىدىكى بىر قىتىملىق ئالاهىدە توپلاڭدا ئۆلتۈرۈلگەن ، بۇ حال خەلپىلىكىنىڭ تىرىپىرەن قىلىنىشى ، مۇسۇلمانلار تارىخى ھەم ئەرەب ئەددەبىياتى يېڭى ئەسرىنىڭ باشلىنىشىغا يول ئاچقان .

ئىزاهاتلار :

- ① تۆمەبىيە ئىبىنى ئەبىسىلت (تەخىنەن 630 — ؟) — جاھالىت دەۋربىدىكى شائىر . ساجىق مىللەتنىڭ مۇنازىرىچىسى .
- ② مىلادى 622 — يىلى ھىجرىيىنىڭ باشلىنىشى بولىدۇ .
- ③ مەدىنەئى ئابى — پەيغەمبەر شەھىرى . بۈگۈنکى سەئۇدى ئەرەبستانىدىكى مەدىنە . مىلادى 622 — يىل 9 — ئايىنىڭ 2 — كۈنى مۇھەممەد پەيغەمبەر مەككىدىكى ئۆز مىللەتى ئىچىدىكى ئاقسوگە كىلەر ۋە يەھۇدى دەنسى مۇخلىسلەرنىڭ زىيانكەشلىكى تۈپەيلىدىن . يەسرىبىدىكى ئىككى مىللەتنىڭ ئاداۋەتسىنى ھەل قىلىپ قويۇش پۇرسىتىدىن پايدىلىنىپ . ئەبۇ بەكرى قاتارلىقلار بىلەن يەسرىقا بېرىپ داۋاملىق دىن تارقاتقان ۋە يەسرىنىڭ نامىنى مەدىنەئى نامىغا ئۆزگەرتىكەن .
- ④ « قۇرئان » 82 — سۈرە .
- ⑤ « قۇرئان » 51 — سۈرە .
- ⑥ ئېلىمىزدە « قۇرئان » دەسلەپ مىڭ سۇلالىسىنىڭ ئاخىرى . چىڭ سۇلالىسىنىڭ بېشىدا قىسقارتىپ تەرجىمە قىلىنغان . تولۇق تەرجىسە نۇسخىلىرىدىن . 1927 - يىلىدىكى « قۇرئان » . 1931 - يىلىدىكى « قۇرئاننىڭ خەنزاۋۇچە تەرجىمسى » . 1932 - يىلىدىكى « قۇرئاننىڭ تەرجىمسى ۋە ئىزاهات » . 1943 - يىلىدىكى « قۇرئاننىڭ خەنزاۋۇچە تەرجىمسى ۋە ئىللاۋە » . 1946 - يىلىدىكى « قۇرئاننىڭ تەرجىمسى ۋە ئىزاهات » . 1947 - يىلىدىكى « قۇرئاننىڭ قىسقارتىلىمىسى » . 1952 - يىلىدىكى « قۇرئان » لار بار .
- ⑦ مىلادى 224 - يىلى پېرسىيە خانلىقىدىن ئارداشر زور قوشۇنى باشلاپ ئىراننىڭ ئوتتۇرا قىسى ۋە غەربىي قىسىغا ھۈجۈم قىلدى . پېرسىيە خانى ئارتىابان 7 نى ئۆلتۈرۈپ . 226 - يىلى پايتەخت كېسەفوننى ئىشغال قىلىپ . ئىراننى قايتا بىرلىككە كەلتۈرۈپ . ساسانلار خانلىقىنى قۇردى . ساسانلار خانلىقى 5 - ئەسرىگە كەلگەندە راواجلەنىپ ئاسىيائىڭ غەربىدىكى چوڭ ئىمپېرىيە بولۇپ قالدى . ئۆ تارىختا يېڭى پارس ئىمپېرىيىسى دەپ ئاتىلىدۇ . بۈگۈنکى ئىران . ئافغانستان . ئراق ۋە ئەرمەنستان . گۇروزىيىنىڭ كۆپ قىسى ئۆتىڭ خەرتىسگە كىرەتتى . مىلادى 651 - يىلى خانلىق ئەرمەبلەر تەرىپىدىن يوقىتىلدى .
- ⑧ ھەسان ئىبىنى سابت (674 — ؟) — يەسرىب . (مەدىنە) دە

تۇغۇلغان . دەۋىردىن ھالقىغان مەشھۇر شائىرلارنىڭ بىرى .

⑩ ئەختەل (? 640 - 710) .

⑪ فەرمەزدەق (تەخىمنەن 641 - 732) — مىلادى 683 - يىلدىن كېپىن جەرسىر بىلەن دائىم ئېيتىمىش خاراكتېرىدا ھەجۇپى شېشىر مۇسابىقىسى قىلىپ تۈرأتى . ئۇنىڭ غەزەللەرى ئەرەب ئەدەبىياتىنىڭ قىممەتلەك مەراسى ھېسابلىمىندۇ . جەرىر (653 - 733) — ئۇ ئەختەل ۋە فەرمەزدەق بىلەن نەزم تىجادىيىتىدە بىرلىكتە كۈرەش قىلغان . كىشىلەر ئۇلارنى ئۆمۈزىيە خەلپىلىرىنىڭ ئۆچ نوجىس دەيدۇ .

⑫ شائىر قەيس ئىپىنى مۇراوت ئامرىيە (677 - ?) سېۇنىڭ لەقىمى دەجىنۇنى لەيلى (لەيلىنىڭ ئاشىغى) ئىدى . ئۇ ئۆز شېشىرلىرىدا دائىم ئۆزى ياخشى كۆرمىدىغان مەشۇقى لەيلى ئامرىيىنى يازغانلىقى ئۆچۈن . شۇ لەقىم سىئىپ قالغان . بىراق . قىزنىڭ ئائىلىسى ئۇلارنىڭ قوشۇلۇشىغا يول قويمىغان . شائىر ئىمە قىلارنى بىلەمىي تېڭىرقاپ يۈرۈپ . ئۆمۈر بويى نەزەم ئوقۇش بىلەن ئالىمدىن ئۆتكەن . بۇنداق پاك روھى مۇھەببەت كېپىنكىلىرىنىڭ بەكمۇ ماختىشىغا سازاۋەر بولغان .

⑬ زۇررۇمە — بەدوبلەر ئىلىمى ئېقىمىنىڭ كەنجە شائىرى ئىدى . ئۇنىڭ « رسالە جامىز » مدا : « شېشىرىيەت ئىرىھ ئۆلچەيىستىن باشلىنىپ زۇررۇمەدە ئاياغلاشتى » دېپىلىدۇ .

5 – باب

ئالتۇن دەۋرى

(مىلادى 750 - 1050 - يىلان)

مىلادى 750 - يىلدىن ئېتىبارەن يېڭى بىر خەلپىلىك مۇھەممەد پەيغەمبەرنىڭ ئىسلام دۇنياسىغا ھۆكۈمرانلىق قىلىشقا باشلىدى . ئاببا سلار ① ئەرەب روھانلىرى سىياسىي گۈرۈھەنىڭ ۋە ئەنئەنىؤى پادىشاھلىق هوقولۇق ھىمايىچىلىرىنىڭ بىرلىشىشىگە تايىنىپ ، پارسلار ۋە باشقۇ ئىتائەتمەن خەلقنىڭ قوللىشى بىلەن

يۇقىرى ئورۇنى قولغا كەلتۈرۈۋالدى . جانىجان مەنپەئەت ئۇلارنى ئلاھىيەتنى قوغداشقا مەجبۇر قىلدى ۋە پارسلار بىلەن ئارامىيلەرنى ئۆز ئەقىل - پاراستىنى جارى قىلىشقا رىغبەتلەندۈردى . خەلىپىلەر ② خانلىقى ئۇلارغا قاراشلىق ئۆلکىلەر ۋە كەلگۈسىدە كېيىنكىسىنىڭ ئورنىنى باسقۇچى يەرلىك پارسلار ھم ئەرەبلىرىنىڭ ئۇششاق - چۈشىشەك كېنەزلىكلىرى بۇ ئەنئەتنى ئۈچ ئەسرگىچە بىردىك ساقلاپ كەلدى . يېڭى پايتەخت با بغداد ③ مەدەنیيەت ۋە سەنئەتنىڭ مەركىزى بولۇپ قالدى . بىر ئەرەب تارىخىۋناسى با بغدادنى « بازار » دەپ تەرىپلىگەن ۋە « ئەدەبىيات - سەنئەت مەھسۇلاتلىرى بۇ يەرگە ئېلىپ كېلىنەكتە ، كىشىلەر بۇ يەردىن خۇددى يوقالغان تۆكىسىنى ئىزدىگەندەك ئەقىل - پاراست ئىزدىمەكتە ، بۇ يەردە ئەدەبىيات - سەنئەتكە بېرىلىۋاتقان باهانى پۇتۇن دۇنيا ئېتىراپ قىلماقتا » دېگەندى . ۋەHallەنلىكى ، جۇش ئورۇپ راواجلىنىۋاتقان ئەدەبىيات - سەنئەت پائالىيەتنىڭ مەنپەسىنى ، خۇددى بىز كۆرۈپ ئۆتكىنىمىزدەك ، ئالدىنلىقى خەلىپىلىكتىن تېپىشىمىز لازىم . ئىمپېرىيەنىڭ دۇنياغا خوجا بولۇشى ، يېزىقنىڭ رەتكە چۈشۈشكە قاراپ يۈزلىنىشى ، ئىسلام دىنىنىڭ بويىسۇنغۇچى خەلقەر ئارسىدا تارقىلىشى بىلەن ئۇمەۋىيە خەلىپىلىكى ئۆز ۋارسلىرىغا ناھايىتى ياخشى ماددىي شارائىت ھازىرلاپ بەردى . مەرپەتپەرۋەرلىكىنى گۈللەندۈرۈش ھەرىكتىگە كېرەكلىك ماٗتپەرپەرلىلار سىستېمىلىشىپ ، يېڭى مەدەنیيەت غۇنچىلىرى پورەكىلەپ ئېچىلىشقا باشلىدى . ئاببا سلار خەلىپىلىكىنىڭ يول قوئۇشى ۋە قوغدىشى بىلەن تېخىمۇ كەڭرى زېمىنغا ئىگە بولۇپ ، گۈزەللىكتە كۆزنى قاماشتۇردىغان دەرىجىگە يەتتى .

ئىمپېرىيەنگە بويىسۇنغان خەلقەر ئەرەبلىر بىلەن بىرىلىكتە

تۈرمۇش ۋە ئەدەبىيات پائالىيەتلرىنىڭ ساھەلرىگە قاتنىشتى
 باشلىدى . ھەممە يىلەن پۈتكۈل مەدەنلىيەت ساھەسىنى ئۆز
 مىللەتىنىڭ ئەڭ كۆرۈنەرلىك ئالاھىدىلىكلىرى بىلەن بېيتىشقا
 باشلىدى . يېقىن شەرقىنىڭ ئېچىلغان جايلىرىنىڭ ھەممىسى
 ئىسکەندەر دەۋىرىدىن تارتىپلا يۇنان مەدەنلىيەتتىنىڭ تەسىرىگە⁴
 چوڭقۇر ئۆچۈرغانىدى . شۇڭا ، مەدەنلىيەت ئالماشتۇرۇش
 نەتىجىسىدە ، ئۆز ئالاھىدىلىكىگە ئىگە بولغان ، شەرق سىستېمىسىغا
 خاس يۇنان مەدەنلىيەتى ئىدىيىسى مەيدانغا كەلدى . بۇ
 ئىسکەندەرىيە ئىلمىي تەرەپدارلىرى پەلسەپسى ۋە شەرق
 خرىستىئان دىنىي تەرەپدارلىرى ئارىسدا ئىنكاڭ قوزغىدى . يۇنان
 پەيلاسوپلىرى ۋە يېڭى ئەپلاتون تەرەپدارلىرىنىڭ شەرھېچىلىرى ،
 يۇنان ئاسترونومىلىرى ، تىببى ئالىملىرى ۋە پەن ئالىملىرىنىڭ
 ئەسەرلىرىنىڭ كۆپ قىسى 4 - ئەسەردىن تارتىپلا سۈرپەتلىغا
 تەرجىمە قىلىنىشقا ھەم سۈرپەتلىغا ۋە مېسوپوتامىيە مەكتەپلىرى ياكى
 مەدرىسلەرنىڭ تەتقىق قىلىنىشقا باشلىغانىدى . مېسوپوتامىيەنىڭ
 شىمالىدا سابى دىنى ④ دەپ ئاتىلىدىغان بىدئەتچىلەر جەمئىيەتى
 بار بولۇپ ، ئۇلارمۇ ئىسلام مەدەنلىيەتى ۋە ئىلمىگە تۆھپە
 قوشقانىدى . مىسردا ئىسکەندەرىيە ئىلمىي تەرەپدارلىرىنىڭ
 پەلسەپسى ، تىببى ئىلمى ۋە ئاسترونومىيىسى كۈندىن - كۈنگە
 ئاجىزلاشقان بولسىمۇ ، لېكىن مۇسۇلمانلارنىڭ تىببى ئىلمى ۋە
 ئاسترونومىيىسىگە ئىنتايىن كۈچلۈك تەسىر كۆرسەتكەندى .
 بۇنداق يۇنان ئۇسۇپى نوستى دىنىي «خۇراپاتلىقى» ⑤ نى
 تارقىتىشقا پايدىلىق بولدى . بۇ بىر خىل مۇرەسەچىلىك
 داشقایىنىقى بولۇپ ، قويۇق ئىككى مەنبەچىلىك ۋە
 بىداگىراس تەلىماتى ⑥ تۈسىنى ئالغانىدى .

يۇقىرقىلار ئارامىي ۋە يۇنان مىللەتلىرىنىڭ ئىسلام

ئەدەبىياتى ۋە ئىدىيىسىگە قوشقان تۆھپىسى بولۇپ، پارسلارنىڭ
 ماددىي تۆھپىسى ئىككىنچى ئورۇندا تۇرىدۇ. ساسانىلار
 ئىمپېرىيىسى يۇنان مەددەنىيەتنىڭ ئاساسىي ئېقىمىدىن ئايىرلۇغاندىن
 كېيىن، ئۇنىڭ ئورنىنى باسقان مەددەنىيەت بولىمىدى. دەرۋەمە،
 پارسلار كېيىنچە ئەدەبىيات ساھەسىدە مىللەتچىلىك ھەرىكىتىنى
 قوزغاب، قەدىمكى پارس مەددەنىيەتنى كۆككە كۆتۈرۈپ،
 ئەرەبلەرنىڭ مۇۋەپپەقىيەتلەرنى يوققا چىقارغان، جۇملىدىن
 ئىسلام مەددەنىيەتىدىكى قىممەتلىك نەرسىلەرنىڭ ھەممىسىنى
 پارسلاردىن كەلگەن دەۋالغان بولسىمۇ. لېكىن ساسانىلار
 ھۆكۈمرانلىقىدىكى پارسلارنىڭ ئەدەبى ئىجادىيەت بىلەن
 شۇغۇللىنىش ۋاقتى ياكى قابىلىيىتى يوق دېيەرلىك ئىدى. ھازىر
 ساقلىنىۋاتقان ئاز ساندىكى ئەسەرلەرگە ئاساسەن، ئۇ ئەسەرلەرنىڭ
 دىن ۋە قانۇن ھەققىدىكى نەرسىلەر، شۇنىڭدەك قەدىمكى
 پادىشاھلىقلارنىڭ تۆھپىلىرى مەدھىيەنگەن رىۋايەتلەر
 ئىكەنلىكىگە ھۆكۈم قىلىشقا بولىدۇ. لېكىن، پاپتەخت ئەتراپلىرىدا
 بولسانىستۇرى مۇرتىلىرى ^⑦ يۇنان مەددەنىيەتنىڭ تەسىرىنى
 كېڭىيەتتى، ئۇلار گېنىد سابۇر ^⑧ قۇرغان بىر مەكتەپتە يەنلا
 ئاساسەن يۇنان پەلسەپسى ۋە ئىلمىنى تەتقىق قىلدى. دەرسنى
 نىستۇريلار سۆزلىدى. ئۇنىڭدىن باشقا، ئۇلار ھىندىستاننىڭ
 پەلسەپ ۋە ئىلەم - پەنگە دائىر ئەسەرلىرنى تەرجىمە قىلدى ۋە
 تەتقىق قىلدى. ئىراننىڭ ئاتەش دىنى ۋە مانى دىنىنى ئۆز ئىچىگە
 ئالغان بەزى دىنىي مەزھەپلىرى باشقا پەلسەپلىر بىلەن بىرلىشىپ
 ئۆزىگە خاس ئارىلاشما ئىلەم مەزھېپى بولۇپ شەكىللەنىپ، ئىراققا
 ئىنتايىن زور تەسىر كۆرسەتتى. ئۇ ئۆيەردى دەسلىپكى
 دەۋەردىكى نوستى دىنىنىڭ ئەبجەش دىنىي ئەقىدىلىرى بىلەن
 بىرلىكتە ئىسلام دىنىنىڭ ئىلمىي تەتقىقاتىغا ئىنتايىن پايدىلىق

تەسر كۆرسەتتى . ئىرقىي جەھەتتە شالغۇتلاشقان يەنە بىر ئىران
 جەمئىيەتى ئۈزاققىچە باكتېرىيە ۋە سۇدىيە بۇددا دىنى بىلەن
 ئارملاشقانلىقى ئۈچۈن ، قويۇق ھىندى تۈسىدىكى مەدەننېتى ۋە
 ئىسلام دۇنياسىغا تارقاتتى . ئۇنىڭدىن باشقا ، ئىسلام مەدەننېتى ۋە
 دىنىي ئىدىيىسىنىڭ ياكى ئەرەب ئەدەبىياتىنىڭ تېخىمۇ گۈللەپ -
 ياشنىشى ئىرانلىقلارغا منسۇپ . ئۇ ، « ئارئانلارنىڭ سامى
 ئىدىيىسگە بولغان تەسىرىنى ئەكس ئەتتۈرۈپ بېرىدۇ » دەيدىغان
 قاراشمۇ بار . بۇ بىر تەرمىپلىمە قاراش . چۈنكى ، ئەينى زاماندا
 پارسلاردا قانداقتۇ ئالاھىدە بولغان « ئارئان مەدەننېتى » نىڭ
 مەۋجۇتلىقىدىنمۇ . ئىرقىي جەھەتتىكى ساپلىقتىنمۇ ئېغىز ئېچىش
 مۇمكىن ئەمەس ئىدى . كېڭىيەۋاتقان ئوردا جەھەتى ھاكىمىيەتى
 ئۈچۈن تەرجىمە قىلىنغان ساسانلارنىڭ ئوردا ھۈججەتلەرنى
 ھېسابقا ئالماخاندا ، پارسلارنىڭ مۇھىم تۆھپىسى ئەدەبىيات ،
 پەلسەپە ، ئىلىم - پەن ساھەسىدە ئەمەس ، بەلكى خەلقنىڭ بەدىئى
 خۇلقى ، تالانتى ۋە ئۇلارنىڭ ئاسىمىلىياتىيە قىلىش ئىقتىدارىدا
 بولۇپ ، بۇلار ئىسلام دىنسىنىڭ ئىلها ملاندۇرۇشى بىلەن ئەڭ يۈكىسەك
 ئىپادىسىنى تاپتى .

خەلىپلىك ئالماشقاندىن كېيىن ئەرەب ئەدەبىياتىنىڭ نېمە
 ئۈچۈن بىردىنلا ئالتۇن دەۋرگە قەدم قويغانلىقى ئەمدى بىرقەدەر
 ئايىدىلىشىدۇ . بۇنىڭدىن ئىلگىرى مۇسۇلمانشۇناسلىقنى ئەرەبلەر
 ئۆزىنىڭ ئەسلىدىكى پىلانى بويىچە بەرپا قىلغان بولۇپ ، ئۇ بەزى
 قەدىمكى مەدەننېت مەركەزلىرىنىڭ ۋاستىلىك تەسىرىگە
 ئۈچۈنخانىدى . ئەمدى بولسا ئىراقنىڭ كۈندىن - كۈنگە
 گۈللىنىۋاتقان چوڭ شەھەرلىرىدە مۇسۇلمانشۇناسلىق چەت ئەلننىڭ
 ئىدىيىۋى سىستېمىسىغا دۇچ كېلىش بىلەنلا قالماي ، ئەڭ مۇھىمى
 كىشىلەر تەرىپىدىن تەتقىقات ئوبىيكتى قىلىنىشقا باشلىدى .

ئۇلارنىڭ ئىدىيىسى بولسا ئەۋلادتىن - ئەۋلاد شەرقىنىڭ ھەرقايىسى تارماق ئېقىملەرىغا مەنسۇپ يۇنان مەددەنىيەتنىڭ تەسىرىگە ئۇچراپ كەلگەندى. بۇنىڭ نەتىجىسىدە، ئەدەبىيات - سەنئەتنىڭ قاپتا گۈللىنىش دەۋرىدە يۇنان ئەدەبىياتنىڭ يازۇرۇپاغا قايتىدىن تارقالغىنىغا ئىنتايىن ئوخشىپ كېتىدىغان بىۋاسىتە ئاقۇھەت كېلىپ چىقىتى. بۇ ئىككى خىل پىكىر ئېقىمى ئۇتتۇرسىدا ھەدىگەندىلا توقۇنۇش پەيدا بولىمىدى. مۇسۇلمانشۇناسلىقنىڭ ئۆزى ئۆسۈل، كۆزقاراش ۋە ئىپادىلەش جەھەتلەردىن يۇنان ئەنئەنسىنىڭ تەسىرىگە چوڭقۇر ئۇچرىغانلىقىنى بىز كېيىنچە كۆرىمىز. يۇنان ئىدىيىسىنىڭ ئىسلام دۇنياسىغا قالدۇرغان ئەڭ كۆرۈنەرلىك مىراسى ئىلىم - پەن ئەمەس، بەلكى ئۆسۈل، قائىدە ۋە ئىلىم تەشنىلىقىدۇر. ئۆسۈل بىلەن قائىدە لوگىكىنى تەتقىق قىلىشتىن (بولۇپمۇ پورفېل^④نىڭ «لوگىڭا ساۋادى» ۋە ئارىستوتېلىنىڭ «قوراللار دەستۇرى» نى تەتقىق قىلىشتىن) كەلگەن بولۇپ، گرامماتىكا، ئىلاھىشۇناسلىق، جۇغرابىيە، نوقۇل ئەدەبىيات قاتارلىق پەنلەرگە تەسر كۆرسەتكەندى. لېكىن، مىلادى 3 - 4 - ئەسىرلەردى، مۇسۇلمانلارنىڭ ئىلىمى ھاياتىدا كىشىنىڭ دىققىتىنى ئەڭ قوزغايدىخىنى ئۇلارنىڭ ئىنتىلىشچانلىقى ئىدى. ئۇلار بارلىق شەيىلەرنىڭ تېگى - تەكتىنى بىلىۋېلىشقا، باشقا مەملىكەتلەرنى ۋە ئۇلارنىڭ تۈرمۇش ئۆسۈلىنى بىلىشكە، پلانپىتىلارنى ۋە كىشىلەر ئىدىيىسىنىڭ ماھىيەتىنى تەتقىق قىلىشقا تەشنا ئىدى. مۇسۇلمانلارنىڭ يۇنان ئىلىم - پەننى - تەجربە تىببى ئىلىمى، فىزىكا، مۇزىكا، ماتېماتىكا پەنلىرىنى تەتقىق قىلىشىدىكى سەۋەب مانا شۇ ئىدى. بۇ تەتقىقات ناھايىتى زور غەلبىگە ئېرىشتى ھەمدە ئويغىنىۋاتقان يازۇرۇپاغا تارقالدى. بىراق، مۇسۇلمانلار بىلىمنى بىۋاسىتە يۇناندىن ئالغان ئەمەس (يازۇرۇپادا

ئەدەبىيات - سەنئەتنىڭ قايتا گۈللىنىش دەۋىرىدىكىگە ئوخشادىتىدۇ) ، بەلكى ۋاستىلىك ھالدا سۈرپىيەنىڭ تەرجىمە كىتابلىرى ئارقىلىق ئىككىنچى قول ماتېرىيالغا ئىگە بولغانىدى . بۇلار ئەزەلدىن يۇنان ئەدەبىياتى بىلەن ئەتراپلىق ئۆچرا شىمغاچقا ، يۇناننىڭ نەزملىرى ، تىياتلىرى ، نوقۇل ئەدەبىيات ئىدىيىسى ۋە سەنئەت سۈپىتىدىن يەنلا خەۋەرسىز ئىدى ،

دەرۋەقە ، بۇ يەردە مۇنداق بىر سوئال تۈغۈلۈشى مۇمكىن : خوش ، ئەرمەبلەر شېئىرىيەت جەھەتتە يۈكسەك دەرىجىدە تەرقىقى ئىلىخانىكەن ، ئۇنىڭ ئۆستىگە ئۆزىنىڭ ئېستېتىكا ، ئۆلچىمىمۇ بار ئىكەن . ئۇنداق بولسا ، ئەگەر دە ئۇلار ئەسلى ئەسرلەردىن يۇنان ئەدەبىياتىغا دائىر ئەتراپلىقراق بىلىمگە ئېرىشىمىز دىسە ، بۇ ئەسرلەرنى ئوقۇپ چۈشىنەلىكىن ياكى ئۇنىڭدىن زوق ئالالىغانمۇ - قانداق ؟ بىزنىڭ بۇنىڭغا بېرىدىغان جاۋابىمىز شۇكى ، ئۇلار بۇنداق پۇرسەتكە ئىگە بولالىغان . بىرنه چەن ئەسەردىن بۇيان ، ئالىملار تېخى نەزەرىيى ئاساس ۋە تەلىماتنىڭ ماددىي مەزمۇنى ئۆستىدىلا باش قاتۇرۇۋاتقاندا ، يۇناننىڭ نۇرغۇن مەدەنىيەت مىراسى پارسلارنىڭ ئەنئەنىسى بىلەن بىرلىكتە ئەنئەنىسى تىلغا تەسر قىلىپ ۋە ئۇنىڭ بىلەن بىرلىشىپ ، ئىراق جەمئىيەتىگە سىڭىپ كىرگەندى . ئىراق جەمئىيەتى بەكمۇ ئاۋات جەمئىيەت بولۇپ ، كىشىلەرنىڭ تىرىكچىلىك قىلىشقا ئامالى ، پۇل تېپىشقا يولى بار ئىدى . ئۇلار ئويىنغاندەك ئىشلىسىمۇ ، جان بېقىشقا ئامالى كۆپ ئىدى . بۇ نەرسە شۇ دەۋىر ئەدەبىياتىدا ئەكس ئەتكەن . چۈنكى ، ئۇ چاغدا ئەرمەب يېرىم ئارىلىدا سۈرپىيە ، مىسر ۋە پارس ئالىملەرى ھەم ئوقۇغۇچىلىرى قايتا ئەركىن بېرىش - كېلىش قىلالاتتى . ئۇلارنىڭ باگداد ۋە باشقۇ ئىلىم - مەرىپەت مەركەزلىرىدە ئۆز ئارا بېرىش - كېلىش قىلىشى نەتىجىسىدە ، يېپ -

يېڭى، ھەر جەھەتنىكى قىزىقىشنى ئەكس ئەتتۈرىدىغان ئەرەب ئەدەبىياتى بارلىققا كەلدى. ئۇنىڭ مۇۋەپپە قىيەتلەرى ناھايىتى تېزلىكتە سەمەرقەنتىن تارتىپ ئىسپانىيىدىكى مۇسۇلمانلار دۇنياسىنىڭ ھەربىر بۇلۇڭ - پۇشقاقلىرىغىچە تارقالدى.

بۇ بابتا بايان قىلىنىدىغان ئەدەبىيات دەۋرنى تەبىئىي ھالدا ئۇچ باسقۇچقا بۇلۇش مۇمكىن: بىرىنچى باستقۇچ 750 - يىلىدىن تارتىپ پۇتكۈل ھارۇن رەشد (809 - يىلى ۋاپات بولغان) ⑩ دەۋرنى ئۆز ئىچىگە ئالىدۇ. بۇ ئەرەب يېڭى نەسرىي ئەدەبىياتىنىڭ باشلانغان دەۋرى: ئىككىنچى باسقۇچ ئۇنىڭدىن كېيىنكى 140 يىيل، بۇ دەۋرده يۇنان مەدەنىيەتى ۋە ۋارسچىلارنىڭ ئەكس رولىنىڭ باغدادتىكى رىقابتى تۈپەيلىدىن، بىلىم ۋە سەنئەتنىڭ بارلىق ساھەسىدە ھەممە گۈللەر تەكشى ئېچىلىپ، رەڭكارەڭ تۈس ئالدى: ئۇنىڭدىن كېيىنكى يۈز يىلدا، ھوقۇقنى مەركەزلىك شتۈرۈش تەدرىجى ئاخىرلىشىپ، مۇسۇلمانلار دۇنياسىدا يېڭى ۋە تېخىمۇ جۇشقۇن يەرلىك مەركەزلىك ئارقىمۇ ئارقا پەيدا بولۇشا باشلىدى.

1 - باسقۇچ

(مىلادى 750 - 813 - يىللار)

شېئرىيەتنى ھېسابقا ئالمىغاندا، ئۇمەۋىيە خەلىپلىكتىنىڭ ئىلمىي مۇھاكىمە ۋە ئىلمىي پائالىيەتلەرى بىلەن زېچ ئالاقدار بولغان ئەدەبىيات شەكىللەرى ئالدى بىلەن كۆرۈنەرلىك ئورۇنى ئىگىلىدى، بۇ تۇرغانلا گەپ ئىدى. بۇ دەۋردىكى يېڭى ئەسەرلەر (نەزمە ۋە نەسرىي ئەسەرلەر) نىڭ مۇھىم ئالاھىدىلىكى، بىرىنچى

ئاز ساندىكىلىرىنى ھېسابقا ئالىغاندا ، ئەسرلەرنىڭ ھەممىسى دېگۈدەك شەھەر جەمئىيەتىدىن كەلگەن (ئاساسەن ئىراققا مەركەزلىكىنىڭ) بولۇپ ، يەنە شۇ جەمئىيەتكە خىزمەت قىلاتتى . ئىككىنچى ئاپتۇرلارنىڭ كۆپچىلىكى « يېرىم ئادەم » ياكى « ئادەم ئەمەس » لەر¹¹ بولۇپ ، ئۇلار ئىلگىرىكى ئارامىيلار ۋە پارسلارنىڭ بويىسۇنغانلىرى ياكى ئۇلارنىڭ ئەۋلادى ئىدى . بۇنداق يېڭى ئەھۋال ئاستىدا ، بىرمۇنچە ئۆزگىرىش ۋە تەرقىقىياتلار بارلىققا كەلدى . بۇنىڭدىن دىققەت قىلىشقا ئەرزىيدىغىنى ، ئەرەب تىلىدا بىر خەل ئەدەبىي خاراكتېرىدىكى نەسربى ئەسرلەرنىڭ پەيدا بولغانلىقى ئىدى . بۇنداق نەسربى ئەسرلەرنىڭ ئىدىيىسى ئوچۇق ، تىلى ئاممىباب ، راۋان ، جۇملىلىرى ئېنسىق بولۇپ ، ئۇ ئابباسلار خەلپىلىكىنىڭ دەسلەپكى مەزگىللەرنىڭ باش ۋەزىرلەر ، تىلشۇناسلار ، ئادۇۋەكتاتلار ۋە ھەدىسچىلەرنىڭ ئۆز ئالدىغا ئېلىپ بارغان ئەدەبىي پائالىيەتلەرنىڭ ئۆزئارا بىرلەشكەنلىكىنىڭ نەتىجىسى ئىدى . بۇ ئەدەبىي پائالىيەتلەر ئۇستىدە ئاخىردا ئايىرم توختىلىپ ئۆتىمىز .

ئۇمەۋىيە خەلپىلىكىنىڭ ئاخىرقى مەزگىللەردە ، خان جەمەتى ھاكىمىيەتى قايتىدىن ئۆزگەرتىلىپ قۇرۇلۇشقا باشلىدى . ئۇنىڭ ئەزالىرىنىڭ كۆپچىلىكى ئىلگىرىكى پارس ساسانلار ھاكىمىيەتكە قاتناشقان بولۇپ ، ئۇخشاش ئىجتىمائىي قاتلامدىن ئىدى . بىزگە مەلۇم بولغان ئەڭ دەسلەپكى ئەرەب نەسربى ئەسربى ئۇمەۋىيە خەلپىلىكىنىڭ ئاخىرقى مەزگىللەرىدىكى خەلپىسى مەرۋان ॥ نىڭ ۋەزىرى ئابدۇلھېمىت ئېبنى يەھىا (750 - يىلى ۋاپات بولغان) نىڭ « رسائل » ناملىق ئۈچ پارچە مەكتۇپىدىن ئىبارەت . ئۇنىڭ پارس شاگىرتى روزبى (يەنە بىر ئىسمى ئېبنى مۇقىپە ، 757 - يىلى ۋاپات

بولغان) ساسانىلار خانلىقىنىڭ ئوردا ئەدەبىياتىنى كۆپلەپ تەرجىمە قىلىپ ۋە ئۆزگەرتىپ ئىشلەپ، « ئوردا ۋەزىر - ۋۇزرا مەزھىبى » دەپ ئاتالغان ئەدەبىيات شەكلىنى ئىجاد قىلغان. ئۇنىڭغا « پارس قەھرىمانلىرى تەزكىرىسى » بىلەن « پادشاھلار قىسىسى » (ئۇلار يوقىلىپ كەتكەن) ۋە ھەندىستاننىڭ مەشەر بېتىبەي ھەققىدىكى ئەپسانىسى « كەلىلە ۋەدەمنە » ② كىرگۈزۈلگەن. مۇقىپە ئەسەرلىرىنىڭ ھازىر ساقلىنىۋاتقان قىسىملرىغا كېيىنكى بىرنەچچە ئۇن يىنل ئىچىدە مەلۇم ئۆزگەرتىشلەر كىرگۈزۈلگەن بولسىمۇ. لېكىن ئۇنىڭدىن شۇنى ئوچۇق كۆرۈۋالا لايىمىزكى، ئۇ شۇ چاغدا ئومۇم ئېتىرالپ قىلغان ئەرمەب ئەدەبىياتى ئەنئەنسىدىن ئادا - جۇدا بولۇشقا جۈرئەت قىلىپ. مۇڭلۇق ۋە يارقىن نەسرىي شەكىللەرنى قانداق ئىجاد قىلىش مەسىلىسى ئۇستىدە ئىزدىنىشنى ئوتتۇرىغا قويغان. بۇنداق ئوردا ۋەزىر - ۋۇزرا تەرمەپدارلىرى ئەدەبىياتى ئەخلاقىي قائىدە - يوسۇنلارنى ئۆگىتىش ۋە ئۇنى مەدىيىلەش رولىنى ئويىنىغان. ئۇنىڭدا شاهزادىلەر، ئوردا خىزمەتچىلىرى، ۋەزىر - ۋۇزرا لار ۋە ھۆكۈمەت ئەمەلدەرلىرىنىڭ ھەرىكتىكە قارتىا ئوچۇق نىزاملار بەلگىلەنگەن بولۇپ، رسالە رەسمىي تارىخقا يېزىلپ، ئۇلارغا ئۆز بۇرچىنى ئادا قىلىشتا زۆرۈر بولغان مەخسۇس بىلىملىر بايان قىلىنغان. ئۇلار « ئەدەب، ئەخلاق » نى ئاساس قىلىپ، « ئەدەب، ئەخلاق كىشىنى سۇباتلىق قىلىدۇ » دېگەن ھېكىمەتلىك سۆزنى ئوردا ئەخلاقىنى رەتكە سېلىشنىڭ ئاساسى قىلغان. ئەسەر قۇرۇلمىسىنىڭ ئىخچاملىقى، مەزمۇنىنىڭ چوڭقۇرلۇقى ۋە قىزىقارلىقى بىلەن يېڭىدىن دۇنياغا كەلگەن شەھەر ئاھالىسىنىڭ قارشى ئېلىشىغا ئېرىشكەن. مىلادى

800 - يىللرى باغدادتا قەغەز چىلىك سانائىتى راۋا جىلىنىپ ، ئەرزان قەغەز بىلەن ئېھتىياجنى تەمنىلەش باشلانغان ، بۇنىڭ بىلەن پارس ئېسانلىرىنىڭ تەرجىمىسى ۋە تەقلید قىلىپ يېزىلغان ئەسرلەر كەڭ تارقالغان ، ئۇ تاكى ئەرمەبلەر قوزغىلىپ ئۆزلىرىنىڭ شۇنىڭغا ئوخشىپ كېتىدىغان رەسمىي تارىخقا يېزىلىپ قالدۇرۇلمىغان رىۋايەتلەرى ۋە بەدۇيلەرنىڭ مۇھەببەت قىسىلىرى بىلەن يەنە بىر ئېقىمىنى شەكىللەندۈرۈپ ، ئۇنىڭغا تاقابىل تۇرغۇچە بولغان نەچچە ئون يىل ئىچىدە مەخسۇس بىر بايراق سۈپىتىدە داۋام قىلغان . ئەپسۈسکى ، بۇ ئەسرلەرنىڭ مۇندەر بىجىسىدىن باشقا قىسى يوقلىپ كەتكەن .

تىلىشۇناسلىق تەتقىقاتى ۋە ھەدىسىنىڭ توپلىنىشى — ئەدەبىيات ئىجادىيەتىدىكى باشقىچە ئىككى مۇھىم نۇقتا ، بۇ چاغدا ئۇ ئىككى ساھە قارىلارچە مۇتەئەسىپ ئىلىمگە ئايلانمىغان بولسىمۇ ، لېكىن ئايىرم - ئايىرم حالدا ، ئەرەب تىلى ۋە ئىسلام ئەنئەنسىنى تەتقىق قىلىشتىكى كەڭ دائىرىلىك زېھنىي پائالىيەتنىڭ ئاساسى بولۇپ قالغانسىدى .

ئەرەب تىلىشۇناسلىقى ، شۇبەسىزكى « قۇرئان » دىن كەلگەن . لېكىن ، يەنە شۇنىمۇ ئېنىق كۆرىمىزكى ، ئۇ بەسىرىدىكى گېنىد سابۇر ماداراچىلار گۇرۇھىنىڭ تەسىرى بىلەن تۈپتىن ئوخشاش بولمىغان ئاساستا راۋا جىلانغان : بۇنىڭ ئىچىدىكى ئاساسلىق ئامىل ئارىستوتېلىنىڭ لوگىكا ئىلىمدىن ئىبارەت . دەسلەپكى ئىجادىيەت مەزگىلىدىكى بەسىرە ئىلىمپى ئېقىمى نامى چىقىغان ئېقىم ئىدى . ئۇمەۋىيە خەلپىلىكى دەۋرىگە كەلگەندىمۇ بىر - ئىككى كىشىنىڭ ئىسىملا ئاندا - ساندا ئاڭلىنىپ تۇرغان . مۇشۇ ئەسىرىنىڭ ئاخىرغا كەلگەندە ، ئاندىن شەرھىي ئەسرلەرنى يازغان بەزى تارىخىي ئەربابلارنىڭ بارلىقىنى بىلدۈق . سىستېمىلىق

ئىزاهلىق ئەسەرنى ئەڭ ئاۋۇال ئومانلىق ئەرەب خەليل (791 - يىلى
 ۋاپات بولغان) يازغان . ئۇ قەدىمكى نەزمەرگە ئاساسەن ،
 تەڭداشىمىز بولغان مۇرەككەپ ۋەزىن قائىدىسى نەزمەرىيىسىنى ئىجاد
 قىلغان ھەم ئالدى بىلەن سىناق تەرىقىسىدە بىر لۇغەت تۈزۈپ
 چىققان . لۇغەتتە سۆزلۈكلىر كېينىكى ئەرەب لۇغەتلرىگە
 ئوخشاش ئېلىپىه تەرتىپى بويىچە ئەمەس ، بەلكى تەلەپپۇز قىلىنىش
 قانۇنىيىتى بويىچە تىزىلغان . بۇ ھىندىلارنىڭ تەسىرىدىن بولغان
 بولسا كېرەك ، خەلىلىنىڭ مۇرىدى پارس سېبەۋىيە (793 - يىلى
 ۋاپات بولغان) ئەرەب تىلىشۇناسلىقىغا تېخىمۇ زور تۆھپە قوشقان .
 سېبەۋىيە ئىلگىرىكىللەرنىڭ تارقاق خام ماتېرىيالرىنى
 بىرلەشتۈرۈپ ، سىستېمىلىق ، لوگىكلىقى ئىنتايىن كۈچلۈك
 بولغان بىر يۈرۈش ئەرەب تىلى گرامماتىكىسىنى رەتلەپ چىققان .
 قىزىقارلىق يېرى شۇكى ، ئۇ بۇ ئەسەرگە ھېچقانداق ئىسم قويمىي
 « كىتاب » دەپلا ئاتىغان . كېينىكلىر بۇ كىتابقا گەرچە مەلۇم
 تۈزىتىشلەرنى كىرگۈزگەن بولسىمۇ ، لېكىن بۇ كىتاب شۇنىڭدىن
 كېينىكى ئەرەب تىلى گرامماتىكىسىنىڭ قانۇنىيىتىنىڭ ئاساسىنى
 قۇرۇپ بەرگەن ، بۇ ئەسەر ھازىرغىچە نوپۈزۈق ئەسەر بولۇپ
 كەلمەكتە .

ئۇنىڭدىن سەل بۇرۇن (كونكرىت ۋاقتى ۋە سەۋەبى مەلۇم
 ئەمەس) كۇفەدە بەسەرە ئېقىمى بىلەن قارىمۇقارشى بىر
 تىلىشۇناسلىق ئېقىمى پەيدا بولغانلىقى مەلۇم ، ئۇنىڭ ئالاھىدىلىكى
 شۇكى ، ئۇ ئەنئەنئۇ شەكىللەرگە بەسەرە ئېقىمىغا ئوخشاش
 ئالاھىدە ئېتىبار بىلەن قارىغان ئەمەس ، شۇڭا ئۇ ھازىرقى زامان
 تىلىشۇناسلىق ئېقىمىنىڭ ۋەكلى بولۇپ قالغان . سېبەۋىيىنىڭ
 نوپۈزۈق ئەسەرى « كىتاب » سەل كېينىزەك بەسەرە ئېقىمىنىڭ
 كۆزقارىشى سۈپىتىدە ئومۇمغا تونۇلغان ، بۇ ئىككى ئېقىمىنىڭ

تەلیماتى بىر مەزگىل جاپالىق بەس - مۇنازىرىنى باشتن
كەچۈرگەن . بۇ چاغدا ئراقتىڭ ئېبجەش بولۇپ كەتكەن شەھەر
جەمئىيەتتىدە ئەرەب تىلى ئارقىغا چىكىنەكتە ئىدى . بۇ ئىككى
ئېقىم ئوخشاشلا ئاشۇ خاراب ۋەزىيەتنى ئوڭشۇپلىش رولىنى
ئويىندى . ئۇلار ئەرمەب ئەدەبىي تىلىنىڭ توغرا شەكللىنى بەلگىلەپ ،
نۇرغۇن سۆزلۈكىلەرنى ۋە ئۇلارنىڭ ئەرمەب يېرىم ئارىلىدىكى ساپ
ئەنئەنسۇي ئىشلىتلىش ئۇسۇلىنى ساقلاپ قالدى . شۇڭا ، ئۇلار
ئەدەبىي شەكىل جەھەتتە بىپەرۋا ۋەزىر - ۋۇزىرالارنىڭ ئەكسىچە ،
ئەرمەبلەرنىڭ شەكىلگە ئېتىبار بېرىدىغانلىقىنى يېڭى نۇقتىدىن يەنە
بىر قېتىم كۆرسىتىپ بېرىپ ، ئەرمەب ئەدەبىي تىلىنى ئۆلچەملىك ،
مۇھىم سەنئەت قۇرۇلمىسى سۈپىتىدە ساقلاپ قىلىشقا ياردەم
بەردى .

يۇقىرىدا بايان قىلىنغان مەقسەتكە يېتىش ۋە ئوردا ۋەزىر -
ۋۇزىرالىرى ئېقىمغا ئاڭلىق تاقابىل تۇرۇش ئۈچۈن ، تىلىشۇناسلار
ئېقىمى ئەرمەب كلاسىك ئەسەرلىرى ، نەزمىلەر ، مەسىللەر ۋە
ئەرمەب يېرىم ئارىلىدىكى قەبىلىلەرنىڭ رىۋايەتلەرنى قېزىش ۋە
توبلاشقا كىرىشتى ھەم ئۇلارنى (« قۇرئان » ۋە ئىسلامىيەت
ھەرىكتىكى دائىر باشقىا ماتېرىياللار بىلەن بىرلىكتە) « ئەرمەب
ئىختىمائىي پېنى » نىڭ ئاساسى قىلدى . دەسلەپكى مەزگىللەردىكى
بۇ تىلىشۇناسلار قانداقتو تېتقىسىز كىتاب مەستانلىرى ئەمەس ،
بەلكى ئىسلام ئىختىمائىي پېنىنىڭ ئۆلىمالىرى ئىدى . ئۇلارنىڭ
خىزمىتى ئەمەلىي مەقسەتنىڭ ئىلها ملاندۇرۇشغا بېقىناتتى . ئۇ
پادىشاھ ھۆكۈمرانلار گۇرۇھى ۋە يېڭىدىن گۈللىنىۋاتقان شەھەر
بۇرۇۋاتازىسىنىڭ ماڭارىپقا بولغان كۈندىن - كۈنگە ئۆسۈۋاتقان
تەلىپىنى قاندۇرۇشى لازىم ئىدى . شۇ چاغلاردىكى ئەڭ داڭلىق
ئالىملار باشقىلارنىڭ ھاۋالىسى بىلەن ياش ئاقسوڭەك بەگزادىلەرنى

تەرىپىيلىك شىتن ئىبارەت مۇشەققەتلىك ۋەزىپىنى ئۆز ئۈستىگە ئالغانىدى . ئۇلارنىڭ لېكسييلىرى ياش تىلىشۇناس ۋە شائىرلارنى ئۆزىگە جەلپ قىلىپلا قالماستىن ، بەلكى ھەر خىل ئالىملارىنىمۇ تەشنىلىق بىلەن تەلمۇرۇتەتتى . مۇرتىلار لېكسييسىنى ئەدەبىيات ، تارىخ قاتارلىق مەخسۇس تېمىلار بويىچە ماقالىلار توپلىنى قىلىپ تۈزۈپ چىقاتتى . خەلىلدىن كېيىن ، بەسىرىلىك ئاتاقلىق ئىككى ئالىم داڭلىق شېئىرىيەت ئوبزور چىسى ئەسمەئى (تەخمىنەن 831 - يىلى ۋاپات بولغان) ۋە ئۇنىڭ رەقىبى ئاتاقلىق تارىخشۇناس ئېبۇ ئوبەيدە (تەخمىنەن 825 - يىلى ۋاپات بولغان) ئۆتكەن . ئوبەيدە تارىختا ئەبۇنۇۋاسنىڭ ¹³ « ناھايىتىمۇ بىلىملىك ئادەم » دەپ ماختىشىغا ئېرىشكەن . ئۇ ساقلىغان ئىسلام دىنى گۈللىنىشتن ئىلگىرىكى ۋە كېيىنكى ھەرقايىسى قەبىلىھەرنىڭ تارىخىغا دائىر تەپسىلىي ماتېرىياللار كېيىنكى تارىخشۇناسلارنىڭ دائىم پايدىلىنىدىغان ۋە نەقىل كەلتۈرىدىغان مۇھىم تارىخي ماتېرىياللار مەنبەسى بولۇپ قالدى .

ئەمما ، ئوبەيدەنىڭ بىلەم خەزىنسىدىن ئوزۇقلۇق ئالغانلار يالغۇز تارىخشۇناسلار ئەمەس . ئاقسوڭەك ئەمدلدارلار ئەرمەب ئەنئەنسىنى قوغدىخۇچىلار سۈپىتىدە تىلىشۇناسلار بىلەن رىقاپەتلىشىش ئۈچۈن ، مۇشۇ دەۋور ئاخىرلىشىش ئالدىدىلا ئۆز دائىرسى ئىچىدە ، يۇقىرىدا سۆزلەپ ئۆتكىنلىزمەك ئەدەبىيات جەھەتتىكى مىللەتچىلىك ھەرىكتىنى قانات يايىدۇرۇۋەتكەندى . ئەدەبىياتتىكى مىللەتچىلىك ھەرىكتى ئۆ ئۇنىڭ قوللىغۇچىلىرى « شۇئۇنىيە » ¹⁴ دەپ ئاتالدى ئۇلار ساسانىلار ئەنئەنسىنىڭ قوغدىخۇچىلىرى ئىدى . ئىراق ۋە مەددەنىيەت جەھەتتىن قارىغاندا ، ئۇلارنىڭ كۆپچىلىكى پارسالار ئىدى . « شۇئۇنىيە » چىلەر ئەرمەب ئۆلىمالىرىنىڭ مەنمەنچىلىكىگە

هۈجۈم قىلاتتى . ئۇلارنىڭ تىلىغا زەربە بېرىتتى . شېئىرلىرىنى
 مەسخىرە قىلاتتى . پارسلار ۋە ئەرمىب بولمىغان خەلقەر
 ئەرمىلەردىن ھەر جەھەتنىن ئۇستۇن تۇرىدۇ دەپ داۋراڭ سالاتتى .
 بۇ توقۇنۇش كېيىنكى ئەسرىگىچە داۋاملاشتى . بۇ ھال ئىراقنىڭ
 نۇرغۇن ئەدەبىي ئەسەرلىرىدىلا ئەمەس ، ھەتتا ئىلاھىشۇناسلىق ۋە
 قانۇنىشۇناسلىققا دائىر ئەسەرلەردىمۇ مەلۇم دەرىجىدە ئۆز ئىپادىسىنى
 تاپتى . پارسلارنىڭ ھەممىسىنى « شۇئۇبىيە » چىلەر دېيشكە
 بولمايتتى . چۈنكى ، ئەرمىلەرنىڭ كۆزقارىشنى ياقلايدىغان
 پارسلارمۇ كۆپ بولۇپ ، ئۇلار سان جەھەتتە ئۆزلىرىنىڭ
 رەقىبىدىن ئاز ئەمەس ئىدى . « شۇئۇبىيە » چىلەر ئەرمىب
 ئۇرۇقداشلىق جەمئىيەتنىڭ بولمىغۇر ، ھەتتا ۋەھشىي قىياپتىنى
 ئاشكارىلاش ئۇچۇن ، ئوبەيدەنىڭ مەخسۇس ماقالىلىرى
 توپلىمىدىن نۇرغۇن باب ، مىسراڭىنى نەقل كەلتۈردى . بۇ
 نەقللەرنىڭ كۆپلۈكىگە قاراپ كېيىنكىلەر ئوبەيدەنىمۇ (ئۇ
 مېسوپوتامىيەلەر يەھۇدىي بولسا كېرەك) « شۇئۇبىيە » نىڭ
 ئەسەبىي داھىلىرىدىن بىرى ، دەپ قارىدى .
 ۋەھالەنلىكى ، « قۇرئان » ھەققىدىكى تۈنچى تەپسىرىنى ئوبەيدە
 تەھرىرلەپ چىققانىدى .

ئىلمىي تەتقىقات تارمىقىنىڭ ئىككىنچى ئاساسىي ئېقىمى
 بولغان ھەدىس تەتقىقاتى ئۇ چاغدا ئەتراپلىق ئەدەبىيات ھەرىكتى
 سۈپىتىدە قانات يايىمىغانىسى . ئۇنىڭغا پەقەت ئاز ساندىكى ئالاقىدار
 پەنلەرلا ۋە كىللەك قىلغان بولۇپ ، ئۇنىڭ ئىچىدە ئەڭ ئاساسلىقى
 قانۇن ھەققىدىكى تەتقىقات ئىدى . ئاببا سلار خەلبىلىكىنىڭ
 ئەنئەنسۇي كۆزقارىشى قەتىي ھالدا مۇنداق ئىسپاتلايتتى :
 ئىمپېرىيەنىڭ باشقۇرۇلۇش تۈزۈمى كۆرۈنۈشته بولسىمۇ ئۇمەۋىيە
 خەلبىلىكىنىڭ ئۆز بىشىمچىلىق بىلەن ھۆكۈم قىلىۋىتىدىغان

ئەدلیيە تەدبىرلىرىگە ئەگەشمەي ، دىنىي ئۆلىمالار شەرھلىگەن
 ھەدىس قانۇنى بىلەن ماسلىشى كېرىك . ھازىرغىچە ساقلىنىپ
 كېلىمۇاتقان قانۇنىشۇناسلىقنىڭ ئۈچ مەزھىبى ھارۇن
 رەشىد¹⁵ ۋاپات بولۇشتىن ئىلگىرىلا شەكىللەنىپ بولغانىدى . بۇ
 ئۈچ مەزھەپ ئۆزىنىڭ ئاساسىي قانۇنلىرى ۋە تەتقىقات
 ئۆسۈللىرىنى راۋاجلاندۇرۇش ، شەرھەلەش داۋامىدا (بۇ يەردە
 كۆپلىگەن قانۇنىشۇناسلىق ئەسىرى ئۆستىدە سۆزلىپ
 ئولتۇرۇشنىڭ حاجىتى يوق) ھەرقايىسى مەزھەپنىڭ بىردىن
 ئەسىرى ئومۇمىيۇزلۇك ئېتىبارغا ئىگە بولدى . مەدىنىلىك
 دوختۇر مالىك ئىبنى ئەنهس¹⁶ (795 - يىلى ۋاپات بولغان)
 كونسېرۋاتىپراق ئالىملارنىڭ ئىراق مەزھىبىنىڭ تالاش - تارتىش
 ئۆستىدىكى نەزەرىيە ۋە چەتىن كەلگەن ئالىملارنى قوبۇل
 قىلغانلىقىغا بولغان نارازىلىقىنى ئىپادىلىدى . مالىك مۇھىم نۇقتىنى
 پەيغەمبەرنىڭ ھەدىسىگە قارىتىش بىلەنلا قالماي ، مەدىنە
 جەمئىيەتتىنىڭ ئەمر - پەرمانلىرى ئۆستىدىمۇ جىق كۈچ سەرب
 قىلغانىدى¹⁷ بۇ جەمئىيەتتىكى ئادەت قانۇنى — پەيغەمبەرنىڭ
 ئادەت قانۇنى دەپ قارىلاتتى . مالىك قانۇن ئەمەلدارى بولۇش
 سۈپىتى بىلەن ھەققانى تۈرده ھۆكۈم چىقىرىشقا ئاساس قىلىنغان
 ھەدىسلەرنى تۈپلاپ ، مۇسۇلمانلار دۇنياسى بويىچە مەشھۇر ئەسىر
 « ئەل مۇۋەتتا » (« تۈز يول ») نى تۈزۈپ چىقان ، ئىككىنچى
 مەشھۇر ئەسىر « كىتابىلخېراج » (« يەر بېجى قانۇنى ») بولۇپ ،
 ئۇنى ھارۇن رەشىدىنىڭ باش سوراچىسى ئەبۇ يۈسۈپ ھارۇن
 رەشىدقا تۈزۈپ بەرگەن (ئەبۇ يۈسۈپ ئىراق ياكى ھەنىپى
 مەزھىبىدە ئىدى) . بۇ ئەسىردا سۇ ئىشلىتىش ھوقۇقىدىن تارتىپ
 تاكتىكىغا ئوخشاش ئەمەلىي ئىشلار سۆزلىنگەن . كىتاب ئۆز
 تېمىسىدىن زور دەرىجىدە ھالقىپ ئۆتكەن بولۇپ ، مۇسۇلمانلارنىڭ

دەسلەپکى دەۋرلەر تارىخىنى ئۆگىنىشتىكى ئاساسلىق ئوقۇش
 كىتابى بولۇپ قالغان . ئۈچىنچى ئەسر « رساله » (« ماقالىلار
 توپلىمى ») دىن ئىبارەت . ئۈچىنچى مەزھەپنىڭ
 ئىجادچىسى شاپىشى ^{JR} (820 - يىلى ۋاپات بولغان) .
 مەدنه ۋە ئىراق تەرەپنىڭ داھىلىرى بىلەن ئۇزاق ۋاقت مۇنازىرە
 ئېلىپ بارغاندىن كېيىن ، بۇ ئەسىرىدە ئسلام دىننىڭ ئومۇمىي
 قانۇن - تۈزۈملەرىنى ، كەلگۈسىدە ئاساس قىلىنىدىغان
 پىرىنسىپلىرىنى تۈزۈپ چىققان ، شۇنىڭدەك ، پەيغەمبەرنىڭ
 « قۇرئان » بىلەن مۇناسىۋەتلەك ھەدىسىلىرىنىڭ دائىرسى ۋە
 رولىنى ئالاھىدە بەلگىلەپ بەرگەن . بۇ ئۆچ ئەسر ئسلامىيەت
 مەدەنىيەت تارىخىدا مۇھىم ئەھمىيەتكە ئىگە بولغاندىن سرت ،
 ئۇلارنىڭ قانۇن توغرىسىدىكى چۈشەندۈرۈشلىرى ۋە مۇنازىرلىرى
 مەنتىقە ۋە مۇنازىردىن ئۇستۇن تۈرىدىغان نەسربى ئەسەرلەرگە
 ئاساس يارىتىپ بەرگەن . دەل مۇشۇ خىلدىكى نەسربى ئەسەرلەر
 كېيىنكى ئەۋلاتلاردىن يۇنانلارنىڭ ئەسلى پەلسەپە ئەسەرلىرى ۋە
 ئالاقدار مۇلاھىزلىرىنى مۇۋاپىقراق بولغان توغرىلىق ۋە جانلىقلق
 بىلەن ئەرەب تىلىغا تەرجىمە قىلىپ چىقىش ئىمكانييىتىگە ئىگە
 قىلدى . بۇنىڭ بىلەن ئىنتايىن جاپالىق بىر ۋەزىپە ئورۇنلاندى .

مۇشۇ دەۋرده تارىخ تەتقىقاتىمۇ راۋاجلىنىپ ، ھەدىسچىلىك
 ئىچىدىكى مۇستەقىل بىر پەن بولۇپ قالدى . مۇھەممەد ئىبنى
 ئىسماق (768 - يىلى ۋاپات بولغان) ئسلام دىنغا كىرگەن
 مېسۋپوتامىيەلىك بىر كىشىنىڭ نەۋىرىسى بولۇپ ، ئۇ مۇھەممەت
 پەيغەمبەرنىڭ دەسلەپکى دەۋرلەردىكى يىراققا يۈرۈش قىلىشغا
 دائىر ماقالىلارنى توپلاپ ، تۈنچى قىتىم بىرقەدمەر مۇكەممەل بولغان
 « پەيغەمبەرلەرنىڭ قىسىقچە تەرجىمەھالى » (« قىسىم سۇل
 ئەنبىيا ») نى تۈزۈپ چىققان ، بۇ كىتابنىڭ دەسلەپکى

ئورگىنالىنىڭ مەزمۇنى ئىنتايىن كەڭ بولۇپ، باشتا ئەمرەبىستاننىڭ
 جەنۇبىدىكى رىۋا依ەتلەر ۋە يەھۇدىلەرنىڭ تارىخي ماٗتېرىياللىرى
 ئاساسدا دەسلەپكى مەزگىللەردىكى پەيغەمبەر لەرنىڭ تارىخى
 يېزىلغان؛ ئاندىن مەركەزلىك حالدا مۇھەممەد پەيغەمبەر لەرنىڭ مەككە
 ۋە مەدىنىدىكى ھاياتى، ئۆتىگەن تارىخي ۋەزپىسى بايان
 قىلىنغان. ھەربىر ۋەقه توغرىسىدىكى ھەدىسلەر كۆپىنچە ئايىرم -
 ئايىرم، مؤسستەقىل حالدا بايان قىلىنغان، جۈملەدىن
 سۆزلىكچىلەرنىڭ بىر - بىرىگە ئوخشىمغان بايانلىرى قوشۇمچە
 قىلىنغان؛ مۇھىم ۋەقهلىر بولسا بىر ھىكايدە قىلىنغان ھەمدە ئاڭلىق
 حالدا، قەدىمكى «ئۇرۇش يىللەرى»¹⁹ دا ئادەت بولۇپ قالغان
 ھۈججەت ھەم شۇ ۋەقهگە ئالاقىدار مەزمۇنلىق داستان ۋە
 نەزمىلەردىن پايدىلىنىش ئۇسۇلى قوللىنىلغان. لېكىن، ئىهاقنىڭ
 جىمىكى پىلانلىرى مەدىنىدىكى دىندارلارنىڭ قارشىلىقىغا
 ئۇچرىغانلىقتىن چىڭىرىدىن قوغلاپ چىقىرىلغان. شۇنىڭدىن كېيىن
 ئۇ مىسىر ۋە ئىراقتا پاناھلىنىپ يۈرگەن. ئىراق خەلىپىنىڭ
 بىۋاستە ياردىمى ئارقىلىق ئاندىن بۇ خىزمەتنى ئورۇنلىيالىغان. بۇ
 ئەسەر نەشر قىلىنغاندىن كېيىن ئاپتۇر قىممىتى يوق ۋە يالغان
 ھەدىس داستانلارنى توپلىغان دېيىلىپ، قاتتىق زەربىگە
 ئۇچرىغان، لېكىن ئۇ ئەسەر يەنلا كلاسىك ئەسەر بولۇشقا
 مۇناسىپ بولۇپ، مىسىرلىق ئىبنى هشام (833 - يىلى ۋاپات
 بولغان)²⁰ نىڭ تەھرىرلەپ سېلىشتۈرۈشى ئارقىلىق بۇ ئەسەر
 مۇھەممەد پەيغەمبەر لەرنىڭ تۈرمۇش تارىخىنى تەتقىق قىلىشتىكى
 نوپۇزلىق مۇھىم ئەسەر بولۇپ قالدى.

كېيىنكى ئەۋلادلاردىن مەدىنە مەزھىبىدىكى يەنە بىر ئالىم
 ۋاقىدى (823 - يىلى ۋاپات بولغان)²¹ تارىخي ئەسەر لەرنى
 يېزىش دائىرسىنى زور دەرجىدە كېڭىتىكەن. ئۇ پەيغەمبەر لەرنىڭ

يىراققا يۈرۈش قىلغانلىقىغا دائىر ماقالىلار توپلىمىدىن ئىبارەت
يىرىك ئەسەرنى يېزىپ چىققاندىن باشقا ئىسلامىيەتنىڭ دەسلەپكى
ئىككى ئەسىرىدە ئۆتكەن نۇرغۇنلىغان مەشھۇر كىشىلەر ھەم
ۋەقەلەر ھەققىدىكى ئاغزادىكى ياكى يازما ماتېرىياللارنى توپلاپ
چىققان . ۋاقىدىمۇ ئوخشاشلا ھەرقايىسى مەزھەپلەرنىڭ تەنقىدىگە
ئۇچرىغان ، ئىشەنچلىسىز ياكى بىر تەرمەپلىمە رىۋا依ەتلەرنى
توپلىمىدى ، دەپ ئېبىلەنگەن بولسىمۇ ، لېكىن ئۇ توپلىغان
ماتېرىياللار (كۆپ قىسىمىنى ئۇنىڭ ۋارىسىرى رسالە سۈپىتىدە
رەتلەپ چىققان) يەنلا دەسلەپكى دەۋرلەردىكى خەلپىلەرنىڭ
تارىخىنى تەتقىق قىلىشتا كەم بولسا بولمايدىغان ماتېرىيالدۇر .

شۇ مەزگىللەردا ئىراققىكى بەزى ماتېرىيال يىققۇچىلار كۇفە
بىلەن بەسرە بويىسۇندۇرۇلغاندىن كېيىن شۇ يەردا ئولتۇراللىشىپ
قالغان ئەرەب قەبىلىلىرىنىڭ رىۋا依ەتلەرنى رەتلەشكە كىرىشكەن .
بۇ ئەسەرلەردا ئىسلامىيەتتىن بۇرۇنقى دەۋرلەردىكى ئەرەب
قەبىلىلىرىنىڭ مۇھىم ئالاھىدىلىكى ئەكس ئەتتۈرۈلگەن . ئۇنىڭدا
نۇقتىلىق ھالدا ئايىرسىم ۋەقەلىكەرنى يېپىدىن - يىڭىنسىغىچە
تەپسىلىي تەسۋىرلەش ۋە نەزمىلەردىن نەقل كەلتۈرۈش ئۇسۇلى
 قوللىنىلغان . شۇنىڭ بىلەن بىلە شۇ چاغدىكى سىياسىي
كۈرەشنىڭ جىددىي ئەھۋالى ئۆتكۈرلۈك بىلەن ئەكس
ئەتتۈرۈلگەن . گەرچە ماتېرىياللاردا بىر تەرمەپلىمىلىك ، ئۇشاق -
چۈشىشكەنلىك ھالقىلاردا ۋە يىل كۆرسەتكۈچلىرىدە مۇجمەللەك
بولسىمۇ ، لېكىن بايان قىلىنغان ھەر بىر ۋەقەگە بايان قىلغۇچى
ياكى تارقاتقۇچىنىڭ ئىسمى تەپسىلىي ئەسکەر تىلگەنلىكى ئۇلارنىڭ
توپلاش ئۇسۇلى جەھەتتە مەدىنە مەزھىبىنىڭ تەسىرىگە
ئۇچرىغانلىقىنى ئىسپاتلايدۇ . ئۇنىڭ تارىخىي قىممىتىگە سەل
قاراشقا بولمايدۇ . چۈنكى ، ئۇنىڭدا ئىسلامىيەتتىن كېيىنلىكى

بىرىنچى ئەسىرنىڭ تارىخىغا دائىر ئىچكى ئامىللار جانلىق تەھلىل قىلىنغان ، تىلغا ئېلىشقا ئەرزىيدىغىنى شۇكى ، ئۇنىڭغا بۈيۈك تەممۇم قەبىلىسىنىڭ رىۋا依ەتلرى كىرگۈزۈلگەن . بۇ رىۋايمەتلەرنى سەيىپ ئىبىنى ئومەر (796 - يىلى ۋاپات بولغان) ۋە دىمەكى دەۋردىكى « ئۇرۇش يىلىلىرى » غا مەنسۇپ نەزمە ماٗپرىياللارغا ئاساسەن ، يىراققا يۈرۈش مەزگىلىدىكى تارىخي رىۋايمەت شەكلىدە يېزىپ چىققان . سەيىپ ئىبىنى ئومەر ئەسەرلىرىنىڭ كۆپ قىسىمى تەبەرىنىڭ توپلىمغا كىرگۈزۈلگەن بولغاچقا . حازىرغىچە يېتىپ كەلگەن . ئۇنىڭ تەبەرى توپلىمغا كىرگۈزۈلۈشىگە دىنىشۇناس تەبەرىنىڭ ئومەرنى تارقاتقۇچى سۈپىتىدە ۋاقىدىنەمۇ مەشھۇر دەپ قارىغانلىقى سەۋەب بولغان .

تارىخ تەتقىقاتىغا ئەستايىدىل پوزىتىسيه تۇتىدىغان كىشىلەرنىڭ ھەننۇواسى تەنقىد ئۆسۈلى ئارقىلىق ، توپلىغان ماٗپرىياللارنىڭ ساختىسىنى شاللىۋېتىپ ، چىنىنى ساقلاپ قىلىش لازىمىلىقىنى چۈشىنىدۇ . بۇنداق تەنقىدىي پوزىتىسيه ھەدىس تەتقىقاتى بىلەن شۇغۇللانغان ئۆلىمالاردىن باشلاپلا راۋاجلانغان . بەسىرىلىك ئۆلىما مەدائىنى (840 - يىلى ۋاپات بولغان) ۋە سەرلىك ئورۇنلىغان . ئۇ ئىلگىرىكىلەر توپلىغان ماٗپرىياللارنى ، جۇملىدىن ئوبىيىدە ۋە ۋاقىدىلارنىڭ ئەسەرلىرىنىمۇ 230 پارچە مەخسۇس ماقلالا قىلىپ رەتلەپ چىققان . مەدائىنىڭ ئەسەرلىرى تولۇق ئىشەنچكە ئىگە بولغانلىقى ئۈچۈن ، كېيىنكى دەۋولەردىكى مۇھىم توپلامىلارنىڭ ئاساسىي مەنبەسى بولۇپ قالغان (بۇ ئەسەر مۇشۇ توپلامىلار ئىچىدە حازىرغىچە ساقلىنىپ كەلگەن) جۇملىدىن بۇ ئەسەرلەر ھازىرقى دەۋرنىڭ تەنقىدى ۋە سىنىقىدىن خېلى مۇۋەپپەقىيەتلەك ھالدا ئۆتتى .

بىز ئەمدى كىشىنى ھەيران قالدۇرىدىغان تۆۋەندىكى

پاکىتنى كۆرۈپ باقايىلى : ئىسلام دىنى دۇنياغا كەلگەندىن كېيىنكى
 ئىككى يۈز يىل ئىچىدە مۇسۇلمانلار جەمئىيىتىدە ئەرەب يېرىم
 ئارىلىنىڭ تارىختىن بۇرۇنقى تارىخى . پەيدا بولۇشى ۋە تەرەققى
 قىلىشىغا دائىر نۇرغۇن ماتېرىياللار توپلانغان . تېخىمۇ مۇھىم
 بولغىنى شۇكى ، بۇ ماتېرىياللارنى توپلاشتا ئۇلار تامامەن ئۆز
 كۈچىگە تاييانغان بولۇپ ، ئۇنىڭدا ۋىزانتىيە ۋە پارسلارنىڭ
 تەسىرىدىن ھېچقانداق ئەسەر يوق ، دەرۋەقە ، ئەرەب قەبىلىلىرىنىڭ
 تەرەپ - تەرەپكە قىلغان يۈرۈشى ۋە ئۆزئارا رىقابىتى تۈپەيلىدىن
 پەيدا بولغان تەبىئىي غۇرۇر بۇ خىل تارىخي ئويغىنىشقا مەددەت
 بەرگەن بولسىمۇ ، لېكىن ئۇنىڭ ئاساسىي سەۋەبى يەنلا دىن
 ئىدى . ئلاھىيەت نۇقتىئىنەزەرگە ئاساسلانغاندا ، تارىخ ئلاھىنىڭ
 سان - ساناقىسىز مەخلۇقلارنى ئىدارە قىلىش ئۆچۈن
 ئورۇنلاشتۇرغان سەھنىسىدىن باشقا نەرسە ئەمەس . سۇنى
 مەزھىپى بىلەن شىئە مەزھىپىنىڭ دەسلەپكى مەزگىللەردىكى
 بۆلۈنۈشى بىلەن مۇسۇلمانلار جەمئىيىتى بۇ قىتىمى بۆلۈنۈشنى
 پەيدا قىلغان سەۋەبلىرىنىڭ دائىر بەزى ۋەقەلەرنىڭ مۇھىم
 ئەممىيىتىنى تونۇۋالدى . شۇنى كۆرۈۋالايمىزكى ، تاكى مۇشۇ
 دەۋرنىڭ ئاخىرىقى يىللەرنىڭ سىياسىي بىلەن دىننىڭ تالاش -
 تارتىشى يەنلا ئۆزئارا چىرمىشىپ كەتتى . بۇ نۇقتىمۇ ئىنتايىن
 مۇھىم ، چۈنكى ھەر قايىسى مەزھەپنىڭ ئەزىزلىرى مەزھەپچىلىكىنى
 مەڭگۈلۈك يۇقتۇرۇۋالغان بولسىمۇ ، تارىخ تەتقىقاتى ساھەسىدىكى
 ئاتالىش ئاساسلىق زاتلار ھەدىشۇناسلىققىن تەنقىدىي تەھلىلىنىڭ
 ئامىللەرنى ئۆگىنىۋالدى . بۇنداق تەنقىدىي تەھلىل ئارقىلىق
 ئەرەبلىرىنىڭ كاللىسىغا ئورنىشىپ كەتكەن ئاسانلا ئىشىنىپ
 كېتىش ، رومانسىز ملىقتهك ئالاھىدىلىكلىرى تەجربىچىلىكىنىڭ
 چەكلىمىسىگە مەلۇم دەرجىدە ئۇچرىدى ، شۇنىڭدەك تەنقىدىنىڭ

ئۆلچىمىگە ئاز - تولا ئېتىبار بېرىلىدىغان بولدى. كېيىنكى چاغلاردىكى ئەرەب ۋە ئىسلامىيەت تارىخشۇناسلىقنىڭ ئاساسى مانا شۇ، شۇنىڭدىن باشلاپ تارىخشۇناسلىقنىڭ دائىرسى تېخىمۇ كېڭىيەدى. يولي تېخىمۇ كۆپەيدى. ئۇ ھەرقايىسى رايونلاردىكى ئىسلام مەدەنىيەتنىڭ ئاييرىلماس بىر قىسى بولۇپ قالدى.

ۋەزىر - ۋۆزرا ۋە ئۆلىمالار ئەرەب نەسرىي ئەسەرلىرىنىڭ يېڭى قۇرۇلمىسى ئۈستىدە باش قاتۇرۇپ ئىشلەۋاتقان چاغدا، شۇ دەۋردىكى ئىجتىمائىي ھاياتنىڭ ئېقىمى ۋە ئۆزگىرىشى يەنلا ئۆزلۈكىسىز تۈرده شېئرىيەتتە بەدىئىي ئىپادىسىنى تاپتى، ئىسلام جەمئىيەتى پارس مەدەنىيەتى ۋە ئارامىي مەدەنىيەتى دۈچ كەلگەنلىكتىن، مۇھەببەت ۋە نەپەرتتن ئىبارەت ھېسسىيات ۋە ئىنکاس كەڭ تۈرده قوزغالدى. بۇ خىل ھېسسىيات شېئرىيەت ئارقىلىق ئەركىن ھالدا ئەكس ئەتتۈرۈلدى. مەسىلەن، مۇشۇ دەۋرنىڭ باشلىرىدا (روشنىكى، ئۇ ۋەلىد ॥ نىڭ ئىلها ملائىندۇرۇشى بىلەن بولغان) بەسىرىدە ئىككىنچى ئورۇنىدىكى شائىرلار ئېقىمى پەيدا بولدى. ئۇلارنىڭ كىنایىلىك ئەسەرلىرى، ھەتتا قوپال نەزمىلىرى ئىراقتنىن ئىبارەت يېڭى گۈللىنىۋاتقان، سۆلەتۋاز جەمئىيەتنىڭ ماختىشقا ئېرىشتى، ئۇ ھەتتا خان سارىيغا ئېلىپ كىرىلدى. نوتىغا ئېلىنىپ، شەخسلەرنىڭ خۇپىيانە ئۆيلەردىكى كۆڭۈل ئېچىش ئېھتىياجى قامدالدى. بۇ چاغدا ئۇمەۋىيە خەلىپلىكى دەۋردىكى باشقۇ شېئرىيەت مەزمۇنلىرىنى يەنە داۋاملاشتۇرۇش مۇمكىن بولسىمۇ، لىكىن ئۇنىڭغا پەيدىنپەي بەزى يېڭى ئامىللار سىڭەندى. بۇ چاغدىكى ئەڭ مۇۋەپەقىيەتلەك سىناق ئابباس ئىبنى ئەھنەف (تەخىمنەن 807 - يىلى ۋاپات بولغان) ④ ئىجاد قىلغان ئاتلىق ئەسکەرلەرنىڭ مۇھەببەتى ئىزهار قىلىنغان ئېسىل غەزەل ئىدى. بۇ ئۆزگىرىش ئاساسلىق شائىرلار

ئارىسا مەلۇم دەرىجىدە « قەسىدە » شەكلى خاھىشىنى ئۆزۈلۈكسىز تەتقىق قىلىش نامى بىلەن يوشۇرۇنغان بولسىمۇ ، لېكىن بۇنداق شېئىرىيەت شەكلى ئۆمەۋىيە خەلپىلىكى زامانىسىدىكىگە قارىغاندا قائىدە - يوسۇن رولىنى بەكرەك ئويىندى . بولۇپمۇ شائىرلارنىڭ ئىش ھەققى « قەسىدە » نىڭ ئۆزۈن - قىسىقلۇقىغا قاراپ ھېسابلىنىدىغان چاغدا تېخىمۇ شۇنداق بولىدى . لېكىن ، « قەسىدە » مۇ تۆۋەندىكىدەك بىر قانچە تەرەبىنىڭ تەسىرىدىن خالىي بولالىمىدى . (1) پايدىلىق تەرەب شۇكى ، يېزىقىنىڭ راۋان ، ئىخچام بولۇشى تەلەپ قىلىنغانلىقى تۈپەيلى ئەرەب ئورتاق تىلىنىڭ توغرىلىقى ۋە كۆپ خىللەقىغا زىيان يەتمىدى . شۇڭلاشقا « قەسىدە » ۋە « ساتىرا » قاتارلىق ئەسەرلەرنىڭ مەزمۇنى خىلمۇ خىل ، ئۆزىگە خاس ئىجادىي روھقا ئىگە ئىدى . (2) يەنە بىر تەرەپتىن ، بۇ ئەسەر ئىچىدىكى شېئىرلار ھەققىي شېئىرىيەت سەنئىتىنىڭ زاۋاللىقىا يۈز تۈتۈپ ، سۇنىشىي ماھارەتنىڭ پەيدىنپەي باش كۆتۈرۈۋاتقانلىقىدىن دېرەك بېرەتتى . مەسىلەن ، سۆز گۈزەللىكىنى قوغلىشىش نەتىجىسىدە ، يوشۇرفۇن ۋە ئوچۇق ئوخشتىش شەكلى بارلىققا كەلدى . بۇ ، تەمىزلىق گۈزەللىكىنىڭ ناتوغرى ئەسەرلىرىنىڭ قۇللىنىش شەكىل « بولغاچقا ، ئەرەب تىلى مورفولوگىيىسىنىڭ قوللىنىش دائىرىسىنى ئۆستىلىق بىلەن كۆرسىتىپ بەردى : لېكىن ، تىلىشۇناسلار بۇنى ناتوغرى ئەسەرلىرىنىڭ « بەدىئىلىك » ، يەنى « يېڭىلىق ۋە غەلىتلىك » ⑤ دەپ ئاتىدى . ئەمما شائىر بەشار ئىبنى بۇردى (784 - يىلى ۋاپات بولغان) ⑥ نىڭ ئەسەرلىرىنى مەلۇم دەرىجىدە مۇشۇ تىپقا كىرگۈزۈش مۇمكىن ، بۇرد ئىراندا تۇغۇلغان بولۇپ ، چەت ئەل تەۋەلىكىدىكى تۇنجى ئاساسلىق ئەرەب شائىرى ھېسابلىنىسىدۇ . تۆۋەندىكى ئۇنىڭ ئاشكارا ئوخشتىش

خاراكتىرىدىكى مەشھۇر شېئىرلىرىدىن بىرى:

باشلىرىغا جەڭ - جىدەللەردىن توزان قونسۇن تامام ،
سانجىلار كوك قەھرىگە تىغىلار ئاقار يولتۇزىمان .

كىشىلەر ئادەتتە مىڭ بىر جاپا بىلەن ئىشلەنگەن ، ئۇنىڭ
ئۇستىگە ئاشكارا ۋە يوشۇرۇن ئوخشتىش ئۆسۈلى قوللىنىلغان
بۇنداق « قەسىدە » نىڭ ھەننۇۋاسىنى كېيىنكى ئەۋلاد شائىر
مۇسلىم ئىبنى ۋەلىد ⑤ كە مەنسۇپ قىلىدۇ . بەزى ئوبىزورچىلار
ۋەلىدكە بە كەمۇ چوقۇنىدۇ . بەزىلىرى بولسا ئۇنى « شېئىرىيەتنى
ئەڭ بۇرۇن بۇزغان ئادەم » دەپ ھاقارەتلەيدۇ . لېكىن ،
ئوردىكى قوغدىغۇچىلار تىلشۇناسلارنىڭ بۇنداق ئېيبلېشىگە
پىسەنت قىلماي ، كەڭ ۋە كۈچلۈك مددەت بېرىپ ، بۇ يېڭى
شەكىلىنىڭ ئومۇمىيۇزلۇك ئېتىراپ قىلىنىشىغا تىرىشچانلىق
كۆرسەتكەن .

يۇقىرىقىلارنىڭ ھەننۇۋاسى كېيىنكى ۋاقتىلاردا بولغان
ئەھۋال ، شۇ دەۋر شېئىرىيەت مۇنېرىدىكى ئاتاقلقىق شائىر ئەبۇ
نوۋاسىنىڭ ئەسەرلىرىدىن بۇ خىل « ماھارەتنىڭ ساقىندىسى » نىمۇ
تاپقىلى بولمايدۇ . يېرىم پارس قانداشلىقىدىكى ئەبۇنوۋاس ئۆسمۈر
ۋاقتىدىلا بەسرە مەزھىبىدىكى شائىرلارنى ئۇستاز تۇتقان . ئەرەب
شېئىرىيەتتىدە ماھارەت جەھەتتە ئۇنىڭدەك تالاتلىق كىشى ناھايىتى
ئاز تېپىلىدۇ . ئۇنىڭ نەزملىرى نەپس بولۇپ ، سۆز تاللاشقا
بە كەمۇ كۈچ سەرپ قىلغان . مەشھۇر قەدەھ كۈيىدە ئۇنىڭ ئاجايىپ
ماھارەتى نامايان بولغان . ئۇنىڭ نەزملىرىگە غەلتە ، قىزىقارلىق ،
شاللاقلقىق ، كىنايىلىك ، ھەتتا تېتىقىسىز جۇملىلەرمۇ ئارىلاشقان
بولۇپ ، بۇ كىشىگە خۇددى تۆت تەرەپكە تەڭ ئېتىلىۋاتقان ئوقىيانى
ئەسلىتىدۇ . بولۇپمۇ ئۇ ئەرەب يېرىم ئارىلىنىڭ شىمالىدىكى

قەبىلىلەرگە شىددە تلىك ھۇجۇم قىلىپ (ئۇ ۋۆزىنىڭ يەمەنلىكلىرى
 بىلەن ئىچقۇيۇن - تاشقۇيۇن بولۇپ كەتكەنلىكىدىن
 پەخىرىلىنىدۇ) . ئۇلارنىڭ نىقاپىنى يېرتىپ تاشلايدۇ ،
 نۇۋاسىنىڭ ئۆتكۈر قەسىدىلىرى ، ئىمكانىيەت قالدۇرۇلمىغان
 ساتىرىلىرى ، قوپال لىرىكىلىرى ، سۆزلىرى جايىدا ئىشلىتىلىگەن
 بەدۇلەر ئۇسلۇبىدىكى ئۇۋا ناخشىلىرى (ئۇ ئەدەبىياتنىڭ بۇ خەل
 ڇانسىنى تىرىلدۈرگەن) ئۇنى ئەرەب ئەنئەنسىگە مەنسۇپ ئەڭ
 ئاخىرقى ناتۇرالىزم مەزھىپىدىكى نەزمىچى شائىرغا ئايلاندۇرۇپ
 قويغان . ئۇنى ئەڭ ئاخىرقى بىرى دېيىشىمىزنىڭ سەۋەبى شۇكى ،
 يەنە بىر تەرەپتىن ، ئۇ ۋە ئۇنىڭ زامانداشلىرى ئەرەبلەرنىڭ
 ئۆلچەملىك شېئرىيەتىگە دەرھال تەسەر كۆرسەتكەن يېڭى
 تەرەققىياتقا ۋە كىللەك قىلالىغان . شۇنىڭدىن كېيىن شائىرلار
 شېئرىيەت سەنىتىنى پەقهت پېشقەدە مەلەردىنلا ئۆگىنىدىغان
 بولغان . تىلىشۇناسلار مەزھىپى راۋا جلانغاندىن كېيىن ، بولۇپمۇ
 بەسىرىدە شائىرلار تىلىشۇناسلاردىن سىتىملىق تەربىيە ئېلىپ ،
 ئۆز كەسپىنى مۇكەممەللەشتۈرۈشكە باشلىغان . بۇنداق قىلىشنىڭ
 سەۋەبى ناھايىتى ئېنىق بولۇپ ، شائىرلار ۋە تىلىشۇناسلار ،
 شېئرىيەت ئەرەب تىل سەنىتىدىكى پاكلىق ئەنئەنسىنىڭ
 ئىشەنچلىك كاپالىتى بولسا ، « قەسىدە » شائىرلارنىڭ بۇنداق
 بەدېشى ماھارەتنى ئىگىلىشىنىڭ ئەڭ ئالىي گۇۋاھچىسى
 ئىكەنلىكىگە چۈڭقۇر ئىشەنگەن . بىراق ، بۇنداق تەشەببۇسىنىڭ
 نەتىجىسىدە شائىرلار ئۆزىنىڭ سەنىتىگە ئازدۇر - كۆپتۈر
 تىلىشۇناسلىق نۇقتىشىنەزەردىن مۇئامىلە قىلىدىغان بولغان ،
 شېئرنىڭ ياخشى - يامانلىقىغا باها بېرىشنىڭ تىلىشۇناسلىق
 جەھەتتىسىكى ئۆلچىمىنى قوبۇل قىلغان ، بولۇپمۇ ئىسلامىيەتتىن
 بۇرۇنقى دەۋرلەردىكى شېئرىيەتتىڭ ئۆلچەمگە چۈشمەيدىغان

ئار تۈقچىلىقىنى باهالاشتا ئېھتىمال مۇشۇ سەۋەبلەر تۈپەيلىدىن ئەرەب شېئرىيىتىدە كېيىنكى بىرقانچە ئەسەر داۋام قىلغان ئەندىز چىلىك كېلىپ چىققان بولۇشىمۇ مۇمكىن . ۋەھالەنكى ، يېڭى شەكىلىدىكى ماھارەت بىلەن بىرلەشتۈرۈپ قالغاندا . بۇ خىل ئەندىز چىلىك سەۋەبدىن شېئرىيەت بەزى كالتە پەم شائىرلارنىڭ قولىدا ئاجىزلىشىپ قانداقتۇر بىر خىل كونىراپ كەتكەن تېمىلارنى ئۆلۈك ھالدا تەقلىد قىلىپ ئىشلەشكىلا ئايلىنىپ قالغان ، پەقت كۆرۈنۈشە بەزى ئوخشتىشلا ئىشلىتىلگەن بولسىمۇ .

ئەلۋەتتە شائىرلارنىڭ ھەممىسلا بۇ خىل ئامىلىنىڭ تەسىرىگە ئۆچرىمىغان . ئەبۇنۇۋاس بىلەن زامانداش بولغان ئەبۇل ئەئتاهىيە (826 - يىلى ۋاپات بولغان) ۋە خلاققا دائىر تەربىيىئى شېئىر يېزىپ ئەندىزىدىن ئۈزۈل - كېسل ئادا - جۇدا بولۇشقا جۈرئەت قىلغان . ئۇ تېخىمۇ كۆپ ئاڭلىغۇچىنى قولغا كەلتۈرۈش ئۆچۈن ، ۋەزىن جەھەتتىكى بارلىق كونا قائىدە - يوسۇنلارنى چۈرۈپ تاشلاپ ، ئاددىي ، ئىخچام خەلق تىلىنى قوللانغان ، ھەتتا يېڭى ۋەزىن قائىدىسىنى سىناق تەرقىسىدە قوللانغان . ئەئتاهىيەنىڭ قابىلىيىتى ۋە ماھارتى نوۋاسقا يەتمىسىمۇ ، لېكىن ئۇنىڭ ئېرىشكەن شۆھرتى ئوردىلاردا كىشىلەر ياقتۇرۇپ قالغان بەزى تېتىقىسىز ئەسەرلەرنىڭكىدەك ئۈزۈققا سوزۇلدى . ئۇ بۇنىڭغا مۇناسىپ ھالدا « ئەرەب دىنىي داستانلىرىنىڭ ئاتىسى » دەپ نام ئالدى . شېئرىيەت مۇنېرىدە ئەئتاهىيەنىڭ ۋەزىن جەھەتتىكى قالاق ئادەتتن ئادا - جۇدا بولغانلىقىنى دورىيالىغان بىرمۇ كىشى چىقىمىغان بولسىمۇ ، لېكىن بەسەرە كۈچلىرىدىكى دىن تارقاتقۇچىلار ۋە خەلق ناخشىلىرى ئىچىدىن ئۇنىڭ ۋارىسلەرى تېپىلاتتى . ئۇلار ھەددىدىن زىيادە كۆرەڭلەپ ھال تارتقانلىقى ئۆچۈن ، ئۇلارنىڭ ئەسەرلىرى تېپىك

ئەرەب ئەنئەنسىدىن تېخىمۇ يېراقلىشىپ كەتتى .

2 - باسقۇچ

(مىلادى 813 - 945 - يىللار)

تۆت يىللق جاپالىق ئۇرۇشتىن كېيىن ، ھارۇن رەشىدىنىڭ ئوغلى مەئمۇن ② باغدادنى ئىگىلىدى . شۇنىڭدىن كېيىن ئەرەب ئەدەبىياتىدا يېڭى بىر بەت ئېچىلدى . مەئمۇنىنىڭ ئانسى پارس بولۇپ ، مەئمۇن باللىق دەۋرىنى يېرىسىدە ئۆتكۈزگەن ؟ كېيىن ئۇ ئاساسەن پارس قوشۇنلىرىغا تايىنىپ تەختكە چىققان . زېھنى جەھەتتە مەئمۇنىنىڭ بىلىمى گىند سابۇر مەزھىپى ۋە كىللەك قىلغان ماداراچىلار ئېقىمغا مايىل ئىدى . ئۇ يۇنان پەلسەپسى ۋە ئىلمى ئەسرلىرىنى تەرجىمە - تەتقىق قىلىش ئىشىغا ئىلهاام بېرىش يۈزىسىدىن باغدادتتا « ھېكمەت ماكانى » (« بەيتۈلھېكمەت ») ناملىق بىر مەدرىس قۇرغان ، جۈملەدىن ئۇ يەردىكى مەزھەپ ۋە پەلسەپىۋى مۇزاکىرىلەرگە قىزغىن قاتناشقان ، كېيىن مەئمۇنىنىڭ ئىككى ۋارىسىمۇ ئۇنىڭ ئۆسۈلىنى دورىغان . شۇڭا ، كېيىنكى چارەك ئەسىردى ، يۇنان مەدەنىيەتنىڭ تەسىرى پۇتۇن ئىمپېرىيىگە تولۇق ۋە ئەركىن تارقالغان . كەسکىنرەك ئېيتقاندا ، شۇ چاغدىكى ئىلمى تەتقىقات بىلەن شۇغۇللىنىدىغانلارنىڭ كۆپچىلىكى باشقا دىندىن ئىسلام دىنىغا كىرگەنلەر بولۇپ ، بۇلار ئېچىدە ئەرەبلەر ئازراق ئىدى . ئۇلار شەرق دۇنياسىنىڭ پەلسەپە ھەقىقىتىنى شۇبەمىز قوبۇل قىلىش پوزىتىسىسىنى ۋە پەلسەپە ھەقىقىتىدە مەۋجۇت بولۇپ تۈرۈۋاتقان يېرىم دىنى خاراكتېرلىك شۆھەتنى ئىسلامىيەت ئىلمى ساھەسىگە ئېلىپ كىرگەندى . ئالاقىنىڭ ئۈزلۈكىمىز كۈچىيىشى ، ماددىي ۋە ئىقتىسادىي تەرەققىياتىنىڭ

ئۈزلىكىسىز كېڭىيىشى بىلەن غەربىي ئاسىيا زىيالىلىرى ئارىسىغا تارقالغان يۇنانىنىڭ مەددەنلىي مىراسلىرى مەددەنلىيەت ساھەسەننىڭ ھەممە تەرەپلىرىدە دېگۈدەك ئەرەب ۋە ئىسلام ئەنئەنسىگە مۇسابىقە ئىلان قىلغان . كېيىنكى ئىككى يېرىم ئەسىر ئىچىدە ، مەيلى دىنىي ياكى غەيرىي دىنىي ئەرەب ئەددەبىياتى بولسۇن ، ھەممىسى يۇقىرىقى زىددىيەت تۈپەيلىدىن كېلىپ چىققان جەلب قىلىش كۈچى ياكى چەتكە قىقىش كۈچىنىڭ تەسىرىگە ئۇچرىغان .

بىز بۇ يەردە ئىلىم - پەن ۋە پەلسەپە جەھەتلەردىكى تېخنىكىلىق ئەسەرلەرنى تەتقىق قىلىدىغان بولساق ، تېمىدىن يېراقلىشىپ كېتىشىمىز مۇمكىن . ئەمما ، ئەگەر بۇ جەھەتتىكى ئاساسلىق كىشىلەر ئۈستىدە توختالمايدىغان بولساق ، يۇنان مەددەنلىيەتتىنىڭ تارقىلىشنىڭ مۇھىملقى ۋە ئۇلار تونۇشتۇرغان مەخسۇس ئىلىم - پەن دائىرىسىنىمۇ چۈشىنەلمەي قالىمىز . نۇرغۇن ئەسەرلەرنى ھەممىدىن ئاۋۇال تەرجىمە قىلغان تەرجىمان بائالىپكىلىق قۇستى ئىبنى لۇقا^④ بولۇپ . ئۇ ئارىستوتىپ ۋە ئۇنىدىن كېيىنكى يازغۇچىلارنىڭ نۇرغۇن ئەسەرلىرىنى تەرجىمە قىلغان . ئۆزىمۇ ماتېماتىكا ، ئاسترونومىيە ۋە باشقابەنلەر ساھەسىدە نۇرغۇن ئەسەر يازغان يازغۇچى . لېكىن ، لۇقا ھۇنەين ئىبنى ئىساق (873 - يىلى ۋاپات بولغان)^⑤ قا يەتمەيدۇ . ئىساق ئەپلاتون ۋە جالىن ئەسەرلىرىنى تەرجىمە قىلغان بولۇپ ، ئانا تولىيە دە يۇنان تىلىنى ئۆگەنگەن ، يۇنان پىراۋىسلاۋىيە مەزھېپىنىڭ^⑥ تەسىرىدە خىرىستىئان دىنىدىكى بەختىياشۇ^⑦ قەۋەمنىڭ ئورنىنى ئىگىلەپ خەلىپىگە مەخسۇس دوختۇر بولغان (بەختىياشۇ قەۋەمنىدىكىلەر بۇ ۋەزىپەنى بىر نەچە ئەۋلادقىچە ئىگىلەپ تۇرغانىسىدى) . تەرجىمانلارنىڭ قىزغىنلىقى بەزىدە ئېھتىياتلىق دائىرىسىدىن ھالقىپ كېتىپ ، نۇرغۇن خاتالىقلارمۇ كۆرۈلگەن .

مەسلەن ، پىلۇتن ^④ نىڭ « توققۇز پارچە ئەسىرى » نىڭ بىر
 نەچچە پارچىسى « ئارستوتېل ئىلاھىيەت توغرىسىدا » دېگەن
 تېمىدا ئوتتۇرىغا چىققان ؛ ئۇنىڭ بۆكىنى بۇنىڭغا كېيگۈزۈشتك
 بۇنداق ئەھۋال ھېج كىشىنىڭ گۇمائىنى قوز غىمىغان . بۇ ئەسەر
 مۇسۇلمانلار كېلىشتۈرمە كچى بولۇۋاتقان پەلسەپە قالايمىقانچىلىقى
 ئىچىدە باشتىن - ئاخىر تېخىمۇ قالايمىقانچىلىق پەيدا قىلىدىغان
 ئامىل بولۇپ قالغان . ئەرەب پەيلاسوپلىرى ئارسىدا
 كىندى (850 - يىلى ۋاپات بولغان) يۇنان مەسىلىسىنى بىرىنچى
 بولۇپ تەتقىق قىلىپ داڭق چىقارغان ئالىم . كىندى ساپ ئەرەب
 قان سىستېمىسىدىن بولغاچقا ، « ئەرەب پەيلاسوپى » دېگەن
 چىراىلىق نامغا ئېرىشەلىگەن . ئۇ يۇناننىڭ ھەممە پەنلىرىنى تەتقىق
 قىلىپ ، مۇزىكا ، ئاسترونومىيە ، تىبا به تېچىلىك ۋە ئەدەب - ئەخلاق
 تەلىماتى ، لوگىكا ، مىتافىزىكا ^⑤ جەھەتلەرنى ئۆز ئىچىگە ئالغان
 265 پارچە ئەسەر يازغان . ئۇنىڭ ئەدەب - ئەخلاق تەلىماتى
 توغرىسىدىكى ئەسىرىدە ، كېيىنكى دەۋرلەردىكى يۇنان مەددەنېيتى
 تەتقىقاتچىلىرىنىڭ ئەپلاتون ئىلەمىي ئېقىمى . ئۆزى بەگ - ئۆزى
 خانلار ئىلەمىي ئېقىمى ۋە سىدوگى ئىلەمىي ئېقىمىنى بىرلەشتۈرۈپ
 بىر گەۋدىگە ئايلاندۇرغانلىقى ئەكس ئەتتۈرۈلگەن . كىندىنىڭ
 ساقلىنىپ قالغان مىتافىزىكىلىق ئەسەرلىرىدە ، ئۇ بارلىق مۇسۇلمان
 پەيلاسوپلارغا ئوخشاش ، ئىسلام دىنىنىڭ دۇنياغا كېلىشىگە دائىر
 تەلىماتلارنى ئارستوتېل بىلەن بىرلەشتۈرمە كچى بولغان . ئۇ بۇ
 ئەسىرىدە نو قول ئەقلېي بىلىش خاراكتېرىلىك تەتقىقات ھوقۇقىغا
 ئىگە بولۇش لازىلىقىدىن ئىبارەت مەشھۇر بىر تەلەپنى ئوتتۇرىغا
 قويۇپ مۇنداق دەيدۇ . « بىز ھەقىقەتنى ، مەيلى ئۇنىڭ قاياقتىن
 كېلىشىدىن ، ھەتتا يات ، يىراق ئىرق مىللەتلەردىن كېلىشىدىن
 قەتئىنەزمر ، قىلچە تارتىنىماي قەدىرىلىشىمىز ۋە قوبۇل قىلىشىمىز

دەسلەپکى مەزگىللەردىكى ماتېماتىكا تارىخىدا ئەبۇبەكرى خارەزمى ^⑤ (تەخمىنەن 844 - يىلى ۋاپات بولغان) ئەڭ مەشھۇر ھىسابلىنىدۇ . مەئمۇنىڭ ئىلها ملان دۇرۇشى بىلەن ئۇ يۈنانىڭ ماتېماتىكا ۋە ئاسترونومىيگە دائىر ئەسەرلىرىنى ئوقۇپلا قالماي ، بىر نەچە يىل بۇرۇن ئەرەب تىلىغا تەرجىمە قىلىنغان ھىندىستان رەقەم تۈزۈمىنى تەتقىق قىلغان . ئۇ ھىندى رەقەملرى ئارقىلىق رەقەملەرنى ساناش ئۆسۈلىنى ئىلاھ قىلغان . ئۇنىڭ ئالىكىبرا ۋە ئاسترونومىيگە دائىر ئەسەرلىرى لاتىن تىلىغا تەرجىمە قىلىنغاندىن كېيىن ، ئون خانلىق رەقەم (ئەرەب رەقىمى) ياؤروپاغا تارقالغان . پۇتكۈل ئوتتۇرا ئەسەر دەپ نام بېرىلگەن . ئەبۇبەكرى خارەزمى كىندىنىڭ بەتلەموس جۇغراپپىسىنى تۈزۈپ بەرگەن . ئوتتۇرا قەدىمكى دەۋرگە مەنسۇپ ئاسترونومىيە ئەسەرلىرى بىلەن نام چىقارغانلار ئىچىدە ئەبۇبەكرى خارەزمىنىڭ زامانىدىشى پەرغانى ^⑥ كىندىنىڭ شاگىر تلىرى ئەبۇ مەئىشەر ^⑦ (886 - يىلى ۋاپات بولغان) بىلەن بەتتائى ^⑧ (929 - يىلى ۋاپات بولغان) بار ، تىبا به تىچىلىك جەھەتتە جالىن قالدۇرۇپ كەتكەن تىبا به تىچىلىك ئەسەرلىرىنى ئىبىنى ماشاؤخ (859 - يىلى ۋاپات بولغان) راوا جلان دۇرغان . ئوتتۇرا ئەسەردىكى تىبا به تىچىلىك ئەڭ ئۇلۇغ ئۇستىسى رازى ^⑨ (تەخمىنەن 930 - يىلى ۋاپات بولغان) بولۇپ ، ياؤروپا بىقلار ئۇنى ئادىتى بويىچە رازىس دەيدۇ . رازىنىڭ ئۆمرىنىڭ كۆپ قىسىمى پېرسىيىدە ئۆتكەن . ئۇ باغداد دوختۇر خانسىدا باش دوختۇر بولغان . رازىنىڭ ئەرەب تىلىدىكى ۋە ئوتتۇرا ئەسەر لاتىن تىلىغا تەرجىمە قىلىنغان ئەسەرلىرى ھازىرغىچە تارقىلىپ كەلمەكتە ، ئۇلارنىڭ ئىچىدە ئۇنىڭ مەشھۇر ئەسەرى « تىبا به تىچىلىك

قوللانيمىسى» («ئەلھاۋى»)، بىر نەچچە پارچە تىزىسى ۋە بىرمۇنچە مەخسۇس ماقالىلىرى، جۇملىدىن چىچەك توغرىسىدىكى مەشھۇر ماقالىمىسى بار. ئۇنىڭ كېلىنىكىلىق دىئاگنوزغا دائىر پاكىتلىق دوكلاتى كىشىنى ئالاھىدە جەلب قىلىدۇ. ئۇ كېيىنكى رەسمى تارىختا يېزىپ قالدۇرۇلمىغان ۋە قەلەرنى توپلىغۇچىلارنىڭ ماتېرىيال مەنبەسى بولۇپ قالغان. ئۇ پەلسەپە جەھەتتىمۇ تولۇپ تاشقان ئىجادىي روھقا ئىگە كىشى بولۇش سۈپىتى بىلەن بارلىق دىنغا گۈمانىي پوزىتىسىيە تۇتقانلىقى ئۇچۇن، ھەرقايىسى تەرەپلىرىنىڭ قارشى تۇرۇشغا ۋە زەربىسىگە ئۇچرىغان، شۇڭا ئۇنىڭ پەلسەپە ئەسەرلىرىدىن ھازىرغىچە ناھايىتى ئاز بىر قىسىملا ساقلىنىپ قالغان.

يۇنان مەددەنېيتىنىڭ قايتا باش كۆتۈرۈشى ئالدى بىلەن دىنىي ساھىدە ئىنکاس قوزغىدى. بۇنداق بولۇشى چۈشىنىشلىك بولۇپ، ئۇ چاغدا تارقالغان يۇنان پەلسەپىسى يېڭى ئەپلاتون ئېقىمى ئىدى. شۇڭا، نوقۇل ئەپلاتون ئېقىمىنىڭ پان ئىلاھىچىلىق پەلسەپە كۆزقارشى بىلەن «قۇرئان» دىكى مۇقەددەس بىر خۇدالىق نەزەرىيىسى ئوتتۇرسىدىكى مۇناسىۋەت شۇ چاغدىكى ۋەزىيەتنىڭ تەقەززاسى بولۇپ قالغانىدى. ئىسلامىيەتنىڭ بىرىنچى ئەسەرىدىلا ئەرەبلىر ئارىسا بۇ مەسىلىنى تەتقىق قىلىش جەھەتتە ئاز - تولا ئىزدىنىش بولغان. بەلكىم بۇ خىستەنلارنىڭ سۈرىيىدىكى بەس - مۇنازىرىسىنىڭ نەتىجىسى بولۇشى مۇمكىن. بەس - مۇنازىرىنىڭ تۈگۈنى ئالدى بىلەن، ئىنسانىيەتتە ئەنئەنچىلىرىنىڭ «تەقدىرچىلىك» ئەقىدىسىگە نىسبەتەن ھەققىي ئەركىنلىك بارمۇ - يوق دېگەن نۇقتىغا مەركەزلىشكەندى. چەتنىڭ تەسىرى بارغانسىرى كۈچىيۋاتاتتى. ھەركەتنىڭ بېرىپ تاقلىدىغان دائىرىسى كۈنساين

كېڭىسۈراتاتتى . بۇ چاغدا مۇئىەزىللەر^④ دەپ ئاتىلىدىغان
 ماداراچىلار ئوتتۇرىغا چىقىتى . ئۇلار ئايىرلىغۇچىلار ياكى
 بىر تەرهپىلەر دەپمۇ ئاتىلاتتى . « مۇئىەزىللەر »
 « تەقدىرچىلەر » نىمۇ ئۆز ئىچىگە ئالاتتى . ھەدىشۇناسلار بۇنى
 سەزگەن بولسىمۇ ، لېكىن ئۇنىڭ تەركىيەتىنى تو سۇشقا ياكى
 ئۇنى تىزگىنلەشكە تېخى كۈچى يەتمەيتتى . ئارىستوتېلىنىڭ لوگىكا
 ئىلمىي بىلەن يېتىشتۈرۈلگەن ۋە يۇنانىنىڭ ئىلمىي مۆجىزىلەرىگە
 ئوتتىك قىزىقىۋاتقان ، تەربىيە كۆرگەن جەمئىيەت بۇ
 مۆجىزىلەرنىڭ ئالدىنلى شەرتىنى مۇقەررەر حالدا قوبۇل قىلدى .
 شۇنىڭ بىلەن قاندۇرۇپ بولمايدىغان ئىلمى تەشانلىقى قوز غالدى .
 بۇنىڭدىن باشقا دەسلەپكى « مۇئىەزىللەر » ئۆزىنىڭ
 ئىسلام دىنىنىڭ « دۇئالىزم » لىق غەيرى تەلىماتلىرىغا قارشى
 تۇرغۇچى قىزىغىن جەڭچىلەر ئىكەنلىكىنى ئىسپاتلاپ قويغانىدى
 بۇ خىل دۇئالىزم تەلىماتلىرى شۇ زامانلاردا ئىراقتا بىر مەھەل كەڭ
 ئەۋچ ئالغان . ئۇلار پەقەت دىن تارقاتقۇچىلىق رولى بىلەنلا
 قانائەتلەنگىنى ئۈچۈن ، دىنىي مۇلاھىزىلەرنى تار مەدرىس
 دائىرسىدىلا چەكلەپ قوياتتى . ئۇنداق بولمىغان حالەتتىمۇ پەلسەپە
 ساھەسىدىكى بۇ بەس - مۇنازىرە ھېچقانچە قورقۇنچىلۇق ئەمەس
 ئىدى .

لېكىن ، خەلپە مەئمۇن ئاشكارا حالدا « مۇئىەزىللەر »
 تەرهپتە تۇرۇپ ، يۇنان ئەنئەنسۇي مەزھىپىنى باستۇرغاندىن
 كېيىن ، ئەھۋالدا تۈپتن ئۆزگىرىش بولدى . دۆلەت ئىچىدىكى
 كۈچلەرنىڭ قوللىشى بىلەن « مۇئىەزىللەر » بارغانسىرى
 بىپەرۋالشىپ كەتتى . ئۇلارنىڭ يولباشچىلىرى تۈرلۈك ئىسلاھات
 تەرتىپلىرى ئۈستىدە ئاغزىغا كەلگىنىنى سۆزلەشكە باشلىدى . بۇ
 سۆزلەر بىر - بىرىدىن كەسکىن بولدى .

« مۇئىزىللەر » يۈنلە ئىلەتكىنى كۈچلۈك نېرىتىجىس سۈپىتىدە « قۇرئان » ئىقدىلىرىڭ ئىتلەتكەندى . بۇنىڭ نەتىجىس تولىمۇ غلتە بولدى . ئۇلار يۈنلە ئىدىسىدىن شىارت بىيانىز ئۆكىلەن وە مۇتلىق شىركىلە ئىچىگە غرقى بولۇپ كېتىپ ، مۇۋاپق ئېتىملاقتا ئىگە كۈندىلە ئۇرمۇش بارىدىن مەھرۇم بولدى . تېبىر وە مۇھاكىم ئۇسۇلدىن شىارت قورالنى ئوينىتىپ ، مۇتلىق ھىققىسى شىزدىتى يۈلدە ئىشىنى ئاشىپ كەتس » ⁽⁴²⁾

بۇ كىشىلەرنىڭ ئىسمى وە ئەسىرلىرى ئۇستىدە توختالمايمىز . ئەنئەنچىلەر بۇنداق نەرسىلەرنىڭ تارقىلىشىغا يول قويمايتتى . « مۇئىتەزىللەر » نىڭ ئەرەب ئەددەبىياتىدىكى مۇھىملىقى ئۇلار پەيدا قىلغان تەسىر وە كەلتۈرۈپ چىقارغان قارىمۇقاڭارشىلىقتىن ئىبارەت . ئۇلار ئەنئەنئۇي مەزھەپكە تېخىمۇ دادىللىق بىلەن ھۇجۇم قوزغىغان چاغدا ، مۇداپىئەلەنگۈچىلەر تېخىمۇ ئېھتىيات بىلەن چەڭگە كىرىشتى . ئۇلار ھەر قانداق قاباھەتلەك غەيرىپى ھەرىكەتلەرنى رەت قىلدى . ھەتتا مۇزاکىرە ئېلىپ بېرىشنىمۇ رەت قىلدى ، ئۇلار « قۇرئان » وە ھەدىستىن ئىبارەت ئەڭ ئاخىرقى مۇداپىئە لىنىيىسگىچە چىكىندى . ئۇتتۇرغا قويۇلغان بارلىق مەسىللەرگە « ئېمە ئۆچۈن دەپ سورىماڭلار » دېڭەن جاۋابنى بەردى . ئۇلارنىڭ جەڭچىسى باعداد ئاممىسىنىڭ مەبۇتى ئەخىمەت ئىبنى ھەنبىل ⁽⁴³⁾ (855 - يىلى ۋاپات بولغان) شۇ چاغلاردا ئالدىنلىقى قاتاردىكى ھەدىشىۋناسلاردىن ئىدى .

خەلمىپە مۇتەۋەككىل (847 — 861) ⁽⁴⁴⁾ خەلپىلىككە ئولتۇرغاندىن كېيىن ، ئېقىم « مۇئىتەزىللەر » گە قارشى تەرەپكە بۇرۇلۇشقا باشلىدى . ئابباسلار جەمەتنىڭ ھۆكۈمرانلىقى تېخى بىر ئەسەرگە توشمای تۇرۇپلا ، ئوردا سىياسىتى پەيدىنپەي چۈشكۈنلەشتى . ئۇلار ئىچكى ، تاشقى ئىشلارنىڭ ھەممىسىدە

ياللى ئېلىنغان ياكى بىلگىلەپ بېرىلگەن قوغدىغۇچىلارغا تايىنىپ،
 ئۆزىنىڭ سەكرا تقا چۈشۈپ قالغان جېنىنى ساقلىماقتا ئىدى.
 بارلىق مۇسۇلمان خانلىرى ئابباسلار خەلىپلىكى گۈللەنگەن
 دەۋرە ئىلىم - پەن، ئەدەبىياتنى تەتقىق قىلىدىغان ئالىملارنى
 پۈتۈن كۈچى بىلەن قوغدىغانىدى : زاۋاللىققا يۈزلىنىش دەۋرىگە
 كەلگەندە، ئلاھىشۇناسلارنىڭ كۈچلۈك تەسىرى بىلەن
 مۇرەسىدلىشىش لازىمىلىقنى چوڭقۇر ھېس قىلدى. گەرچە
 مۇسۇلمانلار جەمئىيەتىگە تاجاۋۇز قىلىپ كىرىش يولىدىكى
 ئىزدىنىش ۋە يوشۇرۇن تالانت ئىگىلىرىنىڭ تەسىر كۈچى يەنلا
 ئۇڭايلىقچە يېمىرىپ تاشلىغۇسىز دەرىجىدە كۈچاۋوك بولسىمۇ،
 ئلاھىشۇناسلارنىڭ قوللىشىغا ئېرىشىش ئۈچۈن بەدل بېرىشكە
 توغرا بېلەتتى. مۇتەۋەككىل كۈچىنىڭ بارىجە مەمۇرىي كۈچىگە
 تايىنىپ ئەنئەنچىلەرنى قوللاپ، باغدادتىتىكى سوبى مەزھىپىنىڭ
 داڭلىق ئۇستازى مۇهااسىبىنىڭ بارلىق پائالىيەتلەرنى چەكلىدى؛
 شىئە مەزھىپىنى قانۇنسىز دەپ جاكارلىدى؛ خىستەنلار ۋە
 يەھۇدىلارنىڭ ئىش - ئىشرەتلىك ئىسراپچىلىقنى قاتتىق قانۇنى
 يولغا قويۇش ئارقىلىق چەكلىدى. خەلق ئاممىسى ئۇنىڭ ئۇسۇلىنى
 قوللىدى. باشقۇرۇشقا بويىسۇنمىغان يازغۇچى ياكى شائىرلار
 «مۇئەزىلچى» ئۇنسۇر دېيىلىپ قانۇنىي جازاغا تارتىلدى.

مەيلى قانداقلا بولمىسۇن، ئەنئەنچىلەر قائىدە سۆزلىش
 ئۇسۇلىنى رەت قىلىدىغانلا بولسا، «مۇئەزىللىر» مەزھىپىنىڭ
 نەزەرىيى ئۇلارغا ھامان تەھدىت بولۇپ قالاتتى. ئلاھىشۇناسلار
 قارشى تەرەپتىن ئۆگىنىپ، ئۇلارنىڭ دىئالېكتىكا قورالىنى
 ئىشلىتىدىغان بولسا، ئاندىن غەلبىگە ئېرىشەلەيتتى. شۇ سەۋەبتىن
 يۇنان فىزىكىسى بىلەن «قۇرئان» ۋە ھەدىس ماتېرىياللىرى
 بىرلەشتۈرۈلگەن «چاکىنا ئلاھىشۇناسلىق» بىرلا ۋاقتىتا باغداد،

مسىر، سەمەرقەنت قاتارلىق جايilarدا شەكىللەندى ۋە ئۇلار «مۇئىتەزىللەر» نىڭ كۆزقارىشىنى پەيدىنپەي تەنقدى بىلەن ئاغدۇردى. بۇ ئاساسەن ئىلگىرى «مۇئىتەزىللەر» ئىچىدە تدربىيە كۆرگەن، باغدادتىكى ھەرىكەتنىڭ يولباشچىسى بولغان ئەشەرى (935 - يىلى ۋاپات بولغان) گە مەنسۇپ بولۇشى كېرىك، كېيىنچە «مۇئىتەزىللەر» نىڭ مۆتىدىللەرى چاكىنا ئلاھشۇناسلىقنىڭ سول قانىتى بولۇپ قالدى: رادىكاللىرى بولسا، شىئە مەزھىپى ئىچىدە پائالىيەت ئېلىپ بېرىشنىڭ يېڭى زېمىننى تېپىۋالدى. ئەشەرى مەزھىپىدىكىلەر ئۆز سىناقلىرىدىن ئۆتتى؛ ھەنبەل مەزھىپىدىكىلەر بولسا، يەنلا ھەرقانداق مۇهاكىمىگە قارشى ئىدى. شۇڭا، ئەشەرى تەلىماتى بىر يېرىم ئەسربىنى بېشىدىن كەچۈرگەندىن كېيىن، سۈننى مەزھىپى (ئەنئەنئۇي مەزھەپ) ئىچىدىكى چاكىنا ئلاھشۇناسلىق بولۇپ شەكىللەندى.

ئەنئەنچىلەر «مۇئىتەزىللەر» بىلەن بولغان كۆرەشتە ئۇستۇنلۇكىنى ئىگىلەش بىلەن بىر ۋاقتتا، شۇ چاققىچە ئۆزى بىلەن زىچ ئىتتىپاق ئورنىتىپ كېلىۋاتقان بىر تەشكىنىڭ يېڭى تەھدىتىنى سەزدى. ئىسلامييەتنىڭ دەسلەپكى يىللەرىدىن باشلاپلا مۇخلىسلارنىڭ ھەممىسى ئاتاغلۇق تەركىدۇنياچىلار ئىدى. دەسلەپكى مەزگىللەردىكى بۇ مۇخلىسلارنىڭ ئەمر - پەرمانلىرى «قۇرئان» نى تاكى ھەربىر سۈرىسىنىڭ مەزمۇنىنى رېئال تۇرمۇشتا ئەكس ئەتتۈرگەنگە قەدەر تەكرار - تەكرار يادلاشتىنلا ئىبارەت ئىدى. بەسىرىلىك ھەسەن (728 - يىلى ۋاپات بولغان) ئىسلامييەتنىڭ بىرىنچى ئەسىرىدىكى تەركىدۇنياچىلارنىڭ ئەڭ مەشھۇر تىپى ئىدى. ئۇلار ھازىرغىچە ساقلاپ كېلىۋاتقان مەددالىق ھېكايلەرىدىن كۆرۈشكە بولىدۇكى، ھەسەن چەكسىز ئىخلاسمەن ۋە قەيسەر بولغاندىن باشقىا مۇكەممەل ئەقىل - پاراست ۋە تەبئىي

ناتىقلق تالانتىغا ئىگە ئىدى . كېيىنكى دەۋرلەرde قەغەز يۈزىدىكى
 چۈشەندۈرۈشكە يېپىشىۋالىدىغان ئلاھىشۇناسلار ئۇنىڭغا ھۈجۈم
 قىلىپ باققان بولسىمۇ ، لىكمن ئۇنىڭ گۈزەل نامى ئىسلام دىندا
 ھازىرغىچە تارقىلىپ يۈرەكتە . ئىككىنىچى ئەسرىدە بۇ خىل
 تەركىمدۈنیاالىق تېخىمۇ ئەموج ئالدى . گۇرۇھلارنىڭ ئىچكى
 قىسىدىلا ئۇنىڭ ئوخشاش بولمىغان ھەرخىل ئۇسۇللرى بار
 ئىدى . بىز بەسرە ۋە باشقا جايىلاردا « مازار - خانقاclarغا
 يوشۇرۇنۇپ يۈرەدىغانلار » ۋە كوچا - رەستىلەرde « مەددالىق
 قىلىدىغانلار » نىڭ بارلىقىنى ئاڭلىسىدۇق . بۇنداق
 تەركىمدۈنیاچىلارنى (بۇ چاغدا ئۇلار سوپى دېيىلىدىغان
 بولغان) تەقدىرچىلەر ، شىئەلەر ۋە ئەنئەنچىلەر ئارسىدىنمۇ
 تاپقىلى بولاتتى . ئىپتىدائى ئىسلام دىننىڭ سەرلىقلقى . مۇقەررەر
 يوسۇندا ، غەربىي ئاسىيادا ئومۇمىيۈزلىك تارقالغان قەدىمكى دىنى
 ئېقىملارنىڭ تەسىرىگە ، بولۇپمۇ تۈرلۈك شەكىلىدىكى نوستى
 دىننىڭ تەسىرىگە ئۆچۈردى . 3 - ئەسىرىگە كەلگەندە ،
 ئەقىدىلەرنى ئۆز ئالدىغا قوشۇۋېلىش ئۇسۇلىنىڭ كۆپچىلىكى
 ئەمەلدىن قالدۇرۇلدى . قاتىتقراق ئېيتقاندا « قۇرئان » ئەقىدىلەرنى
 ئانچە ماں كەلمىسىمۇ ، ھەر ھالدا ئۇنىڭغا ئاز - تولا مۇناسىۋەتلىك
 بولغان نەرسىلەرلا قالدى . سوپى مەزھىپىنىڭ ئەڭ گەۋدىلىك
 مىسالى شۇكى ، تەركىمدۈنیاچىلار « ئاللادىن قورقۇش » تىن
 ئىخلاسمەنلىككە ۋە سەرلىق ھالدا « ئاللاغا سېغىنىش » قا كۆچتى .
 بۇ بەسىرىلىك شائىرە رابىئە (801 - يىلى ۋاپات بولغان) نىڭ
 نەزمىلىرىدە مۇكەممەل ئەكس ئەتتۈرۈلگەن . ئۇنىڭ ئەسىرىلىدىن
 سۈرىيىچە سەرلىقلاشتۇرۇشنىڭ تەسىرىنى تېپىش قىيىن ئەمەس .
 ئۈچ ئەسىرنىڭ ئالدىدا سوپى مەزھىپىنىڭ نىشانىسى ۋە
 ئۇسۇلى بىلەن ئىسلام دىننىڭ ئادەتتىكى ئەقىدىلەرى ئوتتۇرسىدا

ھېچقانداق زىددىيەت يوق ئىدى . لېكىن ، 3 -
 ئەسەرگە كەلگەندە ⁴⁷ سىرىلىق ھالدا ئاللاغا سېخىنىش ئۆسۈلى
 ئەسەبىيەلەرچە مەبۇتقا چوچۇنۇش دەرىجىسىگە بېرىپ
 يەتتى . « قۇرئان » نى چۈشەندۈرۈش جەھەتتىكى پان
 ئلاھىيەت سىرىلىقلقى ئامما قوبۇل قىلايىدىغان تاشقى ئىدىيىسى
 كۆزقارا شلاردىن تېخىمۇ يىراقلىشىپ كەتتى : سوپىلار
 مۇسۇلمانلارغا قارىتىلغان بارلىق دىنىي جەھەتتىكى چەكلىمىلەردىن
 قۇتۇلمىدىغانلىقىنى جاكارلىدى ؛ ئىسلام دىنسىغا كىرمىگەنلەر
 سوپىلارنىڭ خۇدانى بىرىنچى شەخس بويىچە ئاتىشىنى ئاڭلىغاندا
 ئىنتايىن قورقۇپ كېتەتتى . . . ئلاھشۇناسلار يەنە بىر قېتىم
 قوراللىنىپ كۈرەش قىلىش زۆرۈرلۈكىنى چوڭقۇر ھېس قىلىشتى .
 لېكىن ، كۈرەش قىلىش ئويى پەقهەت ئاز ساندىكى ئىلغار
 مۇتەپەككۈرلاردىلا بار ئىدى . 4 - ئەسەرگە كەلگەندە ، بەزى
 تەشكىلاتلار قۇرئاننى يادلىۋېلىپ زىكىرى قىلىشتكە كونىچە
 يىغىلىشنى گىپنۈزلۈق بىلەن كىشىلەرنى جەلپ قىلىش قورالغا
 ئايلانىدۇرۇشقا باشلىدى . كۆپ ساندىكى سوپىلارنىڭ ئېتىقادى ۋە
 ئۆسۈلى يەنلا ئۆزلىرىنىڭ مۇسۇلمان قېرىنداشلىرىنىڭكىگە
 ئوخشىپ كېتەتتى ؛ سوپىلارنىڭ ئىچىدىمۇ « مۇئەزىللەر » نىڭ
 نۇقتىئىنەزەرى ئەڭ ئاۋۇال ئۇلارنىڭ ئۆز قورالى ئارقىلىق رەمت
 قىلىنىدى . لېكىن ، تەركىدۇنيياچىلار ئلاھىيەت شۇناسلار بىلەن
 سىرىلىقلاشتۇرغۇچىلار ئوتتۇرسىدىكى چاڭنى كۈندىن - كۈنگە
 كېڭىيەتتى . ئۇلارنىڭ كۆزقارىشى رەسمى بىرلىككە كەلگەن .
 مۇرەككەپ ، دۇشمەنلەرچە دىنىي ئەقىدىگە ئايلاڭغاندا ،
 ئلاھشۇناسلار كۈرەش پەيتىنىڭ يېتىپ كەلگەنلىكىنى ھېس
 قىلدى . بۇ كۈرەشكە رەھبەرلىك قىلغان ئاساسلىق كىشى
 دەسلەپكى سىرىلىقلاشتۇرغۇچىلار ھەركىتىنىڭ يۇقىرى دولقۇنىغا

كۆتۈرۈلگەن ۋاقتىدىكى ۋەكىلى، پارس ھەللاج بولدى. پروفېسسور ماسلون⁽⁴⁾ بىرمۇنچە مەخسۇس ماقالىلارنى يېزىپ، ھەللاجنىڭ ھاياتى، تەلىماتى ۋە ھا زىر ساقلىنىۋاتقان ئەسرلىرىنى تەپسىلىي تەتقىق قىلدى. پروفېسسور ماسلون ھەللاجنىڭ ئاساسلىق كۆزقارىشى ئەنئەنچىلىك ئىكەنلىكىنى تولۇق مۇئەيىھەنلەشتۈرۈپ، كىشىلەرنىڭ ئىلگىرىكى ئۇنىڭ كۆزقارىشى پان ئىلاھىيىلىق دېگەن گۈمانى كۆزقارىشىغا قوشۇلمىدى. ھەللاجنىڭ نامى باغدادتىكى زەئىپ ھاكىمىيەتنى زىلزىلىگە كەلتۈرگەندى. ئۇ بەزى جايilarدا سۆزدە دىققەت قىلىمىغاچقا، شەرسەت تەرىپىدىن ئۆلۈمگە ھۆكۈم قىلىنىپ، 1921 - يىلى پاجىئەلىك ھالدا ئۆلتۈرۈلدى. ئۇ ئۆلتۈرۈلگەندىن كېيىن، تەركىددۇنیالىق داۋاملىق ھالدا ئىككى يولنى بويلاپ راواجلاندى: بىرى، سەرىلىقلاشتۇرغۇ چىلارنىڭ ھاياتىنى ئەنئەنچىلەر (ئەشەرى مەزھىپى) نىڭ ئىلاھىشۇناسلىقى بىلەن كېلىشتۈرۈشكە ئىنتىلىش. بۇ جەھەتتىكى ئەسرلەرنىڭ ۋەكىلى داڭلىق غەzzالدىن ئىلگىرى قۇشەيرى (1074 - يىلى ۋاپات بولغان) بولۇپ، ئۇ «رسالە» ناملىق ماقالىنىڭ ئاپتۇرى؛ يەنە بىرى، پان ئىلاھىچىلىق ۋە نوقۇل ئېتىقاد نەزەرىيىسى (antinomianism) يولىغا تېخىمۇ مېڭىش. كېيىنكىسى ئەرەبستانغا قارىغاندا پېرسىيىدە كىشىلەر قەلبىگە بەكىرەك ياققان بولسىمۇ. لېكىن كېيىنكى دەۋردىكى ئەرەب ئەدەبىياتىدا يەنلا دائم ئۆچراپ تۇرىدۇ.

نېمە ئۇچۇن دىنىي جەھەتتىكى بۇ ئىختىلاپلارنى تولۇق شەرھەلەپ ئۆتۈشكە توغرا كېلىدۇ؟ بۇنىڭدا مۇنداق ئىككى سەۋەب بار. بىرى، ئەگەر ئىلاھىشۇناسلىققا دائىر ھۇججه تلەرگە ئالاقدار بولغان پايدىلىنىش ما تېرىياللىرىنى چۈرۈۋەتكەندە، مۇقەررەر ھالدا، ئەرەب ئەدەبىياتىنىڭ دىنىي كاتىگورىيىگە مەنسۇپ بولغان

ناهایىتى زور بىر قىسى بۇرمىلىنىڭ كېتىدۇ . يەنە بىرى ، ئلاھشۇناسلىق مۇشۇ دەۋىرىدىكى پۇتكۈل ئەدەبىياتنىڭ ئارقا كۆرۈنۈشى بولۇپ ، شۇ چاغدىكى ئاپتۇرلارنىڭ ھەممىسى دېگۈدەك بۇ ياكى ئۇ نۇقتىدىن بۇ تالاش - تارتىشقا چىتىلىپ قالىدۇ . ئۇلار تالاش - تارتىشقا تۇتقان پوزىتىسىسىنى ئۆز ئەسەرلىرى ئارقىلىقىمۇ ئەكس ئەتتۈرگەن . لېكىن ، كېيىنكى دەۋىردا ئەدەبىيات وە ئلاھشۇناسلىق ساھەسىدە ئالاھىدە ئورۇنىنى ئىگىلىگەن يازغۇچىلارنى ھېسابقا ئالمىغاندا دىنىي ھەرىكەتنى تېخىمۇ ئىلگىرىلىگەن حالدا شەرھلىشىمىزنىڭ حاجىتى يوق .

ئەنئەنچىلەرنىڭ ئىنكاسى بىلەن مۇناسىۋەتلىك بولغان ئەڭ مۇھىم ئەدەبىيات ھەرىكتى ھەدىس توپلاش پائالىيىتىدۇر . مالىك ئىبىنى ئەنس وە ئەنئەنچىلەر گە منسۇپ باشقا ئلاھشۇناسلار گەرچە « قانۇن ھەدىسى ئاساس قىلىشى لازىم » دېگەن پىرىنىسىپنى پەيدا قىلغان بولسىمۇ ، لېكىن ھەدىشۇناسلارنىڭ كۆپچىلىكى مەۋقەسىنى قانۇن تەرەپكە ئەمەس ، بەلكى ئلاھشۇناسلىق تەرەپكە يۆتكىدى . ئۇنىڭ ئۇستىگە ھەدىشۇناسلارنىڭ بىرىمۇ ئۆزلىرىنىڭ قانۇنشۇناسلىقى ئوقۇغىنىغا قارىماي قانۇنچىلارنىڭ خىزمىتىگە ئىشەنەيتتى . ئۇلار بۇ بوشلۇقنى تولدۇرۇۋېلىش ئۈچۈن ھەدىسى يېڭى ئۇسۇل بويىچە يېزىشقا باشلىدى . ھەنبەلنىڭ « يۆلىنىش » (« مۇسەد ») دېگەن ئەسربىنى ئاساس قىلغان كونىچە ئۇسلۇبىتىكى بۇ توپلام ، ئەسلىدە « مۇئىزىزىللەر » نىڭ ھۇجۇمىدىن ساقلىنىش ئۈچۈن ، ئەنئەنئۇي ئىسلام دىنىنى ئازراق بولسىمۇ قوللاشنى ئارزو قىلاتتى . بۇ توپلامدا ھەدىس مەسىلە بويىچە تۈرگە ئايىرلىماي ، مۇھەممەد پەيغەمبەر بىلەن بىر دەۋىردا ياشىغانلار ئىپتىدائىي نوپۇزلىقلار تەرقىسىدە نەقىل كەلتۈرۈلۈپ ، شۇ بويىچە تۈرگە ئايىرلىغان . يېڭىچە يېزىش

ئۇسۇلدا بولسا مەسىلە بويىچە رەتلەنگەندى . بۇنداق قىلىشتن مەقسەت ھەدىسىنى تەتقىق قىلىش ، ئەمدىيەتتە بولسا قانۇنى ئۆگىنىشنى ئوقتۇرۇشتىن ئىبارەت ئىدى .

بۇ جەھەتتىكى تۈنجى يېڭى توپلامنى بۇخارى (870 - يىلى ۋاپات بولغان) تۈزگەن . ئۇ دىۋايەت ، ئەخلاق ، تىبابەتچىلىك ، نوقۇل قانۇن ۋەهاكا زااغا داىش ھەدىسلەرنى توپلىغان . بۇنى ئۇ دىلىيە ئىشلىرى دەستۇرى سۈپىتىدە ئىشلىتىشنى مەقسەت قىلغانىدى . ئەسرىنىڭ ھەربىر بابىغا ئىزاحات بېرىلگەن بولۇپ ، شۇ بابتىكى مەزمۇنلارنىڭ قانۇن ساھەسىدە قانداق تەتبىقلىنىدىغانلىقى چۈشەندۈرۈلگەن . مەلۇم ھاللاردا بەزى بابلارغا ماۋزۇلا قويۇلۇپ ، ھەدىسىنىڭ ئۆزى قوشۇمچە قىلىنىمىغان ، شۇڭا ئۇ سۇبىيكتىپ ئورۇنلاشتۇرۇشقا خىلاب بولۇپ قالغانىدى . يەنە بىرى بۇخارى بىلەن زامانداش ئالىم مۇسلم (875 - يىلى ۋاپات بولغان) تەھەربىلىگەن توپلام بولۇپ ، بۇ توپلامغا ئىشەنچلىك دېيىلگەن ھەدىسلەرنىڭ ھەممىسى ئىمكانييەتنىڭ بارىچە تولۇق كىرگۈزۈلگەن . ئۇنى قانداق تەتبىقلاش كىتابخانلارنىڭ ئۆزلىرىگە قالدۇرۇلغان .

ھەدىس توپلاملىرىنى قايتا تۈزۈش توغرۇلۇق نۇرغۇن ئۇرۇنۇشلار بولغان ، ئىسلام دىنى ھەدىسلەرنىڭ تەرەققىياتى تولىمۇ قىزىقىارلىق . دەسلەپكى مەزگىللەرددە ، ئىجتىمائىي مەسىلە ناھايىتىمۇ مۇرەككەپ چاغدا ، دىنىي گۇرۇھتىكى كىشىلەر پەيغەمبەرنىڭ ھەربىر يېڭى ئەھۋال ئاستىدىكى بۈننەتلەرنى خۇلاسلاپ ، كېيىن ئۇنى پەيغەمبەر دىن بىۋاسىتە كەلگەن ھەدىس (بايان) دەپ ھۆكۈم چىقىرىپ ئاممىغا تارقاتقان ، ھەر قايىسى مەزھەپلەرنىڭ نۇقتىئىنەزەرى ئۇخشىمىغاچقا ، بۇ ھۆكۈملەرددە مۇقىمرەر ھالدا ، روشن زىدىيەتلەر كىرگۈزۈلگەن . شۇڭا ،

هەدىس تەتقىق قىلغۇچى ئۆلىمالار ئۈچۈن ھەدىسىنىڭ راست -
 يالغىنىنى ئايىرىش زۆرۈر بولۇپ قالغان . ئۇلارغا ئالدى بىلەن
 ھەدىسىنى قوللايدىغان نوپۈزلىق يىپ ئۈچى (ئىسىنەد) نىڭ
 راستلىقنى بېكىتىۋېلىشقا توغرا كەلگەن ، بۇنىڭ ئۈچۈن ھەرى بىر
 ھەقىقى ھەدىسکە ئىشەنچلىك كىشىدىن بىرى كاپاھەتلىك قىلىپ ،
 ئۆزىنىڭ بۇنى دەسلەپكى مەزگىللەردىكى مەلۇم ھەدىشۇناسىنىن
 ئاڭلىغانلىقنى ئىسپاتلىشى لازىم ئىدى . شۇنداق قىلىپ بۇ ئەينى
 زاماندا پەيغەمبەرنىڭ سۆز ۋە ھەرىكتىنى ئاڭلىغان ياكى كۆرگەن
 كىشىلەر ئىسپاتلىغىچە سۈرۈشتۈرۈلەتتى . لېكىن ، « نوپۈزلىق » -
 لار دېگەن سۆزلەرمۇ ئۇئايلا يالغاندىن ھەدىس قىلىنىپ قويۇلغان .
 ئۆز مەقسىتىنى كۈچلۈك قوللاشقا ئېرىشتۈرۈش ئۈچۈن ، ئىككى
 ئەسىردىن بۇيان ھەر قېتىمىقى ئىسلامىيەت ھەرىكتى پەيغەمبەر
 ئۆزى ئېيتقان ياكى ئىسلامىيەت كۆزقارىشنى قوللايدىغان
 مۇشۇنداق سۆزلەرنى تىرىشىپ ئوتتۇرىغا چىقاردى . مەسىلەن ،
 شىئە مەزھىپىدىكىلەر ئەلىنى خەلپىلىككە
 كۆرسەتكەندە ئەنئەنچىلەر : « پەيغەمبەرنىڭ ۋارىسى بولمايدۇ »
 دېگەن ھەدىسىنى ئوتتۇرىغا قويۇپ ، شىئە مەزھىپىگە قارشى
 تۇرغان ، تەركىدۇنياچىلار مۇھەممەدىنىڭ ئاغزىدىن : « دۇنيادىكى
 ئىشلار بىلەن كارىڭلار بولمسۇن » دېگەن يولىيۈرۈقنى تارقاتقاندا ،
 پايىپىتەك بولۇپ يۈرۈدىغان قانۇن ئەمەلدارلىرى ۋە خوجىلىق
 ئىشلەرنى باشقۇرغۇچىلار دۇنيانىڭ ئىشلەرىغا كۆڭۈل بۆلۈش
 كېرەك ، دېگەن ھەدىسىنى ئوتتۇرىغا قويغان ، بۇ جىدەل ھەتتا
 تاربخۇناسىلارغا بېرىپ تارقالغان . بۇ ساھەدە شۇنداق گۇمانلىنىشقا
 تامامەن ھەقلقىمىزكى ، مۇھىم ئەھۋاللارنى بايان قىلىشتىلا ئەمەس ،
 بەلكى ئانچە مۇھىم بولمىغان ئۈششاق - چۈششەك ئەھۋاللارنى بايان
 قىلىشتىمۇ گۈزەل جۈملەرگە مۇنازىرە ياكى پىراڭماڭىز (ئۆز

مۇددىئاسى ئۈچۈن خىزمەت قىلدۇرۇش) لىق مەقسەت
 يوشۇرۇنغان . بۇنداق ئەمۇال ئاستىدا ، ھەققى ئىشنىڭلىك
 ھەدىس توپلىمىنى يېزىپ چىقىش ھەققەتمەنمۇ زۆرۈر بولۇپ
 قالغان . ھەدىشۇناسلار « نوپۇزلىق يىپ ئۈچى » دېگەن ئۆلچەمە
 يەنلا چىڭ تۈرۈۋالغان (شەكلەن بولسىمۇ) ، ئاخىر بېرىپ مەلۇم
 بىرنەچە ماددىلىق يىپ ئۈچىنىڭلا نوپۇزغا ئىگە ئىكەنلىكىگە
 بىردىك قوشۇلغان . بۇخارى بىلەن مۇسلم ئەنە شۇ پىرىنسىپلارغا
 ئاساھەن پەيغەمبەرنىڭ سۆز - ھەرىكتىگە دائىر يۈزىلىڭ ئابزا سلىق
 ماٗتېرىيال ئىچىدىن ھەدىس توپلىمىنى تۈزۈپ چىقىپ ، ئۇنىڭغا
 « ھەققىي خاتىرە » (« سەھىھ ») دەپ نام بەرگەن . ئۇلارنىڭ
 باھاسىنى ئامما ئېتىراپ قىلغان ، بۇ ئىككى پارچە « سەھىھ »
 كېيىنكى ئىسلامىيەت تارىخىدا « قۇرئان » دىن قالسلا ئىككىنچى
 ئورۇنى ئىگىلىگەن . ئۇ ئىككىلەن بارلىق ھەدىسلەرنىڭ راست -
 يالغانلىقىغا ئۆزلىرى ئەجىر سىڭدۇرۇپ ھۆكۈم قىلغان ئەمەس ،
 بەلكى ئەنئەنچىلەر تەرىپىدىن ئاللىقاچانلا ھەققىي دەپ قارالغان
 ھەدىسلەرنىڭ ھەممىسىنى توپلاپ چىققان . كېيىنچە بىرلا ۋاقتتا
 تۈزۈلگەن يەنە تۆت توپلام ئۇ ئىككى توپلام بىلەن قوشۇلۇپ
 ئىسلامىيەت ھەدىشۇناسلىقىنىڭ ئالىتە « كلاسىك » ئەسلى
 بولۇپ قالغان . ھەدىس توپلاش ئىشى بىرنەچە ئەسركە
 سوزۇلغان بولسىمۇ ، لېكىن كېيىنكى توپلاملارنىڭ ئەرەب
 ئەدبىياتى تارىخىدا ھېچقانداق ئالاھىدە قىممىتى يوق ، يەنە بىر
 تەرەپتىن ، بۇ ھەدىس توپلاملىرى ، بولۇپمۇ بۇخارى تۈزگەن
 توپلامدا ، پەيغەمبەرگە ئىخلاسمەنلىك ۋە چوقۇنۇش مۇراجىئەت
 قىلىنىغا چقا ، ئۇ مۇسۇلمانلار جەمئىيتىنىڭ مەنىۋى خىلىتى ۋە
 بىرلىك - ئىتتىپاقلۇقىنىڭ ئۈنۈملۈك كۈچ - قۇدرىتى دەپ
 قارالغان ، مۇشۇنداق سەۋەبلەر تۈپەيلىدىن ، شىئە مەزھىپىدىكىلەر

بۇ ئىككى « سەھىھ » نى قىسمەن قوبۇل قىلغان بولسىمۇ ، لېكىن يەنلا ئۆز مەزھىپىنىڭ ئۆلچىمى بويىچە ئەلى ئىمامدىن قالغان ھەدىسلەرنى تۈزۈپ چىقىش زۆرۈر ، دەپ قارايدۇ ، بۇ ئىشنى ئەڭ ئاۋۇال كۈلىنى ⑤ (939 - يىلى ۋاپات بولغان) ئىشلىگەن .

ئەمدى غەيرى دىنىي ئەدەبىيات ۋە نوقۇل ئەدەبىيات ئۇستىدە يەنە توختىلايلى . 9 - ئەسەرىنىڭ باشلىرىدا ھەل قىلىشقا تېڭىشلىك مەسىلە ئەرمەنلىك ئەدەبىيات ئىلمىنى قانداق قىلىپ قارىيلىق ئىستىلى ياكى يەكە - يېڭانە ھالدىكى ماھارەت قوغلىشىشتن قۇتۇلدۇرۇپ ، ئەينى زاماندىكى ئاممىنىڭ مەنپەئىتى ۋە ئىجتىمائىي مەسىلىم بىلەن ھەققىي بىرلەشتۈرۈپ ، ئوردا ۋەزىر - ۋۇزرا تەرمەپدارلىرى بىلەن تېخىمۇ ئۈنۈملۈك جەڭ قىلىشتن ئىبارەت ئىدى . بۇ مەسىلىنى ئەمەر ئىبىنى باھار ⑥ ئوتتۇرغا قويغان بولسىمۇ ، لېكىن ھەل قىلالىمغايىدى . باھارنىڭ تەخەللؤسى « جاھىز » (« ئالتۇن بېلىق كۆزى ») بولۇپ ، قارا قۇلنىڭ نەۋرسى ئىدى . ئۇ گەرچە بۇتكۈل ئەرمەن ئەدەبىياتى مۇنېرىنىڭ ئۇلۇغ ئەربابى بولمىسىمۇ ، شۇ چاغنىڭ ئەڭ تالاتلىق يازغۇچى ئىدى . ئۇ توقسان نەچچە يىل ياشاب . 869 - يىلى ۋاپات بولغان ، جاھىز يوقسۇل تەبىقىدىن كېلىپ چىققان بولۇپ ، ئالاھىدە قوبۇل قىلىش ئىقتىدارغا ئىگە ئىدى . ئۇ جاپالىق تىرىشچانلىقلار ئارقىلىق باش كۆتۈرۈپ چىققان . ئۇ كىچىك چاغلىرىدا بەسەرىدىكى مەكتەپلەرde تىلاشۇناسلىقنى ئوقۇغان ۋە « مۇئىەزىللەر » نىڭ داڭلىق ئۆلىماسى نەزىامدىن ئىلاھىيەت ئىلمىنى ئۆگەنگەن . ئۇ يۇنان پەلسەپسى ۋە ئىلمىنى تولىمۇ ياخشى كۆرەتتى . بۇنداق ئالىملار مۇقەررەر ھالدا ، كىشىلىرىگە بېقىنمايدىغان مۇستەقىللەككە ئىگە بولىدۇ . ئۇ مەنسەپكە قويۇلۇپ ئۈچ كۈن بولمايلا مەنسىپىدىن ئىستىپا بەرگەن . ئۇ قانۇنشۇناسلىق

جەھەتتىمۇ ئۆز مەزھىپىنى شەكىللەندۈرگەن . جاھىز
 « مۇئىزىزلىر » گە مەنسۇپ بولسىمۇ . ئۆزىگە خاس مۇستەقىل
 كۆزقاراشقا ئىگە ئىدى . كىشىلەر ، « كۆزى ئادەم تونۇيالايدىغان ۋە
 ھەق - ناھەققە ھۆكۈم قىلا لايدىغان ئۆلىمالار - مۇئىزىزلىر ياكى
 باشقىلار بولسۇن - جاھىزنىڭ بىلىمىنى بىرددەك قەدیرلەيتتى »
 دېيىشىدۇ . ھەتتاڭى ھېلىقى تەلۋە مۇتەۋە كىكىلمۇ ئۇنى ئوغلىنىڭ
 ئائىلە ئوقۇتقۇچىلىقىغا تەكلىپ قىلغان . جاھىزنىڭ ئەسەرلىرى
 قىزىقارلىق . جانلىق . جۇشقۇن بولۇپ ، ئەرەب ئىلىم خەزىنىسىدىن
 خۇددى ئۇرغۇپ تۇرغان بۇلاق سۈيىدەك ئېقىپ تۇرىدۇ : ئۇنىڭ
 ئەسەرلىرىنى ئوقۇغان كىشى ئەستايىدىلىق . جىددىيلىك ،
 يېنىكلىك ۋە خۇشاللىق ھىس قىلىدۇ . شۇنىڭدەك غەيرەت -
 جاسارەت ۋە قىزغىنىلىققا تولىدۇ . ئۇ چىچەن ، ئۆتكۈر بولۇپ ،
 بەزىدە جانغا تەككۈزۈپ سۆزلەيتتى . بىكىر قىلىش دائىرسى
 ناھايىتى كەڭ ئىدى . ئۇ كىشىنى ھەيران قىلارلىق دەرىجىدە زېھنىي
 كۈچكە ئىگە بولۇپ ، كىتاب ئوقۇغاندا ھېرىش - چارچاشنى
 بىلەيتتى . ئاڭلاشلارغا قارىغاندا دائىم كىتاب دۇكانلىرىغا ئىجارە
 تۆلەپ تاڭ ئاتقۇچە كىتاب كۆرىدىكەن .

جاھىزنىڭ ئىلاھىيەتكە دائىر ئەسەرلىرى ۋە ستىلىستىكىغا
 دائىر بىر يېرىك ئەسەرلىدىن باشقا . يەنە تەخمىنەن ئوتتۇز - قىرقى
 پارچە مەخسۇس ماقالىسى ۋە « ھايۋانات توغرىسىدا » ناملىق قىقا
 ماقالىلار توپلىسى دەۋرىمىز گىچە يېتىپ كەلگەن . مەخسۇس
 ماقالىلار توپلىمىنىڭ تېمىلىرىدا ئۇنىڭ ئۆزىگە خاس ئىجادكارلىقى
 چىقىپ تۇرىدۇ . مەسىلەن ، « نېڭىرلار ئۆزلىرىنى ئاق
 تەنلىكىلەردىن ئۈستۈن چاغلايدۇ » ، « تۇر كەرنىڭ ئۆلۈغ
 تۆھپىلىرى » ، « سودىگەرلەرنى ھۆرمەتلەش ، ئەمەلدارلارنى
 كەمسىتىش ھەققىدە » ، « مۇنازىرە سۈكۈتىن ئۈستۈن تۇرىدۇ »

ۋەهاكازا. جاھىزنىڭ « ھايۋانات توغرىسىدا » ناملىق ئەسلىرى يەتتە قىىمغا بۆلۈنگەن بولۇپ، ئۇنىڭ ئىچىدە ھايۋانات ئىلىمى ئىككىنچى ئورۇندا تۈرىدۇ. ئۇنىڭ ئۆزۈن مۇقەددىمىسىنىڭ بىر ئابزاسىدا مەخسۇس كىتابلار مەدھىيەنگەن ۋە كىتابچىلىق ئىشلىرىنىڭ كېلىپ چىقىشى بايان قىلىنغان. بىرىنچى، ئىككىنچى قىىملىرىدا ئۇ خىلمۇ خىل ئىشلار ئۈستىدە توختالغان، ئانچە پۇختا بولىغان بىر خىل مۇنازىرە شەكلىدىكى ئەدەبىي ماقالىسىدا « قۇش بافقۇچى » بىلەن « ئىت ئىگىسى » ئوتتۇرۇسىدىكى تالاش - تارتىش تەسۋىرلەنگەن. ئۇ يەنە ھەدىس، غەزەل، تەمىزلىك، رەسمىي تارىخقا يېزىلىغان ۋەقەلەر، ھەتتا « قۇرئان » دىن نۇرغۇن ئالاقىدار سۆزلەرنى نەقىل كەلتۈرۈپ، تۈرلۈك ساپ نەسلىك ئىتلار ۋە يامان ئىتلارنى تەسۋىرلىگەن. ئۇنىڭ ماقالىلىرىغا يەنە ئامىباب خۇرایاتلىقىمۇ سىڭدۇرۇلگەن. مەسىلەن، بىر ئىتنىڭ قانداق قىلىپ ئىسىل ئىسم شەرىپىگە ئىگە بولغانلىقى، ئۇنىڭ پالچىلىقتا تۇتقان ئورنى، ئەگەر ئۇ چىشلىۋالدىغان بولسا، چىشلەنگۈچى كىشىنىڭ غالجىرلىشىپ كېتىدىغانلىقى، ئۇنى پادىشاھ - ئاقسىزگە كىلەرنىڭ قىپىنى بىلەن داۋالاش لازىمىلىقى تەسۋىرلەنگەن. ئۇنىڭدىن باشقا توپلاملىرىدا قەدىمكى زاماندا ئەرەبلىرىگە مەلۇم بولغان ھايۋانات ۋە ھاشaratلار ئىخچام ۋە يېنىك ئۇسلۇبىتا تەسۋىرلەپ بېرىلگەن، كېيىنكى دەۋرلەرde بىرمۇنچە كۆچۈرمىچىلەر ئۇنىڭ يېزىقچىلىق ئۇسلۇبىنى كۆچۈرۈۋالغان. بىزنىڭ قولىمىزدا جاھىزنىڭ يۇقىرقىغا ئوخشاش تىپتىكى بىر پارچە يالغان ئەسلىرى « ئىسىل جۈملە، دىئالوگ جۈملەر » بار، ئۇنىڭدا تەن بىلەن روھنىڭ خىلىتى بايان قىلىنغان. جاھىزنىڭ ئەسەرلىرى يارقىن، ئۆزىگە خاس بىر خىل ئۇسلۇبىتا بولۇپ، ئۇنى ئادەتتىكى ئەدەبىيات - سەنئەت نەمۇنىلىرى

قاتارىغا قويۇشقا بولمايدۇ . بۇ مەسىلە كېيىنچە زامانداش شائىرلار تەرىپىدىن ھەل قىلىنىدى . يەنى ئۇلار روشەن ئوردا شەكلى ھەم ئەنئەنئۈي بەدېئىي تىلىنى تىلىشۇناسلار ۋە قانۇشۇناسلارنىڭ بەس - مۇنازىرە تىپىدىكى نەسرىي شەكلى بىلەن بىرلەشتۈردى . بۇنىڭ بىلەن تۈرلۈك شەكىللەرنى ، خىالىي ياكى ئابىستراكت تېمىلارنى تەپسىلىي ۋە توغرا بايان قىلالىدى . ئۇلار بەزى تىلىشۇناسلار قەدرلەپ كەلگەن جۇشقۇن ۋە زۆرۈرىيىتى يوق قەدىمكى تەمىسىلەرنى چىقىرىپ تاشلاپ ، ئاخىر يېڭى ئەرەب ئەدەبىي تىلىنى ، يەنى كېيىنلىكى مىڭ يىللەق نۇسخىنى شەكىللەندۈردى . بۇ يېڭى ژانرىنىڭ ئىجادچىسى مۇپتى ئىبنى قۇتھىيە (889 - يىلى ۋاپات بولغان) . ئۇ ئۆزىنىڭ بىر قاتار ئەسەرلىرىدە ۋەزىرلەر ، ئامبىاللار ۋە كىتابخانىلارنى ئەرەب ئىلىم - پەننىڭ ھەر قايىسى ساھەلىرىگە دائىر ئۆزۈنده ۋە تاللانىلار بىلەن تەمىنلىدى . بۇ ئەسەرلەرگە ئۇ ئەرەبلىر ۋە ئىسلام دىنلىكىلەرنىڭ ئىجتىمائىي پېنى بىلەن ھە مجھەھەت بولغان پارسلىرىنىڭ تارىخى يادىكارلىقلرى ۋە ئوردا يادىكارلىقلرىنىمۇ كىرگۈزدى .

قۇتھىيەنىڭ ئەڭ ئاساسلىق ئەسرى ئون چوڭ دەستۇردىن تەركىب تاپقان قەدىمكى ئەسەرلەر توپلىمى « قىسىلەر بۇلىقى » بولۇپ ، كېيىنلىكى نۇرغۇن ئەسەرلەر ئاشۇ ئۇسلۇب بويىچە يېزىلغان . شۇڭا ، بۇ كىتاب ئەرەب ئەدەبىياتىدا قىقا ماقالىلارنىڭ ئەڭ ئىپتىدائىي ھۈججىتى دەپ قارىلىسىدۇ . « قىسىلەر بۇلىقى » نىڭ ھەربىر دەستۇرى مە خسۇس تېمىدا يېزىلغان . مەسىلەن ، ئىگىلىك هوقۇقى ، ئۇرۇش ، دوستلۇق ، تەركىدۇنىيالىق قاتارلىقلار . ھەربىر ماۋزۇ ياكى قوشۇمچە ماۋزۇلاردا ھەدىس ۋە شائىرلارنىڭ نەزملىرىدىن نەقل كەلتۈرۈلگەن . ئەدەبىي ياكى تارىخىي ماتېرىياللاردىن ئىستاناتا ئېلىنىغان . ئاپتۇر ماتېرىياللارغا

تولىمۇ خالىغانچە مۇئامىلە قىلغان بولۇپ ، ئۆزى خالىغانچە
 قىسقارتىپ ۋە ئۆزگەرتىپ ، ئەسەرنىڭ ئۈنۈمىنى ئۆستۈرگەن .
 ئۆستىلارنىڭ قەلىمى بىلەن ھېكايدىكى ۋە قەلىكلەر جانلىق
 قىزىقارلىق بايان قىلىنغان . لېكىن ، بۇ خىل قىزىقارلىقلقنىڭ
 تىرىشچانلىق بەدىلىگە كەلگەنلىكىنى ئېتىراپ قىلىش كېرەك ،
 قۇتەيىبەنىڭ كېچىكىرەك ھەجىمىدىكى « بىلەم دەستۈرى » ، « شېشىر
 ۋە شائىر » قاتارلىق ئەسەرلىرى بار . ئالدىنقسىدا ئەرەبلىر بىلەن
 پارسلارنىڭ دەسلەپكى دەۋرلەردىكى ئۆرپ - ئادەتلەرى قىقىچە
 بايان قىلىنغان . ئىسلام دىنىدىكى مۇھىم ئەربابلارنىڭ ئاددىي
 تەرجىمەلى يېزىلغان . « شېشىر ۋە شائىر » دا ئىسلام دىنى
 دۇنياغا كېلىشنىڭ ئالدى - كەينىدىكى بارلىق شائىرلارنىڭ
 قىقىچە تەرجىمەلى بايان قىلىنغان ۋە ئۇلارنىڭ شېئىرلىرىدىن
 مىساللار ئېلىنىپ قوشۇمچە قىلىنغان ئاپتۇر مۇقەددىمىسىدە (ئەرەب
 تىلى جەھەتتىمۇ تۇنجى قېتىم) ئىسلامىيەتنىن بۇرۇنقى
 دەۋرلەردىكى شائىرلارنى پەۋقۇلئادىدە تەڭداشىز دەپ قارايدىغان
 دوگماتىزملىق پوزىتىسييگە قەتئى قارشى تۇرغان :

من قەدىكى زامن شائىرسىن قەدىمكى بولغاڭلىق ئۈچۈنلا
 قەدرلىرىمۇن ، فازرقى زامن شائىرسىنۇ يېشى بولغاڭلىق ئۈچۈنلا مىخەرە
 قىلىمايمۇن . من ھەمىگى باراۋىرلىك نۇقتىنىزىرىنى بىلەن قلایمۇن ، ھەر ئىككى
 مۇناسىب ھەدا مۇئامىلە قىلەن ... خۇدا ئۆگىنىش ، يېزىش ، سوزمىلىكتىن مىلۇم
 دەۋردىكى كىشىرگالا ئاتا قىلغان شەمس ، كىشىرسى ئېسلىزىدە ياكى يېس دەپ
 ئايىرسغانمۇ شەمس . بىلكى ئۇ (خۇدا) نەزىنى ھەرقايىس دەۋرلەردىكى « جاكار »
 لىرىنىڭ ئورتاق سراسى ، دەپ قارىيدۇ . كونا شىئىلەرنىڭ ھەمىسىنى بىر مەھىل
 يېشى بولدىغۇن ، تۈرلۈك ئان - شەرمىلەرنى باشتا تامادىيى تۈيۈلدىغۇن قىلدۇ .

قۇتەيىبە يەنە مىزىلارنىڭ پايدىلىنىشى ئۈچۈن بىر ئەدەبىي
 رسالە ۋە ئوخشمىغان ھەدىسلەرنى كېلىشتۈرۈش يۈزىسىدىن بىر

ئەسەر ۋە يەن، قىسقا، ئىخچام قىلىپ مەلۇم ساندا مەخسۇس تېمىدىكى ماقالىلارنى يازغان، بۇنىڭ ئىچىدە ئەڭ قىزىقىارلىقى ئەرەبلىرىنىڭ « سوپىلار »غا قارشى ئۆزىنى ئاقلىشى بولۇپ، بۇ ئاقلاش پارسالارنىڭ تەلەپپۈزىدىن بېرىلگەنلىكى ئۈچۈن تولىمۇ ئېسىل چىققان.

شۇنىڭدىن باشلاپ « ئەدەب » دېگەن سۆزنىڭ ئەدەبىيات ساھەسىدىكى ئەھمىيىتى مىزىلارنىڭ قائىدە - يو سۇنلار رسالىسى بىلەنلا چەكلەنمەستىن، بىلكى پارس ۋە يۇنان ماتېرىياللىرىغا ئاساسەن ئۆزگەرتىلگەن ئەسەرلەرنى ئۆز ئىچىگە ئالغان حالا، كېڭىتىۋەتلىكەن ئەرەب - ئىسلامىيەت ھەدىسلەرىگە ئاساسەن يېزىلغان ماقالىلارنىڭ ھەممىسىدە قوللىنىلغان. ئىبنى قۇتھىيەدىن ئېتىبارەن ئەرەب نوقۇل ئەدەبىياتنىڭ ئاساسىي ئېقىمى ئەرەب نەزمىلىرى، تارىخ، سىياسەت، ستىلىستىكا، مەشھۇر شېئىرلار توپلىمى، رەسمىي تارىخقا يېزىلغان ۋەقەلەر توپلىمى ۋە ئاممىباپ لوگىكا قاتارلىق خىلىمۇ خىل ئېقىملارنى ئۆزىنىڭ ماتېرىيال مەنبەسى قىلىپ، ئالغا قاراپ راۋاجلانغان. بەزى كەسپى تىلشۇناسلار « يىغىن » (« مەجلىس ») بىلەن « ئەرەب قەسىدىلىرى » (« ئامالى ») دىن ئېبارەت ئىككى توپلامنى « ئەدەب » كە قوشۇمچە قىلغان. بىر قەدەر پۇختا بولغان يۇنان ئىلىم - پەن، پەلسەپە ئەسەرلىرى (كېينىكى مەزگىللەردىكى بىرنه چىچە ئەسەرنى ھېسابقا ئالماغاندا) يەنلا « ئەدەب » دائىرسىدە چەكلەنگەن. بۇ ئەھۋالنى ھازىر بىزىگە تونۇش بولغان ئەھۋاللار بىلەن چۈشەندۈرۈش مۇمكىن، يەنى پەن - تېخنىكا ئاتالغۇلىرى ئۆز تەرەققىياتى داۋامىدا كونكرىت مەقسەتكە ئىنتايىن دەل كەلگەن ھالەتتىمۇ، ئىلىم - پەن ئەھلى بولمىغان كىشىلەر ئۈچۈن غەلتە، چۈشىنىكسىز تۈيۈلغىنىدەك،

جۇمۇدىن بۇ پەنلەرنىڭ مۇتەخەسىسىلىرى ئۆزىنى ھامان ئادەتتىكى مەدەنیيەت، ئىللم - پەن كاتېگورىيىسىنىڭ سەرتىغا قويۇشى مۇمكىندەك چۈشەندۈرۈش مۇمكىن.

تارىخشۇناسلىق جەھەتنىن ئېيتقاندا، ئەھۋال تامامەن باشقىچە، تارىخشۇناسلىق نو قول ئەدەبىياتقا خاراكتېر جەھەتتە تامامەن ئوخشمىسىمۇ، لېكىن مەلۇم جەھەتنى ئېيتقاندا، ئوخشاشلا تەسەرگە ئۇچراپ، ئوقۇمۇشلۇق كىشىلەرنىڭ ھەننۇاسى بىلىشكە تېگىشلىك ئاساسىي بىلىم بولۇپ قالىدۇ. مۇشۇ ئەسەرنىڭ ئالدىنلىقى يېرىمىدا تارىخشۇناسلىقنىڭ ئاساسلىق ئىشى دىنى تەتقىق قىلىشنى ئاساس قىلىش بولۇپ، بۇنىڭ ئەڭ مۇھىم يېڭى تەرقىقىيەتى ۋاقىدى، مەدائىنى ④ ۋە باشقا توپلىغۇ چىلار توپلاپ چىققان ماتېرىياللارنى مۇكەممەل ئەسەر قىلىپ رەتلەپ چىقىش بولدى. بۇ مەزگىلدىكى تارىخشۇناسلىق ئىجادىيەتى تەزكىرە ۋە يىلنامىدىن ئىبارەت ئىككى مۇھىم تارماققا ئايىرلىغان. ۋاقىدىنىڭ كاتىپى مۇھەممەد ئىبىنى سەئىدى (845 - يىلى ۋاپات بولغان) ئادەملەر ئىسىمىلىكى توغرىسىدا چوڭ لۇغەت ئىجاد قىلىپ، ئۇنىڭغا مۇسۇلمانلار جەمئىيەتنىڭ دەسلەپكى ئىككى ئەۋلاد كىشىلەرنىڭ ئىسىمىلىكىنى كىرگۈزگەن. لۇغەتنىڭ ئىككى قىسىدا پەيغەمبەرنىڭ تەزكىرسى مۇقەددىمە قىلىنغان، ئاندىن ھەرقايىسى چوڭ شەھەرلەرنىڭ تەزكىرە خاراكتېرلىك تارىخى بايان قىلىنغان بولۇپ، ئۆلىمالار ۋە قانۇن ئەمەلدەرلىرى ئاساسىي ئوبىيېكت قىلىنغان. بۇ دەۋوردىكى داڭلىق تارىخشۇناسلاردىن بەلا زۇرى ⑤ ئاساس قىلىنغان، ئۇنىڭ ئاساسلىق ئەسەرى «ئېسلىزادىلەرنىڭ ئائىلە شەجەرسى» تەزكىرە شەكلىدە يېزىلغان بولۇپ، قەبىلە، ئائىلە ئاساس قىلىنغان حالدا ئىسلاميەتنىڭ بىرىنچى ئەسەردىكى تارىخى تونۇشتۇرۇلغان. بەلا زۇرىنىڭ

قىسىراق ئەسىرى بولغان « يىرافقا يۈرۈش قىلىش تارىخى » يىلىنامە بولۇپ . ئۆنسىڭدا يىرافقا يۈرۈش قىلىشقا دائىر ھېكايمىلەر ئۆزۈلدۈرمەي بايان قىلىنغان . شۇ ئاساستا ئىسلام ئىمپېرىيىسىدىكى ھەرقايىسى ئۆلکىلىرنىڭ تارىخى سۆزلەنگەن . ئەمما ، تۈرلۈك ئەنئەنىؤى ئۆرپ - ئادەتلەر قىسقارتىۋېتىلگەن . تەخمىنەن شۇ دەۋردا يەقۇبى (891 - يىلى ۋاپات بولغان) مۇ ئوخشاش يىپ ئۇچىغا ئاساسەن شىئە مەزھىپى كۆزقارىشدا تۇرۇپ ، قىسىچە دۇنيا تارىخىنى ھەم ئەرەب ئەدەبىي ئەسەرلىرى بويىچە ئەتك بالدۇرقى تارىخ - جۇغراپىيىنى يېزىپ چىققان .

بۇ ئىككى ئەسەر ئىنتايىن قىممەتلەك بولسىمۇ ، لېكىن تەبىرىنىڭ (923 - يىلى ۋاپات بولغان) يىرىك تارىخى ئەسەرىگە يەتمەيدۇ . تەبەرىنىڭ ئەسەرلىرى توپلىمى يېقىنلىقى بىرنه چە ئەسەردىن بۇيانقى مۇسۇلمانلار ئىلىم - پەننىڭ ئالاھىدىلىكىنى ئەكس ئەتتۈردى . ئوتتۇرا ئەسەردىكى شرق كۇتۇپخانىلىرىدا بۇ ئەسەردىن يىڭىرمە پارچىسى ساقلىنىپ كەلگەن . 19 - ئەسەرىنىڭ ئاخىرىدا بىر تۈركۈم ياؤروپا ئالىملرى تەبەرىنىڭ پارچە - پۇرات ئەسەرلىرىنى توپلاپ ئەرەب ئەدەبىياتى خەزىنەسىنى تولۇقلىدى . تەبەرى ئۆز زامانىنىڭ ئەڭ ئېسىل ئالىملرىدىن ئىدى . ئۇ مىلادى 839 - يىلى تەبەرىستانىنىڭ ئامۇر شەھرىدە تۈغۈلغان بولۇپ ، رائى (دا ئوقۇغان . ئۇ باغدادتىكى ۋاقتىدا پۇرسەتنى قولدىن بېرىپ قويۇپ ھەنبىل بىلەن كۆرۈشەلمىگەن ، كېيىن باغدادتا ماكانلىشىشتىن ئىلىگىرى بەسىرە ، كۇفە ۋە سۈرىيىنىڭ بەزى شەھەرلىرىدە ، فۇستان (قەدىمكى قاهرە شەھرى) قاتارلىق جايلاردა ساياهەت قىلىپ يۈرۈپ دەرس ئاڭلىغان . ئۇ توپتوغرا قىرىق يىل ۋاقتى سەرپ قىلىپ دەسلەپكى دەۋردىكى ئىسلام دىنىنىڭ ئلاھىيەت ، تىلشۇناسلىق ، تارىخشۇناسلىققا دائىر

ئەسەرلىرىنى تەتقىق قىلغان . ئۇ تەتقىق قىلغان ئەسەرلەر كۆپلاؤكى جەھەتتە تارىختا بۇرۇن كۆرۈلۈپ باقىمىغان ۋە كېيىنمۇ كۆرۈنەيدىغان دەرىجىگە يەتكەن . ئۇ قىرىق نەچچە يېل لېكسييە ئوقۇش ۋە يېزىقچىلىق بىلەن شۇغۇللانغان . تەبەرى ئاساسەن مۇستەقىل ھەدىسىشۇناس بولۇپ ، ئۆز ئالدىغا قانۇنىشۇناسلىق ئىلمى ئېقىمى ياراتقان (ئۇ ۋاپات بولۇناندىن كېيىن بۇ ئېقىممۇ تۈگەشكەن) ۋە ئىككى ئۆلۈغۇار ئەدەبىي ئىجادىيەت پىلانىنى تۈزۈپ چىققان .

ئۇ بىلتىن - ئاخىر يىن تەتقىقىش ئېلىپ بېرىشناڭ ئەڭ ئىلى دەرسلىكى « وەھى » دەب قىلدى . بىراق ئۇ ، « وەھى » گە شىككى تەرىپتن قارايتىش : بىرىنجى ، ئۇ خۇدا ئەلە « قورىلەن » دىكى يازما تىلى . شىككىنجى ، ئۇ ئىلاڭ ئەنلە ئارخىتكى ئامايمىندىس ، شۇ - - زەبتىن ئۇ ئارقىمىزئارقا « تەبەرى تەبەرى » ۋە « تارىخ تەبەرى » ⑩ نى يېزىپ جىققان ، كېيىگىمۇ ئادەپت بىرىنىبلەرى بويىچە يېزىلەن . كېيىكى ۋەبىيات دۆرلەردىه بۇ شىككى شەسر « قورىلەن » نۇناسلىق ۋە ئارخىتۇناسلىق تەتقىقاتلە ئاساس بولۇپ قەلەن . تارخىتۇناسلىق شۇبەزىكى ، بۇ شىككى يىن ئىجمىدىكى ناجارراقى بولۇپ ، يېزىلىنى جەھىتسىز نورخون كەجلەردىن خلىي ئەمس (يازغۇچىس يائىنلىق ئەنلە ئەجۇن بۇنى چۈشىنىك بولۇدۇ) شدى . ئەمما ، ئۇ ئادىنتىغا قارىغادا ئاشايىش تەزلا نوپۇزلىق ئورۇنغا ئىگ بولدى . بۇنىڭ مۇھىم سۆدىن ، شۇ جەھەتتە رىتابەتچى يوق دەيرلەك شدى . جومىدىن ، بۇ ساھە « قورىلەن » شەھەرلەردىك ھەرقايىسى تەرىپ بىس - مۇنازىرە قەلەن سۈرۈنىز ئەمس شدى . ئادىل كەتلەنلە ئەمس بىردىكالا ، تەبەرىدىن ئىلگىرىكى ۋە كېيىكى شەرسەرنىڭ ھەرقانلىقى مەتھەرىيەل توپلاش داشرىنىڭ كەخلىكى ، ئەملىي بىلەم ئەقتدارى ، مۇستەقىل يىكىر كەلۈزۈش جەھەتلىرىدە تەبەرىنىڭ « تېرىرى » گە يەتمىيدۇ . دەب قىلدى . كېيىنچە شەرق مۇسۇلمانلار بۇنىادىكى ئەنەنجلەرنىڭ « قورىلەن » شۇناسلىق تەتقىقاسىز ئۇنىڭ نوپۇزنى بىرىنىبىي ئەتراب قىلدى . ⑪

ئۇنىڭ تارىخىي ئەسەرلىرىدە زۆر زۆر ۋە قەلەر بىلا زۇرىنىڭ

تاللاش ئۆسۈلىغا ئوخشىغان حالدا . يىللار بويىچە رەتلەنگەن بولسىمۇ ، لېكىن بىر - بىرىگە ئۇلاب بايان قىلىنىماي ، ئوخشىغان نوپۇزلىق قەدىمكى كىتابلاردىن ئېلىنىپ خاتىرىلەنگەن . بۇنىڭدا ئۆ ئىلگىرى « قۇرئان » ھەققىدىكى رىۋا依ەتلەرنى توپلىغانغا ئوخشاش دەسلەپكى مەزگىللەردىكى قەبىلە تارىخىغا دائىر ماتپىياللار ، جۇملىدىن مەدائىنىنىڭ بىر قەدمە تەنقىدىي كۆز قاراشقا ئىگە ئەسەرلىرىدىكى ئەرمەب تارىخىغا دائىر بارلىق رىۋايدەتلەرنى بىر كىتاب قىلىپ توپلاپ چىقىشنى مەقسەت قىلغان . مەلۇم سەۋەبلەر تۈپەيلدىن ، ئۇ ئۆز باهاسى ۋە كۆزقارىشنى ناھايىتى ئاز بايان قىلغان . شۇڭا ، كىتاب بىر - بىرىگە باغلەنىپ كېتەلمىگەن . بەزى جايلىرى مەلۇم كەمتۈكلىك (مەسلەن ، ئىسپانىيىمى بويىندۇرۇش توغرىسىدا ئاپتۇر ئىشىنى ئالىتە قۇر بىلەنلا تۈگەتكەن) دىن خالىي بولالىغان . لېكىن ، دىققەت قىلىشقا ئەرزىيدىغىنى شۇكى ، تەبەرىنىڭ تارىخي ئەسىرى دۇنياغا كەلگەندىن كېيىن ، بىز ئىسلامىيەتنىڭ دەسلەپكى دەۋەرلىرىگە دائىر تارىخنى ئۈچۈق ۋە ئىشەنچلىك حالدا كۆرەلىدۇق . ئىسلامىيەتتىن بۇرۇنقى دەۋەردىكى تارىخقا كەلگەنده ، ئۇ ئەرمەب ۋە پارس تارىخشۇناسلىقىغا دائىر ئادەتتىكى نوپۇزلىق ئەسەرلەرنى ئاساس قىلغان .

يېزىش ئۆسۈبى جەھەتتە تەبەرى بىلەن جانلىق سېلىشتۇرما بولۇپ قالغىنى ئۇنىڭ ۋارىسى مەسئۇدى (856 - يىلى ۋاپات بولغان) ⁶⁰ . مەسئۇدى دەسلەپتە پەن ۋە پەلسەپىنى بېرىلىپ ئۆگەنگەن ، ئىلاھىيەت ئۇستىدە تەتقىق قىلمىغان ، ئۇ ئۆزۈن يىل دېڭىز ۋە قۇرۇقلۇق ئارقىلىق شەرقىنى ساياهەت قىلىپ ، ھەرقايىسى ساھەلەردىكى زاتلار بىلەن ئۆچرىشىش ، جۇملىدىن ، دەسلەپكى تەتقىقات نەتمىجىسى ۋە ئالەمدىكى شەيىلەرگە بولغان يۇنانچە

قىزىقىشى بىلەن ئىنتايىن مول بىلىم ۋە تەجربىگە ئىگە بولغان . ئۇلارنى پۈتۈن زېھنى بىلەن ئىجاد قىلغان قامۇسى ئۈچۈن ماتېرىيال قىلغان ، بۇ قامۇس تارىخ ، جۇغراپىيە ، پەلسەپ ، مۇسۇلمانلارنىڭ دىنى ، مۇسۇلمانلارنىڭ قوشنىلىرى ۋە ئەجدادلىرى قاتارلىقلارنى ئۆز ئىچىگە ئالىدۇ . ئەپسۇسکى ، ئوتتۇز توملۇق بۇ چوڭ ئەسرنىڭ ئەسلى نۇسخىسىن ھازىر غىچە ساقلىنىپ قالغىنى قىممىتى ناھايىتى تۆۋەن بولغان بىر توم ۋە بىرىنچى قىسىمنىڭ مۇھىم نۇقتىلار يېزىلغان بىر تومىدىنلا ئىبارەت . « ئالتۇن يايلاق » ناملىق ئىككىنچى قىسىمنىڭ مۇھىم نۇقتىلىرى 600 بەتنىن كۆپ بولۇپ ، بۇنىڭدىن ، ئۇنىڭ ئەسرلىرىنىڭ يوقلىپ كېتىشنىڭ نەقەدەر ئېغىر ئىكەنلىكىنى چۈشىنەلەيمىز . بىز كىشىنى مۇشۇ قىسىمىدىن بەك جەلپ قىلا لايدىغان ئەردەب ئەسرلىرىنى تۈچرتىالمائىمز . مەسئۇدى بىر - بىرىگە ئۇلانمايدىغان شەكىلدە تەبىئەت تارىخى ، تارىخ ، جۇغراپىيە ، ئىرقۇشۇناسلىق ، دىشۇناسلىق ، تىبا به تىچلىك جەھەتلەردىكى ئەسرلىرنى يازغان . ئۇنىڭ شۇنچە چوڭقۇر نۇقتىشىنەزەرلىرى ، ئىلگىرى يېزىپ قالدۇرۇلمىغان ئاجايىپ ۋە قەلەر ھەقىدىكى تۈگىمەس خاتىرىلىرى كىتابخانلارنى ئۆزىگە جەلپ قىلىپ ، ئۇنىڭ ئەسرلىرىنى قولدىن چۈشۈرمەيدىغان دەرىجىگە يەتكۈزگەن . ئۇ ئۆز ئەسرلىرىگە قىزىقىدىغان كىتابخانىلاردىن ئۆزىنىڭ يېرىك ئەسرلىرىدىكى تەپسىلىي ۋە قەلىكلەرنى سېلىشتۈرۈپ ئوقۇپ چىقىشىنى ئۈمىد قىلىسىمۇ ، بىراق مۇھىم نۇقتىلاردىمۇ ئەمەلىيەتتە نۇرغۇنلىغان قىممەتلىك تارىخى ماتېرىياللار ساقلاپ قېلىنغانىدى . ئۇ ۋاپات بولۇشتىن بىر نەچە يېل ئىلگىرى ، قاھىرىدە ئۆزىنىڭ ئۇمۇمىي ئەسرلىرىگە بىر پارچە قىسىقىچە تۈرگە ئايىش ئىندىكىسى ۋە قوشۇمچە تولۇقلىما يېزىپ ، كىتابنىڭ نامىنى « كىتاب ئوقۇشتىكى

قىبلىنامە ۋە تۈزىتىش » دېگەن.

يەقۇبى ۋە مەسۇددىلارنىڭ ئەسرلىرىدىن شۇنى ئوچۇق كۆرەلەيمىزكى، تارىختىن ئىبارەت بۇ ئۇقۇم ۹ - ئەسرنىڭ ئاخىرىلىرىغا كەلگەندە دىن دائىرىسىدىن ئايىرىلىپ چىقىپ، مۇستەقىل بىر پەن دەرجىسىگە كۆتۈرۈلگەن. دۇنيا تارىخى دېگەنگە كەلسەك، توغرىسىنى ئېيتقاندا، بۇ چاغدا « دۇنيا » دېگەن سۆز يەقەت چەكلىك مەنىگىلا ئىگە ئىدى: « ئەسر مەيدانغا كەلگەن » دىن بۇيان سۆزلىنىپ كەلگەن دۇنيا تارىختىن ئومۇمىي ئەھۋالىدىن قارىغاندا، دائىرىسىنىڭ كەڭ ياكى تار بولۇشىدىن قەتىيىنه زەر، ئۇ ئىسلام دىنىنىڭ تارىخىنى تونۇشتۇرۇشنى مەقسەت قىلغان. ئىسلام دىنى دۇنياغا كەلگەندىن كېيىنكى بۇ ئەسرلەرde باشقا جەمئىيەتلەرنىڭ تارىخىغا قارىتا كۆپ قىزىقىش بولىغان ياكى قىلچە قىزىقىش بولىغان. تارىخ ئۈچۈن تارىخ يېزىشقا قىزىقىشنىڭ ئۈزلۈكىسىز ئۇسۇۋاتقانلىقىنى تۆۋەندىكى مۇھىم ئەسرلەردىن ئىسپاتلاش مۇمكىن؛ تەيپۇر (893 - يىلى ۋاپات بولغان) نىڭ « باغداد تارىخى » (بىرىنچى تومى ساقلىنىپ قالغان)؛ جەھشىyarى (942 - يىلى ۋاپات بولغان) نىڭ « باش ۋەزىر تارىخى » ھەم سۇلى (946 - يىلى ۋاپات بولغان) نىڭ باشقىچىرىڭ ئەدەبىي خاراكتېرىدىكى تارىخى ئەسلىملىرى ® ۋەهاكازارلار بۇ ئەسرلەرنىڭ ھەممىسى كېيىنكى ئەسردىكى يېڭى تەرقىيياتنىڭ مۇقەددىمىسى ھېسابلىنىدۇ.

تەخمىنەن مۇشۇ مەزگىللەرde، مول مەزمۇنغا ئىگە جۇغرابىيە خاراكتېرىلىك ئەسر مەيدانغا كەلگەن. مەمۇرىي باشقۇرۇش ئورۇنلىرىنىڭ ئېھتىياجى دەسلەپكى مەزگىللەردىكى ئەرەب جۇغرابىيىشۇنا سلىقىدا رول ئويىنغان. قەدىمكى يۇناننىڭ رىم دەۋرىدىكىگە ئوخشاش، مۇسۇلمانلار ئىمپېرىيىسىنىڭ

پوچتىچىلىق كەسىپى هۆكۈمەتكە تەۋە ئورگان بولۇپ قالغان .
 گەرچە ئۇلار ئىسىدىكى مەخسۇس ئاتالغۇلارنى داۋاملىق
 قوللانغان ، ھەقتا ساقلاپ قالغان . ئابباسلار خەلىپلىكىنىڭ
 هوقۇقىنى مەركەزگە بىرلەشتۈرۈش يۈزلىنىشى ئۇلارنى ئالاقلىشىش
 قوراللىرىنى ئاسراشقا تېخىمۇ ئەھمىيەت بېرىدىغان قىلغان بولسىمۇ ،
 ئەرەبلىر رىم ۋە پارس تۈزۈمىنى ئاساسەن قوبۇل قىلغان ، ئىبنى
 خۇردەدېبىھە⁸⁴⁴ يېڭى پايىتەخت سامارانىڭ پوچتا باشلىقى بولغان .
 844 - يىلى بىر پارچە پوچتا يولى سخىمىسىنى تۈزۈپ چىققان . ئۇ
 ئۆلکىلىر بويىچە ھەر قايىسى پوچتا ئىدارىلىرىگە قاراشلىق
 بېكەتلەرنىڭ ئىسمى ۋە ھەر قايىسى بېكەتلەرنىڭ ئارىلىقىنى تۈزۈپ
 چىققان ، جۇملىدىن ھەرقايىسى رايونلارنىڭ پوچتا ھەققى
 جەدۋىلىنىمۇ تۈزۈپ چىققان .

جۇغراپىيە ئىلمىنىڭ ئۈزلۈكىسىز تەرقىقىي قىلىشىغا تەسر
 كۆرسەتكەن باشقى ئامىلارمۇ بار . مەسىلەن ، ئەبۇبەكىرى خارەزمى
 ۋە مەسئۇدىلارنىڭ ئەسەرلىرىدە ئەكس ئەتتۈرۈلگەن يۇنانلارنىڭ
 ئىنتىلىش كۈچى ؛ ئەرب يېرىم ئارىلىدىكى جاي ئىسىلىرىغا
 كۈنىچە تىلىشۇناسلىق نۇقتىسىدىن قىزىقىش ؛ جۇملىدىن پارس ۋە
 ھىندىلاردىن كەلگەن تۈرلۈك كۆزقاراش ۋە ماتېرىيال قاتارلىقلار .
 تۈرلۈك ئەسەرلەر ئىچىدە - مەيلى ئۇ گۈزەل ياكى قوپال
 بولسۇن - شۇ دەۋردىكى ئىدىيىشى قىزىقىشنى جۇغراپىيىدىنمۇ
 بەك مول دەرىجىدە ئەكس ئەتتۈرۈلگەن بىرەر ساھە يوق ئىدى .
 مەسىلەن ، خۇردەدېھىنىڭ پوچتا يولىنىڭ مۇساپە قوللانمىسى ؛
 ماتېمااتىكا - جۇغراپىيىگە دائىر ئىلمىي ئەسەرلەر ؛ يەر ۋە دېڭىز
 خەرتىسى ؛ كىشىنى ھەيران قالدۇرارلىق ھادىسىلەر ، ئەتتۈار
 گۆھەر - مەرۋايتلار توغرىسىدىكى تەسۋىرلەر ۋە ساياهەت
 قاتارلىقلارنىڭ ھەممىسى ساناقلىقلا ئەسەرلەر . گەرچە ئۇلار

ناھايىتى قىممەتلەك ۋە قىزدىتارلىق بولسىۇ ، لېكىن بىز تەسۈرگە ماھىر جۇغرابىيە ئالىمىلىرىنىڭ تەسەرلىرىنى، تولىمۇ ياخشى كۆرسىز . يۈقىرىدا ، يەقۇبىنىڭ شۇلارنىڭ بىرى ئىكەنلىكى ھەققىدە توختىلىپ ئۆستىق . 10 - ئەسىردىن ئۇرۇغۇنلىغان چارچىماس سايامەتچىلەر ئۇنىڭ مۇسۇلمانلار دۇنياسغا قىلغان سايامەستىنسى دوراپ ، ھەرقايىسى بىلۈڭ - پۇشقاقلار غىچە يېرىپ ، بىزگە ئۆلکەلەر تەھۋالىي مەققىدە ئۆز كۆزىتىلىرىنى بايان قىلغان . تەپسىلىي خاتىرىلىرىنى قالدۇرغان . بۇ سايامەتچىلەرنىڭ ئەل ئۇلۇغلىسى ئىبىنى ھەۋقەل ④ بىلەن مەقدىسى ⑤ ئىدى . ھەۋقەل 977 - يىلى ئىستەخرى تەرىبىدىن 951 - يىلى يېزىلغان باشلاپقى ئەدرىنى تولۇقلۇغنان . ھەقدىسىنىڭ ئەسىرى 985 - يىلى تۈنۈجى قېتىم نەشر قىلغان . ئۈچ يىلدىن كېيىن تۈزىتىلگەن ئۇسخىسى نەشر قىلغان . ئۇ ئىككىسى يېزىتىلىق جەھەتتە ۋەقەلىكەرنىڭ توپرا بولۇشىغا تىرىشقا . مەقدىسى يالغۇز يېزىش ماھارىتى جەھەتتىلا قاىىدە - يو، ۋۇن ، ئۆرپ - ئادەت ، ئېتقىقاد ۋە مەلىسى ئالاھىدىلىكلىرىنى تەپسىلىي كۆزەتكەنلىكتىن ، مەلۇم دەرىجىدە بىزىندىك ھازىرقى زامان قۇرۇلمالىق جۇغرابىيەمۇزنىمۇ ئالدىن كۆرهلىگەن .

بىزىدە يەندە چەت ئەللەردە تۈرۈشلۈق ئەلچىمەرنىڭ ناھايىتى قىزىقارلىق خاتىرىلىرىمۇ ساقلانماقتا . مەسىلەن ، 1921 - يىلى روسمىيىدە تۈرۈشقا ئەۋەتلىگەن فەزلان بىلەن ئوتتۇ ⑥ ئىلە ئوردىسىدا تۈرۈشقا ئەۋەتلىگەن . ئىسپانىيەلەك يەھۇدى ئىبىنى يەقۇب يازغان سايامەت ئەددىبىياتلىك كىتابخانلىرى ناھايىتى كۆپ ، ئەمرەبىلەر سايامەت قىلىشنى ياخشى كۆرسىدۇ . بۇنداق تېبىمىسى قىزىقىش ئۇستىگە مەككىگە بېرىپ ھەج قىلىش مەجبۇرمىتى قۇشولغاچقا ، بۇ ھال ئۇلاردا غەيرەتى ئەل ۋە غەيرىي خەلقەرگە

بولغان ئىنتىلىشنى ئىلگىرى سۈرگەن . ھازىز بىزىدە ساقلىنىۋاتقان « زەنجىرسىمان تارىخ » (سەلسەتۇلتاتارىخ) دېگەن ئەسەر دەسلەپكى مەزگىللەردىكى ساياھەتچىلەرنىڭ ھىندىستان ، ئافرقا ، جۇڭگو قاتارلىق جايilar ھەققىدە سۆزلەپ بەرگەن ھېكايدىلىرى بولۇپ ، بۇ توپلام 851 - يىلى شىراپخان تەرىپىدىن نۇرغۇن جەھەتلەرىدىكى ماٗتىرىياللارغا ئاساسەن كۆئۈل قويۇپ تۈزۈپ چىقلغان ھەمە 910 - يىلىدىن باشلاپ كۆپەيتىپ تولۇقلانغان . بۇ كىتاب فەدىمكى شەرقتە قىزغۇن ئالقىشقا ئېرىشكەن . كېيىنچە بۇنىڭغا غەربتىمۇ بەزى ئىنكا سلار بولغان . چۈنكى ، ئۇ ياؤروپا تىلىغا ئەڭ بالدوور تەرجىمە قىلىنغان غەيرىي ئىلمىي ئەسەر ئىدى . تەخمىنەن 950 - يىلى رام خورمۇستىن كەلگەن پېرسىيەلىك كېمە باشلىقى تەرىپىدىن يېزىلغان « ھىندى ئاجايىپلىرى » دېگەن ئەسەر « زەنجىرسىمان تارىخ » دىن قالسا بىر قەدەر زور تەسرىگە ئىگە ئەسەر ھېسابلىنىدۇ . ئۇنىڭغا ئوخشىپ كېتىدىغان ئەسەر « ئەقىلا-ر تۆھپىسى » (« تۆھبەتۇل ئەلباب ») مىسىزنىڭ جۇغرابىيىسى ۋە تارىخىغا دائىر رىۋا依ەتلەرنى بايان قىلىدىغان قىسىقچە توپلام بولۇپ ، بۇ كىتابتىكى ماٗتىرىياللارنىڭ كۆپ قىسىمى مەستۇدىنىڭ ئەسەرلىرىدىن ئېلىنغان .

يۇقىردا بايان قىلىنغاندەك نەسىرىي ئەسەرلەرنىڭ كەڭ تۈرددە راۋاجلىنىشى شېئىرىيەت ئىجادىيەتلىك خارابلىشىپ ئىككىنچى ئورۇنغا چۈشكەنلىكدىن دېرەك بېرەتتى . نەسىرىي ئەسەرلەر ئۆزىنىڭ جانلىقلقى ۋە ئىجتىمائىي ئۆزگىرىشلەرگە ئۇڭاي ماسلىشا لايىخانلىقى بىلەن يېڭى يېزىقچىلىق قورالى سۈپىتىدە شېئىرىيەتنى جەمئىيەتتە ئۇيناۋاتقان روپىدىن مەھرۇم قىلدى ۋە ئۇنى گۈزەل سەنئەت دائىرسىدىلا چەكلەپ قويدى . بۇنىڭغا ماس ھالدا زېيالىلارنىڭ ھەۋەس دائىرسى كېڭەيدى .

گەرچە بۇ ئەمرى - مەرۋىپلار ئىسلامىيەتنىڭ ئالدىنلىقى ئىككى ئەسىرىدە ئۆزلۈكىسىز كېڭىيەكىن ۋە ئۆز گەرگەن بولسىمۇ ، شائىرلار بۇ جەھەتتە ئىقىمغا ماسلىشىشقا ئاماللىرى قىلىپ ، ئۆزى پەيدا قىلغان ئەمرى - مەرۋىپلارنىڭ مەھبۇسى بولۇپ قالدى . شۇنىڭدەك شائىرلار مەلۇم جەھەتتە ئۆز جەھىيىتىنىڭمۇ مەھبۇسى ئىدى . شەخسلەرنىڭ نەزمىلىرى ۋە ئولتۇرۇش سورۇنلىرىدىكى نەزمىلىرىدە شائىرلار شۇبەسىزكى ئۆز ھەۋىسى بويىمچە ئەركىن بايان قىلىش ئىمكانييەتىگە ئىگە بولسىمۇ ، لېكىن ئاخىرىدا ھەممىنى ئىدارە قىلىدىغان ئەقىدىچىلىك ئۇلارنىڭ ئاساسلىق يولى « قەسىدە » ئارقىلىق ئۆز قوغدىغۇچىسىنى « ئىلاھە (شتۇرۇش) » ئىكەنلىكىنى بەلكىلەيتتى . بۇنىڭ بىلەن روشهنىكى ، ئىسلامىيەتنىن بۇرۇنقى دەۋولەردىكىدەك شائىرلارنىڭ قەبىلە ئىچىدىكى رولى يەنە ئەسلىگە كەلگەندى .

شۇڭا قاتىمۇقات ئەمرى - مەرۋىپلارنى بۇزۇپ تاشلاشقا جۈرۈت قىلغان شائىرلار مۇشۇ ئەسىرىدىكى ئەڭ قىزىقارلىق شائىر بولۇپ قالغان . ئەبۇتەممام (846 - يىلى ۋاپات بولغان) ئۆزلۈكىدىن ئۆگىنىپ كامالەتكە يەتكەن سۈرىيەلىك شائىر . ئۇ بەدۋىلەر نەزمىلىرىدىكى ياكى قاپىيەلەرنى ئەسلىگە كەلتۈرۈش ۋە ئۇنى ئىراق شائىرلىرىنىڭ يوشۇرۇن ياكى ئوچۇق كىنايىلىك ستىلىستىكىسى بىلەن بىرلەشتۈرۈشكە ئالاھىدە تىرىشقان ؛ شۇنىڭدەك مۇرەككەپ پىكىرىنى نەزمە ئارقىلىق ئىپادىلەشكە ئىنتىلىگەن . شۇڭا ، ئۇنىڭ نەزمە ئەسەرلىرى ئوتتۇرا ئەسىردى ۋە هازىر قىزغىن تەربىلەنسىمۇ ، لېكىن ئۇنىڭ ئەسەرلىرىدىن زورمۇ - زور قۇراشتۇرۇش ، مۇجمەللەك ، ئۇقۇمىسىزلىق ۋە چىچىلاڭغۇلۇق چىقىپ تۈرىدۇ . ئۇنىڭ يۇرتىدىشى ۋە مۇردى بىوهتەرى (897 - يىلى ۋاپات بولغان) ئىنتايىن تالانتلىق شائىر ئىدى .

ئۇنىڭ، نەزمىلىرى گۈزەل ۋە راۋان بولۇپ، شىراق ئۇساۇبى ساقلاپ
 قېلىنىغان. شىراقلىق ئىجىن دۇمى ④ (896 - يىلى ۋاپات بولغان)
 ئۆز - ئۆزىنى كۆزىتىش ۋە تەھلىل يۈر گۈزۈش خاراكتېرىدىكى
 يېڭى بىر خەل نەزمە ئىجاد قالغان. نەزمىنىڭ ھەر بىر كۈپاپتىدا
 بىر نەزمىۇن بايان قىلىنىغان، شېئىرنىڭ ئۆزەمىي مەزمۇنى
 ئورگانىڭ ھالدا بىر پۇتۇن گەۋدە قىلىنىغان. ئەمەر ئەشكەن
 چايىلىرىدىن ئاپتۇرۇنىڭ يۇنانغا بولغان ھېسىياتى ئەكس ئېتىپ
 تىۋىسىدۇ. بۇنداق مۇستەقىل ئىجادىي نەزمە شەكلى (گەرچە
 زىيادىن زىيادە مۇڭلۇق ھېسىيات بىلەن نابۇت قىلىمۇنىڭىن
 بولسىمۇ)، كىشىلەرنى خېلىلا زوقلانىدۇر سىمۇ، لېكىن قۇنى تەقلىد
 قىلىشىش دۈمىكىن ئەمەس شىدى. شىراق يېڭى، نەزمەپىگە مەنسۇپ
 كىشىلەر ئازىسىدا ئەڭ تىپىك، ئەسرى ئەڭ چۈلە بولغان
 ۋە كىلىلىك خاراكتېرىگە ئىكە كىشى ئاببا سلار ئەلىپىلىكىنىڭ
 بىه خىتىسىز شاھىزادىسى ئىجىن مۇئىتەز ⑤ (ئىجىن دەقەفخە) بولۇپ،
 قىز 908 - يىلى قەست بىلەن ئۆلتۈرۈلگەن. شۇنىڭ بىلەن ئۇنىڭ
 خەلسەپىلىك خانلىقىمۇ گۈر ران بولغان. ئەدەبىي ئەمەرلىرىنى
 سېتىش بىلەن كۈن كەچۈرۈدىغان شائىرلار ئۆزى بەڭ، ئۆزى
 خان بولالىمايتقى. ئەمما، مۇئىتەز بولسا، ئەنئەن ئۆزى تىما بىلەن
 ۋەزىن قائىدىسىنى ئەركىن ھالدا يېڭىچە خەت - چەڭ شەكلى ۋە
 خاتىمە شەكلىدىكى نەزمىدە قوللانغان. ئۇنىڭ ئۆزىگە خاس
 ئۇسلۇبىتىرىكى ئىجادىي يېڭى، ئىدىسى ئەۋەر، ئاكىسى خەلپە
 مۇھىتەدىنى تەبىرىكىلەپ يازغان ئۆزۈن - قىقا 450 قارمۇن قارشى
 جۈملەدىن ئۆزۈلگەن كەچىك داستانىنى ئۆز ئىچىگە ئالدى. مۇئىتەز
 بىر يېڭى نەزمىدىكى گۈزەل سۆزلەرنى بىر نەچچە تىپقا ئايىپ،
 نەزمىشۇناسلىق ئىجادىيەتى بويىچە (بىردىنبىر) ئەرەب شائىرى
 بولۇپ قالغان. بىراق، ئۇ ئەرەب شائىرىلىرى ئەمەل قىلىپ

كېلىۋاتقان ئەم - مەرۇپلارنى ئۆزگەرتىپلا قويغانلىقى ، ھېچقانداق ئىلاھ قىلىمىغان .

3 - باسقۇچ

(مىلادى 945 - 1055 - يىللار)

مىلادى 10 - ئەسىردا باغداد ۋە ئىراقتىكى ئەرمەب ئەدىبلىرىنىڭ ھۆكۈمرانلىق ئورنى ئارقىمۇ ئارقا دۇنياغا كەلگەن ئىلىم مەركەزلىرىنىڭ مۇسابىقىسىگە دۈچ كەلدى . ئابباسلار خەلپىلىكىنىڭ كونترۇللۇقى بارا - بارا زەئىپلىشىپ ، ئىلگىرىكى دۆلەت زېمىندىن يېڭى گۈلەنگەن بەزى كۈچلۈك دۆلەتلەر بۆلۈنۈپ چىقىتى . بۇ يېڭى خانلىقلار بەزى يازغۇچى ۋە شائىرلارنى سېتىمۇلىش يولى بىلەن ئۆزىگە تارتىپ ، ئۆز شۆھرىتىنى ئۆستۈرۈش بىلەن بولۇپ كەتتى . 945 - يىلى پېرسىيەلىك بۇۋەھىيە قەۋىمى باغدادنى بېسۈپلىپ ، ئۆزىنىڭ ئۆلکە مەركىزىي قىلىۋالدى . بۇ ئىسلام ئىمپېرىيەسىنىڭ سىياسىي ۋە مەددەنیيەت تۈرمۇشىدىكى بىر قىتىلىق زور بۇرۇلۇش ئىدى . بۇۋەھىيە قەۋىمى شىئە مەزھىپىگە تەۋە بولسىمۇ ، لېكىن ئۇلارنىڭ ھۆكۈمرانلىقىدا ئابباسلارنىڭ خەلپىلىكى ساقلاپ قىلىنغان ھەم ئۇلارنىڭ قارا زېمىنلىرىدا ھوقۇق لەيئى ، فارس ، ئىراقلاردىكى پادشاھ جەمەتلەرى ئەتراپىغا مەركەزلىه شتۈرۈلگەندى . بۇنىڭ بىلەن ئەنەنچىلەرنىڭ بىسىمغا ئۇچراش ۋەزىيەتى ئۆزگەردى . مۇشۇ ئەسىر ئىچىدە شىئە مەزھىپىنىڭ تەلماٰتى بىرمەھەل شىمالىي ئافرقىدىن پېرسىيەنىڭ شەرقىغە قەدەر ھۆكۈم سۈردى . ئۇنىڭ قوغدىشى ئاستىدا يۈنان مەددەنېتىنىڭ بىلەن - بىلەنەس تەسىرى بارا - بارا شانلىق مۇۋەپپەقىيەتكە ئېرىشتى .

ئەرەب ئەدەبىياتىنىڭ تارقاق ھالەتتىكى تەرىەققىياتى بىلەن
 زىج ماسلاشقان ھالدا ، مۇسۇلمانلار دۇنياسىنىڭ ھەرقايىسى چوڭ
 شەھەرلىرىدە كۈتۈپخانىلار ۋە مەدرىسلەر قۇرۇلدى . خان ، ۋەزىر -
 ۋۇزىرار تۈرلۈك قىممەتلەك كىتابلارنىڭ تۇنچى نۇسخىسى ياكى
 قولىيازمىسىنى بەس - بەس بىلەن توپلاشقا كىرىشتى . بەزى ئىلىم
 مەركەزلىرى مەخسۇس پەنلەرنىڭ ئوقۇغۇچىلىرى ۋە ئۆلىمالىرىغا
 ياردەم بېرىش توغرىسا تۈرلۈك بەلگىلىملىرنى تۈزۈپ چىققان
 بولۇپ ، بۇ بەلگىلىملىرنىڭ تەپسىلىي ماددىلىرى كىشىنى ھەيران
 قالدۇراتتى . 990 - يىلى باگداداتا كىچىكىرەك بىر مەدرس
 قۇرۇلۇپ . ئۇنىڭدا ئۇن مىڭ تۆت يۈز پارچە كىتاب ساقلانغان :
 قاهرىدىكى فاتىمە سۇلالىسىنىڭ ئازىز ناملىق چوڭ كۈتۈپخانىسا
 ساقلانغان كىتاب 120 مىڭ پارچىدىن كەم ئەمەس ئىدى .
 كوردوۋادىكى ھاكىن كۈتۈپخانىسا ساقلىنىۋاتقان كىتاب
 ئۇنىڭدىنئىمۇ كۆپ ئىدى . بەزىلەرنىڭ تەسەۋۋۇرچە (گەرچە
 گۇمانلىق بولىسىمۇ) باگدادلىق نادىم 988 - يىلى
 تۈزگەن « مۇندەرچە » ئېھتىمال بەزى كۈتۈپخانىلاردا
 ساقلىنىۋاتقان كىتابلارنىڭ مۇندەرچىسى بولسا كېرەك . بۇ داڭلىق
 ئۇلۇغ ئەسەرنىڭ باش تەرىپىگىلا تۈرلۈك تىل - يېزىقلار ھەم
 مۇسۇلمانلار ئېتىراپ قىلغان ھەدىسلەر كىرگۈزۈلگەن . ئاندىن
 ئەرەب ئەدەبىياتىدىكى ئوخشىمىغان يەتنە پەن - تىلىشۇناسلىق ،
 تارىخ ، شېئرىيەت ، ئىلاھىيەت ، قانۇن ، پەلسەپە ، رىۋايەت ۋە
 سەھىگەرلىكە دائىر تۈرلۈك ماقالىلار ، دىنىي مەزھەپ ، چەت ئەل
 دىنى ۋە ئالتۇن تاۋلاش تېخنىكىسىغا دائىر ئىككى خىل ماقالە
 كىرگۈزۈلگەن . ئاپتۇر ھەرقايىسى قىسمازاردا مۇشۇ مەزمۇنلارغا
 دائىر مەشھۇر كىتابلارنى ، كىتاب ئاپتۇرلىرىنىڭ قىسىچە تارىخى ۋە
 يېقىن شەرقنىڭ مەددەنئىيەت تارىخىغا دائىر باشقا قىممەتلەك

ماتېرىياللارنى كىرگۈزگەن . « مۇندەرجىھە » بىزگە شۇنى چۈشەندۈردىكى ، ئىسلامىيەتنىڭ دەسلەپكى ئۆچ ئەسلىدە ئەرمەب ئەدەبىياتىغا دائىر ئەسەرلەر ناھايىتى كۆپ بولسىمۇ ، لېكىن هازىر غىچە يېتىپ كەلگىنى ئىفتايىن ئاز ، بىزدە بىرمۇنچە ئاپتۇرلارنىڭ پەقەت ئازغىنا ، پارچە - پۇرات ئۆزۈندىلىرىلا بار . ئەگەر بۇ « مۇندەرجىھە » بولمىغان بولسا ، بىزگە نۇرغۇن ئاپتۇرلارنىڭ ئىسمىمۇ مەلۇم بولمىغان بوللاتتى .

تىلشۇناسلار ئىلمىي ئېقىمىنىڭ پائال تۈرددە پائالىيەت ئېلىپ بېرىشى بىلەن ئەدەبىي شىجادىيەت زور دەرجىدە راۋاجلاندى . بىرمۇنچە مەخسۇس ئەدەبىي تەنقىد - ئالدى بىلەن شېئىرىيەتكە قارتىلاغان تەنقىد مەيدانغا كەلدى . دەسلەپكى مەزگىللەردىكى تىلشۇناسلار مەلۇم شائىر ياكى مەلۇم ئەسەرنىڭ مۇۋەپپەقىيەتى توغرىسدا ئۆز پىكىرىنى ئەركىن ئوتتۇرۇغا قويىسىمۇ . لېكىن ، مۇتلەق كۆپ قىسىمى سۇبىيەكتىپ ھۆكۈم قىلىش بىلەن ئوتتۇرۇغا چىقاتتى . ھەممىدىن ئاۋۇال « ئالتۇن بېلىق كۆزى » - جاھىز بىلەن موئىتهزىلا سىستېمىلىق ئوبىزور يازدى . ستىلىستىكىشۇناس قۇدامە ئىبنى جەئپەر (922 - يىلى ۋاپات بولغان) مۇ نەزمە ئەسەرلەردىكى « گۈزەلىك » بىلەن « سەپسەتە » نى پەرقىلەندۈرۈشنىڭ ئۇسۇلىنى تونۇشتۇرغانىدى . 10 - ئەسەرنىڭ ئاخىرىدا ئەبۇسال ئەسکەرى (1005 - يىلى ۋاپات بولغان) نەزمە ئەسەرلەر ۋە نەسربىي ئەسەرلەرنىڭ قۇرۇلۇشى ، جۈملە تۈزۈش ، سۆز ماھارىتى قاتارلىقلار ئۇستىدە ئەترابلىق تەنقىدىي تەھلىلىنى ئوتتۇرۇغا قويغان . بۇنداق مۇنازىرەنىڭ روشهن ئالاھىدىلىكى شۇ ئىدىكى ، ئۇنىڭدا شەكىلگە ئەھمىيەت بېرىلىپ ، مەزموۇنغا سەل قارىلاتتى . شەكىل نەزمىنىڭ ياخشى ياكى ناچارلىقىنىڭ ئۆلچەمى قىلىناتتى . بەزىلەر ئۇچۇقتىن - ئۇچۇق نەزمە جەھەتتە يېڭىلىق

يارىقىشىن سۆز ئېچىش مۇمكىن ئەمەس . ئەگەر ئاز - تولا يېڭىلىق
 يارىتىش مۇمكىن دېپىلگەن حالەتتىمۇ ، ئۇ ھېچىنەمىگە دال
 بولمايدۇ : شائىرلارنىڭ ئۆزئارا پەرقى ئىپادىلەش ئۇسۇلىنىڭ
 ئوخشىماسىلىقىدا . دەپ قارايتتى . ئابدۇل قابىرا جۇر جانى (1078 -
 يىلى ۋاپات بولغان) بۇ خىل خاھىشنى مەلۇم دەرىجىدە تۈزەتتى .
 ئۇ مەنتىقلىق ۋە پىسخولوگىيەلىك تەھلىل ئارقىلىق
 ئىلگىرىكىلەرنىڭ ھەددىدىن ئاشۇرۇۋەتكەن شەكلەن تەھلىلىنى
 تولۇقلىدى . ئىپادىلە كەچى بولغان ئىدىيىنى ئوخشاشلا ئويلاشنى ،
 بىرىرىگە ئېغىپ ، بىرىنى تاشلاپ قويىمالىقنى تىلەپ قىلدى .
 ئەدەبىيات ساھەسىدىكى ئېستېتىكلىق مۇنازىرە بىر نۇقتىنى ، يەنى
 بەس - مۇنازىرە قىلىنغان ئادەتتىكى ئەسەرلەرنى « قۇرئان » بىلەن
 تەڭ ئورۇنىغا قويىمالىق پىرىنسىپىنى مۇھىم ئورۇنىغا قويىدى . شۇ
 چاغدا ئەۋوج ئالغان نۇقتىلىق حالدا شەكلەن تەندىق ئېلىپ بېرىش
 پىكىر ئېقىمى دىنىي ساھەدىكىلەر ۋە جۇر جانىنىڭ قارشى تۇرۇشىغا
 قارىمای ، مۇقەررر يۈسۈندا كەڭ تارقالغان نەسرىي ڇانىر
 نەزەرىيىسى بىرىيىچە سۆز ئىشلىتىشتە ئالىيجاناب بولۇشتەك
 ئالاھىدىلىكىنى نامۇۋاپىق حالدا تەكتىلەشكە ئېلىپ باردى .

بۇ قائىدىلەر « نەزمە » شەكلىدىكى نەسرىي ئەدەبىيات
 ڇانىرىغا تېخىمۇ تەسىر كۆرسىتىپ ، ئۇنىڭىمۇ ئوخشاشلا تەلەپنى ،
 يەنى سۆز ئىشلىتىشتە تەكرار - تەكرار مۇلاھىزە يۈرگۈزۈپ ،
 پىشىق ئىشلەش تەلىپىنى قويىدى . ئەدىپنىڭ ئاجايىپ سەنىتى
 مەنزىرە تەسوپرى ، كىشىلەر ئۇستىدىكى ئادىبى تەسوپ ، ئىدىيىۋى
 ھېسىيات ، ئىجتىمائىي ۋەقه ، ئوبىيكتىپ شەيىگە دائىر پارچىلار
 (فۇسۇل) دىمۇ ، شۇنداقلا ، تۈرلۈك ھېيت - ئايەملەرده دوست -
 يارەنلىرى ياكى خىزمەتداشلىرىغا بېخشلىغان خەت - چەك
 شەكلىدىكى نەزملىرىدىمۇ (راسائل) ئىپادىلىنىدۇ . مۇئىتمۇ بۇ

خل سەنئەتنىڭ ئىجادچىسى بولالىغان حالەتتىمۇ ، ھېچ بولمىغاندا تارقاتقۇچىسى بوللايدۇ . 10 - ئەسەردىن بۇ خىل سەنئەت ئەرىستاننىڭ شەرقىدىكى ئۆلکىلەرنىڭ ئىلىم - پەن ساھەسىدىكىلەر ئارىسىغا ئىنتايىن كەڭ تارقالدى . ۋەزىر - مىزىلار قاتلىمى هەممىدىن بۇرۇن ئۆزىنى پىدا قىلىپ ، ئۇنىڭ قۇربانى بولۇشقا تاس قالدى . ۋەزىرلىرى ئەمەلدارلار سورۇنلىرىدا مەنسەپكە ئېرىشىش ئۈچۈن ، كامالەتكە يەتكەن ئەسەرلىرىنىڭ ھەممىسىنى تەقلىد قىلىپ قوللىنىشقا تىرىشاتتى . ئۇلار كۆپچىلىك ھەۋەس بىلەن ئوقۇيدىغان گۈزەل ، ھەجۇنى ، مازاق قىلىش شەكلىدىكى ئەسەرلىرىنى ئۆلگە قىلىپ ، يېزىش قابىلىيەتنى ئۆزلۈكسىز ئۆستۈرۈدىغان بولدى . شۇنىڭ بىلەن ئاخىر بىر خىل « ئوردا ۋەزىرلىرى شەكلى » (ئىنشاد) بارلىققا كەلدى . ئۇزاققا قالماي نەزمىلىك نەسرىي ئەسەرلەرمۇ مەيدانغا كەلدى . دەسلەپكى مەزگىللەردە نەزمە نەسرىي ئۇسلۇب (ساج) ئىنتايىن ئەتىۋارلىنىاتتى . چۈنكى « قۇرئان » ئاشۇ شەكىلدە يېزىلغان . شۇنىڭدىن كېيىنكى يۈز ، ئىككى يۈز يىل ئىچىدە ئىسلام دىنىنىڭ چوڭ مەسچىتلەرىدە جۈمە نامىزىدا ئوقۇلىدىغان قۇتبىلىرىدا بۇ شەكىل پەيدىنپەي قوللىنىشقا باشلىغان بولسىمۇ ، لېكىن ئۇ ئلاھقا ھۈرمەتسىزلىك بولۇپ قىلىشتىن ئېھتىيات قىلىش تۈپەيلىدىن ئومۇملاشمۇغانىدى . سەيق دەۋلە خانلىقىنىڭ ئوردا مەدداسى ئىبنى ناباتا (984 - يىلى ۋاپات بولغان) مۇشۇنداق نەزمە نەسرىي شەكلىدىكى ئەسەرلىرىنى يازغان . ئۇنىڭ ئوغلى بۇ ئەسەرلىنى ساقلىغان بولۇپ ، كېيىنكى كىشىلەر ئۇنىڭ ئەسەرنىڭ ئۇسلۇبى ۋە مەزمۇنىغا يۈقىرى باها بەرگەن . 10 - ئەسەرنىڭ ئوتتۇرسىدا ئەبۇ ئىلفادى ئىبنى ئالىمد (969 - يىلى ۋاپات بولغان) نەزمە نەسرىي ئۇسلۇبتا ئالاقە يازغان . ئۇ ۋە ئۇنىڭ شاگىرتى ،

ۋارىسى ئىبىنى ئىبات (يەنە بىر ئىسمى ساھىب ، 995 - يىلى ۋاپات بولغان) بۇ خىل ئەدەبىي شەكىلىنى تولىمۇ ياقتۇرغان ھەم خەت - ئالاقە شەكلى قىلىش ئۈچۈن تىرىشقا ، بىراق ئالدىنلىقى قاتاردىكى ئەدىبلەر بۇنداق شەكىلىنى تاسادىپپى بىزەشتە ياكى مۇقەددىمىدە قوللاغاندىن سىرت ، ئادەتتە قوللاغان . جۇغراپپىيە ئالىمى مەقدىسى 985 - يىلى . ئۇنىڭ زامانىسدا بىلىملىك زاتلارنىڭ نەسرىي شەكىلگە قىزىقىپ ، نەزمە شەكىلىنى ياقتۇرمائىدىغانلىقىنى ، پەقەت چاکىنىلارنىڭلا نەزمە شەكىل ۋە نەزمىلىك نەسرىي شەكىلىنى ياقتۇرغانلىقىنى يازغان .

شۇنداقتىمۇ ئوردا يېزىقچىلىق سەنستى دۇنياغا كېلىش بىلەن كىشىلەرنى ئۆزىگە شۇنچە جەلپ قىلغان ئەرەب تىلى سىلىستىكىسىنى ئۆزاققىچە ئەدەبىيات ساھەسىنىڭ سىرتىدا قالدۇرۇش مۇمكىن ئەمەس ئىدى . بولۇپمۇ تىلشۇناسلار ئارىسدا تېخىمۇ شۇنداق ئىدى . بۇ خىل سىلىستىكىلىق ڙانىر نوقۇل ئەدەبىيات تارماقلىرىغا ناھايىتى تېزلىك بىلەن سېڭىپ كىردى ۋ ئەسەرلەرگە تولىمۇ گۈزەللەك ، ئەقىل - پاراسەت ، راۋانلىق بەخى ئەتتى . بۇنى ئەرەب پروزىسىنىڭ تەرەققىياتىدىكى ئىنتايىن مۇھىسىر قەدمى دېيشىشكە بولىدۇ . بىراق ، بىز ناھايىتى تېزلا شۇنى سېزىۋالايمىزكى ، پەم - پاراسەت ، چەبىدەسىلىك جەھەتتىكى مۇنداق يۈكىلىش بۇ جەھەتتە تالانتى بار يازغۇچىلارغا بەدىئىلىك جەھەتتە بىرمۇنچە يېڭىلىق ياراتقان ئەسەرلەرنى يېزىش ئىمكانييەتتى بەردى . لېكىن ، ئۇلارنىڭ بۇنىڭغا بەرگەن بەدىلى زور بولدى . نەزمىلىك نەسرىي ئۆسلىۇقا چوقۇنۇش مۇئەررىغا ئوخشاش تالانتلىق ، مۇلايم ۋە جىمغۇر كىشىلەرنىڭ ئىستىلىنى بۇزۇش بىلەن قالىدى . ھاكاۋۇرلۇق تۈپەيلىدىن ئەرەب يازغۇچىلىرى رېئال تۇرمۇشتىن تېخىمۇ يېراقلىشىپ كەتتى . ئەرەب

ئەدەبىياتى تېخىمۇ يىراقلىشىپ كەتتى . ئەرەب ئەدەبىياتى تېخىمۇ سولىشىپ قالدى . تۆۋەندە ئەرەب ئەدەبىياتىنىڭ ھەرقابسى رايونلاردىكى تەرقىييات ئەھۋالىنى كۆرۈپ باقايىلى :

(۸) سېيق دەۋەلە تەشكىلاتى : سۈرىيەنلىك شىمالىدىكى ئەرەب ھەممەدانى كىچىك پادشاھلىقى ئىلگىرى بىرنهچە يىللۇق شانلىق دەۋرنى ئۆز بېشىدىن ئۆتكۈزگەن بولۇپ . ئۇرغۇپ تۇرغان شېئىرىيەت تالانتى بىلەن پادشاھلىققا تۈگىمەس شان - شەرەپ كەلتۈرگەنسىدى . پالۋان سېيق دەۋەلە (۹۴۴ - يىلدىن ۹۶۷) يىلاغىچە تەختتە بولتۇرغان) ئۆزىنىڭ مەردانلىكى ، سېخىيەلىقى بىلەن داڭق چقارغانىدى ۋە ھەلب شېئىرىيەت مۇنېرىدىكى يەتتە باتۇرنىڭ ھۈرمىتىگە سازاۋەر بولغانىدى . ئۇلارنىڭ ئۆز ئالدىغا ئالاھىدىلىكلىرى بولسىمۇ . لېكىن ھەممىسى دەۋەنلىك گېپىنى سلاتتى . يەتتە كىشى ئىچىدىكى ئەبۈپراس (۹۶۷ - يىلى ۋاپات بولغان) دەۋەنلىك ئوغۇل جىيەنى بولۇپ . مەلۇم ئىقتىدارغا ئىمەن ئىدى . ئۇنىڭ كونستانسنوپولدا قاماقتا ياتقاندا يازغان شېئىرلىرى تەبىئىي ، راۋان ، ھېسىياتلىق ئىدى . يەتتە باتۇرنىڭ بىرى بولغان مۇتەنەببى (۹۶۵ - يىلى ۋاپات بولغان) نىڭ ئوبرازى ئەڭ ئۇلۇغ بولۇپ ، بۇ تەشكىلات پەقدەت ئۇنىڭ نامى بىلەن ئەرەب ئەدەبىياتى مۇنېرىدە ئالاھىدە ئورۇنغا ئىگە بولالىغانىدى . يەرلىك ئوبىزور چىلار ئۇنى ئەرەبلەرنىڭ ئەڭ ئۇلۇغ شائىرى ، ھېچ بولمىغاندىمۇ ئەرەبلەرنىڭ ئەڭ ئاخىرقى كاتتا شائىرى دەيتتى . مۇتەنەببى ئۆزىنىڭ ئەركىن ، جۇشقۇن خاراكتېرى بىلەن « كەلگۈسىدىكى پەيغەمبەر » دېگەن نامغا ئىگە بولغان . ئۇ كۈفەدە تۈغۈلغان ، شېئىرىيەتنى ئۆگىنىش كەچۈرمىشلىرىدىن قارىغاندا ، سۈرىيەلىك بولسا كېرەك . ئۇ ئەبۇ تەمامىنىڭ ئەرەب ئەنەنسىنى راۋان ، يۈقىرى ماھارەتلەك ئىراق ئىلمىي ئېقىسى

بىلەن مۇۋەپىپە قىيىە تىلىك حالدا بىر لە شتۈرگەن . ئۇنىڭ
ماختاتىچا قالىقى ۋە مەغۇرۇلۇقى شېشىرىمىدا ئۇچۇق ئىپادىلىنىه تتنى .
بۇ نۇقتا ئۇ ھايىات ۋاقتىدا ھەم ۋاپات بولخاندىن كېيىنگى دەۋولەردە
ئۇرۇغۇن قېتىم رەقىبلەرنىڭ ھۇچۇمى ۋە تەنقىدىگ ئۇچىغان .
لېكىن ، ئادەتتە مۇتەنەببى، ئەسەرلىرىنىڭ قۇرۇلمىسى رەتلىك ،
سۆزلىرى جايىدا بولۇپ ، ئۇنى كېيىنگى « قەسىدە » شائىرىلىرى
بىلەن تەڭلە شتۈرگەلى بولمايدۇ .

مۇتەنەببىنىڭ قەسىدىلىرى دەسالەپكى مەزگىللەردىكى
« قەسىدە » لەردىن پەرقىلىنىدۇ . ئۇنىڭ قەسىدىلىرى ئورگانىڭ بىر
پۇتۇن گەۋە بولۇپ ، تەبىشى، ۋە تەرتىپلىك حالدا بىر مەزمۇندىن
يەنە بىر مەزمۇنغا يۆتكىلىدۇ . ئەجەبلەنەرلىكى شۇكى ، بۇ خىل
بەددەپ ماهارەت ئەرەب ئوبىزورچىلىرىنىڭ ماختىشىغا
ئېرىشەلمىسى . ئۇلار داش شېشىرنىڭ باش - ئايىغىنى قايرىپ
قويۇپ (كۈونا ئادىتى بويىچە) ، بىرنەچچە مىرائى تاللىمۇپلىپلا
شېشىرنى كەم سۇندۇراتتى . لېكىن ، قانداقلا بولمسۇن ، بىز شۇنم
كۆرۈشىمىز كېرەككى ، ھېچقانداق شائىر ئەرەب تەددەبىياتى
خەزىسىنىڭ ئۇنىڭدىك كۆپ جاراڭلىق نەزەتە قىدىم قىلالىغان
ئەمەس .

كىشىنىڭ قەلبىگە سىزان مەرددۇ ... مەرداڭىڭ ھامان ،
مەردىرىنىڭ يۈركەكلىكى بولغاى مۇشقا قەتتە ئايىان .
ۋىجدانلىقنى شىزىھەتلە ۋاپا قىلغاي ئول ساڭا ،
ماختىساڭ پەسکەشنى بولغاى ئۇ تەك بېئور شول ڈامان .

گەر قۇياش مەۋچۇلىقىغا قىلىنىسا شاھىد تەلەپ ،
ئۇ شېر ئالەمنى ئەقىل مۇتەق بىلەلمەس ھېچقاچان .
ئەزىزىگەن سۇلتانى كاپۇر ^و بۆلەكتىنى ئىزدىمەس ،

دېڭىزغا تەلپۈنگىنىڭ ماڭ ئېقىننى تاشلابان .
 ئۆزگىگە گۆر كولىغانلار ئاخىر ئۆزى چۈشەر ،
 پىشۇالار ئىزىدىن ئەۋلادىمىز ماڭعاي راۋان .

بۇ شانلىق تەشكىلاتنى گەۋىدىلەندۈرگەن . بىراق ،
 هازىر غىچە كىشىلەرنىڭ دىققىتىگە سازاۋەر بولمىغان
 مۇسۇلمانلارنىڭ ئەڭ ئۇلغۇغ مۇتەپەككۈرى فارابى (950 - يىلى
 ۋاپات بولغان) دېگەن يەنە بىر كىشمۇ بار . فارابى ئوتتۇرا ئاسىيا
 تۈركلىرىنىڭ ئەۋلادى . ئۇنىڭ تىبابەتچىلىك ۋە مۇزىكا
 ساھەسىدىكى ئەسەرلىرى كلاسىك ئەسەر بولۇپ قالغان بولسىمۇ ،
 لېكىن ئۇنىڭ نامىنىڭ هازىر غىچە يېتىپ كېلەمشى — ئۇنىڭ ئەرەب
 پەلسەپىسىگە قوشقان تۆھپىسىدىن بولغان . فارابى (يېڭى
 ئەپلاتونچىلارنىڭ ئېيتىشىچ) ئارىستىوتېچىلار بىلەن
 ئەپلاتونچىلارنىڭ تەلماٽىنى كېلىشتۈرۈشكە تىرىشقان . بىراق . ئۇ
 بىر تەقۋادار ئىسلام ئېتقادچىسى سۈپىتىدە ، پۈتۈن زېھنى بىلەن
 پۈتكۈل يۈنانىنىڭ پەلسەپە قائىدىلىرىنى ئىسلامىيەت ئەقىدىلىرى
 بىلەن بىرلەشتۈرۈشكە تىرىشقان . ئۇنىڭ ئەسەرلىرى ئىچىدە بىزنى
 ئەڭ قىزىقتۇرۇدىخىنى « پەزىلەتلىك شەھەر » (« ئەلمەندىنە
 فازىلە ») بولۇپ ، سىياسەت بىلەن دىننىڭ بىرلىكىنى
 شەھەلەيدىغان بۇ رسالىنى « غايىۋى دۆلەت » ④ دېگەن
 كىتابنىڭ مۇسۇلمانچە نۇسخىسى دېيشىكە بولىدۇ .

سەيق دەۋەلە ۋاپات بولۇپ ئۇزۇن ئۆتمەي ، شىمالىي سۈرىيە
 ئىلمىي ئېقىسىدىكىلەرمۇ تۈگەشتى . بۇ يەردە قېپقالغان يەنە بىر
 كىشى ئۈستىدە توختىلىپ ئۆتۈشكە توغرا كېلىدۇ . ئەبۇلئەلا
 مۇئەررى (937 - 1057) ئەرەب ئەدەبىيياتى ساھەسىدە جۈپتى -
 جورىسى يوق ، ئويلىمىغان يەردەن چىققان بىر كىشى .

كىچىكىدىنلا ئۇنىڭ ئىككى كۆزى ئەما بولۇپ قالغان بولسىمۇ ، ئۇ
 يەنە ھەلەبگە بېرىپ بىلىم ئالغان ۋە باغدادتا چىقىش يولى ئىزدەپ
 يۈرگەن . ئاخىر ئۆز يۈرتى مۇئىررەگە قايتىپ كەتكەن . شېئىرلىرى
 (شېئىرلار توپلىمىنىڭ نامى « سىقى زەندى ») دىن
 قارىغاندا ، ئۇ ئىلگىرى مۇتەنەببىنىڭ مۇرۇدى بولغان بولسا كېرەك .
 لېكىن ، كېيىنكى شېئىرلىرىدا ، گەرچە ئۇنىڭ شېئىرلىرى قاپىيە ۋە
 سۆزلىك جەھەتتە ئىنتايىن مۇرەككەپ بولۇپ ، « لۇزۇمىيات »
 دېگەن مەخسۇس ئىسم بىلەن يوشۇرۇن ئىپادىلىنىدىغان بولسىمۇ ،
 مۇئەدرى كونىنى بۇزۇپ ، يېڭىنى تىكىلەشكە جۇرئەت قىلغان ، ئۇ
 ئۇلۇغ ئىنسانپەرۋەر ، كۆزى ئۆتكۈر ، ئەمما پەرشان مۇتەپەككۈر
 ئىدى .

نىڭون بادا بېرىپ طۇنداق « دىدۇ ، ئۇ شىراكتى ئۆزىگە يول بىشامىجى
 قىلىپ ، دۇيىىكى كىشىرگە شىركىن ھەلدا بادا بېرگەن . بۇ شىرىز زەيدىكى
 ھۆكۈمرەنلار ۋە ئەستىپازلىق تېبىقە ئۇچىزۇن ئىنتايىن سەتىلىك شىدى . ئۇ
 ئەنسىيەتلەك تىراكىپدىيىسى ئۇستىدە ئوييانغىندا ، ئادەتلىزلىك ، ھىلەرلىك ،
 خۇرابىاتلىققا چەكىز نېرىتىپ بىلەرگەن . ئۇ شەلاقى ، قىبەلەكىنى ياش قىلب ،
 مېل ېزىلتى ۋە شەقل - ياراستى يورۇتۇپ بېرگەن . بۇ ئۇنىڭ شەھەرلىرىدىن
 ئۇ دەۋرىنى دادىل ، ئەدىللىق پىلىن تەسۋىرلىكىنى كېزەپىز . بولابىمۇ كىنى
 تەسۋىرلىنى دەۋرىسىنى شۇكىنى ، بۇ سەنچىسى قورقۇنجاقنىقا قىلىش كۇردىش قىلغان .
 ئۇ ئۆز زېھىنى قۇۋۇتسى پىلىن تۈرلۈك چىئىتلىرىنى يەتىا سېرىدىلىقغا ئەتنىگەن .
 ئۇ ئۆزى شەھىشكەن ئازراق تەسۋىرلىنى ئۆزىھە قىالالىن . لېكىن ، بۇنىڭ « لۇزۇم »
 دىرىنىڭ كۆزىچىلىكى بىمنە ۋە تېتقىز . بۇرۇغۇن شەرلىرى چەچلاڭغۇ ،
 ماتەئىپ ، بىزنىڭ زوق ئەلتىمىزدىن ئېلىپ ئېيتقاندا ، ئۇنىڭ زەركىلىكى كىنى
 چىدىغۇزىز دەرىجىدە شىدى . كىشىر ئۇنىڭ ئەسەرلىرىنى ماختايىدا فەم كەستىدۇ .
 بۇنىڭ ئەسەرلىرى كىشىنى هىياجايانلاردىن دەم چىلچىتىي قويدۇ . كىشى
 خەرامىش ۋە بىزاز قىلىدۇ . بىراق ، قانداق بولۇشدىن قىشىنىزەزەر بۇ كىتب
 ئىلىپجاساب خەسلەتىنى ئېيدىلىكىنى بىلەن يەنسلا دۇنيلا تەڭداشىز شەر

مۇسۇلماقىرىز، خىرسەتىنىمىز، جوھۇنلارمۇ خاتا قىلدى،
ئىرگىكى، خىللا ئادىم بەزىھەپ تۈزۈزۈپ ئالىمگە جاڭار قىلدى.
بىرىدۇر كىم ئەقلىكلىرى، بىراق يوق ئېتىقاد، شىمان،
بىرىدۇر كىم ئەملى تەقۋادار، نادانلىقنى تاشقا قىلدى.

ئەپ - قىوب بىولۇپ، ئاكىشىلىنى كەلىگەن مۇسۇلمان
زامانىداشلىرى ئۇنىش قاناداق چۈشىنىنى بىلەلمىجىن. ئۇنىڭ
زازىلىرى «لىزۇزمىيات» بىللە ئىزۈرخۇن جايىلىرىنىڭ
مۇسۇلمانلارنىڭ ئاچىپ ئەرنى كەلتۈزۈپ قويغانلىقىنى سەزگەن.
مەسىلەن، دۇئىرەنىڭ گۇماخورلۇق پەلسەپشى كۆز قارىشى.
شەكىلگە ئېقىبىار بىرىدىغان بارلىق دەنغا غەيورىي پۈزىقىمىيە
تەۋىشۇشى، سەتمىستەمكىلىق كۆز قاردىش، ئەرەب شېئرىيەقىنىڭ
ئەنلىنىنى پىسەنت قىلىماشتى . . . ئە باشقىلار. لېكىن،
ئادەتتە ئۇنىڭ «سەقى زەندى» ئى ئەرەب شېئرىيەقىنىڭ ئەڭ
ئېسىل ئەسەر، دەپ قارىيلاتىسى. ھازىرقى زامانىدىكى بەزى
ئۇبىزورچىلار يىئە بىر قۇقۇپقا ھېڭىپ، ئۇنى ئىلخان پەلسەپشى
كۆز قاراشقا ئىگە ئەندى، دەيدۇ. ئەمەلىيەتتە ئۇنىڭ ئۆزىمۇ بۇقداڭ
كۆز قاراشلاردىن يىرىگەنگەن بولاتى. دۇئىرەنىڭ «كەچۈرۈم
سۈراش» («رساله تۈلخۇفران») دېگەن ئەسلىرى نامايمىتى
داڭلىق. تەخىمىنىن 1025 - يىلى ئەسپاپىيەت، ئەرەب قان
سىستېمىسىنى «ئەنسۇپ يازغۇچى شىبىنى شۇھەيد» «ئالۋاستىلارنى
زېيارەت» ناملىق خەبىالىي ئەسەرنى يازىدۇ (تەدىشكى ئەرەبلەرنىڭ
ئېقىقادى بويىچە، ئۆتكەنگى ئۆلۈغ شائۇلارنىڭ ھەممىسى
ئالۋاستىلار تەرىپىدىن ئىنهاصلاندۇرۇلماقىكەن). دۇئىرەنىڭ بۇ
ئەسەرنى بىلىمدىغان ياكى بىلەيدەنخانلىقىدىن خەۋەرسىز يوق.

سەكىز يىلىدىن كېيىن مۇئەدرى « كەچۈرۈم سوراش » دېگەن
 كىتابىدا تېخىمۇ دادلىلىق بىلەن ئاسماڭغا چىقىپ ۋە يەرگە كەرسىپ .
 بۇ شائىرلار بىلەن كۆرۈشۈنى تەسەۋۋۇر قىلدۇ . بۇ ئەپسانە ۋە
 مەسىخىمە شەكلىدىكى ئەسەر ئەپتۇرنىڭ تىل جەھەتنە هەددىدىن
 زېيادە دۇبالمىلاشتۇرۇشى بىلەن بەكمۇ چىنلىپ قالغان . بۇنىڭدىن
 باشقا، ئاپتۇرنىڭ خەت - چەكالەر توپلىمىنىڭ چۈشىنىكىسىز ،
 چىكىشى بولغان قاپىيلىك جۇملىلەردىن تەركىب تاپقانلىقى ،
 يۈشۈرۈن كىنايىھە ۋە ئەدەبىي « سېھىپ كۈچ » بىلەن تولغانلىقىمۇ
 بىزنى ئەندە شۇنداق تۈرىغۇغا كەلتۈرمىدۇ . ئەڭ قورقۇنچىلۇق بولىنى ،
 بەس - مۇنازىرە قوزغىخان بىر ئەسەردە تىلشۇناسىنىڭ
 بىلىسى كۆز - كۆز قىلىنىخان . بۇ ئەسەرنىڭ يېقىندا بىر
 قىسىمى تېپپىلىدى . « پارچە ۋە مەقسىت » تېمىلىق بۇ ئەسەر
 كۆئۈل قويۇپ ئىشلەنگەن نىزە نەسەرىي ئەسەر بولۇپ : ئۇ
 ناھايىتىمۇ مۇر كەپ ۋە مۇجمەل بولغانلىقتىن ، ئېيتىشلىرىچە بۇنى
 دۇنىسىڭ مۇردىدىن باشقا كىشى چۈشىنەلەيمگەن . ئەسەرنىڭ
 مەزمۇنى « ئاللاغا سېخىنىش ۋە ساداقەتمەنلىك » تىن ئىبارەت
 بولۇپ ، هەرسىر ئابزاستا « قۇرئان » نىڭ ھېكىمەتلەرى ۋە
 تەقۋادارلىقا ئۇندىمەيدىغان نەسەھەتلەر يادرو قىلىنغان . شۇنىڭدىك
 ئۇ ئۇمىسىدىمىزلىك ئىچىدە دۇنىيادىن بىزار بولىدىغان ، تەبىئەتكە ۋە
 ئىنسانىيەت ھاياتىغا مەسىخە قىلىش نىزەرى بىلەن قارايدىغان
 كۆزگە كۆرۈنىمەس ئۆمۈچۈك تورى بىلەن قاپلانغان . ئەنئەنئۇى
 مەزھەپكە مەنسۇپ ئالىملار بۇنىڭدىن ھاكى - تالڭ قېلىپ
 ئۇنى « قۇرئان » نىڭ ناچار كۆچۈرۈلمىسى دەپ ئەيپىلەگەن .
 لېكىن ، مۇئەرەبنىڭ ھەقىقى مۇددىئاسى باشتىن - ئاخىر يەشكىلى
 بولمايدىغان تېپىشماق بولۇپ كەلە كەتكە .

(B) بۇ ھەيىھە ئەپتۇرنىڭ ھۆكۈمرانلىقىمىدىكى ئراق

⑦ مۇسۇلمانلار ئەدەبىياتىدا ئەرەب پۇرنىقى ئامىلى سەيف دەۋەلەت شەكىلاتىنى يەنلا كونترول قىلىپ تۈرغاندا ، باغدادتا بۇ ئامىل ئېبىجەشلىشىپ ، ئۇتتۇرا ئەسىر ئىسلام دىنىنىڭ دۇنياۋى مەدەنىيەتكە ئايلاندى . جۇملەدىن ئۇ پارس ئەدەبىياتى ۋە شەرقىقە قىزىقىۋاتقان گۈللىنىشىڭ تەسىرىگە ئۇچراشقا باشلىدى . ئىلىم ئەھلىلىرى خەلپىلىك ئورنىنى ئىگىلەپ تۈرغان بىلىمسىز كىشىلەر ۋە قوپال بۇۋەھىيە ھۆكۈمرانلىرىنىڭ قولتۇقىدىن چىقىپ ، دۆلەتمەن پارس ۋەزىرلىرىگە ئۆزىنى ئاتتى . بۇ دەۋەرنىڭ ئەڭ مەشەۋەلىرى ئىبنى ئەبىاد ، يەنە بىر ئىسمى ساھىپ (938 - 995) ئۇنىڭ سالۇنى بولسا ئۆز زامانىسىدا شائىرلار ، يازغۇچىلار ۋە ئالىmlar يىغىلغان جاي ئىدى .

بۇۋەھىيە خاندانلىقى دەۋەردى ئەدەبىيات ساھەسىدە مەشەۋە ئىككى ئەرباب — تارىخشۇناس مىسکەۋى ⑧ (1030 - يىلى ۋاپات بولغان) بىلەن مۇلاھىزىچى ئەدىپ ئەبۇھەييان تەۋەمىدى ⑨ (1023 - يىلى ۋاپات بولغان) ئۆتكەن . مىسکەۋى ئەلكىندى يىغىنچاقلىغان ئىسلامىيەت ۋە يۈنان مەدەنىيەتى ئىدىيىسىنى ئاساس قىلىپ ۋە ئۇنى راۋاجلاندۇرۇپ ، ئەخلاقىي قائىدىگە دائىر ئىنتايىن تەسىرلىك بىر كىتاب يېزىپ چىققان ، يەنە « دۆلەتنىڭ تەجربىلىرى » دېگەن كىتابىنىمۇ يازغان . بۇ تەبەرىدىن كېيىن يېزىلغان تۈنجى مۇھىم تارىخي ئومۇمىيە ، بۇ كىتابنىڭ ئەرەب ئەدەبىياتىدا مۇھىم بولنانلىقى مىسکەۋىنىڭ تەبەرى ۋە ئۇنىڭ ۋارىسىلىرىغا ئوخشاش ئىلاھىشۇناسلىق ياكى پەلسەپە بىلەن ئەرەب ئەدەبىياتى مۇنېرىدە نام چىقارغانلىقىدىن ئەمەس ، بەلكى ئۇنىڭ ئەمەلدار ۋە ئوردا ۋەزىرى بولغانلىقىدىن بولغان . « دۆلەتنىڭ تەجربىلىرى » نىڭ كېيىنكى قىسىدا ھۆكۈمەت تەرەپنىڭ ماتېرىاللىرى ۋە شەخسى ئۇچرىشىش ئاساس

قىلىنغان بولۇپ ، ئۇنىڭدا تارىخى ئەسەرلەرنىڭ ئەينى زاماندىكى يىلىنامىغا قاراپ كۆچۈشىدىن ئىبارەت يېڭى يۇنىلىش كۆرسىتىپ بېرىلگەن . بىز ئۇنىڭ ئەسەرلەرنىڭ نۇر غۇنلىغان ئىللەت ، يامان ئادەتلەرگە يول ئېچىشتا نەمۇنە يارىتىپ بەرگەنلىكىنى دەرھال ھېس قىلالىسا قامۇ ، ئۇ ئۆزىنىڭ بىرىنچى قوغدىغۇچىسى بولغان ۋەزىر ئىبىنى ئەمىدىنى تۈغما قەھرىمان دەپ قاراپ ، ئۇنىڭغا چوقۇنۇشتىن خالىي بولالىغان بولسىمۇ ، لېكىن ئۆزى توغرا ھۆكۈم چقىرالايدىغان ، مۇستەقىل پىكىر قىلىشقا ماھىر ، جىددىي - ئەستايىدىل ئىلىم ئەھلى ئىدى .

ئۇنىڭ دوستى تەۋەھىدىنىڭ ئەھۋالى تامامەن ئۇنىڭ ئەكسىچە (قولىمىزدا ئۇ ئىككىسىنىڭ پەلسەپىنى مۇزاکىرم قىلغانلىقىغا دائىر قىزىق بىر پارچە خەت بار) . تاكى مۇشۇ يېقىنلىق بىرنه چىچە يىلىنىڭ ئالدىغىچە قىلچە نامى بولىغان تەۋەھىدىنى ئەرەب پىروزىسى جەھەتتىكى مۇۋەپپەقىيىتى بىلەن « ئالتۇن بېلىق كۆزى » جاھىز بىلەن تەڭ ئورۇنغا قويۇش مۇمكىن . [ياقۇت مۇنداق دەيدۇ :] « مۇنازىرىگە ماھىر ئىمام ® زېرىمك ، قابىل ئىدى . ئىقتىدارى ئۇر غۇپ تۇراتتى . تۈرلۈك ئەدەبىي ژانرلارنى ئەپچىلىك بىلەن ئىشلىتەلەيتتى . » ئۇنىڭ « ئىككى ۋەزىر » دېگەن ئەسەرىدە ئەمىد بىلەن ساھىپىنىڭ ئاجىزلىقلرى شۇ قەدەر مىكىن يارىتىلغان ، شۇڭا بەزىلەر بۇ كىتابنى ئالغانلار بالا - قازاغا ئۇچرايدۇ ، دەيدۇ . تۆۋەندە ساھىپ تەسۋىرلەنگەن بىر ئابزاس ھېكايىنى مىسال كەلتۈرىمىز ، بۇ ئۇنىڭ يەنە بىر ئەسەرىدە ساقلىنىپ قالغان بولۇپ ، ئەسلى ماقالىدىن ئېلىنغان ، بۇنىڭدىن ئۇنىڭ پۇتۇن قىياپىتىنى كۆرەلەيمىز :

سەھىپ ھېيت - بايرام ياكى پاتقا يېغلىتالاردا داشم ئىلەم بىلەن شەھىر يەزىز ، بىلەجىنلە ئوغلى ئەبى ئىساغا ئاپىرىپ بەرەتىس وە ئۇنىڭىغا : « من بۇ

داستانى سانى تەقادىم . شاشرلار يىضاھان چىاغدا سەن دېكالاماتىيە قىلىپ، مېنى
ساختا» دېيتىش . شۇنىڭ بىلەن بۇ جەھىز ، تۈچىغا چىقىلن مىكتىر باخىدىلىق تېبۈ
ئىرىما پىنسىت شالاردا دېكالاماتىيە قالاتشى . ساھىپ ئۆز شەھىرىدە تۈزۈنلە كۆككە
كۆتۈرۈلگۈن يەرلىرىنى ئاشىلغا ئادى ، « يەنە بىر شوقۇساڭچىز تېبۈ ئەنما ! ھوقۇ ئىرىما ،
ھوقۇ ! سەن داخىلىق شاشر بولۇپ قىدىلە ، سەنلە تىلاتشى وە تە-ۋۆلۈر قىلىش
ئىتىدىلە يېتىپلا قىدى . شەھىرنىڭ وەزىن - توراقلىرى جىلیدا ، ئۆتىكىنى
پايىزدا دېكالاماتىيە قىلغان نېمىلىرىنىڭ زادى ھوخىمىيدۇ . بىزنىڭ سەنلە ئەنلىرىنى
شۇنداق ، مەختىلىق كىلىرىنى يارىتىدۇ . شەرادە وە تىلاتشى چىنىقىتىردى . يۈن
ئەتنى جەڭ ئېتىدا ئىلالاندۇردى » دېيتى . ئادىن ئۇنىڭغا ئۇرغۇن يۈل ھېرسە
كە تىكلازۇۋېتىتىشى . ئۇ يەردە ھۇلتۇرغۇن شاشرلار وە يېنىن قاتاچىلىرى چەتىنى
غۇچۇرلىتىپ غەزمىلىنىتى . چۈنكى ، ئۇلار شەھىلە تۈزۈكىرىڭ بىرەر سەراپۇ
شەھىر يازالىيدۇ ئەلمەقنى ئېنىق بىلدىتى .

يېقىنلىقى يىللاردىن بۇيان ، تەۋەھىدىنىڭ بەزى كىتابلىرى وە
ماقالىلار توپلىسى تېپىلدى وە نەشر قىلىنىدى . بۇنىڭ ئىچىدە ئەڭ
مەشهر بولغىنى « دوستلۇق رىشتى وە دوستلار » بولۇپ ، بۇ
بىر نەچە قىچە قىتم تۈزىتىلگەن ، ئۇنىڭ دوستلىرىنىڭ بىر ۋەزىرىنىڭ
« كەچلىك سالونى » غا يىغىلىپ ئەدەبىيات ، پەلسەپە ، پەنگە دائىر
ئەسەرلەرنى ئوقۇغانلىقى توغرىسىدىكى خاتىرە ئىدى . بۇ ئۇچ
توملۇق ئەسر بولۇپ ، تەۋەھىدىنىڭ ھەقىقەتەنەمۇ داڭلىق نەسربى
ئەسەر يازغۇچىسى ئىكەنلىكىنىلا ئەمەس ، بەلكى بۈكىسەك پەللەگە
كۆتۈرۈلگەن يۇقىرى دەرجىلىك باغداد ئەدىبلىرىنىڭ سالاپىتىنى
زېرەكلىك بىلەن وە ھەجۇپى يوسۇندا تۇتۇۋېلىپ ، ئۇنى يېزىپ
قالدۇرغانلىقىنىمۇ كۆرسىتىپ بېرىدۇ .

بۇۋەھىيە دەۋرىدە تەزكىرە ئەدەبىياتىغا كىرىدىغان تەبەرى
وە مىسکەۋىنىڭ تارىخىي ئەسەرلىرىدىن قالسا ، يەنە ئۇچ داڭلىق
ئەسەر بار ، بۇنىڭ بىرى « باغدادلىق دىن تارقاتقۇچى »
تەخەللۇسىدىكى ھەدىسىشۇناس (1071 - يىلى ۋاپات بولغان)

بولۇپ، ئۇ يەتنە مەگدىن كۆپرەك باغداد تۈلىمالىرى، شاشرلىرى، بازغۇچى ۋە سىاستۇنلارنىڭ تەرجىمەالىنى توپلاپ. ئون تۆت توملۇق تەزكىرە توپلىمىنى تۈزۈپ چىققان. بىز كېيىنكى دەۋرلەردىكى دائىلىق ئىسلامىيەت ئەسەرلىرى ئىچىدە دائىرسى ئەڭ كەڭ بولغان تەزكىرلىك لۇغەت بولۇپ ھېسابلىسىدۇ. هىلال ئەسابى (1056 - يىلى ۋاپات بولغان) مىسکەۋى مەزھىپىگە تەۋە. ئۇنىڭ « ۋەزىرلەر » ناملىق ئەسربىدە 10 - ئەسەردىكى باغدادنىڭ تۈرپچىلىك سىياسىسى ھەقىقىي ھۇججه تەلەرگە ئاسامىن ياكى ئۇنىڭدىن نەقل كەلتۈرۈش يولى بىلەن ئەتراپلىق خاتىرىلەنگەن. لېكىن، بۇ ئەسەرنىڭ پەقت ئاز غىنا بىر قىسى دەۋرىمىز گىچە يېتىپ كېلەلگەن. ئۇچىنچى ئەسەر بولسا، باشتا بايان قىلىنغان ئىسپاھانى (967 - يىلى ۋاپات بولغان) نىڭ « كىتابى ئەغانى » - سەدىن ئىبارەت. گەرچە ئاپتۇر توغرىسىدىكى باها ۋە ئۇنىڭ تەپسىلاتلىرىغا بولغان ئىشەنچتە بەزى گۇمانلار بولسىمۇ، لېكىن يىگىرمە توملۇق « كىتابى ئەغانى » دە ئەرەبلىر ۋە مۇسۇلمانلارنىڭ دەسلەپكى دەۋرلەردىكى تۈرمۇش ئادىتى كەڭ تەسۋىرلەنگەن، بۇ ھازىرغىچە يېتىپ كەلگەن ئەدەبىي ئەسەرلەر ئىچىدە ناھايىتى ئاز ئۇچرايدىغان ئەسەر دۇر.

نوقۇل ئەدەبىيات ساھەسىدە ئەڭ كەڭ تارقالغىنى ئوخشاش قاپىيىلىك ياكى تەكرار قاپىيىلىك نەزمە ھەم ئىچ پۇشۇغىنى چىقىرىش خاراكتېرىدىكى ئەسەرلەردىن ئىبارەت. بۇ چاغدا ھىندىستان ۋە پېرىسىنىڭ نۇرغۇن ھېكايملىرى تەرجىمە قىلىنىپ، « مىڭ بىر كېچە » نىڭ دەسلەپكى نۇسخىسى تۈزۈلۈپ بولغانىدى. ئىلىم ئەھلىلىرى ئوخشاش مەقسەتتە، تارىخقا يېزىلىمغان نۇرغۇن ۋە قەلەرنى توپلاپ تىلىشۇناسلىق ۋە ئىلىملىي مۇھاكىمە خاراكتېرىدىكى ئەسەرلىرىنىڭ ئورنىغا دەسىتىكەندى. بۇنداق

تارىخقا يېزىلىغان ۋەقهلهر توپلىمى تۈنىمۇ قارشى ئېلىناتتى .
 ئۇنىڭ تۈنچى سوتىچى تەنۇخى (940 - 994) نىڭ « كۈلپەت
 ئىچىدىكى ياردەم » ۋە « تارىخلار » دېگەن ئەسەرلىرىدىن ئىبارەت .
 كېيىنچە بۇ خىل ئەسەرلەرنىڭ سانى كۆپىيىشكە باشلىدى .
 [ئەلبەشمە (1388 - 1446)²⁰ نىڭ « قىزىقارلىق
 ئەدەبىيات » (« مۇستەتىرىق ») دېگەن ئەسەرى مەيلى
 مەزمۇن ياكى ئۆسلۈب جەھەتە بولسۇن ، ھازىرغىچە ئەڭ ئېسىل
 ئەسەرلەرنىڭ بىرى ھېسابلانماقتا .] بۇ خىل ئوخشاش قاپىيىلىك
 ياكى تەكرا ر قاپىيىلىك ئەدەبى شەكىل ھەتتا تارىخ ساھەسىگىمۇ
 سىڭىپ كرگەن . ئىبراھىم سابى (944 - يىلى ۋاپات بولغان)
 بۇ ھەمىيە خوجايىمنلىرىنىڭ بۇيرۇقى بىلەن بۇۋەھىيە خانلىقىغا
 تارىخ يازغان . ئىبراھىم سابى نەزمە نەسەرىي شەكىلدە ئىنتايىن
 كۆپتۈرۈلگەن بىر مەدھىيە يازغان (ئۇنىڭ راستلىقى ئۆستىدە
 توختالمايمىز) . بۇ كىتاب ھازىرغىچە يېتىپ كەلمىگەن بولسىمۇ ،
 لىكىن ئۇ كېيىنكى پارس پادشاھلىقلرىنىڭ يىلنامىشۇناسلىرىغا
 ئۆلگە يارىتىپ بەرگەن . بۇ ئەسەرنىڭ پارس تارىخى
 داستانلىرىنىڭ ئىجاد قىلىنىشى ۋە شەرق خان جەمەتلرىنىڭ
 يىلنامىلىرىنىڭ گۈللىنىشى بىلەن بىرۋاقىتتا ئوتتۇرىغا چىقىشىنى
 تاسادىپىي ئەھۋال دېگىلى بولمايدۇ . بۇ دەۋرنىڭ يەنە بىر
 نامايدىسى شۇكى ، (ئەدەبىي تىل بىلەن يېزىلغان) خەلق
 قوشاقلىرى كەڭ تارقالغان . بۇ ئەرمەب ئەدەبىياتى تارىخىدا مىسى
 كۆرۈلىمگەن ئىش ئىدى . ئەپسۈسكى ، بۇنىڭدىن ھازىرغىچە يېتىپ
 كەلگىنى پەقت ئايىرم پارچىلاردىنلا ئىبارەت .

بۇ ھەمىيە دەۋردىكى باشقان ئەدەبىيات ئومۇمەن دىنىي
 مەزمۇندىكى ۋە دىنغا ئالاقدار ئەدەبىي تېمىلاردىن ئىبارەت . بۇنىڭ
 ئىچىدە سوتىچى ماۋەردى (1058 - يىلى ۋاپات بولغان) نىڭ

«شەھۇر ئەسەرلىرى توپلىمى . «ھاكىمىيەتنىڭ تۈزۈلمە قائىدىسى» بۇ شۇ تىپقا كىرىدۇ . بۇ ئەسەردە سىياسىي بىلەن دىن بىرلەشتۈرۈلگەن كۆئۈدىكىدەك بىر ھاكىمىيەت تۈزۈلىمى لابىھىسى بايان قىلىنغان بولۇپ . شۇ چاغدىكى ھەدىشۇناسلار تەرىپىدىن چىرىك ۋە قابىلىيەتسىز دەپ قارالغان شەيىلەرگە يول قويۇلمىغان . دەرۋەقە ، بۇ چاغدا شىئە مەزھىپىدىكىلەر پۇرسەتتىن پايدىلىنىپ ھەدەپ ئوچۇق - ئاشكارا پائالىيەت ئېلىپ بارغان . توختىلىپ ئۆتۈشكە تېڭىشلىك بىر ئەسەر شۇكى ، شىئە مەزھىپىدىكى قانۇن شۇناس مۇھەممەت تۈسى (1067 - يىلى ۋاپات بولغان) يازغان شىئە كىتابلىرى مۇندەرجىسىدىن ئىبارەت . ئۇنىڭدا شۇ مەزھەپنىڭ ئەدەبىي ئىجادىيەت جەھەتتىكى مۇۋەپپەقىيەتلرى چۈشەندۈرۈلگەن بولسىمۇ ، لېكىن ئەنئەنچىلەر ھېسابلانغان سۈننى مەزھىپىنىڭ باستۇرۇشى بىلەن ، بۇ مۇندەرجىدىكى كىتابلارنىڭ كۆپ قىسىمى كېيىن كۆيدۈرۈۋېتىلىگەن . ئۇنىڭدىن سەل ئىلگىرى شىئە مەزھىپىنىڭ زەيدى تارمىقى يەمەندە ھازىرغىچە مەۋجۇت بولۇپ تۇرۇۋاتقان مۇستەقىل پادشاھلىقنى قۇرغانىدى (۱) . ئۇلار بۇ چەت بۇلۇڭ - پۇشقاقلاردا خېلى ياخشى بولغان بىر تۈركۈم ئەدەبىي ئەسەرلەرنى ياراتقان . بۇ ئەسەرلەر بۇگۈنكى كۈندە قېزىلىپ تەتقىق قىلىنىش ئارقىلىق ، مەزمۇنى ئىلاھىيەت توغرىسىدا بولۇشغا قارىماي ، ئۇنىڭ يەنلا قىممەتلەك ۋە قىزىقارلىق ئىكەنلىكى مەلۇم بولدى . شىئە مەزھىپىدىكىلەرنىڭ ئادەتتىكى ئەدەبىي ئەسەرلىرى ئىچىدە توختىلىپ ئۆتۈشكە تېڭىشلىكى ، مۇھەممەد پەيغەمبەرنىڭ كۆيئۈغلى ئەلىنىڭ نامى بىلەن ئوتتۇرۇغا چىققان بەزى ئەسەرلەردىن ئىبارەت . بۇ ئەسەرلەر ئەمەلىيەتتە ئەلىنىڭ كېيىنلىكى ئەۋلادى ئەلمۇرتەزا ئەلىشەرىپ (966 - 1014) بىلەن ئەينى

زامандىكى ئاتاقلق شاشر رازى (970 - 1015) ئاكا - ئۇكىلار تەرىپىدىن يېزىلغان . يالغاندىن تو قولغان بۇ ئەسەر بىر شېشىلار توبىلىمىسى ۋە يېنىڭ ، ئەمما بىهىدىئى چەھەقتىن مۇكەممەل ئىشلەنگەن ، مەسىنەۋى ئۇساۇبىدا يېزىلغان « بەس - مۇنازىرىنىڭ داغىدام يەولى » دېگەن تېمىسىدىكى بىر ئەسەردىن ئىبارەت (ئۇقولۇشىمىز چە بۇ ئەلىنىڭ ۋائىزلىق ماقالىمىسى ۋە خەت - ئالاقىلىسى قوپىلىمىسى ئىكەن) . كېيىنكىمىسى شىئە مەزھىپى ئىچىمدىلا ئەمەس (ئۇلار بۇنى ئىمامنىڭ ⑤ ئۆلەس ئەسەرى دەپ قارايدۇ) ، سۈنسى مەزھىپىدىكى مۇسۇلمانلار ئىچىمدىمۇ قالتنىس مۇرەھەتكە ئىگە . بەنە بىرى ئەلىنىڭ نەسەرەت خاراكتېرىدىكى داڭلىق قەسىدىسى « زەينەپ قەسىدىلىسى » (« قەسىدە زەينەبىيە ») دىن ئىبارەت . خېلى بۈرۈنىقى بۇ تو قولىما ئەسەر ئابباسلار خەلپىلىكىنىڭ دەسلەپكى مەزگەلدە ئىككىنچى دەرىجىلىك بىر شائىرنىڭ قولىدىن چىققان .

يۇقىرىدىكى يازغۇچىلار شىئە مەزھىپىنىڭ مۇھىم تارىھىقى بولغان « ئون ئىككى مۇخلىس مەزھىپى » ياكى « ئىمام مەزھىپى » گە مەذبۇپ بولسىمۇ ، شىئە مەزھىپىنىڭ نامى روشهنىكى پەلسەپ كاتىگۇرپىسىدە باشلانغان يەنە بىر ھەركەتنى كۆرسەتسىمۇ . لېكىن ئاخىرىدا سىياسى ساھەدە فاتىمە سۇلالىسى ۋە ئۇنىڭ قىزىق قان تارماق مەزھىپى ، يەنى پېرىسىيە ۋە سۇرىيىدىكى « قاتىللار » ⑥ دەپ ئاتالغان مەخپىي تەشكىلات مەيدانغا كېلىدۇ . ئىمائىلىيە ھەركىتى دەپ ئاتالغان بۇ ئەدەبىيات ئاز دېگەندە ئىككى توپلام قىزىقارلىق ئەسلىمە ۋە بەزى تارىخىي ھەم ئىلاھىشۇناسلىق ئەسەرلىرىنى ئۆز ئىچىگە ئالىدۇ . بۇ ئەسەرلەر ھەسەت خورلار تەرىپىدىن يىگىرە يىل تىقىپ قويۇلغاندىن كېيىن ،

ئاندىن بارا - بارا ئىددە بىسیات مۇنىسىرىدە كۆرۈنۈشكە باشلىغان .
 ئۇنىڭ بىرى « پاك قېرىنداشلارنىڭ مەكتۇپلىرى » بولۇپ . بۇ
 باشقىلارنىڭ ئالاھىدە دۇرمتىگە ئىگە بولغان . بەسىرىلىك بىر
 تۈركۈم يازغۇچىلار تەرىپىدىن مىلادى 1000 - يىلدىن بۇرۇن
 تۈزۈپ چىقلىغان بۇ ئەللەك بىر پارچە ئەسەر ئىلمى ۋە پەلسەپتى
 قامۇس بولۇپ ، 10 - ئەسىرىدىكى مۇسۇلمانلار مەدەنىيەتنىڭ
 ئىدىيىسىنى شەرھىلەپ بېرىدۇ . بۇ ۋاقتتا ئەنئەن ئۇنىڭ مەزھەب
 ئۆلىمالىرى ئوتتۇرا ئەسىرىدىكى يازروپادىكىگە ئوخشاش ، پەلسەپە
 بىلەن مۇرەسىھەلىشىشكە باشلىغانىدى . ئۇلارنىڭ شەرتى بۇ
 ئەقىدىلەر چىكىدىن ئېشىپ كەتكەن خۇلاسىگە ئېلىپ كەلمىسلا
 بولدى . دېگەندىن ئىبارەت ئىدى . يۇقىرىقى شەرت ئاستىدا ، بۇ
 « پاك قېرىنداشلارنىڭ مەكتۇپلىرى » ئادەتتە قوبۇل قىلىشقا
 بولىدۇ ، دەپ قارالدى . شۇنىڭ بىلەن ئۇلارنىڭ ئەسىرى ،
 ئۇزۇندىلىرى ياكى ئۇنىڭ تەرجىمىسى مۇسۇلمان دۆلەتلەرنىڭ
 ھەممىسىدە ئاھايىتى كۆپ كىتابخانغا ئىگە بولدى . بۇ ھاقالىلار
 توپلىمى بىرىنچىدىن ئالىتىنچىگىچە ماتېماتىكا ، يەتنىنچىدىن ئۇن
 ئۇچىنچىگىچە پەلسەپە ۋە لوگىكا بىلىملىرى ؛ ئۇن تۆتنىنچىدىن
 يىگىرمە بىرىنچىگىچە ئاممىۋى ئىلمى - پەن ؛ يىگىرمە ئىككىنچىدىن
 ئوتتۇزىنچىگىچە ئىنسانشۇناسلىق ئىدى . يۇقىرىدىكىلەرنىڭ
 ھەممىسى ئارىستوتېلىنىڭ پەلسەپە ئىدىيىسى بويىچە يېزىلغان .
 ئوتتۇز بىرىنچىدىن ئوتتۇز تۆتنىنچىگىچە « دۇنيانىڭ جېنى »
 تېمىسىدا بولۇپ ، روشن ئالدا يېڭى ئەپلاتونچىلارغا ھەنسۈپ
 ئىدى . ئاخىرقى ئۇن بىر پارچىسى « ئىلاھىيەت ئىلى » بولۇپ ،
 كۈچلۈك « موئىتەزىللەر » كۆز قارىشىغا ئىگە ئىدى .

(C) شەرقىي پېرسىيە : شەرقىتىكى پارس خاقانلىقى پارسچە
 ئەدەبىي تىلىنى ئەسلامىگە كەلتۈرۈشكە قوشۇلغان بولسىمۇ ، ئەرمەب

تىلى يەنلا ئوردا ئىچىدە ياكى خەت - ئالاقىلەردىكەن قوللىنىلاتى ، ئەرەب شائىرلىرى ۋە يازغۇچىلىرىمۇ بۇنىڭ بىلەن داىشىم ھامىيلىقىغا ئىگە بولاتتى . بۇ خارانى پايتەخت قىلغان سامانى خاقانلىقىنىڭ شەرق بويىچە ئەڭ ھەشىمەتلىك ئوردىلىرى بولسىمۇ ، لېكىن باي سودا مەركىزى خارەزم (ھازىرقى ئىسمى خىۋە) ئىلىم - پەن تەتقىقاتى بىلەن داڭقى چىقارغانىدى . ئوکسۇس ئۆلکىسى دىنىي تەتقىقاتىنىڭ ئەۋج ئالغانلىقى بىلەن مەشەئەر ئىدى . ھەدىس تۈزگۈچى ئۆلىمالارنىڭ كۆپچەلىكى خوراسان رايونىدىن كەلگەن بولۇپ ، بۇ خارالىقلارمۇ ، مۇسۇلمانلارمۇ بار ئىدى .

خۇراسان رايونىنىڭ مەركىزى نىشاپوردا ئەينى زاماندىكى ئەڭ مەشەئەر قول ئەدىپ ھەممەدانى (961 - 1008) بىلەن سەئالىبى (961 - 1038) ئۆتكەن . ئالدىنقدىسى « بەدۇز زامان » دېگەن تەخەللۇس بىلەن مەشەئەر بولۇپ ، ئۇن ئىككى يېشىدىلا ئۇستازىنىڭ بارلىق بىلىملىرىنى ئۆگىنلىپ بولۇپ ، ھەممەداندىن چىقىپ كېتىپ ، تاكى ھراتتا قازا قىلغانغا قەدەر ئۆز ئۆمرىنى ھەرقايىسى پادىشاھلىقلار ئارىسىدا ساياهەت قىلىش بىلەن ئۆتكۈزگەن . تۆۋەندە سەئالىبىنىڭ ھەممەدانى توغرىسىدا يازغان بىر پارچىسىنى نەقىل كەلتۈرىمىز . بۇ ماقا لا قىزىقارلىق بولۇپلا قالماستىن ، بەلكى شۇ چاغدىكى ئەدەبىيات مۇنېرىدىكىلىرىنىڭ غەم - غۇسىسىز ھاياتىنى ئۆجۈر - بۇ جۇرىگىچە تەسوېرلەپ بېرىدۇ . جۇملىدىن ئۇ بىزنىڭ ئۇنىڭ مۇغامەت (قاپىيىلىك دراما) نىڭ يۈكسەك مۇۋەپپەقىيەتىنى چۈشىنىشىمىزگە ياردەم بېرىدۇ .

ئۇ ناھىيەتىن بىراشتىلە ئىدى : 『لله نەجىھ سەرلىق بىر شهرنى بىر قەشم ئاخالاپلا ، بىر سەراسىنى جۇشورۇپ قويىلى ، باشتن -

غایاغ ياللىلاست ، ئۇ مكتىبە ئوقۇمىن بولىمۇ ، كتابىڭ توت - بىش بېتىنى
بىر كۈرۈۋەلپا ، رەتلەھ تۈزىلپ بېرىدىتى . ئۇ بىزى شىلى نىزىر ياكى
يوقسالاڭ سوئىلارغا ئاسانلا ، زىيەتە ئولتۇرۇپ شەھر ئوقۇيتسى ھەم باشتالار
چىقىرىپ بېرىگەن تېسالار بويىجه شىرى يازاتى . ئۇ ئاخىرسىن باشلاپ يېزىپ ،
باش تىرىپىدە ئاخىر لانستوراتى . ئۇنىڭ شىرىلىرىنىڭ سۈزى ئەتايىن گۈزەل ،
تولىمۇ قىزىتارلىق بولۇپ ، گۈزەللەتە ھەرقانداق شىرىدىن قەندايتسى . ئۇزى
پازغلۇن مەشەپر شىرىلىرى ئارقىلىق ئۆزىنىڭ « قدىدە » سنى ئەبىي جەھەتن
ئەنلىپ چىقاتتى . ئەلغىزدا نىزمە ئوقۇپ تۈزۈپ ، قىلمە سۈددەك چاچىما ئەش
پازاتى : ئۇ بىلگىلىنىڭ وەزىن قاشىسى بويىجه ياكى كۈرستىپ بېرىلىگەن
ھەممەتلىك تېسالار بويىجه ، گۈزەل نىزمە ياكى راولىن نەرسىي شىرىلىرىنى
پازاتى . جۈمەدىن ، زىيەتە ئولتۇرۇپلا جاقعاق تېزلىكىدە دېكالاماتىپ قالالايتى
؛ ئۇ يەرچە ئەشەرلارنى تەززۆرە مۇكەمەل ھىلدا ئەرىبچىڭ تىرىجىمە قىلىپ
چىقلالايتى . . . ئۇ مۇچىزە خىراكتەرىدىكى ئاجلىپ - غلابىپ ئىلارنى
قالالايتى .

شۇنىڭ بىلەن بىرۋاقىتتا ، ئەبۇبەكرى خارمزىمى ⑤
(1002 - يىلى ۋاپات بولغان) نىڭ شەرقىتىكى ھەرقايىسى
ئۆلکىلەرنى زىلىزلىگە كەلتۈرگەن نەزەمە نەسرىي شەكىلدە يېزىلغان
ئەدەبىي كىتابلىرىنىڭ يېزىلىش ماھارىتى ھەرقايىسى ئۆلکىلەرگە
خۇددى لاۋىلداپ يېنىۋاتقان ماگىمغا ئوخشاش تارقىلىپ كەتكەن .
ھەمەدانى بۇ خىل ماھارەتنى ئىگىلەش بىلەنلا ، بۇ خىل يېڭى
ئەدەبىيات - سەنئەت ھالقىپ ئۆتكىلى بولمايدىغان ئۆلگە بولۇپ
قالغان . لېكىن ، ئۇنىڭ ئەرەب ئەدەبىياتى مۇنبىرىدىكى شۆھرتى
ئاساسەن ئۇنىڭ تالانت ئىگىسىگە خاس ئەسەرلىرىدىن ئەمەس ،
بەلكى ئۇنىڭ نەسرىي ئەسەرنىڭ ئەڭ مۇكەمەل ئىپادىلەش
شەكلى - مۇغامەتنىڭ ئىجادچىسى بولغانلىقىدىن كەلگەن . بۇ
ئىجادچىنىڭ قەلىمى بۇ خىل ئەدەبىيات شەكلىنىڭ ئورنىنى
بەلگىلىگەن .

[چانلىرى بۇنداق دەپ يازىدۇ] ئۇز مۇنياسى ئايىنېب جىقىن شەقىللە، قويىل بىر قوشاقىمىنى تەسۋىرلىپ، ياخىلما تىل ماھىرىنى بىلەن مەددەتىغا توختاش خەلق شەجىدە چۆكىلىپ يۈرمىتى. ئۇز ئۆزىنالە قورقۇنچىلۇق ھېكلىسىنى سۈرەتكەزىلىرىتىسى وە ئەملى ئەسرلىرىنى تەكىرلايتى. ئۇ ئاير - تولا ئلتىپك - ساخلاۋەتكە ئايىنېب جىن باقاتىسى. قابىيلەك دراما ئىڭىغىمنىڭ بىر خەمىلى ھېلىلىنى. ئىلىتىر ئويىزىن قويىۋاش ۋاقتىدا، نەزمە وە نەتىقلق جەھەتسىكى مەتھارتنى كۆزىتىش ئەرقلىق ئۆزىنالە بىلم شەھلى ئىكەنلىكىنى ئېباشىنى صەمەت قىلاتىسى، بۇنداق شەھۋال ئىلتىدا، مەزمۇن شەپدىل - شەبەت ۋالستىگى، ماھىيەت شەكىلگە بويىزۇنىش لازىم.

بەزى تىاشۇنالار تارىخقا كىرگۈزۈلمىگەن ۋەقەلەر ھەققىدىكى ماقالىلارنى ئاللىقاچان تىلىنى ئىپادىلەش ئۇسۇلىنى تەتقىق قىلىشنىڭ تېخىمۇ ئۆتكۈر قورالى قىلىمۇالغانىدى. ھەممەدانىنىڭ مۇۋەپپەقىيەتى بىلەمنى كۆز - كۆز قىلىدىغان بۇنداق يېڭىلىقنى راۋاجلاندۇرۇپ، نەزمە وە نەسربى شەكىلىنى ئارىلاش قوللىش ئارقىلىق قەدىمكى ھېكاپىلىمەرنى سۆزلىھەشتە بولدى (ياۋروپا ئەددە بىياتىدا «ئوگاسىسىن بىلەن نىكولېتتى») ④ بۇ شەكىلگە ۋە كىللەك قىلىدۇ). شۇنىڭدەك گۈزەل ئۆسلوب وە زېيآپەتتە ئولتۇرۇپلا ئىجاد قىلىشتهك جەلپ قىلىش كۈچى بىلەن نەزمە نەسربى شەكىمىدە ئەسەر يېزىپ، تالانت ئىگىسىگە خاس شەكىل بىلەن ھەممىگە تونۇش بولغان ھېكايدە قەھرىمانى - ئەقىللەك سەرگەردانى ئۆز سەنىتىنىڭ ۋە كىلى قىلغانلىقىدا ئىدى. ئۇنىڭ ئەسربىدىكى قەھرىمان، ئىسکەندىرىپىلىك ئەبۇ خارىس تولىمۇ هوشىyar، تۈرلۈك سەتلىستىكىلىق ماھارەتكە ئىگە شەخس قىلىپ تەسۋىرلىنىدۇ. ۋەھالەنكى، بۇنداق ماھارەت دەل ھەممەدانىنىڭ ئۆزىدىلا بار ئىدى. بۇنداق ئىجادىيەت شەكلى ئەرەب دۇنياسىدا كەڭ تارقالغان بولۇپ، بىلىملىك زاتلار ياكى ئاددىي

پۇقرالاردىن ئۇنىڭ ئىسرلىرىدىن ھۆزۈرلەنمىيدىغىنى يوق ئىدى . يەنە ، نۇرغۇن دورامچىلارمۇ بارلىققا كەلگەن . لېكىن ، كېيىنكى نەزەتە دراصلار ئۇنىڭكىدەك ھاياتىي كۈچكە ئىگە بولالىدى . چۈنىكى بۇنداق بەدىشى ماهارەتنى پەقت ئاشۇ ئىجادىيە تەجىنلىك ئۆزىلا كۆڭۈلدۈكىدەك ، تەبىسى قوللىنىالايتتى . ھازىرقى زامان ئوبىزورچىلىرىدىن بىرى نەزەتە دراصلار سامىي ئەدەبىياتىنىڭ ئەدەبىي تېمىملىرنى ئىپادىلەش جەھەتتە يۈركىدەك پەللەگە كۆتۈرۈلگەنلىكىنىڭ ئالامىتى ، دەپ قارىدى .

ئارستانلار ۋە ساسىيلار شىجىدە ئەدەبىياتىڭ تەرەققىياتىش ئاساسن ھۇزىلىكىسىز تىلارە بىر قاتار رانسنس « يېشىلاش » بىستۇرىدىن ، يەنسى تەلىخىي داشتلىن (= « قدىدە ») ، دراما (= كەمىي ، يەنس نەرسىي ، نەزەتە شەكىل بىرلەشتۈرۈلۈپ يېزىلغاڭ ئەتكىلەي) ، ھېتلىك (= « مۇغامات ») يەنس نەزەتە شەكىللىدە يېزىلغاڭ دراما) دىن ئەھلەت بولىمى . پەرنىجى بىستۇرىجىتتا ئەشىلاشىلارنىڭ تۈلتۈۋەلىش ئىقىدارسلا جارى تىلندۇ ؛ شىگىنىچى ھاستۇرۇچىتا ، ئارتىسالار ياكى دېكالاماتىيىچى ئانىلغاڭ ئەچىلىخۇچىلارنىڭ شەقىل - پىارلىستىگە مۇسابىقى ئەپلان قىلدۇ ؛ غۇچىنىجى بىستۇرۇچىتا ، كىتىلەخىانلارنىڭ ئىرادىسىگە تايىنتىش ئەپلىقلىق ئۇلارنىڭ ھەدانلىقى قوزغۇلدۇ . بۇ يىرىدە ، ئارستانلارنىڭ ئەدەبىيات شەكلى كۆپ خىل بولسۇ ، لېكىرىن مەزمۇنى ئۆزگەردىن قىلىپ بېتىتۇۋەتلىكىن ؛ ئەكىچە ساسىيلارنىڭ شەكلىسى توبىيال ، ئۆزىلۇنى پېولسۇ ، مەزمۇنى شەكتىيىن سول ، دائىم دېگۈدەك ئۆزگەرسىپ تۈرەتلىدۇ .

— حاسۇننىڭ ماقالىسىدىن ئېلىنىدى .

سەئالىبى ھەممە دانىنىڭ ماهارىتىگە بەك ھەۋەس قىلىسىمۇ ، لېكىن ئۇ تامامەن دېگۈدەك تىلىشۇناسلىق ۋە ئەدەبىياتىنىڭ كونا رامكىلىرى بويىچە ئىجاد قىلاتتى . ئۇنىڭ ئىككى كەتابى بىز ئۆچۈن بەكمۇ مۇھىم ، بىرى ئومۇمىي تارىخ بولۇپ ، ئۇنىڭ دەسلەپكى

ده ۋەرلەردىكى پارس پادىشاھىغا دائىر قىمى ھازىر غىچە يېتىپ
 كەلگەن . بۇ كىتابنىڭ بىزنى قىزىققۇرىدىغان يېرى شۇكى ، ئۇ
 مەشھۇر پارس شائىرى فرددەۋىسىنىڭ داڭلىق پارسچە تارىخى
 داستانى « شاھنامە » دە تەسۋىرلەنگەن بىر ئابزاس تارىخى
 پاكىتنى ئاخىرقى ھېسابتا نەسىرى شەكىلدىكى بېكىتلەنگەن نۇسخا
 بىلەن تەمىنلىكىدۇ . يەنە بىرى « زامانىمىزنىڭ گۆھرى » ،
 (« يەتىمە توتدەھرى ») دېگەن كىتاب بولۇپ ، ئۇنىڭغا ئالدىنلىقى
 ئەسىرىدىكى شائىر ۋە يازغۇچىلارنىڭ تەرجىمەھالى كىرگۈزۈلگەن .
 يەنى ئۇلارنىڭ مەشھۇر ئەسەرلىرى ، ئەدەبىي پارچىلىرى ،
 ئۇخشىتىش ياكى ئىستىشارىلىرى تاللاپ كىرگۈزۈلگەن . ئاپتۇر
 يۈكىسىك تەنقىدىي ئىقتىدارغا ئىگە بولغانلىقى ئۈچۈن ، بۇ ئەسەر
 بىردىنلا شۆھرت قازانغان ، كېيىنكى ئىككى ئەسەر ئىچىدە بۇ
 ئەسەرگە ئۇنىڭ ۋارسلىرى تەرىپىدىن مەلۇم ئۆزگەرتىشلەر
 كىرگۈزۈلگەن .

999 - يىلى ئوتتۇرا ئاسىيا تۈركىلەر سامانىلار ئوردىسىنى
 ئىشغال قىلىپ ، ئافغانستاننىڭ گاھىنا دېگەن يېرىدە تۈرك
 خانلىقىنى قۇردى [®] ، خانلىقنىڭ ئەلگ مەشھۇر شاهزادىسى
 مەخمۇت ئەمنى دەۋلە (998 - 1030) يىلىلىرى تەختتە
 ئولتۇرغان) [®] ئىدى . مەخمۇت ماھىيەتتە زالىم پادىشاھ بولۇپ ،
 سىياسىي جەھەتتە بىر قولىدا قىلىج ، بىر قولىدا مەشئەل تۇتاتتى .
 دىنلىپ ئىقاب ئاستىدا ھىندىستانغا تا جاۋۇز قىلغانىدى . لېكىن ،
 ئەدەبىييات ساھەسىدە ئېينى زامانىدىكى داڭلىق يازغۇچىلارنى ئۆز
 ئوردىسىنى مەدھىيلىتىش ئۈچۈن يېققانىدى . ئۇتبى (1036 - يىلى
 ۋاپات بولغان) مەخمۇتنىڭ ۋەزىرى بولۇپ ، ئەتەي قىلغان بولسا
 كېرەك ، ئۇ ئىبراھىم ساپىنىڭ بۇۋەھىيە خاقانلىقىغا مەدھىيە
 نۇقۇغانلىقىنى دوراپ ، ئۆز خوجايىنى مەخمۇتنى ئۈچۈرۈپ ، نەزمە

نەسرىي ئەسر « دۆلەتنىڭ ياردەمچىسى » نى يازغان . بۇ كىتاب
 نۇرغۇن ئەسرلەردىن بۇيان ، بولۇپمۇ شەرقىتە ، ئەدەبىي ژانرلارنى
 ئۆگىنىشنىڭ نەمۇنسى دەپ قارالماقتا . لېكىن ، بۇ ۋەقە كەلتۈرۈپ
 چىقارغان ئاقىۋەت ئانچە ئوبدان بولىغان ، يەنى « ھۆكۈمت
 تەرەپ تارىخى » نىڭ بۇ يازغۇچىلىرى ئۆزىنىڭ ساختىپەزلىك
 قىلىمىغانلىقىنى ياكى خۇشامەتچىلىك ۋە پاكىتى يوشۇرۇشتىك
 نۇقىسانلارنىڭ ئىمكەنلىقەدەر ئالدىنى ئالغانلىقىنى جاكارلىغان
 بولىسىمۇ ، لېكىن ئۇلارنىڭ ئىجادىيەت مەقسىتى پاكىتقا ئاساسەن
 يېزىش ئەمەس ، بەلكى كۆپتۈرۈش ، ئادەتتىن تاشقىرى ياسالما
 سۆز ۋە بىر دۆزە تەمىزلىك ئارقىلىق ئاددىي پاكىتىنى
 مۇجمەللەشتۈرۈپ ، پۇتۇنلەي جالاشتۇرۇۋېتىش ئىدى . ياخان
 يېرى ، بۇ بىرنەچە ئەسرنىڭ ئەدەبىي جەھەتتىكى ئاتقى ھەمشە
 كىشىلەردە بۇ ئىسلام تارىخى ھەققىدىكى ۋە كىللەك خاراكتېرىگە
 ئىگە ئەسرلەر ، دېگەن تونۇشنى پەيدا قىلدۇ . بۇ خىل قاراش
 ئىنتايىن ئاز ساندىكى ئەرەب تارىخىنالىرىنىڭ ئەستايىدىل ،
 جىددىي پوزىتسىيىسىگە نىسبەتەن ئېيتقاندا ، روشنەنکى ئادىللىق
 بولمايتتى .

مەخۇمۇت ئىلىم ئەھلى ۋە ئوقۇمۇشلۇق كىشىلەرنى ئۆزىنىڭ
 مەردىكى بىلەن جەلپ قىلمايتتى . ئۇنىڭ ئۆسۈلى پەسکەش ،
 شۇنىڭدەك تولىسىمۇ ئۇنۇملۇك ئىدى . يەنى ئۇلارنى ياكى ئەسر
 ئالاتتى ، ياكى بولىسا بويىسۇندۇرۇلغان ئەلنىڭ سوۋغىتى سۈپىتىدە
 قوبۇل قىلاتتى . شۇڭا ، ئۇ خارمۇنى بويىسۇندۇرغاندىن كېيىن ،
 بىرونى ⑩ (1048 - يىلى ۋاپات بولغان) ئۇنىڭ ھىمايسىگە
 ئۆتتى . بىزگە نىسبەتەن ئېيتقاندا ، بىرونى ئىسلامىيەت ئىلىمنىڭ
 ماھىيىتىگە ھەرقانداق يازغۇچىدىنمۇ بەك ۋە كىللەك قىلالاتتى .

ھرونىس «دىنى قاىدە» نى تۈزۈپ ھولغاندىن كېيىن (يانلىك ملۇم نوپىز
 شىگىنلە سۈزىنى نە قىل كەلتۈردى) سۈلتۈن مىشىز ئۇنىڭغا ھەر بىل كۈمۈشىن شىتمىل
 قىلدۇ . لەئىن ، ئۇ قاىدىنى بۇزۇپ ، كۈمۈشىن دۆلەت خەزىنسىنگە قايىتىرا ئىزدەردى .
 ئۇز قىلبىلىپتەنلە ھەن نىرسىرگە موھتاج ئەمىلىكىنى بىلدۈردى . ھەر يەلقى شىڭىن
 چىۋال ھايرام - - پىرسالارنىڭ نورۇز ھايرامى ھەلىن كۈزۈلەك ھاپىرىمىن دەبىلەتتا
 ئىنمەفاندا ھروننىڭ قولدىن قىلم چۈشىرىتى . ئۇنىڭ كۆزى توختەملىپ كۆزىتىپ
 تۈرلتىسى . پىسگەر يەلر كۆزىمىشىن چەغاڭىرى ناھايىتى ئازى شىدى . ئۇ چەلم جەرمەتتە
 كەشلىرىنىڭ قىلىمۇق تۈرۈۋاتىلىن يېرىدىنى شەھىزىتىش وە بىلەكتەرىنى ھونۇزۇپلىۋاتىلىن
 یەشنى تۈرۈۋەتىش ئۈچۈن بىل ھۆى تىرىتىپ - تىرىتىپ ئىزلىشتىسى . ھەر ئالىم
 بۇنىس مۇنداق ھەلىن قىلدۇ . شەھىزىر دېبلەن (ھرونىس) ۋايىت ھوللوش ئالىدا من بۇنىس
 كۆرگەلىپ بارغۇنىسىم ، ئۇ سەكرات ئۇستىدە تۈرۈپ ماڭا « سەز ئەڭىرى مەڭا
 ۋەرسىلىق قىلىش ئۇستىدە سۈزلىكەندىشتىز . ئۇ قىنداق شىشى ؟ » دەدى . من
 ئۇنىڭدا تۈلەپ شەجىنەنلەن هەلدا : « بۇنىس سەزگە مۇشىن تىپتا سۈزلىسىم قىنداق ھوللار ؟
 » دەپ سورىدىم . « من دەرىگۈمىاندا كەتكۈچە ، مۇشىن سەلسەن بىلەپلىپ ئۆلۈپ
 كەتىم تەخىم ياخشى شەھىز ؟ » دەدى ئۇ . شۇنىڭ ھەمان من ئۇنىڭدا يەنە ھەر
 قېتىم سۈزلىپ ھەردىم . ئۇ يەللاپ ھولغاندىن كېيىن ، مەڭا ھېيتىپ ھەرەكەچىن ھولغان
 نىرسىنى ئۆزگەتىپ قويىدى . من ئۇنىڭ بىلەن خۇشلىتىپ چىقىپ كوجىدا
 كەتىۋاتىنىدا يىغا ئۆزارى ئاكىلاندى .

ئەپسۇسکى ، بىرونىنىڭ تارىخي ئەسەرلىرى ۋە پەلسەپە
 ئەسەرلىرى ھازىر غىچە يېتىپ كېلەلمىگەن ، لېكىن ئۇ تۆۋەندىدىكى
 ئۈچ ئەدەبىي توپلامنى ئەدەبىيات مۇنېرىدە مەڭگۈگە قالدۇرۇپ
 كەتكەن . « ئۆتكەن دەۋولەر تارىخىدىن يالداسىلار » ناملىق
 ئەسەردى دەۋور شۇناسلىققا دائىر ئەسەرلىر تەتقىق قىلىنىپ
 سېلىشىتۈرۈلغان بولۇپ ، ئۇنىڭدا ھەرقايىسى دۆلەت ھەم دىننىڭ
 باشلىنىش ئەسەرلىرى ، ھېيت - ئايەملەر بايان قىلىنغان . يەنە
 نۇر غۇنلىغان تارىخي ماتېرىياللار توپلانغان ، بىرمۇنچە تېمىسلىر

ئۇستىدە كىشىنى تەسىرلەندۈرەرلىك تەكشۈرۈشلەر ئېلىپ
 بېرىلغان . ئىككىنچىسى ھىندىستانغا دائىر ئەسەر ، ئۇ مەخموٽنىڭ
 ھىندىستاننى بويىسۇندۇرۇش پۇر سىتىدىن پايدىلىنىپ سانسىكىرىت
 تىلىنى ئۆگىنىپ ، ھىندى ئەدەبىياتىنى تەتقىق قىلىپ ، ئون ئۈچ
 يىل جاپالىق تىرىشىش ئارقىلىق « ھىندىستان تارىخى » دېگەن
 كىتابىنى يېزىپ چىققان . بۇ كىتاب مەزمۇن ۋە ئىلمىي ئۇسۇل
 جەھەتتە ئەرەب ئەدەبىياتىدا بىردىنپىر ئەسەر ھېسابلىنىدۇ . ئۇ
 دەۋر شۇناسلىق جەھەتتە كامالەتكە يەتكەن ئالىم بولۇشقا مۇناسىپ
 ئىدى . جۇملىدىن « ھىندىستان تارىخى » ئۇنىڭ ئۆزىنى مىللەت ۋە
 دىن جەھەتتىكى بىر تەرەپلىمە قاراشنىڭ ئۇستىگە قويالىغانلىقىنى
 (يەرلىك ئاھالىلەرنىڭ ئەرەبلىرىگە بولغان ئاز - تولا ئۆچمەنلىك
 كەيىپىياتىنى ھېسابقا ئالىغاندا) . تەنقىدىسىز قىزىقىش بىلەن
 ئويلىنىلىمىغان ياقتۇرماسلىق ئوتتۇرسىدا تەڭپۇڭلۇقنى ساقلاپ
 قالالىغانلىقىنى ئىسپاتلاپ بىرىدۇ . ئۇ ھىندى تىلىدىكى نۇرغۇن
 كىتابلارنى ئەرەب تىلىغا تەرجىمە قىلغان (بۇنىڭ
 ئىچىدە « يۇڭانىڭ مەكتۇپلىرى » بىلەن « پادانگالى » مۇ بار ،
 كېيىنكىسىنىڭ كۆچۈرۈلگەن نۇسخى ساقلىنىپ قالغان) . ئەڭ
 قىزقارلىقى شۇكى ، ئۇ يۇنان تىلىدىكى بىرنەچە ئەسەرنىڭ
 ئەرەبچە تەرجىمىسىنى سانسىكىرىت تىلىغا
 تەرجىمە قىلغان . بەزىلەر ئۇنىڭ ئۆچىنچى
 ئەسىرى بولغان « مەسئۇدقا ^و بېغىشلانغان قانۇن » نى
 ئەڭ بۇيۇك ئەسەر دەپ قارايدۇ . ئون ئىككى توملۇق بۇ قبلىن
 ئاسترونومىيە ئەسىرىگە گىپنۈزلىق ئىلمىي ھەققىدىكى كىچىكەك
 ھەجىمىدىكى بىر ئومۇمىي بايان قوشۇمچە قىلىنغان .

بۇ خارالىق ئىبنى سىنا ^و (980 – 1037) ئەقىل -
 ئىدراكلىك ، جاسارەتلەك ، پۇتۇنلەي باشقىچە تىپتىكى ئالىم . ئۇ

مەخموٽنىڭ تىزگىنلىشىدىن قۇتۇلۇپ، خارەزىمىدىن دەككە -
دۇككە ئىچىدە ئايىرىلىپ، ئۆزىنىڭ سىياسىي ئىستىقىالىدىن ۋاز
كېچىپ، ئاخىر ئىسپاھاندا ئولتۇرالقلشىپ قالغان. ئۆزاقتنى بۇيان،
غەربلىكەرنىڭ نەزەرىدە بىردىك «ئىبنى سىنا» ئىسلام ئىلىم -
پەن يۇقىرى پەللسىنىڭ ۋەكىلى دەپ قارىلىپ كەلگەن بولسىمۇ،
لېكىن ئوتتۇرائەسر ھەم بۈگۈنكى كۈندە ئۇ ئەڭ بالدۇرقى ۋە ئەڭ
مەشەۇر پەيلاسوب دەپ قارالماقتا (ئەمەلىيەتتە، مۇسۇلمان
دوختۇرلارنىڭ كۆپچىلىكى ئۇنى پەيلاسوب دەپ قارايدۇ). ئۇنىڭ
ئەسەرلىرى ھەققىدىكى ئەڭ يېڭى سانلىق مەلۇماتتىن قارىغىندا،
ئۇنىڭ پەلسەپە ئەسرى قىرىق ئالىتە پارچىدىن كەم ئەمەس، تىببىي
ئەسرى قىرىق تۆت پارچە، ئاسترونومىيە ۋە تەبىئىي پەنگە دائىر
ئەسەرلىرى سەكسەن بىر پارچە ئىكەن. بىرىنچى تىپتىكى
ئەسەرلىرى ئىچىدىكى «تىبابەتچىلىك قانۇنى»
(«تىبابەتنامە») - روھىي جەھەتنىن داۋالاش) — مەنتىقە،
فىرىكا، ماتېماتىكا، ئلاھىشۇناسلىققا دائىر قامۇستىن ئىبارەت. بۇ
خەرىستىئان ئىبادەتخانىلىرىنىڭ پەيلاسۇپلىرى ۋە كېيىنكى
مۇسۇلمان ئلاھىشۇناسلار ئىچىدە (بولۇپمۇ پارسلار ئىچىدە) ئەڭ
تەسەرلىك، ئەڭ كامالەتكە يەتكەن، ئوتتۇرائەسر پەلسەپە
ئەسەرلىرىنىڭ بىرى، دەپ قارىلىپ كەلگەن. ئىبنى سىنا ئاساسەن
ئارىستو تېلىنىڭ ئەقلىچىلىك پەلسەپە ئىدىيىسىگە ۋارسلق قىلغان
بولسىمۇ، لېكىن دىن توغرىسىدا يەتمىش نەچچە ئەسەر يازغان.
بۇنىڭ بىلەنلا قالماستىن، ئۇ يەنە كېيىنكى مەزگىللەردە
سەرلىقلاشتۇرۇشقا دائىر نۇرغۇن ئەسەر يازغان، بۇ ئەسەرلەرنىڭ
كۆپچىلىكى سەمۈل ۋە رىۋايەت خاراكتېرىدىكى ھېكاىيلەردىن
ئىبارەت. ئۇنىڭ «كتابى روھ» دېگەن قىقا شېرى تولىمۇ
تەسەرلىك بولۇپ، كېيىنكى «شەرق پەلسەپىسى»

نى قوزغىتىش ۋە شەرقىتىكى سوپى مەزھىپىدىكىلەرنىڭ
 « مەرىپەتپەرۋەرلىرى » ئۇچۇن مۇھىم رول ئۈينىغان . ئىبنى سىنا
 ياؤروپا ۋە مۇسۇلمانلار دۇنياسدا ئۆزىنىڭ تىبابەتچىلىككە دائىر
 ئەسەرلىرى، بولۇپمۇ نۇرغۇن توملۇق تىببىي پەن
 قامۇسى « تىبابەتچىلىك لۇغىتى » بىلەن شۆھرەت
 قازانغان ، 13 - ئەسەردىن كىرىمېنالىق كراتنىڭ تەرجىمىسى دۇنياغا
 كەلگەندىن كېيىن، بۇ لۇغەت ياؤروپا تىببىي ئىلىم ئەھلىلىرىگە
 بىرنه چە يۈز يىل تەسەر كۆرسەتتى . هەتتا مۇسۇلمان يازغۇچىلار
 ئىچىدىمۇ ئىبنى سىنانىڭ ئەسەرلىرى ئىلگىرىكىلەرنىڭكىدىن ذور
 دەرىجىدە ئېشىپ كەتتى . ئەگەر پەلسەپ ئەسەرلىرىنى قوشۇپ
 ھېسابلىغاندا، ئۇنىڭ ئورنى دەسلەپكى دەۋىرە ئۆتكەن تالانتلىق
 يازغۇچى رازىدىن ئېشىپ چۈشىدۇ .

(D) مىسىر ۋە غەربىي شىمالىي ئافرىقا : ئىسلامىيەتنىڭ
 دەسلەپكى ئۈچ ئەسەردى، مىسىرىدىكى ئەرەب ئەدەبىياتى مۇھىمى
 مەدىنە ۋە باغدادنىڭ تەسەرىگە ئۇچرىدى . 9 - ئەسەردى مىسىردا
 سىرتىنىڭ تەسەرىگە ئۇچرىمىغان بىر تۈركۈم تارىخشۇناسلار
 مەيدانغا كەلدى . ئۇلارنىڭ ئىچىدە مۇسۇلمانلارمۇ، خristian
 روھانىلىرىمۇ بار ئىدى . ئۇلارنىڭ ئەسەرلىرىنىڭ بىرنه چىسى
 ساقلاپ قىلىنىغان . غەربىي شىمالىي ئافرىقىنىڭ ئەدەبىيات
 تەرقىقىياتى تېخىمۇ ئاستا بولدى . 10 - ئەسەرگە كەلگەندە،
 تۇنىنىڭ گىراۋەن دېگەن يېرىدە ناھايىتى جانلانغان مالىك
 قانۇنشۇناسلىق تەتقىقات مەركىزىي قۇرۇلۇپ، ئەدەبىيات
 پائالىيەتلرىنىڭ ئۆسۈپ يېتىلىشىگە تەسەر كۆرسىتىشكە باشلىدى .
 909 - يىلى تۇنىستا قوزغالغان، ئاتمىش يىلدىن كېيىن يەنە
 مىسىرنىڭ پۇتۇن زېمىنگە ھۆكۈمرانلىق قىلغان فاتىمەنىڭ شىئە
 مەزھىپىدىكى سۇلالسى شەرقىنىڭ ئىلىم - پەن ئالماشتۇرۇشغا

تو سقۇنلۇق قىلمىدى . هەتتا ئەرەب ئەدەبىياتىنى ئۆز گەرتىش يولىدا
 ئېلىپ بېرىلىۋاتقان ئراق بىلەن پېرسىيدىكى ھەرىكەتنىڭ
 مىسرغا ھېچقانچە چوڭ تەسىرى بولمىدى . يېقىندا تېپىلغان مۇھىم
 بىر شائىر ، فاتىمە سۇلالىسىنىڭ خەلىپىسى مويمىزنىڭ
 قەسىدىچىسى ، ئاندالۇز بىلىك ئىبنى ھانى ⑩ (973 - يىلى ۋاپات
 بولغان) نىڭ شېئرلار توپلىمى ئۇستىدە توختالمايلا قويايىلى . بۇ
 دەۋىرىن قېپقالغان ئەسەرلەردىن قىزىقارلىقلرى ناھايىتى ئاز ،
 لېكىن فاتىمە جەمەتى ئەدب - قەلم ئىگىلىرىنىڭ مەردانە
 قوغدىغۇچىسى ئىدى . ئۇلار مىسردا ئالدى بىلەن ئۆزى پۇل
 چىقىرىپ ئەزەر مەدرىسى سالغۇزدى . ئەنئەنئۇي مەزھەپتىكىلەر
 قايتا تەختىكە چىققان ۋە كۈچلۈك دۈشمەن ئاسىيادا كۈندىن -
 كۈنگە زاۋاللىقا يۈز تۇتقاندا ، بۇ مەدرس ئىسلام جەمئىيەتنىڭ
 ئەڭ ئالىي بىلىم يۈرتسى بولۇپ قالدى . تاھازىر غىچە شۇنداق
 بولماقتا ، فاتىمە جەمەتىنىڭ ھۆكۈمرانلىقى ئاستىدا ، مىسر
 ئەدەبىياتىنىڭ نامراتلاشقانلىقىدىن ئىبارەت روشن پاكىت ،
 ئېھتىمال كېيىنكى مەزگىللەرده ئەنئەنئۇي مەزھەپنىڭ ھەممىگە
 فاتىمەنىڭ غەيرىي دىنى دېگەن رەڭنى بېرىپ ، ئۇلارنى
 باستۇرغانلىقى ۋە ئۇلارغا سەل قارىغانلىقى بولسا كېرەك . جۇغرابىيە
 ئالىمى مەقدسى 985 - يىلى ئۈچۈق - يورۇقلۇق بىلەن مۇنداق دەپ
 يازىدۇ :

ئەڭىرى باغداجاتىپ تۈردىغان بىر شەھر شى . لېكىن ، ھارس بۇ
 جىوڭ نىزىلۇق يۈلتۈز ئۆزىمەكتە . ئۇنىڭ ئەڭىرىكى بارلاپ تۈرغلۇن نۇرى كەلمەك
 كەتتى . من ئۇ يېرە خۇشاللىقىن شىرىمۇ تىلىمىسىم . كىتىنىڭ زوقى كەلگۈدەڭ
 ھېچقانداق نىرسە قالمىتى . ئۇنىڭونكى ئاۋات باغدانىڭ ئورنىنى بۈگۈن قاهرە
 ئىلىدى . ئىلامىيەتلىك ئۇنىڭىنى بىرلاق شەھرى بارلىقنى بىلەرىمەن .

(E) ئىسپانىيە (ميلادى 750 — 1091 - يىللار) : ئەرەب ئەدەبىياتنىڭ ئىسپانىيىدە ئۆزۈنۈچە تەرەققىي قىلالما سلىقىنىڭ سەۋەبى ناھايىتى كۆپ . ئىسلام دۇنياسىنىڭ يېنىغا جايلاشقا ئىسپانىيىدە ئابىاسلار خەلپىلىكى شەرقته قۇرغاندەك مەركىزىي ھۆكۈمەت يوق ئىدى . ئەرەبلەر بىلەن بەر بەر لەر ئوتتۇرىسىدىكى سۇر كىلىش ۋە ئەرەبلەرنى پارچىلايدىغان ئىچكى مەزھەپ كۈرۈشى ئەدەبىيات تەرەققىياتىغا پايدىسىز ۋەزىيەتنى پەيدا قىلدى . لېكىن ، ئەك مۇھىمى ، ئىلگىرى ئەرەب ئەدەبىياتنىڭ ئىراق ۋە پېرسىيە قاتارلىق جايلاردىكى تەرەققىياتىدا زور تۈرتۈلىك رول ئويىنغان تاشقى تەسىرى ، مۇسۇلمانلار تەرىپىدىن بويىسۇندۇرۇلغان ، تەرەققىي تاپىمىغان گات شەكلىدىكى بۇ پادىشاھلىقتا مەۋجۇت ئەمەس ئىدى . شەرقته ئەرەب ئىستىلاچىلىرى بويىسۇندۇرۇلغۇچىلارنىڭ مۇرىدى بولۇپ قالغان بولسا ، ئىسپانىيىدە گات شەكلىدىكى خربىستان مۇرتىلىرى ئەرەب مەدەنلىيەتنى قوبۇل قىلدى . ئۆمىمەۋىيە شاھزادىلىرى ئۆزىنى شەخسىيەتسىز - ئادىل ، مەردانه - كەڭ قورساق قوغدىغۇچى قىلىپ كۆرسىتىپ ، نۇرغۇنلىغان شەرق ئالىملىرىنى ئۆز ئوردىلىرىغا جەلپ قىلدى . ئۇلار مۇۋەپپەقىيەتلىك هالدا ، يېڭى پايتەخت كوردوۋانى مۇسۇلمانلارنىڭ مەدەنلىيەت مەركىزىي قىلىپ قۇرۇپ چىقىتى ، پارلاپ تۇرغان نۇر ھەتنا ئىسپانىيە چېڭىرىسىدىن ھالقىپ كەتتى . مەشەۋر ئابدۇلراھمان ② (912 - 961) نىڭ تەختتە ئولتۇرغان ۋاقتى ئۆمىمەۋىيە ھۆكۈمرانلىقىنىڭ گۈلەنگەن دەۋرى بولدى . جۇملىدىن بۇ ، تالانتلىق ئىسپانىيە مۇسۇلمانلىرىنىڭ باش كۆتۈرۈش دەۋرىدىن دېرىمك بەردى . كېيىنكى ئەسەرلەر دە ، ئۆيەردى ، نۇرغۇنلىغان ئەدبىلەر بارلىققا كېلىپ ، ئۇلارنىڭ ئەسەرلىرى مۇسۇلمانلار مەدەنلىيەتنىڭ ئۆلمەس مراسى خەزىنسىگە

كىرگۈزۈلدى . ئاندالۇزىيە ئەدەبىياتىمۇ غەربىي شىمالىي ئافرقىغا
 ئوخشاش مالىكىنىڭ قانۇنچۇناسلىق ۋە ئىلاھشۇناسلىقنى تەتقىق
 قىلىشىدىن باشلاندى . بىرىنچى بولۇپ ئەدەبىي ئىجادىيەت بىلەن
 شۇغۇللانغان ئىسپانىيە يازغۇچىسى ئۆمەۋىيە جەمەتىدىن ئازاد
 بولۇپ چىققان ئەركىن پۇقراتىبىنى ئابدۇرەبىه (860 - 940)
 بولدى . ئۇنىڭ شېئىرىدىن باشقۇ ئىبىنى قۇتەپەنلىك « رىۋايمەتلەر
 بۇلىقى » غائىاسەن ئۆزگەرتىپ ئىشلىگەن « باهاسىز
 زۇننار » (« ئەقدىغەرد ») دېگەن ئەدەبىي تاللانمىسى بار .
 ئاپتۇر كىرىش سۆزىدە يازغىنىدەك ، ئۇ كىتابنى تۈزۈشتىن
 مەقسەت ، قەلم ئىگىسىنىڭ نەزمىلىرىگە بولغان ساپ ئىپتىخارلىقىنى
 ئىپادىلەش ، شۇنداقلا كىتابخانلارغا غەربىي چىڭرىمىزنىڭ ئەسلى
 تۈپرەقىمىزدىن تولىمۇ يېراقلاپ ، دۇنيانىڭ چېتىدە قالغان
 بولسىمۇ ، لېكىن نەزەمە ۋە نەسرىي ئەسەرلەر جەھەتتە بىزنىڭمۇ بىر
 كىشلىك ھەسىمىز بارلىقىنى چۈشەندۈرۈشتىن ئىبارەت .
 « باهاسىز زۇننار » بولسا نەپىس ، مۇكەممەل ، تۈزۈلۈشى ئىخچام
 ئەسەر بولۇپ ، ئۇ پۇتۇنلىي قۇتەپەنلىك ئەسەرلىرىنىڭ ئورنىنى
 باستى ، ھەتتا شەرقىمۇ ھازىرغىچە ئالدىنلىقى قاتاردىكى ، ئەڭ كەڭ
 تارقالغان ئىچ پۇشۇغىنى چىقىرىدىغان ئەسەرلەرنىڭ بىرى بولۇپ
 كەلمەكتە . ئابدۇرەبىمە گۈزەللىك تەرەپدارى بولۇپ ، ئۇنىڭ
 ۋارسى قالى تىلاشۇناس ئىدى : ئۇ ئىسپانىيە مەزھىپى بويىچە
 تىلاشۇناسلىقنىڭ ئىجادچىسى قاتارىغا
 كىرگۈزۈلگەن . قالى (893 - 967) ئەرمىنیيەدە تۈغۇلغان
 بولۇپ ، باغدادتا ئوقۇغان . 942 - يىلى كوردۇۋادا ئىجادىي
 پائالىيەت بىلەن شۇغۇللانغان ۋە ئاخىرقى ئۆمرىنى شۇ يەردە
 ئۆتكۈزگەن . « خاتىرىلەر توپلىمى » ئۇنىڭ ۋە كىللەك
 خاراكتېرىگە ئىگە ئەسرى بولۇپ ، شەرقتە ھازىرغا قەدمەر كەڭ

تارقىلىپ كەلمەكتە، توپلامنىڭ مەزمۇنى گرامماتىكا، سۆزلۈك قاتارلىق مەخسۇس تېمىدىكى تۈرلۈك ئەسىرلەرنى ئۆز ئىچىگە ئالغان. مەسلەن، « قۇرئان » دىن پارچىلار، قەدىمكى ئەرمەب رىۋاىيەتلرى، تارىخي ھېكايلەر قاتارلىقلار، جۇملىدىن ئۇنىڭغا ھەدىسلەر ھەم نەزمىلەرمۇ كىرگۈزۈلگەن.

دەسلەپكى دەۋرلەردىكى ئىسپانىيلىك ئەرمەب شائىرلىرى ھەققىدە بىلىدىغانلىرىمىز ناھايىتى ئاز. لېكىن، شۇنى مۇئەيىھەنلەشتۈرۈشکە بولىدۇكى، ئەنئەن ئۆزى نەزمىلەرنىڭ مەۋجۇتلۇقىنىمۇ تەسەۋۋۇر قىلىشقا بولىدۇ. « يېڭى شەكىل » – دىكى ئەسىرلەر 10 – ئەسىر دە ئىسپانىيگە تارقالغان، بۇنى ئابدۇرەببىھنىڭ سەبىيلەرچە ماختىشىدىن ئىسپاتلاش مۇمكىن، 11 – ئەسىرنىڭ بېشىدا بىر خىل يېڭى، يەرلىك سەنئەت بارلىققا كەلگەن. بىز شۇنى كۆرسىزكى، شەرقىتكى ئەدib – شائىرلار نەزمىنى ئۆمۈملاشتۈرۈشقا قىلچە كۆڭۈل بۆلەپتتى. بەلگىلەنگەن ئەدەبىي ئۆلچەمگە توغرا كەلمەيدىغانلىرىنى پايتىما ئورنىدا تاشلىۋېتەتتى. بۇ پىرنىسپ ئىسپانىيىدە ھەم تامامەن ئەمەلدىن قالدۇرۇلغان بولىسىمۇ، لېكىن يېڭى نەزمە شەكلى ئاندالۇزىيە شېئىرىيەتچىلىكىگە سىخىلىپ كىرگەندى. ئەڭ بۇرۇن پۇت تىرەپ تۇرالىغان شەكىل « مۇۋەشىھ » (« قوش قاپىيلىك نەزمە ») بولدى. بۇ تۇت مىسرا، بەش – ئالتە مىسرا بويىچە تىزىلىدىغان شېئىر بولۇپ، خىلمۇخىل تۇراق ۋە قاپىيىكە ئىگە، تىپك شەكلى: aa, bbbbaa, cccaa ۋە باشقىلار، ئاخىرىدىكى ئاكلىرىنى قاپىيىنى شەكىللەندۈرۈدۇ. بۇ خىل شېئىرىيەت شەكلىنىڭ شەرقىتە شەكىللەنمەي، ئىسپانىيىدە شەكىللەنگەنلىكىنىڭ سەۋەبى ئېنىق ئەمەس، لېكىن كىشىلەر رومانس تىلىدىكى كوچا ناخشىلىرىنىڭ تەسىرى ئاشۇ سەۋەبىنىڭ

بىرى بولۇشى مۇمكىنىلىكىنى ئاللىقاچان قىياس قىلىشقانىدى. يېقىندا رومانس تىلدا دەسلەپكى «مۇۋەشىھ» نىڭ ئاخىرقى قاپىيلىرىنىڭ تېسىلغانلىقى يۇقىرىقى پەرمىزنى تېخىمۇ ئىسپاتلىدى. ئۇنىڭدىن باشقا، بۇ ئەرمەب مۇزىكىلىرىنىڭ غەربىتىكى ئالاھىدە تەرمققىياتىدىن بولسا كېرەك. [ئەرمەب تىلدىكى تالىپ (مۇزىكا) نىڭ تىرۇبادور (مۇزىكا) بىلەن مۇناسىۋتى بولسا كېرەك، بۇ نۇقتا ئىلها ملاندۇرۇش خاراكتېرىگە ئىگە بولغانلىقى ئۈچۈن، ئۆز نۆۋەتتىدە سۆزلەپ ئۆتمەي مۇمكىن بولىمىدى] .

ئەرمەب تىلدا بىر تەرمەپتىن سۆز ياساشقا ئېتىبار بېرىلىدۇ. يەنە بىر تەرمەپتىن مورفو لوگىيىنىڭ ئۆلچەملە شتۈرۈلۈشىگە ئېتىبار بېرىلىدۇ، بۇ ئىككىسى «مۇۋەشىھ» سەنىتتىنىڭ ئەنئەنسۇ ئۆلچىمىدە ئىنتايىن تولۇق ئەكس ئەتتۈرۈلگەن. ئەرمەب شېئرىيەتتىدە باشتىن - ئاياغ ئەدەبىي تىل قوللىنىلىدۇ، لېكىن ئاخىرقى قاپىيىدە سۆزلەرنىڭ قوللىنىلىشى قاتتىق - كىنايىلىك بولسا، يەنە كېلىپ ئۇ خەلقنىڭ يەرلىك تىلى بولسا، ئەدەبىي تىل بۇ يەردە ئالاھىدە بىر خىل پەداز بۇيۇملا بولىدۇ، دەپ قارىلىدۇ. بۇنداق نەزمىلەر دە ئادەتتە تەكرا لانمايدىغان مۇنتىزم ئەرمەب ۋەزىنلىرى قوللىنىلىغان، بەزىدە بىرئاز ئۆزگەرتىلىپ، ئاندالۇزىيىنىڭ شېئر ۋەزىنگە ماسلاشتۇرۇلغان. لېكىن، شېئىرنىڭ هەر بىر مىراسىنىڭ ئۇزۇن - قىسىلىقى ئوخشىمايدۇ، ھەربىر مىراسى يەنە ئىچكى قاپىيىگە ئىگە. «مۇۋەشىھ» شەكللىنىڭ يېزىلىشى ئۈستۈن ماھارەت تەلەپ قىلىپ، ناھايىتىمۇ مۇرەككەپلىشىپ كەتكەچكە، كېيىنچە ئۇنىڭ ۋارىسىز قالغانلىقىمۇ ئەجەبلىنەرلىك ئەمەس، بولۇپمۇ بۇ نەزمە شەرققە يېتىپ بارغاندىن كېيىن، ناھايىتى تېزلىك بىلەن

بىر خىل مېخانىكىلىك مەشقنى شەكىللەندۈرۈپ ، « قەسىدە » گ ئوخشاش كونا ، ياسالما بىر نەرسىگە ئايلىنىپ قالدى . بىز يەنە « مۇۋەشىھە » ئاپتۇرلىرىنىڭ تېما چەكلىمىسىگە ئۆچرىغانلىقىنىمۇ كۆرىمىز : دىنىي مەزمۇندىكى شېئىرلارنى ھېسابقا ئالمىغاندا ، « مۇۋەشىھە » شەكىلدە پەقەت مۇھەببەتلا يېزىلىپ ، باشقا تېمىلار ناھايىتى ئاز يېزىلغان ؛ ھەتتا مەدھىيە شېئىرلىرىدىمۇ دائىم مۇھەببەت ئىزهار قىلىش شەكلى ساقلاپ قېلىنغان . دەرۋەقە ئۇنىڭدا ئۆتكەنكى ئۆستازلارنىڭ ئەسەرلىرى ، بولۇپىمۇ ئۆمەر ئىبىنى ئەبى رەبىئەنىڭ ئەسەرلىرى دائىم ئەسلەپ ئۆتۈلگەن ياكى نەقل كەلتۈرۈلگەن بولىسمۇ ، لېكىن ئۆتكەنكى شائىرلارنىڭ ئەسەرلىرىدىن بىرەر مىسرا شېئىر ۋە ئۇنىڭ ۋەزىنى نەقل كەلتۈرۈپ ، يېڭىدىن بىر كۈپلىت شېئىر ئىجاد قىلىش ئادەت بولۇپ كەتكەن ؛ كېيىنكى دەۋرلەردىكى شائىرلار ئىلگىرىكىلەرنىڭ « مۇۋەشىھە » ئى ئەنە شۇنداق خالىغىنىچە ئوغرىلىغان . بىرەر پارچە « مۇۋەشىھە » نى ئۆز ئەينى بويىچە تەرجىمە قىلىش ھەقىقەتەنمۇ زادىلا مۇمكىن ئەمەس .

كونا نەزە شەكلى بىردىك ھۆكۈمران ئورۇندا تۇرغاغقا ، شائىرلار يۈقىرلىقىدەك شېئىرلارنىپى ئىجاد قىلىشقا پېتىنالمايىتى . شېئىرىيەتتە ھەشىمەتلەك ئىدىيوملار ۋە زورمۇ زور تىزىپ قويۇلغان ئوخشتىشلار ئىسلاميەتنىڭ شەرقىدىكىدە كلا كۆپ ئىدى . لېكىن ، تۆۋەندىكى بىر جۇملە ئىسپانىيە « قەسىدە » سى بىلەن سېلىشتۈرغاندا ، يۈقىرىدىكىسى بە كەمۇ ئارقىدا تۇرىدۇ .

ئۇ ئەمەسمۇ گويا تولغان ئاي كەبى ، ئەمما پاختا تۇرسا ئۇنىڭ كۆڭلىكى .

قانداق چىدىسۇن، يېرىتلىمىسىۇن.

ھەتتا جاھيل تەز كىرىچى ئىبىنى خەللىكانمۇ ⑥ ئۇنى، پاختا ئايدىڭدا ئۈچۈق تۇرۇپ چىرىپ كەتكەن بولۇشى مۇمكىن دەپ چۈشەندۈرۈش كېرەك، دەپ ھېس قىلغان.

ئاندالۇزىيە شېئرىيەتنىڭ ئالتۇن دەۋرى بىزنىڭ ئەرمىستاننىڭ شەرقىغە بەلگىلەپ بەرگەن ۋاقتىمىزدىن خېلى يىللار ئىلگىرى بولغان. ئۇمەۋىيە خەلىپلىكىنىڭ بىتچىت بولۇشى (تەخمىنمن 1020 - يىل)، جۇملىدىن مۇسۇلمانلار ئىسپانىيەتنىڭ بىر قاتار كىچىك خانلىقلارغا پارچىلىنىشى (بىر ئوردا ئون نەچە كىچىك خانلىققا پارچىلىنىپ كەتكەندى) . ئەكسىچە، ئەدەبىيات ۋە شېئرىيەتنىڭ ھەسىلەپ جانلىنىشىنى ئىلگىرى سۈردى . 11 - ئەسردىكى شائىرلار ئىچىدە ئىككىسى ئەڭ داڭلىق بولۇپ، ئۇنىڭ بىرى كوردوۋالىق ئىبىنى زەيدۇن (1003 - 1071) . ئۇ دەسىلەپكى مۇھەببەت ناخشىلىرى ۋە كېيىنكى نەزمە تىپىدىكى خەت - چەكلىرى بىلەن ئىسپانىيەتنىڭ ئەڭ ئۆلۈغ شائىرى بولۇپ قالغان. يەنە بىرى مۇئىتەمد (1040 - 1095) بولۇپ، سۇبلىيەتنىڭ ئەڭ ئاخىرقى يەرلىك ھۆكۈمرانى . ئۇلارنىڭ نام چىقىرىشى ئاساسەن، تۇرمۇش شارائىتىنىڭ مەجبۇرىيەتنى دەلىنى بولغان. سەيدو غەلتە سەرگۈزەشتە تۈپەيلىدىن . ئۇمەۋىيەتنىڭ مەلىكىسى ۋىرادە بىلەن مۇھەببەت باغلىخانلىقى ئۈچۈن داڭق چىقارغان، مۇئىتەمد بولسا، ئىسپانىيە پادشاھلىرى ئارسىدا ئالدىنىقى ئورۇندا تۇراتتى . ئۇنىڭ نام چىقىرىشى بىر - بىرىگە تۈپتەن ئوخشىمايدىغان تۆۋەندىكى ئىككى خىل سەرگۈزەشتىدىن، يەنى باشتىكى ھەشىمەتلىك ئوردا ھاياتى، كېيىن ئەسرگە چۈشۈپ، ماراکەشتە ئېچىنىشلىق حالدا ئۆلتۈرۈلگەنلىكىدىن

بولغان . ئۆز ئىككىسى (ئۆز قېرىنداشلىرىغا ئوخشاش) « ئاددىي ،
هەش - پەش دېگۈچە كۆزدىن غايىب بولىدىغان تۇرمۇش
هادىسىلىرىگە بىر قاراپلا شىئىر يازاتتى » . ئەپسۇسكى ، بىزنىڭچە
ئەڭ تەسىرىلىك دېلىلگەن داستانلىرىنىڭ پەقەت بىر قىمەلا
ئىنگلىزچىگە تەرجىمە قىلىنىدى . زەيدۇن بولسا ئوخشاشلا يەنە بىر
داڭلىق يازغۇچى ئىدى . ئۆز ئۆزىنىڭ مەكتۇپلىرى بىلەن نام
چىقارغاننىڭ سىرتىدا ، مۇھىمى ئۆز رەقىبى ئىبىنى ئابدۇسقا قارىتىپ
يازغان نەسەھەت خاراكتېرىدىكى مەكتۇپلىرى بىلەن داڭق
چىقارغان . ئۇنىڭ ئەسەرلىرىدە مەقسەت ئېنىق بولۇپ ، سۆزى
كەسکىن ، قەلمىنى ئۆتكۈر ئىدى . تۆۋەندە ئۇنىڭ كېينىكى
دەۋرلەردىكى ئىجادىدىن مىسال كەلتۈرىمىز :

كوردوۋانى ئەسلىش

سېنىڭ سائەت راۋااغىڭغا چۈشەر تىنماي سىم - سىم
يامغۇر ،

دەرەخلىرى ئىچىدە ئاڭلىنار كاككۈكىنىڭ ئۇنى مەغرۇر .
چەۋەندازدەك كېرىپ كۆكىرەك چاچار كوردوۋا قەسىرىڭ
نۇر ،

بەئەينى ئىككىگە بۆلگەن تۇمار بىر ئەسىسەم چوڭقۇر ،
پىشۇالار شۆھەرتىدىن تاپقىننىم ئىززەت - غۇرۇر .

شاد - خۇرام كۈنلىرى مەيلەر كۆتۈردىق جام بىلەن ،
جىلغىنى سەيلانە قىلدۇق ياش چېغى ئىلھام بىلەن .
تۈمۈچۈق ، تورغايمۇ ، قۇشلار بىر گۈزەل سايرام بىلەن ،
قىلدى پەرۋاز شايى - ئەتلەس رەڭ تۈزۈپ قايىنام بىلەن ،
ئۆرلىگەن ياشلىق غۇرۇرى ئەمدى قانداق ئۇنتۇلۇر .

ئەسلىسەك ئۆز يۇرتىنى شادلىق بولدى غايىب چۈش گويا،
 تۈن ئارا باستۇق قەدم ئۆتكەننى ئەسلەپ دائىما،
 (تولدى قويىنۇم خۇش پۇرافقا كەچكى سالقىندا مانا،
 ئاي تولۇن، يۈلتۈز تۈگەل، سەرسانىمەن باقسالى يانا،)
 « ئەلۋىدا ئەي جانانىم، هىجران ئوتى مېنى يۇتۇر ! »

11 - ئەسىرده، يەرلىك ماتىما تىكا، ئاسترونومىيە ئىلمىي
 تەرىپدارلىرى مۇسۇلمانلار ئىسپانىيىسىدە جۇش ئۇرۇپ راوا جلىنىشقا
 باشلىدى. ئۇنىڭدىن سەل بۇرۇن، ئەرەبستاننىڭ شەرقىدىكى
 تىبا به تىچىلىك ئىلمىي مەشھۇر ئىسپانىيە تىبا به تىچىلەر تەرىپدارلىرىغا
 ھۆل قۇرۇپ بەرگەندى. (بۇ داڭلىق ئىبنى زۇھەير جەمەتنى
 ئۆز ئىچىگە ئالىدۇ. ئۇلارنىڭ بىرى يۇقىرىدا
 كۆرسىتلەگەن « مۇۋەشىھە » نىڭ ئاپتۇرى). مەلۇم يۇنان
 پادشاھىنىڭ ئابدۇلراھمان ^{II} كە تارتۇق قىلغان سوۋغىتى،
 دىسقۇرىدىسىنىڭ قىستۇرما سۈرەتلىرى بار دورىگەرلىك كىتابى
 نۇرغۇنلىغان مەشھۇر ئۆسۈملۈك ئالىملىرىنىڭ قىز غىنلىقىنى
 قوزىغىدى. لېكىن، بۇ ئەسىرىدىكى نەسىرىي ئەدەبىياتىنىڭ ئاساسلىق
 ئوبرازى كوردوۋالق ئىبنى ھەزمىم (994 – 1064). ئۇ ئۆز دىنىدىن
 ۋازكەچكەن ئىسپانىيلىكلىرىنىڭ نەۋىرى بولۇپ، باشتا شائىر
 ئىدى. لېكىن، ئۇنىڭ شېئىرىيەت ئىجادىيەتى جەھەتتىكى
 ئىقتىدارى بىر چەۋەندازنىڭ مۇھەببىتىنى ئىزهار قىلىپ
 يازغان « كەپتەر زۇننارى » (« تەۋقۇلە ما ما ») دېگەن
 ئەسىرىگە يەتمەيدۇ، بۇ ئەسەر ئەرەب ئەدەبىياتىدا دەرھال ئۇنىۇمى
 كۆرۈلگەن، ھەم گۈزەل، ھەم ئاممىباب بولغان ئاز ساندىكى
 ئەسەرلەرنىڭ بىرى. ئەجەبلىنەرلىكى شۇكى، ھەزمىم ئىسلام
 ئلاھىيەت ئىلمىدىكى ئەڭ تار بىر گۈرۈھقا منسۇپ بولغانلىقى

ئۈچۈن . ئۇنىڭ كېىىنكى دەۋرلەردىكى ئەدەبىي پائالىيىتىنىڭ كۆپ قىسىمى ئلاھىيەت ئەھلى بولغان رەقىبلرىگە شىددەتلىك ھۇجۇم قىلىشقا سەرب قىلىنغان . كىشىلەر ئۇنىڭ شەمشەردىك تىلىنى زالىم پادىشاھ ھەججا جىنىڭ قىلىچىغا ئوخشتىدۇ . شۇنىڭ ئۈچۈن ئۇ ئاخىرىدا . مەجبۇرى يۈسۈندا سىياسىي ھاياتىدىن مەھرۇم بولىدۇ . ئەمەلىيەتتە دىندىن قوغلاپ چىقىرىلىدۇ . ⑤ ھەزىمىنىڭ دىن ۋە تارىخقا دائىر ئەسەرلىرى ئاساسەن يوقلىپ تۈگىگەن . بەختكە يارىشا ئۇنىڭ ئەسەرلىرىدىن قىممەتلىك ۋە ئىجادىي خاراكتېرلىك دىنىي تەلىماتلارنى سېلىشتۈرۈدىغان « دىن ۋە پەلسەپە ئېقىملەرى » (« ئەلغىسل ») دېگەن ئەسەرلىرى ساقلىنىپ قالغان بولۇپ ، بۇ ئەرەب ئەدەبىياتىدا ئۈچۈرىدىغان مۇشۇ خىل تېمىدىكى بىرىنچى دەرىجىلىك ئەسەر بولۇپ ھېسابلىنىدۇ . قارىماققا بۇ مەسىلىنى چۈشىنىش ناھايىتى قىيىندەك كۆرۈنسىمۇ ، لېكىن بۇنىڭغا جاۋاب تېپىش قىيىن ئەمەس . ئەرەب ئىستىلاچىلىرىنىڭ كەڭ قورساقلىقى تۈپەيلىدىن ، ئوخشمىغان دىنىي ئېتىقادقا ئىگە تۈرلۈك گۈرۈھلار - يەھۇدىلار ، خرىستىئانلار ، كاتولىكلار ، ھەتتا يېرىمى بىدئەتچىلەرمۇ ياشاؤېرەتتى . ئۇلارنىڭ ئېتىقادى مۇسۇلمان ئۆلىمالىرىنى ئاللىقاچان ئۆزىگە جەلپ قىلغانىدى . نەتىجىدە ئالدى بىلەن كۆپچىلىكىنىڭ ئاغزىدا ھېكايە قىلىنىدىغان بىرمۇنچە ئەسەرلەر مەيدانغا كەلگەن (خرىستىئان دىندىن ئىسلام دىنغا ئۆتكەن ئەلى ئىبنى تەبەرى 855 - يىلى يازغان « دىن ۋە دۆلەت » (« ئەدىن ۋە دەۋلە ») بۇ جەھەتتىكى ئۆلگە ھېسابلىنىدۇ . كېىنچە ئۇلاردا تېخىمۇ ئىلمىي بولغان تەتقىقات ھەۋىسى قوز غالغان ، يەنە نۇرغۇنىلىغان مەمۇرى باشقۇرۇش مەسىلىلىرى غەيرى مۇسۇلمانلارنىڭ ئالاھىدە باج ۋە قانۇنلىرىغا بېرىپ تاقىلاتتى . بۇ

ئەمەلدارلاردىن غەيرىي مۇسۇلمانلارنىڭ ئېتىقادى ۋە ئۆرپ -
 ئادەتلرى ھەققىدە زۆرۈر بولغان بىلىملىرى كە ئىگە بولۇشنى تەلەپ
 قىلاتتى . ئىسلامىيەت گۈرۈھى ئىچىدىمۇ مەسچىت قانۇنىنى ئۈلگە
 قىلغان تۈرلۈك ئىلىم ئېقىملرى مەيدانغا كېلىپ ، سېلىشتۈرما
 ئەقىدىشۇناسلىققا داشر يېزىقچىلىق ۋە تەتقىقاتنى تېخىمۇ ئىلگىرى
 سۈردى . بۇنداق ئەسەرلەر ئادەتتە بەس - مۇنازىرە ئۈچۈن
 يېزىلاتتى . مەسىلەن ، ئەبۇ مەنسۇر باغدادنىڭ (1037 - يىلى ۋاپات
 بولغان) « ھەرقايىسى گۈرۈھلارنىڭ پەرقى » دېگەن ئەسلى
 ھەرقانداق گۈرۈھقا مۇناسىۋەتسىز بولسىمۇ ، ئۆزى ئۇنى ئىسلامىيەت
 گۈرۈھىغا كىرىدۇ ، دېگەن . ئىبنى ھەزىمگە كەلسەك ، ئۇ كىشىلىك
 دىنىي ئېتىقادىنى سىستېمىلىق تەتقىق قىلىدىغان (ئوخشىمىغان
 دىنىي مەزھەپ ۋە ئىلىمىي ئېقىمنىمۇ ئۆز ئىچىگە ئالىدۇ) تۇنجى
 ئەسەرنى يازغان . كىتابنىڭ بېشىدىلا دۇنيادىكى دىنلار ئىلاھىيەت
 ۋە پەلسەپە نۇقتىئىنەزەرىدە تۈرۈپ ، دۇنيانىڭ پەيدا بولۇشى
 ھەققىدىكى ئېتىقاد ۋە پەيغەمبەرلەرنىڭ شەرەپلىك تارىخى
 ۋەزىپىسىگە ئاساسەن تۈرگە ئايىرىلىدۇ . مەسىلەن ، خristian
 دىندا ، دۇنيا پەيدىنپەي پەيدا بولغان ، ئۇنى بىرلا كىشى ياراتقان
 ئەمەس دېيىلىپ ، باشقا پەيغەمبەرلەر (مۇھەممەد پەيغەمبەر ۋە
 ئەرەب پەيغەمبەرلىرى) چەتكە قېقىلىدۇ . ئۇ ئەسەرنىڭ ھەربىر
 ئابزاسىدا ، دىنىي مەقسەتلەرنى ھىمایە قىلىدىغان كۆزقاراشلار
 ئىجابىي ھالدا تەپسىلىي بايان قىلىنىپ ، ئاندىن نۇقتىلار بويىچە
 رەددىيە بېرىلىدۇ . مەزكۇر كىتابنىڭ نۇرغۇن جايلىرىدا نەقل
 كەلتۈرگەن كونا - يېڭى ۋەز - نەسەھەت كىتابلىرىدىكى باش -
 ئايىغى زىت بەزى باب ۋە جۈملەر ، خۇسۇسەن مۇسۇلمانلارنىڭ
 نەزەرىدە بىمەنە مۇقام ، دەپ قارالغان نۇقتىئىنەزەرلەر كەسکىن
 تەھلىل قىلىنىدۇ . جۈملەدىن ، مۇسۇلمانلارنىڭ ھەرقايىسى

مەزھەپلىرى ۋە پەلسەپە ئېقىملەرى مۇهاكىمە قىلىنىدۇ . ئاخىردا ، ئىبنى هەزم ئۆزىنىڭ پەلسەپسى ۋە دىنىيە كۆزقارشى ئۈستىدە توختىلىدۇ . شۇنىسى ئېنىقكى ، كىتابىنىڭ مەقسىتى ۋە ئىستىلى بەس - مۇنازىرە خاراكتېرلىك بولسىمۇ ، لېكىن ئۇ مۇشۇ تېمىدا كېيىنچە ئادىلراق ئەسرلەر مەيدانغا كېلىشنى ئىلگىرى سۈردى .

ئىسپانىيە تارىخچىلىرىنىڭ دىققەت - نەزەرنى ئەرەبلىرىنىڭ ئىسپانىيىدىكى قىلمىشلىرىغا قاراتقانلىقى تولىمۇ تەبىئىي ئىش . ئەرەبستاننىڭ شەرقىدىكى تىپىك ئەسرلەر ئەرەبستاننىڭ شىمالىغا كەڭ تارقالغان بولسىمۇ ، لېكىن ئۇلارنىڭ ئىسپانىيە تارىخى جەھەتتىكى يېتىشىزلىكى ، ئۇلارنىڭ ئەسرلەرىگە تۈزىتىش كىرگۈزۈش تەلىپىنى كەلتۈرۈپ چىقاردى . دەسلەپكى مەزگىللەردە ئىسپانىيىدە تۈزىتىش كىرگۈزۈلگەن نۇسخىلار ئىچىدە « مورو نەسەپنامىسى » لا ساقلىنىپ قالغان بولۇپ ، بۇ ئىسپانىيە - ئەرەب تارىخىغا دائىر بىز بىلىدىغان تۈنجى ئەسر ھېسابلىنىدۇ . دەسلەپكى دەۋرگە منهنسۇپ باشقا تارىخي ئەسرلەرنىڭ كۆپ قىمى يوقلىپ كەتكەن . لېكىن ، مۇسۇلمانلارنىڭ ئەڭ ئۇلۇغ تارىخچىسى ئىبنى ھەبيان (987 - 1075) نىڭ مۇھىم يىلنامىسىنىڭ قىممەتلىك بىرنەچە توپلىمى ئەسلىگە كەلتۈرۈلدى . يەنە بىر تەرەپتن ، 10 - ئەسرنىڭ ئاخىردىن 13 - ئەسرىگىچە بولغان بىر قاتار تەزكىرىلەر بەختكە يارشا ھازىرغىچە ساقلىنىپ قالغان ، بۇنىڭ بىلەن بىزنىڭ شۇ چاغدىكى ياۋروپا مەدەنىيتتىنىڭ يۇقىرى پەلىسىگە ۋە كىللەك قىلغان جۇشقۇن ئەدەبىيات مۇنبىرى ھاياتىغا توغرا ، تەپسىلىي ئەهمىيەت بېرىشىمىزگە ئىمکانىيەت تۇغۇلدى .

ئىزاهتلار :

① مۇھەممەد پەيغەمبەرنىڭ تاغسى ئابىاسىنىڭ ئۇلادلىرى خۇراساندا

تەسىرى بار جەمەت ئىدى . 750 - يىلى ئەبۇ ئابىاس خەلپىلىككە تۈلتۈرۈپ . ئابىاسلار خەلپىلىكىنى قۇردى . ئابىاسلار خەلپىلىكىدە 750 - پىلىدىن 1258 - يەلىغىچە ئوتتۇز يەتتە خان ھۆكۈم سۈردى . ئابىاسلارنىڭ بايرىقى قارا بولغاچقا ، ئېلىمىزنىڭ تارىخنانىلىرىدا ئۇلار قارا بايراقلىقلار دېلىلەدۇ .

② خەلپە - ۋارىلىق قىلغۇچى . يەنى مۇھەممەد پەيغەمبەرنىڭ ۋارىلىق .

③ مىلادى 762 - يىلى ئابىاسلار خەلپىلىكىنىڭ ئىككىنچى ئۈلەد خەلپىس مەتسۇر پايتەختى ئەنبالدىن باگداددا كۆچۈرگەن . تەبەرەننىڭ يېزىشچە ، مەنسۇر يېڭى پايتەختىكە ئۆل قويۇش ۋاقتىدا : « بىزدە تىگىرسى دەرىياسى بار . ئۇ بىزنى جۇڭگۈدەك يىراق جايلار بىلەن ئۈچراشتۇرالايدۇ . ئۇ بىزگە دېگىزدا بار نەرسەلمىنىڭ ھەمىسىنى يەتكۈزۈپ بېرىلەيدۇ . . . » دېگەن .

④ « قۇرئان » دا ، سابىس دىنى ئىسلام دىنى ياكى خristian دىننەگە ئوخشاشلا خۇداغا ئېتىقاد قىلىدىغان دىن دەپ قارىلسەدۇ . مىلادى 7 - ئەسرىدىن بۇرۇن ئەرەب يېرىم ئارىلىنىڭ جەنۋىيدا ئاسامىن سابىلار ۋە ھەمىسىرلەردىن ئىبارەت ئىككى مىللەت ياشىغان . سابىلار ۋە ھەمىسىرلەر مىلادىدىن بۇرۇنىقى 10 - ئەسرەدە ئادىن پورتىنى ئايلىنىپ ئۆتۈپ ئەرەب دېگىزىغا كىرىپ ھىندىستانغا كەتكەن . مىلادى 1 - ئەسرەدە ئۇلارنىڭ نۇرغۇن ئاھالىسى شىمالغا ئېقىپ سۈرىپ كۆچكەن . خەلپىلىك كۈندىن - كۈنگە زاۋاللىقا يۈز ئۇتقانىدا ، ئۇلار ئۆز نۇرنىنى ھەمىسىرلەرگە ئۆتۈنۈپ بەرگەن .

⑤ خristian دىننىڭ دەسلەپكى دەۋەلىرىگە منسۇپ دىنى پەلەپە ئېقىسىنىڭ ۋە كىلى ، ئۇلار خristian ئىلاھىئۇناسلىقى بىلەن يېڭى ئەپلا توچىلىق ۋە بىداگىراس تەلىعاتىنى بىرلەشتۈرگەن . مىسرلىق نوستى دىنى مۇخلۇس ۋالىتىن مىلادى 2 - ئەسرەدە بىر خىل بىمەنە كۆزقاراشنى ئۆتۈرۈغا قويۇپ . تەبىئەتنىڭ سەرتىدا بىر خىل « يەككە زات » ۋە ئۇنىڭغا زىت بولغان « ئەسىل زات » مەۋجۇت ، دەپ قارايدۇ . جۇزمىلىدىن روفقا ئېتىقاد قىلىشنى ماھىيەتتە ئەرۋاھتىن كېلىدۇ . دەيدۇ . شۇڭى . ئۇ قەدىمكى ماتېرىيالىزم بىلەن پۇتۇنلىقى قارىمۇ قارشى .

⑥ بىداگىراس (مىلادىدىن بۇرۇن 580 — 500) — قەدىمكى يۇنان پەيلاسوبى . ماتېماتىك . ئۇ ۋە ئۇنىڭ مۇخلۇسلەردىن تەركىب تاپقان ئىلمى ئېقىم ماتېماتىكا ئارقىلىق كائىناتنىڭ ئەسىل كېلىپ چىقىشى ھەقىدىكى كۆزقاراشنى بۇرمىلايدۇ . ئۇلار : كائىناتنىڭ مەنبەسى ئابىستىراكت سان - سېقىر دەيدۇ . مۇشۇ خىل ئىدىئالىزم ئاساسدا بىداگىراس تەرمەپدارلىرىنىڭ سىمۇولچىلىق ۋە خۇرداپاتلىق بىلەن تولغان سان - سېفىرلارنى سەرلىقلالاشتۇرۇش پەلەپسى پەيدا بولغان .

⑦ خristian دىننىڭ بىر تارمىقى . هىراجا كەڭ تارقالغان . بۇ دىن تالە

سۇلالىسى دەۋرىدە ئېلىملىزگە كىرگەن بولۇپ . « جىڭىچىغا » دەپ
ئاتىلاتى . بۇ دىنىنى ئىستۈرى (380 — 451) ئىجاد قىلغان . نۇ مىلادى 426
— يىلى ئىستامبۇلدا يېسىكوب بولغان .

⑧ بۇ . ساپور I ئەسىر ئېلىمنىغان يۇنان ئاھالىلىرى ئۆچۈن قۇرغان
شەھىر ، ئىراننىڭ غەربىدىكى خۇستان ئۆلکىسىدە . مىلادى 738 — يىلى ئەرمەنلىك
ئىشغالىيىتىگە ئۆتكەن . تىببىسى ئىشتىتۇت ۋە ئارامى ئىلى تەتقىقات مەكتىپى ئېچىپ
داڭقى چىقارغان .

⑨ پورفېل (304 — 233) — يېڭى ئەپلا تۈنچىلىقنىڭ ئىجادچىسى بولغان
پىلوتىمنوسنىڭ نوقۇغۇچىسى . نۇ يابورك . بوركلىورلار پىلوتىنسىز ئىلمى
تەرمەپدارلىرىنىڭ داڭلىق ۋە كىلى ھىسابلىسىدۇ .

⑩ ھارۇن رەشىد (786 — 809) — ئاباسلار خەلسەلىكىنىڭ 5 — ئەۋلاد
خەلسەپسى . نۇ يىگىرمە ئۆچ يىل خەلسەلىك قىلغان بولۇپ . ئۆنلىك دۆلىتى دوئانى
تېپىپ كۈچەيگەندى . نۇ شۇ چاغدىكى فەرانكىنىڭ چارلىز پادشاھى بىلەن دوستانە
مۇناسىۋەتنى ساقلاپ قالغان . تالق سۇلالىسىمۇ ئەلچى ئۆتكەن . « مەلک بىر
كېچە » دە ھارۇن رەشىدى زىيارەت قىلغانلىق توغرىسىدىكى ھېكاپىلەر ناھايىتى
كۆپ .

⑪ ئۆمەۋىيە خەلسەلىكى دەۋرىدە . ئەرمەب ھۆكۈمرانلار سىنىپ ئۆزلىرىنى
ئەڭ ئېسىل مىللەت ھىسابلاپ . بويىسۇن دۇرۇلغان خەلقەرنى ئۆچ دەرسىجىگە
ئايىرىغان : بىرىنچى دەرسىجە « ئادەم » . يەنى ئەرمەبلەر ئىدى : ئىككىنچى دەرسىجە
« يېرىم ئادەم » . يەنى ئىسلام دىنىغا ئېتىقاد قىلدىغان قويۇپ بېرىلگەن قۇللار
ئىدى : ئۆچىنچى دەرسىجە « ئادەم ئەمەس » . لەر بولۇپ . ئۇلار ئىسلام دىنىغا
ئېتىقاد قىلدىغان « ھامىيلار » ئىدى .

⑫ مىلادى 4 — ئەسىر دە ماكىدونىيە پادشاھى ئىسکەندر ھىندىستانغا
تاجاۋۇز قىلىپ كىرىپ . ھىندىستانلىقلارنىڭ قاتىققىغا ئۆچرايدۇ . ھىندىلار
بولباشچىسى چاندرا گوتىما يۇنان ئىسکەرلىرىنى چىكىتىدۇر گەندىن كېيىن . ئۆز
خانلىقىنى قۇرىدۇ . نۇ ئۆزىنى پادشاھ دەپ ئىلان قىلغاندىن كېيىن . ئېتىايىن
ۋە ھېشىلەك بىلەن خەلقنى بوزەك ئېتىدۇ . شۇ چاغدا بېتىبىي ئىسلامىك بىر
دانىشىمەن بىۋاستە ئوتتۇرىغا چىقىپ ئۇنىڭغا نەسەت قىلىدۇ . پادشاھ دەرغەزەپ
بولۇپ ئۇنى زىندانغا تاشلايدۇ . لېكىن . كېيىنچە پادشاھ ئۆز قىلىشلىرىغا پۇشايمان
قىلىپ . بېتىبىيەينىڭ سەممىي نەسەتىنى قوبۇل قىلىدۇ . « كەللىه ۋە دەمىنە »
كىشىلەرنى ئاق كۆڭۈللىكە ئۇندەيدىغان مەسەللەر توپلىسى بولۇپ . ئۇنىڭدا
ئۆچارقۇشلار ئاغزىدىن نۇرغۇن پەلسەپىۋى قائىدىلەر بېرىلگەن . بۇ كىتابتا
بېتىبىيەينىڭ پەلسەپىۋى سۆزلىرى بايان قىلىنغان .

⑬ ئېبۇ نۇۋاىس (762 — 813) — ھەمن ئىبىنى غېنى دەپمۇ

ئاتىلىدۇ . ئۇ نابىاس خەلپەلىكى زامانىسىدا ئۆتكەن ئەدەبىيات ئىسلاھاتى دەۋرىنىڭ داھىلىرىدىن بىرى . ئۇن ئىككى مىڭ كۈپلېتىن كۆپرەك شېشىر يېزىپ قالدۇرغان مەشھۇر شائىر .

⑯ ئەرەبچە مەلىسى « ئەرمەب مىللەتچىلىكىنى ئەكس ئەتتۈرۈش » . يەنى ئىسلام دىنىغا ئېتىقاد قىلىدىغان ھەرقايىسى مىللەتلەرنىڭ باراۋەرلىكىنى تەشەببۈس قىلىپ ، ئەرمەب مىللەتتىنىڭ ئۆستۈنلۈگىنى ئىنكار قىلىشتىن ئىبارەت .

⑰ ئابىاسلار خەلپەلىكىگە مەنسۇپ ھارۇن رەشىد كۆزدە تۇتۇلىدۇ .

⑯ مالىك ئىبىنى ئەنەس (712 — 795) — پۇتۇن ئۆمرىنى مەدىنىدە ئۆتكۈزگەن بولۇپ ، ئۆز زامانىسىنىڭ دائىلىق ئىمامى ئىدى . ئۇ ئىسلام دىنىنىڭ ئەلە زور قانۇنىشۇناسلىق مەزھىپى مالىك مەزھىپىنى ياراتتى .

⑰ ئىسلام دىنىدە مۇھەممەد پەيغەمبەرنىڭ مەدىنىدىكى ۋاقتىدا ئالغان ۋە سېلىرى دىنى قانۇن ۋە سىياسى پەرمانلار توغرىسىدىكى ۋەھىيى دەپ قارىلىدۇ . كېيىنچە مۇھەممەد پەيغەمبەر ئۆزىسى قانۇن تۈزگەن ، بۇ يەردە دېلىلۇراتقىنى ئۆنىڭ ئۆزى تۈزگەن قانۇنقا قارىتىلغان .

⑯ شاپىشى (767 — 820) — ئۆزىدا تۈغۈلۈپ . مەدىنىلىك ئىبىنى ئەنەستە ئوقۇغان . كېيىنچە مەشھۇر ئىمام بولغان . ئۇ ئىسلام دىنىنىڭ سۈنى مەزھىپى قاتارلىق تۆت چوڭا مەزھىپىنىڭ بىرى بولغان شاپىشى مەزھىپىنىڭ ئىجادچىسى .

⑯ ئەرمەبلەرنىڭ ئىسلام دىنى پەيدا بولۇشتىن بۇرۇنقى جاھالەت دەۋرى كۆزدە تۇتۇلىدۇ .

⑯ هىشام (? — 828) — تارىخشۇناس . بەسىرىدە تۈغۈلۈپ . قاهرىدە ۋاپات بولغان .

⑯ ۋاقىدى (747 — 823) — ئىسلامىيەتنىڭ دەسلەپكى دەۋرىلىرىدىكى مەشھۇر ئەرەب تارىخچىسى . مەدىنىدە تۈغۈلغان . ئۆنىڭ « يراقتا يۈرۈش قىلىش » . « ياؤرۇپانى بويىزۇندۇرۇش » « پېرسىيە ۋەئرانتى بويىزۇندۇرۇش » . « مىسر ۋە ئىكەندرىيىنى بويىزۇندۇرۇش » قاتارلىق ئەسەرلىرى بار .

⑯ سەبب ئىبىنى ئۆمر (? — 815 تەخىمنەن) — ئەرمەبلەرنىڭ تارىخشۇناسى . باغدادتا نام چىقارغان .

⑯ مەدائىنى (752 — 839) — ئەدىب ، تارىخشۇناس . بەسىرىدە تۈغۈلۈپ . باغدادتا ۋاپات بولغان . ئۆنىڭ مۇھەممەد پەيغەمبەرنىڭ يراقتا يۈرۈش قىلىشى : سۆز - ھەرىكەتلەرى ھەم خەلپەلەرنىڭ يراقتا يۈرۈش قىلىشغا دائىر بىر نەچە ماقالىلار تۈپلىسى بار .

⑯ ئەھنەف (? — 807) — باغدادلىق شائىر .

⑯ ئەرەبچە « ئەل بەدنى » دېگەن سۆز بولۇپ . « يېڭى . دائىلىق »

دېگەن مەنىنى بىلدۈردى.

⑤ بەشار ئىبىنى بۇرد (714 — 784) — ئۆمەۋىيە خەلپىلىكى ۋە ئابىسلار خەلپىلىكىنىڭ شائىرى . ئاياللار ھەقىقىدە ۋە ھەجۇي شېشىر يېزىش بىلەن داڭق چىقارغان . بىر قېتىم بەسىرىدە مەي ئىچىپ كەپپە ئەلدا نامازغا كىركەنلىكى ئۈچۈن . ئىمام تەرىپىدىن سەكىن دەرە ئورۇلۇپ ئۆلتۈرۈپتىلگەن .

⑥ مۇسلم ئىبىنى ۋەمىد (? — 823) — ئابىسلار خەلپىلىكىنىڭ دەسلەپكى مەزگىلىدە ئۆتكەن كۇفەلىك شائىر .

⑦ ئەبۈل ئەتتەھىيە (746 — 825) — شائىر . كۆفەدە تۈغۈلغان ، ياش ۋاقتىدا فارفۇر ئىچىسى بولغان .

⑧ مەئمۇن (786 — 833) — ئابىسلار خەلپىلىكىنىڭ 7 - ئۆلاد خەلپىسى . مەئمۇن دەۋرى ئىسلام مەدەنىيەتىنىڭ ئالتۇن دەۋرى ھېسابلىسىدۇ . ئۇ پەلسەپ سىستېمىسى بەرپا قىلىپ . ئىلمىم - پەنگە ئاساس سالغان . ھەر قايسى ئەللەرنىڭ كلاسىك كىتابلىرىنى تەرجىمە قىلدۇرغان . بۇ دەۋرەدە ئىلمىم - مەربىپەت نۇرى كونستانتن ۋە ئىسپانىيەلەرگە بېتىپ بارغان .

⑨ لۇقا (820 — 912) — دوختۇر . پەيلاسوب . ئاسان جىسىلىرىنى كۆزىتىش ئاپىراتىنى ياساپ چىققان . ئۆنىڭ « يالقۇنجاۋاتقان ئىبىنەك » « يۇنان دېمقاتلىرى » قاتارلىق ئاسالىق ئەسرلىرى ئوتتۇرا ئەسىرىدە لاتىنچىغا تەرجىمە قىلىنغان .

⑩ ياؤرۇپالىقلار ئۇنى جۇنۇنتوس (Joannius) دەپ ئاتايدۇ . ئەرمەلەر ئۇنى « تەرجىمانلارنىڭ پىرى » دەيدۇ . ئۇ 808 - يىلى ئىراقتا تۈغۈلغان . باىدادتا دوختۇرلۇقنى ئۆگەنگەن . كېيىنچە مەئمۇننىڭ « بېتۈلەكىمەت » كە تەكلىپ قىلىنغان . ئۇ ئەپلاتون . ئارىستۆپلەرنىڭ ئەسرلىرىنى ئەرەبچىگە تەرجىمە قىلغان . ئۆنىڭ « كۆز دوختۇرلۇقى ھەقىقىدە ئۇن پارچە ماقالا ». « تىباھەتچىلىك بىلىلىرى » قاتارلىق ئەسرلىرى بار .

⑪ ئاتاتولىيە - كىچىك ئاسىيا بولۇپ . ئانا توپلىيە زېمىننىڭ كۆپ قىسى بۈگۈنكى تۈركىيە قارايدۇ .

⑫ بەختىياشۇ قەۋمى خەرىستىئانلارنىڭ نىستۇرى مەزھىپ (جىڭ جىياۋ) نىڭ دوختۇرلۇق كەپىدىكى قەۋمى . ئابىسلار خەلپىلىكىنىڭ ئوردىسىدا ئۈچ يۈز يىلدىك دوختۇرلۇق قىلغان .

⑬ پىلۇتىن (204 — 270) — رىم ئىمپېرىيىسى زاۋاللىقا يۈز تۈتقان دەۋرە ئۆتكەن سەرلىقلاشتۇرغۇچى ئەكسىيەتچىلەر بەيلاسوب . يېڭى ئەپلاتونچىلىقنىڭ ۋە كىلى . ئۇ ئالەمنى مەۋجۇدىيەتتىن تاشقىرى . چۈشەنگىلى بولمايدىغان ئىلاھ ياراتقان . دەپ قارايدۇ .

⑭ مارکىسىز مەدىن بۇرۇنقى پەلسەپ مىتافىزىكا دېيىلىدۇ . ئۇ تەجربە

داشىرسىگە كىرمەيدىغان مەسىلىلەرنى چۈشەندۈرۈدىغان پەلسەپە .

⑥ ئەبۇ بەكىرى خارەزمى — ئۇ سىلامىيەتنىڭ تۈلۈغ ئالىملىرىنىڭ بىرى . ئۇنىڭ ماتېماتكىدىكى مۇۋەببە قىيىتى شۇكى . ئۇ ساناق سان ئۆسۈلىنى سىلام قىلغاننىڭ سىرتىدا . يەنە قەدىمكى يۇنانلارنىڭ بىر يىلتىزىنى ئېتىراپ قىلىدىغان ئالگىپىراسىنى ئىككى يىلتىزلىققا ئۆزگەرتەن . ئۇنىڭ « ئىنتىگرال ۋە ئەڭلىمىنىڭ ھېسابلىقىشى » . (ئۆز تەرجىسى « سېلىشتۈرما ۋە سېلىشتۈرمسىنىڭ ھېسابلىقىشى ») دېگەن ئەسىرى 16 - ئەسرىگىچە يازىرىپادىكى ئۇنىۋېرىستېتلاردا دەرسلىك قىلىنىغان . ئالگىپىرا دېگەن ئىسمى ئۇنىڭ مۇشو كىتابىدىن كەلگەن .

⑦ پەرغانى - ئاسترونوم ، ئابىاسلار خەلپەلىكىنىڭ 10 - ئەۋلاد خەلپىسى مۇتەۋەككىل 861 - يىلى ئۇنى نىل دەرىياسىنىڭ سۈينى كۆزىتىش بونكىتى قۇرۇش ئىشىغا نازارەت قىلىش ئۆچۈن قاھرىكە ئەۋەتكەن . ئۇنىڭ « پلانېتيلار ئىلمى ۋە ئاسمان جىسىملەرنىڭ ھەرىكتى » . « يۈلتۈزۈلار خەربىسى » قاتارلىق ئەسىرىلىرى لاتىن تىلى ۋە ھېبىرۇ تىلىغا تەرجىمە قىلىنىغان .

⑧ ئەبۇ مەئىشىر (788 — 886) . بەلىختە تۈغۈلغان . ئۇنىڭ « يۈلتۈز ھادىسىلىرى بىلىمى » دېگەن كىتابىدا يازىرىپادا سۇ كۆتۈرۈلۈش ۋە پەسىيىشنىڭ ئاي ھەرىكتىكە بولغان ئەسىرى تۈنجى قېتمى ئوتتۇرىغا قو يولغان .

⑨ بەتتائى (858 — 929) — ئىراقنىڭ بەتتا دېگەن يېرىدە تۈغۈلغان .

⑩ رازى (868 — 932) — داڭلىق ئەرەب دوختۇرى . ئەرمىبلەر ئۇنى « مۇسۇلمانلار دوختۇرى » دەپ ئاتايدۇ .

⑪ مۇئىتەزىللەر ئىسلام دىنى مەزھىپىنىڭ بىرى بولۇپ . بۇ « ئابىللغۇچى » ئۆزىنى قاچۇرغۇچى » دېمەكتۇر . بۇ مەزھەپتىكىلەر ئىسلام دىنىنىڭ ئەقىدىشۇنالىقىنى تەتقىق قىلىشتا ئومۇمىسى ھالەتتىن جۈزئى خۇلاسە چىقىرىش ۋە سېلىشتۈرۈش ئۆسۈلىنى قوللىنىدۇ . ئۇلارنىڭ دىنى ئەقىدىسى مۇنداقى : ① چۈلە جىنایەت ئۆتكۈزگەن كىشىنى دىنىنىڭ خائىنى دېگىلىمۇ . دىنغا ئېتىقاد قىلغۇچى مۇرۇت دېگىلىمۇ بولمايدۇ . بەلكى ئىككىسىنىڭ ئوتتۇرسىدىكىلەر دەب بىلىش كېرەك : ② ئۆز ئەركىنلىكىنى ئۆزى تاللاش لازىم . باشقىلارنى ئىشقا زورلىمالىق كېرەك : ③ « قۇرئان » نىڭ ئالاھىدىلىكى ئىلاھىيەت . باراۋىرلىك . بىرلىك مەسىلىلەرنى تەتقىق قىلىشتىن ئىبارەت .

⑫ د . ر . مىكدو ئالدىنىڭ « مۇسۇلمانلار ئلاھىشۇنالىقىنىڭ تەرقىيەتى » . 140 - بەت — ئاپتۇر .

⑬ ئەخىمەت ئىبنى هەنبىل (780 — 855) — باغدادلىق . دىنى ئەقىدىشۇناس . بەزىلەر ئۇنى ئىمام ئەمىدى هەنبىل دەيدۇ . ئىسلام دىنىنىڭ سۈنىنى مەزھىبىگە منسۇپ تۆت چۈلە ئىمامنىڭ بىرى . ئۇ مۇئىتەزىللەرگە قارشى تۇرغانلىقى ئۆچۈن خەلپە تەرىپىدىن نەزىم بەند قىلىنىغان . ئۇ ھەدىس توپلاش ئۆچۈن يەممەن .

سۈرىيە . ئەرمىپ بېرىم ئارىلىنى تابلىقىپ چىققان . ئۇنىڭ « مۇسەت » ناملىق
 توپلىمىغا ئوتتۇز مىڭ ھەدىس كىرگۈزۈلگەن . ئۇ
⁽⁴⁴⁾ مۇتەۋە كىكل - تاباسلار خەلىپلىكىنىڭ 10 - ئەولاد خەلىپىسى . ئۇ
 847 - يىلى پايتەختىنى دەمەشىققە يۆتكىمە كېلى بولغان . ئۇ ۋاپات بولغاندىن
 كېمىن تاباسلار خەلىپلىكى كۈندىن - كۈنگە زاۋاللىققا قاراپ ماڭغان .
⁽⁴⁵⁾ ئەشىرى (874 - 936) - باغدادلىق مەشەور ئىمام .
 ئۇ « مۇنتەزىللەر » مەزھىپىدىن چىكىتىگەندىن كېمىن ئەشىرى مەزھىپىنى قۇرغان .
⁽⁴⁶⁾ سوبى مەزھىپى - ئىسلام دىنىنى تەساۋۇپ قىلغۇچىلار
 (سىرلىقلاشتۇر غۇچىلار) مەزھىپى دەپمۇ ئاتىلدۇ .
⁽⁴⁷⁾ يۇ بىردا كۆزدە تۈتۈلغىنى ئىسلام دىنىنىڭ 3 - ئەسىرى
 - ئۇيغۇر چىغا تەرجىمە قىلغۇچىدىن .
⁽⁴⁸⁾ ماسلون - پارىز ئۇنىۋېرىستېتىنىڭ شەرقشۇناس پروفېسورى . 1922 -
 يىلى ھەلاج توغرىسىدا مەخسۇس ماقالا يازغان .
⁽⁴⁹⁾ « بۇخارى ھەدىلىرى توپلىمى » - (« سەھىفۇل بۇخارى »)
 كۆزدە تۈتۈلدۇ .
⁽⁵⁰⁾ مۇھەممەد پەيغەمبەر ۋاپات بولغاندىن كېمىن . ئىلگىرى -
 ئاخىر بولۇپ تۆت خەلىپە (ۋارىس) تەختكە چىققان . بىرىنجىسى ئەبۇ
 بەكىرى (632 - 634) : ئىككىنجى ئومەر (644 - 656) : ئۇچىنجى ئوسان
 (644 - 656) : تۆتىنچىسى ئەلى (661 - 671) . بىرىنجى خەلىپىنى
 سايلايدىغان چاغدا مۇھەممەدىنىڭ كۈپۈغلى ئەلى ۋە ئۇنىڭ قوللىققىلىرى شىئە
 مەزھىپىنى قۇرغان . ئۇلار ئەلىنىڭ بىرىنجى خەلىپە بولۇشنى تەشبىس قىلغان .
 كېمىن ئۇلار ئەبۇ بەكىرى . ئۇمەر ۋە ئوسانلار تارتىۋىلىش يولى بىلەن خەلىپلىكە
 ئېرىشكەن دەپ قارىغان . كېنىكىلىر تۆت كىشىنىڭ ھەمىسىنى قانۇنلۇق خەلىپە
 دەپ ئېتىراپ قىلغانلارنى « ئىسلام دىنىنىڭ ئەنئەنچىلىرى » . بەقت ئەلىنىڭلا
 خەلىپە ئىكەنلىكىنى ئېتىراپ قىلغانلارنى شىئە مەزھىپىدىكىلىر دەپ ئاتىغان .
⁽⁵¹⁾ كۈلىنى - شىئە مەزھىپىنىڭ ئىمامى . باغدادتا تۈغۈلغان .
 ئۇنىڭ « تۈگىگەن كىتاب » ناملىق ئەسىرى بار . لېكىن شىئەلەر ئۇنىڭ
 كىتابىدىكى ھەدىلىرىنىڭ بىر قىسىنىلا تەنقىدى ئاساستا قوبۇل قىلغان .
⁽⁵²⁾ ئەمەر ئىبنى باھار (755 - 860) - بەسىرىدە تۈغۈلغان .
⁽⁵³⁾ ئىبنى قۇتەبە (828 - 889) - كۆفەدە تۈغۈلغان . شۇ زاماننىڭ
 قانۇنلۇناسى . ھەدىشۇناسى . تارىخشۇناسى . تىلىشۇناسى ۋە ئەدبى . « شېئر ۋە
 شائىر » . « ئەدىبىنىڭ ئەدبىياتى » قاتارلىق ئەسرلىرى بار .
⁽⁵⁴⁾ ئەسلى مەنسى قائىدە - يو سۇن ياكى نوقۇل ئەدبىيات دېگەن سۆز .
⁽⁵⁵⁾ مەدائىنى (752 - 839) - تارىخشۇناس . بەسىرىدە تۈغۈلغان .

پەيغەمبەرنىڭ سۆز ، ھەرىكەتلەرى ، خەلېلەرنىڭ تارىخى ، ئىسلام دىننىڭ يېراققا بۇرۇش قىلىش ۋە جاھالەت دەۋرىدىكى نەزمىلەركە دائىر ئەسمر يازغان .

④ بەلازۇرى — تارىخىۋاناس . باغدادتا تۈغۈلغان . مەدائىنى بىلەن بىرلىكتە باغدادتا بىلەن ئالغان . ئۇ پارس تىلىنى تەرجىمە قىلىشقا ئۆستە ئىدى . ئۆنىڭ « ھەرقايىسى ئەللەرنى بويىسۇندۇرۇش » . « ئېسىلزادىلەرنىڭ ئائىلە شەھىرسى » قاتارلىق كىتابلىرى بار .

⑤ يەقۇبى (? - 891) - « تارىخ » . « ھەرقايىسى ئەللەر توغرىسا دىسى » . قاتارلىق ئەسمرلىرى بار . ئالدىنقسدا ئىسلام دىنى دۇنياغا كېلىشتىن ئىلگىرى ۋە كېيىنكى زور ۋە قەلەر يېزىلغان .

⑥ رائى — قەدىمكى شەھىرنىڭ نىسى . ئىراندىكى تېھران شەھىرنىڭ شەرقى شىمالىدا .

⑦ بۇ ئىككى ئەسمرنىڭ ئەرمىجە ئەسلى نامى : « جامىنۇل بايان » . « ھەرقايىسى ئەللەر تارىخ ۋە پادشاھلار توغرىسا » بولۇشى كېرەك ئىدى .

⑧ « گەرمانىيە شەرقئۇناسلىق ئىلىمىي جەمئىيەتى زۇرنىلى » . 35 - جىلد 589 - بەت . 0 . لوتوپىن - ئەسلى تىزاهات .

⑨ مەستۇدى — مەشھۇر تارىخىۋاناس . ئۇ (ئەرمىلەرنىڭ ھەرودوتۇشى ، يەنى قەدىمكى يۇنان تارىخىۋاناس) دەپ ئاتالغان) باغدادتا تۈغۈلغان بولۇپ . ئۆز ئۆمرىدە ھىندىستان . سەيلۇن . مالايسىا . پېرسىيە . سۈرىيە . مىسەر قاتارلىق جايلارغا بارغان . جۇڭگو ۋە ماداگاسقارغىمۇ بارغان . ئۇ بارغانلا يېرىدە شۇ يەرنىڭ تارىخى . جۈغراپىيىسى . سىياسى . دىنى ۋە ئۆرپ - ئادەتلەرنى ئەپسىلى خاتىرىلىگەن ۋە تەتقىق قىلغان . ئۆنىڭ « ئالتۇن يايلاق » (« مۇرۇچى زەھەپ ») دېگەن كىتابىدا ئەرمىلەرنىڭ قەدىمكى تارىخىدىن باشقا . ئاسىيادىكى دۆلەتلەر . يۇنان . رىسلارنىڭ سىياسى ۋە ئىقتىصادىي ئەعۋالى . ئىجتىمائىي جۈغراپىيىسى . ئۆرپ - ئادەتلەرى باشقا ئەسمرلەردىن تېپىش مۇمكىن ئەممەس . جۇڭگو ھەقىدىكى نۇرغۇن خاتىرىلەرنى باشقا ئەسمرلەردىن تېپىش مۇمكىن ئەممەس .

⑩ سۇلى (? - 946) - ئۇ ئابىاسلار جەمەتنىڭ ئىش ئىزلىرى ۋە ئۆنىڭ نەزمىلەرى مەزمۇن قىلىنغان « ئەسلىملىر » دېگەن ئەسمرنى يازغان .

⑪ ئىمبىنى خۇردەدېمە (913 ? - 820) - پارس قاندالىلىقىدىكى تارىخىۋاناس . پوچتا - ئاخبارات ئىدارىسىنىڭ باشلىقى بولغان . « بول ۋە پادشاھلىق هوقۇقى » دېگەن ئەسمرنى يازغان .

⑫ ھەۋقەل (? - 977) - ئەرمەب سایاھەتچىسى ۋە جۈغراپىيىشۇناس .

⑬ مەقدسى — ئەرمەب جۈغراپىيىشۇناس . ئېرۇسالىمدا تۈغۈلغان .

⑭ ئۇتتو I (973 - 936) - ئەسمردىكى گەرمانىيە پادشاھى .

962 - يىلى پاپا تەرىپىدىن « مۇقىددىمىز دىم ئىمپېرىيىس » نىڭ پادشاھلىقىغا بېلگىلەنگەن .

⑤ بۇھتەرى (820 — 897) — شائىر تەممامنىڭ ئوقۇغۇچىسى . ئۇنىڭ نەزمىلىرى تەبىئەتنى ۋە ئۆمر بىلەن تەبۇھەكىرىدىن ئىبارەت ئىككى خەلپىنى تەسۋىرلەش بىلەن داڭقى چىقارغان . تو ئۆزۈن مۇقىددىمىز بېزىشقا ماھىر ئىدى . تو ئۇستازلارنىڭىگە ئوخشاش نام بىلەن دىۋان ھەمائىسە » دېگەن شېشىلار توپلىمىنى يازغان .

⑥ ئىپىنى رۇمىز (836 — 896) — ئابباسلار خەلپىلىكىنىڭ باغدادلىق ئەڭ مەھۇر شائىرى . جۇملىدىن تەرمەنلىك داڭلىق شائىرى .

⑦ ئىپىنى موئىز (861 — 908) — ئابباسلار خەلپىلىكىنىڭ ئەدەبى شائىرى .

⑧ سەيق دەۋە (915 — 967) — سۈرىپىدىكى ھەممەدانى خانلىقىنىڭ چوڭراقينىڭ خانى . 945 - يىلى تو ئۆز تەسىرىنى سۈرىپىنىڭ شىمالىغىچە كېڭىتىكەن . 953 - يىلى ۋىزانتىيەللىكلىرىنىڭ ھۆجۈمىغا قەيمەرىلىك بىلەن تاقاپىل تۈرۈپ غەلبىگە تېرىشكەن .

⑨ تەبۇپراس (932 - 968) — شائىر . ئىراقنىڭ موسۇل دېگەن يېرىدە تۈغۈلغان . سەيق دەۋەنىڭ ئوغۇل جىبىەنى . ئۇنىڭ شېشىلرى يارقىن . روشن بولۇپ . « يۇنان قىزى » ئۇنىڭ داڭلىق داستانى .

⑩ موئەنەبى (915 — 965) — داڭلىق شائىر . ئۇنىڭ شېشىرىنىڭ كۆپلىرىدە تۈرۈش مەھىيەلىنىدۇ ۋە تۈرمۇشتىكى ئەدەب - تەخلاق تەسۋىرلىنىدۇ .

⑪ كافۇر (967 - يىلى ۋاپات بولغان) — 965 - يىلى مىسر ۋە سۈرىپىنىڭ سۈلتانى بولغان . ئىپىنى زاماننىڭ ئاتاقلقى كىشىلىرى تولا ھاللاردا ئۇنىڭ ھامىلىقىغا تېرىشىنى ئارزو قىلغان .

⑫ « غايىۋى دۆلەت » تەپلاتوننىڭ ئەسىرى .

⑬ « سەقىنى زەندى » - شېشىلار توپلىسى . ئۇچ مىڭ كۆپلىكتىن كۆپرەك شېشىرىنى ئۆز ئىچىگە ئالىدۇ .

⑭ لۇزۇمىيات (زۇرۇر بۇيۇم) - تەبۇل ئەلامۇتەردى مۇئەرەتىدىن چىقىپ كەتكەندە يازغان تەخلاق جەمعەتتىكى شېشىلار توپلىسى بولۇپ . ئۇنىڭدا خۇدانىڭ مەۋجۇتلۇقى ۋە ئۇنىڭ خۇسۇسىتى ئۇستىدە توختالغان .

⑮ ئابباسلار خەلپىلىكىنىڭ ئاخىرقى معزىللەرىدە كىچىك خانلىقلار كەپىنى - كەينىدىن مۇستەقىل بولۇشقا باشلىدى . باغداد خەلپىسى پايتەخت ۋە ئۇنىڭ ئەتراپىدىكى بىر قىسم رايونلارنى تىزگىنلەپ تۈراتتى ۋە پارس ئاقسو ئىككى بۇۋەھىيە جەممەتى تەرىپىدىن ئىدارە قىلىناتتى . خەلپە ئەمەلىيەتتە قورچاق ئىدى . 945 - يىلى بۇۋەھىيەنىڭ ئۇچىنجى ئوغلى ئەخىمت باغدادقا باستۇرۇپ كرگەن .

- ② مىكەزى — مۇتەپەككۈر . ئەدىب ، پەلىمە . تىباپەتچىلىك ۋە خىمىيىنىڭ تەتقىق قىلغان . ئۇنىڭ بۇۋەھىيە خاندانلىقىدا ئىنتايىن زور تەسىرى بار .
- ③ ئېبۈھەبىيان ئەمەدىنىڭ تۈغۈلغان يىلى مەلۇم ئەممەس . 1010 - يىلى ۋاپات بولغانىكەن . ئۇ سوپىلار مەزھىپىگە مەنسۇپ بېلاسوب ۋە مۇتەپەككۈر .
- ④ ئالدىنلىقى قاتاردىكى يازغۇچى دېمەكچى .
- ⑤ ئەلبەشىمى — ئەرمەلمىرىنىڭ داڭلىق ئەدىنى ، مىسىدا تۈغۈلغان .
- ⑥ ماۋەردى — ئىسلام دىنى شاپىشى مەزھىپىنىڭ قانۇنچىسى . بەسىرىدە تۈغۈلغان . ئەينى زاماندىكى مەشھۇر ئادۇوکات . سوتچى . ئۇنىڭ ئىلاھىيەت تەلىماتى « مۇنتەزىللەر » نىڭكىگە يېقىلىشىپ قالىدۇ .
- ⑦ باھادر پادشاھلىقى — 1962 - يىل 9 - ئايىنىڭ 26 - كۈنى سالال باشچىلىقىدىكى ئەركەن ئوفىتىپىلار گۈرۈمى باھادر پادشاھلىقىنى ئاغدۇرۇپ تاشلاپ . ئەرەب يەممەن جۇمھۇرىيەتى قۇرغان .
- ⑧ رازى — ئەلى ئېبىنى ئەبۇتالىپىنىڭ ئەۋلادى . باگدادتا تۈغۈلغان . دەنىي ئەقىدە . ئەدىمەيات جەھەتلەردىن داڭقى بار . ئۇنىڭ ئەسىرلىرى خېلى كۆپ بولسىمۇ . كۆپچىلىكى يوقلىشىپ كەتكەن . مۇھىملىرى دەپىغەمبەر ۋە سىيەتلەردىكى تەمسىللەر » . « سەتلىستىكا قىبلىنامى » دىن ئىبارەت .
- ⑨ ئۇ توت چولق خەلپىنىڭ بىرى . شەئە مەزھىپىنىڭ قۇرغۇچىسى ئەلى .
- ⑩ ئەھلى سەلىپكە قارتىا يوشۇرۇن . ئۆلتۈرۈشنى بولغا قويغان مۇسۇلمانلار .
- ⑪ ئېبۈھەكىرى خارمزى (928 - 993) — تىلىشۇناسلىقتا نوپۇزلىق كىشى . خارمزىدە تۈغۈلغان . « خەت - چەكلىر توپلىمى » (« رەسائىل ») . « شېشىلار » قاتارلىق نۇرغۇن ئەسىرلەرنى يازغان .
- ⑫ « ئۇگاسىن بىلەن ئىكولېتى » ئوتتۇرا ئەسىردا ياؤرۇپادا تارقالغان مەددەھەلار، ھېكايىسى . ئۇنىڭدا ئاقسوئىك ئوغلى ئۇگاسىننىڭ قول قىز ئىكولېتىغا ئاشىق بولۇپ قالغانلىقى ۋە كېيىن ئائىلىسىنىڭ قارشىلىقىغا تۈچرىغانلىقى تەسۋىرلىسىدۇ . ئەسىردا ناخشا بىلەن سۆز ئارىلاش بولۇپ . ناخشا نەزمە شەكىلدە . سۆز ئەسىرى شەكىلدە ماڭىدۇ .
- ⑬ گازنى خانلىقى كۆزدە تۇتۇلىدۇ .
- ⑭ مەخۇمۇت — ئىسلام ئىمپېرىيەتىنىڭ فېتوداللىق بۆلۈنمىسىنى بولغا قويغاندىن كېيىن مۇستەقلەتكە ئېرىشكەن گازنى خانلىقىنىڭ 3 - پادشاھن . ئۇ ھاكىمىيەت بېشىدا تۈرگان ئاخىرقى مەزگىللەرىدە خەلپىنى ئەڭ ئالىي ھۆكۈمەن دەپ ئېتىراب قىلغان ۋە خەلپە تەرىپىدىن « ئەمن دەۋلە » (« دۆلەتكە سادىق ») دېگەن نامغا ئېرىشكەن .
- ⑮ بىرونى (973 - 1048) — سامانىلار خانلىقىنىڭ مەشھۇر تۆلىماسى .
- ⑯ مەخۇتىنىڭ ئوغلى ۋە ۋارسى .

⑩ بۇخارا بۇگۈنكى سوۋېت ئىتتىپاقىنىڭ غەربىي جەنۇبىدىكى ئۆزبېكىستاندا ، 12 - ئەسىرde مەسجىت ، قەدىمكى يادىكارلىقلار . گەلەمچىلىك ۋە يىپەك بۇيۇملۇرى بىلەن دائىق چىقارغان . ئىبنى سىنا بۇخارا ئەتراپىدىكى ئاهىسنا بازىرىدا دۇنياغا كەلگەن .

⁴⁴ ئىپىنى هانى (938 - 973) — ئىشۇرىسىدە تۈغۇلغان . ئۇ داستانچىلىقىتا
مۇتەنەببىنىڭ تۈسۈپىنى دورىخانلىقى ئۈچۈن (ئەرمەستاننىڭ) غەربىنىڭ
مۇتەنەببىسى دەپ ئاتالغان .

٦٣ - ٩١٢ - ئابدۇلر، همان ٢٠٠٨ - بىلى كوردوۋادا تۈغۈلغان .

بىلى كوردوۋا ٧٧ پادشاھىنىڭ تۈرىنى ئىگىلەپ . ئاندالۇزىسىدىكى ئۆممەۋىيە خەلسەلىكىنىڭ بىرىنچى خەلبىسى بولغان . تو تەختتە نولتۇرغان مەزگىلدە . ئىچكى قىسىمنى رەتكە سېلىپ . پۇتۇن مە ئىكتىنى بىرلىككە كەلتۈرگەن . چەتكە قارىتا خەستىنانلارنىڭ ھۇجۇمىنى چەكلىگەن . فاتىمە سۈلالىسى بىلەن شىمالى ئافرقىدا كۆپ قىسم تۈرۈش قىلغان .

④ ثىبىنى خەللىكان (1211 — 1282) — تارىخىتوناس . ئىراقنىڭ ئېرىپەل دېگەن يېرىدە تۈغۈلغان . 1260 - يىلدىن 1277 - يىلغىچە قازى بولغان . تۇ تۈزۈپ چىققان كىشىلەر ئىسى لۇغىتىگە ئىسلام دىنىنىڭ مۇھىم ئەربايلىرىدىن 846 كىشىنىڭ ئىسى كىر گۈزۈلگەن .

۵۰ نىسلام دىنىدە دىندىن ياكى دىنىسى جەمئىيەتتىن ھەيدەپ چىقىرىش دېگەن تۈزۈم بولمىغاچقا . « ئەمەلىيەتتە » دىندىن قوغلاپ چىقىرىلدى ، دەپ ئىيتىلدى .

6 – باب کۈمۈش دەۋرى

(مىلادى 1055 – 1258 - يىللار)

بىز ئەرەب ئەدەبىياتىنىڭ ھامىيلارغا تاييانغانلىقى ئۇچۇنلا
مۇسۇلمانلار تارىخىنىڭ گۈللىنىشى ۋە ھالاك بولۇشى بىلەن زىچ
مۇناسىۋەتلىك بولۇپ كەلگەنلىكىنى كۆردىق . لېكىن ، 1055 –
يىلنى بۇرۇلۇش نۇقتىسى دېيش ئۆكتەمىلىك بىلەن قىلىنغان قارار
ئەمەس . دەل شۇ يىلى سەلجۇق تۈركىلرى باغدادنى ئۆزىگە¹
قارىتىپ ، ئاخىر ئاسىيادا ئۆزىنىڭ زومىگەرلىكىنى مۇستەھكەملىدى ،
شۇنىڭ بىلەن بىر ۋاقتىتا ۋە ئۇنىڭدىن كېيىن ، كۆچمن
چار ئۆچىلىق بىلەن شۇغۇللىنىدىغان تۈركىمەن قەبىلىلىرى
ئارقىمۇئارقا پېرسىيەننىڭ شەرقىي ۋە شىمالى ، ئەزەربەيجان ،
شىمالىي سۈرىيە ، ئاناتولىيە قاتارلىق جايىلاردا ئولتۇراقلاشتى ، ئەرەب
سۇلتانلىرى ئۆزىنىڭ قول قوشۇنى^① ئارقىلىق ، بۇ كۆچمن
قەبىلىلەر بىلەن ئوردا ئەتراپىدىكى قارا نىيەت گېنېراللار
ئوتتۇرىسىدا مۇقىم ۋەزىيەتنى ساقلاپ قېلىشنى ئويلىغان بولسىمۇ ،
لېكىن بۇ تۈرۈنۈشلار پۈتۈنلەي مەغلۇپ بولدى . تۈركىلەر
ئاھالىلەرنى دەھىشەتلىك ھالدا دەپسەندە قىلىپ ، ئاھالىلەرنىڭ
نەسلىنى قۇرۇتتى . ئالۋاڭ – ياساقنى ئېغىرلاشتۇرۇپ قىلىغان
ئەسكىلىكى قالىدى . ئايىرم ھۆكۈمرانلارنى ھېسابقا ئالىغاندا ،
ئۇلارنىڭ ئاسىيادىكى ھۆكۈمرانلىق تارىخى قوزغۇلائىچى خەلقنىڭ
قارشىلىقىغا ئۇزلۇكىسىز ئۇچرىغان تارىخ بولدى ، جۇملىدىن

سیاسىي جەھەتتە ئۇچىغا چىققان ھۆكۈمەتسىزلىك ھالىتىدە تۈرغان تارىخ بولدى . تەسەۋۋۇر قىلىش قىيىن ئەمەسکى ، بۇنداق ھالەت ئەدەبىياتقىلا ئەمەس ، ھەرقانداق شەكىلىدىكى مەددەنئىيەتكىمۇ پايدىلىق ئەمەس ئىدى . تاسادىپىي ئوتتۇرىغا چىققان بىر ياكى بىرنە چەزىچە زېرەك پادىشاھمۇ بۇنداق ۋەزىيەتنى ماددىي جەھەتتىن ئۆزگەرتەلمەيتتى . ئەرەبلىر بىلەن پارسلار قۇرغان مەددەنىي ھۆكۈمەت ۋە ئىقتىسات جەھەتتىكى گۈللەنىش مۇشۇ ئىككى يۈز يىل ئىچىدە ئارقىمۇ ئارقا ئاجىزلىشپ تۈگىدى .

يەنە بىر تەرەپتىن تۈركلەر خانلىقىنىڭ باش كۆتۈرۈشى ئەرەب ئەدەبىياتىدا ئىنتايىن پايدىسىز تەسر پەيدا قىلدى . پارس شاهزادىلىرى ئەرەب تىلىنى ياخشى بىلەتتى ، ئۇنى تۈرلۈك ئاماللار بىلەن قوغداش لازىمىلىقىنى بىلەتتى ، لېكىن غەربىي ئاسياغا ھۆكۈمرانلىق قىلىۋاتقان تۈركلەر بولسا ، ئەرەب تىلىنى زادىلا بىلەتتى . تۈركلەر ھۆكۈمرانلىق قىلغان دەۋىرە ، پارسلار ئەدەبىيات جەھەتتىكى ئۆستۈنلۈك ئورنىنى ئەسلىگە كەلتۈردى . ئۇلار ئەرەب ئەدەبىياتىنى ئەسلىگە كەلتۈرەلەيدىغان ياكى ئۇنىڭدىن يېڭى تەجربىي يارتالايدىغان نۇرغۇن خادىملارنى ئۆزىگە جەلپ قىلىپ ، پارس ئەدەبىياتىنى تولۇقلاش بىلەنلا قالماستىن ، بەلكى ئوردا ھامىيەلىقىنىڭ دائىرسىنى تارايتتى . شۇنىڭ بىلەن ئەرەب ئەدەبىي ئەسەرلىرى ۋاستىلىك ھالدىلا بەزى كىتابخانلارغا ئىگە بوللايدىغان بولدى . تۈرك ھۆكۈمرانلىرىنىڭ خاھىشى ناھايىتى زور دەرىجىدە ئوردىدا ئەرەب تىلى بىلەن سۆزلەيدىغان ئىلاھىشۇناسلار ياكى ۋەزىرلەر تەرىپىدىن بەلگىلىنەتتى . ئالدىنلىرى پىرىنسىپ جەھەتتە مۇستەقىل پىكىر يۈرگۈزۈشكە قارشى ئىدى ، كېيىنكىلىرى بولسا ، تىلشۇناسلىق جەھەتتىكى خىلمۇ خىل ئەدەبىي خاراكتېرىلىك ئىزدىنىشلەردىن باشقا ، ئەتراپىدىكى ئىشلارغا كۆپ قىزىقمايتتى . ئۇ

چاغدىكى يازغۇچىلار ئەگەر مۇشۇ رامكىلار بويىچە تەپسىلى ئىزدەنەيدىغان بولسا، يېزىقچىلىق يولىدا ئىلگىرىلىيەلىشى مۇمكىن ئەمەس ئىدى. بۇنىڭ نەتىجىسى شۇ بولدىكى، ئۆزىنى ئاقلايدىغان، ھەتتا باش قويۇپ تەزمى قىلىدىغان قۇرۇق مۇقاملار ئوتتۇرىغا چىقتى، بۇ دەسلەپكى مەزگىللەردىكى ئەرەب ئەدەبى ئەسەرلىرىدە كۆرۈلگەن بولسىمۇ، لېكىن ھازىر تېخىمۇ گەۋدىلىك بولۇپ قالدى. بەزى غەيرى ئىلاھىيەت ئەسەر ئاپتۇرلىرىنىڭ ئۆزىنىڭ مۇقەددىمىسىگە كىرگۈزۈش زۆرۈر دەپ قارىغان ئۆزىنى ئاقلاش يۈزىسىدىن يېزىلغان سۆزلىرىنى ئوقۇپ كۆرۈدىغان بولساق، ئۇ كىشىنى ھەيران قالدۇرىدۇ.

« من جانفا تېڭىسىفن ئوبزورچىلاردىن شىتايىن ھونىيار تۈرسىن »، (ياقتۇت ئۆزىنىڭ « ئىلمالار لوغىسى » دە شۇنداق ياردۇ) « ئۇلار مەن تىللىماتا، ھاقارەتلىمكە، روھى جەھەت نەنانلىقا قىلب زەھىرنىڭ كىتلەر، تېئىتلىك ساخاوتىڭ قىلبىنىڭ چوڭقۇر قاتلىمىدىن بىزار بولفان كىتلەر شۇنداق جاكارلايدۇكى، سىلەر ئۆزۈڭىلارنى دىنى ئىنلارغا پېغىتالائىلار! بۇ شەك چوڭ ئىش، بۇ دۇنياداڭى شەك چوڭ ئىش. ئۇ شېلە خىلە ئادەتلىك ئوخنىسىفن قىلىبتىن قۇيۇلۇپ جىقىغىلىقنى ھىم شىقل - بىراستىنىڭ ئوخشاش بولمايدىغىلىقنى بىلدۇ؟ ئىلاھى بىر ئىلىنىڭ پەنس مۇكىمىل يۈزىندا ساقاب قىلىش لازىمىلىقنى ھىم ئۆزىنىڭ سەقت يۈللەرنى يېزىپ قىدۇرۇشنى بىلگىن. دەمە كىش ئۆزىنىڭ يارلىش ئىلزۇس بويىچە ئىش قىلىش لازىم. من شۇنى ئىنكار قىلمايمىنىكى، من ئۆزىسىچىتىڭ سۈيىنلۇپ جىينىمىزىدا جىلە ئولتۇرالايدىفن بولام، بۇ كىلگۈسى ھاياتىنىڭ توغرا يولغا تېخىمۇ ماسلانقىلىق بولاتى. بىراق، من ئۇنداق كۆزەل تۈرمۇش ئوتتىدە ئىزدىنىتىن ۋاز كەجىتم، شۇنى مۇئىيەتلىشتۈرەلەيمىنىكى، من وجدانىزلىق قىلىمايمىن. كاىززايلىق، زورلۇق - زۇمبۇلۇق يولغا ماڭىسىم، ئىليجاناب كىش ئۇجۇن ئېيتقاندا، شۇنىڭ ئۆزى كۈپىايدە.

ئەكسىچە ئەرەب تىلى بىلەن سۆزلىشىدىغان جايilarدا ئەھۋال

يا خشراق ئىدى . مۇشۇ بايان سۆزلەنگەن ئىككى ئەسرىنىڭ بىرىنچى ئەسرىنىدە ، باغاندا نىڭ ئەدەبىي ئەسەرلىرى مۇنازىرە تەلەپ قىلىمايدىغان دەرىجىدە غەربىي ئاسىيا بويىچە ئالدىنلىقى قاتاردا تۇرۇپ كەلگەن بولسىمۇ ، ئىككىنچى ئەسرىگە كەلگەندە ، سۈرپىيە بىلەن مىسرىمۇ سان جەھەتتە ئۇنىڭدىن قېلىشىمايدىغان بولدى .

يۇقىرىدا كۆرسىتىلگەن ئىككى رايوندا ، تاشقى سىياسى سەۋەبىنى ھېسابقا ئالمىغاندا ، يەنە باشقا كۈچلەرمۇ كېيىنكى ئەسەرلەرنىڭ سۈپەت جەھەتنىن تەدرىجىي چىكىنىشىنى (گەرچە سان جەھەتتە كۆرۈنەرلىك ئۆسۈۋاتقان بولسىمۇ) تېزلىتمەكتە ئىدى . ئەدەبىياتنىڭ دائىرىسى تارىيەت ئالىي مائارىپ تەربىيىسى كۆرگەن ئاز سانلىق كىشىلەر بىلەنلا چەكلەندىغان بولۇپ قالغاندى . ئۇلارنىڭ كۆزقارىشى ۋە ئەدەبىي ئۆلچىمى شۇ حالەتنى ساقلاپ قېلىش بىلەن چەكلەنتى هەم تۈرلۈك ئاماللار بىلەن ، سۆز - ئىبارە قوغلىشىپ ۋە ئۆزىنى كۆز - كۆز قىلىپ ، تىما دائىرىسى ۋە ئىجادىيەت ھاياتى كۈچى جەھەتسىكى كەمتو كلوڭنى تولدۇرۇشتىن ئىبارەت ئىدى . نوپۇزغا تايىنىش مۇستەقل پىكىر يۈرگۈزۈشنىڭ ئورنىنى ، ئاممىباب بايان بىلەن قامۇس مۇستەقل ئىجادىي ئەسەرلەرنىڭ ئورنىنى ئىگىلىدى . ئىلگىرىكى يازغۇچىلارنىڭ ئەسەرلەرگە بەدىئىي تۈس بېرىش ماھارىتى بۈگۈنکى كۈندە قوغلىشىدىغان بىردىنپ ئوبىيكتى بولۇپ قىلىپ ، ئۇنىڭ ئەكسىچە ، ئەسەرنىڭ مەزمۇنى ئۇجۇقتۇرۇۋېتىلىدىغان بولدى . بۇ شۇ زاماندىكى ئىچ پۇشۇقى ۋە بىمەنلىكىنی پەدازلاش ئۈچۈن بولسا كېرىك . مىنتۈئىنىنىڭ ② سۆزى بىلەن ئېيتقاندا ، ئۇلار ماغدۇر سىزلىنىپ ماڭالماي قالغانلىقى ئۈچۈن ، ئاتقا مىنۇغانىدى . ئەرەبلىرنىڭ تەبىئىي پەنى يۇنانلارنىڭ ئىدىيىسى بىلەن بىرلەشكەندىن كېيىن ، ئەرەب ئەدەبىياتىدا غايەت زور گۈللەنىشنىڭ

مېدانغا كەلگەنلىكى ھېلىمۇ ئېسىمىزدە . ئەمدى بولسا ، يۇنان ئېنېرىگىيىسى تامامەن دېگۈدەك تۈگەپ ، يۇنان ئىدىيىسى ئاساسىي ھەركەتلەندۈرگۈچ كۈچ قىلىنىغان تەتقىقات خىزمىتىمۇ ئوڭۇشىزلىققا ئۇچراپ ، بارغانسىرى خارابلىشىپ ، تېز سۈرئەت بىلەن تارىيۋاتقان دائىرە ئىچىدە چەكلەنگەن . ئلاھشۇناسلىقتا ئاللىقاچان ئۇستۇنلۇكى ئىگىلىۋالغان جاھىل مەدرىس پەلسەپسى ئىسلامىيەت روھىنىڭ پالەچ كېلىگە تەسر كۆرسىتىدىغان (بىۋاسىتە سەۋەبمۇ ئەمەس ، ئاخىرقى نەتىجىمۇ ئەمەس) سىگنان بولۇپ قالدى .

شۇ كۈنلەردە شەرقتنىن كەلگەن بۇنداق تەسر مۇسۇلمانلار ئەدبىياتىنىڭ ھەممە ساھەسىگە كۆرۈنەرلىك ھالدا سىڭىپ كىردى . شۇبەمىسىزكى ، ئۇنىڭ مۇۋەپپەقىيەتلىك راۋاجلىنىشىغا تۈرتىكە بولغان بىرئامىل ئەنەنچىلەرنىڭ مەدرىسلەرنى قۇرغانلىقى بولىدۇ . ئۇنىڭ مەشھۇرى باگدادتىكى نىزامىيە مەدرىسى ئىدى . بۇ مەدرىسىنىڭ ياش تالپىلارغا ئورۇنلاشتۇرغان ئاساسلىق دەرسلىكى ياد ئېلىش ئىدى . ئالتە - يەتتە ياشلىق ئوغۇللار « قۇرئان » نى ، نەزمە شەكىلدە يېزىلغان دراما ۋە مۇتەنەببىنىڭ شېئىرلىرىنى يادلايتتى ، بالىلار يىل بويى كېچە - كۈندۈزلەپ پۇتۇن زېھنى بىلەن ئلاھشۇناسلىق ، لوگىكا بىلىملىرى ۋە گرامماتىكىغا دائىر مۇرەككەپ چۈشەندۈرۈش ۋە ئوبزورلارنى كۆڭۈل قويۇپ يادلايتتى . يىگىرمە ياشلىق ئوقۇغۇچىنىڭ بىرەر - ئىككى يۈز كۈپلىپت شېئىرنى يادلىۋېلىشى ئەجەبلىنىڭ ئىش ئەمەس ئىدى . ئالىي مائارىپ ئلاھشۇناسلارنىڭ قولىدىلا بولىدىكەن . تالاتلىقلارنىڭكىدىن باشقاقا ئىدىيىلەرنىڭ ھەممىسىنى قۇرۇتۇۋېتىش ، خاسلىقنى چەتكە قېقىش ۋە تەتقىقات ساھەسىدىكى پەۋقۇلئادە مۇستەقىللەكى ئىوقىتۇۋېتىش خەۋپى تۇغۇلۇشى

مۇمكىن . لېكىن ، مۇنداق باستۇرۇش ئاخىر ئۆزىنىڭ بېشغا چىقىدۇ . جۇملىدىن شۇنداق ئېيتىشقىمۇ بولىدۇكى ، ئەينى زاماندىكى ئىجادىي ئىدىيە ئۆزىگە دەل ئەنە شۇ ئلاھشۇناسلىق دائىرىسى ئىچىدىلا ھەرىكە تلىنىش زېمىنى تاپتى .

1- ئراق ۋە پېرسىيە

بۇ دەۋر مۇسۇلمانلار دىنى ئىدىيىسى بويىچە ئەڭ ئۈلۈغ زات غەzzالى (1059 - 1111) دىن باشلىنىدۇ . ئۇ نىشاپۇر بىلەن باغدادتا قانائەتلىنىڭ گۈزەل ئىستىقبالغا ئىگە بولغاندىن كېيىن ، ئوقۇتقۇچىلىقتنىن بىردىنلا ئىستىپا بېرىپ . ئۇن يىلغىچە چېكىنىۋالىدۇ . ئۇ ئۆز ئىرادىسىنىڭ ھەددىدىن زىيادە گۇمانخۇرلۇق ئاستىدا تېز پۈركەنلىكىنى ئۆز ئاغزى بىلەن ئېيتقانىدى . ئۇ ئۆزىنى بىرئاز ئوڭشۇرالغاندىن كېيىن ، يوقتىپ قويغان ئېتىقادىمنى ئەسلىگە كەلتۈرۈشۈم زۆرۈر ، دەپ قارايدۇ . غەzzالى مەدرس ئلاھشۇناسلىقى ، مەدرس پەلسەپسى ۋە شىئە مەزھىپىنىڭ تەلىماتلرى بىلەن قانائەتلىنەيدۇ . ئاخىردا ئۇ سوپى مەزھىپىگە بۇرۇلۇپ ، توۋە - ئىستىغىپار ئېيتىپ . ئۇلارنىڭ دىنىي ئەقىدىلىرىنى ئۆزلەشتۈردى . ئۆمرىنىڭ ئاخىردا ، ئۆز يۈرتى تۈسiga قايتىپ ، ئاخىرىقى ئۆمرىنى مۇخلىسلار بىلەن بىرلىكتە ئىبادەت قىلىش ۋە تەتقىقات بىلەن ئۆتكۈزىدۇ .

غەzzالى ئەدەبىي پائالىيىتىنى باغدادتا ئوقۇتقۇچى ۋاقتىدىلا باشلىغان . ئۇ غەيرىي دىنلەرگە قارشى بىر تۈر كۈم ماقالىلارنى يېزىپ ، بىدئەتچىلەرنىڭ سۈننى مەزھىپىنىڭ ئەنئەنئۇي كۆز قارىشىغا قارشى ئىدىسىسىگە رەددىيە بېرىدۇ . ئالدى بىلەن ، ئۇ بىرقاتار ئۇقۇملرى ئېنىق مۇنازىرە ئارقىلىق سۈننى مەزھىپىنىڭ دىنىي ئەقىدە جەھەتتىكى ئورنىغا ئاساس سالىدۇ . بۇ كۈچلۈك

دېنىي بەس - مۇنازىرىدە ئۇچىغا چىققان شىئە مەزھىپىدىكىلىمەرنىڭ سىرلىق، تېگىگە يەتكىلى بولمايدىغان دېنىي قائىدىلىرى ئاغدۇرۇپ تاشلىنىدۇ.

ئاندىن كېيىن، پەيلاسوپلارغا تاقابىل تۈرۈشقا توغرا كېلىدۇ. غەzzالى « پارچە - پۇرات پەيلاسوپلار » (« تاھافۇت فەلاسخە ») ناملىق كىتابىدا ئىبنى سىنانيڭ تۈرلۈك نۇقتىئىنه زەرلىرىنى كەسکىن، جانلىق حالدا تەنقتىلىگەن بولسىمۇ، لېكىن ئۇنىڭ مۇددىئاسى پەلسەپىنى خاراب قىلىۋېتىش ئەمەس، بەلكى پەلسەپىنى نوقۇل حالدا ئىدراكى جەھەتتىنلا قوللىنىشتەك نۇقتىئىنه زەرگە قارشى تۈرۈپ، ئلاھشۇناسلىققا خىزمەت قىلدۇرۇش ئىدى، ئۇنىڭ سوپلار مەزھىپىگە كىرگەندىن كېيىنكى بىرقاتار ماقالىلىرى ئىسلام دېنىنىڭ يېڭى بىر ئەسەرگە كىرگەنلىكىدىن دېرەك بېرەتتى. ئاپتۇرنىڭ مۇددىئاسى سوپى مەزھىپى ئلاھشۇناسلىقنىڭ ئۆزىگە خاس قاراشلىرىنى ئەنئەنۋى ئلاھشۇناسلىققا سىڭدۇرۇپ، ئەشەرى مەزھىپىنىڭ قويۇق مەدرىس پەلسەپىسى هىدى بىلەن يوقلىپ كەتكەن تەگىپۇڭلۇقنى ئەسلىگە كەلتۈرۈش، « سىستېما ۋە تۈرگە ئايىش، سۆز - ئىبارە ۋە دىئالوگ ھەققىدە مۇلاھىزە » نى سۇبىيكتىپ دېنىي تەجربە ئورنىغا دەسىتىش ئىدى. ئۇ « خاتا قۇتقۇزغۇچىلار » دېگەن كىتابىدا، ئۆز تەجربىسى ئارقىلىق ئۆز ئېتىقادىنىڭ ئاساسنى بايان قىلىدۇ. غەzzالى بۇ ھەقتە ئۆزىنىڭ ۋەكىللەك خاراكتېرىگە ئىگە ئەسەرى « دىن ئىلمىنىڭ تىرىلىشى » (« ئەمەن ئۆلۈمىدىن »)، دە تەپسىلىي ئىزاهات بېرىدۇ. يۇقىرىدا كۆرسىتىپ ئۆتۈلگەن نوپۇزلىق ئەسەرلەرنىڭ سىرتىدا، ئۇ يەنە ئەرەب، پارس تىللەرىدا دۇئا - تالاۋەتكە دائىر بەزى ئامىبىپ كىتابلارنى يازغان. بۇنىڭ بەزىلىرى ئۆسلىۋېدىن مەزمۇنخىچە ھازىرقى زاماندا تارقىلىپ

يۈرگەن بەزى رسالىا رىگە خېلىلا ئوخشاب كېتىدۇ .
 غەززالى خاس ثىجادىچانلىققا ئىگە مۇتەپە كەنۇر ئەمەس ،
 بەلكى كۈچلۈك خاسلىققا ئىگە ئادەم ئىدى . ئۇنىڭ ئەسىرىنىڭ
 بىۋاسىتە ئۇنۇمى سوپى مەزھىپىنىڭ جەۋەھرى ئىچىدىكى ئەخلاقىي
 كۈچ ئارقىلىق رەسمىي دىنىي جەمئىيەتلەرگە تەسىر كۆرسىتىش
 بولدى . شۇنداقتىمۇ ، ئۇ ئۆزى ياشىغان دەۋىردىن زور دەرىجىدە
 ئېشىپ كەتتى . ئۇنىڭ مەدرىس پەلسەپىچىلىرىنىڭ
 ئەخلاقشۇناسلىقىغا قارشى تۇرۇشىمۇ ئادەتتىن تاشقىرى كەسكن
 بولۇپ كەتتى . كېيىنكى ئەۋلادلار ئۈچۈن ئېيتقاندا ، ئۇ
 نۇرغۇنلىغان ئىلاھشۇناسلارنىڭ بىرىلا ئىدى . « ئىهيا ئۆلۈمىدىن »
 باشتىن - ئاخىر كىشىلەرنىڭ دىققىتىنى جەلپ قىلالىمىدى . 18 -
 ئەسىرنىڭ ئاخىرىدا ، ئۇ قايتا ئوتتۇرىغا چىققاندا ، مۇسۇلمانلار
 دۇنياسى ئاندىن ئۇنىڭ مۇھىم ئەھمىيەتنى چۈشەندى . ياؤروپا
 ئالىملىرىنىڭ نەزەردە غەززالى ئالاھىدە جەلپ قىلىش كۈچىگە
 ئىگە ، غەززالى ئۆزىنىڭ رەقىبى ئۆلۈغ ئىبنى روشتىقا ئوخشاش ،
 مۇسۇلمانلار تارىخىدا بارماق بىلەن سانلىدىغان ، ياؤروپادا قايتا -
 قايتا ئېغىزغا ئىلىنىپ كېلىۋاتقان كىشىلەرنىڭ بىرى .

مۇبادا بىز غەززالى بىلەن ئۇنىڭ زاماندىشى بولغان ئىككى
 داڭلىق ئىلاھشۇناسى سېلىشتۈرۈپ كۆرىدىغان بولساق . ئۇنىڭ
 ئەسىرلىرىنىڭ ئىنلىقلاپلىقىنى تېخىمۇ ياخشى چۈشىنەلەيمىز .
 خارەزىملىك زەمە خىھەرى (1075 - 1143) ئىلاھشۇناسلىققا تەۋە
 تىلىشۇناسلىق تەرىپدارلىرىدىن بولۇپ ، « تىل قائىدىسى
 توغرىسىدا » ۋە گۈزەل نەزمە شەكلىدە يېزىلغان ئەخلاققا دائىر
 ھېكمەتلىك سۆز « ئالتۇن زۇننار » نى يازغان . ياؤروپادىكى ئەرەب
 مەكتەپلىرىدە بۇ ئىككى كىتابتىن داڭلىق كىتاب يوق دېيىشكە
 بولىدۇ . پەخرىدىن رازى (1149 - 1209) پەيلاسوب ، قامۇس

تۈزگۈچى ۋە ئەينى زامانىڭ ئۇلۇغ دىپلۇماتلىرىنىڭ بىرى بولۇپ، ئېيتىشلارغا قارىغاندا، ئۇ بىرىنچى بولۇپ ئۆز ئەسىرىدە سىستېمىلىق رەتكە تىزىش ئۇسۇلىنى قوللاڭغانىكەن. ئۇنىڭ ئەسەرلىرى خىلمۇ خىل بولۇپ، پەلسەپە، ئلاھىئۇناسلىق، سېھىرگەرلىك ۋە مۇنەججىملىكىنى ئۆز ئىچىگە ئالاتتى. لېكىن، زەمە خىشىرى بىلەن رازى « قۇرئان » غا تەپسىر يازغانلىقى ئۇچۇن داڭقى چىقارغان. قارىغاندا، « قۇرئان » غا تەپسىر يېزىش شۇ چاغدىكى ئومۇمىيۇزلۇك يېزىقچىلىق تېمىسى بولسا كېرەك.

«عوقۇمۇشلىق زاتلارنىڭ ھەمسى تېسىر يېزىشقا ئىلماق كېلىدۇ» (۳)
 ئۆزىتىس (۳) شۇنداق دېيدۇ) «لېكىن ، ھەر بىر كىنى ئۆزى ئىگلىگەن بىن بىلەن
 جەكلىنىشى لازىم . مەلىن ، تىلتۈنلەر سۆز قورۇلۇشى ، سۆزلىرىنىڭ
 ئەتلىك ئىلا دىقتى قىلدۇ ؛ تارختۇنلەر راست - يالغانلىقىغا قارىشى
 ۋە قىلىك - - ئۇلار بۇ قىمنى تىبلىي ئىتلىپ جىقىردى - - ۋە قىدىمىك
 رىۋايەتلەرگە قېرىقىدۇ . قانۇنلىقلىرىنىڭ ئۆزى ئىگلى خۇلاسە جىقىردى .
 مەتاھىققىي تېمىدىن يېراقلاپ ، قامالاشىغلىن نىزىلەر بىلەن ئۆز كۈز قارشىنى
 ئىبتابالايدۇ ، لېكىن ئەقلەتكە ئىلماعار ، بولۇپيمۇ بە خىرسىدىن ئىملەتكە ئەسرلىرى
 مۇزۇلەن ۋە يۈنلىن بىيالا سوبىلىرىنىڭ ھېكمەتكە سۆزلىرى بىلەن تولىغان . ئۇ
 شىئىلەرىدىن ئەقلەپ يەكۈن جىقىرپ ، مېڭ ئىتلىپ تەتىق قىلاتى . ئۇنىڭ
 ئاخىرىدا جىقارغان خۇلاسى ئىلىدىكىس بىلەن قارسۇ قارنىش بولۇپ قىلاتى -
 دە ، كىتبخانالار ئافىق - ئافىق قىلاتى ، ئۇنىڭ مشھۇر بىر ئالاھىتۇناس ، بۇ يېرىدە
 باها بېرىشتىن باشقا ھەممە نىرسە بار ئىكىن ، دېگەندى .

زەمەخشەرى گەرچە « موئىتەزىللەر » نىڭ غەيرىي تەلىماتلىرىنى تەشەببۈس قىلىسىمۇ ، لېكىن ئۆنىڭ چۈشەندۈرۈش خاراكتېرلىك ئەسىرى « چۈمىبەل تاشلىغان كىشى » ئالقىشقا ئېرىشكەن ، يۈز يىلدىن كېيىن بەيداۋى (① 1288 - يىلى ۋاپات بولغان) ئۆزىنىڭ رەتلىكەن بىر كتابىدا ، زەمەخشەرنىڭ

کىتابلىرىنى چىقىرىپ تاشلىغان ، بۇ كىتاب مۇشۇ شەكىلدە
هازىرغىچە تارقىلىپ . ئەڭ مەشھۇر باها خاراكتېلىك ئەسەر بولۇپ
قالدى .

تىلىشۇناسلىق ۋە نوقۇل ئەدەبىيات ساھەسىدە ، مۇشۇ
دەۋرىدىكى ھەر قانداق كىشىنى بەسىرىلىك ھەرىرى (1054 – 1122)
بىلەن تەڭلەشتۈرۈش مۇمكىن ئەمەس ، ھەزىرى ئۆز يۇرتىدا
هازىرغىچە مەشھۇر بولۇپ كېلىۋاتقان بىر باشلانغۇچ مەكتەپتە
ئادەتتىكى تىلىشۇناسلىق دەرسلىكلىرىنى ئوقۇغاندىن كېيىن ،
ھۆكۈمەت ئورگانلىرىدا ئىككىنچى ، ئۈچىنچى دەرجىلىك ۋەزىپە
ئۆتىگەن . مۇقىم خىزمەت ۋە ئازراق مىراس ئۇنى تىلىشۇناسلىق
تەتقىقاتى بىلەن داۋاملىق شۇغۇللىنىش ئىمكانييىتىگە ئىگە قىلغان .
بەدىئۈززامان ⑤ دىن كېيىن ، بۇ قاتلامدىكى كىشىلەرنىڭ ھەممىسى
نەزمە شەكلىدىكى يېزىش ماھارىتتىنى ئىگىلىگەن بولىسمۇ ، لېكىن بۇ
چاغدا ھەرىرىنىڭ ئالاھىدە ئەسەرى يوق ئىدى . ئۇ پەقەت كېيىنلىكى
« مۇغامەت » بىلەن بىردىنلا نام چىقارغان . بىز ئۇنىڭ قەلىمىنىڭ
ئەدەبىي جەھەتتىلا ئەمەس ، سەھنە قۇرۇلۇشى ۋە ئارتىسلارنىڭ
مېجەز - خۇلقى بويىچە ئورۇنلاشتۈرۈش جەھەتتىمۇ تامامەن
دېگۈدەك بەدىئۈززاماننى دورىغانلىقىنى كۆرەلەيمىز . ھەرىرى
تەسۋىرلىگەن ، تىزىپ قويغان مەرۋايتتەك سۆزلەيدىغان
سەرگەردان « سۈرۈچىلىق ئەبۇ زەيدى »
ھەمەدانىنىڭ « ئىسکەندىرىيلىك ئەبۇل خارس » ئى بىلەن
تولىمۇ ئوخشىشىپ كېتىدۇ . تۆۋەندە ھەرىرى ئۆزى ئېيتقان ، ئۇنىڭ
شۇ ھېكاپىنى يېزىشىغا سەۋەبچى بولغان ئامىل ئۈستىدە تەختىلىمىز

:

سۈرۈچىلىق ئەبۇ زەيدى جىرمائىق دۇانە بولۇپ ، مۇنازىرەڭ تولىمۇ ئۆتا
شدى . ئۇ بىر كۇنى بەسىرە كېلىپ ، مىتى ھەرم مىجىت (ھەرىرى تۈرۈشلىق

رايوندا) ئالدىدا تۈرۈپ ، ئاۋۇال ئاندا - مۇندا تىنجلق سورىشىپ ، ئاندىن سەدەت
 تىلىنىك باتىلدى . بۇ چاندا بىرنەجىھە صەورىي شەدبىيە - قائۇن شەملەرلىرى نامەر
 ئوقۇۋاتاتىسى . مىجىت ئېلىزادەلر بىلەن تولغانىدى . ئۇلارنىڭ ھەممىسى بۇ قەرى
 دەۋانىڭ ئۇنارىرى شەكلەرىك ھۆكمىتدىن ئىتايىن تىرىلىپ ، ئۇنىڭ ئەقل -
 بىلإاستى وە تىرىلىك سۈزلىرىڭ ئاپسەن ئوقۇنتى ، مۇشۇ بۇرستىن پايدىلىنىپ ،
 ئەبۇ زەيدى ئۆز قىزنىڭ يۇنانلىتلار تىرىدىن شەر ئېلىغەلىقنىڭ جەريانى
 سۈزلىدى . ماڭا بۇ مېنىڭ نەزمە درامام « خوتۇن - قىزلار ھەقىدە » دە سۈزلىنىڭ
 سەزىمۇن . شۇ كۆنس كەجتە پەرىلىك نۇرغۇنلىغلۇن ئېلىزادەلر وە ئىلم ئەھلىرى
 مېنىڭ ئۆيۈمىگە يىغىلىدى . من ئۇلار بىلەن كۆندۈزى كۆركەنلىرىم ئۆستىدە وە ئۇ
 دەۋانىڭ ئۆز مەقتىگە يېتىش ئۈچۈن گۈزەل سۈز ھەم مېنىڭ ئۆختەشلارنى
 تىلااب ئەتلىتكەنلىكى ھەقىدە ئۆزلىپ بىردىم . ئۇلارمۇ مىجىتلىك ئالدىدا بۇ دەۋانى
 كۆركەنلىكى ئېيتىتى . لېكىن ، ئۇنىڭ ئىينى ۋاقتا سۈزلىكىنى باشقىجە ئىش
 بولۇپ ، ئۇنىڭ سۈزى من بۇكۈن ئاخىلغاندىشمۇ ياخشى شى . قارغاندا ، ئۇ دايم
 كېمىلىرىنى يەڭۈنلىپ مىجىتلەرنىڭ ئالدىدا بېدا بولۇپ ، ئۆزنىڭ تىلەجىلەك
 قانىتلىكى بارلىق ماھارتنى ئىشقا سلا كېرەك . ئۇنىڭ ئۆز مەقتىگە يېتىش
 ئۈچۈن سەرب قىلغان يۈرەك قېشى ، ئۆزنىڭ كۆرۈنۈشىنى ماھىرلىق بىلەن
 ئۆزگەرتىتى ئۆسۈلى ، زېرەكلىكى وە قابلىيەتىگە ئولتۇرغانلاردىن ھېيران قىلغىنى
 يېرقى . دەۋانىڭ بىلەن من « خوتۇن - قىزلار ھەقىدە » دېئىن بۇ نەزمە درامىنى
 يازدىم . كېيىن ، ئاتۇ ۋە قىلىرىك ئاسان درامىنىڭ باتقا قىمىلىرىنى قورانتۇرۇپ
 جىتىم^⑥ .

باشتا ھەرىرىنىڭ « مۇغامەت » يى (نەزمە درامىسى) ھالقىپ
 ئۆتۈش مۇمكىن بولمايدىغان ئەسەر دەپ قارالغانىدى . بىر
 رىۋايەتچى ، « ئەگەر ئۇ ئۆزى بۇ درامىنى مۇجىزە دەپ ئاتايدىغان
 بولسا ، بۇ كۆز قاراشنى ئىنكار قىلىدىغان كىشى چىقماسلىقى
 مۇمكىن » دېگەندى . بۇ يەردە كىشىلەرنىڭ ماختايىدىغىنى مۇھىمى
 درامىنىڭ بەدىئىلىكى وە تىل جەھەتتىكى سۈپىتىنىڭ يۇقىرلىقى
 بولسىمۇ ، لېكىن ھەرقايىسى ئىلەمىي مەزھەپ وە تۇرمۇشنىڭ
 ھەرقايىسى جەھەتلەرىدىن كەلتۈرۈلگەن نەقىللەر بۇ درامىنى چوڭقۇر

بىلىم بىلەن تولغان ئۆلمەس ئەسرگە ئايلاندۇرغان . درامىنىڭ تاشقى كۆرۈنۈش جەھەتتىكى مۇكەممەللەكى ، پىشقاڭ سۆزلىرى ، سەنئەتكە دائىر ساناقسىز ئېسىل ئەسەرلەر ۋە ئەپچىللىك بىلەن كەلتۈرۈلگەن ھەجۇپى سۆزلىرى ... بۇ ئەسەرنى ئالاھىدە ئورۇنغا ئىگە قىلغان . ھەرىرىنىڭ نۇرغۇن ۋارسلىرى بولغان ، ئۇلارنىڭ تىل جەھەتتىكى مەلۇماتى ئۇنىڭدىن قىلىشىمىمۇ ، لېكىن ئۇلاردىن ھېچقانداق ئەسەر قالماغان . ھەرىرى نەزمە درامىنىڭ مەقسىتى ئالدى بىلەن كۆڭۈل ئېچىش ، كۈلدۈرۈش ئىكەنلىكىنى ئېسىدە چىڭ تۇتقان ، بىز بۇ كىتابنى تولۇق كۆرۈپ چىقىدىغان بولساق ، ئۇنىڭ ئەپچىل تەسۋىرى ، ئۆتكۈر دىئالوگلىرى . نەپس - يېقىمىلىق نەزمىلىرى ، كىشىنى مەپتۇن قىلارلىق جۇملىلىرى ۋە مۇكەممەل تەسۋىرىنى كۆرسىز .

« يەتتە ئەسەردىن كۆپرەك ۋاقتىن بۈيلەن ، - جانلىرى شۇنداق «يدۇ ، - ھەرىرىنىڭ ئەرلىرى بېقت « قورىلەن » دىن قىلاڭ كىتلەرنىڭ ھۇرمىڭ سازاۋەر بولۇپ كەلەكتە . ئۇ ، ھەرەب تىلنىڭ خىزنىش ھېباياندۇ . قەدىكى زاماندىن ھاىر غىچە بولفن ئەدبىلەرنىڭ ھىمسى ئۇنى ماختاب كەلدى . ئەدىلۇزىدە ، ئوكۇس دەرياسى ۋادىلىرىدا نۇرغۇنلىقنى كىتلەر ناھىيەتى زور ئەجىرى قىلب ، ئۇنىڭ درامىنىنى ئۆگىندى ۋە ئىزاهلىدى . ھەرەب تىلدا سۈزلىنىڭلىقنى كىتلەرلا ئەمسى ، ھەرەب تىلنى ئىلمى يۈزۈندا تەتقىق قىلۇاتقان جايىلاردىكى كىتلەرمۇ ئۇنىڭ كىشى ھېرىن قىلۇارلىق تىلدىن زوقلىندۇ . ئۇلار ئۇنىڭ چۈنگۈزۈر بىلىملىنى ، سەرمۇنغا بالي دىئالوگلىرىنى ئۆگىنتىنى ئۆز ئەدەبىياتنىڭ ئەن ئۆكەك مقتى قىلماقتا .»

يۇقىرىقلارنىڭ سىرتىدا ، ھەرىرىنىڭ نەزمە درامىسى ھەممەدانىنىڭ ئەسەرلىرىگە ئوخشاش ئېچكى جانلىقلىققا ئىگە . چۈنکى ، بۇ ئەسەرلەر ئىسلام شەھەرلىرىنىڭ ئاددىي تۈرمۇشغا بەكمۇ يۈزلىنگەن . جۇملىدىن تۈرمۇشتىكى سۆز ، ھەرىكەت ،

ھەزىل، يۇمۇرلارنى ئىمكانيقەدەر ئەينەن ئەكس ئەتتۈرۈپ بەرگەن.
شۇڭا، ئۇ ئوتتۇرا قەدىمىي دەۋر مەددەنىيەتنىڭ ئەڭ قىممەتلىك
ئىجىتىمائىي ئەسەرلىرىدىن بىرى بولۇپ قالدى. بۇ درامىنىڭ بارماق
بىلەن سانىغۇودە كلا قىستۇرما رەسىملىك ۋە نەقىشلىك (ئاز
ساندىكىلىرى ھازىرغىچە ساقلىنىپ كەلمەكتە) ئەرەب ئەدەبىي

ئەسەرلىرىنىڭ بىرى بولۇپ قالغانلىقى ئەجەبلىنەرلىك ئەمەس .

بىز مۇشۇ مەزگىلدە ئەرەبستاننىڭ شەرقىدە يېزىلغان ئەرەب
ئەدەبىياتىغا دائىر باشقا بىرنەچچە ئەسەرگە ئانچە قىزىقىپ
كەتمەيمىز. سىتلىستىكا ۋە گۈزەل بەدىئىي ئۇسلۇبىتىكى سەنئەت
خارەزىملىك سەكاكى^⑦ (1299 - يىلى ۋاپات بولغان)
نىڭ « ئىلىم - پەن ساۋاتلىرى » (« مفتاھۇلئۆلۈم ») دېگەن
كتابىدا قىscarتلىپ، دەرسلىك شەكلىگە كىرگۈزۈلدى. بۇ
كتاب ئەرەب تىلىدىكى دىندىن خالىي كىتابلار ئىچىدە ئەڭ كەڭ
تارقالغان. كىشىلەر تەرىپىدىن ئەڭ كۆپ ئىستاناتا ئېلىنغان،
شەرھەنگەن ۋە باها بېرىلگەن كىتاب ھىسابلىنىدۇ. پارس تىلى
پەيدىنپەي شېئرىيەت تىلى بولۇپ قالدى، پەقەت تەغرائى^⑧
(تەخمىنەن 1121 - يىلى ۋاپات بولغان) ئىمك ئەرەب
تىلىدىكى « لامىيەت ئەلەجەم » دېگەن بىر داستانىلا
ئەدەبىيات تارىخىدا تېگىشلىك ئورۇنغا ئىگە بولالىدى. بۇ داستاننىڭ
داڭق چىقىرالىشى ئۇنىڭ سۈپىتىدىن ئەمەس، بەلكى ئاپتۇرنىڭ
ئەشىھەنفەر انامىدا يېزىلغان داستانغا ئوخشاش تېما قويغانلىقىدا.
تارىخشۇناسلىق ساھەسىدە، سۇنى مەزھىپىنىڭ گۈللەنىشى
ئىسلامىيەتتە « دۇنيانىڭ ئومۇمىي تارىخى » نىڭ ئەسلىگە
كېلىشىنى ئىلگىرى سۈردى. بۇ جەھەتتىكى تۈنجى ئەسەر ھەنبەل
مەزھىپىنىڭ دىن تارقاتقۇچسى ئىبىنى جەۋزى^⑨ (1200 - يىلى
ۋاپات بولغان) نىڭ تەزكىرى بولۇپ، ئۇ سىياسىيەت ئۇستۇن

تۇرىدىغان يىلنامىدىن ئىبارەت ئىدى . ئۇنىڭدا ئاپتۇر يېڭى بىر خىل ۋائىزلىق ئەدەبىياتىنى تونۇشتۇرغان ، ئۇ « ئالۋاستىلارنىڭ شۇملاۇقلرى » ناملىق ئەسىرىدە سوپى مەزھىپىنى قاتتىق مەسخىرە قىلغان . بۇ چاغدا يازما خاتىرە تەرىقىسىدىكى دەۋر تارىخىدىمۇ تەرىققىيات بولغان . شەرقىتىكى ئاخىرقى ئەرمەب تىلىدىكى ۋە كىللەك خاراكتېرىگە ئىگە ئەسەرگە خارەزم پادشاھلىقىنىڭ ئاخىرقى دەۋرىدىكى سۇلتانىنىڭ تەزكىرسىنى كۆرسىتىش مۇمكىن ، بۇ ئەسەر 1241 - يىلى ئۇنىڭ ۋەزىرى نەسەۋى ⑪ تەرىپىدىن يېزىلغان . شۇ چاغدىكى داڭلىقراق يازغۇچىدىن يەنە ئىككىسى بار بولۇپ ، ئۇنىڭ بىرى يۇنانلىق .

ئېھتىمال ئىبنى هەزىم ئەسەرلىرىنىڭ ئىلهامى بىلەن بولسا كېرەك . ئلاھشۇناس ، پەيلاسوب شەھرستان (1086 - 1153) هەزىمنىڭكىگە ئوخشىپ كېتىدىغان « دىن ۋە پەلسەپە ئېقىملرى » ناملىق ئەسەرىنى يازىدۇ . ئەرمەب ئەدەبىياتىدا ئوتتۇرا قەدىمكى دەۋردا مۇھەممەد پەيخەمبەرنىڭ ئۆلىمالىرىغا شان - شەرمەپ كەلتۈرگەن ئۇنىڭدىن ئېشىپ چۈشىدىغان كىتاب بولمسا كېرەك . شەھرستان سىپايىه ، لاتاپەتلەك ، ئۇچۇق كىشى بولۇپ ، ئۇنىڭ پەلسەپىدىكى غەيرىي دىنغا بولغان ھەۋسى زامانداشلىرىنىڭ چۈشەنچىسىگە ئېرىشەلمىگەن . « دىن ۋە پەلسەپە ئېقىملرى » دېگەن كىتابقا مۇسۇلمانلارنىڭ ھەرقايى مەزھەپلىرى ۋە پەلسەپە مەزھەپلىرى كىرگۈزۈلۈپلا قالماستىن ، يەنە يەھۇدى دىنىنىڭ مەزھەپلىرى ، خristian چىركاۋلىرى ۋە تاييرىستىن كېيىنكى يۇنان پەيلاسۇپلىرى ، شۇنداقلا دەسلەپكى خristian دىنىنىڭ پۇپلىرى ، ھەتتا ھىندىلارنىڭ دىنىي پەلسەپسىمۇ كىرگۈزۈلگەن . شەھرستان دىنىي مەزھەپنىڭ ئۆزىنى تۇتۇۋالغان ئۆلىماسى بولۇپ ، ئۇ ئەڭ ئۇچىغا چىققان غەيرىي دىنىي مەزھەپلىرىنىڭ

نۇقتىئىزەرلىرى ۋە قاراشلىرىنىمۇ ئىنتايىن ئادىللۇق بىلەن ئەكس ئەتتۈرۈپ بەرگەن ، پەقەت بەزى پەۋۇچۇلۇئادە زېرىكەرلىك ياكى ئۇچىغا چىققان چاكنىلىقتىن خالىي بولالىمىغان تەلىماتلار غلا ماقالىنىڭ ئاخىرىدا قاتىققى تەنقىدىي ئىزاهات يازغان .

ياقۇت (تەخمىنەن 1179 - 1229) — ئەرمەبلەرنىڭ ئەڭ ئوتۇق قازانغان لۇغەت تۈزگۈچىسى . ئۇ ئاناتولىيىدىكى بىر يۇنانلىقنىڭ ئائىلىسىدە دۇنياغا كەلگەن . گۆدەك ۋاقتىدا قول بولغان ، مۇسۇلمانلارغا ئوخشاش تەربىيە ئالغان ، كېيىن باغدادلىق بىر سودىگەرگە ياللىنىپ ، سودا يوللىرىدا ئۇنىڭغا ھەمراھ بولغان . شۇڭا ، ئۇ نۇرغۇن قېتىم سۈرپىيە ، پېرسىيە ۋە پارس قولتۇقلۇرىغىچە بارغان . ئۇ ئەركىنلىككە ئېرىشكەندىن كېيىن ، خەتاتلىق ۋە ئەسەرلەرنى كۆچۈرۈپ سېتىش بىلەن جان باققان . مۇخا شەھرىدىكى ھەشىمەتلەك كۆتۈپخانىلار ئۇنى ئۆزىگە جەلپ قىلغان . 1220 - يىلى موڭغۇللار يېتىپ كېلىشتىن بۇرۇن ، شەرقتن قېچىپ ، ئىنتايىن غۇربەتچىلىك ئىچىدە مۇسۇلغا بېرىپ قايتىدىن خىزمەتكە كىرىشكەن . ئۇ ئۆمرىنىڭ ئاخىرىدا ھەلەب ¹¹ كە كۆچۈپ كەتكەن . ئۇنىڭ « جۇغرابىيە لۇغىتى » (« مۇئەججە مۇلبۇلدان ») نىڭ يەنە بىر ئىسمى « يەر ئىسمىلىرى لۇغىتى » بولۇپ ، ئۇ ئەرمەبلەرنىڭ شۇ تېپتىكى جۇغرابىيىۋى ئەسەرلىرى ئىچىدە ئەڭ مۇھىم ئەسەر ھېسابلىنىپلا قالماستىن ، بەلكى ئۇنىڭغا ھەرقايسى ئۆلکە ، مۇھىم شەھەرلەرنىڭ قىسىقچە تارىخى ۋە ئۇنىڭغا ئالاقدار نۇرغۇن مەشھۇر كىشىلەرنىڭ تەزگىرىسىگە دائىر ماتېرىياللار كىرگۈزۈلگەن . بۇنداق ئەسەرلەر گەرچە مۇھىم بولسىمۇ ، لېكىن بەزى تېتىقسىزلىقتىن خالىي بولالىمىغان . لېكىن ، ئەسەر ياقۇتنىڭ قولىدىنلا چىقىدىكەن ، ئۇ بىرەر قىزىقارلىق خەۋەر ، بىرەر شېئىردىن پارچە ، تەبىئەت

ھەققىدىكى تەسۈر ياكى مەلۇم شەخسى ۋە ياكى ئەدەبىي ئەسلامىلەرنى قوشۇپ ، ئەسرىگە كىشىنى ھېران قالدۇراللىق دەرىجىدە جان كىر گۈزۈۋېتتى .

قەلەم جەھەتتىكى ئەپچىللەتكى ئۇنىڭ « ئەدىپلەر لۇغىتى » (« ئىلشات ») دېگەن ئەسەرىدىمۇ ئۆچرايدۇ . بۇ كىتاب گەرچە ئۇنىڭ بىلەن بىر دەۋىردا ئۆتكەن ياز غۇچىلار تەرىپىدىن ئۇنىڭ ئەسەرى ئىچىدىكى پارلاپ تۇرىدىغان ئەسەر ، دەپ قارالغان بولىسىمۇ ، لېكىن ئۇ تېخى يېقىندا قايتىدىن دۇنياغا كەلدى . بۇ ئەسەر ئەرەب ئەدەبىياتى تارىخىدا ئىنتايىن مۇھىم ئەھمىيەتكە ئىگە ئەسەر بولۇپ ھېسابلىنىدۇ . كىتاب بىرونى ، ھەربى ۋە باشقىلارنىڭ نەقىل كەلتۈرۈلگەن سۆز - ئىبارىلىرى ، يېزىپ قالدۇرۇلمىغان قىزىقارلىق ۋە قەلەر ۋە تاللانىملار بىلەن تولغان ؛ ئىبنى خەللىككەن ئۆزىنىڭ ياقۇت ئۇستىدە يازغان تەزكىرە خاراكتېرىدىكى بايانىدا سەھىپە ئايىماي (غەربلىكەرنىڭ نەزەرىدە تولىمۇ ئاۋارىچىلىك ھېسابلانىسىمۇ) ياقۇتنىڭ ھەلەب قوغدىغۇچىسىغا يازغان بىر پارچە ئۆزۈن خېتىنى كىر گۈزگەن . خەتتە ئۇنىڭ خۇراساندىكى تۇرمۇشى ۋە موڭغۇلлار تاجاۋۇز قىلىپ كىرگەندىن كېيىن ئۆچرىغان بەختىزلىكلىرى تەپسىلى بايان قىلىنغان . قىزىقارلىقى شۇكى ، بۇ خەت كېيىنكى پارس - ئەرەب خەت - ئالاقە ئەدەبىي ژانرىنىڭ نەمۇنسى بولۇپ قالغان .

2 - مىسر ۋە سۈرىيە

12 - ئەسەرنىڭ ئاخىرقى يىڭىرمە بەش يىلىدا سۈرىيە مىسرىنىڭ غەيرىي دىنغا ئېتىقاد قىلىدىغان فاتىمە سۇلالىسىدىن ئايىرىلىپ ، شەرقته ئېسگە كېلىۋاتقان سۈننى مەزھىپى كۈچلىرىنىڭ بىۋاستىتە تەسەرىگە ئۆچرىدى ، مۇشۇ ئەسەر ئىچىدە ئەھلى سەلىپكە

قارشى ئۆزاق مۇددەتلىك كۈرەش ئاز سانلىق يەرلىك يىلناصلەرنىڭ دۇنياغا كېلىشىگە تەسیر كۆرسەتتى . ئۇنىڭدىن سەل كېيىنەركەربىي قانۇن ، قورال - ياراغ ، ئات ئويۇنى چەۋەندازلىقى ، غازات قىلىشقا دائىر بىر تۈركۈم مۇھىم ئەسرلەر دۇنياغا كەلدى . بۇنىڭ ئىچىدە ئەڭ تەسىرىلىكى بەيگىچى چەۋەنداز ئۇسامە ئىبىنى مۇنقمىز^① (1085 - 1188) نىڭ تەرجىمەلەردىن ئىبارەت . بۇ ئەسەرنى ئەينى زاماندىكى ئېسلىكى بىكايىلەر كۆرگەزمىسى دېيشىكە بولىدۇ . سالاھىدىن ۋە ئۇنىڭ ۋارسلەرنىڭ سۈرپىيە بىلەن مىسرىنى قايتا بىرلىكە كەلتۈرۈشى ۋە ئەھلى سەلىپنىڭ شەرققە قىلغان 3 - قىتىمىق يۈرۈشىنىڭ مەغلۇپ بولۇشىغا ئەگىشىپ بۇ ئىككى دۆلەتتە گۈللەنگەن يېڭى ئەسەر باشلاندى . بۇنىڭ بىلەن ئەدەبىي پائالىيەتلەر ، بولۇپمۇ نەزەمە بىلەن تارىخ كەڭ راواج تاپتى .

مەيلى سۈرپىيە ياكى مىسردا بولسۇن ، نەزەلدىن يەرلىك داڭلىق شائىرلار ناھايىتى كۆپ ئىدى . سوپىي - سىرىقلاشتۇرغۇچىلار مەزھىپى ۋە ئىسپانىيە ئەدەبىياتىنىڭ تەسىرىنى قوبۇل قىلىش تۈپەيلىدىن (بۇ «مۇۋەشىھ» نىمۇ ئۆز ئىچىگە ئالىدۇ) . شېئرىيەتنىڭ بەدىئىلىكى بىر مەزگىل ئۆسکەندى . ئېيتىلىشىچە ، مەشەفۇر ئىسپانىيە - ئەرەب سىرىقلاشتۇرغۇچىلەرىدىن مۇرۇشىيالىق ئىبىنى ئەرزەبى^② (1165 - 1240) «مۇۋەشىھ» نىڭ شەرق شېئرىيەتىدىكى ئورنىنى تىكلىگەن . ئەرەبى ئەسلىدە شائىر ئەمەس ئىدى . ئۇنىڭ سىرىقلاشتۇرغۇشىنىڭ ئەمرى - مەرۇپلىرىغا دائىر مۇھىم ئەسلىرى «مەككە ۋەھېپلىرى» («فۇتۇھات مەككىيە») ۋە باشقانۇرغۇن ئەسەرلىرى نەسلىي شەكىلدە يېزىلغان . لېكىن ، ئۇ ئۆزى بولسا شېئرىيەتتە دۇنياغا تونۇلغان . ئۇنىڭ شېئرىلىرىنىڭ مەشەفۇرى «ھىممەتلىك تەبىرچى» ناملىق

شېئرلار تۈپلىمى بولۇپ، شائىر بۇنىڭدا ھاييا جانغا تولغان تىل
 ئارقىلىق سىرلىق تەجربىلىرىنى بايان قىلىدۇ. ئۇ شېئرلىرىدا
 سوپى مەزھىپىنىڭ سىمۇولچىلىقىنى ھەددىدىن زىيادە كۆپ
 قوللانغان. شۇڭا، ھەتتا مۇسۇلمان ئوبزور چىلارمۇ بۇ خىل
 سىرلىقلاشتۇرۇۋەتىلگەن چۈشەندۈرۈشلەرنىڭ راستلىقىدىن قاتتىق
 گۈمانلىنىدۇ. ياؤرۇپالىق ئالىملاردა (گەرچە ئۇلار پارس شائىر
 ھاپىز قاتارلىق كىشىلەرنىڭ بۇنداق سىمۇولچىلىقى بىلەن ناھايىتى
 تونۇش بولسىمۇ) دائىم خاتا چۈشەنچىلەرنىڭ پەيدا بولۇشى
 ئەجەبلىك ئەمەس، شېئرىيەتتە زېھنى جەھەتنىن ئەرەبىدىن
 ئېشىپ چۈشىدىغان، ئومۇمىيۈزۈك ھالدا ئەرەبلىك ئەڭ ئۇلۇغ
 سىرلىقلاشتۇرغۇچى شائىرى، دەپ تونۇلغان ھەم مەشھۇر پارس
 سىرلىقلاشتۇرغۇچىلىرىغا تاقابىل تۇرالايدىغان بىردىنىپر ئادەم شۇ
 دەۋىرde ئۆتكەن ئومەر ئىبىنى فارىز^③ (1181 – 1235) ئىدى.
 يۇقىرىدا كۆرسىتىلگەن ئۆلىمالاغا ئوخشاش، فارىزمۇ كىشىلەر
 ياقتۇرىدىغان سۆزلىرى بىلەن ئۆز تەجربىسىنى بايان قىلىدۇ.
 لېكىن، دائىم مۇنداق جۇملىلەرنى ئۇچرىتىش مۇمكىن:

نائىرلار ئۆزىنىڭ باناكى ئلاسنى تۈرلۈك ئىدار بىن ئاتاپىش وە
 مەھىلەيتىش. ئىلالا بىر دەم شەرەب كۆجمىن نائىرلىرى ئىلەكى ياغلىقلقى
 قەرىشىن بولاتىش: بىر دەم بۇكىنگ ياكى كلۋانغا وە ياكى كۆزى ئېتكۈز مەركىنگ
 ئوخشتاتاتىش، لېكىن دائىم « ئۇ » دەپ ئاتالاتىش. مەھىيە شېرلىرىدا ئەدەتىكى
 لەرىكىلىق نېئىرلارنىڭ نىكلى، ئەلتى، تېمىس وە ئوبرازى ساقلاپ قىلغان
 بولۇپ، ئۇنىڭ ئىچىكى مەزمۇنسى ناھايىتى كەدىن - كەم بولىدغىن ئىللەق ھېيات
 بىن ھەسلا يەرە ئېتلىسمۇ، لېكىن باشقىلار ئۇنس كۆپ قوبۇل قىلمىتىش.^①

ئىبىنى فارىزنىڭ بەدىئىي ئۇسلۇبى تاشقى تۈزۈلۈش جەھەتتە
 ئەنئەنئۇرى ئەرەب شېئرىيىنى بىلەن مۇناسىۋەتلىك بولۇپ، ئۇنىڭ

بە دىئىي ئۈسلىوبى ، سەلىستىكىسى ، فانتازىيىسى ، قوش مەنلىك
 گۈزەل تىلى ، بە دىئىي جەھەتتىكى ماھارىتى مۇتەنەبىنىڭكىگە
 ئوخشادپ كېتىدۇ . ئۇنىڭ نېپىز بىر شېئرلار توپلىمى بار . ئۇنىڭغا
 يىگىرمىگە يېقىن مەدھىيە شېئرى ۋە قىقا شېئرى كىرگۈزۈلگەن .
 بۇنىڭ ئىچىمە ئەڭ مەشھورى دائم تەرجىمە قىلىنىدىغان «
 قەدەھ كۈيى» بىلەن ۋائىزلىق خاراكتېرىدىكى 760
 مىرىالىق شېئرى « سىرلىقلاشتۇر غۇچىلارنىڭ يولى »
 دىن ئىبارەت . بۇ شېئردا ئۇنىڭ سىرلىق تەجرىبىلىرى يېزىلغان
 بولۇپ ، ئەرەبلىرنىڭ سىرلىقلاشتۇرۇش خاراكتېرىدىكى
 شېئرىيەتتىدە دائىلىق شېئرلار قاتارىغا كىرىدۇ . تۆۋەندە ئۇنىڭ
 مەدھىيە شېئرىدە تەسۋىرلەنگەن جەننەتتىكى خىيالىي مەنزىرە
 قىسىدىن بىر كۈپلىكتە مىسال كەلتۈردىق ، بۇنىڭدىن ئۇنىڭ تىل
 ماھارىتنى كۆرمەلەيمىز :

تەلمۇرۇپ قالدىم قاراپ ، ئۇ قىلغاندا بۇندىن سەپەر ،
 گۈزەل ھۆسەن جامالى ، قارىسغا سېلىپ نەزەر ...
 ھەر تەرەپتىن ئاڭلىسىنۇر ئۇد بىلەن نەينىڭ ئۇنى ،
 يەتكۈزۈپ قەلبىمگە قايىناق بىر ناۋادىن ھەم خەۋەر ،
 مايسزاردا ئايلىنىپ ئوتلاپ يۈرەر ئاهۇ ئەنە ،
 سەگىدەپ گۈگۈم ئارا ئويناب يەنە سۈبەپ سەھەر ،
 كەڭ زېمىننىڭ ئۈستىگە گۈللەر يوبۇق سالغان گويا ،
 تاشلىغان بۇلۇت - شەپەق ئۇندا شەبىنە مىسىلى زەر .
 تالق سەنىمى يەلىپۇتۇپ شوخ ئەۋرىشىم كۆڭلەكلىرىن ،
 خۇش پۇراق شېرىن ھىدىنى تارقىتار ھەريان بەدەر .
 تەگكۈزۈپ نازۇك قەدەھكە لەۋلىرىمنى بال يۇتۇپ ،
 تال تۈۋىدە ئولتۇرىمەن سورىسىڭىز ھالىمنى گەر .

شۇنىڭدىن كېيىن ئىككىنچى ، ئۇچىنچى دەرىجىلىك چاكتى
 شائىرلارمۇ مەزمۇنى شەكىلگە بويىسۇندۇرۇشتىك كەپپىياتتىن
 ۋاقتىنچە قۇتۇلدى . بۇ خىل كەپپىياتتىك تۇرمۇشنى ئەرەب
 شېئىرلىرىنىڭ سىرتىغا چىقىرىۋەتكىنىڭ ئىككى ئەسىرىدىن كۆپ
 بولغانىدى . مىسرلىق باھائىدىن زۇھەير (1258 - يىلى ۋاپات
 بولغان) شۇ چاغدىكى ئەڭ مەشھۇر ئوردا شائىرى ئىدى . ئۇنىڭ
 شېئىرلىرىنىڭ تىلى ئاددىي ، ھېسسىياتى چوڭقۇر بولۇپ ، ئاجايىپ
 تەسەۋۇر ئارقىلىق شېئىرغا مەلۇم دەرىجىدە غەربچە تۈس
 كىرگۈزگەنلىكى ئۇچۇن ، تەرجىمانلار ئۇنى خىرىكە ⑤
 ئوخشتاتتى .

مەشۇقۇم ئىما قىز ⑥

سۆيگىنى بىچارە ئەما قىز دېگەيلەر باشقىلار ،
 مەن دېگەيمەن شۇل سەۋەبتىن ئۇ مېنىڭ قەلبىمگە يار :
 ئىككى چەشمە كۆزلىرى بولغاچ بەسەر سۆيدۈم ئۇنى ،
 باشتىكى ئاپئاق چىچىمغا سەپ نەزەر قانداق قارار ،
 چىقسا خەنجەر غىلاپتىن قىلمىغى بولغاى يارا .
 نە سەۋەب باقسام غىلاپقا قىپقىزىل قان ياللىرار .
 سۆيگىنىم گويا گۈلستان قويىندا غۇنچە چىچەك ،
 ھاجىتىم يوق چەككىلى باغۇون تۈپەيلى دىشوار .
 نېلۇپەر يۇمغان بىلەن گەرچە گۈزەل كۆز جامىنى ،
 ئەتىرگۈل تولدۇرۇپ باغنى ، خۇش پۇراقلقى ھىد چاچار

سالاھىدىنىڭ تەرجىمەلى تەبىئىي تەزكىرە ماتپىيالى
 ھېسابلىنىدۇ . ئۇ ھەقتىكى ئەڭ دەسلەپكى ئىككى تەزكىرنى ئۇنىڭ

قول ئاستىدىكى كىشىلەر يازغان . « ئىپاھانلىق كاتىپ »^⑦ دەپ ئاتالغان ئىمائەددىن (1125 - 1201) ئيراقتا ھەربىي خىزەت ئۆتىگەندىن كېيىن ، دەمەشققە كەلگەن ، كېيىن سالاھىددىنغا خۇسۇسي كاتىپ بولغان ، ئۇنىڭ بىلەن بىللە جەنۇب ، شىماللاردا جەڭدە بىللە بولغان ، ئۇنىڭ ئيراقتىكى سەلجۇق تۈركلىرىنىڭ تارىخىغا دائىر بىرىنچى ئەسىرىدىن ھازىرغىچە پەقت بىر تىزىسلا قالغان . ئۇنىڭ سالاھىددىننىڭ تەرجىمەلەر توغرىسىدىكى يېرىم تەزكىرە خاراكتېرىدىكى يەتنە تو ملۇق كىتابىدىننمۇ ئىككى تومىلا قالغان . ئۇنىڭدىن باشقا ، تەتقىق قىلىشقا تېكشىلىك ، ھەجمى ئىلگىرىكىدىن كىچىكەك يەنە بىر تومى بار . ئۇنىڭدا ئېرۇسالىمنى قايتا ئېلىش ۋە ئەھلى سەلىپنىڭ 3 - قىتسىم يېراققا يۈرۈش قىلىشنىڭ ھەقىقى ئەھۋالى بايان قىلىنغان . ئىمائەددىن ۋە ئۇنىڭ باشلىقى ، سالاھىددىننىڭ باش كاتىپى قازى پازىل (1200 - يىلى ۋاپات بولغان) يەنلا مۇشۇ ئەسىرىنىڭ داڭلىق ئەدبىي ھېسابلىنىدۇ . ئۇ ئاممىباپ ، گۈزەل نەسىرى شەكىل ئارقىلىق ، سالاھىددىننىڭ تىلىدا داستان بولارلىق مۇۋەپپەقىيەتلەرنى تەسۋىرلىگەن . ئىمادىددىننىڭ ئەسىرى دەمەشقلىق ئەبۇ شامە (1268 - يىلى ۋاپات بولغان) يازغان رسالىگە ئوخشاش بىرىنچى دەرىجىلىك تېپىلغۇسىز قىممەتلىك ماتېرىيال ھېسابلىنىدۇ . ئۇنىڭدىن باشقا سالاھىددىننىڭ ھەربىي سوتچىسى موسۇللىق پاھائىددىن مەۋسىلى (1234 - يىلى ۋاپات بولغان) مۇ سالاھىددىن توغرىسىدا ئانچە تەپسىلى بولمىسىمۇ ، لېكىن تەسىرىلىك قىلىپ ، ئۇنىڭ ئەھلى سەلىپنىڭ 3 - قىتىملىق شەرققە يۈرۈش قىلىشى مەزگىلىدىكى تەزكىرسىنى يازغان .

شۇ دەۋىرده يېزىلغان 3 - تەزكىرە سالاھىددىنغا قارتىا ئانچە دوستانە بولمىغان تەزكىرە . ئەرەب قان سىستېمىسىدىن بولغان

ئىنىنى ئەسىر (1160 - 1234) ئەرەبلىرىنىڭ ئەڭ ئۆلۈغ تارىخشۇناسلىرىنىڭ بىرى ، ئۇنىڭ 1211 - يىلى پۈتتۈرگەن دەسلەپكى ئەسىرى « موسۇلدىكى ئاتا بەگ تارىخى » پۈتۈنلىي سالاھىددىنىنىڭ ئاساسلىق مۇسۇلمان رەقىبى مەيداندا تۈرۈپ يېزىلغان ، ئۇنىڭدا سالاھىددىنىڭ مۇۋەپپەقىيەتلرى كەستىلىش بىلەن ئۆزىنىڭ قوغىدىغۇچىسىغا خۇشامەت قىلىنغان . لېكىن ، « تارىخىي كامىل » ناملىق چوڭ تىپتىكى ئەسىرىدە ئۇنىڭ كۆزقارىشى بىرقەدمە لىلا بولغان . ئون ئىككى توملۇق بۇ ئەسىر ئۇ ئۆزى ياشىغان دەۋرگىچە بولغان ئىسلام تارىخىنى ئۆز ئىچىگە ئالغان بولۇپ ، دەسلەپكى دەۋرلەردىكى تارىخشۇناسلارىنىڭ ئەسىرلىرىدىن نەقىل كەلتۈرۈلگەن ، دەسلەپكى ئۆچ ئۆچ ئەسىر ھەققىدىكى ماپىرىياللاردىن قارىغاندا ، بۇ ئەسىرلەرگە پەقەتلا تەبەرىنىڭ يېرىك ئەسىرىنىڭ قىسقارتىلىمىسى ۋە باشقا قوشۇمچە ماپىرىياللار كىرگۈزۈلگەن « تارىخىي ئۆمۈمىي » نىڭ قىممىتى ئەسىلى ئەسىردىن يوقلىپ كەتكەن بەزى بابلارنىڭ توپلانغانلىقىدىلا ئەمەس ، بەلكى ئۇنىڭ ئىپادىلەش ئۆسۈلىنىڭ باشقا مۇسۇلمان تارىخچىلىرىنىڭكىدەك تەكرار ، ئۆلۈك ئەمەسلىكىدە . « تارىخىي ئۆمۈمىي » دە گەرچە كېىىنكى دەۋرلەرde ئۆتكەن مۇسۇلمان تارىخ توپلىغۇچىلارنىڭ ئۆلچەملەك ماپىرىيالى مەنبە قىلىنغان بولىسىمۇ ، لېكىن ھەيران قالارلىقى شۇكى ، 19 - ئەسىردىن ئىلگىرى بۇ ئەسىرنىڭ ئۇن - تېۋىشىمۇ بولىغانىدى . شەرقشۇناسلارىنىڭ ھەممىسى ھەتتا گىبانغا^⑧ ئوخشاش نوپۇزلىق ئەربابلارمۇ ، كۈپۈتلىق مەكىن^⑨ (1205 - 1273) ۋە خاما شەھرىنىڭ تالانتلىق سۇلتانى ئەبۇل پىدا^⑩ (1273 - 1331) نىڭ كۆچۈرمە نۇسخىسىنىڭ قىسقارتىلىمىسىنى قوللىنىشقا مەجبۇر بولغانىدى . بۇ دەۋردىكى باشقا ئادەتتىكى ئەسىرلەرمۇ تارىخقا ئازدۇر -

كۆپتۈر ئالاقىدار، باغدادلىق دوختۇر، قامۇس شەكلىدە ئەسر يازغۇچى ئابدۇلله تىپ باغدادى (1160 – 1231) نىڭ «مسىر خاتىرىلىرى» — ئەرب تىلىدىكى ئالاھىدىلىككە ئىگە ئىلمى ئەسىرلەرنىڭ بىرى. ئۇنىڭدا ئۆسۈملۈك رايونلىرى سىستېمىسى، ھايۋانات رايونلىرى سىستېمىسى، داڭلىق ئاسار — ئەتقىلەر بايان قىلىنغاننىڭ سىرتىدا (ئېيتىلىشلارغا قارىغاندا، بەزىلەرنىڭ مىسىرىدىكى چوك ئەرامنى ئۆرۈۋەتمە كچى بولغانلىقىدەك بىرىنچى قول ماتېرىياللارمۇ بايان قىلىنغان)، 1200 – يىلدىن 1201 – يىلغىچە بولغان ئارىلىقتا مىسىردا يۈز بەرگەن زور ئاچار چىلىقتا قاهرىدە كۆرۈلگەن ئادەم گۆشى يېيىشتەك قورقۇنچىلۇق ۋەقەلەرمۇ بايان قىلىنغان، جۇملىدىن شۇ چاغدىكى تىباھەتچىلىك تەتقىقاتىدىكى بەزى قىزىقارلىق ئىشلارمۇ خاتىرىلەنگەن.

ئىبىنى خەلللىكان (1211 – 1282) نىڭ «تارىخى ئىبىنى خەلللىكان» («ۋاپات بولغان مەشھۇر ئەربابلارغا دائىر مەلۇمات») ياخۇرۇپا ۋە شەرقە مەشھۇر. خەلللىكان سۈرىيىدە تۈغۇلغان، لېكىن ئۇ ئۆزىنى بارمىنج مىللەتنىڭ مىمباختىلىلار ئەۋلادى دەيتتى. ئۇ ئۇن نەچە يېشىدا ھەلەبته ئوقۇۋاتقان چىغىدا ياقۇت ۋاپات بولۇپ كېتىدۇ. ئېھتىمال ئۇ ياقۇت ئىشلىگەن ئادەم ئىسمىلىكى لۇغىتىنىڭ تەسىرى بىلەن شۇنىڭغا ئوخشىپ كېتىدىغان، لېكىن دائىرسى تېخىمۇ كەڭ بىر لۇغەت ئىشلىمە كچى بولغان بولسا كېرەك. ئۇ لۇغەتنىڭ مەلۇم جەھەت بىلەنلا چەكلىنىپ قىلىشىنىڭ ئالدىنى ئېلىش ئۈچۈن، يېزىش پىلانىغا ھەر ساھە، ھەر كەسىپتىكى كىشىلەرنىڭ ئىسمىنى كىرگۈزگەن، پەقەت بىرىنچى، ئىككىنچى ئەۋلاد مۇسۇلمانلار ۋە خەلىپلەرگە دائىر تارىخى ماتېرىياللارنىلا قىسقارتۇھەتكەن، چۈنكى بۇ كىشىلەر توغرىسىدا ئاللىقاچان بىرمۇنچە تەزكىرلەر يېزىلغان (مەسىلەن، ئىبىنى ئەسىرنىڭ «ئەجدىها-

يولۇسلار » ناملىق تەزكىرە شەكلدىكى ئەسرىگە پەيغەمبەرنىڭ ئەتراپىدا ئۆتكەن 7500 ساھابى كىرگۈزۈلگەن). ماتېرىيالنىڭ توغرا، ئىشەنچلىك بولۇشى ئۈچۈن، ۋاپات بولغان ۋاقتى ئېنىق بولمىغان ماتېرىياللارنىڭ ھەممىسىنى تەكشۈرۈپ چىقىرۇۋەتكەن. خەللىككەننىڭ بەدىئى ئۇسلۇبى بىر تەرەپلىمە حالدا سۆزنىڭ تۈزۈلۈش ئۈنۈمىنىلا قوغلىشىدىغان ئۇسلۇبىتىن خالىي ئىدى. ئۇنداق ئۇسلۇب كېيىنكى ۋاقتىلاردا نۇرغۇن ئەدەبىي ئەسەرلەرنى نابۇت قىلغانىدى. لۇغەتتە ئەسلى ئەسەرنىڭ يوقلىپ كەتكەن قىسى تولۇقلانغاندىن باشقا، رەسمىي تارىخقا يېزىپ قالدۇرۇلمىغان نۇرغۇن ۋەقەلەر كىرگۈزۈلگەن ھەم بىرمۇنچە قىستۇرمىلار كىرگۈزۈلگەن. شۇڭا ئۇ ئوقۇغان كىشىنى ھاياجانلاندۇرىدىغان ئەسەر بولۇش بىلەنلا قالماستىن، بەلكى ئوتتۇرا ئەسەردىكى مۇسۇلمانلار تۇرمۇشنىڭ ئەڭ قىممەتلەك بىر ئەيىكى بولۇپ قالدى.

ياقۇت، خەللىكان ۋە ئىبنى ئەسرنىڭ قامۇس تېپىدىكى ئەسەرلىرى ئەدەبىي ئىجادىيەتنىڭ توپلاش تەرىپكە قاراپ يۈزىلەنگەنلىكىنى ئىسپاتلايدۇ. شۇنى مۇئەييەنلەشتۈرۈشكە بولىدۇكى، بۇ خەل يۈزلىنىش مەدرىس پەلسەپىسىنىڭ تەرىققىياتى بىلەن زىچ مۇناسىۋەتلەك. كېيىنكى بىر نەچە ئەسەر دەكلاسىك تەتقىقات ۋە ئەدەبىي پائالىيەتتە توپلاش زور دەرىجىدە مۇستەقىل خاراكتېرلىك ئىجادىي ئەسەرلەرنىڭ ئورنىنى ئىگىلىدى. بىز قۇپتى ¹¹ (1248 - يىلى ۋاپات بولغان) ۋە ئىبنى ئەبى ئۆسەبىئە ¹² (1270 - يىلى ۋاپات بولغان) لەر تۈزگەن ئەدىبلەر ئىسلاملىكى لۇغىتىگە مىننەتدارلىق بىلدۈرۈشكە ھەقلقىمىز، بۇلار ئىسلام مەدەنلىكتى ئومۇمىيۈزۈك گۈللەنگەن دەۋردىكى تارىخ ۋە تىباپەتچىلىك جەھەتتىكى ئەڭ قىممەتلەك تارىخي مەنبە بولۇپ ھېسابلىنىدۇ. يەنە ئىككى پارچە ئادەم ئىسلاملىكى لۇغىتى - ئىبنى

ئەساکر (1176 - يىلى ۋاپات بولغان) نىڭ « دەممەشق تارىخى » بىلەن ، ئىبىنى ئەدىم (1176 - يىلى ۋاپات بولغان) نىڭ « ھەلب تارىخى » دىكى ئادەم ئىسىمىلىكى ھەققىدىكى قوشۇمچە مۆلچەردىكى ھەجىمدىن كۆپ دەرجىدە كېڭىيىپ كەتكەن . شۇڭا ، ئالدىنىقىسىنىڭ پەقهت بىر قىسما نەشر قىلىندى ، كېيىنكىسىنى نەشر قىلىدىغان ئادەم چىقىمىدى .

3 - سىتىلىك

9 - ئەسرىنىڭ ئوتتۇرلىرىدىن 11 .. ئەسرىنىڭ ئاخىرىغىچە بولغان ئىككى ئەسر ئىچىدە ئەرەب خەلىپلىرىنىڭ ئۆكتەملىكى ئاستىدىكى سىتىلىك مۇسۇلمانلار دۇنياسىنىڭ بىر قىسى ئىدى . ئۇ يەرده بىر تۈركۈم ئەرەب تىلىشۇناسلىرى ۋە شائىرلار مەيدانغا چىقتى ، شائىرلارنىڭ شېئىرلىرىدا روشن ئىسپانىيە تەسىرى بار ئىدى . بۇ دەۋرىدىكى ئەڭ ئاتاغلىق شائىر ئىبىنى ھەمدىس (1055 - 1132) . ئۇ ئۆزىنىڭ نۇرغۇن يۇرتىداشلىرىغا ئوخشاش ، نورماندىيىلىكلىرى تاجاۋۇز قىلغاندا سىتىلىك ئارىلىدىن قېچىپ كېتىپ ، موئىته مىد بىلەن بىرلىكتە سېۋېلىيىدە پاناھلىنىپ ، ئۆزى ھاياتىدىكى ئەڭ گۈزەل شېئىرلىرىنى شۇ يەرده يېزىپ قالدۇرغان . ھەمدىس كېيىنچە موئىته مىد بىلەن بىلەن ماراكەشكە سۈرگۈن قىلىنىپ ، ۋاپات بولۇش ئالدىدا تۈنسىقا قايتىپ كەلگەن . ئۆزىنىڭ ئەسەرلىرىدە تەبىئەتكە بولغان سېغىنىش ئۇرغۇپ تۈرىدۇ ، شۇڭا ئۇ « ئەرەب دۇنياسىنىڭ ۋوردىسوارتى » ¹³ دېگەن چىرايلىق نامغا ئېرىشكەن .

نورماندىيىلىكلىرى سىتىلىك ئارىلىنى يەنە بىر قېتىم بويىسۇندۇرغاندا ، بۇ ئارالدىكى ساراسۇنلارنىڭ ¹⁴ تالانتى ئەرەب -

نورمان مەدەنیيەت سەنتىنىڭ زور زاۋاجى ئىچىدە يۇقىرى دولقۇنغا
 كۆتۈرۈلدى . پۇتكۈل بىر ئەسىر ئىچىدە ، سىتىلىيە ئارىلىدىكى
 خرىستىئانلار پادىشاھلىقىدا غەلىتە ئەھۋال يۈز بەردى .
 ساراسۇنلارنىڭ ياشىشىغا يول قويۇلۇش بىلەنلا قالماي ، ئۇلارغا
 يۇقىرى مەنسەپ ۋە ئابروي بېرىلىدى . ئەرەب تىلى ئوردىدا
 ئومۇمىيۇزلىك قوللىنىلىدىغان تىلىنىڭ بىرى بولۇپ قالدى . شۇ
 دەۋرنىڭ ناھايىتى ئاز ساندىكى ھۆكۈمرانلىرى ئەرەب ئەدەبىياتىنى
 قوغداش جەھەتتە سىتىلىيە ئارىلىدىكى نورماندىلىقلار بىلەن بىر
 قاتارغا قويۇلدى . ئۇلارنىڭ قوغدالغۇچىلىرى ئىچىدە
 رۇچىر I^⑩ دەۋردىكى شەرق ئىدرىسى (? - 1099) گە
 يېتىدىغاننى ناھايىتى ئاز ئىدى . ئىدرىسى ئاۋۇل ئىسپانىيىدە
 ئوقۇغان ، ئوقۇش پۇتتۇر گەندىن كېيىن نۇرغۇن غەرب دۆلەتلەرنى
 زىيارەت قىلغان ، كېيىن رۇچىر تەرىپىدىن پارمۇغا پادىشاھنىڭ
 جۇغراپىيە ئالىملىقىغا چاقىرتىلغان ۋە شاھزادىنىڭ ياردىمىدە (بۇ
 شاھزادە ھەرقايىسى ئەللەر گە ئەۋەتلىگەن كۆزەتكۈچىلەر ئارقىلىق
 نۇرغۇن ماتېرىيال توپلىغان) 1154 - يىلى مەشھۇر جۇغراپىيىۋى
 ماقالىسى « قىزغىن تەكشۈرگۈچىنىڭ شادلىقى » نى يېزىپ
 چىققان ، ئۇ ئادەتتە « رۇچەرنامە » دېيلىدۇ . گەرچە
 ئاپتۇر ئۆزىنىڭ شەرقىتىكى ئەجداھىلىرى (مەسلەن ،
 مەقدىسى) غا قارىغاندا بىرەر ئىشقا تېخىمۇ ئىشىنپ كېتىدىغان
 بولسىمۇ ، بۇ ئەسىردىكى ئاجايىپ
 كۆزقاراشلارنى ئىستاراپۇ^⑪ نىڭكىگە سېلىشتۈرۈش مۇمكىن .
 1154 - يىلىدىن كېيىن ، سۈرگۈن قىلىنغان سىتىپلىك
 كىشى ئىبنى زۇپەر (1169 - يىلى ۋاپات بولغان) ۋاقتىنچە ئۆز
 يېزىسغا قايتقان چېغىدا ، شۇ چاغدىكى بىر ئەرەب ھۆكۈمرانىغا

« نوپۇزلىقلارنىڭ تىنچلاندۇرغاچى دورسى » ناملىق بىر ماقالىنى تەقىدم قىلىدۇ . ماقالىدا مەخسۇس ئىتتائەتمەنلىك ، سەۋىر - تاقەت قىلىش قاتارلىق گۈزەل خىسلەت ئۇستىدە توختالغان بولۇپ ، شەكلى يەنلا « قۇرئان » ۋە ھەدىس ھەققىدىكى چۈشەندۈرۈش ، شېئىر ۋە تارىخقا يېزىپ قالدۇرۇلمىغان ئوتتۇز تارىخىي ۋەقەدىن ئىبارەت . يېزىپ قالدۇرۇلمىغان تارىخىي ۋەقەلەر تېخىمۇ ئالاھىدىلىككە ئىگە بولۇپ ، گەرچە ئەرەب ۋە پارسلارنىڭ تارىخىي ھېكايدىلىرىدىن ئېلىنىغان بولسىمۇ ، لېكىن ئۇنىڭغا توقۇلغان قەھرىمانلار كىرگۈزۈلگەن (روشهنىكى ئۇنىڭدا خەلق ئىچىدىكى « كەلەلە ۋە دەمنە » ئاساس قىلىنىغان) . شۇڭا ئۇلارنى تارىخىي ھېكايدى دېيىش تېخىمۇ مۇۋاپىق . ئىبنى زۇپەر بىر تۈركۈم نوقۇل ئەدەبىي ئەسەرلەرنى يازغان بولۇپ ، ئۇنىڭ بىرىدە باتۇر بالىلار تەسۋىرلەنگەن ، بۇ ھازىر غىچە پارىزدا ساقلانماقتا .

4 - ئىسپانىيە

تۈركىلەرنىڭ ئەربىستاننىڭ شەرقىدە ئويىنغان رولى بەربەلەرنىڭ ئەربىستاننىڭ شىمالىدا ئويىنغان رولى بىلەن ئوخشاش بولدى . موراۋىدلەر - يېڭى بەربەر خانلىقى ئەرەب ئىسپانىيىسىنىڭ تۆۋەن دەرىجىلىك ئۆلکىلىرىنىڭ ئاجىزلىشىپ كەتكەن پۇرستىدىن پايدىلىنىپ ، 1091 - يىلى ئاندالۇزىيىنى بىسۋالدى . بۇ يېڭى خانلىقنىڭ ئۆكتەمىلىكى بىلەن ئەدەبىيات گۈل - چېچەكلىرى خازان بولدى . بۇ دەۋىرىدىكى ئەدىبلەر - توپلىغۇچىلارنىڭ ئاندالۇزىيە شېئىرىيىتى جەھەتتىكى تىرىشچانلىقى

شۇ مەزگىلدىكى شائىرلارنىڭكىدىن كۆپ بولدى . 12 - ئەسىردى
 «مۇۋەشىشە» بىلەن بىر ۋاقتتا يەنە بىر خىل شەكىلدىكى
 شېشىر — زەجال¹⁷ دۇنياغا كەلدى . «زەجال» مۇسۇلمانلارنىڭ
 تىروبادىل¹⁸ مەزھىپىنىڭ نەزملىرىگە ئوخشاش بولۇپ ، تىلى
 ئاممىباب ، ئۇنىڭدا ھەددىدىن ئاشۇرۇۋېتىلگەن سۇنىي ياسالىلىق
 يوق . ئىبنى قۇزمان (1159 - يىلى ۋاپات بولغان) بۇ شېشىر
 شەكلىنىڭ بىردىن بىر ۋەكلى . قۇزمان ئۆز قوغدىغۇچىنىڭ
 مەردلىك بىلەن قىلغان ئىلتىپاتى ئارقىسىدا ئوردىلاردا مېھمان
 سۈپىتىدە ئەركىن يۈرەلەيتتى . «زەجال» ئەرەبستاننىڭ شەرقىدە
 ئومۇمىيۇزلۇك تارقالىمغان بولسىمۇ ، لېكىن غەربىدە خەلق ئىچىدىن
 ئېلىنىش ، سۆزلەش ئارقىلىق يەنە خەلق ئىچىگە قايتۇرۇلۇش
 نەتىجىسىدە . ئامما ئارىسغا كەڭ تارالغان ، خەلق ئۇنى ئىنتايىن
 ياقتۇرغان ، «زەحال» كاتالونىيە ، پىلوۋانىس ، ھەتتا ئىتالىيە
 شىۋىسىدىكى نەزملىرنىڭ تەرقىقىياتى ۋە تارقىلىشىغا زور تۆھپا
 قوشقان ، گەرچە بۇ خىل قاراشتا ئىختىلاب زور بولسىمۇ .

12 - ئەسىرنىڭ ئوتتۇريلرىدا غازالى مەزھىپىنىڭ مەشھۇر
 ئلاھشۇناسى ئىبنى تۇمەرت (1130 - يىلى ۋاپات بولغان) نىڭ
 تەسىرىدە مۇراۋىىدلەر ئىككىمنچى بەر بەرلەر خانلىقى — ئالمۇخاد
 مەزھىپى تەرىپىدىن ئاغدۇرۇپ تاشلاندى . يېڭى ھۆكۈمرانلار
 ئەدەبىياتقا قارتىا تېخىمۇ كەڭ مەيدان قوللاندى . شۇڭا ، كېيىنكى
 يېرىم ئەسىردى ئىسپانىيىنىڭ ئەدەبىيات پائالىيىدە يېڭى بىر دولقۇن
 مەيدانغا كەلدى .

يېڭى ھەرىكەتنىڭ ئەڭ گەۋدىلىك كىشىلىرى پەيلاسوپلار
 ئىدى . ئۇلارنىڭ تەسىرى ئىسپانىيە چېڭىرسىدىن زور دەرىجىدە
 ھالقىپ كەتتى . ئۇلار ياۋروپالىقلارنىڭ ئىدىيىسىگە ئىسپانىيىدىكى
 مۇسۇلمانلارنىڭكىدىن بەكەك چوڭتۇر تەسىر كۆرسەتتى . ئىبنى

باجه¹⁹ (ئاؤباس) ئىسپانىيە پەلسەپە ئېقىمىنىڭ ئىجادچىسى ، ئۇ
 1138 - يىلى مارا كەشتە ۋاپات بولغان . لېكىن ، ئۇنى بەر بەر
 خانلىقىدىن ئىلگىرىكى دەۋرگە مەنسۇپ دېيش تېخىمۇ مۇۋاپىق ،
 ئۇنىڭ ۋارىسى ئىبىنى تۈپەيل²⁰ (1185 - يىلى ۋاپات بولغان)
 ئىدى . تۈپەيل ئىبىنى سىنانىڭ پەلسەپىسى ھېكايسى « مەرىپەت
 ئوغلانىنىڭ ھايياتى » نى تەھرىرلەش بىلەن داڭق چىقارغان .
 ھېكايدە يالغۇز ئارالدا ياشىغۇچى بىر دەرۋىشنىڭ تۈغما تالانتى ۋە
 ئابرويىغا تايىنىپ ، ئۆزىنىڭ ئەقلەي قۇزۇۋىتىنى ناھايىتىمۇ يۈكىدەك
 پەلسەپە سەۋىيىگە يەتكۈزگەنلىكى ۋە ئەۋلىيا كەبى يىراقنى كۆرۈش
 دەرىجىسىگە يەتكەنلىكى تەسوېرلىنىدۇ . نۇرغۇنلىغان مۇسۇلمان
 پەيلاسپۇلارنىڭكىدەك ، ئۇنىڭ ئەسەرلىرىدە سەرلىقلاشتۇرۇۋۇتىش
 خاھىشى ئىنتايىن روشن . يەنە بىر تەرەپتىن ئىبىنى
 رۇشت²¹ (1126 - 1198) نىڭ مەقسىتى ئىنسانىيەتنىڭ ئەقلەي
 هوقولقىنى ئىمکانىيەتنىڭ بارىچە قوغداش ئىدى . ئۇ ئارىستوتىپ
 ھەققىدىكى تەتقىقاتنى ئەسلىگە كەلتۈرۈشكە تىرىشقا ، جۇملىدىن
 ئۆزىنىڭ ئاۋروئىس دېگەن ئىسىمى بىلەن ياخۇرۇپانىڭ ئوتتۇرا
 ئەسەرلىك كاتولىك پەلسەپىسىگە بىرىنچى بولۇپ ھۇجۇم قىلغان
 كىشىلەر ئۈچۈن چۈقان كۆتۈرۈپ ، ئۇلارغا مەدەت بەرمە كچى
 بولغان . رۇشتىنىڭ ئاساسلىق ئەسلى ، شۇبەسىزكى ، ئارىستوتىپ
 ئەسەرلىرى ھەققىدىكى ئىزاھاتىدىن ئىبارەت : بىراق ، ئادەتنە
 مۇسۇلمانلار دۇنياسىنىڭ بەكمۇ ھەۋىسىنى قوزغۇخىنى ئۇنىڭ
 غەززالىڭ پەيلاسپۇلارغا فارشى يازغان بەس - مۇنازىرە
 خاراكتېرىدىكى ئەسەرگە بەرگەن قاتتىق تەنقىدى ۋە جاۋابى (ئۇ
 بۇ ئەسەرلەرنى « رەزگىنىڭ رەزگىسى » دەپ ئاتىغان) ھەم پەلسەپە
 بىلەن دىنىنىڭ مۇناسىۋۇتى ھەققىدىكى بەزى رسالىلىرىدىن
 ئىبارەت . ئۇ دەسلەپكى مۇنازىرىدە ئىسپاتلاپ ، « قورئان » دا

کىشىلەرنىڭ تەبىئەت ھادىسىلىرىنى دائم تەتقىق قىلىپ تۇرۇشى لازىملىقى، جۇملىدىن، بۇنداق تەتقىقاتتا ئاقىلانە بولۇشى تەۋسىيە قىلىنىغانىكەن، ئۇنداقتا لوگىكىلىق ئەقلېي خۇلاسگە كېلىشكە بولىدۇ. شۇڭا، ئەقلېي تەلىم - تەربىيىنى يۈكىشكە سەۋىيىگە كۆتۈرۈش كېرەك، دەپ كۆرسىتىدۇ. رۇشت بۇ خىل ئەقلېي خۇلاسگە ئاساسەن، تېخىمۇ دادىللىق بىلەن: پەلسەپتۇي ھەقىقت بىلەن ئىلاھىي ھەقىقت ئوتتۇرسىدىكى ھەرقانداق زىددىيەتنى، ئىلاھىي ھەقىقتەتكە ياتىدىغان مەسىل - چۈشەندۈرۈشلەرگە ئاساسەن ھەل قىلىش كېرەك، دەپ قارايدۇ: ئۇ يەنە مۇنداق دەپ قارايدۇ، پەيلاسوب (بۇنى تەربىيە كۆرمىگەن ئامما قىلا بولمايدۇ) تەربىيە كۆرمىگەنلەرگە يەنى ئىلاھىشۇناسلارغا بۇنداق ھەقىقتەنىڭ ئەھمىيىتىنى چۈشەندۈرۈشى ھەم بۇ ھەقتە تەربىيە بېرىشى لازىم مەسىلەن، ھەممىگە مەلۇم بولغان كەنثانى ئالىدىغان بولساق، ئۇز ئىسىمى - جىسمىغا لاپقى ئەقلچى دىيىشىدۇ، لېكىن ھازىرقى زامار ئالىملىرى بۇنداق پىكىرنى تۈزىتىش كېرەك، دەپ قارايدۇ، مۇرشىيالىق ئىپتىنى سەبئىن ② (1269 - يىلى ۋاپات بولغان) ئىسپانىيە ئىلمىي ئېقىمىنىڭ ئەڭ ئاخىرقى ئالىسى، جۇملىدىن ئەرەبلەرنىڭمۇ ئەڭ ئاخىرقى پەيلاسوبى، ئۇ فەيدىرىخ ॥ نىڭ پەلسەپە مەسىلىلىرى ھەققىدىكى مەكتۇپلىرى (بەزىلەر ئۇنىڭ راستىقىدىن گۇمانلىنىدۇ) بىلەن داڭق چىقارغان. سەبئىنى پەيلاسوب دېگەندىن كۆرە سەرلىقلاشتۇرغۇچى دېگەن تۈزۈكىرەك، ئۇنىڭ كەسپىداشلىرى ئۇنى « سوپى مەزھىپىنىڭ پەيلاسوبى قىياپىتىدە ئوتتۇرىغا چىققان » ئادەم دەيدۇ.

بۇ مەزگىلدىكى تارىختا ئاساسلىقى تەزكىرە تىپىدىكى ئەسەرلەر بىر قاتار ۋەكىللەك خاراكتېرىگە ئىگە ئەسەرلەر

ھېسابلىنىدۇ . 13 - ئەسرىدە ، ئاندالۇزىيىدە ئەدەبىيات ساھەسىدىكى ئاساسلىقراق بولغان ئەرباب كۆپ تەرمىلىمە ماھارەتلىك ئىبنى سەئىد (1274) - يىلى ۋاپات بولغان) ئىدى . ئۇ شائىر ھەم تارىخشۇناس ، جۇغرايىپىشۇناس ھەم نوقۇل ئەدب بولۇپ ، ئۇ تۈزگەن يىلنامىنىڭ بىر قىسى هازىر غىچە يېتىپ كەلگەن . سەئىد يەنە بىر ئەدەبى توپلام تۈزگەن بولۇپ ، ئىسپان تىلىغا تەرجىمە قىلغۇچىلار ئۇنى « ئەرمب ئاندالۇزىيە شېئرىيەتتىنىڭ ئاخىرقى مراسى » دەپ ئاتىغان .

ئاندالۇزىيىلىك ئەرمىلەرنى ئەسىلدە ئۆزىنىڭ شەرقىتىكى ۋەتىندىن ئۇزاق قۇرۇقلۇق يولى ئايىرىپ تۇراتتى . بۇ يول ئەرمب قەبىلىلىرى شىمالىي ئافرىقىغا تاجاۋۇز قىلغاندىن كېيىن تېخىمۇ خەتەرلىك بولۇپ كەتكەندى . لېكىن ، كېيىنچە شەرق - غەرب ئوتتۇرا دېڭىز يولىنىڭ كېڭىيىشى بىلەن (بۇ ئەھلى سەلىپىنىڭ كىشىنى ھەيران قالدۇرارلىق قوشۇمچە مەھسۇلاتى) 12 - ئەسرىدە ئاندالۇزىيىدىكى ئەرمىلەرنىڭ شەرقىتىكى ۋەتىندىن ئايىرلىغاندىكى غېرىپلىق ھېسىياتى ئازدۇر - كۆپتۈر ئازايدى . سەۋەبى مۇسۇلمانلار دائىم (قىلچە قىيىنالماي) خىرىستانلارنىڭ سودا كېمىلىرىگە ئولتۇرۇپ ، سۈرىيە ، مىسر ئوتتۇرسىدا قاتنىيالايدىغان بولدى . ئاندالۇزىيىلىك ساياهەتچىلەرنىڭ شەرققە بارغانلىقى ھەققىدىكى پاكىتى ساناب تۈگەتكىلى بولمايدۇ . لېكىن ، ئۇلاردىن گارانادالىق تمۇھ ككۈلچى ئەبۇھامىد غەرناتى (1170 - يىلى ۋاپات بولغان) نىڭ ۋېنگرييە ، شەرقىي ياؤرۇپادا يەتنە يېل تۈرگىنىدەك ئەھۋال ناھايىتى ئاز ، دەرۋەقە ، ئۇنىڭ زىيارەتكە بېرىشتىن مەقسىتى ، مەككىدە ھەج قىلىش ئىدى . شۇ جەرياندا ئۇنىڭ ئاندالۇزىيىدە قىلغان ساياهىتى ھەققىدىكى مەشھۇر كىتابى مەيدانغا كەلگەن . فرانسييە شائىرى ۋە ھەدىسىشۇناس

ئىپىنى جۇبەير (1145 - 1217) 1183 - يىلىدىن بولغان تۈنجى هەج سەپىرىدىن بىر ساياهەت خاتىرسى يېزىپ، گاراناداغا قايتقاندىن كېيىن دەرھال نەشر قىلدۇرغان، بۇ كىتاب هەج قىلغۇچى حاجيلارغا يول باشلىغۇچى بولۇپ قالغان. ھېكاپىلەر تەسىرلىك بايان تىلىنىغاننىڭ سرتىدا، مىسر، ھىجاز، سۈرىپىنىڭ ھەرقايسى شەھەرلىرى توغرىسىدا تەپسىلىي بايان بېرىلىگەنلىكى تۈپەپلىدىن، بۇ كىتاب مەلۇم ئورۇنغا ئىگە بولغان. بۇ كىتابتىكى ۋەقەلىكلىرى غەربىتىكى ساياعەتچىلەرگە يول باشلىغۇچى بولۇپلا قالماستىن، شەرقتە جۇبەيرنىڭ ئوقۇغۇچىسى شەرىشمۇ ئۆزىنىڭ (ئەرەبچە « شەرىشدىن كەلگەن ئادەم » دېگەن مەندە) ھەرىرى ھېكاپىلەرى توپلىمىغا يازغان شەرھى كىتابىدا، بۇ كىتابتىكى ۋەقەلىكلىرى دىن نۇرغۇن ئىستاناتا ئالغان ۋە ئۇنى تاللاپ كىرگۈزگەن. بۇ كىتابنىڭ بىز ئۈچۈن ئەڭ قىممەتلىك قىسىمى مەككىدىكى ھەج قائىدىلىرى ھەققىدىكى تەپسىلىي خاتىرە بولۇپ، بۇ قىسىمىنى نەقل كەلتۈرۈش مۇۋاپىق ئەمەس. تۆۋەندە بېرىلىگەن دېڭىزدىكى قارا بوران ھەققىدىكى بىر ئابزاس تەسۋىر ئۇنىڭ ئەدەبى ئۇسلۇبىنى تېخىمۇ چۈشەندۈرۈپ بېرىدۇ.

چارشنبه ، تاڭ يۈرۈش بىلەنلا بوران جىقىب ، دېڭىز داۇلغۇشقا باشلىدى .
بوران بىلەن يالغۇر قوشۇلۇپ شۇ دەرىجىگە يەتتىكى ، ئۇنىڭ قۇدرىتى گويا ئوقىغا
ئوخشايتى ، ھەلمىز خىلابىشىپ نېمە قىلارىسىزنىس بىلەرىلا قىلداوق . كېمنلەك
ئىككى تىرىپىگە ئۇرۇلۇلغان دولقۇن خۇدۇسى يۈتكۈلۈۋاتقۇن تاغ جوقىغا ئوخشايتىس .
بىز كېچىجە ئۇمىدىسىزلىك شىجمە ئازابلاندۇق ، ئەتسى ئەتىگەندە ئەھۋالىڭىل -
پىل يېنىڭىلىك ئۇمىد قىلغان بولساقدۇ ، لېكىن بوران تېخىمۇ دەھستلىك ، تېخىمۇ
قورقۇنجلۇق ھۈركەرتىك باشلىدى . دولقۇن ئاسمان پەلەك ئۇرلىيتسى . جاھلن
قلار ئەنجلۇقتا جۈمگەندى . بوران ئەرسالات يالغۇر شۇنچە قاتقى ئىدىكى ، كېمنلەك

يەلكىنى توخىتتۇپلىش مۇمكىن بولىدى ، ئەمدى بىردىن بىر چاره كېمنىڭ
مۇسىدەسى كىچىك يەلكىنى ئېلىۋەتىلا شدى . لېكىن ، ئۇنىڭ تۈتۈشىمىز بىلەنلا
قىرا بوران كېلىپ يەرە - يەرە قىلوھەتى . هەتا مومنىمۇ سۈندۈرۈۋەتىس . شۇ تېبا
كېلىرىنىڭ قىلى قاتق ئۆمىدىزلىككە جۈمگەندى . مۇسۇلمانلار شىككى قولنى
بېڭىز كۆتۈرۈشۈپ دۇئا قىلىتىسى ... شۇ تېرەقىدە بىر كۈنىنى ئۆتكۈزۈق . كىجع
كىرىگەندە ، بوران بىر ئاز يېرىدى . بىز بىر يەلكىندىن زىيان تارتىقلۇن بولاقىمۇ ،
كېمىلىرى يەنە ئوغۇشلۇق هلا ئىلغا ئىلگىرلەكتە ئىدى ... بىز دەككە - دۇككە
شىجىدە يەنە بىر كېچىنى ئۆتكۈزۈق . تائى ئەمدالا يورۇشغا خۇدا تلىيەزىنى ئوڭى
قىلىدى . بۇلۇتلار تارقىلىپ هاوا ئېجلەدى . ئاخىر بۇلۇت شىجمىن كۈن يۈز ئاجىتى ،
دېڭىز تىنجىتىقا باشلىدى . كېلىرى خۇشلۇقتا جۈمىدى . ئۇلارنىڭ جىرايدا كۆلکە
جىلوھە قىلىدى ، دېڭەن ھەممىيەن ئىشىجىكە تولدى . - خۇداگا شۇكىرى ، خۇدا ئۆز
قۇدرەتنى نىعايىلەن قىلىدى !

ئىزاھاتلار :

① ئابباسلار خەلپىلىكىنىڭ ئاخىرقى مەزگىللەرىدە خەلپىلەر زورلۇق
بىلەن تۈرلۈك ئالۋاڭ - ياساقلارنى سېلىپ ، كەڭ ئەمگە كچى خەلقىنىڭ ئۆزلۈكىز
قوزغىلاڭ كۆتۈرۈشىنى كەلتۈرۈپ چىقاردى . ئۇلار 8 - خەلپىدىن باشلاپلا ،
پارسالارغا تاقابىل تۈرۈش ئۈچۈن تۈركىلەرىدىن ئەسکەر ئېلىپ مۇھاپىزەت قوشۇنى
قۇرۇشقا كىرىشىكەندى . كېيىنچە فېئودال ئۆشىق خاقانلار بۇلۇشۇپ ئىگىلەش
ۋاقتىدا ، خان قوشۇنلىرى ئاساسەن تۈركىلەر ۋە قۇللارىدىن ئارىلاش تەشكىللەندى .
تۈركىلەر قوماندانلىق تىلدى .

② مىنتوئن (1533 - 1592) — فرانسیسلىك ئەدب .

③ تولۇق ئىسمى جالالىدىن سۆيۇتى . 1505 - يىلى قاھىرىدە ۋاپات
بۇلغان . گۇدەكلىك يىللەرى يېتىلىكتە ئۆتكەن . ئەرەب ئەللەرى ۋە ھىندىستانىنى
ئايلىنىپ چىققان . ئۇ بىر جانلىق قامۇس بولۇپ ، تارىخ ، دىن ، ئەدەبىيات ، قىل
سادەلىرىدە ئۈچ يۈز نەچچە ئەسەر يازغان . ئۇنىڭ ئىچىدە « پورەكلىپ ئېچىلغان
گۈل » دېگەن ئەسەرى خېلى داڭلىق ئەسەر ھېسابلىنىدۇ .

- ① بىيداۋى — « قۇرئان » غا تەپسىر بىرگەن نۆلىما بولۇپ . 1286 - يىلى بېيىدا (بۇگۈنكى ئىراننىڭ غەربىي شىمالىدا) - دا تۈغۈلغان .
- ② بەدىئۈز زامان — ھەممەدانى .
- ③ ياقۇتنىڭ « ئىلشات » دېگەن كتابىدىن ئېلىنىدى . ئەگەر كتابخانىلار « مۇغامەت » نىڭ ئىجاد قىلىنىش تارىخى ۋە ھەرىرىنىڭ بوزەك قىلىنىش ھەم ئاخىرىدا غەلبىه قىلىشى بىلەن تونۇشماقچى بولسا . تەمام چانارنىڭ « مۇغامەت » نىڭ ئالدىنلىقى يىگىرمە ئالىتىنلىك ئۆپلىپتىنى تەرجىمە قىلىشتا يازغان كىرىش سۆزىنى ئوقۇسا (جەمىى ئەللىك كۆپلىپت) بولىدۇ - ئاپتۇرنىڭ ئىزاهاتى .
- ④ سەككاكى (1160 - 1229) - شائىر . ئەدبى . تىلىشۇناس . ئۆ خارەزىمە تۈغۈلغان . « ئىلىم - پەن ساۋاتلىرى » دېگەن كتابىنى يازغان .
- ⑤ تەغراشى (1061 - 1121) - خەتنات . سەلجۇق مەستۇت پادشاھلىقىنىڭ نوردا شائىرى .
- ⑥ ئىبىنى جەۋرى (1116 - 1200) - باغدادتا تۈغۈلغان . ھەنبىل مەزھىپىنىڭ قازىسى .
- ⑦ ئەسەۋى (? - 1241) - تارىخىشۇناس . پارس قان سىقىمىسىدىن .
- ⑧ ھەلب - سۈرپىمىنىڭ غەربىي شىمالىغا جايلاشقان قەدىمكى چوڭ شەھەر - ت .
- ⑨ ئۆسامە ئىبىنى مۇنقىز - ئەرمەپ بىيىچىلىرى ئىچىدىن چىقان ئەدب ۋە تارىخىشۇناس .
- ⑩ ئىبىنى ئەرمەپ - ئىپانىپىنىڭ مۇشىخ دېگەن يېرىدە تۈغۈلغان . توت يۈزدىن كۆپ ئەسرى بار . ئۇ « ئاقساقلالار ئاقساقلىنى » دەپ ھۇرمەتلەنگەن .
- ⑪ ئۆمر ئىبىنى فارىز - قاھىرىدە تۈغۈلغان . ئابىسالارنىڭ لىرىكىلىق شېئىر يازغۇچى مەشەور شائىرى . ئۆنىڭ « سىرىقلاشتۇرغۇچىلار يۈلى » . (« نەزمە سۈلۈك ») ناملىق مەشەور شېئىرلار توپلىنىمى بار . نۇرغۇن كىشىلەر ئۆنىڭ بۇ شېئىرلار توپلىمىغا ئىزاهات يازغان . ئۆنىڭ يەنە « قەدەھ كۈپى » قاتارلىق ئەسەرلىرى بار .
- ⑫ ئىكىۋىنىڭ « ئىسلام دىنىدىكى تەساۋۇپ ھەقىقىدە تەتقىقات » دېگەن كتابىدىن ئېلىنىدى - ئەسلى ئىزاهات .
- ⑬ خەرىك (1519 - 1675) - ئەنگىلىبە شائىرى . يازغۇچىلار جەئىيەتىنىڭ ئىزاسى .
- ⑭ ئەرمەپچە ئەسلى شېئىرنىڭ تېمىسىدىكى « مەشۇقۇم » دېگەن سۆز قوشۇپ قويۇلدى .
- ⑮ ئىسپامان - ئىراننىڭ قەدىمكى شەھرى . ئىمائەددىن ئىسپاھانى شۇ

يەردە تۈغۈلغان .

⑩ نىدواراد گىبان (1737 - 1794) — ئەنگىلەيە تارىخىشۇناسى . « دەنیپەرىيىسىنىڭ زەئىپلىشىسى ۋە مۇنقرىز بولۇشى » نىڭ ئاپتۇرى .

⑪ مەكىن — مىسر خىستىغان تارىخچىسى . ئۇنىڭ « قەدىمكى تارىخى » (ميلادى 6 - ئەسرىرىجە) ۋە « مۇسۇلمانلار تارىخ » (ميلادى 6 - ئەسرىدىن 1260 - يېلىغىچە) دېگەن ئەسرلىرى بار .

⑫ پىدا — تارىخىشۇناس . جۇغرابىيە ئالىمى . موڭغۇل ئەسکەرلىرىگە قارشى كۈرەشكە قاتناشقاڭان . « جۇغرابىيە لۇغىتى » . « ئىنسانىيەتنىڭ قىقىچە تارىخى » قاتارلىق ئەسرلىرى بار .

⑬ قۇپىتى — تارىخىشۇناس . ئەدەب . ئۇ ماپىمانىكا ئاسترونومىيە ۋە گېتۇرمەتىرىيە كىتابلىرىنى تۈزۈپ چىقىقا قاتناشقاڭاندىن كېيىن . سۈرىيە پادشاھى ئەزىزلىك ۋەزىرى بولغان .

⑭ ئىمىنى ئەپى ئۇسەبىتى (1203 - 1270) — دوختۇر . دەمەشقە تۈغۈلغان . ئۇ تۈزگەن « تىمىس ئىلىم جەۋەھەرلىرى » گە تارىختىكى مەشھۇر تۈپىلار ۋە ئۇلارنىڭ سۆزى كىرگۈزۈلگەن .

⑮ ۋەردىسۋارت ۋەليام (1770 - 1850) — ئەنگىلەيە شائىرى .

⑯ ئوتتۇرا ئەسرىدە ياؤرۇپالىقلار ئىسلام دىنغا ئېتىقاد قىلىدىغان ئەرمەبلەرنى شۇنداق ئاتايىتى .

⑰ رۇبىر (1095 - 1154) — سەتىلىيە پادشاھى . ئۇ تەختتىكى ۋاقتىدا يۇنان ۋە ئەرمەب ئەددەبىياتى ئۆزىشارا ئۆزەڭىگە سوقۇشتۇرغانلىقى ئۆچۈن ئىلىم - پەن . مەددەتىيەت ئىنتايىن راواجلانغان .

⑱ ئىستارايدۇ (ميلادىدىن بۇرۇنقى ؟ 58 - 25 بىللار) — يۇنان جۇغرابىيە ئالىمى . « جۇغرابىيە » دېگەن ئەسرىدە ئەرمەب دۆلەتلەر ئۇستىدە توختالغان .

⑲ « مۇۋەشىدە بىلەن زەجىال » — خەلق قوشاقلىرى بولۇپ . كۆپىنچە ھاللاردا خەلق شەۋىسى ناسىدا يېزىلىدۇ . ئۇ ئىسپانىيىدە دۇنياغا كەلگەن . زەجالنى بىرىنچى بولۇپ ئىپنى قەزمان ئەددەبى سەۋىيىگە كۆتۈرگەن .

⑳ 11 - ئەسرىدىن - 13 - ئەسرىرىجە فرانسېنىڭ جەنۇبىدا ۋە ئىتالىيىدە باش كۆتۈرگەن لىرىكىلىق شېئىر يازىدىغان شائىرلار مەزھىبى .

㉑ ئىپنى باجە — ئەرمەبلەرنىڭ داڭلىق پەلاسوپى . ئىسپانىيىنىڭ زىلگۇس دېگەن يېرىدە تۈغۈلغان . 1138 - يىلى ماراڭەشنىڭ خىس دېگەن يېرىدە باشقىلار ئەرمىدىن زەھەرلەپ ئۆلتۈرۈلگەن . ئۇنىڭ ئاؤرۇ ئېستىكى ئەسىرى ئىنتايىن زور ئىدى . باجە تىباابەتچىلىك . ماتېمانىكا . ئاسترونومىيە . مۇزىكا ساھەللىرى بىلەن ئىنتايىن تونۇش ئىدى . ئۇ ئارىستوتىلىنىڭ ئەسرلىرىگە ئىزاهات يازغان .

۱۱۸۵) — يازغۇچى . پەلاسوب ۋە سىياسون . ئىپسى تۈپەيل (؟ — نۇ ماتېماتىكا ۋە تىباھە تېجىلىك ساھەسىدىمۇ يۇقىرى مەلۇماتقا ئىگە بولغانلىقتىن . ئالىي دەرىجىلىك يۇقىرى ئەمەلدار بولغان . « ھابى ھەقىقىدە ھېكايدە » ئۆتىك ئاسالىق ئەسىرى ھېساپلىنىدۇ .

ئىپىنى رؤشت - يەنە بىر نىمى ئاۋۇرۇنىپس . ئەرەب پەيلاسوپى .
ئىپانمىيىنلەك كوردووا دېگەن بېرىدە تۈغۈلغان . دەنى قانۇن . شېشىرىيەت .
تىباھە تچىلىك . ماٰتىماٰتكا . ئاسترونومىيىنى تەتقىق قىلغان . 1182 - يىلى ئىپىنى
تۈپەيل تۈنى مەۋھىدون خانلىقىنىڭ پادىشاھى پېكىنىڭ تونۇشتۇرغان . شۇنىڭ بىلەن
ئۇ ھەم پادىشاھنىڭ شەخى دوختۇرلۇقىغا بەلگىلەنگەن . كېيىن كوردووا شەھىرىدە
قانۇن ئەمەلدارى بولغان . غەربلىكەر تۈنى « ئىزاهاتچى » دەپ ئاتايدۇ . چۈنكى . ئۇ
ئارىستوتېلىنىڭ نۇرغۇن ئەسرلىرىگە ئىزاهات يازغان .

۱۵ نیمنی سهین (۱۲۷۰ - ۱۲۱۶) — پهلاسوب . سوپی مزهپی
پله پستنگ تجاد چس . مه ککیده نوزنی قولتور و زالغان .

7 - باب

مەملۇك ددۇرى

(ميلادي 1258 - 1800 - ييللار)

موڭغۇللارنىڭ غەربىي ئاسىيائى تارقا - ئارقىدىن بىرنه چچە قېتىم ۋەيران قىلىشى ميلادى 1258 - يىلىدىكى باگداد شەھرىنىڭ بۇلاڭ - تالاڭ قىلىنىشى ۋە مۇستەقىل خەلپىلەر خەلپىلىكىنىڭ پاجىئەلىك ھالدا تارماق قىلىنىشى بىلەن يۇقىرى دولقۇنغا كۆتۈرۈلدى، لېكىن ئۇزاقتنى بۇيانقى تەرقىقىيات ۋەزىيەتى بۇنىڭ بىلەن تۈگىشىپ كەتمىگەندى. شەرقىتكى مۇسۇلمانلار دۇنياسى بۇلۇنۇپ، تەنها، كۈندىن - كۈنگە پارچىلىنىۋاتقان مەددەنیيەت رايونى بولۇپ قالدى. پېرىسىيەدە كونا مەددەنیيەتنىڭ گۈمران بولۇشى داۋامىدا پارسلارنىڭ ھېسياپاتىنى تامامەن پارس تىلى بىلەن ئىپادىلەيدىغان يېڭى مەددەنیيەت بارلىققا كەلدى. ئۇنىڭ تارمىقى بولغان يېڭى زېمن ئانا تولىيە ۋە ھىندىستاننىڭ شىمالىدىمۇ بۇ مەددەنیيەت راواجلىنىپ، تۈرك ۋە ھىندى ئالاھىدىلىكىگە ئىگە مىللەي ئەدەبىيات بولۇپ قالدى. مىسر (ئۇنىڭغا قاراشلىق دۆلەت سۈرىيىنەمۇ ئۆز ئىچىگە ئالىدۇ) موڭغۇللار ۋە ئەھلى سەلىپىنىڭ قوش زۇلمىدىن غەلبىلىك ھالدا قۇتۇلۇپ، ئەرەب ئەدەبىياتىنىڭ شەرقىتكى بىردىن بىر ۋارسى بولۇپ قالدى. ئىراققا بولسا، پەقه تلا بىر - ئىككى شائىر، بىرنه چچە پارچە يەرلىك يىلناھە، بەزى باشلانغۇچ، ئاممىبىپ سىياسىي، ئەخلاقىي تەلىمات تىزىسىلىرى ۋە «پەخرى» ناملىق ئىسلام دىننى تارىخىلا ① ئەرەب مەددەنیيەتكە

ۋە كىللەك قىلايىدىغان بولۇپ قالدى. ئىلاھىيەت ۋە قانۇنىشۇناسلىق توغرىسىدىكى ئەسرلەر ئاساسەن ئەرەب تىلدا يېزىلغان بولىسىمۇ، لېكىن بۇ ئىلمىي تارماقلار ئەدەبىيات تارىخدا ئاللىقاچان ئۆز ئورنىنى يوقاتقانىدى. ساپاھەتچى ئىبنى بەتتۇتە^② ئەرەب تىلى تەتقىقاتنىڭ ئاجىزلاپ كېتىش ئەھۋالنى جانلىق تەسۋىرلەپ بەرگەندى. ئۇ 1327 - يىلى بەسىرىدە ساپاھەت قىلىۋاتقىنىدا مۇنداق دەپ يازغانىدى.

« من بىر كۈنى سەجىتكى جۈم نامىزغا باردىم. ئىلەنلەك سۈزىدە بىرمۇنچە رونىن گراماتىكلىق خاتىلقاclar بىرىشى. من بۇ شەھۋالدىن فاك - تائى قىلدەم. كېيىن بۇ ھەقتە قازى بىلەن سۈزلىشىپ قىلدەم. ئۇ ماڭا، بۇ شەھىردا گراماتىكا بىلدىغىن بىرمۇ ئادەمنى تېبىلىش بولمىيدۇ، دەپ جاۋاب بىرىنى. بۇ ھەقتەنمۇ كىنىن جوڭتۇر ئويالا دۇردىغىن ئاڭاھالاندۇرۇش. ئىنى، ھەمىڭى قەزى قۇزىرەتلىك خۇدا! بىرە شەرەب گراماتىكىنىڭ نوبىزلىق شىرىلىپ سېۋىنلىك يۈرتسى، شەرەب تىلى گراماتىكىس مۇشۇ يېرە دۇنياغا كىلگەن ۋە مۇكىسىلاشىڭن. ئىلگىرى بۇ يەردەكى كىنلەر گراماتىكىغا كىلىلا تىزىقىرى يەللىك يەتكەندى. ۋەھلەنگى، بۇگۈنكى كۈندە مۇشۇ بىرىدىن وەز ئېتىقاندا خاتا سۈزلىسىدىغىن بىرەر ئىلەنمۇ تېبىلىش بولماش بولۇپ كېتىۋ!

بۇ بابتا مىسىرىنىڭ تۈرك ۋە ساكسىنلارەھەربىي دەرىجە تۈزۈمىنىڭ ھۆكۈمرانلىقى ئاستىدىكى دەۋرى سۈزلىنىدۇ. بۇ ھەربىي ھۆكۈمرانلار مەملۇك^③ (ئاق قۇللار) دېيىلىدۇ. بۇ بەش يېرىم ئەسىرنى ئىككى باسقۇچقا بۆلۈش مۇمكىن، 1258 - يىلدىن 1517 - يىلغاچە مەملۇكلىر مۇستەقىل ھۆكۈمران بولۇپ تۈردى، مىسىر ئۈزۈكىسىز تۈردى قوزغۇلائىنىڭ تەسىرىگە ئۇچراپ تۈرغان بولىسىمۇ، لېكىن ھىندىستان بىلەن بولغان سودىدا نۇرغۇن ماددىي بايلىققا ئىگە بولدى. بىراق، ئۇسمانىلار مىسىرنى بېسۋالغان يىلدىن ئېتىبارەن مىسىردا ئومۇمىزلىك كاساتچىلىق باشلاندى.

ئەدەبىيات سىياسىنى ئەكس ئەتتۈرىدىغان ئەينىك . ئۇ چاغدا ئەسرلەرنىڭ سانى ناھايىتى كۆپ ئىدى . لېكىن ، ئىجادىيەت سۈپىتى ، كەيىپىياتى ۋە تەسەۋۋۇر قىلىش ئىقتىدارى بولسا ، باشتىلا ئىنتايىن ئاجىزلىشىپ كەتكەندى . 10 - ئەسرگە كەلگەندە ئۇ تامامەن تۈگەشتى .

1 - 1258 - 1517 - يىللارىدىكى مىسىر ۋە سۈرىيە

مەملۇك دەۋرىدە پەقەت بىرلا شائىر ، يەنى بەربەرلىك بۇسىرى (1212 - 1296) ئۆزاققىچە شۆھەتكە ئىگە بولدى . ئۇنىڭ هايياتى توغرىسىدا ھېچقانداق ماتېرىبالغا ئىگە ئەمەسمىز . ئۇنىڭ دۇنياغا تونۇلۇشنىڭ ئاساسىي سەۋەبى شۇكى ، ئۇ پەيغەمبەرنى ۋە ئەخلاق - پەزىلەتنى مەدھىيەتتى . بۇسىرى يازغان « بۇردى » ^⑤ دا ، چۈشىدە مۇھەممەد پەيغەمبەرنى كۆرگەنلىكى ، مۇھەممەد بىلدەن ساقايىماں پالەچ كېلىنىڭ قويغانلىقى ، شۇنىڭ بىلەن ساقايىماں پالەچ كېلىنىڭ مۆجىزىلەرچە ساقىيىپ كەتكەنلىكى ئەسلىنىدۇ . بۇ ئەسر ناھايىتى تېزلا كىشىلەرنىڭ ماختىشىغا ئېرىشتى . شۇنىڭدەك ھازىرغۇچە ساقلىنىپ كېلىۋاتقانلىقىدەك ئاجايىپ قۇدرىتى بىلەن ئىززەت - ھۇرمەتكە ئىگە بولۇپ كەلمەكتە ، گەرچە بۇ كىتابنىڭ ئۆزى ئانچە ئالاھىدە ئورۇنغا ئىگە بولۇش سالاھىيىتىگە ئىگە بولمىسىمۇ ، « بۇردى » — « قەسىدە » بولۇپ « ناسىپ » شەكلىدە يېزىلغان ، ئۇنىڭدا ۋەز - نەسەھەت خاراكتېرىدىكى بىز ئابزاستىن كېيىن ، ئاساسىي تېمىغا كۆچىدۇ . شىئىرلىرىنىڭ گۈزەلىكى ۋە سوپىلار مەزھىپىنىڭ تەسىرىدىن قۇتۇلغانلىقىنى ھېسابقا ئالمىغاندا (بۇنىڭ بىلەن مەلۇم دەرىجىدە خۇشاللىنارلىق ئاددىي - ساددا ئۇسلۇب بارلىققا كەلدى) . بىزنىڭ

قىزىقىدىغىنىمىز ، ئۇنىڭدا ئوتتۇرا ئەسىرىدىكى پەيغەمبەرلەرگە دائىر
رىۋايەتلەر تونۇشتۇرۇلغان .

ئۇ چاغدىكى ئىنتايىن كۆپ جۇغراپپىلىك ھۈججەتلەرگە
كەلسىك ، بىز ئەمەلىيەتتىن ئاييرلىپ قارىسغا ئىشلەيدىغان
جۇغراپپىشۇناسلار ئۇستىدە تەپسىلىي توختالمايمىز . ئۇلار تۈرلۈك
يازما ۋە ئاغزاكى ماتېرىياللاردىن بەزى چوڭ ئەسەرلەرنى يازغان ،
شۇنداقلا ئۇلارنىڭ ئەلدەمەشقى (1327 - يىلى ۋاپات بولغان) گە
ئوخشاش يېقىن توغقالىلىرى ، كائىنات تەتقىقاتچىلىرى ئۇستىدىمۇ
توختالمايمىز . چۈنكى ئۇلار مۆجىزه يارتىش كويىدا بولغاچقا ،
ئەسەرلىرىدە تەتقىقاتقا بەرداشلىق بېرەلمىكۈدەك پاكىتلار كەمچىل ،
ئەبۇل پىدانىڭ مەشھۇر جۇغراپپىيە ئىلمىي ئۇستىدىمۇ
توختالمايمىز . چۈنكى ئۇ تېتىقسىز ئىلمىي جۇغراپپىلىك سان -
سېفىرلار بىلەن تولغان . بۇ ئەسەرلەرنىڭ تامامەن ئەكسىچە ،
رولچىلار ۋە دېڭىز چىلارنىڭ ھىندى ئوکيandىكى قاتنىشىدا زۆرۈر
بولغان تېخنىكىلىق قوللانىmlar مېيدانغا كەلدى . بۇ قوللانىmlاردا ،
ئەستە قالدۇرۇشقا ئوڭاي بولسۇن ئۈچۈن ، ئۆزۈن - قىقا تۈرالىق
نەزمىلەر قوللىنىلغان . مەدىنىلىك ئاتاقلقىك كېمىچىنىڭ ئوغلى ئىبنى
مەجىت 1489 - يىلى مۇشۇنداق بىر شېئرىي كىتاب ۋە پارسچە
نەسرىي ئەسەر يازغان . مەجىتنىڭ ئۆزىمۇ ئاتاقلقىك
كېمىچى (رىۋايەتلەرگە قارىغان ئۇ پاسكوداغاماغا ④ يول
باشلاپ ، ئافرقىدىن ھىندىستانغا ئېلىپ بارغان) ئىدى . ئۇنىڭ بۇ
ئەسەرلىرى تېخى يېقىندا تۇنجى قېتىم تېپىلدى ؛ بىللە تېپىلغان
ئەسەرلەر ئىچىدە ئۇنىڭدىن سەل كېيىنەك يېزىلخان كەڭلىك
گىرادۇسىنى كۆزىتىشكە دائىر بىر تۈركۈم ماقالىلارمۇ بار .
بۇنىڭدىن باشقا خاس ئىجادچانلىققا ئىگە جۇغراپپىلىك
ئەسەرلەردىن بىر قېتىملق يەر ئۆلچەش ۋە « ئەنگلىيىنىڭ يەر

ئۆلچەش رسالىسى » غا ئاساسەن 1315 - يىلى تۈزۈلگەن مىسرنىڭ يەر شەكلىگە دائىر تەپسىلىي بايانى بار . ئىشلىتىشكە ئۇئاي بولسۇن ئۈچۈن بۇ ئەسەرلەر دائىم قىسقار تموبىتىلەتتى . مەسىلەن ، قەلقەشەندى (7) 1418 - يىلى ۋاپات بولغان) نىڭ كاتىپلىرى قوللاڭغان مەزمۇنى كەڭ بولغان كومپاس ھەققىدىكى قوللانىدا شۇنداق قىلىنغان . ئەسەر ئەدەبى خاراكتېرىلىك ئۆزۈن مۇقەددىمە بىلەن باشلىنىدۇ . ئۇنىڭدىن كېيىن يېزىقچىلىق ئۆسۈلى ۋە خەتتاتلىقتا رئايە قىلىشقا تېكىشلىك قائىدىلەر . يۈل يۈرۈش ، يەرنىڭ ھەجمى قاتارلىق تېخنىكىلىق تەپسىلاتلار سۆزلىنىدۇ ، ئاندىن ئاپتۇر مىسر ، سۈرىيە ياكى باشقا مۇسۇلمانلار ياكى غەيرىي مۇسۇلمانلار رايونلىرىنىڭ جۇغرابىيەلىك ئەھۋالى توغرىسىدىكى بابلارغا كۆچىدۇ . بۇ مىسرنىڭ مەمۇرىي ئاپپاراتلىرى ، سىياسى ئورگانلىرى ، پوچتا لىنىيىسى ، خەۋەرچى كەپتەرلەر بېكىتىنىڭ تارقىلىشى ، ئوخشىمىغان مىللەتلەرنىڭ تارىخى ، چەت ئەل ھۆكۈمرانلىرى بىلەن خەت - چەك ئالماشتۇرۇش قائىدىسى ، ئۇنىڭدىن باشقا ، خەت - ئالاقە ۋە ھۈججەت تۈزۈمى ، ھۈججەتلەردىن نەقللىر ، ئارخىپ قالدۇرۇش تېخنىكىسى قاتارلىق خىلەمۇ خىل نەرسىلەرنى ئۆز ئىچىگە ئالىدۇ . بىز بۇ ماتېرىياللاردىن 14 - ئەسەردىكى مۇسۇلمانلار دۇنياسىغا دائىر نۇرغۇنلىغان قىممەتلەك ماتېرىياللارغا ئىگە بولدۇق .

ۋىزانتىيە دەۋرىدە ئەدەب ئەدەبىياتىدا بىرمۇنچىلىغان قامۇس ۋە تەزكىرىلەر دۇنياغا كەلگەن . بۇ ئەسەرلەر سانىنىڭ كۆپلۈكى جەھەتنىن ھەتتا ئالدىنلىقى دەۋرلەردىكىدىن ئېشىپ كېتىدۇ . تەزكىرە جەھەتتە ئەڭ ياخشىسى زەھەبى (1348 - يىلى ۋاپات بولغان) نىڭ « ئىسلام تارىخى » بىلەن سەپادى (8) 1363 - يىلى ۋاپات بولغان) نىڭ كۆپ توپلاملىق لۇغىتىدىن ئىبارەت . بۇ

ئىككى مەشھۇر ئەسەرنىڭ پەقدەت بىر قىسىملا نەشر قىلىنىدى . بۇ
 ئىككى ئاپتۇرنىڭ مەقسىتى ئالدىنلىقى يەتنە ئەسرىدە ئۆتكەن زاتلار
 ئۈستىدە ئۇنىۋېرى سال تەز كىرە يېزىش ئىدى . بۇ ئىككى ئەسەرنىڭ
 ئالدىنلىقىسىدا يىللار بويىچە رەتكە تىزىش شەكلى قوللىنىلغان ،
 « لۇغەت » ھەرب تەرتىپى بويىچە رەتكە تىزىلغان . تارىخشۇناس
 ئىبىنى ھەجەر (1449 - يىلى ۋاپات بولغان) يۈز يىللەق خاتىرىگە
 بېغىشلاب لۇغەت تۈزۈشتىن ئىبارەت يېڭى ئۆسۈلىنى تونۇشتۇرغان .
 ئۇ ئۆزىنىڭ ئۆسۈلى بويىچە 8 - ئەسرىدە (مىلادى 14 - ئەسرىدە)
 ۋاپات بولغان مەشھۇر كىشىلەر ئۆچۈن تۆت توملۇق ئەسلىمە
 يازغان ، ئەسەرنىڭ مەزمۇنى ناھايىتى كەڭ دائىرىدە تاللانغان
 بولۇپ ، ئۆزىنىڭدا ھەرقايىسى دۆلەتلەرنىڭ سۇلتانلىرى ، ئىسلام
 دۆلەتلەرىنىڭ ۋەزىرلىرى ، ئەمەلدارلىرى ، ھەربىي باشلىقلرى ،
 ئالىملىرى ، ئەۋلىيالرى . شائىرلىرى سۆزلەنگەندىن سرت
 سودىگەرلەر ، شاھماتچىلار ، ھەتنا بىر - ئىككى قاراقچىمۇ بار .
 كېيىنكى بىر ئەسرىدە ساخاۋى (1497 - يىلى ۋاپات بولغان) ئۇن
 ئىككى توملۇق بىر لۇغەت تۈزگەن . ئۆزىنىڭ 12 - تومىغا مەخسۇس
 مەشھۇر ئاياللار كىرگۈزۈلگەن . ئۆزىنىڭدىن باشقۇا قىممەتكە ئىگە
 قامۇس خاراكتېرىلىك ئەسەرلەرگە يەنە قەلقەشەندىنىڭ ئۇن تۆت
 توملۇق « توپلام » ئى بىلەن دەمىرى ④ (1405 - يىلى ۋاپات
 بولغان) نىڭ ھايۋانات لۇغىتىمۇ كىرىدۇ . كېيىنكىسى بولسا ھەم
 ئەسەبىي ئەسەر ، ھەم تەبىئىي پەنگە دائىر ئەسەر بولۇپ ،
 قىممەتلەك بىلەم مەنبەسى ھېسابلىنىدۇ .

شۇنى ئىنكار قىلىشقا بولمايدۇكى ، قامۇس شەكلىدىكى
 مۇنداق توپلاش ئىشى مەلۇم ھاياتىي كۈچكە ئىگە بولسىمۇ ، لېكىن
 ئۆمۈمىي جەھەتتىن قارىخاندا ، ئۇنى تەسەۋۋۇر قۇۋۇتىنىڭ
 مەھسۇلاتى دېگەندىن كۆرە ، تىرىشچانلىقىنىڭ جەۋھىرى دېگەن

ياخشىراق . ئۈزاق مەزگىل توختاپ قالغان ئىلاھىيەت ئىلمى ، قانۇنىشۇناسلىق ، تىلىشۇناسلىق ساھەلرىدە تېخنىكلىق ئەسەردىن ئالىسى مەيدانغا چىقتى ، ئىدىيە جەھەتتىكى خاسلىق ئىنتايىن قىزىقارلىق حالدا ھېچقانداق ئۆمىد بولىغان يەردەن بۆسۈپ چىقتى . بۇ جەھەتتىكى ئەڭ كەۋدىلىك كىشى دەمەشقلەق دەنى مۇتەپەككۈر ھەم يېڭىلاش تەرەپدارى ئىمبىنى تەيمىيە¹⁰ (1328 - يىلى ۋاپات بولغان) بولدى . تەيمىيە سۇلتاندىن ، دوختۇرلاردىن ، قامىلىشتىنە قورقماي ، قایناق مۇنازىرىدە سوپىلار مەزھىپىنىڭ خۇراپاتلىقىغا ۋە ھەرقايىسى ئىلمى ئېقىملارنىڭ قاتماللىقىغا قارشى تۇردى . 18 - ئەسرىگە كەلگەندە ، ئۇ ئەرەب يېرىم ئارىلىدىكى ۋاخابىيۇنلار ئىچىدە قەدر - قىممەتكە ئىگە بولدى . بۇ گۈنكى كۈنگە كەلگەندە ، ئاندىن ئۇنىڭ تالانتى كىشىلەر تەرىپىدىن تېخىمۇ كەڭ دائىرىدە ماختالماقتا .

مەملۇك دەۋىردى ، كىشىلەرگە ئەڭ چوڭقۇر تەسر فالدۇرغان ئەسەرلەر تارىخشۇناسلىق ساھەسىگە مەركەزلىشكەن ، بۇ دەۋىردى ئۇلۇغ تارىخشۇناسلار پېرسىيە ۋە تۇنىستىن¹¹ چىققان بولسىمۇ ، بىرمۇ دۆلەتتە 14 - 15 - ئەسەردى مىسىر ۋە سۈرىيەدىن چىققاندەك بىر قاتار ھەققىي تارىخچىلار چىققان ئەمەس ، بۇ يەردە ئۇلارنىڭ ئىسمى ۋە مۇھىم ئەسەرلىرىنى مىسال كەلتۈرىدىغان بولساق نۇرغۇن سەھىپىنى ئىگىلەپ كېتىدۇ . ۋە كىل سۈپىتىدە پەقەت بىرىنىلا مىسالغا ئالايلى . مەقرى (1346 - 1442) نى ئۆز زامانىسىدىكىلەرگە سېلىشتۈرگاندا (بەلكى ئانچە خاسلىق ياكى تەنقىدىي كۆزقاراشقا ئىگە ئەمەس ، ئالدىنلىرىنىڭ ئەسەرلىرىنى ئۆزىنىڭ قىلىۋېلىش جەھەتتە ئوخشاشلا ئەخلاقلىق ئەمەس بولسىمۇ) ، ئۇ قىزىقىشنىڭ ئەتراپلىقى تۈپەيلىدىن . جاپا - مۇشەققەتتىن باش تارتىمای تارىخ ۋە ئىقتىساتقا دائىر ماتېرىياللارنى

توپلاش ۋە رەتلەش بىلەن نام چىقارغان . مەقرى مىسىز ھەققىدە
 بىر يۈرۈش پايدىلىنىش كىتابى تۈزۈش ئۆمىدىدە بولۇپ ، بۇنىڭغا
 ئۆمرىنىڭ ئاخىرقى يېڭىرمە يېللق زېھىنى سەرب قىلغان . ئۇ
 بىزگە نۇرغۇنىلىغان قىممەتلىك مىراسلارنى قالدۇردى : ئۇلار :
 مىسىرنىڭ يەر شەكلى توغرىسىدىكى ئىنتايىن تەپسىلىي ماتېرىيال
 (ئىسمى « خىتاتۇ ») ، ئۇنىڭدا مىسىرنىڭ قەدىمكى ئۆرپ -
 ئادەتلىرى يېزىلغان ؛ فاتىمە دەۋرىدىكى « ئۇيرتىبال »
 تارىخىغا دائىر ماتېرىياللار ، ئەپسۈسکى ، بۇ ماتېرىيالنىڭ ئاخىرقى
 قىسىمى يوقلىپ كەتكەن : ئەيۈبى (خانلىقى بىلەن مەملۇك
 خانلىقى (سۈلۈق) نىڭ 1440 - يىلىغىچە بولغان غەيرىي رەسمىي
 تارىخى ، مىسىرنىڭ ئادەم ئىسىمغا دائىر بىرنەچە توملۇق
 لۇغىتنىڭ تۈگىمىگەن ماقالىسى — بۇنىڭغا تۈزۈلگەن
 پىلان شۇنچىلىك زوركى . ئۆز كۈچى بىلەن مۇناسىپ
 ماتېرىياللارنى توپلاشقا توغرا كەلسە (پۇل چىقىرىشنىمۇ ئۆز
 ئىچىگە ئالىدۇ) ھەقىقەتەنمۇ كىشىنى ھەيران قالدۇردى ؛ ئۇنىڭدىن
 باشقا تارىخي تېمىدىكى بىرنەچە مەخسۇس تېمىلىق ئىلمىي
 ماقالىدىن ئىبارەت .

يەنە بىر تارىخشۇناس ئىبنى ئەرەباش (1392 – 1450)
 بولۇپ ، ئۇ تەرجىمەمال يېزىش بىلەن ياؤرۇپاغا تونۇلغان . ئۇ
 دەمەشقىدە توغۇلغان . بالىلىق چېغىدا تۆمۈر (ئاقساق تۆمۈرلەڭ)
 تەرىپىدىن سەمەرقەنتىگە ئېلىپ كېتىلگەن ، كېيىن ئۇسامانلاردا
 ئوتىرىنۇپونىڭ مىرزا ۋەزىرى بولغان ، ئاخىرىدا دەمەشق ۋە
 قاھىرىدە ئەدەبىيات تەتقىقاتى بىلەن شۇغۇللانغان . ئۇ گۈزەل نەزمە
 ئۇسلۇب بىلەن تۆمۈرنىڭ تەرجىمەمالى « تەڭرىنىڭ باتۇر
 ئوغلانى » (« ئاجايىپ مەقدۇر ») نى يازغان . كىتاب گۈزەل
 قاپىيەلىك جۇملىلەر بىلەن يېزىلغان ھەم شۇ چاغدىكى پارس

يازغۇچىلىرى ياخشى كۆرىدىغان بەزى نەزمە ۋە تەسۋىرلەردىن نەقىللەر كىركۈزۈلگەن ، لېكىن شۇ چاغدىكى پارس ئەسرلىرى ۋە ئۇنىڭدىن بۇرۇنقى دەۋرلەردىكى ئەرمەب نەزمە ئەسرلىرىگە سېلىشتۈرغاندا ، بۇ ئەسرنىڭ قۇرلىرىدىن بۇ موڭغۇل قەھرىمانغا بولغان دۇشمەنلىك چىقىپ تۈراتتى . ئۇنىڭ باشقا ئەسرلىرى مۇنداق يۇقىرى ئابرويغا ئىگە بولالىمىدى . پەقهتلا « خەلپىنىڭ كۈتۈۋېلىشى » دېگەن ئەسىرى بىرقەدەر داڭلىق بولۇپ ، ئۇسلۇبى قەدىمكى شىمالىي پېرسىيە چۆچە كلىرىگە ئوخشىدۇ .

ئۇسمانلار بېسۋېلىشتىن بۇرۇنقى يېرىم ئەسىردى ، مەملۇك خانلىقىنىڭ قامۇس تۈزگۈچىلىرىنىڭ قوشۇنى ئىسلامىيەتنىڭ ئاتاغلىق كۆپ مەھسۇلاتلىق يازغۇچىسى جالالىدىن سۇيۇتى (1445 – 1505) بىلەن ئاخىرلاشتى . يۇقىردا كۆرۈپ ئۆتكىنلىمىزدەك ، ئەرمەب ئەدەبىياتىدا ئەسرلىرىنىڭ سانى ئۈچ خانلىق رەقەمگە يەتكەن يازغۇچى ئاز بولمىسىمۇ ، لېكىن سۇيۇتىنىڭ رىۋايەتلەرنىڭ كۆپلۈكىگە ھەقىقەتەنمۇ كىشىنىڭ ئىشەنگۈسى كەلمەيدۇ . ئۇنىڭ قولىدىن چىققان ئەسر 561 خىل بولۇپ ، بۇنىڭدىن 450 خىلى ھازىر غىچە يېتىپ كەلگەن . دەرۋەقە ، بۇ ئەسرلەرنىڭ بەزىلىرى بىرنەچە بەتلىكلا ماقالىلار توپلىمى ، لېكىن نۇرغۇنى چوڭ تىپتىكى ئەسرلەر بولۇپ ، ئۇنىڭدا ھازىرقى زامان ئەدەبىياتى ۋە پەن تەتقىقاتىنىڭ پۇتكۈل ساھەسى ئۇستىدە توختالغان . ئۇنىڭ ئەسرلىرىنىڭ بەزىلىرى تۈرلۈك نەقىلدىنلا ئىبارەت . مەسىلەن ، ئىلاھىيەت ھەقىدىكى بىرمۇنچە تەپسلا تلار (جۇمە نامىزىنىڭ قانچە كىشىدىن تەشكىل تاپىدىغانلىقى) يېزىلغان مەخسۇس تېمىدىكى ماقالىلاردا شۇنداق ؛ بەزىلىرى قولىدىكى ماຕېرىياللارغا ئاساسەن ئۆزگەرتىپ يېزىلغان بولۇپ ، ناھايىتى ياخشى ئۆزگەرتىلگەن ئۆزگىچە ئەسرلەردىن ئىبارەت .

بۇنىڭ ئىچىدە مۇھىملىرى مۇنۇلار : (1) « قۇرئان » غا ئالاقىدار ئىلمىي ماقالىلار [« ئىتقان » (مۇكەممەللەك) ، 119 - بېتىدە نەقىل بار] ، (2) وە (3) « قۇرئان » تەپسىرى ۋە ئەرەب گرامماتىكى توغرىسىدا بايان : (4) « خەلپىلەر تارىخى » : (5) مىسر تارىخى ، ئاسار - ئەتقىلىرى ، تۈزۈمى ، شۇنىڭدەك مەشھۇر كىشىلەر توغرىسىدىكى رسالە (ئاخىرقى قىسىمغا ئاپتۇرنىڭ تەرجىمەھالى كىرگۈزۈلگەن :) . سۈيۇتى ئەسەرلىرىنىڭ مەزمۇنى كەڭ ، ئىخچام ، ئىشلىتىشىكە قولاي بولۇپ ، تېزلا ئىسلام دۇنياسىدىكى كەڭ كىتابخانىلارنى ئۆزىگە جەلپ قىلدى . ئۇنىڭ ئەسەرلىرى تۆت ئەسەردىن بۇيان مۇسۇلمانلارنىڭ قەدىمكى رىوايەتلەرىنى چۈشەندۈرۈش ۋە بايان قىلىش جەھەتتە بىردىك نوپۇزغا ئىگە بولۇپ كەلمەكتە .

كلاسىك ئەدەبىياتنىڭ خارابلىشى هامان يەرلىك شۇۋە ۋە خەلق ئەدەبىياتى ئۈچۈن شەرت ھازىرلاب بېرىدۇ . ئەرەبىستاننىڭ شەرقى ياكى غەربىدە خەلق ناخشىلىرى ۋە مۇھەببەتكە دائىر خەلق چۆچە كىلەرى كىشىلەرنىڭ تېخىمۇ دىققىتىنى تارتىشقا باشلىدى ؛ سەنئەت مۇنبەرلىرىدە ھەتتا ئاددىي شۇۋىلەردىن بېزىلغان غەزەللەر بارلىققا كەلدى . بۇ غەزەللەر ئىلگىرى ھەشىمەتلەك سەھنىلەرگە چىقىرىلمايتتى . لېكىن ، ئىلمىي تەتقىقات ئاز سانلىق كىشىلەرنىڭ قولىغا مەركەزىلەشكەنلىكى ۋە كونا ئۆرپ - ئادەتلەر چەكلىمىسى تۈپەيلىدىن ، بۇ خىل ئۇرۇنۇش ئۇجۇقتۇرۇۋېتىلگەندى . نۇرغۇنلىغان پاكتىلار ئىسپاتلىدىكى ، بۇ چەكلىمە ۋە تىزگىنلەش ناھايىتىمۇ ئۇنۇملۇك بولغانلىقتىن ، بىرەرمۇ ئەرەب شۇسى ئەدەبىياتنىڭ قورالى بولالىغان . يەنە بىر تەرەپتىن ، خەلق ئەدەبىياتى ئەدەبىيات مۇنبېرىدىن ئاران بىر كىشىلەك ئۇرۇنغا ئىگە بولالىغان ، بەزى ئەسەرلەر ناھايىتى

تەسلىكتە ئەدېسى ئۆلچەمگە ماسلىشالىغان . شۇڭا ، ئەرەب
 ئەدەبىياتىدا بىر تۇتاش چۆچەكلىرى ۋە مۇھەببەت چۆچەكلىرى
 مەيدانغا كەلگەن . بۇنىڭ ئىچىدە « مىڭىز كېچە » ناملىق
 چۆچەكلىرى توپلىمى دۇنيا ئەدەبىياتىدا ئەبىدى شۆھەتكە ئىگە .
 بەلكى ئۇ سانسز ئىسلام ئەدەبىياتى ئىچىدە ياؤروپالىقلارغا تونۇش
 بولغان بىرىدىن بىر ئەسەر بولۇشى مۇمكىن . « مىڭىز
 كېچە » ⁽¹⁵⁾ نىڭ دەسلەپكى تارىخى هازىرغىچە ئىنسىق ئەمەس ،
 شەھىزات بىلەن دۇنيا زاتنىڭ ⁽¹⁶⁾ ئاساسىي ھېكايلرىنى
 ھىندىستانغا تەتبىقلاش مۇمكىن . بۇ ھېكايلەرنى مۇشۇ تىپتىكى
 ئەدەبىي توپلام (مەسلەن ، « يۈزبىر كېچە ») نىڭ ئورتاق
 قۇرۇلمىسى دېيش مۇمكىن ، قىسمەن مۇقىماشتۇرۇشقا بولىدىغىنى
 شۇكى . گەرچە « مىڭىز كېچە » پارسچە بىر قەدىمكى
 ھېكايلەر توپلىمىنى تەرجىمە قىلىشتىن باشلانغان بولسىمۇ ، لېكىن
 كېيىنچە يېڭى ھېكايلەر پەيدىنېي كونا ھېكايلەرنىڭ ئورنىنى
 ئىگىلىكىن . ئەمەلىيەتتە ، هازىرغىچە بىرەر ھېكايلەر
 توپلىمى « مىڭىز كېچە » نى شەكىللەندۈرگەن خام
 ماتېرىيال دەپ قارالغىنى يوق . سۆزلىكۇچىلەر ھەربىر كېچىلىك
 ھېكايسىنى ئوخشىغان ماتېرىياللاردىن قۇراشتۇرۇپ چىققان . بۇ
 ماتېرىياللار بولسا ، تمامامن ئوخشاشىغان دۆلەتلەرنىڭ خەلق
 ئەدەبىياتىدىن كەلگەن ، بەزىلىرىدە ئەسلى ماقالا تىلىنىڭ ئەدەبىي
 جەھەتتىكى توغرىلىقى تەرەپتىن ئېيتقاندىمۇ ، پەرق ناھايىتى زور .
 « مىڭىز كېچە » نىڭ ياؤروپا تىلىرىدىكى تەرجىمىسى خېلى
 بۇرۇنقى تۈزىتىلگەن نۇسخىدىن تەرجىمە قىلىنغان ؛ ئۇ هازىر
 قوللىنىلىۋاتقان ئومۇملاشقان نۇسخىدىن خېلى بۇرۇن نەشر
 قىلىنغان . بىراق ، كىشىنى ھۇزۇرلاندىغان ئىككى ھېكايه -
 ئەلى بابا بىلەن ئالاھىدىنىڭ ھېكايسى ⁽¹⁵⁾ چۈشۈپ

قالغان . « مىڭىرى كېچە » نىڭ ھېكايدىلىرى ، كېلىش مەنبەسىنىڭ قانداق بولۇشىدىن قەتىئىنەزەر ، گالەن خەلق چۆچە كلمىرىگە ئوخشاش روشن مۇسۇلمانلار ئىدىيىسى ئىگى بىلەن تولغان . پۇتكۈل ئەسر گويا بىر دىكراتسىيە بولۇپ ، ئەرەبلىر ئۇنىڭدا ئۆز ئوبرازىنى ئاڭىز بولسىمۇ ، ئەينەن ، مۇستەھكم قالدورغان .

لېكىن . « مىڭىرى كېچە » ئەرەب ئەللەرىدە ئوتتۇرا ئەسر خىيم - خەتەر رىۋايەتلەرىدەك كەڭ تارقالغان ئەمەس . ئۇ رىۋايەتلەرىدىكى ئاتلىق چەۋەندازلار ھېكايدىلىرى بەزىدە نەسىرى ئەسەر شەكلىدەلا ئۇچرايدۇ . دائم ئۇچرايدىغىنى نەسىرى بايانمۇ ، نەزمىمۇ بولغان ، بەزى تارىخى شەخسلەر ۋە قىزقاڭلىق ۋەقەلەر تەسۋىرلەنگەن ئەسەرلەردىن ئىبارەت . بۇ جەھەتتە ھەممىگە تونۇش بولغىنى قوللۇقتىن كېلىپ چىققان قۇملۇق شائىرى باتۇر ئەنتەرە . ئەنتەرەنىڭ ھېكايدىلىرى مەملۇك خانى بەيارنىڭ ئەھلى سەلىپنىڭ يىرافقا يۈرۈش قىلىشىنى بايان قىلغان ھېكايدىلىرىگە ئوخشاش كەڭ ئاممىنىڭ ئالقىشىغا ئېرىشتى . ياؤرۇپالىق كىتابخانلار ئۇچۇن ئېيتقاندا (ئاڭلىغۇ چىلارغا نىسبەتەنمۇ شۇنداق . چۈنكى ، بۇ تېپتىكى ھېكايدىلەر دائم ئىنتايىن تېز رىتىم بىلەن كافىخانىدىكى خېرىدارلارغا دېكلاماتىسىيە قىلىپ بېرىلىدۇ) . ئوخشىشپ كېتىمىدىغان بەزى ۋەقەلەرنىڭ قايتا - قايتا تەكرا لىنىشى كىشىنى زېرىكتۈرۈسمۇ ، لېكىن ئۇلارنىڭ ئەرەبلىرددە پەيدا قىلغان تەسۋىرلەندۈرۈش كۈچىنى ئىنكار قىلغىلى بولمايدۇ .

تالانلىق يازغۇچى ، كۆز دوختۇرى ئىبنى دانىيال ⑯ (1310 - يىلى ۋاپات بولغان) خەلق ئارسىدىكى بىر خەل ئويۇن - تېرە قوچاق ئويۇنىنى ئەدەبىيات بىلەن بىرلەشتۈرۈشنى ئويلىخان . ئەگەر ئەرەبلىر مۇشۇ پۇرسەتتىن پايدىلىنىپ تىياتىر ئەدەبىياتىنى

را او جلاندۇرغان بولسا، بۇ تولىمۇ قىزىقارلىق ئىش بولاتنى.
لېكىن، ئۇلار بۇ پۇرسەتنى قولدىن بېرىپ قويغان، سەل - پەل
شەپە بىلەن ئۆتۈپ كەتكەن بۇ پائالىيەتنى ھىسابقا ئالمىغاندا، تېرى
قوچاق ئويۇنى يەنلا روناق تاپىغان، شۇنىڭ بىلەن ئەرمىلەرنىڭ
درامسى تۈگىشىپ كەتكەن.

2- ئىسپانىيە ۋە غەربىي شىمالىي ئافرقا

مۇۋەھىت خانلىقى 13 - ئەسىرنىڭ بېشىدا ئاغدۇرۇپ
تاشلاندى. خىستەنلار ئاندالۇزىيىنى يەنە بىر قېتىم بېسۋالدى.
جەبىلتارق بوغىزىدىن گرانادا غىچە بولغان ئۆزۈن بەلباغلار يەنلا
ئەرمىلەرنىڭ قولىدا ئىدى. بۇ ۋەقەنىڭ ئىسپانىيە - ئەرەب
ئەدەبىياتىغا بولغان تەسىرى ناھايىتى زور بولدى. مورلار
مەدەنىيەتى ئىسپانىيىدىن قىپقالغان بۇ كىچىككىنە زېمىندا ئۆز
ئەسىر داۋام قىلدى. پايتەخت گرانادىكى پادشاھلىقلارنىڭ
ھەشمەتلەك سارايلىرى بۇنىڭ كۈچلۈك سەمۇولى. بىزنىڭ
قولىمىزدا بۇ دەۋردىكى ئەدەبىيات توغرىسىدا پەقەت بىرنەچە
پارچە كەم - كۆتە ئەسىرلا بار. بۇنىڭ قىسىمن سەۋەبى شۇكى،
فىندىنان بىلەن ئىسابلا قايتا ئىشغال قىلىنغاندىن كېيىن،
مۇسۇلمانلارنىڭ ئەسىرلىرى كۆپلەپ يوقلىپ كەتكەن.
شۇنداقتىمۇ بىز يېزىقچىلىق ماھارىتى جەھەتتە كەسىپداشلىرىدىن
كۆپ يۇقىرى تۈرىدىغان بىر يازغۇچىنى كۆرسىتەلەيمىز. ئىبنى
خەتىپ (1313 - 1374) ئۆزىنىڭ بوران - چاپقۇنلۇق سىياسى
ھاياتىدىن ۋاقتىن چىقىرىپ، كىشىنى ھەيران قالدۇراللىق كۆپ
خىل ئەدەبىي پائالىيەت بىلەن شۇغۇللانغان. خەتىپنىڭ ھازىر غىچە
ساقلىنىپ كېلىۋاتقان نەشر قىلىنغان ئەسىرلىرى ۋە قولىيازىلىرى
ئىچىدە بىر نەچە شېئىرلار توپلىمى، خەت - چەكلەر توپلىمى ۋە

ھۇججه تىلەر توپلىمى بار . بەزى تارىخى ئەسەرلىرى ، مەخسۇس تېمىدىكى ماقالىلىرى ۋە نەسرىي ئەسەرلىرى . بولۇپىمۇ گرانادانى بايان قىلىدىغان ئەسەرلىرى بىز ئۈچۈن ئالاھىدە قىممەتكە ئىگە . خەتىپ پەدەزەنگەن نەسرىي ئەسەرلەرنى يېزىشقا ئامراق بولسىمۇ ، بۇنداق ئەسەرلەر ئۇنىڭ قەلىمىدە دەسلەپكى تەبىئى ، گۈزەل ئۆسلىوبىنى تاپاتتى . خەتىپ ئاندالۇزىيىنىڭ ئاخىرقى شائىرى ۋە « مۇۋەشىشە » يازغۇچىسى دەپ قارىلىشى كېرەك . بۇنداق قوش قاپىيىلىك نەزمىلەر ئىسپانىيىدە 14 – ئەسەرنىڭ ئاخىردا تۈگەپ كەتكەن .

ئۆلکىدىكى خەلقەرنىڭ خەستىانلارغا قارشى غازات قىلىشىغا ئىلھام بېرىش ئۈچۈن ، گرانادىكى ئىبنى ھۈزەپل غەرناتى ① خاننىڭ بۇيرۇقى بىلەن مىلادى 1400 – يىلى « ئاتاغلىق ئەسەرلەرنىڭ تولۇق قوراللىنىشى ۋە پالۋانلارنىڭ بايرىقى » نى يازدى . بۇ پۇتۇنلەي ئىلگىرىكىگە ئوخشمايدىغان كىتاب ئىدى . بىزگە مەلۇم بولغىنىدەك ، ئارغىماق پۇتكۈل ئەرمەب ئەدەبىياتىغا ئىلھام بېغىشلىغان . ئىبنى ھۈزەپل غەرناتى ئۆز كىتابىدا ھازىر غىچە تارقالمىغان دەسلەپكى دەۋر ئەدەبىي ئەسەرلىرىنى ئاساس قىلىپ تۈرۈپ ، ئاتنىڭ گەۋدىسى ، تۈرى ، خۇيى ، يورغىسى ، ئىگەر – جابدۇقلرى ۋە ئات ئۆستىدە قورالنى قانداق ئىشلىتىش قاتارلىقلارنى تەپسىلىي بايان قىلغان .

بىدئەتچىلەرنىڭ بېسىمى بىلەن ئىسپانىيىلىكلىر تۈركۈم - تۈركۈملەپ ئوتتۇرا دېڭىز ياقسىغا كۆچتى . ئۇ يەرلەردە ھەققىي ئىسپانىيە مۇسۇلمانلىرى مەددەنېتىنىڭ داۋامى بارلىققا كەلدى . ۋەزىيەت مۇقىمىسىز ، ئەل ئىچى قالايىمجان بولسىمۇ ، فىس ، تىلىمىسىن ② ۋە باشقا دېڭىز ياقسىدىكى شەھەرلەردە كلاسىك ئەدەبىياتنى ۋە كلاسىك ئۆسلىوبىنى ياخشى كۆرىدىغان

ئاندالۇز بىيلىك داڭلىق ئاقسو گەكلەر بار ئىدى . 13 - ئەسرىدە تۈنیس ، 14 - ئەسرىدە فىس تېزدىن كۆتۈرۈلۈپ ، مۇسۇلمانلار مەدەنىيەتىنىڭ شەرقىتىكى چۈڭ شەھەرلەردىن قىلىشمايدىغان مەركىزىگە ئايىلاندى .

14 - ئەسرىدىكى ئەرب ئەدەبىياتىنىڭ ئىككى نەپەر كاتتا ئۆستازلىرىغا يېتەرلىك سەھىپە ئاجرىتىش ئۈچۈن ، بىز بەزى شائىرلار ، ئلاھىشۇناسلار ۋە تىلىشۇناسلارنى قىscarتىۋەتلىمىز . مىلادى 1325 - يىلى مۇھەممەد ئىبنى بهتتۇتە (1330 - 1377) ئۆز يۈرتى تەنجه دىن ئايىرلىپ مەككىگە ھەجىگە بارىدۇ . تەقۋادارلىقى ۋە بىلىملىكلىكى بىلەن داڭق چىقارغان بۇ ياش بىرەر ئىسلام مەملىكتىنى ۋە بېرىش ئىمکانىيەتى بار جايىلارنى زىيارەت قىلىشقا بەل باغلايدۇ . يول ئازاۋى ئۆنىڭ ھەۋسىگە ئىلھام بېرىدۇ . ئۇ پادىشاھ ، خانىشلارغا قىلغان زىيارەتنىڭ خاتىرسىنى خۇددى كېيىنكى كىشىلەر ئاشۇ كىشىلەرنىڭ ئىمزا سىنى يەققاندەك بېرمۇ بىر توپلاپ چىقىدۇ . بۇنىڭ ئۈچۈن ئۇ نۇرغۇن ياساۋۇللارنى ئەگەشتۈرۈپ خۇددى نوپۇزلىق كىشىلەرگە ئوخشاش ئوردىغا كىرىپ ، چىقىپ يۈرىدۇ . بهتتۇتە بارغانلا يېرىدە خاتىرە دەپتىرىگە شۇ يەرنىڭ تەبىئى شارائىتى ، ئاھالىلەرنىڭ ئەھۋالى ، بايلىقى ۋە باشقا ئۇششاق - چۈششەك ئىشلارنى يېپىدىن - يىگىنىسىكىچە يېزبۇالىدۇ . ئۆنىڭ قەدىمىي شەرقىي ئافرىقا ، ئىستانبول ، روسييە يايلاقلىرى ، هىندىستان ، سەيلۇن ۋە جۇڭگۇغۇچە يەتكەن . ئۇ مىلادى 1349 - يىلى يۈرتىغا كېلىپ بىرنەچچە ئاي دەم ئالغاندىن كېيىن ، گرانادا ۋە نىل دەرياسى ۋادىسىدىكى نېگىر ئافرىقىسى مۇسۇلمانلار خانلىقىغا زىيارەتكە بارىدۇ . بىز ئىبنى خەلدۇنىڭ ③ خاتىرسىدىن فىس خەلقىنىڭ بهتتۇتە ھېكايدىلىرىدىن مەلۇم دەرىجىدە گۇمانلانغانلىقىنى بىلەلەيمىز . ئۆنىڭدا ئېيتلىشىچە ،

بە تتوتە فىستىكى ۋاقتىدا خاننىڭ بۇيرۇقى بىلەن ئۆز سەپىرىدە كۆرگەنلىرىنى مىرزا ئىبنى جۈزەيگە سۆزلىپ بەرگەن . ۋەھالەنلىكى ، ئۇنىڭ ئەسەرلىرى شەرق يازغۇچىلىرىغا پەقت تونۇش ئەمەس . 19 - ئەسىرنىڭ باشلىرىدا ئۇنىڭ تېپىلغان ئەسەرلىرى ھەققىدىكى مەلۇمات ياؤرۇپالىقلارنىڭ دىققىتىنى قوزغىدى . ئۇنىڭ ئەسلى ئورىگىنالى فرانسييە ئالجىرىيەنى بېسىۋالغاندىن كېيىن تېپىلغان .

ساياھەت جەھەتنىن ئېيتقاندا ، بە تتوتە قەدىمكى ۋە ئۇتتۇرا قەدىمكى دەۋرلەردىكى ساياھەتچىلەردىن زور دەرىجىدە ئۇستۇن تۇرىدۇ . ئۇنىڭ ئەسەرلىرى خاتالىقتنى خالىي بولۇشى مۇمكىن ئەمەس ئىدى . بولۇپمۇ ئۇنىڭ خاتىرە دەپتەرلىرى ھىندى ئوکياندا قاراقچىلار قولىغا چۈشۈپ كەتكەندىن كېيىن ، ئۇ پۇتۇنلەي ئىسىدە قالغىنى بويىچە يېزىشقا مەجبۇر بولغان . لېكىن ، ئۇنىڭدىن قالغان تارىخىي ماتېرىياللار چەكسىز قىممەتلىك ۋە مۇھىم بولۇپ ، موڭغۇللارنىڭ تاجاۋۇزىدىن كېيىنمۇ ئىسلام مەددەتىيەتى تارىخى ۋە جەئىتىيەت تارىخىدا ئۆز نوپۇزىنى يوقاتقىنى يوق . ئۇنىڭدا كەمچىلىك بار دېيىلىدىغان بولسا ، ئۇ ئاشۇ دەۋرنىڭ كەمچىلىكىدىن ئىبارەت . ئۇنىڭ سەممىيلىكىدە شۇبەه يوق . بە تتوتەنىڭ ساياھەت خاتىرلىرى ئەسلى بەدىئى قىزىقارلىققا ئىگە ئىدى . كېيىن ، مىرزا ئىبنى جۈزەي ، ئىبنى جۈبەير قاتارلىق كىشىلەرنىڭ گۈزەل ئىبارىلىرى ۋە نەزمىلىرى ھەم ئۆزىنىڭ ساددا قىستۇرمىلىرى بىلەن ئۇنى بەدىئىلىك جەھەتنىن ئىشلەپ چىققان . ئومۇمن قىلىپ ئېيتقاندا ، ئەسەر ساپ ، ئىخچام ، ئاممىبىپ بولۇپ ، ھەجۇي پۇراققا ئىگە ، ئۇنىڭغا نۇرغۇنلىغان ئاجايىپ ۋە قەلەر ھەم تارىخقا يېزىلمىغان ئىشلار كىرگۈزۈلگەن . بۇلار پۇتۇنلەي دەۋر كەيىپياتى ۋە ئۆرپ - ئادەتنىڭ ئەينەن تەسویرىدىن ئىبارەت .

بىز راهىزىيە كىنولقلارنىڭ قوش يالاقلىق كېمىڭىچىتىق . كەم خوجايىنلە ئىسى مەلىمن (پاتورومبو ؟) شىكىن . بىز « رۇم زەمنى » دەپ ئاتىلىقلىق تۈركىلەر دۆلتىگە كېتۋاتىتىق . « رۇم زەمنى » دەپ ئاتاشتىكى سۆب شۇكى ، قەدىمكى رىم (گەرتىيە) بۇ رايونغا ھۆكۈمرانلىق قلاتىس . . . هازىرى بۇ يەر تۈركىمن مۇزۇلماڭلىرىنىڭ قولدا بولۇپ ، نۇرغۇن خىرىتىئالار ياتىشماقا . بىز شىمال يۈنۈلۈنىس بىلەن ئۇدا شون كۈن مائىدۇق . بۇ خىرىتىئان (كەم خوجايىنى) بىزگە تولىمۇ تەكىللەپ قىلى . بىر تىيىمۇ بۇل ئىلىدى . 10 - كۈنىش ئەتىگەندە ئاللىيانەھرىگە يېتىپ بېرىپ ، رۇم چەڭىرىغا قەمم قويىدۇق . رۇمىنى دۇنيا بويىجه ئەڭ كۈزەل دۆلتلىرىنىڭ پىرى دېتىكە بولۇدۇ . ئىلالا دۇنيادىكى كۈزەل منزىرلىرىنىڭ ھەسىنىسى بۇ يەركە يىغىب قويىغان بولسا كەرەت ، رۇمىلۇقلارنىڭ ھۇنىنى كۈزەل ، كېيىلىرىنى رەتلىك ، باكتىر ، تىقىنى ئېل بولۇپ ، دۇنيدا ئەڭ مردا، سەخىي مىلات شىكىن . قەدىمكىلەر « بەخت ئىزدە ئەڭ شەغا ① بىلر ، رەھىدىلە ئىزدە ئەڭ رۇمغا بىلر » دەپ ياخشى ئېيتقىن ، بىز نەمگە بىرمەيلىس - مېھىلەن كۈتەسىلىق جەركەتكەدا ياكى ئەخلىرىنىڭ سارىدا بولۇن - بىزنىڭ قۇشىنلىرىمىز بولغان شىرلىرى ۋە رۇمال تارىمىلىق ئايىللار كېلىپ تنجلق سورايتى ؛ بىرگە ماڭفادا خۇددى بىر ئائىل كەنلىرىدەك كېلىپ ئۈزىتىپ قويىاتى . ئايىللار تېخى كۈڭلى بۈزۈلۈپ ئۆكۈپ يىغلاپ كەتتى ②

قولىممىزدا شىمالىي ئافرقىدىكى بەربەر خانلىقىغا داىشى تارىخىي ئەسەرلەرمۇ ئاز ئەمەس . بۇنىڭ ئىچىدە ئەڭ ھەشەفۈرى ۋە ئەڭ قىممەتلىكى مەراكەشلىك ئابدۇلۋاھىت (? — 1185) نىڭ « ئالمۇ خادىلارنىڭ تارىخى » دېگەن كىتابىدىن ئىبارەت . دەرۋەقە بۇ يەرلىك تارىخشۇناسلارنى تۈنىسلق ئابدۇراھمان ئىبىنى خەلدۇن (1406 - 1332) بىلەن سېلىشتۈرۈش مۇمكىن ئەمەس . ئۇ شۇ زاماندىكى تارىخشۇناسلارنىڭ سەركەردىسى ، يېڭى تارىخ ئىلمىنىڭ ئىجادچىسى بولۇشقا مۇناسىپ . ئۇنىڭ تەرجىمەالدىن ئۇنىڭ غەربىي شىمالدىكى تىنچ سىياسىي ھاياتنىڭ تەپسلاتى بىلەن تۈنۈشقىلى بولىدۇ . مەسىلەن ، ئۇنىڭ قانداق قىلىپ ئالدىراشلىق

ئىچىدىن ۋاقت چىقىرىپ ئىدەبىياتنى تەتقىق قىلغانلىقى ؛ قانداق
 قىلىپ قاھىرىگە بارغانلىقى ۋە ئۇ يەردە داڭلىق قازى سۈپىتىدە
 ئاخىرقى ئۆمرىنى ئۆتكۈزگەنلىكى ۋە باشقىلار . ئۇنىڭ ئۆلۈغ
 تارىخىي ئەسىرى « نەمۇنە كىتاب » 1377 - يىلى يېزىلغان ۋە
 نۇرغۇن قېتىم تۈزىتىلگەن . كىتاب مۇقەددىمە ، مۇھەممەدنىڭ
 قىسىچە تارىخى (كۆپ قىسىمى ئىبنى ئەسىرنىڭ ئەسىرىدىن
 ئېلىنىغان) دىن ئىبارەت . قوشۇلغان بابتا شەرقىنىڭ يېقىنلىقى
 مەزگىللەردىكى تەرەققىياتى ، ئاخىردا بەربەرلەر ۋە شىمالىي ئافرقا
 خانلىقىنىڭ تەپسىلىي تارىخى ئۈستىدە توختالغان . خەلدۇنى
 يېلىنامىچى دېپىشىكە بولىدىغان - بولمايدىغانلىقىنى تېخىمۇ
 ئىلگىرلىكىن ئەلدا تەتقىق قىلىشقا توغرا كېلىدۇ . ئۇنىڭ بۇ
 مۇستەقىل ئەسىرى ئۆزى ئۆمىد قىلغان ئۆلچەمگە يەتمىگەن
 بولسىمۇ ، لېكىن ئۇنى ھەرقانداق مۇسۇلمان تارىخچىنىڭ ئەسىرى
 بىلەن سېلىشتۈرۈدىغان بولساق ، ھەرگىز قېلىشمايدۇ . ئۇنىڭ
 داڭق چىقرىشنىڭ ھەققىي سەۋەبى ، مەزمۇنى مول
 بولغان « مۇقەددىمە » سىدە . ئۇ مۇسۇلمانلارنىڭ سەككىز
 ئەسىرلىك سىياسىي تەرەققىياتىدىن كېيىن تۈغۈلغان . شىمالىي
 ئافرقىنىڭ تارىخىغا دائىر ماتېرىياللار بىلەن تونۇش ئىدى . شۇڭا ،
 ئۇ بارلىق تاشقى ھادىسلەرنى ئۆمۈمىي قانۇنىيەت قىلىپ
 يېغىنچاڭلاشقا ئۇرۇنغان ھەم ئىنسانىيەت يازما يادىكارلىقلرىدا ،
 ئۇنى بىرىنچى بولۇپ مىسىلى كۆرۈلمىگەن دەرىجىدە (بىزنىڭ
 بىلىشىمىزچە) تارىخىي ، پەلسەپئۇي كۆزقاراش دەرىجىسىگە
 كۆتۈرگەن .

ئەتلىكىلار بىلەن نەنانلارنىڭ تارىخقا بېرىگەن باھلىس ئوخىلب كېتىدۇ .
 چۈنكى ، تاشقى ئىلامەتلەرنى قىلغاندا ، تارىخ شەدائىنىڭ ئايپەتكە خلى
 بىرلىق شەيىلەرنى قانداق ئۆزگەرسۈشتۈقىلىقنى بىلەن قىلىپ بېرىدىغان ھېكلىدىن

بىشقا نىرسە ئەمس . لېكىن ، جۇڭتۇر ئىچكىرىلىپ قارىغاندا ، تارىخ بارلىق
 شىشلەرنىڭ منبىسى ۋە يېيدا بولۇش سۆھىسى توغراسىدىكى توغرا كۆزقاراشنى ئۆز
 ئىچىگە ئىلغان ، مۇشۇ - زەبتىن ، تارىخ پەلسىپنى ئۆزىگە ئالىس قىلدۇ . پەلىپ
 ئىچىدە جۇڭتۇر يەلتەز تارتىدۇ . تارىخنى بەلسىبنىڭ بىر تارمىق دېنىك بولىدۇ .
 ئۆزگەرنىڭىن ئانىيەت جەمئىتىن مەلۇم مۇقۇم ئالاھىدىلىكلىرىگە ئىگە .
 بىللىق بىيانلار بۇ ئالاھىدىلىكلىرىنىڭ چەكلەرىنىڭ ئۈچۈرىنىلىقى مۇمكىن ئەمس ..
 ئىگەر تارىخنى ئۇنىڭلار رىزايەتكىلا ئىسلىنپ ، ئىترابىدىكى شىشلەرنىڭ
 ئەرەققىيەت قانۇنى ، - ئىشتىكە هوکومرالىق قىلىنىڭ ئاماسىي قانۇنىيەتلەرى ،
 مەدەنسىيەتنىڭ ماھىيەتى ، ئانىيەت جەمئىتىنىڭ ئالاھىدىكى ... نى ئىتراپلىق
 جۇشىنىمىرىدىغان بولما ، ھەقتى يولدىن تېبىپ كەتمەلىك كەپلەتلىك قىلىش تىك
 توختىلەدۇ ... رىزايەت خarakتەرلىك ھېكايىلىرىنىڭ ھەممىس ئومۇمىي قانۇنىيەتكە
 تەللىك بويۇنۇشى ، ئىلىسى قانۇنىيەتكە بېقىنىش كەرەك .

خەلدۈن سىياسىي ، ئىلاھىشۇنا سلىق ۋە پەلسەپە جەھەتلىمرەدە
 بىر تەرهەپلىمەلىكتىن خالىي ئىدى . شۇڭا ، ئۇ كۆپ ساندىكى
 تارىخشۇنا سلارارغا ئوخشاش دەسلەپكى كۆزقاراشنى ئاساس قىلغان
 نەزەرىيىگە پاكىت ئىزدەش بىلەن جان باقمايتتى . ئۇ ئىككى خىل
 كۈچنىڭ ئازىيىشى — كۆپپىشى ۋە تەڭپۇرۇقلىقنىڭ تارىخي
 تەرەققىيەت بىلەن بەلگىلىنىدىغانلىقىنى توغرا بايقىغان ، بۇ
 كۈچنىڭ بىرى كۆچەن چارۋىچىلىق تۈرمۇشى ، يەنە بىرى
 ئولتۇر اقلاشقانلار تۈرمۇشى . شۇڭا ، ئۇ تارىخ پېنى مەدەنىيەت
 ئىلمىدىن ئىبارەت دەپ قارايتتى . ئۇ بۇ ئومۇمىي نەزەرىيىنى
 ياراتقاندىن كېيىن « مۇقەددىمە » نىڭ مۇتلىق كۆپ قىسىدا
 مەدەنىيەتنىڭ دىن ، مەمۇرۇي باشقۇرۇش ، ئىقتساد ، سەنئەت ۋە
 پەن قاتارلىق جەھەتلىرىدىكى ئوخشاش بولمىغان تەرەققىيەتى
 ئۈستىدە تەپسىلىي ئىزدەنگەن . دەرۋەقە ، ئۇ ئۆز ئەسپىرىدە شۇ دەۋۇر
 ۋە جەمئىيەتكە ماسلىشىدىغان سىياسىي ئەھۋاللار ئۈستىدىلا
 توختالغان ، لېكىن مۇشۇ جەھەتلىن ئېيتقاندىمۇ ئۇ ئىنتايىن

قىممەتلىك ئىش ھېسابلىنىدۇ .

شىمالىي ئافرقىلىقلار يازغان شۇنچە كۆپ تارىخى ئەسرلەردىن (كۆپ قىسى فرانسۇز چىغا تەرجىمە قىلىنغان) بىرىنىڭلا ئەرەب ئەدەبىياتىغا بولغان تەسىرى چوڭقۇرراق . مىلادى 1630 - يىلى تىلىمىسىنىڭ مەقرى (1591 - 1632) دەمەشق ئۆلىمالىرىنىڭ تەلىپىگە ئاساسەن ، ئىسپانىيە تارىخى ۋە ئىبنى خەتىپىنىڭ تەرجىمەلىنى يازغان (160 بەت) . ئەسرنىڭ بىرىنچى قىسى ئاندارلۇزىيىنىڭ سىياسى ئەھۋالى ۋە ئەدەبىيات تارىخىغا دائىر مول ماتېرىياللاردىن ئىبارەت بولۇپ ، ئۇنىڭ يېرىمىدىن كۆپرەكى ھازىر غىچە يېتىپ كەلمىگەن دەسلەپكى دەۋرگە منسۇپ ئەسرلەردىن ئېلىنىغان ، يوقلىپ كەتكەن ئۇ ئەسرلەرنىڭ ئەسلىگە كەلتۈرۈلۈش ئىمکانىيىتىنى ھېسابقا ئالىغاندا ، مەقرىنىڭ ئەسرلىرى ئىسپانىيە ئەرەب ئەدەبىياتىنىڭ يۇقىرى دولقۇنىنى تەتقىق قىلىشتا ئەبەدى نوپۇزلىق مۇھىم ئەسر ھېسابلىنىدۇ .

3 - مىلادى 1517 - 1800 - يىللار

ئۇسانىلار ئەربىستانى بېسۋالغان مەزگىللەردى ، ئىلمى تەرقىيات توختاپ قىلىش ھالىتىگە چۈشۈپ قالدى . بۇ ئەھۋالنى تارىخي ياكى جۇغرابىيۇ شارائىت ، ئىقتىصادىي جەھەتنىكى نامراتلىق ياكى ئىدىيە جەھەتنىكى كونسېرۋاتىپلىقنىڭ پاسىپ تەسىرى جەھەتلەردىن قايىسى دەرىجىدە چۈشەندۈرۈش مۇمكىنلىكى بىزنىڭ تەتقىقات دائىرىمىزگە كىرمەيدۇ . ئۇنى ياخورۇپادىكى ئىدىيۇ ئويغىنىش بىلەن سېلىشتۈرغاندا ، 16 - ئەسردىن 19 - ئەسرگىچە بولغان ئارىلىقتا ئەرەب دۇنياسىنى ئۇنىڭ ئۆزىگە مۇناسىپ كەلەيدىغان كۆلەڭگە ئورتۇالغانىدى . ئۈچ ئەسر ئىچىدە ھېچقانداق قالايمىغانچىلىق بولىغان ، ئەدەبىي ئىجادىيەت

ئىلگىرىكىدە كلا جۇشقۇن بولغان بولسىمۇ ، لېكىن بۇنداق ئاددىيلىق ئىچىدە مەيدانغا چىققان ئەسەرلەر ئېچىنارلىق دەرىجىدە ئاز بولدى .

تەرجىمەمال تىپىدىكى رىۋا依ەتلەر سۈرپىيدە داۋاملىق راۋاجلىنىپلا قالماستىن — بىر ئەسەردىن بىردىن يۈز يىللەق لۇغەتنىڭ بارلىققا كەلگەنلىكى بۇنى ئىسپاتلاپ بېرىدۇ — يەمن ۋە ماراکەشتىمۇ مەلۇم دەرىجىدە راۋاجلاندى . دىمبوكتولۇق ئەھمەت بابا ④ (1627 - يىلى ۋاپات بولغان) بۇنىڭ مەشھۇر ۋە كىلى . تارىخشۇناسلىققا دائىر ئەسەرلەر بولسا چىنپ قالغۇدەك دەرىجىدە بولۇپ ، پەقەت بىرنەچچە يەرلىك يىلنامىلەر مەيدانغا كەلگەنىدى . سوپىزم بۇ دەۋەرنىڭ ئەڭ مۇھىم مەدەننەيت ئالاھىدىلىكى بولدى ۋە بۇ ساھەدە كىشىنىڭ دىققىتىنى جەلپ قىلغۇدەك يازغۇچىلار ئوتتۇرىغا چىقتى . بۇنىڭغا مىسرلىق شەئرانى (1565 - يىلى ۋاپات بولغان) بىلەن سۈرپىيە نابۇرۇسلۇق ئابدۇل غەنلى (1731 - يىلى ۋاپات بولغان) نى مىسالىغا ئېلىش مۇمكىن . شەئرانى سوپى مەزھىپىنىڭ رىۋايمەتلىرى بىلەن ئۇلارنىڭ خىيالىي ، سىرلىق تەجربىلىرىنى ئۆزئارا بىرلەشتۈرگەن . ئابدۇل غەنلى كۆپ ئەسەر يازغان تالانتلىق شائىر بولۇپ ، ئۇ نەسەرىي شېئىر شەكلىدە سىرلىقلاشتۇرغۇچى سايىاهەت خاتىرسى ئەدەببىياتىنى ئىجاد قىلدى . ئەرەب ئورتاق تىلى زاۋاللىققا يۈزلەنگەن چاغدا ، يەرلىك شۇبىلەردە يېزىلغان خەلق قوشاقلىرى مەلۇم ئابرويغا ئىگە بولدى . بۇنىڭ ۋە كىلى مىسرلىق شەرىبىنى (1687 - يىلى ۋاپات بولغان) نىڭ ھەجۇي شېئىرلىرىدىن ئىبارەت .

ئەرەب ئەدەببىياتى ئۆز زېمىننىدا شۇنچە نامرات ئىكەن ، ئەمما ئۇنىڭ ھازىرقى مۇھىملەقىغا قاراپ ، تارقالغان رايوننىڭ شۇنچە كەڭلىكىگە كىشىنىڭ ئىشەنگۈسى كەلمەيدۇ . 14 - ئەسەردىكى زور

ئۆزگىرىشىن كېيىن ، ئىسلام دىنى ئوتتۇرا ئافرقا ، ھىندىستان ، مالايسييا ، جۇڭگو ، روسىيە ۋە شەرقىي ياؤرۇپا قاتارلىق جاييلاردا كەڭ تارقىلىشقا باشلىدى . ئىسلام دىنىنىڭ تارقىلىشى بىلەن ئەرمەب تىلىدىكى « قۇرئان » ۋە ئەرمەب تىلىدىكى ئلاھىيەت ئەدەبىياتى جايilarغا سىڭىپ كىردى . بۇ يېڭى زېمىنلاردا ، بولۇپمۇ ئەدەبى تىلى بولمىغان جايilarدا ئەرمەب تىلى بىلەن تارقىتىدىغان قورالغا ئايلىنىپ ، ئەرمەبلەرنىڭ ئالدىنىقى قاراۋۇلخانسى پەيدا بولدى . ھىندىستاندا پارس تىلى مۇھەممەدنىڭ ئوردىسىدىكى ھۆكۈمەت تىلى بولۇپ قالدى . لېكىن ، ئەرمەب تىلىدا ئلاھىشۇناسلىقتىن خالىي ئەسەرلەر ، ھەتتا نەزمىلەر ئوتتۇرغا چىقىپ تۇردى . بۇ يەردە ئىككى تارىخي كىتاب تىلغا ئېلىنىشقا ئەرزىيدۇ ، ئۇنىڭ بىرىدە ئىسلام دىنىنىڭ مارابالغا ⁷ كىرىشى ۋە پورتۇڭالىيلىكلەر بىلەن ئېلىپ بېرىلغان كۈرەشنىڭ ئەھۋالى تونۇشتۇرۇلغان ؛ يەنە بىرىدە غوجارا خانلىقىغا دائىر ئىشلار بايان قىلىنغان ، ھەتتا مالايا تاقىم ئاراللىرىدىمۇ ئەرمەبچە ئلاھىيەتكە دائىر ئەسەرلەر بارلىققا كەلگەن . جۇڭگودا مۇھەممەدنىڭ مۇخلىسىرى ئەرمەب تىلىدىكى ئەسەرلەرنى تەتقىق قىلغان ، ئەمما ئۇلار خەنزو يېزىقى بىلەنلا يازغان .

شەرقىي ياؤرۇپا ۋە ئاناتولىيىدىكى تۈرك زېمىنلىرىدا ئەدەبىياتتا باشتىلا ئەرمەب تىلى ئەمەس ، بەلكى پارس تىلى ئۆلگە قىلىنغان . ئۇسمانىلار ئەرمەبىستاننىڭ مەمۇرىي ئۆلکىلىرىنى يۈتۈۋالغاندىن كېيىن ، ئەرمەب تىلى ئاندىن ئادەتتىكى ئەدەبىياتتا كەڭ قوللىنىلىدىغان بولدى . تۈركلەر ئەرمەب تىلىدا بىرمۇنچە ئەسەرلەرنى يازدى . بۇنىڭ ئىچىدە نەسرىي ئەسەر ، نەزمە ، نەزمە نەسرىي ئەسەرلەر بار . بۇنىڭ مەشەمۇرلىرى : تاش كۈپرازادە (1560 - يىلى ۋاپات بولغان) تۈزگەن تۈركىشۇناسلىق

لۇغىتى : ئىستامبۇل دۆلەت مۇداپىيە ۋازارىتىنىڭ كاتىپى حاجى خەلىپە (1658 - يىلى ۋاپات بولغان) تۈزگەن ئىنتايىن مۇكەممەل ئەرەبچە ، پارسچە ۋە تۈركچە ئەسرلەر مۇندەرجىسى ⁽⁸⁾ ، مۇنەججىم باشى (1702 - يىلى ۋاپات بولغان) نىڭ ئىنتايىن قىممەتلەك يىلنامىسىدىن ئىبارەت .

ئىسلام دىنى شەرق ۋە غەرب تەرەپلەردىن ئافرىقىنىڭ ئوتتۇرا قىسىغا سىڭىپ كىرىشكە باشلىدى . نۇرغۇن ئەسرلەردىن بؤيان ، ئەرەبلەرنىڭ ئافرىقىنىڭ شەرقىي قىرغىنلىقدا تاكى سۇفاراغىچە سودا بېكەتلەرى بولۇپ كەلگەن . ۋاقتىنىڭ ئۆتۈشى بىلەن زانزىبار ۋە ئافرىقا چوڭ قۇرۇقلۇقىنىڭ تۈزىدىمۇ داۋاملىق تۈرددە ئىنتايىن كەڭ مۇسۇلمانلار مۇستەملىكىسى پەيدا بولدى . مۇشۇ مۇستەملىكىلەرددە بىر تۈركۈم ئەسرلەر ئىجاد قىلىنىدى . بۇنىڭ ئىچىدە مۇسۇلمانلار سودا پونكتىنىڭ تارىخى بايان قىلىنىدىغان بىرنەچچە ئەسەر « ئەرەبپەقىيە » ⁽⁹⁾ تەخەللۇسى بىلەن سۇمالىلىق بىر ئەرەب تەرىپىدىن 1540 - يىلى يېزىلغان ، خىستەن دىنلىكىلەر بىلەن ئىسلام دىنلىكىلەرنىڭ ھەبەشتىندىكى ئۇرۇشىغا دائىر مۇھىم ئىشلار بايان قىلىنغان يەنە بىر ئەسەر بار . 11 - ئەسرىدە ئىسلام دىنى ماراکەشىمن نېڭىرىپە رايونىغا كىردى . 16 - ئەسرىدە ئۇ يەردە ئەرەب تىلىدىكى تارىخى ھۈججەتلەر مەيدانغا كەلدى . بۇنىڭ ئىچىدە ئەڭ قىزىقارلىقى 1656 - يىلى تىمبۇكتۇلۇق سەئىدى ⁽¹⁰⁾ تەرىپىدىن يېزىلغان سنگايى ⁽¹¹⁾ خانلىقىنىڭ سىياسىي ۋە ئىرقمى ئەھۋالى بايان قىلىنغان ئەسەردۇر .

ئەزەر مەدرىسىنىڭ شۆھرتى تەزى ئۆلىمالارنى ئىسلام دىنلىك بۇ ئالدىنلىقى قاراۋۇلخانىسىدىن قاھرىگە جەلپ قىلدى . 18 - ئەسەرنىڭ كېيىنكى يېرىمدا مەملۇك شتات

باشلىقىنىڭ قوغدىشى بىلەن بۇ قوشۇن ئىچىدىن ئەرەب
 ئەدەبىياتىنىڭ ئىككى چواڭ ئۇستىسى چىقتى . بۇنىڭ بىرى ئاتا -
 بۇئىسى سۇمالىلىق جەبەرتى (1825 - يىلى ۋاپات بولغان)
 بولۇپ ، ئۇ يازغان 1700 - يىلدىن 1820 - يىلىغىچە بولغان مىسر
 يىلىنامىسى دائىرسىنىڭ كەڭلىكى ، چوڭقۇرلۇقى ۋە توغرىلىقى
 جەھەتتە . ئەرەبىستاندا بىرىنچى ياكى ئىككىنچى ئورۇندا تۇرىدۇ .
 يەنە بىرى ھىندىستاندا تۈغۈلغان ، ئەرەب يېرىم ئارىلىنىڭ جەنۇبىي
 قان سىستېمىسىدىن بولغان سەيد مۇرتەزا (1791 - يىلى ۋاپات
 بولغان) بولۇپ ، ئۇنىڭ تىلىشۇنالىق جەھەتتىكى ئۆچەس
 نامايمىسى ، قەدىمكى ئورتاق تىل لۇغىتىكە يازغان
 قىممەتلىك ئىزاهاتىدىن ئىبارەت [ئۇنىڭغا « كېلىنچەكتىك
 تاجىسى » (تاجۇلۇرۇس ») دەپ غەلتە نام قويۇلغان] : لېكىن
 ئەڭ ئەممىيەتلىكى شۇكى ، ئۇ غەzzالىنىڭ « يەھيا » دېگەن
 ئەسربىنى قايىتا تەھرىرلەپ چىققان (128 بەتلىك) ۋە ئۇنىڭغا
 تەپسىلىي ئىزاهات يازغان . ئۇنىڭ ئەسربى دەسلەپكى دەۋرلەردىكى
 ئالىملارىنىڭ قارىلارچە يۆلىنىۋېلىشىدىن خالىي بولۇپ ، بىۋاستە
 ئىپتىدائىي ماتېرىاللاردىن ئېلىنغان . تىرىشچانلىقى ۋە قىزغىنلىقى
 تۈپەيلىدىن ، ئۇنىڭ ئەسربىرى بىرخىل يېڭى بىلىم تەشنىلىقى
 قوزغىتىپ ، چۈشكۈنلەشكەن ئىسلام ۋىجدانىنى ئەدەب - ئەخلاققا
 غەzzالىدەك مۇئامىلە قىلىدىغان سەمىيەتلىك ۋە تولۇپ - تاشقان
 شەخسى ئىشەنچىگە قايىتىدىن ئېرىشتۈردى .

**شۇنىڭ بىلەن ئىسلام دىنيدىكى ئاچقۇچلۇق پەيتىنىڭ
 سىگنالى چېلىنىدى .**

ئىزاهاتلار :

- ① ئاپتوردی تارىخشۇناس ئىبىنى تاباتابا (1261 - 1309) .
- ② ئىبىنى بەتتۆتە (1303 - 1337) — تانگىر (ماراكەشنىڭ قەدىمكى يورتى - ت) دا تۈغۈلغان . داڭلىق ساياهەتچى . نۇ يىگىرمە توققۇز يىل ئىجىدە ئۆج قېتىم ساياهەت قىلىپ ئاسىيا . ئافرىقا دۆلەتلەرنى ئايلىنىپ چىققان .
- ③ بۇ كىتابنىڭ ٦ - بابىدا سۆزلەنگەن قول قوشۇنلار . مەملۇك ئەرەبچە « بېسىۋېلىش » دېگەن سۆز .
- ④ بۇسرى — بەرەلمىر ئەۋلادى بولۇپ . بۇسرىدە تۈغۈلغان . ئەرەب شائىرى . ھەدىشۇناس . خەتنات .
- ⑤ بۇردە — قول بىلەن توقۇلغان چەكمىن . كۈندۈزى يەكتەك . كېچىس يېپىنچا قىلىنىدۇ . بۇ يەردە دېمىلىۋاتقىنى مۇھەممەدئىڭ كېيىمى .
- ⑥ پاسكوداغاما (1469 - 1525) — 15 - ئەسەردىن 16 - ئەسەرگەچە بولغان ئارىلىقتىكى دەسلەپكى جۇغرابىسى ئۆلە كەشپىيات دەۋرىدىكى پوتۇڭالىيە دېئىزچىسى . نۇ 1497 - يىل 7 - ئايدا تۆت پاراخوتىنى تەركىب تاپقان بىر ئەترەتنى باشلاپ لىساپىندىن چىقىپ ئافرىقىنىڭ ئۆمىد قولتۇقىنى ئايلىنىپ . 1498 - يىلى ھىندىستانغا يېتىپ بېرىپ . پورتۇڭالىيەدىن ئافرىقا ئارقىلىق ھىندىستانغا بارىدىغان دېگىز يولىنى تاپقان . 1502 - يىلىدىن 1524 - يىلىغىچە بولغان ئارىلىقتا ھىندىستانغا ئىككى قېتىم بارغان . ھىندىستاننىڭ باش ۋالىسى بولغان .
- ⑦ قەلقەشەندى (1355 - 1418) — تارىخچى ، ئەدب .
- ⑧ سەپادى (1296 - 1362) — تارىخشۇناس . ئەدب . « دەۋر جۇھىرى » . « ئىلىم - پەن لۇغىتى » قاتارلىق ئەسەرلىرى بار .
- ⑨ دەمرى (1341 - 1405) — مۇتەپەككۈر ، زوئولوگ . مىسىردا تۈغۈلغان . ئازىھەر مەدرىسى ۋە مەككىدە ئوقۇتقۇچىلىق قىلغان . ئۇنىڭ « ھايۋان » ئاملىق ئەسەر ئەدەب ئەدەبىيەتىدىكى تىباھەتچىلىك ۋە پىسخۇلۇگىيىگە دائىر تۈنجى ئەسەر دۇر .
- ⑩ ئىبىنى تەيمىيە (1263 - 1328) — ئىمام ، ھەنبىل مەزھىپىنىڭ قازىسى بولغان . سۈرىپىنىڭ خورا دېگەن يېرىدە تۈغۈلغان .
- ⑪ پېرسىيلىك ۋەزىر رەشىدۇددىن (1318 - يىلى ۋاپات بولغان) — پارس . ئەرەب تىللەرىدا موڭغۇلية ھىندىستان . جۇڭگۇ ۋە ياؤروپا تارىخىنىڭ تېزىسىنى يازغان ، بۇنداقلاردىن يەنە ئىبىنى خەلدۈنۈ بار .
- ⑫ ئەيۋىسى خانلىقى (1171 - 1250) — سالامىددىن (1138 - 1191) . كورد . ئەھلى سەلىپكە قارشى جەڭ قىلغان مەشھۇر قەھرىمان) تەرىپىدىن قۇرۇلغان خانلىق . مەملۇك خانلىقى بولسا . 1250 - يىلى مەملۇك لەشكەرلىرى سالامىددىنىڭ ئەيۋىسى خانلىقىنى ئاغدۇرغاندىن كېيىن قۇرۇلغان قوللۇق

خانلىق . « سۈلۈق » دېگىنلىك مەقرىنىڭ « پادشاھلار قىسىس » نىڭ ئەرمەچە قىscar تىلغان ئاتىلىشى .

(1) « مىڭىز كېچە » — ئۇنىڭ مەنبىسى نۆچ قىسىما بولۇنىدۇ . (1)
ئەرەب تارىخچىسى مەستۇدى تىلغا ئالغان قەدىمكى پارس ھېكاىيلىرى توپلىدىنى
« مىڭىز كېچە » بولۇپ . كېيىنچە « مىڭىز كېچە » دەپ ئاتالغان : (2) 10 -
ئەسرىدىن 11 - ئەسرىگىچە ئەراقتا يېزىلىغان ئابىسلار خەلپەلىكىدىكى ھارۇن رەشد
ھەققىدىكى ھېكاىيلەر : (3) 13 - ئەسرىدىن 14 - ئەسرىگىچە مىسردا يېزىلىغان
ھېكاىيلەر .

(4) شەھرىزات — « مىڭىز كېچە » دىكى ۋەزىرنىڭ قىزى . نۇ ھەر كۈنى
كەچتە پادشاھقا ھېكاىيە ئېيتىپ بېرىدۇ . شەھرىزات بىلەن دۇنيازات « مىڭىز كېچە »
دە « ۋەزىرنىڭ قىزى ۋە دېدەك » دېلىگەن . كېيىنچە « مەلىكە ۋە ئۆزى ئىشلىرىنى
باشقۇرغۇچىسى » دېلىگەن . ھازىرقى نۇسخىسىدا ئۇلار « ئاچا - سىئىل » .
يەنى « ئەلى بابا بىلەن قىرىق قاراقچى » ۋە « سەھىلىك چىراغ » .

(5) ئىمبىنى دانىيال (1250 - 1310) — شائىر . كۆز دوختۇرى . مۇسۇلدا
تۈغۈلۈپ . قاهرىدە ۋاپات بولغان . ئېيتىلىشىچە ئۇ بىرىنجى بولۇپ ئەرەب يېزىقى -
تىلىنى قورچاق ئويۇنىدا قوللانغان . قورچاق ئويۇنى 12 - ئەسرىدە موڭۇللار ۋە
تۈركىلەر ئارقىلىق جۇڭىگۈدىن مىسرغا تارقالغان .

(6) ئىمبىنى ھۆزەپىل غەرتاتى — 14 - ئەسرىدىكى ئاندالۇزىيە ئەدبى .

(7) فىس — ماراكەشنىڭ شەھرى . تىلمىمىھىن — ئالجىرىيىنىڭ
شىمالىدىكى بىر شەھر .

(8) ئىمبىنى خەلدۇن (? - 1406) — ئەرمەنلىك تارىخچىسى .
پەيلاسپى . نۇ « مۇقەددىمە » دېگەن كىتابى بىلەن زور نامغا ئىنگە بولغان . كىتابتا .
تۈنجى قېتىم بىر خەل تارىخي تەرىقىيات نەزەرىيىسى ئوتتۇرۇغا قويۇلغان . بۇ
نەزەرىيىدە . كىلىمات . جۇغرابىيلىك ئەعۋال . ئەخلاق بىلەن مەنۋى كۈچ ۋە ماددىي
شارائىتلارنىڭ رولى توغرا جۇشەندۈرۈلگەن .

(9) شام — سۈرپىيە .
(10) بۇ . فىس ساياعەتجىسى ۋەزىزان (1526 - يىلى ۋاپات بولغان) نىڭ
ئىزاهاتى . ئۇ خرىستىنلارنىڭ قاراقچىلار كېمىسى تەرىپىدىن ئەسر ئېلىنغاندىن
كېيىن ئىتالىيىگە بارغان . ئۆز دىنىنى ئۆزگەرتىكەن . ئىسمىنى جون لوغا
ئۆزگەرتىكەن . ئۇنىڭ ئەرمەب تىلىدىكى ئەسلى ئەسىرى يوقلىپ كەتكەن بولسىمۇ .
لېكىن ئىتالىيىانچىسى 18 - ئەسرىنىڭ ئاخىرلىرىغىچە ياؤرۇپالىقلارنىڭ ئافرىقىنى
يېزىشىكى نوپۇزلىق ئەسىرى ئىدى - ئەسلى ئىزاهات .

(11) ئەسلى « دىمبىوكتو » ئەمسى « تومبوكتو » بولۇپ . مالىنىڭ بىر
شەھرى . ئەھىمەت بابا مالىك مەزھىپىدىكى قانۇنշۇناس . تارىخچى . قىرىق نەچچە

تہسیلی بار

ماراچال — هندستانیلک غربی چمنوپی رایونی.

• « يَعْلَمُوا أَنْتَ لَكَ قِيمَةً تُؤْيِدُكِي » .

۲۰ « تهره بپه قبیه » — نه سلی نیسمی نیینی شاهاب ، ح . هبه شستاندق بازغوزچی . ۱۵۴۳ - پیلی « هبه شستاننی یوسفوندوزرفس » دیگن کتابنی یازغان .

۱۴ نیرانلیق شاپر شیخ مؤسلمددن سهندی - تهربردن .
۱۵ نیز نایف نالدی - کوئندی ، نیگد دو باسینیک بُوقبی

14 - ئەسەرنىڭ ئالدى - كەپتىدە . نېڭىر دەرىاسىنىڭ يوقىرى
ۋادىسىدىكى غەربى سۇداندا قۇرۇلغان 3 - چۈلە دۆلەت . تومبوكتو . گانۇلار ئۇنىڭ

مؤسس شہر لسری ۔
 حمدہ تی. (1754 - 1822) — مسیم تاریخ چسیں ۔

٤ جابری (۱۷۵۴-۱۸۰۰) = سفر در میپس.

خاتمه

19 - ئەسەر مۇسۇلمانلار دۇنياسى، بولۇپمۇ ئەرەب زېمىنى ئۈچۈن ئىچكى، تاشقى جەھەتلەردىن تەۋرىنىپ تۇرغان دەۋر بولدى. ناپولئون 1798 - يىلى مىسرغا بىر مەھەل ھۈجۈم قىلىپ كىرىپ، مىسرنىڭ يازۇرۇپا يېڭى تۇرمۇشدىن ئايىرىلىپ قېلىشتەك سوغۇق چۈمپەردىنى يېرتىپ تاشلاپ، ئوتتۇرا قەدىمكى دەۋر پىكىر ئېقىمغا ئەجەللەك زەربە بەردى. غەرب دۇنياسىنىڭ ئەدەبىياتى ۋە پىكىر ئېقىمى باشتا ئاستا، كېيىن كەينى - كەينىدىن تېزلىشپ، بۇ يەردە تۈنچى كۆرۈك ئىستەكامىغا ئىگە بولدى. ئۇلارنىڭ تەسىرىدە ئەرەب ھازىرقى زامان ئەدەبىياتى يېڭىدىن دۇنياغا كەلدى.

ئىچكى جەھەتتىن ئېيتقاندا، يېڭى ئەدەبىياتنىڭ ئەسلى ھەرىكەتلەندۈرگۈچ كۈچى مىسر بىلەن سۈرپىيدە بىرلا ۋاقتتا پەيدا بولغان ئىككى قېتىلىق ھەرىكەتنىڭ ئۆزىئارا رولى ئىدى. بىرىنچى قېتىلىق يېڭى ئەدەبىيات ھەرىكتى ئۆزىئارا زىت بولغاندەك كۆرۈنەتتى. ئۇنىڭ مەقسىتى كلاسىك ئەرەب ئەدەبىياتىنى ئەسلىگە كەلتۈرۈش ۋە مۇشۇ كلاسىك نۇسخىلارنى نەمۇنە قىلىش ئىدى، بۇ نەمۇنەلەرنىڭ بىۋاستە رىغبەتلەندۈرۈشى بىلەن كىشىنىڭ دىققىتىنى جەلپ قىلغۇدەك بىر تۈركۈم ئەدەبى ئەسەرلەر يېزىلدى. ئاپتۇرلارنىڭ ئۇلۇغۇار غايىسى بىرنه چە ئەسەردىن بۇيان خارابلىشىپ كەتكەن ئەرەب تىلىنى قۇتقۇزۇۋېلىش ۋە كلاسىك ئەدەبىيات - سەنئەت مراسىنى ئەسلىگە كەلتۈرۈش ئىدى. بۇ تىرىشچانلىق مىسر ۋە ئىراقتىكى مەشھۇر شائىرلارنىڭ

زور كۈچ بىلەن قوللىشىغا ئېرىشتى . شائىرلار يېڭى ۋەتەنپەرۇرلىك بىلەن ھازىرقى زامان تېمىلىرىنى ئەرەب شېئرىيەتتىنىڭ كونا ۋەزنىگە ۋە كونىچە ئىپادىلەش شەكلىگە بىرلەشتۈرۈپ يازىدىغان بولدى . بۇ تىرىشچانلىقىمۇ مەدرىس تەلىمنى ئالغان بىر تۈركۈم سىياسى ئوبزورچىلارنىڭ قوللىشىغا ئېرىشتى . بۇنىڭ ئەڭ مەشمۇرى شاھ مۇھەممەد ئابدۇھ ① (1849 - 1905) بولدى .

بۇ ئىلمىي ئېقىمىنىڭ ئەمگىكى ئىككىنچى قېتىملق ھەرىكەتكە مەنسۇپ يازغۇچىلارنىڭ غەربىنىڭ ئەدەبىيات تېمىسى ۋە پەن - تېخنىكىسىنى كىرگۈزۈشى ئۈچۈن قورال تازىلاپ بەردى . مىسر باش ۋالسى مۇھەممەد ئەلى ② (1849 - 1905) تەرجىمە ئىدارىسى تەسسى قىلىپ ، مەخسۇس پەن - تېخنىكا ئەسەرلىرىنى تەرجىمە قىلدۇردى ، بولۇپمۇ ھەربىي پەن ۋە تىببى ئىلمىگە ئەھمىيەت بەردى . لېكىن ، غەربىنىڭ بېيرۇتتىكى ھائارىپ تەشكىلاتلىرى بىلەن مۇناسىۋىتى بولغان بىر تۈركۈم لەۋان ئالىملىرىنىڭ يېڭى ئىدىيىنى تارقىتىش جەھەتتىكى تەسىرى تېخىمۇ زور بولدى . ئۇلارمۇ يېڭى تېپتىكى ژۇرنال ۋە زامانىۇ ئاخباراتچىلىق تەشۇقات قوراللىرىنى ۋۇجۇتقا كەلتۈرگۈچىلەر ئىدى . گېزىت - ژۇرناللار مىسرغا كىرگەندە ، كۆپچىلىكى لىۋانلىقلارنىڭ يېتەكچىلىكىدە بولدى ، لېكىن ئۇزۇن ئۆتىمەي مىسرنىڭ ئۆز گېزىت - ژۇرناللىرمۇ دۇنياغا كەلدى . بۇ نەشر - ئەپكارلار ھازىرقى زامان ئەرەب ئەدەبىياتىنى تەربىيەيدىغان ھەقىقىي كۆچەتزارلىققا ئايلاندى . 19 - ئەسلىنىڭ ئاخىرىدىن 20 - ئەسلىنىڭ باشلىرىغىچە نەشرييەتچىلىق ئەدەبىيات ساھەسىنى شۆھەتكە ئىگە قىلغان مۇنبەر بولۇپ قالدى . جۇملىدىن ئەرەب ئەدەبىي تىلى ئارقىلىق ھازىرقى زامان تېمىسىدا ئىجادىيەت بىلەن

شۇغۇللىنىڭ پائالىيەت مەيدانىغا ئايلىنىپ قالدى . شۇنىڭ بىلەن بىر ۋاقتىتا بىر تۈركۈم سۈرىيە - ئامېرىكىپەرەست يازغۇچىلار ئامېرىكا يېڭى قۇرۇقلۇقىدىكى ئەرەبچە ژۇراللاردا يېڭىچە ئەدەبىي ماقلىلارنى ۋە خۇپىتمانچە « چاتما شېئر » لارنى ئىجاد قىلدى . بۇ ئەسەرلەرنىڭ ئەرەب زېمىندىدا ئوقۇغۇچىلىرى كۆپ ، مەدھىيەلەشكە ئېرىشكەن بولسىمۇ ، لېكىن ، ئۇلارنىڭ قەدىمكى تىلىنىڭ قۇرۇلمىسىنى ئۆز مەيلىچە ئۆزگەرتىشتەك قىلىقلرى ئەدەبىيات مۇنېرىنىڭ ماقوللۇقىغا ئېرىشەلمىدى .

ئا خبارات يېزىقچىلىقى ۋە ئىجادىيەتنىڭ سىرتىدا ، غەربىنىڭ ئەدەبىي ئەسەرلىرىنى تەرجىمە قىلىش ھازىرقى زامان ئەرەب ئەدەبىياتى تەرەققىيياتىنىڭ مۇھىم تەركىبىي قىسىمى بولۇشقا مۇناسىپ بولۇپ قالدى . بۇ تەرجىمە ئەسەرلىرى ئەرەب مەشق بولۇپلا قالماي ، بەلكى سانى خېلى كۆپ بولغان بىر تۈركۈم تەرجىمانلارنىڭ شۇ تىپتىكى ئەسەرلەرنى ئىجاد قىلىشىغىمۇ نەمۇنە بولدى . بۇنىڭ ئىچىدە ئەڭ كۆڭۈلدۈكىدەك بولغىنى فرانسييە كلاسىك دراما تورگىلىرىنىڭ نەمۇنسى بويىچە ئۆز دۆلتىنىڭ درامىچىلىقىنى راواجلاندۇرۇشقا تىرىشىشىن ئىبارەت . لېكىن ، 19 – ئەسەردىكى ئەرەب درامىچىلىقىنى ناھايىتى زور مۇۋەپپەقىيەتكە ئېرىشتى دېگىلى بولمايدۇ . يەنە بىر جەھەتنىن رومانچىلىق قىسىمن ئىلگىرىلىدى . بولۇپمۇ مۇخېر ، سىياسىي ئوبزورچى ، تارىخچى ، جورجى زەيدان (1861 – 1914) سىكوت ^③ نىڭ ئۇسلۇبى بويىچە يازغان تارىخيي رومانلار بۇ نۇقتىنى ئىسپاتلىدى . ئۆتكەن قىرقى يىل ئىچىدە ^① بوشاشماستىن كۆرسىتلەكەن بۇ خىل تىرىشچانلىق ۋە ئۇرۇنۇش – ئەرەب خەلقىنىڭ شۇ زاماندىكى ئىجتىمائىي ئىدىيىئۇ قىزىقىشىنى ئىپادىلەيدىغان ھازىرقى زامان ئەدەبىياتىدا

مېۋە بىردى . ھېكايدىچىلىق ئاخىر بۇ يولنى ئاچتى ، ئۇنىڭدىن
 كېيىنكىسى بولسا يەرلىك ئۆرپ - ئادەتلەر ھەققىدىكى ھېكايدى ۋە
 سەعەن ئەسەرلىرى . تاها ھۆسەينىڭ^⑤ تەر جىمماھال ئۆسلىرىدىكى
 رومانى « كۈنلەر » دىن ئېتىبارەن ئىجتىمائىي تەھلىل بىلەن
 پىخولوگىيلىك تەھلىل كۈندىن - كۈنگە چوڭقۇرلىشىپ ،
 ئەدەبىي ئەسەرلەر ۋە ئۇنىڭ ئېپادىلەش ماھارىتى تېخىمۇ جانلىقلۇقا
 ئىگە بولدى . جۈملەدىن درامىچىلىقمو ماھارەت جەھەتتىكى بۇ
 ئۆزگىرىشتن پايدا ئالدى . مەيلى دراما ئەدەبىياتى بولسۇن ، ياكى
 هازىرقى زامان جەمىيەتتى تىما قىلىنغان سەھنە ئەسلىرى جەھەتتە
 بولسۇن ، تەۋپىق ھەكم^⑥ مۇھىم ۋە كىل ھېسابلىنىدۇ . بىراق ، بۇ
 ئەسەرلەرنىڭ ھەممىسى ، مەيلى ھېكايدى ، رومان ، دراما بولسۇن ،
 تامامەن ئەرمىب دۇنياسىنىڭ نەزەر دائىرىسى ۋە ئۆرپ -
 ئادەتلەرنىڭ چەكلەمىسىگە ئۆچرايتتى . بۇ ئەسەرلەر باشقا دۆلەت
 تىللەرىغا تەرجمە قىلىنسا ئەدەبىي ئەسەر سۈپىتىدە ئەمەس ، بەلكى
 ئىجتىمائىي ھۈججەت سۈپىتىدە كىشىلەرنىڭ قىزىقىشىنى
 قوزغايتتى .

ئەدەبىي خاراكتېرىدىكى سىياسى ئوبزورمۇ بۇ يېڭى
 تىپتىكى ئەدەبىيات - سەئەتتە مۇھىم ئورۇنى ئىگىلدى . كەڭ
 مەندىن ئېيتقاندا . سىياسى ئوبزورچىنىڭ مەقسىتى كلاسىك
 ئەرمىب تىلى ۋە غەرب ئەدەبىياتىغا تەنقىدى باها بېرىش ياكى
 ئادەتتىكىدە كلا ئىجتىمائىي باها بېرىشلا ئەمەس ، بەلكى ئەرمىب
 مەدەنىيەتتىنىڭ ئەئەنۇي قىمىتىنى هازىرقى دۇنيا بىلەن كەڭ
 بىرلەشتۈرۈشتن ئىبارەت ئىدى . ئۇلارنىڭ كۆپچىلىكى ئوتتۇرا
 ئەسەردىكى پىشۇا يازغۇچىلارغا ئوخشىمايتتى . ئۇلار مەزمۇندىن
 بەكىرەك شەكىلگە ئەھمىيەت بېرىتتى . خۇددى رومان ، ھېكايدى
 يازغۇچىلارغا ئوخشاش ، ئۇلار تىلىنى قوللىنىش جەھەتتە ئەمەلىي

ئۇنۇمگە ئېتىبار بېرەتتى . ئۇسلوبى ئوخشمايدىغان بۇنداق نەسرىي ئەسەرلەر ئىجادىيەتنىڭ ئومۇمىي نەتىجىسى زامانىمىزدىكى بارلىق ئېھتىياجىنى كۈچلۈك ۋە دەل جايىدا قاندۇرالايدىغان بىر خەل ۋاسىتىنى ئىجاد قىلىشتىن ئىبارەت بولدى : گەرچە ئەرەب تىلىنىڭ نازۇكلاۇقى مەلۇم دەرىجىدىكى گۈزەللەكىنى تەلەپ قىلسىمۇ ، لېكىن ئۇ يازغۇچىلاردا بولۇشقا تېكىشلىك ئوخشمىغان ئىستىلىدىكى ئىستىتىپكىلىق سۈپەتنى چەتكە قاقمىدى .

نەسرىي ئەسەرلەردىكى بۇنداق غەرمىزلىك حالدا ئەمەلىي ئۇنۇمگە ئېتىبار بېرىش پوزىتىيەتنىڭ ئەكسىچە ، بۇ دەۋىردىكى شېئرىيەت ئەرەب ئەنئەنسىۋى شېئرىيەتنىڭ رامكىسىدىن تېخىمۇ ئايىرلىپ ، ھازىرقى زامان غەرب شېئرىيەتىگە ئوخشاش ئەركىنلىك قوغلىشىۋەردى . بىر تەرەپتىن ، جىددىي سىياسى ۋە ئىجتىمائىي ئارزو بەزى يازغۇچىلارنىڭ ئەنئەنسىۋى تېما بىلەن كىشىلەر ئوبرازىنى ھازىرقى زامان شارائىتىدا قوللىنىشىغا ئىلھام بېرىشى ، بۇ ئارقىلىق ئۇلار كىشىنى تەسەرلەندۈرەرلىك نەتىجىلەرنى قولغا كەلتۈرۈشى مۇمكىن ئىدى . شۇنىڭ بىلەن بىر ۋاقتتا ، كۆپ ساندىكى ياش شائىرلار بىر خەل پىخۇلۇگىيەلىك شېئرى ئىجاد قىلىشقا كىرىشتى . بۇ خەل شېئرى رىتىم ، قاپىيە جەھەتتىلا ئەمەس ، بەلكى تىل ماھارىتى ۋە ئەدەبىي ئۇسلوب جەھەتتىمۇ كونا نەزمىلەر ئەنئەنسىنى بۇزۇپ تاشلىدى . مۇشۇ جەھەتتىن قارىغاندا ، نۇرغۇن ئەرەب شائىرلىرى ماھارەت ۋە مەزمۇن جەھەتلەردە بەزى نەسرىي ئەسەر يازغۇچىلىرىغا قارىغاندا تېخىمۇ « ئىنتېرناتىسۇناللاشقان » بولسىمۇ ، لېكىن ئۇلار (بەزى غەرب شائىرلىرىغا ئوخشاش)

ئۆزلىرىنىڭ شەخسى جەننىتىدە ياشاش بىلەنلا قانائەتلەندى .

ئىزاھاتلار :

① مۇھەممەد ئابدۇھ — ھازىرقى زامان ئەرەب ئەدىيەتىنىڭ ئىككىنچى تەرەققىيات باسقۇچى (19 - ئەسرىنىڭ 80 - يىلىدىن 20 - ئەسرىنىڭ دەسلەپكى 10 يىلىخىچە) دىكى داڭلىق ئەرباب . مىسىدا ھۈرلۈكى ئەشەببۈس قىلغان ئىلاھىۋاناس .

② مۇھەممەد ئەلى — 19 - ئەسرىنىڭ بېشىدا مىسى خەلقىگە باشچىلىق قىلىپ . ناپولېتوننىڭ ھۆكۈمرانلىقىغا خاتىمە بەرگەن باتۇر سەركىرە . 1805 - يىلى تۈرك سۈلتانى ئۇنى مىسىنىڭ ۋالىسى دەپ ئېتىراپ قىلغان .

③ سىكوت (1771 - 1831) — ئەنگلەيە شائىرى . رومان يازغۇچى .

④ بۇ . مۇشۇ كىتاب قايتا نەشر قىلىنىشتىن ئىلگىرىكى قىرىق يىل .

⑤ تاها ھۇسەين (1889 - 1973) — دۇنياغا مەشھور مىسى ھازىرقى زامان يازغۇچىسى . ئەدىبىي ئوبىزورچى ۋە جەمئىيەت ئەربابى . نۇ مىسىدا يازغۇچىلار جەمئىيەتىنىڭ رەئىسى . ماثارىپ مەنسىتىرى بولغان . ئۇنىڭ « كۈنلەر » . « ئەدب » قاتارلىق كىتابلىرى بار .

⑥ تەۋپىق ھەكم — مىسى يازغۇچىسى . 1898 - يىلى تۈغۈلغان ، مىسى درامىلىرىنىڭ تجادىچىسى . « قايتقان روھ » . « يىزا مۇپەتتىشىنىڭ خاتىرسى » قاتارلىق كىتابلىرى بار .

بۇكتىپ خەلق ئەدەبىياتى نەشرىياتىنىڭ 1980 - يىل 1 -
ئاي 1 - نەشرى . بېيىجىڭ 1 - باسىمىغا ئاساسەن تەرجىمە ۋە
نەشر قىلىندى .

本书根据人民文学出版社1980年1月第1版，北京第1次印
刷本翻译出版。

مەسئۇل مۇھەممەرى : مەرىيەم مەمتىمەن
مەسئۇل كوررېكتورى : ئاسىيە ئەخەت

ئەرەب ئەدەبىياتى

(قىسىچە تارىخى)

خامىلتۇن . ئا . گىبى (ئەنگلەيە)
تەرجىمە قىلغۇچى : باھاۋۇدۇن قادر

*

شىنجاڭ خەلق نەشرىياتى نەشر قىلىدى
(ئۇرۇمچى شەھىرى جەنۇبىي ئازادلەق يولى № 348)
شىنجاڭ شىنخۇا كىتابخانىسىدىن تارقىتىلىدى
شىنجاڭ خەلق نەشرىياتى كۆمپیਊتېر ئىشخانىسىدا تىزىلىدى
قەشقەر ئۇيغۇر نەشرىياتى باسما زاۋۇتىدا بېسىلىدى
فورماتى : 1092 × 787 مىللىمېتر 32 / 1
باسماتاؤنلىقى : 8.125 قىستۇرمۇ ۋارىقى : 2
1983 - يىل 10 - ئاي 1 - نەشرى
1998 - يىل 10 - ئاي 2 - بېسىلىشى
تىرازى : 13.001 — 1.8000

ISBN7-2 4120 8/I · 1531

元00.01 100.00 300-1531

من

责任编辑：玛丽亚木·买买提依明

责任校对：阿斯亚·艾合买提

阿拉伯文学简史（维吾尔文）

汉密尔顿·阿·基布 著

巴吾东·哈德尔 译

新疆人民出版社出版

（乌鲁木齐市解放南路348号 邮政编码830001）

新疆新华书店发行

新疆人民出版社微机室排版

喀什维吾尔文出版社印刷厂印刷

787×1092毫米 32开本 8.125印张 2插页

1983年10月第1版 1998年10月第2次印刷

印数：130,01 — 18000

ISBN7-228-04196-8/1·1531 定价

10.00元